एलोपैथिक

पेटेण्ट मेडिसिन्स

(Allopathic Patent Medicines)

[अप-टु-डेट संस्करण]

मेडिकल पुस्तक भवन
वाराणसी
प्रकाशक

लेखक—

डॉ० अयोध्यानाथ पाण्डेय

प्रकाशक :—

मेडिकल पुस्तक भवन,

गोला दीनानाथ, वाराणसी ।

●

●

सोलहवाँ संस्करण

●

मूल्य—चौदह रुपये मात्र

●

सम्पादक—डॉ० केशवानन्द नौटियाल

ए० एम० एस० (का० हि० वि० वि०)

●

मुद्रक—

बैजनाथ प्रसाद

कल्पना प्रेस,

रामकटोरा रोड, वाराणसी ।

सम्पादकीय

चिकित्सा-शास्त्र की तीव्र प्रगति के साथ पेटेण्ट मेडिसिनों की संख्या-वृद्धि स्वाभाविक ही है। परन्तु आज तो मरक के समान बढ़ती हुई औषधियों एवं छूत के समान फैलते हुए उनके नामों ने जन-समाज को एक प्रकार से भ्रमित-सा कर दिया है। 'जिड', 'प्लेक्स', 'विटा', 'फोर्ट', 'जाइड', 'सिन', 'टिन', 'विन', कार्ट आदि नामों के चक्कर में यह समझना कठिन हो गया है कि कौन-सी औषधि किस प्रकार अथवा किस श्रेणी की है। आज तो एक ही औषधि भिन्न-भिन्न कम्पनियों द्वारा विभिन्न नामों द्वारा प्रस्तुत होने से कभी बिलकुल ही अलग प्रकार की मालूम पड़ती हैं जब तक कि उनका फार्मूला न पढ़ लिया जाय। ऐसी स्थिति में यह आवश्यक प्रतीत हुआ कि इन औषधियों का वर्गीकरण कर, वर्ग के अनुसार उनके गुण दोषों पर विचार किया जाय। वस्तुतः स्पष्ट वर्गीकरण एक कठिन समस्या है, क्योंकि एक ही पेटेण्ट औषधि में अनेक प्रकार के द्रव्य मिले होने के कारण वह अनेक रोगों में प्रयुक्त हो सकती है, फिर भी उनमें कुछ मुख्य गुण समान होने के कारण उन्हें विशिष्ट वर्गों में रखा गया है। वर्गानुसार गुणावगुणों का विचार कर प्रत्येक औषधि का पृथक् गुण, मात्रा, प्रयोगविधि तथा निर्माता आदि का उल्लेख किया गया है। समय की आवश्यकता तथा औषधियों की बहुलता एवं विशेषता होने के कारण विटामिन एवं टॉनिकों पर अधिक विस्तार से लिखा गया है। नवीन जीवाणु-विरोधी औषधियों की उपयोगिता को देखते हुए इस वर्ग का विशेष विस्तार किया गया है। मस्तिष्क पर काम करने वाली औषधियों का, जिनकी महत्ता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है पृथक् अध्याय में समावेश किया गया है। बच्चों के भोजन व बाल रोगों पर प्रयुक्त होने वाली, रक्तस्राव रोकनेवाली, आँख, कान, नाक की औषधियों का समावेश इस पुस्तक की विशेषता है।

यों तो पंद्रह संस्करणों का शीघ्र समाप्त हो जाना स्वतः इस पुस्तक की उपादेयता सिद्ध करता है परन्तु मैं यह भी निवेदन करना उचित समझता हूँ कि यह पूर्ण एवं निर्दोष संस्करण नहीं है, विशेषतः वर्गीकरण में अनेक त्रुटियाँ रह गई हैं। वर्गीकरण के कारण ही औषधियों को अकाराद्यनुक्रम से सभी जगह रखना सम्भव नहीं हुआ। कृपालु पाठकों से निवेदन हैं कि नीर-क्षीर विवेक कर त्रुटियों को त्यागते हुए उत्तम अंश को ही ग्रहण करें। इस सोलहवें संस्करण को भी गत संस्करणों की सभी विशेषताओं के साथ तथा यत्र-तत्र पायी जानेवाली त्रुटियों को सावधानीपूर्वक सुधारते हुए पाठकों की सेवा में उपस्थित किया जा रहा है।

इस पुस्तक में ११० से अधिक कम्पनियों की दवाओं का उल्लेख है। उनके नामों की सूची अलग से दी गयी है।

भवदीय—

केशवानन्द नौटियाल

कम्पनियों के नामों की सूची

इस पुस्तक में निम्नलिखित एक सौ दस से अधिक कम्पनियों की पेटेण्ट औषधियों का उल्लेख किया गया है :—

आई० सी० आई० (I. C. I.)
बायर (Bayer)
ब्लम एण्ड फिलिप्स (Blum & Philips)
एलबर्ट डेविड (Albert David)
इण्डो फार्मा (Indo Pbarma)
विटामिन लेबोरेटरीज (Vitamin Laboratories)
जर्मन रेमिडीज (German Remedies)
जियोफ्री मैनर्स (Geofry Manners)
लेडरली (Lederle)
ओरियण्टल फार्मास्युटिकल्स (Oriental Pharmaceuticals)
कीमो फार्मा (Chemo-Pharma)
जॉनसन एण्ड जॉनसन (Johnson and Johnson)
हिन्द केमिकल (Hind Chemical)
एडको (Adco)
डोल्फिन लेबोरेटरीज (Dolphin Laboratories)
मिलनेक्स लेबोरेटरीज (Millnex Laboratories)
लेबोरेटरीज ऑर्गासिन (Laboratories Orgasyn)
रोडिया (Rhodia)
मर्क शार्प एण्ड डोम (Merk Sharp and Dhome)
फरोसन मैनुफैक्चरिङ्ग केमिस्ट (Ferosan Manufacturing Chemists)
फिनोकेम लेबोरेटरीज (Finochem Laboratories)
आरपाइक प्राइवेट लि० (Arpike Pvt. Ltd.)
जैपुर फार्मास्युटिकल वर्क्स (Jaipur Pharmaceutical Works)
बेंगर (Bengar)
स्टैडमेड (Stadmed)
बृटिश ड्रग हाउस (British Drug House)
स्ट्रॉंग कार्ब एण्ड को० (Strong Carb and Co.)
इण्डो फ्रेञ्च (Indo French)
वाटरबरीज केमिकल (Waterburry's Chemical)

ल्यूटोपोल्ड (Luitopold)
आस्टा (Asta)
नॉल (Knoll)
अँबट (Abbott)
लेपिटिट (Lepitit)
कॉण्टिनेण्टल ड्रग कम्पनी (Continental Drug Co.)
भारती केमिकल (Bharati Chemical)
इण्डियन हेल्थ (Indian Health)
थिरैप्युटिक फार्मास्युटिकल्स (Therapeutic Pharmaceuticals)
बी० एस० एण्ड को० (B. S. and Co.)
आरपी (Arpi)
जी० डी० ए० (G. D. A.)
इण्डस्ट्रियल एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट (Industrial and Research Institute)
कैडिला लेबोरेटरीज (Cadila Laboratories)
सायनोगी (Syanogi)
राउसेल (Roussel)
ड्यूमेक्स (Dumex)
दी नॉक्स (The Nox)
गेगी (Geigy)
स्क्विब (Squibb)
विन्थ्रॉप (Winthrop)
मार्टिन एण्ड हेरिस (Martin and Harris)
सेमिट प्रोडक्ट्स प्रा० लि० (Semit Products Pvt. Ltd.)
टीटेण्टो फार्मास्युटिकल्स (Tetento Pharmaceuticals)
कलिंग फार्मा (Kalinga Pharma)
यूनीक फार्मास्युटिकल लैब्स (Unique Pharmaceutical Labs)
बूट्स (Boots)
यू० एस० वी० एण्ड पी० (U. S. V. & P.)
फाइजर (Pfizer)
जी० डब्लू० कार्नारिक (G. W. Carnarik)
वाण्डर फार्मेड (Wander Pharmed)

सीगफ्रेड (Sigfreid)
बोहरिंगर नॉल (Boehringar Knoll)
बंगाल इम्यूनिटी (Bengal Immunity)
सीबा (Ciba)
स्मिथ क्लीन एण्ड फ्रेञ्च (Smith Kline and Franch)
टी० सी० एफ० (T. C. F.)
वार्नर लैम्बर्ट (Warner Lambert)
ग्लैक्सो (Glaxo)
ग्लुकोनेट (Gluconate)
एम० बी० (M. B.)
हेक्स्ट (Hoechst)
लीली (Lilly)
सैण्डोज (Sandoz)
कार्लो-अर्बा (Carlo-Erba)
स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)
रोश (Roche)
ड्रेगन केमिकल्स (Dragon Chemicals)
ई० मर्क (E, Merck)
क्रूक्स (Crooks)
डूफर (Duphar)
बरोज वेलकम (Burrough's Wellcome)
यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)
फ्रैंको इण्डियन (Franko Indian)
आर० सी० आई० (R. C. I)
इथिको (Ethico)
मिक लेबोरेटरीज (Mit. Laboratories)
जॉन वेथ (John Weyth)
एलेम्बिक (Alembic)

बंगाल केमिकल (Bengal Chemicals)
ग्रीमाल्ट (Gremault)
ओरियण्टल रिसर्च (Oriental Research)
पार्क एण्ड डेविस (Park and Davis)
थेमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)
सिलाग (Silag)
नियोफार्मा (Neo-Pharma)
रेप्टाकॉस (Raptacos)
सिप्ला (Cipla)
गुरको (Gurco)
डेज मेडिकल (Dey's Medical)
ए० एफ० डी० (A. F. D.)
आल्टा (Alta)
फेयर डील (Fair Deal)
ए. एण्ड एच. (A. and H.)
गरुतमन (Garutman)
विटाड (Vitad)
पाया फार्मास्युटिकल्स वर्क्स (P. P. W.)
बॉयोलॉजिकल इवान्स (Biological Evans)
टैबलेट्स प्राइवेट लि० (Tablets Private Ltd.)
अलका फार्मास्युटिकल्स (Alka Pharmaceuticals)
सेवन सीज (Seven Seas)
लाइका लैब्स (Lyka Labs)
यूनि-यू. सी. बी. (Uni-U.C. B.)
जुपिटर केमिकल वर्क्स (Jupitar Chemical Works)
इथनोर लिमिटेड (Ethnor Ltd.)
डब्लु. टी. सुरेन एण्ड को० लि० (W. T. Suren Co. Ltd.)
मिट लेबोरेटरीज (Mih Laboratories)
रीनो (Reno)

— —

विषय-सूची

अध्याय १

पेट के रोगों की औषधियाँ

अध्याय २

खाँसी, सर्दी, श्वास, टी० बी० की औषधियाँ

अध्याय ३

मूत्र-प्रजनन संस्थान एवं मधुमेह की औषधियाँ

अध्याय ४

शोफ एवं रक्तवह संस्थान के रोगों की औषधियाँ

अध्याय ६

अनिद्रा-अपस्मार-योषापस्मार की औषधियाँ

अध्याय ७

मानसिक व्याधियों की औषधियाँ

अध्याय ८

स्त्री-रोगों की औषधियाँ

अध्याय ९

बाल रोगों की औषधियाँ तथा बच्चों के भोजन

अध्याय १२

बाह्य प्रयोग की औषधियाँ

अध्याय १३

रक्तस्राव रोकने वाली औषधियाँ-Haemostatics

अध्याय १६

विविध रोगों को औषधियाँ

एलोपैथिक पेटेण्ट मेडिसिन्स

अध्याय १

पेट के रोगों की औषधियाँ

खट्टी डकार आना, बदहजमी, मलावरोध अथवा पतले दस्त आना, पेट में दर्द, पेचिश, अफारा, भूख न लगना, अधिक वायु बनना, पेट में भारीपन इत्यादि पेट के रोगों के अन्तर्गत लिये गये हैं। इनमें से अनेक विकारों के लिए यकृत भी उत्तरदायी है। अतः उन योगों को जो यकृत पर कार्य कर उपर्युक्त लक्षणों में आराम पहुँचाते हैं उन्हें भी इस प्रकरण में सम्मिलित कर लिया गया है। कृमियों की दवाएँ भी इसी में शामिल की गई हैं :—

पेट के रोगों को साधारणतः तीन प्रकारों में बाँट सकते हैं—

१. पाचन सम्बन्धी—खाये गये भोजन का ठीक पाचन न होना। पाचन के लिये उत्तरदायी पेट का अम्ल, पाचक एन्जाइम (डायस्टेज, पेप्सिन, अमाइलेज आदि), पित्त आदि हैं। साधारणतः पाचन क्रिया बढ़ाने वाली सभी औषधियों में ये एन्जाइम एक या अनेक, अल्पाधिक मात्रा में रहते हैं। पित्त (Bile) पाचन के साथ मलक्रिया में भी सहायक होता है। भूख लगने तथा यकृत को उत्तेजित करने के लिए तिक्त तत्वों (Bitters) का प्रयोग होता है। भूख न लगने का कारण प्रायः मलावरोध भी होता है। इस स्थिति में सारक द्रव्यों (सनाय, मिल्क आफ मैग्नीशिया, पित्त-बाइल के योग आदि) से युक्त औषधियाँ अधिक लाभ करती हैं। चारकोल पेट की वायु को सोखता है साथ ही केओलीन के समान आंत्रस्थ विषाक्त तत्वों को भी खींच लेता है। केओलीन आँत के अन्दर की दीवालों पर एक परत-सी बनाकर क्षोभक तत्वों से आँत की रक्षा करता है, साथ ही पतले दस्तों को भी बन्द करता है। इन दोनों से ही आँतों की बढ़ी हुई

गति भी कम हो जाती है। पाचन की दुर्बलता तथा भूख न लगने का कारण यदि रक्त की कमी हो तो टॉनिकों के अध्याय में लिखी गई किसी रक्तवर्द्धक औषधि का प्रयोग करना चाहिये।

खट्टी डकार पेट में अधिक अम्ल रहने के कारण आती है। गरिष्ठ पदार्थों का बराबर सेवन या एक बार खाये गये भोजन के पचने से पहले ही दुबारा भोजन कर लेने से यह स्थिति उत्पन्न होती है। मानसिक कारण भी इसके लिए उत्तरदायी होते हैं। यही अम्लता जब बहुत समय तक बराबर बनी रहती है तो अल्सर बन जाते हैं। इस रोग के लिए अम्लविरोधी (अल्यूमिनियम हाइड्रॉक्साइड, मैग० कार्ब०, मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट, बिस्मथ कार्ब० इत्यादि) तत्वों का प्रयोग होता है। इस अम्लविरोधी पेटेण्ट औषधियों में पाचन-क्रिया के अन्य तत्व नहीं मिले होते, हाँ मन पर प्रभाव करने वाले अथवा अल्प सारक (पेट साफ करने वाले) तत्व प्रायः मिले होते हैं, क्योंकि अम्लत्व बढ़ाने में ये दोनों कारण (मन तथा मलावरोध) भी सहायक होते हैं। अम्लविरोधी अनेक औषधियों में कोष्ठबद्धता का दुर्गुण होता है, इसलिये भी सारक द्रव्य मिलाये जाते हैं।

२. ऐंठन सम्बन्धी—पाचन की गड़बड़ी से अथवा किसी संक्रमण से आँतों में तीव्र शूल (Intestinal Colic) होता है। इस कष्ट को दूर करने वाली कुछ को छोड़कर प्रायः सभी औषधियों में बेलाडोना किसी न किसी रूप में रहता है। बेलाडोना आन्त्र के संकोच को कम करता, उसकी वेदना दूर करता तथा गति कम करता है। जो औषधियाँ आन्त्रिक शूल को कम करती हैं प्रायः वे सभी पैत्तिक तथा वृक्क शूल में भी लाभ करती हैं। इन औषधियों में बेलाडोना के अतिरिक्त पेथिडीन, मार्फीन अथवा अन्य वेदनाहर द्रव्य भी मिले हो सकते हैं। इसके लिए वेदना हर योगों को देखें।

३. संक्रमण जन्य—तीव्र अतिसार तथा पेचिश इसी श्रेणी में आते हैं। इन औषधियों में मुख्य रूप से क्वीनोलीन श्रेणी के द्रव्य, क्लोरीक्वीन श्रेणी के द्रव्य तथा सल्फा श्रेणी के द्रव्य होते हैं। ये अमीबा तथा अन्य

जीवाणुओं पर प्रत्यक्ष कार्य करते हैं। सहायक औषधियों में ऐंठन कम करने-वाले तथा बेल अथवा इसबगोल की भूसी जैसे शामक द्रव्य होते हैं। कुछ नई औषधियों में स्ट्रेप्टोमायसिन भी होता है। सूई में इमेटीन का प्रयोग होता है।

अन्य तीव्र संक्रमणों में जीवाणु-विरोधी औषधियों, सूइयों आदि का प्रयोग होता है। इन्हें वहीं देखना चाहिए।

एसिडॉल पेप्सिन
(Acidol Pepsin)

औषधि-मिश्रण—बीटेन हाइड्रोक्लोराइड (Betain Hydrochloride), पेप्सिन (Pepsin)।

प्रयोग—पेट में अम्ल की कमी, अरुचि (Anorexia), आमाशय शोथ (Gastritis), आमाशय पर शल्य कर्म करने के बाद (Postgastrectomy), बच्चों की प्रवाहिका (Diarrhoea) तथा बृहदाकारी रक्ताल्पता (Macrocystic Anaemia) एवं संग्रहणी (Sprue) के कारण आमाशय रस की गड़बड़ी में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१ से ४ टिकिया भोजन के बाद।

निर्माता—बेयर (Bayer)।

एग्रे-एण्टेसिड
(Agre Antacid)

औषधि-मिश्रण—इसमें डाइहाइड्रो एल्यूमिनियम एमाइनो एसिटेट (Dihydro Aluminium Amino Acetate) रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग गैस्ट्रायटिस (Gastritis), प्रपाची व्रण (Gastric और Duodenal ulcer), अम्लत्व (Hyperacidity), अपचन, कलेजे की जलन (Heart burn), आध्मान (Flatulence) तथा पेट

का भारीपन (Gastric Discomfort) एवं वृक्कगत पथरी (Renal Calculii) में करते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में ३-४ बार चूसते हैं।

निर्माता—डूफर कं० (Duphar Co.)।

एल्कोपार

(Alcopar)

औषधि—यह बीफेनियमहाइड्रोक्सीनेफथोएट (Bephenium Hydroxynaphthoate) है।

गुण तथा प्रयोग—यह हुकवर्म, राउण्डवर्म (केंचुवा) तथा प्रतोदकृमि (Whip worm) को पेट से निकालने की औषधि है। इसमें विषाक्तता कम होती है।

मात्रा—एक शीशी या पैकेट ग्रेन्यूल्स जल में घोलकर प्रातःकाल खाली पेट पिलाना चाहिये। २-३ घण्टे तक कोई खाद्य नहीं देते।

निर्माता—बरोज बेलकम एण्ड को०।

एलिक्विन फोर्ट

(Alliquin Forte)

औषधि-मिश्रण—

आयोडोक्लोर-हाइड्राक्सीक्वीनोलीन (Iodochlorhydroxy Quinoline)

टेट्रासाइक्लीन हाइड्रो० (Tetracycline Hcl.)

क्लोरोक्वीन (Chloroquine)

योग—तीव्र और जीर्ण रूप के आमातिसार (Dysentery) तथा एण्टेरोकोलाइटिस (Enterocolitis), आन्त्रेतर अमीनियेसिस (Extraintestinal amoebiasis), में लाभकर है।

मात्रा--१-२ गोली दिन में ३ बार दस दिन तक देते हैं। बच्चों में मात्रा आयु के अनुसार।

निर्माता--एलेम्बिक।

एलिसेटिन

(Allisatin)

औषधि-मिश्रण—यह शुगर कोटेड गोली के रूप में आती है। यह १ ग्रेन गार्लिक चारकोल के चूर्ण मिश्रित रूप में आती है; अतः यह औषधि गार्लिक का एक पूर्णरूप से मिश्रित योग है। यह औषधि गन्धरहित अक्षोभक गुण रखती है।

गुणकर्म—गार्लिक (लहसुन) आँतों में एक प्रकार का शामक प्रभाव दिखाता है और उसके कार्य को समुचित रूप से व्यवस्थित रखता है। साथ ही चारकोल के साथ रहने से यह आँतों के समस्त क्षोभक विषाक्त तथा सड़े-गले पदार्थों को निष्कासित करता है।

प्रयोग—उपरोक्त गुणों के आधार पर औषधि एक उत्तम अतिसार निरोधी, पाचक एवं वातशामक औषधि है। अतः ग्रीष्मकालीन अतिसार, विषाक्त अतिसार (Toxic Diarrhoea), ऐंट्रोकोलायटिस (Enterocolitis), आन्त्रिक समस्त विकार (All Intestinal Disorders), पेट फूलना (Flatulence) विशेषकर वृद्ध व्यक्तियों में यह औषधि उत्तम प्रभावकारी है।

मात्रा— २ से ३ गोली दिन में तीन बार। इन गोलियों को भोजन के

पूर्व प्रतिदिन निगल जाना चाहिए। बच्चों को इन गोलियों को पीसकर शहद, चीनी, फल के रस, पानी के साथ दे सकते हैं।

निर्माता—सैण्डोज कम्पनी।

एल्यूजेल
(Allugel)

औषधि-मिश्रण—यह एल्यूमिनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium-Hydroxide) से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह पक्वाशय के घाव (Gastric ulcer), उदराध्मान (Flatulence), अम्लत्व की अजीर्णता (Acid Dyspepsia), डकार (Eructations) आदि रोगों में उपयुक्त औषधि है।

मात्रा—चिकित्सक के आदेशानुसार मात्रा लेनी चाहिए।

मिश्रण—यूनिकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

एल्युजेल डी० एफ०
(Allugel D F)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक टिकिया में अल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड जेल (Alluminium Hydroxide Gel)

मैग्नेशियम हाइड्रोक्साइड (Magnesium Hydroxide)

मैग्नेशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)

मेथिल पोलीसिलोक्सेन (Methyl Polysiloxaine)

प्रयोग—हाइपरएसिडिटी (Hyperacidity) और गैस्ट्रिक अल्सर (Gastric ulcer) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में कई बार आवश्यकतानुसार चबाकर खायें।

निर्माता—यूनिकेम (Unichem)।

एल्यूसिनाल
(Alucinol)

औषधि-मिश्रण—एल्यूमिनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium Hydroxide)
एल्यूमिनियम ग्लायसिनेट (Aluminium Glycenate)

प्रयोग—पेप्टिक एवं डूओडिनल अल्सर (Peptic and Duodenal-ulcer) में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—फ्रैंको इंडियन फार्मास्युटिकल्स (Faranco Indian Pharmaceticals)।

एलूड्राक्स
(Aludrox)

औषधि-मिश्रण—
एल्यूमिनाइहाईड्रोक्साइडी (Aluminii Hydroxidi)
सोडी बेन्जोआस (Sodii Benzoas)
ग्लिसिरिनम (Glycerinum)
एरोमेटिक्स (Aromatics)
एक्वाडिस्टीलटा (Aqua Distillata)

प्रयोग—यह प्रपाच्य व्रण या घाव (Peptic ulcer), पक्वाशय का अमलत्व (Gastric Acidity), अम्लत्व के कारण प्रातःकाल का रोग (Morning Sickness due to Acidity) आदि रोगों में प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में ५ से ६ बार दिन भर में प्रयोग करना चाहिये। यह दवा टिकिया में भी मिलती है। १ से १½ टिकिया तक नित्य ५ से ६ बार सेवन करना चाहिये। ऊपर से आधा गिलास पानी

पीना चाहिये। चिकित्सक की राय से मात्रा तथा समय में कमी-वेशी को जा सकती है।

निर्माता—जान वेथ एण्ड ब्रदर्स लिमिटेड, अमेरिका।

अल्विजाइम

(Alvizyme)

औषधि-मिश्रण—

पेपेन (Papain)
पेप्सिन (Pepsin)
डायस्टेज (Diastase)
विटामिन ब१ (Vit. B_1)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
विटामिन बी६ (Vit. B_6)
नियासिनामाइड (Niacinamide)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Cal. Pantothenate)

प्रयोग—क्षुधानाश (Dyspepsia) तथा पाचक तत्वों (Digestive enzymes) की कमी से होने वाले रोगों में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में दो वार भोजनोपरान्त।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी।

अमीजोल

(Amezole)

औषधि—यह मेट्रोनिडाजोल (Metronidazole) २०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग--अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) और ट्राइकोमोनास जन्य संक्रमण (Tricomonas vaginalis infection) यथा श्वेतप्रदर (Leucorrhoea) में लाभदायक है।

मात्रा—अमीबिक अतिसार में २ टिकिया दिन में ३ बार ५ दिन तक देते हैं। श्वेतप्रदर में १ टिकिया दिन में ३ बार ७ दिन तक देते हैं।

निर्माता—डब्लु० टी० सुरेन एण्ड को० लि० (W. T. Suren Co. Ltd.)

एमीबिआर्सन
(Amibiarson)

औषधि मिश्रण—पी० कार्बेमिनोफिनाइल आर्सेनिक एसिड (P-Carbaminophenyl arsenic acid) से यह दवा तैयार होती है।

प्रयोग—विशेषतया पुराने आन्त्रिक अमीबियेसिस (Intestinal Amoebiasis) में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—लगातार १० दिन तक नित्य दो टिकिया (१ टिकिया सुबह और १ टिकिया रात्रि में) खाना खाने के बाद सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल एण्ड फार्मास्युटिकल वर्क्स, कलकत्ता।

एमिक्लीन
(Amicline)

औषधि-मिश्रण—क्लोरोक्वीन (Chloroquine)
डाइआयोडोहाइड्राक्सी क्वीनोलीन (Di-Iodohydroxy quinoline)
टेट्रासाइक्लीन (Tetracycline)

प्रयोग—सब प्रकार की अमीबियेसिस (Amoebiasis), यकृत विद्रधि

(Liver Abscess), अन्य यकृत रोग—कामला (Jaundice) इत्यादि की उत्तम औषधि है ।

मात्रा—१ गोली ३-४ बार ।

निर्माता—ग्रीमाल्ट कम्पनी ।

अमीबिण्डान

(Amoebindon)

औषधि—यह डाइ-आयोडोहाइड्रोक्सीक्विन (Di-Iodohydroxy-quin) की टिकिया है । प्रत्येक टिकिया में ३०० मिलिग्राम औषधि रहती है ।

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) की औषधि है । बैलन्टीडिया के संक्रमण (Balantidial infection), लैम्ब्लियेसिस (Lambliasis), आन्त्रशोथ (Colitis) एवं गर्मियों के अतिसार (Summer diarrhoea) में भी लाभदायक है ।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार ।

निर्माता—इण्डो फार्मा ।

एमीक्विन

(Amoequin)

औषधि-मिश्रण—कुर्ची बिस्मथ आयोडाइड (Kurchi Bismuth Iodide) ।

क्वीनोलीन(Quinoline) ।

केओलिन एण्ड एक्सीपियेन्ट्भ (Kaolin & Excipients) ।

प्रयोग—यह रक्तामाशय (Amoebic dysentery) तथा दस्त आँव Diarrhoea) में लाभप्रद औषधि है ।

मात्रा—१ से ३ टिकिया तक नित्य तीन बार सेवन करना चाहिये ।

निर्माता—ओरियण्टल रिसर्च एण्ड केमिकल लेबोरेटरीज, हवड़ा।

एनाबिन

(Anabin)

औषधि-मिश्रण—बिस्मथ आयोडाइड (Bismuth Iodide)

टोटल आलकेलायड्स आफ कुर्ची (Total Alkaloids of kurchi)

प्रयोग—नये तथा पुराने हर प्रकार के अतीसार रोग (Dysentery) की बहुमूल्य दवा है।

मात्रा—दो से चार टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—बंगाल केमिकल एण्ड फार्मास्युटिकल वर्क्स; कलकत्ता।

एनेसिडिल

(Anacidil)

औषधि-मिश्रण—मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)

ड्राइड एलुमिनियम हाइड्रोक्साइड (Dried Aluminium Hydrocide)।

प्रयोग—आमाशय में अम्ल की अधिकता (Hyperchlorhydria) और पेप्टिक व्रण (Peptic ulcer) में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से ४ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—सेमिट प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (Semit Products Pvt. Ltd.)

एण्टीपार

(Antepar)

औषधि—यह पाइपिराजीन (Piperazine) का सिरप है। प्रत्येक टिकिया अथवा १ चम्मच एलिक्जर (Elixir) में ५०० मि० ग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—केंचुआ (Round worms) और सूत्र-कृमि (Thread worms) में लाभदायक है।

मात्रा—दो चम्मच प्रातः-सायं।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

टिप्पणी—इसी प्रकार का जी० डी० ए० (G. D. A.) का एण्टाजिन (Antazin) सिरप आता है।

एण्ट्रीनिल
(Antrenyl)

औषधि—यह ऑक्सीफिनोनियम ब्रोमाइड (Oxyphenonium Bromide) है।

प्रयोग—उदर शूल (Gastro-intestinal Pain), प्रपाचीय व्रण (Peptic ulcer), पैत्तिक शूल (Biliary colic), शैशवी वमी (Infantile vomiting), शैशवी अतिसार (Infantile diarrhoea) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया अथवा १५ से २० बिन्दु ४ बार। मात्रा धीरे-धीरे आवश्यकतानुसार बढ़ा सकते हैं।

निर्माता—सिबा (Ciba)

टिप्पणी—अधिक देर तक कार्य करनेवाली एंट्रीनिल डुप्लेक्स (Antrenyl Duplex) टिकिया भी मिलती है। इसमें दुगुनी मात्रा में औषधि होती है और दुगुने समय तक कार्य करती है।

एरेलिस टैबलेट्स
(Aralis Tablets)

औषधि-मिश्रण—

ग्लाइकोबाइआर्सोल (Glycobiarsol)

क्लोरोक्वीन फॉस (Chloroquine Phos)

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) एवं उसके उपद्रवों की उत्तम औषधि है।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ३ बार।

एटेबलोन

(Atabelone)

औषधि-मिश्रण—बेलाडोना के एल्कालोयड (Alkaloids of belladonna)

हाइड्रॉक्सिजीन हाइड्रोक्लोराइड (Hydroxyzine Hcl.)

प्रयोग—हाइपरएसिडिटी (Hyperacidity), पेप्टिक अल्सर (Peptic ulcer) और उद्वेष्टयुक्त अवस्थाओं में लाभप्रद है।

मात्रा—प्रारम्भ में आधा टिकिया फिर १ टिकिया दिन में २-३ बार।

निर्माता—यू० सी० बी० (u. c. b.)

बारडेज

(Bardase)

औषधि-मिश्रण—इस औषधि में बेलाडोना का क्षाराभ, फीनोबार्बिटोन, टाकाडायस्टेस का मिश्रण है।

प्रयोग—मुख्यतः इसका प्रयोग आमाशयिक शूल, आंत्र-प्रदाह, प्रपाची व्रण (Peptic ulcer), कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea) तथा अन्य आकुञ्चन युक्त (Spasmodic) अवस्थाओं में होता है।

मात्रा—बच्चों में इसका लिक्विड तथा बड़ों में कैप्स्यूल के रूप में प्रयोग होता है जिसकी मात्रा का निर्धारण रोग की उग्रता तथा रोगी की अवस्था के अनुसार निर्धारित किया जाता है। साधारणतः १-२ टिकिया दिन में ३ बार या १-२ चम्मच दिन में तीन बार देते हैं।

पैकिंग—२० और १०० टिकियों की शीशी तथा ११४ मि० लि० की शीशी में आता है।

निषेध—ग्लाँकोमा (Glaucoma) तथा बार्बिचुरेट की असह्यता (Barbiturate Sensitve) वाले रोगियों को नहीं देनी चाहिए।

निर्माता—पार्क डेविस, बम्बई।

बायोक्लोर

(Bioclor)

औषधि—(अ) बायोक्लोर प्लेन टैबलेट में ग्लाइकोबियारसोल, क्लोरोक्वीन फास्फेट, थायामिन मोनोनाइट्रेट इत्यादि औषधियाँ होती हैं।

(ब) बायोक्लोर कम्पाउण्ड टेबलेट में क्वीनिओडोक्लोर (Quiniodochlor), ग्लाइकोबिआरसोल (Glycobiarsol), सल्फाडाइमिडीन (Sulphadimidine), क्लोरोक्वीन फास्फेट (Chloroquine Phosphate), प्रोपैन्थेलिन ब्रोमाइड (Propantheline Bromide) इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—बायोक्लोर प्लेन का प्रयोग केवल अन्त्रिक तथा आन्त्र बाह्य एमीबिएसिस (Intestinal & Extra Intestial Amoebiasis) एवं अतिसार में करते हैं, परन्तु बायोक्लोर कम्पाउंड का प्रयोग एमीबिक तथा बेसिलरी डीसेण्ट्री, समर डायरिया, फरमेण्टिक अतिसार एवं कोलायटिस (Colitis) में भी करते हैं।

मात्रा—१ से २ गोली दिन में तीन बार आवश्यकतानुसार प्रयोग करते हैं।

निर्माता—थेमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

बाइ-कोले्स
(Bi-Colates)

औषधि-मिश्रण—बाइल साल्ट्स (Bile Salts)

ड्राइ एक्सट्रैक्ट कैस्करा सैग्रैडा (Dry Extract Cascara Sagrada)

फीनोफ्थलीन (Phenolphthalein)

ओलियोरेजिन जिंजर (Cleoresin Ginger)

प्रयोग—यकृत विकृति Hepatic insufficiency), कोष्ठबद्धता की आदत (Habitual Constipation), यकृत की चिरकारी निष्क्रिय संकुलता (Chronic Passive Congestion of the Liver), पित्ताशय-शोथ (Cholicystitis) में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ टिकिया सोते समय या १ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—मार्टिन एण्ड हेरिस (Martin Harris)

बिसारिन विथ क्लोरोक्वीन
(Bisaren With Chloroquine)

औषाध-मिश्रण – इसकी प्रत्येक गोली में Bismuth Glycolyarsanilate तथा क्लरोक्वीन फास्फेट (Chloroqulne Phosphate) रहता है।

प्रयोग—यह Vegetative और Cystic दोनों प्रकार के Entamoeba Histolyiica में कार्य करती है। अतः इसका प्रयोग आन्त्रिक एवं बाह्य आन्त्रिक अमीबियेसिस (Amoebiasis) में लाभ करता है। इसके अतिरिक्त मलेरिया एवं यकृत विकारों में भी लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में तीन बार सात दिन तक।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Co.)

बिटर पिल्स
(Bitter Pills)

औषधि-मिश्रण—

सैण्टोनिन (Santonin)

फीनॉफ्थैलीन (Phenolphtha!ein)
कैलोमल (Calomel)
प्रयोग—केंचुवा (Round worm) की औषधि है ।
मात्रा— २ टिकिया सोते समय। बच्चों को १ टिकिया।
निर्माता—ई० आई० पी० डब्लू० (F. I. P. W.)

कैमोफार्म
(Camoform)

औषधि-मिश्रण—यह Bialiylamicol Hcl. का उत्तम योग है।

प्रयोग—सब प्रकार के एमीबिएसिस (Amoebiasis) में लाभ करती है।

मात्रा—१–२ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke & Devis)

कैम्फोरोडाइन
(Camphorodyne)

औषधि-मिश्रण——कैम्फर (Camphor)
क्लोरोफार्म (Chloroform)
आयल मेन्थ० पिप (Oil Menth. Pip.)
टिंचर कैनाबिस इण्डिका (Tr. Cannabis Indica)
मार्फीन हाइड्रोक्लोर (Morphine Hydrochlor)
एसिड हाइड्रोसियानिक डिल (Acid Hydrocyanic Dil.)

प्रयोग—यह अजीर्ण (Diarrhoea), कै होना (Vomiting), पेट में दर्द (Stomach pain) आँतों की शूल वेदना (Intestinal Colic), हैजे का दस्त (Choleraic diarrhoea) आदि रोगों में सफलतापूर्वक प्रयोग की जाती है।

मात्रा—१५ से ३० बूँद की मात्रा में आधा औंस जल के साथ मिलाकर दो-दो घण्टे पर सेवन कराना चाहिये। चिकित्सक की राय से औषधि की मात्रा में तथा समय में कमी-बेशी की जा सकती है।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

कारबरसोन

(Carbarsone)

औषधि-मिश्रण—१८% आर्सेनिक (Arsneic) का योग है।

प्रयोग—सब प्रकार की एमीबिएसिस (Amoebiasis) तथा Tropical Eosinophilia. में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में २ बार प्रयोग करते हैं।

निर्माता—बरोज वेल्कम (Burroughs Wellcome Co.)

कार्बो गुएनिकल

(Carbo Guanical)

औषधि-मिश्रण—ऐक्टिव चारकोल (Active Charcoal)

सल्फाग्वानिडीन (Sulphauanidine)

बिस्मथ सब नाइट्रेट (Bismuth Sub-nitrate)

बौलस एल्बा (Bollus alba)

पेक्टिन (Pectin)

प्रयोग—अजीर्ण रोग में इसका प्रयोग लाभप्रद है।

मात्रा—चिकित्सक के ऊपर निर्भर है।

निर्माता—सिलाग, स्विट्जरलैण्ड।

कार्बोग्वानीसिल
(Carbo Guanicil)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में चारकोल (Charcoal)
बिस्मथ सबनाइट्रेट (Bismuth Subnitrate)
पेक्टिन (Pactin)
सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine) रहता है।

प्रयोग—तीव्र एवं जीर्ण प्रकार के ग्रैस्ट्रोइण्टेरायटिस, सब प्रकार के अतिसार, फूड प्वायजनिंग (Food poisoning) तथा आध्मान (Flatulence) में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—३-३ गोली दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—नियोफार्मा कम्पनी (Neo-Pharma Co.)

कार्बो केओलान विथ बेलाडोना
(Carbo Kaolin with Blladonnea)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम कार्बोनेट (Calcium Carbonate)
मैग्नेशियम कार्बोनेट (Magnesium Carbonate)
विस्मथ कार्बोनेट (Bismuth Carbonate)
मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)
एल्युमीनियम हाइड्राक्साइड (Aluminium Hydroxide)
एक्सट्रैक्ट बेलाडोना सिक्कम (Ext. Belladonna Siccum)
पैन्क्रियाटनि (Pancreatin)
केओलीन (Kaolin)
एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग—कलेजे में जलन (Heart burn), भोजन के पूर्व अथवा पश्चात् दर्द का होना, आमाशय का व्रण (Gastric ulcer) तथा छोटी

अँतड़ियों के घाव में लाभप्रद औषधि है। गर्मी की ऋतु में बच्चों के दस्त की उत्तम दवा है।

मात्रा—१ चम्मच दवा थोड़े से दूध अथवा जल के साथ नित्य २ से ३ बार सेवन करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

कार्बो केओलीन

(Carbo-Kaolin)

औषधि-मिश्रण—इसमें निम्नलिखित औषधियों का मेल है :—

कैल्शियम कार्बोनेट (Calcium Carbonate)

मैग्नीशियम कार्बोनेट (Magnesium Carbonate)

बिस्मथ कार्बोनेट (Bismuth Carbonate)

मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)

एल्यूमिनियम हाइड्राक्साइड (Aluminium-Hydroxide)

पैन्क्रियाटीन (Pancreatin)

केओलीन (Kaolin)

एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग—कलेजे में जलन (Heart burn), भोजन के पूर्व अथवा पश्चात् दर्द का होना, आमाशय का व्रण (Gastric ulcer) तथा छोटी अँतड़ियों के घाव में लाभप्रद औषधि है। गर्मी की ऋतु में बच्चों के दस्त की उत्तम दवा है।

मात्रा—१ चम्मच दवा थोड़े से दूध अथवा जल के साथ नित्य २ से ३ बार सेवन करना चाहिए। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार कम होगी।

निर्माता—एलेम्बिक, बड़ौदा।

केटॉक्सिल

(Catoxyl)

औषधि-मिश्रण—यह एल्युमीनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium Hydroxide)

सोडियम बेन्जोएट (Sodium Benzoate) का उत्तम योग है।

प्रयोग—हाइपरएसिडिटी (Hyperacidity) तथा आमाशयिक व्रण (Peptic ulcer) में प्रयोग करते है।

मात्रा—१ चम्मच या १ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Reptakos Co.)

कैटॉकसीबेल

(Catoxybel)

औषधि-मिश्रण—

ड्राइड एलुमिनियम हाइड्रोक्साइड जेल (Dried Aluminium Hydroxide jel)

मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magensium Trisilicate)

बेलाडोना एल्कलायड (Belladonna alkaloids)

फीनो-बार्बिटोन सोडियम (Phenobarbitone Sodium)

प्रयोग—उदर में अम्लाधिक्य (Hyperchlorhydria) और प्रपाची व्रण (Peptic ulcer) पेप्टिक अल्सर में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ से ६ बार।

निर्माता—रेप्टाकॉस ब्रेट एण्ड कम्पनी लि० (Reptakos Brett and Co. Ltd.)

केम-डाइजेस्टान फोर्ट टैबलेट
(Chem-Dilgeston Forte Tablets)

औषधि-मिश्रण—
पेप्सिन (Pepsin)
पैंक्रियेटिन (Pancreatin)
एमाइलेज (Amylase)
प्रोलेज (Prolase)
सीलेज (Cellase)

प्रयोग—अपचन में प्रयुक्त होती है। सभी प्रकार के खाद्य पदार्थों का पाचन करती है।

मात्रा—१ टिकिया भोजन के बाद।

निर्माता—कीमो फार्मा (Chemo-Pharma)

क्लोरोडाइन
(Chlorodyne)

औषधि-मिश्रण—
एक्सट्रैक्ट ग्लिसराइजा लि० (Ext. Glycyrrhiza Liq.)
क्लोरोफार्म (Chloroform)
ग्लिसरीन (Glycerine)
आयल आफ क्लोव (Oil of Clove)
लाइकर एट्रोपिन सल्फेट (Liqr. Atropine Sulphate)
मार्फीन हाइड्रोक्लोर (Morphine Hydrochlor)

प्रयोग—यह पेट के विभिन्न रोगों की उत्कृष्ट दवा है। वायुशूल (Colic), कै (Vomiting), दस्त (Diarrhoea), रक्तामाशय (Dysentery), स्नायुशूल (Neuralgia), मांसपेशी तथा गठियावात

(Muscular and Rheumatic Pains), ऐंठन (Cramps) आदि में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१० से ३० बूँद की मात्रा में ½ औंस पानी के साथ प्रयोग करना चाहिए। दो-दो घण्टे पर दवा दुहराई जा सकती है।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

क्लोरिडोक्विनॉल
(Chloridoquinol)

औषधि—यह ५, क्लोरो ७, आयोडो ८, हाइड्रॉक्सी क्विनोलीन (5, (Chloro 7, Iodo 8, Hydroxyqunoline) की टिकिया है।

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) में लाभकर है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता-जी० डी० ए० केमिकल्स लि. (G. D. A. Chemicals Ltd.)

क्लोरोस्ट्रेप
(Chlorostrep)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरेम्फेनिकाल (Chloramphenicol)

स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin)

गुण तथा प्रयोग—बेसिलरी डिसेन्टरी (Bacillary Dysentery) गैस्ट्रो-इण्टेराइटिस (Gastro Enteritis) तथा आन्त्र के तीव्र उपसर्गों की उत्तम औषधि है।

मात्रा—प्रथम मात्रा २ से ४ कैप्सूल। तदुपरान्त १ से २ कैप्सूल प्रति १ से ४ घण्टे पर।

इसका अवलम्बन, (Chlorostrep Suspension-क्लोरोस्ट्रेप सस्पेंशन)

मिलता है। जिसके १ चम्मच द्रव में १ कैप्सूल के बराबर औषधि रहती है। बच्चों के लिए उत्तम है।

निर्माता—पार्कडेविस (इण्डिया) लि०।

सिबाल्जिन कम्पोजिटम
(Cibalgin Compositum)

औषधि-मिश्रण—

अमीडोपायरीन (Amidopyrine)

एलोबार्बिटोन (Allobarbitone)

एडिफेनीन हाइड्रोक्लोराइड ६ एच. (Adiphenine Hydrochloride 6 H.)

कोडीन फॉस्फेट (Codein Phosphate)

प्रयोग—आन्त्रशूल (Intestinal Colic), पैत्तिक शूल (Biliary Colic), वृक्कशूल (Renal Colic), माइग्रेन (Migraine), कृच्छ्रार्तव (Dysmenorrhea), सिरदर्द (Headache), इन्फ्लुएन्जा (Influenza) में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—सिबा (Ciba)

कौलैक्स
(Colax)

औषधि-मिश्रण—यह दवा डाइहाईड्राक्सीथेलोफीनॉन (Dihydroxypthalophenone) से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह दस्तावर दवा है। इसके सेवन से पाखाना एकदम साफ आता है। उन लोगों के लिए विशेष लाभप्रद है जो कब्जियत के पुराने मरीज हों या इसके आदी हों।

मात्रा —सोने के समय १ से ३ टिकिया की मात्रा में खिलाने से सुबह एकदम साफ पाखाना आ जायगा। बच्चों को ½ से १ टिकिया तक देना चाहिये।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

कम्बिजाइम
(Combizyme)

औषधि-मिश्रण—

लाइपेज (Lypase)

प्रोटियेज (Protease)

अमाइलेज (Amylase)

हेमिसैलुलेज (Hemicellulase)

सैलुलेज (Cellulase) इत्यादि।

प्रयोग—क्षुधानाश (Dyspepsia), आध्मान (Flatulence), अतिसार तथा अन्य आमाशय एवं आन्त्रिक उपसर्गों में लाभप्रद है।

निर्माता—नियोफार्मा।

कोमाइसिन सिरप एवं टैबलेट
(Comycin Syrup and Tablets)

औषधि-मिश्रण —

स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin)

डाइहाइड्रोस्ट्रेप्टोमाइसिन (Dihydrostreptomycin)

प्रयोग—बेसिलरी डिसेण्टरी (Bacillary Dysentery), शिशुओं का आन्त्रामाशय शोथ (Gastroenteritis), आन्त्र के शल्य कर्म के पूर्व,

अल्सरेटिव कोलाइटिस (Ulcerative colitis) में द्वितीयक उपसर्गों से बचाव के लिए एवं अमीबिक अतिसार (Amoebic Dyscentery) में लाभदायक है।

मात्रा—१० वर्ष से छोटे बच्चों को २ चम्मच दिन में २ बार तथा बड़ों को २ चम्मच दिन में ४ बार। टिकिया बच्चों को दिन भर में ५-६ तथा बड़ों को १० देनी चाहिये।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

क्रीमोमाइसिन
(Cremomycin)

औषधि-मिश्रण—

सक्सिनिल सल्फाथियाजाल (Succinyl-Sulyhathiazole)

नियोमाइसिन (Neomycin)

पेक्टिन (Pectin)

केओलिन (Kaolin)

प्रयोग—अनेक प्रकार के अतिसार (Dysenteries) एवं प्रवाहिका (Diarrhoeas) में लाभकर है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार।

टिप्पणी—नियोमाइसिन रहित (Without Neomycin) यही औषधि क्रीमोसक्सीडीन (Cremosuxidine) के नाम से मिलता है।

निर्माता—एम० एस० डी० (M. S. D.)

नियोमाइसिन (Neomycin) युक्त अतिसार की अन्य औषधियाँ :—

१—कैल्टिन विद निसोमाइसिन (Caltin with Neomycin) अबाट (Abbott)

क्रोयाजीन सिरप

(Croyazine Syrup)

औषधि—इसके प्रत्येक चाय चम्मच भर (४ मिलि०) द्रव में पाइपीराजीन हाइड्रेट (Piperazine hydrate) ५०० मिग्रा० रहता है।

प्रयोग—सूत्र कृमि (Thread worm) और केंचुवा (Round worm) में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—सूत्र कृमि में २ चम्मच दिन में २ बार आठ दिन तक और केंचुवा में ६ चम्मच की एक मात्रा केवल एक बार देते हैं।

निर्माता—बिडिल सेवेयर एण्ड को० (Biddle Sawyer & co.)

क्रिस्टायड्स

(Crystoids)

औषधि—हेक्सिलरिसार्सिनाल (Hexylresorcinol) का कैप्स्यूल है।

प्रयोग—केंचुआ (Round worms), सूत्रकृमि (Thread worms), अंकुशकृमि (Hook worms), प्रतोद कृमि (Whip worms) एवं स्फीत कृमि (Tape worms) में लाभदायक है।

मात्रा—बड़ों को ५ बड़े कैप्स्यूल और बच्चों को ६ छोटे कैप्स्यूल एक साथ प्रातःकाल दें।

निर्माता—एम० एस० डी० (M. S. D.)

डीकैरिस

(Decaris)

औषधि—यह टेट्रामिसोल (Tetramisole) ५० और १५० मिग्रा० की टिकिया है। छोटी बच्चों के लिये और बड़ी बड़ों के लिए है।

प्रयोग—केंचुवा (Round worm) और हुक वर्म (Hook worm) को बाहर निकालने के काम आता है।

मात्रा—मात्रा शरीर भार के अनुसार है। २·५ से ५ मिग्रा० प्रति कि० ग्रा० शरीर भार के अनुसार है। केंचुवा में इतनी मात्रा रात्रि में १ बार देना पर्याप्त है। हुक वर्म में १२ घण्टे बाद पुनः प्रातःकाल देते हैं। भोजन के बाद देना चाहिए। किसी तैयारी अथवा रेचन की आवश्यकता नहीं।

निर्माता—इथनॉर लि० (Ethonor Ltd.)

———

डेमागाल
(Demagal)

औषधि-मिश्रण—

प्रत्येक गोली में कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate)

पैपेन (Papain)

पेप्सिन (Pepsin)

विटामिन बी$_1$, विटामिन डी०$_2$ सिस्टिन कार्बोहाइड्रेट (Cystein Carbohydrate) होता है जो पीले रंग की गोली के रूप में उपलब्ध होती है। इसके अलावा भूरे रंग की गोली में।

पैंक्रिएटिन (Pancreatin)

सोडियम डाइहाइड्रोकोलेट (Sodium Dihydrocholate)

विटामिन बी-७ (निकोटिनामॉयड–Necotinamide)

मैग्नीशियम क्लोराइड (Magnesium Chloride) इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—सब प्रकार के पाचन-विकार, क्षुधानाश, आध्मान इत्यादि में।

मात्रा—१-२ गोली भोजनोपरान्त दिन में दो बार।

निर्माता—सेगफ्रेड कम्पनी लि० (Siegfried Co. Ltd.)

———

डेक्विनाल

(Dequinol)

औषधि-मिश्रण—5 Chloro 7-iodo 8-hydroxy-quinoline की टिकिया है।

प्रयोग—यह तीव्र एवं जीर्ण अमीबियेसिस (Amoebiasis-पेचिश) की औषधि है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—डेज केमिकल स्टोर्स।

डेसिकॉल कैप्सील्स

(Desicol Capseals)

औषधि—सुखाए गये सम्पूर्ण पित्त की कैप्सील है।

प्रयोग—पित्ताशय के चिरकारी रोगों (Chronic diseases of gall bladder) में पित्त की न्यूनता (Deficiency) होने पर इसका प्रयोग होता है। यह पित्त की मात्रा बढ़ाकर भूख की कमी (Poor appetite), अपचन (Dyspepsia), आँतों के अन्दर सड़न (Intestinal putrifaction) एवं कोष्ठबद्धता (Constipation) को दूर करती है।

मात्रा—१ से ३ कैप्सील भोजन के बाद।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

डायापेप्सिन

(Diapepsin)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक चाय चम्मच भर में।

डायस्टेज (Diastase)

स्टमक एक्सट्रैक्ट (Stomach extract)

गिलसरीन (Glycerine) जल, एल्कोहल (Alcohol), सुगन्धित द्रव्य आदि ।

प्रयोग—अपच (Indigestion), अफारा (Flatulence), डिस्पेप्सिया (Dyspepsia), आमाशयान्त्र शोथ (Gastro Enteritis), आमाशय शोथ (Gastritis), अरुचि (Anorexia) और दौर्बल्यकारक रोगों में लाभप्रद है ।

मात्रा— भोजन के बाद १-२ चाय चम्मच भर ।

निर्माता—यूनियन ड्रग को० लि० (Union Drug Co. Ltd.)

डायापेप्सॉल
(Diapepsol)

औषधि-मिश्रण—

पेप्सिन (Pepsin)

पपेन (Papain)

एसिड हाइड्रोसायनिक डिल० (Acid Hydrocyanic dil.)

एसिड हाइड्रोक्लोरिक डिल० (Acid Hydrcchloric dil)

एसिड लैक्टिक (Acid Lactic)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)

विटामिन बी$_6$ (Viiamin B_6)

गिलसरीन (Glycerin) आदि ।

प्रयोग—कार्बोहाईड्रेट और प्रोटीन का अपच (Carbohydrate and Protien dyspesia); अफारा (Flatulence), छाती की जलन (Heart burn), प्रवाहिका (Diarrhoea) आदि में लाभप्रद ।

मात्रा —१-२ चाय चम्मच भर भोजन के बाद ।

निर्माता—एन० पी० इण्डस्ट्रीज (N. P. Industries)

डाइमल
(Dimol)

औषधि-मिश्रण—यह डाइमेथीलोमेथाक्सीफेनाल (Dimethylomethoxyphenol) नामक औषधि से तैयार की जाती है।

प्रयोग—यह दवा पाकस्थली प्रदाह (Gastritis), आन्त्र-प्रदाह (Enteritis), बड़ी अँतड़ी के कुछ हिस्सों का प्रदाह (Colitis); दस्त (Diarrhoea), उदराध्मान (Flatulence) आदि रोगों में प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया नित्य २ बार भोजन के पहले थोड़े जल के साथ सेवन करना चाहिए। यह दवा सिरप (Syrup) के रूप में भी मिलती है। इसकी ३ से ४ चम्मच दवा की एक खुराक है, जिसे थोड़े से दूध में मिलाकर पीना चाहिए। बच्चों की खुराक उम्र के अनुसार रखनी चाहिए।

निर्माता—एंग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी लिमिटेड।

डिक्विनेट
(Diquinate)

औषधि-मिश्रण—

डाई-आयोडोहाइड्राक्सीक्विनोलीन (Diiodohydroxyquinoline)

क्लोरोक्वीन फॉस्फेट (Chloroquine phosphate)

प्रयोग—अमीबियेसिस (Amoebiasis) में लाभप्रद है।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ३ बार १ से ३ सप्ताह तक।

निर्माता—मार्टिन ऐण्ड हैरिस (Martin and Harris)

डिस्पेप्टल

(Dispeptal)

औषधि-मिश्रण—यह प्रोटीएनेसेस (Proteinases),
एमाइलेसेस (Amylases),
लायपेसेस (Lipases),
हेमिसेलुलेसेस (Hemicellulases),
सेलुलेसेस (Cellulases) तथा बाइल (Bile) के योगों की मिश्रित औषधि है।

प्रयोग—सब प्रकार के पाचन-विकार, क्षुधानाश; आध्मान तथा Gastro-Cardiac Syndrome की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१-२ गोली भोजनोपरान्त।

निर्माता—बोहरिंगर नाल कम्पनी (Boehringer Knoll Co,)

———

ड्यारसन

(Dyarson)

औषधि-मिश्रण—यह दवा कार्बरसोन (Corbarsone) के समान आर्सेनिक (Arsenic) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह रक्तामाशय रोग की, विशेषतया ऐमीबिक रक्तामाशय की अच्छी दवा है। दस्तों के आने में भी इसका प्रयोग होता है। उपदंश रोग (Syphilis) में लाभप्रद है।

मात्रा—१ टिकिया नित्य दो बार १० दिन तक अथवा १ टिकिया नित्य ३ बार ७ दिन तक प्रयोग करना चाहिये।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

———

एफरसाल
(Effersal)

औषधि-मिश्रण—यह एफरवेसेण्ट फ्रूट सेलाइन (Effervescent Fruit Saline) है।

प्रयोग—कब्जियत (Constipation), पाकाशयिक सर्दी, कामला (Jaundice), अजीर्ण तथा अग्निमान्द्य आदि रोगों में लाभप्रद है।

मात्रा—सामान्यतः ६ टिकिया एक बार में तीन दिन तक दी जाती है। शरीर भार के अनुसार मात्रा ५० मिग्रा०/किग्रा० के अनुपात में है।

निर्माता—बंगाल केमिकल्स, कलकत्ता।

एलिक्जर सेनी कम्पाउण्ड
(Elixir Sennae Com.)

औषधि-मिश्रण—एक्सट्रैक्ट सेना लि० (Ext. Senna Liq.)

फिनाफ्थालीन (Phenolphthalein)

एक्सट्रैक्ट लीकोरिस लिक्विड (Ext. Liquorice Liq.)

प्रयोग—जो कब्ज के चिरकारी रोगी हैं (Habitual Constipation) उन्हें इसका प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

मात्रा—½ से १ औंस तक रात्रि में सोने के समय अथवा प्रातःकाल बराबर मात्रा में जल के साथ सेवन करना चाहिए।

निर्माता—नवरत्न फार्मास्यूटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

इण्टेरोसिड
(Enterocid)

औषधि-मिश्रण—यह पी-थेलायल एमीनो बेन्जीन सल्फोनासिटेमाइड

(P-phthalyl amino benzene Sulphonacetamide) से तैयार की गई है। यह सल्फा ड्रग है।

प्रयोग--यह आँत सम्बन्धी विकारों की उपयुक्त दवा है। आँत्रशोथ तथा टायफायड में भी सुन्दर कार्य करती है।

मात्रा--टायफायड में २ से तीन टिकिया नित्य ४-४ घण्टे पर रोग के शुरू में देना चाहिये और लाभ होने पर नित्य ३ बार देना चाहिये। आँत सम्बन्धी विकारों में तथा घाव सम्बन्धी बड़ी अँतड़ी के कुछ हिस्सों के प्रदाह में पहले ४ टिकिया और इसके बाद ३-४ टिकिया प्रत्येक ४ घण्टे पर तब तक देना चाहिये जब तक लक्षण गायब न हो जायँ। बच्चों को मात्रा उम्र, वजन आदि समझकर रखनी चाहिये।

निर्माता--बंगाल इम्यूनिटी कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता।

—०—

इण्टेरोग्वानीडीन

(Enteroguanidine)

औषधि- मिश्रण--

सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine)

थैलिल सल्फासीटामाइड (Phthalyl Sulphacetamide)

डाइआयोडोहाइड्राक्सोक्वीनोलीन (Di-iodohydroxyquinoline)

प्रयोग --अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) और बेसिलरी अतिसार (Bacillary dysentery) में लाभदायक है।

मात्रा- १-२ टिकिया दिन में ३ ४ बार।

निर्माता--एलबर्ट डेविड (Albert David)

—०—

इ एंटेरोक्विनॉल
(Enteroquinol)

औषधि—यह क्विनिओडोक्लोर (Quniodochlor) २५० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) की औषधि है।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—ईस्ट इण्डिया फार्मास्युटिकल वर्क्स (East India Pharmaceutical Works)

इण्टेरोस्ट्रेप
(Enterostrep)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरेम्फेनिकाल (Chloramphenicol)

स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin)

प्रयोग—यह बेसिलरी डिसेण्टरी (Bacillary Dysentery) की उत्तम औषधि है। विशूचिका में भी अति लाभकर है। तीव्र अतिसार को तुरन्त रोकती है।

मात्रा—प्रथम मात्रा २ से ४ कैप्सूल तदुपरान्त १ से २ कैप्सूल प्रति १ से ४ घण्टे पर।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स।

टिप्पणी—बच्चों के लिए इसकी आधी मात्रा के कैप्सूल इण्टेरो-स्ट्रेप-सी (Enterostrep 'C') नाम में आते हैं। कैप्सूल न लेने वाले बच्चों के लिए इन्टेरोस्ट्रेप सस्पेंशन (Enterostrep Suspension) आता है।

इण्टेरा-सल्फा-जाइम
(Entero-Sulpha-Zyme)

औषधि मिश्रण--

क्वीनोयोडोक्लोर (Quiniodochlor)

सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine)

पैपेन (Papain)

डायस्टेज (Diastase)

एक्सट्रेक्ट ऑफ बेल (Extract of bael)

प्रयोग—आमाशय एवं आन्त्र में गड़बड़ी (Gastrointestinal disorders), तीव्र एवं चिरकारी अतिसार (Acute and chronic dysentery, बृहदान्त्रशोथ (Colitis) तथा अज्ञात कारणों से उत्पन्न प्रवाहिका (Diarrhoea of unknown origin) में लाभकर है।

मात्रा—२-३ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—एडको लिमिटेड (Adco Limited)

एन्टेरो-वायोफार्म
(Entero--Vioform)

औषधि-मिश्रण—यह आयोडोक्लोरहाइड्रॉक्सीक्वीनोलोन (Iodo-chlorhydroxyquinoline) की टिकिया है।

प्रयोग—सब प्रकार की पेचिश, अतिसार, कोलायटिस आन्त्रशोथ (Enteritis) इत्यादि में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता—सीबा कम्पनी (Ciba Co.)

टिप्पणी—मे एण्ड बेकर (May and Baker) कम्पनी की ऐसी ही औषधि एम्बिक्विन (Ambiquin) नाम से मिलती है।

एन्टोबेक्स

(Entobex)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक टिकिया में ५० मिलीग्राम एण्टोबेक्स (Entobex) रहता है।

प्रयोग—अमीबिक और बेसिलरी अतिसार (Amoebic and (Bacillary dysenteries), जियार्डिएसिस (Giardiasis), ट्राइकोमोनिएसिस (Trichomoniasis), इन्फलेमटरी कीलोमैस्टिक्सियसिस (Chelomastixiasis) और अल्सरेटिव सिग्मोइडोप्रोक्टाइटिस (Sigmoidoproctitis) में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३ बार दस दिन तक।

निर्माता—सीबा।

एण्टेरोकिन

(Interokin)

औषधि-मिश्रण—आयोडोक्लोरॉक्सीक्विनोलीन (Iodochloroxy Quinoline) से यह दवा तैयार की गई है।

प्रयोग—यह एमीबिक ऑव रोग (Amoebic Dysentery) में लाभप्रद है, चाहे नई बीमारी हो अथवा पुरानी।

मात्रा—१ से २ टिकिया तक नित्य ३ बार १० दिन तक सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल मेडिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता।

इस्टिजाइम

(Estyzyme)

औषधि-मिश्रण—
डायस्टेज (Diastase)
पेप्सिन (Pepsin)
पैपेन (Papain)
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
रिबोफ्लेविन ५—फास्फेट सोडियम (Riboflavin 5—Phosphate Sodium)
निकोटिनामाइड (Nicotinamide)
प्रयोग--सभी प्रकार के अपचन में लाभकर है।
मात्रा--२ चाय चम्मच भोजन के बाद।
निर्माता - टेब्लेट्स प्राइवेट लिमिटेड (Tablets Private Ltd.)

यूकोल

(Eucol)

औषधि-मिश्रण--मेडीसिनल चारकोल (Medicinal Charcoal)
सेना (Senna)
रूबर्ब (Rhubarb)
सोडाबाई कार्ब (Soda-Bi-Carb)
हेक्सामीन (Hexamine)
सल्फर (Sulphur)
मेन्थाल (Menthol) आदि के मेल से यह दवा तैयार की जाती है।

प्रयोग--कब्जियत (Constipation , उदराध्मान (Flatulence), अजीर्ण या अग्निमान्द्य (Dyspepsia), आमाशय प्रदाह (Gastritis);

आंत्र प्रदाह (Enteritis) बड़ी अँतड़ियों का प्रदाह (Colitis), कमजोरी विशेषतया सगर्भावस्था में (Weakness in pregnancy) और संखिया आदि विषों के प्रयोग से उत्पन्न कष्टों में प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा –बड़ों को १ से २ टिकिया नित्य दो बार भोजन के पश्चात्। बच्चों को ½ से १ टिकिया तक देनी चाहिये।

निर्माता– सिप्लॉ, बम्बई।

यूपेप्टिन
(Eupeptin)

औषधि-मिश्रण--पैपेन (Papain) पैंक्रिएटिन (Pancreatin), डायस्टेस (Diastase), Fiuid Extract of Boldo, Cucurma Organe तथा एल्कोहल एवं ग्लिसरीन का उत्तम योग है।

प्रयोग– सब प्रकार के पाचन विकार, क्षुधानाश, आध्मान आदि में लाभदायक है।

मात्रा--१-२ चम्मच भोजन के पूर्व दोनों समय।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Raptakos Co.)

—०—

फेस्टल
(Festal)

औषधि-मिश्रण

पैंक्रियाज लाइपेज (Pancreas Lipase)

पैंक्रियाज अमाइलेज (Pancreas amylase)

प्रोटीयेज (Protease)

हेमिसेलुलेज (Hemicellulase)

एक्सट्रैक्ट फेलिस बोविस (Ext. Fellis bovis)

प्रयोग--अग्न्याशय (Pancreas) के पाचक रसों की कमी की अवस्था में अपचन (Dyspepsia) हो तथा वृद्धावस्था के अपचन में, पास (PAS) तथा प्रतिजीवियों (Antibiotics) के प्रयोग से होने वाली पेट की गड़बड़ी आदि में लाभदायक है। पेट का एक्स रे चित्र लेने के पूर्व गैस निकालने के लिए भी प्रयोग में आता है।

मात्रा--१-२ ड्रेगी दिन में २ बार भोजन के बाद।

निर्माता--हेक्स्ट (Hoechst)

फोलेस्टान कैप्स्यूल
(Folestine Capsule)

औषधि मिश्रण--

ब्राक्सीक्वीनोलोन (Broxyquinoline)

ब्रोबेञ्जोक्सैल्डीन (Brobenzoxaid ne)

हायोसायमीन (Hyoscyamine)

(हायोसीन (Hyoscine)

प्रयोग--सामान्य प्रकार के सभी अतिसार (Common diarrhoeas) विशेष रूप से बेसिलरी अतिसार (Bacillary dysentery), आमाशयान्त्र शोथ (Gastroenteritis), आन्त्रशोथ (Enteritis), आन्त्र बृहदान्त्र शोथ (Enterocolitis), बृहदान्त्रशोथ (Colitis), अविशिष्ट तीव्र प्रवाहिका (Acute nonspecific diarrhoeas) एवं फफूँद जन्य प्रवाहिका (Fungal diarrhoea) में लाभ करता है।

मात्रा--१-२ कैप्स्यूल दिन में तीन बार।

निर्माता—सैण्डोज (Sandoz)

फॉर्मो सिबाजॉल
(Formo Cibazol)

औषधि-मिश्रण--यह सल्फाथियाजोल (Sulphathiazole), फार्मल्डिहाइड (Formaldehyde) तथा सेपेमीन (Sapamine) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग--इसका प्रयोग आन्त्र-प्रदाह (Enteritis), बड़ी अँतड़ी के प्रदाह (Colitis), बेसीलरी आमाशय (Bacillary Dysentery), पैराटायफायड (Paratyphoid), बच्चों की पाकाशययिक खराबियों आदि में लाभप्रद है।

मात्रा--बड़ों को दो टिकिया नित्य ३ से ४ बार सेवन करनी चाहिए। खतरनाक स्थिति में २ से ३ टिकिया नित्य ५ से ६ बार तक प्रयोग करना चाहिये, किन्तु प्रारम्भ में केवल २-३ दिन तक ही। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी। अर्थात् १ वर्ष तक के बच्चों को ¼ टिकिया, १ वर्ष से ५ वर्ष तक के बच्चे को ½ टिकिया, ५ वर्ष से ऊपर के बच्चे को १ टिकिया नित्य ५ से ६ बार तक दी जा सकती है। इलाज ५ से १० दिन तक ही करना पर्याप्त है। ज्यों ही बीमारी में कमी पड़ने लगे, दवा की मात्रा कम कर देनी चाहिये।

निर्माता -सीबा-फार्मा लिमिटेड बम्बई।

फ्यूराजोन
(Furazone)

औषधि मिश्रण—

फ्यूराजोलिडोन (Furazolidone)
केओलिन (Kaolin)
पेक्टिन (Pectin)

स्पि० क्लोरोफार्म (Spt. Chloroform)

प्रयोग—प्रवाहिका (Diarrhoea)

बेसिलरी अतीसार (Bacillary dysentery), हैजा (Cholera), आमाशयान्त्र शोथ (Gastrointeritis), जियार्डियेसिस (Giardiasis), ट्राइकोमोनल संक्रमण (Trichomonal infection)

मात्रा—१-२ चम्मच आवश्यकतानुसार।

निर्माता—जैपुर फार्मास्युटिकल वर्क्स (Jaipur Phardmaceutical Works)

फ्यूरॉक्सोन
(Furoxone)

औषधि—फ्यूराजोलिडोन (Furazolidne) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में १०० मि० ग्रा० औषधि रहती है। निलम्बन (Suspension) में फ्यूराजोलिडिन (Furazolidin) ३३.६ मिग्रा०, पेक्टिन (Pectin) ७० मिग्रा० और केओलिन (Kaolin) ०.६४ ग्राम प्रति चाय चम्मच भर में रहते हैं।

प्रयोग—बेसिलरी डिसेण्टरी (Bacillary Dysentery), बैक्टीरिया-जन्य खाद्य की विषाक्तता (Bactrial food Poisoning) तथा नॉन स्पेसिफिक डायरिया (Non Specific Diarrhoeas) में लाभ करती है। अनेक प्रकार के अतिसारों में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—स्मिथ क्लीन एण्ड फ्रेञ्च (इण्डिया) लि०।

गार्लिसिल

(Garlicyl)

औषधि-मिश्रण--यह एलियम सेटाइवम (Allium Sativum) से तैयार की गई औषधि है।

प्रयोग—इसका प्रयोग हर प्रकार के दस्त (Diarrhoeas), आंत्रिक विकारों (Intestinal infections), उदराध्मान (Flatulence) आदि रोगों में करते हैं।

मात्रा---२ ड्रेगीज की मात्रा में ३ से ४ बार नित्य थोड़े से दूध अथवा चाय के साथ निगल जाना चाहिये।

निर्माता--टी० सी० एफ०, बम्बई।

गैस्ट्रोलान

(Gastrolon)

औषधि-मिश्रण--लिक्विड पैराफिन (Liquid Paraffin), लाइट केओलिन (Light Kaolin), लाइट मैगकार्ब (Light Mag. Carb) एट्रोपीन सल्फेट (Atropine Sulph.)।

प्रयोग--इसका प्रयोग मिचली, वमन, आमाशयिक शूल, हिचकी, Gastritis, Hyperacidity, Peptic Ulcer, Enteritis, Colitis, Intestinal Colic इत्यादि अवस्थाओं में होता है।

मात्रा--२ से ४ चम्मच भोजन के पूर्व दोनों समय।

निर्माता--स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)।

जेल्यूसिल
(Gelusil)

औषधि-मिश्रण--एल्यूमिनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium Hydroxide)।

मैग्नेशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate) का उत्तम योग है।

प्रयोग--आमाशयिक एवं ड्यूओडिनल अल्सर (Peptic and Duodenal ulcer), अत्यधिक अम्लीयता (Hyperacidity), अपचन (Dyspepsia) इत्यादि रोगों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता--वार्नर लैम्बर्ट (Warner Lambart Co.)

ग्लैक्सीना
(Gelaxenna)

औषधि मिश्रण—यह सीना पत्ती के ग्लाइकोसाइड्स (Glycosides of Senna) का उत्तम योग है।

प्रयोग—यह सब प्रकार की कोष्ठबद्धता (Constipation) में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१-२ गोली रात्रि में सोते समय।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

टिप्पणी—सीना (Senna) का चूर्ण सेनाग्रैन—(Sennagran) के नाम से बी० डी० एच० (B. D. H.) का मिलता है। मात्रा १-२ चम्मच।

ग्लिसीरीन सपजिटरी

(Glycerin Suppository)

औषधि —यह ग्लिसरीन से तैयार की जाती है।

प्रयोग—यह नीचे की अँतड़ियों को साफ करने की अच्छी दवा है। इसके प्रयोग से दस्त साफ आता है। यह बच्चों तथा बड़ों दोनों के प्रयोग में आने वाली औषधि है।

मात्रा—इसे बड़ी अँतड़ी के आखिरी हिस्से (Rectum) में पहुँचा देना चाहिए और वहाँ पर इसे लगभग १५ मिनट तक पड़ा रहने देना चाहिए। ऐसा करने से भीतर का सम्पूर्ण मल निकल जायगा। बच्चों तथा बड़ों की भिन्न-भिन्न होती हैं।

निर्माता— अनेक कम्पनियाँ।

हेल्मासिड

(Helmacid)

औषधि-मिश्रण--यह पाइपीराजीन साइट्रेट (Piperazine Citrate) का उत्तम योग है। यह शर्बत और टिकिया के रूप में आता है तथा प्रत्येक शर्बत के एक चम्मच में ५०० मिग्रा० (Piporazine Citrate) रहता है। इसकी गोली में २५० मि०ग्रा० उपरोक्त औषधि रहती है।

प्रयोग--इस औषधि का प्रयोग मुख्यतः केंचुओं (Round.worms) तथा सूत्र कृमि (Thread.worms) में होता है।

मात्रा--रोग की उग्रता तथा रोगी के अवस्थानुसार मात्रा चिकित्सक द्वारा स्वयं निर्धारित होती है। साधारणतः २ टिकिया या २ चम्मच दिन में दो बार देते हैं। केंचुवे के लिए ६ चम्मच या १२ टिकिया की १ मात्रा पर्याप्त है। दूसरे दिन प्रातः जुलाब देना चाहिए।

निर्माता--ग्लैक्सो लेबबोरेटरीज बम्बई।

टिप्पणी—हेल्मासिड विद सेना (Helmacid with Senna) में सनाय का सत्व भी मिला होता है। यह ग्रेन्युल के रूप में आता है। एक पैकेट में एक मात्रा होती है। प्रायः एक बार में ही सब कृमि निकल जाते हैं। रात को सोते समय देना चाहिए।

———

हीपाकॉल
(Hepachol)

औषधि मिश्रण--

सोडियम टौरोग्लाइकोकोलेट (Sodium Tauroglycocholate)
कोलीन डाइहाइड्रोजन साइट्रेट (Choline dihydrogen Citrate)
विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)
विटामिन बी$_2$ (Vitimin B_2)
सोडियम बेन्जोयेट (Sodium Benzoate)
सोडियम फॉस्फेट (Sodium Phosphate)
सिरप ऑफ फिग्स (Syr. of Figs)
टिंचर जेन्शियन कं० (Tr. Gentian Co.)
एक्स० कालमेघ (Ext. Kalmegh)
एक्स० कैरिका पपैया (Ext. Carica Papaya)
एक्स० कैसकरा सैग (Ext. Cascara Sag.)
डी०-सॉर्बिटॉल (D-Sorbitol)
ग्लिसिरीन (Glycerine)
एरोमेटिक्स (Aromatics) आदि।

प्रयोग–यकृत विकारों (Liver troubles) अरुचि, (Loss of appetite), याकृति कामला (Hepatic jaundice), चिरकारी कोष्ठबद्धता (Chronic Constipation), पित्त स्राव की कमी (Scanty bile

secretion), तीव्र यकृत शोथ (Yellow atrophy) तथा यकृत की संकुलता (Congestion of the liver) में लाभदायक है ।

मात्रा--२-३ चाय चम्मच भर भोजन के बाद और ३ चम्मच सोते समय ।

निर्माता--बायो ड्रग लेबोरेटरीज प्रा० लि० (Bio-Drug Laboratories Pvt. Ltd.)

हेक्साकाल
(Hexachol)

औषधि-मिश्रण--कोलिक एसिड (Cholic Acid)

हेक्सामीन (Hexamine)

इनोटिसाल (Inotisol)

प्रयोग--यकृत सम्बन्धी विकारों (Hepatic Insufficiency), लगातार कब्जियत (Habitual Constipation), पैत्तिक विकारों (Biliary Disturbances-विशेषकर सगर्भावस्था के समय) आदि में मुफीद है ।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए । भोजन के उपरान्त समूची टिकिया को निगल जाना चाहिए । चिकित्सा-काल में अधिक से अधिक मात्रा में जल पीना चाहिए । क्षारयुक्त जल (Alkaline water) का भी प्रयोग करना उस स्थिति में लाभप्रद है जब कि मूत्राशय में जलन मालूम पड़े । पैत्तिक शूल के समय दवा का प्रयोग करना सर्वथा हानिकारक है ।

निर्माता--सिल्पा, बम्बई ।

--०--

हाइड्रालजेल
(Hydralgel)

औषधि-मिश्रण--

एल्युमिनियम हाइड्राक्साइड (Aluminium Hydroxide Gel)

सोडियम बेन्जोएट (Sodium Benzoate)

सेकरीन सोडियम (Saccharin Sodium)

सिरप (Syrup)

जल, सुगन्धित द्रव्य आदि ।

प्रयोग--हाइपर ऐसिडिटि (Hyperacidity) गैस्ट्रिक, डुयोडेनल और पेप्टिक अल्सर (Gastric Duodenal and Peptic Ulcers) में लाभदायक है ।

मात्रा--१ से २ चाय चम्मच भोजन के एक घण्टे बाद दिन में दो बार ।

निर्माता—एडको लि० (Adcco Ltd.)

टिप्पणी--हाइड्राल्जेल विद बेलाडोना (Hydralgel with Belladonna) में टिं० बेलाडोना (Tr. Belladonna) भी रहता है ।

हाइड्रोक्सल
(Hydroxal)

औषधि-मिश्रण--यह एल्यूमिनियम हाइड्रॉक्साइड (Aluminium Hydroxide) से तैयार की जाती है ।

प्रयोग--इसका प्रयोग अम्लत्व की अधिकता तथा पेप्टिक अल्सर में विशेष गुणकारी है । पेट के दर्द, अग्निमांद्य, उदराध्मान, मिचली, कै, कलेजे की जलन आदि विकारों में यह लाभ करती है ।

मात्रा—१ से २ चम्मच दिन में ३ से ६ बार।
निर्माता—एलेम्बिक केमिकल, बड़ौदा।

हीपाटोन सिरप
(Hepatone Syrup)

औषधि मिश्रण--
Picrorrhiza kurroa कुटकी
Carum copticum अजवायन
Trigonella foenumgraecumlinn मेथी
Cichorium intibus कासनी
Terminalia arjuna अर्जुन
Solenum nigrum काव्यमाची
Cassia occidentalis कसौदी
Achillea millefolium विरञ्जसिफ
Tamarix galeica झाऊ
Andographis paniculata कालमेघ

प्रयोग-अरुचि (Auorexia), दुर्बलता (Deblity), उल्लाघ (Convalescence रोगोत्तर काल,) कुपोषण संलक्षण (Malnutrition Syndrome), शरीर वृद्धि में कमी (Retarded growth), कामला (Jaundice) यकृत का सिरोसिस (Cirrohosis liver) कोष्ठबद्धता (Coustipation) सामान्य शोफ (General swelling) यकृत की विषालुता (Toxic liver में लाभदायक है।

मात्रा—बच्चों को ¼ से ½ चम्मच और वयस्कों को १ से २ चम्मच दिन में दो बार पानी या फलों के रस के साथ।

निर्माता—कलिंग फार्मा (Kalinga Phrma)

ह्यूमैटिन
(Humatin)

औषधि--यह पैरोमोमाइसिन (Paromomycin) की कैप्स्यूल है। इसका सिरप भी मिलता है।

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic Dysentery) तथा अन्य अनेक उपसर्गों से उत्पन्न अतिसार की उत्तम औषधि है। हिपैटिक कोमा में भी लाभदायक है।

मात्रा—२५ से ७५ मि० ग्राम प्रति किलोग्राम शरीर भार प्रतिदिन ३ अथवा ४ विभक्त मात्राओं में।

निर्माता—पार्क डेविस (इण्डिया लि०।

आइ-सो-जेल
(I-So-Gel)

औषधि—इसपगोल की भूसी (Ispaghulae Testa) है।

प्रयोग—स्वाभाविक कोष्ठबद्धता (Habitual Constipation) एवं पतले दस्तों में लाभकर है। बवासीर (Haemorrhoids) में पेट साफ रखकर रोग को शान्त रखती है। जीर्ण अतिसारों (Chronic Dysenteries) में भो लाभदायक है।

मात्रा--आधे गिलास (बड़ा) पानी, दूध या अन्य द्रव में २ चम्मच औषधि घोलकर तुरन्त पी लेना चाहिये। उसके बाद आधा गिलास द्रव और पीना चाहिये। आवश्यकतानुसार दिन में एक, या दो या तीन बार ले सकते हैं।

निर्माता---ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)।

केओलो-पेक्टिन

(Kaolo-pectin)

औषधि-मिश्रण--

लाइट केओलीन (Light Kaolin)

पेक्टिन (Pectin)

सोडियम बेन्जोएट (Sod-Benzoate)

सोडियम सैकरीन (Sod. Saccharin)

सिरप (Syrup)

ग्लीसरीन (Glycerin)

टि० कार्मिनेटिव (Tr. Carminative)

प्रयोग--प्रवाहिक (Diarrhoea) और अतिसार (Dysentery) में लाभदायक है।

मात्रा--२-३ बड़े चम्मच भर दिन में ३-४ बार।

निर्माता—एडको लि० (Adcco Ltd.)

टिप्पणी—केओलो-पेक्टिन विद ग्वानीडी—(Kaolo-Pectin with Guanidine) में सल्फाग्वानीडी (Sulphaguanidine) भी रहता है।

--*--

केम-डाइजेस्टॉन फोर्ट टैबलेट

(Kem-Digeston Forte Tablets)

औषधि-मिश्रण—

पेप्सिन (Pepsin)

पैंक्रियेटिन (Pancreatin)

एमाइलेज (Amylase)

प्रोलेज (Prolase)

सीलेज (Cellase)

प्रयोग—भोजन के शीघ्र एवं उत्तम पाचन के लिए इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१ टिकिया भोजन के बाद।

निर्माता—कीमो-फार्मा (Chemopharma)

—*—

क्यूबिसमाइड
(Kubismide)

औषधि-मिश्रण—कुर्ची आलकेलायड्स (Kurchi Alkaloids)

बिस्मथ (Bismuth)

आयोडीन (Iodine)

प्रयोग—इसका प्रयोग अमीबिक डिसेण्ट्री की हर स्थिति में लाभ प्रद है।

मात्रा—१ टिकिया की मात्रा में नित्य २ से ३ बार तक करीब १२ दिन तक रोगी को खिलाना चाहिए। इस टिकिया का इस्तेमाल भोजन के २ घण्टे बाद होना चाहिये तथा इसे पूरा-पूरा थोड़े जल के साथ निगल जाना चाहिये, बच्चों की मात्रा आधी होगी।

निर्माता—टी० सी० एफ० लिमिटेड, बम्बई।

—*—

कुर्चिसाल
(Kurchisol)

औषधि—यह कुर्ची (होलरिना एण्टिडिसेण्टेरिका) से तैयार की जाती है।

प्रयोग—इसका प्रयोग रक्तामाशय (Dysenteries) में करते हैं।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में, नित्य २ बार सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

--*--

लैक्जेटिक टैब्लेट्स
(Laxatic Tablets)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट कैसकरा सैग० सिक्क० (Ext. Cascara Sag. Sic.)
एलोज पाउडर (Aloes Powder)
जलापा (Jalapa)
एक्सट्रैक्ट सीना लि० (Ext. Senna Liq.)
टिंचर जिंजीबेरिस फोर्ट (Tinc Gingiberis Forte)
टिंचर नक्सवामिका (Tine Nuxvomica)
एक्सट्रैक्ट हायोसियामी लि० (Ext. Hyoscyami Liq.)

प्रयोग—यह बहुत सुन्दर जुलाब है।

मात्रा—२ टिकिया की मात्रा में थोड़े से जल अथवा चाय के साथ सोते समय अथवा प्रातःकाल लेना चाहिए। बच्चों को आधा से १ टिकिया की मात्रा में देनी चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल वर्क्स, बड़ौदा।

लैक्सिल
(Laxil)

औषधि—यह फिनाफ्थेलीन (Phenolphthalein) से तैयार की जाती है।

प्रयोग—यह कब्जियत (Constipation), लीवर की शिकायतों (Liver Disorders) तथा अँतड़ी के कष्ट में लाभ करती है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में सोने के समय लेना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

लैक्टो फर्मेण्ट टैबलेट्स
(Leacto Frment Tablets)

औषधि-मिश्रण—यह लैक्टिक फर्मेंट्स (Lactic Ferments) द्वारा तैयार की जाती है।

प्रयोग—अजीर्ण रोग (Indigestion) तथा अग्निमांद्य (Dyspepasis) में अच्छा फल दिखाता है।

मात्रा—२ से ४ टिकिया की मात्रा में नित्य ३ से ४ बार तक सेवन करना चाहिए।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

ल्यूकारसोन
(Leucarsone)

औषधि-मिश्रण—यह कारबारसोन (Carbarsone) की टिकिया है।

प्रयोग—कारबारसोन के समान अमीबिक अतिसार (Amoebic Dysentery) में लाभकर है। यूसिनोफीलिया (Eosinophilia) में भी लाभ करती है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में दो बार भोजन के बाद १० दिन तक।

निर्माता—एम० बी०

लेवसाल
(Levsol)

औषधि—लीवामिसोल हाइड्रोक्लोराइड (Levamisole Hcl.)

प्रयोग—केंचुवा (Round worm) और हुक वर्म (Hook worm) में लाभदायक है।

मात्रा—बच्चों को ५० मिग्रा० की और वयस्कों को १५० मिग्रा० की १ टिकिया केंचुवा में दी जाती है। हुक वर्म में १२ घण्टे बाद एक मात्रा और देनी चाहिए।

निर्माता—रीनो केमिकल्स फार्मास्युटिकल्स एण्ड कॉस्मेटिक्स प्रा० लि० (Reno Chemicals Pharmaceuticals and Cosmetics Pvt. Ltd)

———

लोमोमाइसिन

(**Lomomycin**)

डाइफीनॉक्सीलेट हाइड्रोक्लो० (Diphenoxylate Hcl.) २.५ मिग्रा०
एट्रोपीन सल्फेट (Atropine Sulphate) २.५ मिग्रा०
नियोमाइसिन सल्फेट (Neomycin Sulphate) २५० मिग्रा.
मात्रा (Dose)--२ टिकिया प्रति ६ घण्टे पर बच्चों की मात्रा—

१ से २ वर्ष	१/२ टिकिया	द्वि. वा.
२ से ३ ,,	१ ,,	,, ,,
३ से ८ ,,	१ ,,	त्रि. वा.
८ से १२ ,,	१ ,,	च. वा.
१२ से १६ ,,	२ ,,	त्रि. वा.

प्रयोग (Indications)--अतिसार।
निषेध--(Contraindication) -वृक्क-विकार।

———

ल्यूमिजिल

(**Lumygil**)

औषधि-मिश्रण—
मेट्रोनिडाजोल (Metronidazole)
डाइआयोडोहाइड्रॉक्सी क्वीनोलीन (Di-Iodohydroxyquinoline)

प्रयोग—आन्त्रिक अथवा अन्त्रेतर अमीबामयता (Intestinal or extraintestinal)

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार ७ में १० दिन तक ।

निर्माता—इथिको ड्रग्स एण्ड केमिकल मैनुफै० कं० (Ethico Drugs and Chemicals Mfg. Co.)

लिस्पा डाइजेस्ट

(Lyspa-Digest)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में लिस्पामिन (Lyspamine), फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone), Sodum Carboxymethyl Cellulose, एल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium Hydroxide) आदि औषधियाँ होती हैं ।

प्रयोग—अवसादक, Protective तथा Antacid एवं Antispasmodic औषधि के रूप में तीव्र अम्लता (Hyperacidity), Heart-burn, आमाशयिक व्रण (Peptic Ulcer), Flatulent Dyspepsia तथा अन्य आमाशयिक विकारों में देते हैं ।

निर्माता—सिलाग कम्पनी (Cilag Company)

—०—

मैगसिल

(Magsil)

औषधि-मिश्रण—मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)

मैग्नीशियम कार्बोनेट (Magnesium Carbonate)

बिस्मथ कार्बोनेट (Bismuth Carbonate)

एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग—पेप्टिक व्रण (Peptic Ulcer), अजीर्ण (Indigestion) में यह प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ से २ टिकिया तक नित्य भोजन के उपरान्त अथवा सोने के समय सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

———

मैगजेल

(Magzel)

औषधि-मिश्रण—मैग्नीशियम-आक्साइड (Magnesium Oxide)
मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)
एलुमिनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium Hydroxide)
डाइमीथिकोन (Dimethicone)

प्रयोग—उदर में अम्लाधिक्य (Hyperchlorhydria)
पेप्टिक व्रण (Peptic ulcer)

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—जी० डी० ए० केमिकल्स लि० (G. D. A. Chemicals Ltd.)

—०—

मेट्रोजिल—२००

(Metrogyl—200)

औषधि—यह मेट्रोनिडाजोल (२०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—अमीबियेसिस (Amoebiasis) चाहे आंत्र का हो या यकृत का, दोनों में लाभ करता है । जियार्डिया (Giardiasis) में भी लाभकर है । स्त्रियों के ट्राइकोमोनास जन्य (Trichomonal) संक्रमण से श्वेतस्राव (Leucorrhoea-श्वेत प्रदर) में और पुरुषों के भी इसी संक्रमण में लाभ करता है ।

मात्रा—अमीबियेसिस (Amoebiasis) में ४०० मिग्रा० की मात्रा में दिन में ३ बार ५ दिन तक देते हैं । जियार्डिया (Giardiasis) में २०० मिग्रा० दिन में ३ बार ७ दिन तक देते हैं । ट्राइकोमोनास जन्य श्वेतस्राव (Tricomonal leucorrhoea) में २०० मिग्रा० दिन में ३ बार ७ दिन तक देते हैं ।

निर्माता—यूनीक फार्मास्युटिकल लि० (Unqiue Pharmaceutical Ltd.)

मेक्साफार्म

(Mexaform)

औषधि-मिश्रण—इसमें एण्टोबेक्स (Entobex), वायोफार्म (Vioform) तथा एण्ट्रीनिल (Antrenyl) नामक औषधि रहती है ।

प्रयोग—किसी भी कारण उत्पन्न अतिसार, गैस्ट्रोइण्टरायटिस, आंत्रिक शोथ (Enteritis), एण्टरोकोलायटिस, बेसिलरी डिसेण्ट्री, एमीबिएसिस, जियारडिएसिस (Giardiasis), ट्राइकोमोनिएसिस (Trichomoniasis) में कार्य करती है ।

मात्रा—१ गोली दिन में तीन बार ।

निर्माता—सीबा कम्पनी (Ciba Co.)

मिलिबिस
(Milibis)

औषधि-मिश्रण—यह अघुलनशील संखिया (Insoluble Arsenic) तथा बिस्मथ (Bismuth) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—यह सब प्रकार के आंत्रिक आमातिसार (Intestinal Amoebiasis) की अचूक औषधि है।

मात्रा—१--२ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

मिल्क आफ मैग्नीशिया
(Milk of Magnesia)

औषधि—यह मैग्नीसियम हाइड्राक्साइड (Magnesium Hydroxide) से तैयार की जाती है।

प्रयोग—इसका प्रयोग उदराध्मान (Flatulence), गैस्ट्रिक अम्लत्व (Gastric acidity), पक्वाशयिक विकारों (Abdominal disorders), अजीर्ण (Indigestion) आदि में करते हैं। बच्चों को बहुत फायदा करती है। यह हल्के जुलाब का भी काम करती है। मुँह साफ करने के लिए इसकी कुल्ली भी करते हैं।

मात्रा—२ से ४ चम्मच तक आवश्यकतानुसार प्रयोग करते हैं।

निर्माता—विभिन्न कम्पनियों द्वारा यह दवा बनाई जाती है।

मिन्टेजॉल
(Mintezol)

औषधि—यह थियोबेण्डाजोल (Thiobendazole) की ०.५ ग्राम की टिकिया है।

प्रयोग—केंचुआ (Round worm), स्ट्रांगीलायड्स स्टरकोरेलिस (Strongyloides stercoralis), दोनों प्रकार के अंकुश कृमियों

(Hook-worms), सूत्रकृमि, (Thread worm) तथा ह्विप वर्म (Whip-worm) पर एक साथ काम करती है ।

मात्रा—प्रातः-सायं २-२ टिकिया चबाकर खाना चाहिए । ६० किग्रा० से कम भार वालों को कम मात्रा में ।

निर्माता--एम० एस० डी० (M. S. D.)

मिक्शचर पेप्सीन बिस्मथ कम्पाउण्ड
(Mix. Pepsin Bismuth Com.)

औषधि मिश्रण—लीकर बिस्मथ एट एमोन साइट्रास (Liq. Bismuth et. Ammon Citras)

स्पिरिट क्लोरोफार्म (Spt. Chloroform)

टिंचर नक्सवामिका (Tinc. Nuxvomica)

टिंचर ओपियाई (Tinc. Opii)

एसिड हाइड्रोसियानिक डिल (Acid Hydrocyanic Dil)

पेप्सीन (Pepsin) आदि दवाओं के मेल से यह तैयार होती है ।

प्रयोग—पाकस्थली-प्रदाह (Gastritis), आन्त्रशूल (Gastralgia), आंत्र-प्रदाह (Enteritis), बड़ी अँतड़ी के कुछ हिस्सों के प्रदाह (Colitis), अजीर्ण (Indigestion), भोजन के पूर्व अथवा पश्चात् कै का हो जाना, उदराध्मान (Flatulence), तथा भूख का न लगना (Loss of appetite) में लाभ पहुँचाती है ।

मात्रा—½ से १ चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल के साथ दिन भर में ३ बार सेवन करनी चाहिए । बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी ।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा ।

—०—

मोनोड्रल टैब्लेट्स
(Monodral Tablets)

औषधि—यह १--डाइइथिलैमिनो ईथिल--२—साइक्लोपेण्टिल—२ (२--थाइनिल) हाइड्राक्सीएसीटेट मीथो ब्रोमाइड—(2-diethyla-

mino-ethyl—2—Cyclopentyl—2 (2–thienyl) hydroxyacetate methobromide की टिकिया है ।

प्रयोग—यह आमाशय की अधिक गति (Hypermotility), अति स्राव (Hypersecretion), पीड़ा (Pain) और उद्वेष्ठ (Spasm) को कम करती है, अतः पेप्टिक व्रण (Peptic ulcer) में लाभदायक है ।

मात्रा—½ से १ टिकिया दिन में ३–४ बार। अधिकतम मात्रा ८ टिकिया प्रतिदिन ।

—०—

म्यूकेन

(**Mucaine**)

औषधि मिश्रण—आक्सीथाजेन (Oxethazaine), अल्युमिना जेल (Alumina Jel) मैंग्नीशियम हाइड्रोक्साइड (Magnesium hydroixde) ।

प्रयोग—ग्रासनली शोथ (Oesophagitis), हायटस हर्निया (Hiatus-hernia), अतिअम्लता (Hyperacidity). प्पाची व्रण (Peptic ulcer), आमाशय शोथ (Gastritis) तथा अतिक्रियाशील आमाशय वृहदान्त्र-प्रतिवर्त (Hyperactive gastro-colic reflex) में लाभलायक है ।

मात्रा—१–२ चाय चम्मच भर दिन में ४ बार, भोजन के १५ मिनट पहिले और रात्रि में सोने से पहिले ।

निर्माता—जॉन वेथ एण्ड ब्रदर लि० (John Wyeth and Brother Ltd.)

—०—

माइकाल

(**Mycol**)

औषधि-मिश्रण—ब्रेवर्स ईस्ट (Brewer's Yeast)
बाइल एक्सट्रैक्ट (Bile Extract)
लैक्टिक फरमेण्ट्स (Lactic Ferments)

ब्लैक एल्डर बार्क (Black Alder Bark)

एलोज पलविस (Aloes Pulvis)

बेलाडोना लीव्ज पाउडर (Belladonna Leaves Powder)

प्रयोग--यह पाचन-क्रिया की गड़बड़ी को दूर करती है तथा भूख बढ़ाती व खाना पचाती है। आँतों के ऊपर भी इसकी अच्छी क्रिया होती है। यह जुलाब का भी काम करती है। मधुमेह (Diabetes mellitus), खून की खराबी (Toxaemia), कब्जियत (Constipation), अन्त्रप्रदाह (Enteritis) आदि में गुणकारी है।

मात्रा--१ से २ टिकिया तक नित्य सेवन करना चाहिए। खतरनाक स्थिति में २ टिकिया की मात्रा दिन में ३ बार तक सेवन की जा सकती है।

निर्माता—दी एंग्लो फ्रेञ्च ड्रग कम्पनी, बम्बई।

—o—

नियो-बिडरमिन
(Neo.Bedermin)

औषधि मिश्रण—

ऐस्केरिडॉल (Ascaridole)

टेट्राक्लोरईथायलीन (Tetrachlorethylene)

प्रयोग—हुक वर्म (Hook Worm), केंचुआ (Round Worm) एवं सूत्रकृमि (Thread Worm) को पेट से बाहर निकालता है। प्रयोग के पूर्व रात्रि को हलका भोजन करना चाहिये और प्रातः खाली पेट लें।

मात्रा--२ से ३ वर्ष के बच्चों को	....		....		१	कैप्स्यूल
४ से ५	,,	,,	,,	,,	२	,,
६ से ९	,,	,,	,,	,,	३	,,
१०–१२	,,	,,	,,	,,	४	,,
१३–१४ वर्ष के बच्चों को	....		....		५	कैप्स्यूल
१५–१६	,,	,,	,,	,,	६	,,
१७–१८	,,	,,	,,	,,	७	,,
१८ वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों को	,,		,,		८	,,

निर्माता—बायर (Bayer)

—o—

नेयोकोलिन
(**Neocholin**)

औषधि--यह डी-हाइड्रोकोलिक एसिड (Dehydrocholic acid) से तैयार की गई है।

प्रयोग– पुराने कब्जियत रोग में लाभदायक है। पित्त की कमी के कारण अगर भारी चीजें न पचें तो इसे देना चाहिये।

मात्रा--१ से २ टिकिया की मात्रा नित्य ३ बार भोजन के उपरान्त देना चाहिये।

निर्माता--सिप्ला, बम्बई।

—o—

नियोवायासेप्ट
(**Neoviasept**)

औषधि-मिश्रण--यह वायासेप्ट (Viasept) तथा क्लोरोक्वीन डाइ-फास्फेट (Chloroquine Dipsosphate) का उत्तम प्रयोग है।

प्रयोग--इसका प्रयोग सब प्रकार के एमीबिएसिस (Amoebiasis) में होता है।

निर्माता--हेक्स्ट कम्पनी (Hoechst Co.)

ऑप्टैलिडन
(**Optalidon**)

औषधि-मिश्रण--पीड़ाहर औषधि है।

प्रयोग--सिरदर्द (Headache), कमर का दर्द (Backache), सर्दी (Cold), दाँत का दर्द (Toothache) आदि सभी प्रकार के दर्दों में लाभदायक है।

मात्रा--२ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता--सैण्डोज (Sandoz)।

--o--

आँक्सोकर

(Orycur)

औषधि-मिश्रण—यह पाइपीराजीन सायट्रेट (Piperazine Citrate) का सिरप है। प्रत्येक चाय चम्मच भर सिरप में ५०० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—यह सूत्र कृमि (Thread worm) और केंचुवा (Round worm) में लाभकर है।

मात्रा—सूत्र कृमि में २ चाय चम्मच भर प्रातः और सायं ८ दिन तक देते हैं। केंचुवा में ६ चम्मच एक साथ देकर हलका गुलाब दे देते हैं।

निर्माता—वार्नर (Warner)

पैंजीनार्म

(Panzynorm)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक ड्रैगी में पैंक्रियेटिन (Pancreatin), बाइल एक्सट्रैक्ट (Bile extract), स्टमक एक्सट्रैक्ट (Stomach extract)।

प्रयोग—अग्नाशय की अपर्याप्तता (Pancreatic insufficiency), अपच (Dyspepsia), आमाशय और आन्त्र के विकार, यकृत और पित्ताशय के विकार आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१ या अधिक ड्रैगी (Dragees) भोजन के बाद।

निर्माता—नॉडमार्क (Nodmark)

पेक्टोसेल

(Pectocel)

औषधि-मिश्रण—पेक्टिन (Pectin)

केओलिन (Kaolin)

जिंक फीनोसल्फोनेट (Zinc Phenosulphonate)

प्रयोग—वेसिलरी रक्तामाशय (Bacillary Dysentery), अन्त्र-प्रदाह (Enteritis), बड़ी अँतड़ी के हिस्सों का प्रदाह (Colitis), पाकस्थली प्रदाह (Gastritis) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—नई बीमारी में २ से ४ चम्मच की मात्रा में प्रत्येक घण्टे अथवा २ घण्टे पर ३-४ खुराक तक देना चाहिये। पुरानी बीमारी में १ से २ चम्मच की मात्रा में प्रत्येक ३ या ४ घण्टे पर देना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र तथा रोग के अनुसार होगी।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

पेक्टोसिन
(Pectocin)

औषधि-मिश्रण—

स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट (Streptomycin Sulphate)

सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine)

पेक्टिन (Pectin)

केओलिन (Kaolin)

टिं० कार्ड० कं० (Tinc. Card. Co.)

प्रयोग—अतिसार (Dysentery) एवं प्रवाहिका (Diarrhoea) में लाभप्रद है।

मात्रा—२-३ चाय चम्मच भर दिन से २--३ बार। बच्चों को कम मात्रा में।

निर्माता—अलका फार्मास्युटिकल्स (Alka Pharmaceuticals)

पेक्टोडिस फोर्ट
(Pectodys Forte)

औषधि-मिश्रण—नियोमाइसिन सल० (Feomycin Sulphate)
लाइट केओलीन (Light Kaoline)

पेक्टिन (Pectin)

बेलाडोना एक्स० (Belladonna Ext.)

बिस्मथ कार्बोनेट (Bismuth Carb.)

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery), लक्षणहीन यकृत की अमीबामयता (Asymptomatic hepatic amoebiasis), अविशिष्ट प्रवाहिका (Nonspecific diarrhoeas), आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से २ चम्मच दिन में ३–४ बार।

निर्माता—यू० पी० ड्रग हाउस (U. P. Drug House)

पेप्सामार

(Pepsamar)

औषधि—यह सोडियम पोलीहाइड्राक्सी अल्युमिनियम मोनोकार्बोनेट हेक्सिटॉल कम्प्लेक्स (Sodium polyhydroxy aluminiummono-carbonate hexitol complex) की टिकिया है।

प्रयोग—यह आमाशय की अम्लता कम करती है; अतः पेप्टिक व्रण (Peptic ulcer), तीव्र एवं चिरकारी आमाशय शोथ (Acute and chronic gastritis), सगर्भता में छाती की जलन (Heart burn of pregnancy), आदि में लाभकर है।

मात्रा—१ टिकिया आवश्यकतानुसार अनेक बार।

———

पेप्सिन कम्पाउण्ड

(Pepsin Com. Cum. Bismuth-Mistura)

औषधि-मिश्रण—पेप्सिन (Pepsin)

लीकर बिस्मथ (Liquor Bismuth)

नक्स वामिका (Nux Vomica)

एसिड हाइड्रोसियानिक डिल० (Acid Hydrocyanic Dil.)

क्लोरोफार्म (Chloroform) आदि औषधियों के मेल से तैयार होती है।

प्रयोग—आन्त्रशूल (Gastralgia), अग्निमान्द्य व अजीर्ण (Dyspepsia), उदराध्मान (Flatulence) आदि रोगों में लाभ करती है।

मात्रा—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

———

पीप्यूलामीन
(Pepulamine)

औषधि-मिश्रण—

एल्युमिनियम हाइड्राक्साइड जेल (Aluminium hydroxide gel)

मैग्निशियम ट्राइसिलिकेट (Magnesium Trisilicate)

स्कोपोलामीन मेथिल ब्रोमाइड (Scopolamine Methylbromide)

ऐस्कॉर्बिक एसिड (Ascorbic acid)

सोडियम कार्बोक्सीमेथिलसेल्युलोज (Sodium Carboxymthylcellulose)।

प्रयोग—पेप्टिक व्रण (Peptic ulcer), पेट में अधिक अम्लता (Hyperacidity), आन्त्रों की अधिक गति (Hypermotility), स्पास्टिक कोलन (Spastic colon), तथा पचन-तन्त्र की अन्य विकृतियों में लाभदायक है। कार्टिकोस्टेरायडों (Corticosteroids) के अधिक समय तक प्रयोग करने की अवस्था में इसका भी साथ-साथ प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—१-२ टिकिया भोजन के आधा घण्टे बाद और सोते समय।

———

पाइनुजन सिरप
(Pinuzan Syrup)

औषधि—यह पाइपीराजान साइट्रेट (Piperazine Citrate) का

सिरप है। प्रत्येक चाय चम्मच भर सिरप में ५०० मि०ग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग - यह सूत्र कृमि (Thread worm) और केंचुवा (Round worm) को निकालने के लिए काम आता है।

मात्रा—१२ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों को २ चाय चम्मच भर दिन में दो बार। उससे छोटे बच्चों को ½ से १ चम्मच भर दिन में दो बार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Deys Medical Stores)।

परसेनिड

(Pursennid)

औषधि—

इस औषधि की प्रत्येक गोली में १२ मि० ग्राम Sennosides A and B कैल्शियम लवण के रूप में रहता है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग मुख्य रूप में Ctonic Constipation और अन्य प्रकार की कोष्ठबद्धता में किया जाता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार १-२ टिकिया सोते समय।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैण्ड।

क्विक्सालिन

(Quixalin)

औषधि—प्रत्येक टिकिया में हैलक्विनॉल (Halquinol) १५० मिग्रा० रहता है।

प्रयोग—यह अनेक ग्राम धन (Gram positive) और ग्राम ऋण (Gram negative) जीवाणुओं; फफूंद (Fungus) एवं प्रोटोजोआ (Protozoa) पर प्रभावशाली है। बेसीलरी और अमीबिक डिसेन्ट्री (Bacillary and amoebic dysentery) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

—०—

रैलक्रिजाइम

(Ralcrizyme Dragres)

औषधि-मिश्रण—

पैंक्रियेटिन (Pancreatin)

बाइल एक्सट्रैक्ट (Bile Extract)

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार के अनपच (Disorders of Digestion) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ ड्रेगी दोनों बार भोजन के बाद।

निमाता—टी० सी० एफ० (T. C. F.)

●

रेसोट्रेन

(Resotren)

औषधि-मिश्रण—यह क्लोरोक्वीन (Chloroquine) और क्वीनोलीन (Quinoline) औषधियों का योग है।

प्रयोग—अमीबिक डिसेण्ट्री (Amoebic dysentery) की अच्छी औषधि है। आन्त्रस्थ और आन्त्र के बाहर सभी अमीबा को नष्ट करती है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार; छोटे बच्चों को आधी मात्रा।

निर्माता—बायर (Bayer)

—०—

लिवरसॉल

(Liversol)

औषधि-मिश्रण—

कालमेघ (Kalmegh)

कुर्ची (Kurchi)
कैस्केरा (Cascara)
सोडियम फास्फेट (Sodium Phosphate)
सोडियम बेन्जोएट (Sodium Benzoate)
कोलीन क्लोराइड (Choline Chloride)
सोडियम सैलिसिलेट (Sodium Salicylate)
मीथियोनीन (Methionine)
इनॉसिटॉल (Inositol)
बाइल लवण (Bile Salts)
एक्वा टाइकोटिस (Aqua Ptychotis)

प्रयोग—स्टोमैकिक (Stomachic), रुचिकारक (Appetiser), कार्मिनेटिव (Corminative), यकृत की निष्क्रियता दूर करने वाला (Removes torpidety of liver), कोष्टबद्धताहर (Removes Constipation), अतिसार नाशक (Antidysenteric), जीवाणुहर (Antiseptic), कफनिसारक (Expectorant), मूत्रल (Diuretic) आदि।

मात्रा—१-२ चाय चम्मच भर दिन में दो बार भोजन के बाद।

निर्माता—यू० पी० ड्रग हाउस (प्रा० लि०) U. P. Drug House (P) Ltd.

—o—

सीबेला
(Sebella)

औषधि-मिश्रण—एल्यूमिनियम हाइड्रोक्साइड (Aluminium Hydroxide) के साथ बेलाडोना (Belladonna) और बार्बिट्युरेट (Barbiturate) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—पेप्टिक अल्सर (Peptic ulcer), गैस्ट्रायटिस (Gastritis), पायलोरोस्पाज्म (Pyelorospsm), स्पास्टिक कोष्ठबद्धता, कष्टार्तव, यकृत एवं वृकशूल (Biliary and Renal Colic) इत्यादि रोगों की अचूक दवा है।

मात्रा—१ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—जान वेथ कम्पनी (John Wyeth Co.)

—०—

सोडा जिन्जा मिन्ट

(Sodaginga Mint)

औषधि मिश्रण—सोडा बाई कार्ब (Soda-bi-carb.)

मेन्थॉल (Menthol)

एमोन कार्ब (Ammon Carb.)

टिंचर जिंजर कं० (Tinc. Ginger Co.)

आयल मेन्था पिप (Oil Mentha Pip.)

प्रयोग—अग्निमांद्य (Dyspepsia) तथा पेट का भारीपन और भरापन (Fullness of stomach), उदराध्मान (Flatulence), जी मिचलाना (Nausea) आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में थोड़े से जल से भोजन के ½ घंटे के बाद बच्चों को ½ से १ टिकिया तक की मात्रा में देना गुणकारी है।

निर्माता—एलम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

स्टेनोक्सिल

(Stannoxyl)

औषधि-मिश्रण—

शुद्ध रांगा (Chemically Pure Tin)

रांगा भस्म (Pure Oxide of Tin)

गुण तथा प्रयोग—स्फीत कृमि (Tape Worm) को निकालने की यह उत्तम औषधि है। फोड़े, फुन्सी, एक्नी आदि में अधिकतर इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—४ से ८ टिकिया प्रतिदिन। कृमिनाशन के लिए ६-६ टिकिया दिन में तीन बार दो दिन तक।

निर्माता—दी एंग्लो फ्रेंच ड्रग कं०।

—०—

सैंटोनिन

(Santonin)

गुण तथा प्रयोग—यह केंचुआ (Round Worm) तथा सूत्र कृमि (Thread Worm) में काम आती है।

मात्रा—१२० मिग्रा० १२ वर्ष के बच्चे के लिए।

सेवन-विधि—रात को सोते समय १२० मिग्रा० समान मात्रा में कैलोमल (Calomel) के साथ देकर प्रातः मैग सल्फ का जुलाब देते हैं।

निर्माता—अनेक कम्पनियाँ।

स्टोवार्सल

(Stovarsal)

औषधि—यह एसिटार्सोल (Acetarsol) की टिकिया है।

प्रयोग—अमीबिका अतिसार (Amoebiasis), विसेन्ट का संक्रमण (Vincents Infection), लाइकेन प्लैनस (Lichen Planus), ट्रापिकल

यूसिनोफिलिया (Tropical Eosinophila) आदि में लाभ करती है।

मात्रा—१ टिकिया प्रातः एवं रात्रि को भोजन के बाद।

निर्माता—मे एण्ड बेकर (May and Baker)

—०—

स्ट्रेप्टोसेटीन

(Streptocetin)

औषधि-मिश्रण—

क्लेरेम्फेनिकॉल (Cnleramphenicol)

डाइहाइड्रोप्ट्रेप्टोमाइसिन (ihydrostreptomycin)

प्रयोग—बेसिलरी डिसेण्टरी (Bacillary dpsentery), आमाशयान्त्र शोथ (Gastro-enteritis) साल्मोनेला की भोजन विषाक्तता (Salmonella food poisoning), अनेक मिश्रित उपसर्गों (Many mixed infections) में लाभदायक है। आन्त्र पर शस्त्रकर्म करने के पहिले या बाद उसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—२ कैप्स्यूल प्रति छः घण्टे पर। आवश्यकतानुसार अधिक मात्रा भी दे सकते हैं।

निर्माता—एम० एण्ड बी० (M. and B.)

—०—

स्ट्रेप्टोकेमिसिटिन

(Strepto-Kemicetine)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरेम्फेनिकाल (Chlormphenicol)

डा० हा० स्ट्रैप्टोमाइसिन स० (D. H. streptomicin Sulphate)

प्रयोग—बच्चों के औपसर्गिक अतिसार, बेसिलरी डिसेण्ट्री (Becillary Dysentery), गैस्ट्रो-इण्टेराइटिस (Gastro Enteritis) कालरा आदि में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१–२ चम्मच दिन में ४-६ बार।

निर्माता—कालो अर्बा।

स्ट्रीसिटल

(Strycital)

औषधि मिश्रण --

स्ट्रैप्टोमाइसिन (Stroptomycin)

थैलिलसल्फासीटामाइड (Phthalylsulfacetamide)

प्रयोग—शिगेलोसिस (Shigellosis) तथा प्रारम्भिक बेसिलरी डिसेण्ट्री (Early Bacillary Dysentery), नान स्पेसिफिक डायरिया (Non Specific diarrhoea) तथा इन्फेण्टाइल डायरिया (Infantile diarrhoea), समर डायरिया (Summer diarrhoea) आदि तथा अल्सरेटिव कोलाइटिस (Ulcerative Colitis) आदि में लाभ करती है।

मात्रा—२ से ४ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—स्क्विब।

सल्फा क्वीनो बेल फोर्ट
(Sulpha Quino Bael Forte)

औषधि-मिश्रण—

डा आयडोहाइड्राक्सीक्विनोलीन (Γ i-iodohydroxvquinoline)
थैलिलसल्फाथियाजॉल (Phthalysulphathiazole)

बेल पाउडर (Bael powder)

इसबगोल की भूसी (Isaphgul Husk)

हैवी मैग्नीशियम कार्बोनेट (Heavy Magnesium Carb.)

प्रयोग—तीव्र अथवा जीर्ण रक्तातिसार, बेसिलरी डिसैन्ट्री तथा अन्य अतिसार।

मात्रा—२ से ३ चम्मच दिन में २–३ बार।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स लि०।

सेण्ट्रोजेल
(Syntrogel)

औषधि-मिश्रण—

एल्युमिनियम हाइड्रो० (Aluminium Hydrox)

कैल्शियम कार्बोनेट (Cal. Carb.)

मैग्नीशियम परऑक्साइड (Mag. Paroxide) तथा Phosphate of the 1 L-trepic acid ester of 3-diethylamine. 2. 2 dimethyllprepanol.

प्रयोग—आमाशयिक अम्लता एवं व्रण (Gastric acidity and ulcer) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१-२ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—रोश।

टाका डायस्टेस

(Tika-Diastase

औषधि—टाकाडायस्टेस (Taka-Diastase) का एल्कोहल (alcohol) के साथ उत्तम योग है ।

प्रयोग एवं मात्रा—१-२ चम्मच भोजनोपरान्त ।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

टाकाजाइम

(Takazyme)

औषधि-मिश्रण—इस औषधि में विस्मथ सबकार्बनेट, मैग्नीशियम कार्बनेट कैल्शियम कार्बनेट और टाका डायस्टेस का संयुक्त योग है ।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग भी टाका डायस्टेस के ही समान किया जाता है ।

मात्रा—१-२ चम्मच भोजनोपरान्त ।

निर्माता—पार्क डेविस ।

टेट्राकैप्स

(Tetracaps)

औषधि-मिश्रण--यह टेट्राक्लोरोईथाइलीन (Tetrachloroethylene) का कैप्स्यूल है ।

प्रयोग—हुक कर्म और केंचुवा निकालने की औषधि है ।

मात्रा—प्रातःकाल खाली पेट में १ से ३ कैप्स्यूल जल में पिलावें । एक घण्टे के बाद मैग सल्फर का रेचन देना चाहिए । मैग सल्फ कैप्स्यूल के साथ भी दिया जा सकता है ।

सावधानी—यह विषैली औषधि है; अतः यकृत रोग से पीड़ित अथवा अति दुर्बल व्यक्ति को नहीं देना चाहिए ।

निर्माता--बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome) आदि अनेक कम्पनियाँ।

—o—

टोनोपेप्टीन

(Tonopeptin)

औषधि मिश्रण--पैप्टोन (Peptone)

पेप्सीन (Pepsin)

पपेन (Papain)

कैल्शियम ग्लिसरोफास (Cal. Glycerophos.)

सोडी फास (Sodi Phos.)

डायस्टेस (Diastase)

विटामिन 'बी' कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex)

सोडी बेन्जोएट (Sodi Banzoate)

प्रयोग –अम्लत्व (Acidity), कलेजा जलना (Heart burn), उदराध्मान (Flatulence), दस्त आना (Diarrhoea) आदि में इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—२ चम्मच की मात्रा में बड़ों को नित्य २ बार भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिए।

निर्माता—ड्रेगन केमिकल वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता।

—o—

ट्रिफोलैक्सिन

(Trifolaxin)

औषधि मिश्रण–यह त्रिफला के शुष्क एक्सट्रैक्ट, फेनोफ्थेलीन, हायोसीन ड्राइ एक्सट्रैक्ट का योग है।

प्रयोग—दस्त लाने की टिकिया है।

मात्रा—१-२ गोली सोते समय।
निर्माता—स्टैंडर्ड फार्मास्युटिकल्स लि०।

अल्ट्रा कार्बन
(Ultra Carbon)

औषधि-मिश्रण—इसकी १ गोली में २५ ग्राम मेडिसिनल चारकोल (Medicinal Charcoal) रहता है।

प्रयोग-सर्व प्रकार के अतिसार जैसे बेसिलरी डिसेण्ट्री (Bacillary Dysentery), अतिसार, भोजन विष (Food Intoxications), गैस्ट्रो इण्टराइटिस (Gastroenteritis), एन्ट्रोकोलाइटिस (Enterocolitis), पैराटायफायड, क्षुधानाश (Dyspepsia) इत्यादि में इसके प्रयोग से आशातीत लाभ होता है।

मात्रा-१-३ गोली दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—ई० मर्क कम्पनी, जर्मनी (E. Merck Co. Germany)

यूनिएन्जाइम
(Uni-Enzyme)

औषधि-मिश्रण—
डायस्टेज (Diastase)
पेप्सिन (Pepsin)
पेनक्रियेटीन (Pancreatine)
थियामीन हाइड्रोक्लोर० (Thiamine Hydrochlor)
रिबोफ्लेवीन (Riboflavine)
निकोटिनामाइड (Nicotinamide)
एसीटोफीनैलिसेटिन (Acetophenalisatin)

डाइफेनहाइड्रामीन हाइड्रोक्लोर (Diphenhydra nine H:l.)
आयोडाक्लोर हाइड्रॉक्सीक्वीनोलीन (Iodochlor hydroxyquinoline)
होमेट्रोपीन मेथिल ब्रोमाइड (H)metropine Methyl Bromide)
मेथिलपोलिसिलोक्सेन (Methyl Polysiloxane)
एक्टिवेटेड चारकोल (Activated Charcoal)

प्रयोग—अंतड़ियों की ऐंठन को दूर करता है (Anti-spamsodic), एलर्जी विरोधी (Anti Allergic), अमीबाविरोधी (Anti amoebic) तथा पाचक (Digestive) है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज लि०।

—*—

यूनियोमाइसिन कम्पाउण्ड सस्पेंशन
(Uneomycin Compound Suspension)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक चाय चम्मच भर में।
नियोमाइसिन सल्फेट (Neomycin Sulphate)
डाइफेनहाइड्रामीन टैनेट (Diphenhydramine Tannate)
बार्बरीन (Barberine)
सल्फाडाइमिडीन (Sulphadimidine)
पेक्टिन (Pectin)
मिनेडियोन सोडियम बाइसल्फाइट (Minadione Sodium Bisulphite)
केओलिन (Kaolin)

प्रयोग—आमाशयान्त्र शोथ (Gastroenteritis), प्रवाहिका (Diarrhoea) और अतिसारों (Dysenteries) में लाभप्रद है।

मात्रा—शिशुओं (Infants) को प्रथम मात्रा २ चाय चम्मच भर, तदुपरान्त १ चाय चम्मच भर प्रति ४ घण्टे पर। बच्चों (Children) को उपर्युक्त मात्रा में ही दें। बड़ों (Adults) को इसकी दुगुनी मात्रा में दें। हलके रोग में कम मात्रा में दें।

निर्माता—यूनिकेम (Unichem)

—:०:—

यूनिजाइम एलिक्सर
(Unizyme Elixir)

औषधि-मिश्रण--प्रत्येक ५ मिलि० (चाय चम्मच भर) में

फंगल डायस्टेज (Fungal Diastase)
पैपेन (Papain)
थियामीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrccloride)
रिबोफलेवीन (Rib flavine)
नियासिन (Niacin)
मेथिल पोलोसिलोक्सीन (Meth l Polysiloxine)
फोलिक एसिड (Folic Acid)

डाइफेनहाइड्रामीन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenhydramine Hydrochloride)

होमेट्रोपीन मेथिलब्रोमाइड (H metropine Methyl Bromide)
एसीटोफीनोलिसेटीन (Acetophenolisatine)
एलकोहल (Alcohol)

प्रयोग--अफारा (Flatulence) और अपच (Dyspepsia) में लाभदायक है।

मात्रा--शिशुओं और बच्चों को १-२ से १ चाय चम्मच भर आहार के बाद। बड़ों को २-३ चम्मच भोजन के बाद।

निर्माता--यूनिकेम (Unichem)

--*--

वैनक्विन

(Vanquin)

औषधि—यह पाइर्विनियम पामोएट (Pyrvinium Pamoate) का अवलम्बन (Suspension) है। इसके प्रत्येक चाय चम्मच भर में १५ मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग--सूत्र कृमि (Thread worm) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—२.५ मिग्रा० प्रति किलोग्राम शरीर भार के अनुपात में केवल एक मात्रा देते हैं।

निर्माता—पार्क-डेविस (Parke Devis)

—*—

वैरोक्सिल वेफर्स

(Veroxil Wafers)

औषधि—यह पाइपिराजीन फास्फेट (Piperazine Phosphate) की टिकिया है।

प्रयोग—सूत्रकृमि (Thread worm) तथा केंचुआ (Round worm) की औषधि है।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ४ बार, बच्चों को कम मात्रा।

निर्माता - क्रुक्स।

टिप्पणी—पाइपीराजीन साइट्रेट (Piperazin Citrate) के अन्य कम्पनियों के निम्नलिखित योग मिलते हैं :—

१. इण्टासिल (Entacyl); बी० डी० एच० (B. D. H.)। टिकिया (Tablets) और सिरप (Syrup).

१. पाइप्रन (Pipran)—(Alembic) सिरप (Syrup)

—*—

वायासेप्ट

(Viasept)

औषधि-मिश्रण—यह ग्लाइकोबियारसील (Glycobiarsol) नाम से प्रसिद्ध था। इसमें P-glycolyaminophenylarsonic Acid का बिस्मथ साल्ट है।

प्रयोग—सभी प्रकार के आन्त्रिक एमीबिएसिस (Amoebiasis) में प्रयुक्त होता है।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार ८ रोज तक।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

—*—

योमेसन

(Yomesan)

औषधि—उपर्युक्त औषधि की टिकिया है।

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार के कृमि (Tape worm) में लाभदायक है।

मात्रा—६ वर्ष से ऊपर के बच्चों एवं वयस्कों को ४ टिकिया, २ से ६ वर्ष तक २ टिकिया, उससे छोटों को १ टिकिया। दो टिकिया पहले देते हैं। एक घण्टे बाद पुनः दो टिकिया देते हैं। दूसरे दिन प्रातःकाल मैग्नीशियम सल्फेट (Magnesium sulphate) का जुलाब देते हैं। रोगी को अन्य प्रकार की तैयारी की आवश्यकता नहीं।

—*—

६

जाइमेक्स
(Zymex)

औषधि-मिश्रण—

डायस्टेज (Diastase)

पपेन (Papain)

पेप्सिन (Pepsin)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

टिं० नक्स वोमिका (Tr. Nux Vomica)

टिं० कार्ड कं० (Tr. Card. Co.)

प्रयोग—अफारा (Flatulence), अरुचि (Anorexia) आँतों में किण्वीभवन (Intesinal Fermentation) में लाभ करता है।

मात्रा—१-२ चाय चम्मच भर भोजन के बाद।

निर्माता—अलका फार्मास्युटिकल्स (Alka Pharmaceuticals)

—*—

अध्याय २

खाँसी, सर्दी श्वास, टी० बी० की औषधियाँ

अधिकांश खाँसी तथा श्वास की पेटेण्ट औषधियों में इफेड्रीन अवश्य रहता है। इसका कार्य संकुचित बायु-नलिकाओं को फैलाकर श्वास-मार्ग को विस्तीर्ण कर साँस लेने में सुविधा प्रदान करना है। इफेड्रीन श्लेष्मा को सुखा देता है। अतः इन औषधियों में कफ को ढीला कर बाहर निकालने वाले कुछ द्रव्य (इपिकाक, गायकाल, टर्पीन हाइड्रेट आदि) मिला दिये जाते हैं। सोडियम बेंजोएट मेंथाल जैसे द्रव्य एण्टीसेप्टिक के रूप में रहते हैं। खाँसी की उत्तेजना कम करने के लिए कोडीन फॉस, ईथिल मार्फीन, पॉट ब्रोमाइड, फीनोबार्बिटोन आदि मिलाये जाते हैं। स्ट्रैमोनियम इफेड्रीन के समान ही कार्य करता है। वासा अति प्राचीनकाल से श्वास-कास में प्रयुक्त होता आया है। कुछ औषधियों में एण्टिहिस्टामीन तत्व भी होते हैं—जैसे बिनाड्रिल आदि। ये बाह्य तत्वों से उत्पन्न एलर्जी दूर करते तथा कास की इच्छा कम करते हैं। कुछ आधुनिक औषधियाँ इस प्रकार की भी हैं जो सीधे कास केन्द्र पर कार्य करके खाँसी कम कर देती हैं जैसे—कार्बीटापेण्टेन इत्यादि। जब कफ (बलगम) काफी बन रहा हो उस अवस्था में कफ-निस्सारक औषधियाँ देना अच्छा रहता है। इससे एक साथ पर्याप्त कफ निकल जाने से काफी समय के लिए खाँसी से छुट्टी मिल जाती है। दुर्बल व्यक्तियों में कफ अन्दर ही पड़ा रह कर उपद्रव कर सकता हैं। रात्रि के समय प्रातः कास रोकने की और दिन में कफ निस्सारक औषधियों का प्रयोग किया जाता है।

टी० बी० की औषधियों में उसके जीवाणु पर कार्य करने वाली औषधियाँ रहती हैं जैसे—आइसोनेक्स, पास, थियासिटाजोन, थियोसेमीकार्बाजोन आदि।

साधारण श्वास (दमा) में इफेड्रीन युक्त औषधि से काम चल जाता है। परन्तु हृदय की दुर्बलता से उत्पन्न श्वास में इससे कोई लाभ नहीं होता, वरन् हानि हो सकती है। ऐसे श्वास में हृदय तथा वृक्क पर कार्य करने वाली औषधियाँ (देखें हृदय रोग) देना आवश्यक होता है।

एक अन्य प्रकार का श्वास भी होता है जो रक्त में उषसिप्रिय कोशिकाओं (Eosinophils) के बढ़ जाने से होता है। इसे यूसिनोफिलिया कहते हैं। इफेड्रीन युक्त औषधि से इसमें कुछ आराम अवश्य होता है, परन्तु इसकी विशिष्ट औषधि देने से यह पूरी तरह ठीक हो सकता है। ऐसी औषधियाँ भी इस प्रकरण में सम्मिलित की गई हैं।

उपसर्गों के लिए एण्टीबायोटिक औषधियों का प्रयोग आवश्यक है। साथ में इन औषधियों का देना चाहिए।

--*--

ऐफ्रन

(Afran)

औषधि-मिश्रण--

प्रेडनिजोलोन (Prednisolone)

डाइफेनिलपाइपीरिडिनोप्रोपेन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenylpiperid-inopropain Hydrochl ride)

रैक. पी-हाइड्रॉक्सीफेनिलमीथाइलामिनोप्रोपेनॉल हाइड्रोक्लोराइड (Rac. P-hydroxyphenylmethylaminopropanol Hydrochlo-ride.)

डाइ मीथाइलोमीनोफीनाजोन (Dimethyl menophenazone)

कैफीन (Caffeine)

प्रयोग--ब्रांकियल श्वास (Bronchial asthma), श्वास युक्त ब्रांकाइटिस (Asthmatic Bronch tis) तथा वातस्फीति युक्त ब्रांकाइटिस (Bronchitis with emphysema) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ ड्रैगी दिन में ३-४ बार दें।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

—०—

एज्मारिन 'आरपी'
(Asmarin 'Arpi')

औषधि-मिश्रण—

क्लोरफेनिरमाइन मेलिएट (Chlorpheniramine Maleate)

अमीनोफाइलीन (Aminophylline)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर० (Ephedrine Hydrochlor)

कैफीन एनहाइड्रस (Caffein Anhydrous)

सोडा सैलिसिलेट (Sod. Salicylate)

अमन-आयोडाइड (Ammon Iodide)

मुलेठी (Mulethi)

ड्राइ एक्स० बेलाडोना (Dry Ext. Belladonna)

प्रयोग—यह श्वास रोग (Brochial Asthma) की औषधि है। इफेड्रीन श्वास नलिकाओं के संकोच को, जो कि श्वास कष्ट का मुख्य कारण है, शीघ्र दूर कर देती है। क्लोरफेनिरमाइन मेलिएट एलर्जी (Allergy) के विरुद्ध कार्य करती है। अमीनोफाइलीन इफेड्रीन का सहयोग करती तथा कैफीन के साथ हृदय को बल देती तथा मूत्र की मात्रा बढ़ाकर फेफड़ा व हृदय के कंजेशन को दूर करती है। दोनों आयोडाइड कफ को पतला करते उसकी लिसलिसाहट कम करते तथा उसे बाहर निकालने में सहायता करते हैं। श्वासमार्ग को साफ कर साँस लेने में सुविधा उत्पन्न करते हैं। सोडा सैलिसिलेट व मुलेठी भी इनके कार्य में सहायक होते हैं। मुलेठी पेट साफ रखने में भी सहायता कर रोगी को आराम पहुँचाती है। इस प्रकार यह श्वास

(Bronchial Asthma) तथा संकोच युक्त ब्रॉकाई का प्रदाह (Spasmodic Bronchitis) में उत्तम लाभ करत है। बच्चों के कुकास (Whooping Cough) में दौरों का आक्रमण कम करती तथा वेग को निस्तेज करती है। जीवाणुरोधी औषधियों को भी साथ में देने से इन रोगों में अद्भुत लाभ करतो है।

मात्रा - १ से २ चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—आर.ी कैमिकल इण्डस्ट्रीज कासगंज (उ० प्र०)

*—

ऐज्माट्रायड
(Asmatriad)

औषधि-मिश्रण—

अमीनोफाइलीन	(Aminophylline)	१३० ग्राम
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड	(Ephedrine Hcl.)	३२ मिग्रा०
फीनोबार्बिटोन	(Phenob arbitone)	३२ मिग्रा०

प्रयोग—श्वास रोग (Asthma), हे फीवर (Hay fever) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता-इण्डो फार्मा।

—*—

एक्टिलेक्स कफ सिरप
(Actilex Cough Syrup)

औषधि-मिश्रण—

एक्टिडिल (Actidil)

इफेड्रीन (Ephedrine)

बाल्सम टोलु (Balsam Tolu)

प्रयोग—सब प्रकार की खाँसी (Cough) में लाभदायक है।

मात्रा—१ चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

एलर्जिन

(Alergin)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochlor.)

एट्रोपीन सल्फेट (Atropine Sulphate)।

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)।

डाइमेथीलामिनोफिनाइल डाइमेथिल पाइरोजोलोन (Dimethylaminophenyl dimethyl pyrozolone)।

प्रयोग—दमा (Bronchial Asthma) तथा हेफीवर में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

ऐल्जाइड

(Alzide)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में ५० या १०० मि० ग्राम (Isonicotinic Acid Hydrazide रहता है।

प्रयोग—समस्त प्रकार की टी०बी० (T. B.) की अवस्था में इसका प्रयोग करते हैं।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Co.)

—*—

ऐल्जाइड पास विथ विटामिन्स
(Alzide Pas with Vitamins)

औषधि-मिश्रण—

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

पास (Pas)

डाइबेसिक केल्शियम फास्फेट (Dibasic Calcium Phosphate)

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

विटामिन सी (Vitamin C)

विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—समस्त प्रकार के तीव्र और जीर्ण रोगों की टी० बी० की अवस्था में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—३ से ५ गोली दिन में ४ बार।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी।

एमीटाक्स
(Ametox)

औषधि—यह मैग्नीशियम थायोसल्फेट (Magnesium Thiosulphate) से तैयार होती है।

प्रयोग—यह दमा (Asthma), हेफीवर (Hay fever), जुल-पित्ती (Urticaria), उकवत (Eczema), मृगी (Epilespy) आदि में व्यवहार की जाती है।

मात्रा—१ से १० टिकिया तक नित्य कई हफ्तों तक इस्तेमाल करना चाहिये।

निर्माता—में एण्ड बेकर।

एनारिल एक्सपेक्टोरेण्ट

(Anaryl Expectorant)

औषधि-मिश्रण--इसमें Diphe‿yl Pyraline Hcl. Guaicol Glycerylether, Aromatic Syrup Base होता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग कफनिस्सारक औषधि के रूप में Allergic Cough में करते हैं।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—थेमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

ऐज्मिण्डान

(Asthmindon)

औषधि-मिश्रण—

इफ्रेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hcl.)	३२ मिग्रा०
कैफीन (Caffeine)	२२ मिग्रा०
फीनोबार्बिटल (Phenobarbital)	३२ मिग्रा०
फीनैसेटिन (Phenacetin)	२०० मिग्रा०
एट्रोपीन मीथोनाइट्रेट (Atropine Methonitrate)	०·२७ मिग्रा०

प्रयोग—श्वास रोग (Asthma), ब्रांकाइटिस (Bronchitis) और एलर्जी रोगों (Allergic Conditions) में लाभकर है।

मात्रा—एक टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—इण्डो फार्मा।

ऐज्मोसोल

(Asmosol)

औषधि-मिश्रण—

लीकर आर्सेनिकेलिस (Liqr. Arsenicalis)
एक्सट्रैक्ट लोबीलिया (Ext. Lobelia)
एक्सट्रैक्ट स्ट्रैमोनियम (Ext. Stramonium)
एक्सट्रैक्ट बेलाडोना (Ext. Belladonna)
लाकर एक्सट्रैक्ट कूठ (Liq. Ext. Kuth.)
पोटास ब्रोमाइड (Potas Iodide) पोटास ब्रोमाइड (Pot. Brom.)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर (Ephedrine Hydrochlor.)
कैफीन प्योर (Caffeine Pure)
लूगल्स आयोडीन (Lugol's Iodine)
सिरप वासक (Syrup Vasaka)
सिरप हाइपो-कैल तथा टोलू (Syrup Hypo Cal. & Tolu)
एक्वा (Aqua)

प्रयोग—दमा (Asthma), उद्वेष्टजन्य खाँसी (Spasmodic Coughs), पुराना वायुनली प्रदाह (Chronic Bronchitis) आदि रोगों में लाभकर है।

मात्रा—१ से २ चम्मच तक बराबर मात्रा के जल के साथ सेवन करना चाहिए।

निर्माता— स्टैण्डर्ड मेडिकल रिसर्च इन्स्टीच्यूट, कलकत्ता।

एसीपास
(Acipas)

औषधि-मिश्रण—

यह पैरा एमीनो सैलिसिलिक एसिड (Para-Amino-Salicilic Acid) का जिसमें एसिटिलेशन द्वारा एमीनो ग्रुप सुरक्षित रहता है, एक उत्तम योग है।

प्रयोग—यह एक नई दवा है जिसका बहुसन्धिशोथ (Rheumatic Polyarthritis) में अद्भुत लाभ होते देखा जा रहा है।

मात्रा—इसका प्रयोग सोडा बाई कार्ब के साथ ८ से १० गोली प्रतिदिन के हिसाब से करते हैं।

पैकिंग—१० या ५० गोली की पैकिंग आती है।

निर्माता—जी० डी० ए० केमिकल्स कलकत्ता।

एनाजिड़
(Anazid)

औषधि-मिश्रण—

यह एक पैरा-एमिनो-सैलिसिलिक एसिड (Para-Amino-Salicylic Acid) का आइसोनिएजिड लवण (Isoniazid Salt) है।

प्रयोग—यह टी० बी० की एक दवा है जिसका मुख द्वारा प्रयोग लाभ करता है।

मात्रा—यह १०० मिलिग्राम की गोली के रूप में मिलता है तथा २ गोली दिन में तीन बार सेवन का विधान है।

निर्माता—जी० डी० ए० केमिकल्स, कलकत्ता।

ऐज्मापैक्स डिपो
(Asmapax Depot)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन रेसिनेट (Ephedrine Resinate)

थियोफाइलीन (Theophylline)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग--श्वसनीश्वास (Bronchial asthma) और चिरकारी श्वसनीशोथ (Chronic Bronchitis) में लाभप्रद है।

मात्रा—१ टिकिया प्रातः और १ टिकिया रात्रि में भोजन के बाद, आवश्यक होने पर दो टिकिया भी दे सकते हैं।

निर्माता—इण्डियन शेरिंग लि० (Indian Schering Ltd.)

एज्मोटोन
(Asmotone)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर० (Ephedrine Hydrochlor)
ऐनहायड्रास कैफीन (Anhydrous Caffeine)
सोडियम सैलिसिलेट (Sodium Salicylate)
सोडियम आयोडाइड (Sodium Iodide)
टि० बेलाडोना (Tr. Belladonna)

प्रयोग—दमा (Asthma) में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ से २ चम्मच दिन में ३ बार

निर्माता—ईस्ट इण्डिया फार्मास्युटिकल वर्क्स लि०

ऐज्माटोन
(Asthmotone)

औषधि-मिश्रण—

पोटैसियम आयोडाइड (Pot. Iodide)
अमोनियम क्लोराइड (Ammonium Chloride)
कैफीन साइट्रेट (Caffeine Citrate)
इफेड्रीन हाइ० (Ephedrine Hydrochloride)

स्पिरिट ऑफ ईथर (Spt. of Ether)
टिं० लोबेला सिम्पलेक्स (Tr. Lobella Simplex)
टिं० स्ट्रेमोनियम (Tr. Stramonium)
टिं० इपिकाक (Tr. Epicac)
सिरप (Syrup) आदि ।

प्रयोग—श्वास (Asthma), चिरकारी ब्रांकाइटिस (Chronic Bronchitis) आदि ।

मात्रा—२ से ४ चाय चम्मच दिन में दो बार भोजन के बाद । बाद में मात्रा आधी कर दें ।

निर्माता-यू०पी० ड्रग हाउस (प्रा०) लि०U.P. Drug House(P)Ltd.

एस्पासन डा० और एन०
(Aspasan D. & N.)

औषधि-मिश्रण—यह डिफेनिल पिपरीडिनोप्रोपेन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenyl-piperidinopropane Hydrochloride) का योग है । इसके D में सुप्रिफेन (Suprifen) के साथ कैफीन (Caffeine) भी होता है जब कि N. में केवल सुप्रिफेन ही होता है ।

प्रयोग—ब्रांकियल आज्मा (Bronchial (Asthma)

मात्रा—एस्पासन डी० दिन में और एन० रात्रि में देना चाहिए ।

निर्माता—हेक्स्ट ।

ब्रोमोफार्म कम्पाउण्ड
(Bromoform Com)

औषधि-मिश्रण—

कोडीन हाइड्रोक्लोराइड (Codeine Hydrochlor. B. P. C.)

क्रेमेरिया (Krameria B. P.)

प्रूरस सिरोटीना (Prurus Serotina B. P.)

सेनेगा (Senega B. P.)

प्रयोग—यह कफयुक्त खाँसी की उत्तम औषधि है।

मात्रा—आधा से दो चम्मच की मात्रा में प्रत्येक २ से ४ घण्टे के अन्तर से देना चाहिये। बच्चों को उम्र के अनुसार।

निर्माता—क्रूक्स लेबोरेटरीज लिमिटेड।

बिड्राजाइड टैबलेट
(Bidrazide Tablets)

औषधि—यह आइसोनिकोटिनिक एसिड हाइड्राजाइड (Isonicotinic Acid Hydrazide) की ५० और १०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—यक्ष्मा (Tuberculosis) की औषधि है।

मात्रा—२०० से ३०० मिग्रा० प्रतिदिन।

निर्माता—बिडिल सवेयर एण्ड को (Biddle Sawayer and Co.)

बेनाड्रिल एक्सपेक्टोरेण्ट
(Benadryl Expectorant)

औषधि मिश्रण—

डाइफेनहाइड्रामीन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenhydramine Hydrochloride)

एमोन० क्लोराइड (Ammon Chloride)

सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)

क्लोरोफार्म (Chloroform)

मेन्थोल (Monthol)

अल्कोहल (Alcohol)

प्रयोग—यह एक उत्तम कफनिस्सारक, श्वासनलिका प्रसारक औषधि है। अतः इसका प्रयोग श्वास-कष्ट की अवस्था में उत्तम है।

मात्रा—रोगी की अवस्था तथा रोग की उग्रतानुसार है।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस कम्पनी, बम्बई।

टिप्पणी—एण्टीहिस्टामीन युक्त बी० डी० एच० (B. D. H.) का डाइलोसिन एक्सपेक्टोरेण्ट (Dilosin Expectorant) है।

बाइटिबेन
(Biteben)

औषधि-मिश्रण—

आइ० एन० एच० (I. N. H.) ७५ मिग्रा०

थियासीटाजोन (Thiacetazone) ३७.५ मिग्रा०

प्रयोग—यक्ष्मा (Tuberculosis) की प्रत्येक अवस्था में लाभदायक है।

मात्रा—३-४ टिकिया रात को सोते समय एक साथ देते हैं। इसकी आधी मात्रा दिन में २ बार भी दी जा सकती है। खाली पेट कभी न दें।

बच्चों की मात्रा—आइ० एन० एच० (I. N. H.) के आधार पर देना चाहिये। ५ से ७ मिग्रा० प्रतिकिलोग्राम शरीर-भार के अनुसार दें।

निर्माता—बायर (Bayer)

—*—

ब्रोवॉन इनहेलेण्ट
(Brovon Inhalant)

औषधि-मिश्रण—

एट्रोपीन मीथोनाइट्रेट (Atropine Methonitrate)

पापावरीन हाइड्रोक्लोराइड (Papaverine Hydrochloride)
एड्रीनैलीन (Adrenaline)
क्लोरब्युटॉल (Chlorbutol)

प्रयोग—ब्रांकियल ऐज्मा (Bronchial Asthma) में शीघ्र लाभ पहुँचाने वाला है।

प्रयोग विधि—इनहेलर (Inhaler) में रख कर इसका स्प्रे (Spray) २-३ मिनट तक नाक या मुख द्वारा लेते हैं।

निर्माता—बिडिल सवेयर एण्ड कं० (Biddle Sawayer and Co.)

—*—

ब्रोवान टैबलेट्स
(Brovan Tablets)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine hydrochloride)
एट्रोपीन मीथोनाइट्रेट (Atropine Me honitrate)
पापावरीन हाइड्रो० (Papaverine Hydr.)

प्रयोग—श्वास रोग (Asthma) की चिकित्सा तथा अगले आवेगों से बचाव तथा ब्रांकाइटिस (Bronchitis) में श्वास कष्ट (Dyspnoea) में लाभकर है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में दो या तीन बार किसी पेय पदार्थ या जल के साथ।

निर्माता—बिडिल सवेयर एण्ड को० (इण्डिया) प्राइवेट लि० (Biddle Swayer & Co. India Private Ltd)

———

केफसिन

(Cafsyn)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर० (Ephedrine Hydrochlor.)
टरपीन हाइड्रेट (Terpine Hydrate)
सोडियम बेञ्जोएट (Sodium Benzoate)
कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)
इथिल मार्फीनहाइड्राक्लोराइड (Ethyl Morphine Hydrochlor.)
पोटैशियम ब्रामाइड (Potassium Bromide)
पोटैशियम गुइकालसल्फोनेट (Potassium Guicol Sulphonate)
मैन्थाल (Menthol)
ग्लिसरीन (Glycerine)
एक्वा कैम्फोरा (Aqua Camphora)
सिरप टोलू Syrup Tolu)
सिरप वासक (Syrup Vasaka)

प्रयोग– इसका प्रयोग विशेषतया पुरानी खाँसी, वायुनली भुजप्रदाह (Bronchitis), बहुव्यापक सर्दी Influenza), दमा (Asthma) तथा कुकुर खाँसी (Whooping cough) में होता है। श्वासयन्त्र सम्बन्धी संपूर्ण विकारों में यह उपयुक्त औषाध है। इसके सेवन से कब्जियत नहीं होती।

मात्रा—बड़ों को नित्य दो चम्मच दिन में तीन बार। बच्चों को उम्र के अनुसार देना चाहिये।

निर्माता—इण्डस्ट्रीयल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट लि० बम्बई।

—०—

सिफारन्थिन
(Cepharanthin)

औषधि-मिश्रण—यह एक अल्केलायड है जिसे सिफारन्थिन कहते हैं। यह उसी से बनी है।

प्रयोग—पलमोनरी टी० बी० (Pulmonary Tuberculosis), फेरिंजियल टी० बी० (Pharyngeal Tuberculosis) लूपस (Skin Tuberculosis), यूरोजेनीटल टी० बी० (Urogenital Tuberculosis), बच्चों की टी० बी० (Infantile Tuberculosis) की यह उपयुक्त आविष्कृत औषधि है। टी० बी० के रोगियों पर इसका अच्छा गुण देखा गया है। इसके साथ ही साथ कुछ कुष्ठ रोगों (Leprosy), कुकुर खाँसी (Whooping cough), वायुनली का दमा (Bronchial Asthma), बहुमूत्र (Diabetes Insipidus), सर्पदंश (Snake bite), पुराना मलेरिया ज्वर (Chronic cases of Malaria) आदि रोगों पर भी यह सुन्दर कार्य करती है।

मात्रा—इसकी मात्रा चिकित्सक की राय पर निर्भर है। रोग की स्थिति समझकर ही मात्रा का विचार किया जा सकता है। इस दवा की सूई भी आती है।

निर्माता—सियोनोगी एण्ड कम्पनी लिमिटेड, जापान।

चेस्टोन
(Cheston)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन हाइड्राक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)
टर्पीन हाइड्रेट (Terpene Hydrate)
थीयोकोल (Thiocol)

कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)

सोडी बेंजोएट (S dii Banzoate)

वासक (Vasaka)

मुलेठी (Mulethi)

हंसराज (Hansraj)

गुलबनफशा (Gulbanafasha)

सिरप तथा प्रिजरवेटिव्स (Syrup and Preservatives)

यह उपर्युक्त औषधियों के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—वायुनली सुजनदाह (Bronchitis), स्वरनली प्रदाह (Laryngitis), न्यूमोनिया (Pneumonia), बहुव्यापक सर्दी (Influenza) आदि रोगों में लाभदायक औषधि है।

मात्रा—१ से २ चम्मच दवा नित्य ४-४ घण्टे पर देनी चाहिये।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

सियाजाइड—१०० गोली

(Siazide 100 Tablets)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में सायनासिटिल हाइड्राजाइड (Cynacetyl Hydrazide) १०० मिलीग्रा० की मात्रा में रहता है।

प्रयोग—पास और आइ. एन. एच. के जो प्रतिरोधी (Resistant) रोगी हैं; उनमें इसका प्रयोग करते हैं।

निर्माता—थैमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

साइनोपासकैल

(Synopascal)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में साइनासेटिल हाइड्राजाइड

(Cynacetyl Hydrazide), पास (P. A. S.) डाई बेसिक कैल्शियम फास्फेट (Di-Basic Calcium Phosphate) कैल्सिफेराल (Calciferol) होता है।

प्रयोग—यह टी० बी० की सब प्रकार की अवस्था में कार्य करता है।

मात्रा—३ ४ गोली दिन में चार बार।

निर्माता—थेमिस फार्मास्यूटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

कैल्पास गोली
(Calpas Tablets)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में कैल्शियम एमिनो सैलिसिलेट (Calcium Amino Salycilate) रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग सभी प्रकार की टी० बी० में करते हैं।

निर्माता—थेमिस फार्मास्यूटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

कोडिलेक्स कफ सिरप
(Codylex Cough Syrup)

औषधि-मिश्रण—एमीनोफाइलीन (Aminophylline)

कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)

पोटैशियम गुइकाल सल्फोनेट (Potassium Guaiacol Sulphonate)

पोटैशियम साइट्रेट (Potassium Citrate)

टिंचर इपीकाक (Tincture Ipecac)

एमोनियम कार्बोनेट (Ammonium Carbonate)

सिरप तथा एरोमेटिक्स (Syrups and Aromatics)

प्रयोग—हर प्रकार के कफ रोग से पीड़ित व्यक्तियों को इसका सेवन करना चाहिए।

मात्रा—बड़ों को दो चम्मच हर चार घण्टे पर देना चाहिऐ तथा जिन बच्चों की उम्र ८ से १६ साल के अन्दर हो उन्हें १ से २ चम्मच हर ४ घण्टे पर तथा जो बच्चे २ से ८ साल के अन्दर हों उन्हें १ चम्मच हर ४ घण्टे पर देना चाहिए।

निर्माता—दी ऐंग्लो फ्रेञ्च ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

—*—

कोराजोल इफेड्रीन
(Corasol Ephedrine)

औषधि-मिश्रण—यह कोराजोल तथा इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड के मिश्रण से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह वायुनली सम्बन्धी दमा (Bronchial Asthma), रक्त वाही तथा श्वास सम्बन्धी विकारों (Circulatory and Respiratory affections), हिमांगावस्था की स्थिति (State of Collapse) आदि रोगों में मुफीद है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया नित्य सेवन करना चाहिए। इस दवा की सूई भी आती है तथा यह तरल रूप (Liquid) में भी आती है। तरल रूप की दवा को २० से ३० बूंद तक नित्य २ से ३ बार तक सेवन किया जाता है।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

—*—

कोराजोल क्विनाइन
(Corasol Quinine)

औषधि-मिश्रण—यह कोरोजल तथा क्विनाइन लैक्टेट के मिश्रण से तैयार की गई है।

प्रयोग—इसका प्रयोग विशेषतया न्यूमोनिया (Pneumonia), बहु-व्यापक सर्दी (Influenza), वायुनली प्रदाह (Bronchitis), कुकुर-खाँसी (Whooping Cough) में किया जाता है। यदि पेशाब रुक गया हो तो इसके प्रयोग से आने लगेगा।

मात्रा—१ से २ टिकिया नित्य ३ बार सेवन करना चाहिये। इसकी सुई भी आती है।

कोरेक्स

(Corax)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरफेनिरमीनमेलियेट (Chlorpheniramine Maleate)

कोडीन फॉस० (Codeine Phos)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर० (Ephedrine Hydrochlor)

सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)

मेन्थाल (Menthol)

प्रयोग—खांसी (Cough) शान्त रखने का उत्तम सिरप है।

मात्रा—१ चाय चम्मच दिन भर में चार बार। बच्चों को ½ चम्मच, ६ वर्ष से छोटे बच्चों को ¼ चम्मच चार बार।

निर्माता—फाइजर (Pfizer)।

कोरटासमिल

(Cortasmyl)

औषधि मिश्रण—इनकी प्रत्येक गोली में प्रेड्निसोन (Prednisone), इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hcl.), थियोफायलिन (Theo-Phylline) फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone) रहता है।

प्रयोग—सब प्रकार के दमा (Bronchial Asthma), जीर्ण श्वास-नलिका शोथ (Chronic Bronchitis), सिलिकोसिस (Silicosis), एन्थ्राकोसिस (Anthracosis) तथा न्यूमोकोनियोसिस (Pneumoconiosis) में करते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में ६ बार।

निर्माता—राउसेल कम्पनी (Roussel Co)

कोसोम

(Cosome)

औषधि-मिश्रण—

रेसीफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Racephedrine Hydrochloride), ईथिलमॉर्फीन हाइड्रोक्लोराइड (Ethylmorphine Hydrochloride)

लि० एक्स० थाइम (Liq. extract of thyme)

स्पि० क्लोरोफार्म (Spt. Chloroform)

प्रयोग—बच्चों अथवा वयस्कों के तीव्र एवं चिरकारी कास में लाभदायक है। ब्रांकाइटिस (Bronchitis), परेशान करने वाली खाँसी (Irritating cough), कूकरकास (Whooping cough), श्वसन तन्त्र के संक्रमण (Affections of respiratory tract), इन्फ्लुएन्जा Influenza) आदि में विशेष लाभदायक है।

मात्रा—१/२ से १ टेबल चम्मच दिन में ४ बार। २ वर्ष से बड़े बच्चों को १/२ से १ चाय चम्मच भर दिन में ३ बार। २ वर्ष से छोटे बच्चो को १/६ से १/२ चाय चम्मच भर २ से ३ बार प्रतिदिन।

निर्माता—मर्क (Merck)

—•—

स्वाक्स

(Swax)

औषधि-मिश्रण--इसकी प्रत्येक गोली में इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hcl.), एमीनोफाइलिन (Aminophylline), फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone) तथा कोडीन (Codeine) रहता है।

प्रयोग-इसका प्रयोग ब्रांकियल आज्मा (Bronchial Asthma), एज्मेटिक ब्रांकाइटिस (Asthmatic Bronchitis), स्पाज्मोटिक कफ (Spasmodic Cough), जीर्ण ब्रांकाइटिस (Chronic Bronchitis), रायनायटिस (Rhinitis), हे ज्वर (Hay Fever), शीतपित्त (Urticaria) तथा अन्य एलर्जिक विकारों में करते हैं।

मात्रा--१--२ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता--एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Co.)

टिप्पणी--इसी प्रकार की बिना कोडीन के टी. सी. एफ. (T. C. F.) की एण्टिएस्मेट (Antiasmat) नामक टिकिया है।

कोसाविल

(Cosavil)

औषधि-मिश्रण--एक एविल (Avil), फिनाजोन सैलिसिलेट (Phenazone Salycilate) तथा कैफीन (Caffeine) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग--सर्दी जुकाम (Common Cold), इन्फ्लुएन्जा (Influenza), सिरदर्द (Headache) इत्यादि में लाभ करता है।

मात्रा--१-२ गोली दिन में २-३ बार।

निर्माता--हेक्स्ट (Hoechst)

कॉस्कोपिन प्लस

(Coscopin Plus)

औषधि-मिश्रण—नैस्कोपीन (Nascopine)
क्लोरफेनिरमीन मेलियेट (Chlorpheniramine Maleate)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedr ne Hydrochloride)
अमोनियम क्लोराइड (Ammonium Chloride)
साइट्रिक एसिड (Citric Acid)
सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)
प्रयोग—खाँसी की उत्तम दवा है।
मात्रा—१-२ चम्मच प्रति ३-४ घण्टों पर, बच्चों को ½ से १ चम्मच।
निर्माता—बायोलॉजिकल इवांस लि० (Biological Evans Ltd.)

—*—

कोसिलान

(Cosylan)

औषधि-मिश्रण—
टिं० कोसिलाना (Tinct. Cosillana)
टिं० यूफोर्बिया पिलूलिफेरा (Tinct. Euphorbia Pilulifera)
सिरप वाइल्ड लेटक (Syr. Wild Letuc)
लि० एक्स० (Liq. Ext. Squill)
लि० एक्स० सेनेगा (L q. Ext. Senega)
एण्टीमनी पॉट० टार्ट्रेट (Antim. Pot. Tartrate)
कैस्केरीन (Cescarin)
इथिल मॉर्फीन० हाइड्रो० (Ethylmorphine Hcl.)
मेन्थाल (Menthol)

प्रयोग—सब प्रकार की खाँसी में प्रयुक्त होती है।

मात्रा – ½ से १ चम्मच दिन में ४ बार।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस।

—*—

क्रीसिवल इक्पेक्सटोरेण्ट

(Cresival Expectorant)

औषधि—यह ३% कैल्शयम क्रियोसॉल सल्फोनामाइड (Calcium Creosol Sulphonamide 3%) का सिरप है।

प्रयोग—तीव्र अथवा जीर्ण कास (Acute or Chronic Cough) की औषधि है।

मात्रा—२ बड़ा चम्मच दिन में ३–४ बार।

निर्माता—बायर (Bayer)

टिप्पणी—इसमें ल्यूमिनाल (Luminal) मिला हुआ क्रीसिवल फोर्ट (Cresival Forte) के नाम से मिलता है।

—*—

डी. सी. सी. सीरप

(D. C. C. Syrup)

औषधि-मिश्रण—इसमें डाइईथिल कार्बेमेजीन साइट्रेट (Diethyl Carbamazine Citrate U. S. P.) रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग केचुआ (Ascariasis), श्लीपद (Filariasis) तथा Tropical Eosinophillia में करते हैं।

मात्रा—½ चम्मच रोग तथा रोगी के आवश्यकतानुसार।

निर्माता—थेमिस फार्मास्यूटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

—*—

डा. सी. सी. गोली

(D. C. C. Tablet)

इसका गुण, कर्म एवं प्रयोग (D. C. C. Syrup) के ही समान है ।

(देखें हेट्राजन)

डेसीटाजोन टैब्लेट्स

(Decetazone Tablets)

औषधि—यह थियासीटाजोन (Thiacetazone) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में ५० मिग्रा० औषधिर हती है ।

प्रयोग—राजयक्ष्मा (Tuberculosis) की औषधि है । अन्य औषधियों के साथ देने से यक्ष्मा के जीवाणु शीघ्र प्रतिरोधी (Resistant) नहीं हो पाते ।

मात्रा—२ से ३ टिकिया प्रतिदिन एक या दो मात्राओं में ।

निर्माता—डेज मडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—*—

डोलोन टैब्लेट्स

(Dolone Tablets)

औषधि-मिश्रण—

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

थियासीटाजोन (Thiacetazone)

प्रयोग—यक्ष्मा की उत्तम औषधि है ।

मात्रा—२ टिकिया प्रतिदिन एक या दो मात्राओं में ।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—*—

इयोसिनोपिन
(Eosinopin)

औषधि-मिश्रण—यह डाईथिल कार्बामेजीन साइट्रेट (Diethyl Carbamazine Citrate) का उत्तम योग है।

प्रयोग एवं मात्रा—डी० सी० सो० के समान फाइलेरियेसिस, एस्केरियेसिस और इयोसिनोफिलिया में इसका प्रयोग करते हैं।

निर्माता--डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—*—

इफेड्रीन कम्पाउण्ड एलिक्जर
(Ephedrine Compound Elixir)

औषधि-मिश्रण--इसमें इफेड्रीन सल्फेट (Ephedrine Sulphate)
कैफीन (Caffeine)
सोडियम सैलिसिलेट (Sodium Salicylate)
सोडियम आयोडाइड (Sodium Iodide)

एक्सट्रैक्ट बेलाडोना ग्रीन (Extract Belladonna Green) तथा एल्कोहल रहता है।

प्रयोग—सब प्रकार की ब्रांकियल एवं लैरिन्जियल स्पाज्म (Bronchial and Laryngeal Spasm) में प्रयोग करते हैं।

हैं, अतः दमा (Asthma) एवं कुकुरखांसी (Whooping Cough) में उत्तम प्रभाव दिखाता है।

मात्रा—½-२ चम्मच आवश्यकतानुसार।

निर्माता--पार्क एण्ड डेविस कम्पनी (Park and Davis)

—*—

इफेड्रेक्स
(Ephedrex)

औषधि-मिश्रण---इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)

सिरप वासक (Syrup Vasaka)

सिरप टोलू (Syrup Tolu)

आयल थाइम (Oil Thyme)

प्रयोग—इसका प्रयोग दमा (Asthma), दमा से उत्पन्न वायुनली प्रदाह, पुराना वायुनली प्रदाह (Chornic Bronchitis), कुकुर खांसी (Whooping Cough) आदि रोगों में होता है। यह खाँसी, बलगम की अच्छी दवा है।

मात्रा—२ से ४ टिकिया की मात्रा में दिन भर में ३ बार सेवन करना चाहिये।

निर्माता-एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

इफेड्रोनेट सिरप
(Ephedronate Syrup)

औषधि-मिश्रण--यह निम्नलिखित औषधियों के मेल से तैयार की गई है-

इफेड्रीन (Ephedrine)

ग्लुकोनिक एसिड (Gluconic acid)

प्रयोग-- दमा (Asthma), खाँसी (Cough), कुकुर खाँसी (Whooping cough) आदि में इसका प्रयोग होता है। यह दमा की अच्छी दवा है।

मात्रा--१ चम्मच दिन भर में तीन बार तक सेवन किया जाता है। यदि किसी को हाई ब्लड प्रेशर (High Blood wressure) की शिकायत

हो तो इस औषधि का प्रयोग सर्वथा वर्जित है। इस दवा की टिकिया भी प्रयोग की जाती है।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

———

ईफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड
(Ephedrine Hydrochloride)

औषधि-मिश्रण--यह इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड से ही तैयार की गई टिकिया है।

प्रयोग—दमा (Asthma), हे फीवर (Hay fever), सेप्टिक स्थिति में रक्त दबाव की कमी (Low Blood Pressure) आदि रोगों में उपयुक्त है। दमा की अद्वितीय औषधि है।

मात्रा—$\frac{1}{2}$ और $\frac{1}{4}$ ग्रेन की मात्रा में इसकी टिकिया तैयार की जाती है। दारे के समय देने से तत्काल लाभ करती है। इसका $\frac{1}{4}$ ग्रेन की सुई भी दी जाती है।

निर्माता—अनेक कम्पनियाँ

—o—

एलिक्जर काडसक
(Elixir Kadsaka)

औषधि-मिश्रण-यह निम्नलिखित औषधियों के मेल से तैयार की गई है।

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी० (Vitamin D_2)

कैल्शियम हाइपोफास्फाइट (Calcium Hypophosphite)

सोडियम बेंजोएट (Sodium Benzoate)

पोटेशियम सल्फागायाकोलेट (Pot. Sulphoguaiacolate)

एक्सट्रैक्ट वासक ली० (Ext. Vas‌ka Liq.)
,, सीडा ,, (Ext. S da L q.)
,, माल्ट ,, (Ext. Malt)

ग्लिसरीन थाइमल विथ नेन्थल (Gl‌cerine Thymol with Menthol)

प्रयोग--यह वायुनली सम्बन्धी विकारों की बहुमूल्य औषधि है। श्वास-यन्त्र की क्रिया पर इसका विशेष गुण दिखलाई पड़ता है। विटामिन ए. डी तथा कैल्शियम की कमी की पूर्ति करती है।

मात्रा—बड़ों को नित्य २ से ४ ड्राम की मात्रा में ३ बार तथा बच्चों को उम्र के अनुसार।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्यूटिकल, कोचीन।

—*—

इफेड्रीन एण्ड एमिटल
(Ephedrine & Amytal)

औषधि-मिश्रण—यह इफेड्रीन सल्फेट (Ephedrine Sulphate) तथा एमीटल (Amytal Amyl barbital) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—इसका प्रयोग वायुवली के दमा (Bronchial Asthma) के रोग से बचने तथा उसकी चिकित्सा में होता है। माथे की सर्दी (Corrhyza) तथा रजःकृच्छ्र (Dysmonorrhoea) रोग में भी इसका प्रयोग लाभप्रद होता है।

मात्रा—उम्र के अनुसार होती है। २४ घण्टे में १ से ३ टिकिया तक होनी चाहिये।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

—*—

इस्कोल्ड स्पैन्स्यूल-कैप्स्यूल
(Eskold spansule-capsule)

औषधि-मिश्रण—डाइफेनिलपाइरालीन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenyl-pyraline hydrochloride)

फेनिलप्रोपैनोलामीन हाइड्रोक्लोराइड-(Phenylpropanolamine hydrochloride) ।

प्रयोग—सर्दी, जुकाम (Coumon cold), नासिका एलर्जी (Allergic rhintitis), इन्फ्लुएन्जा (Influenza), साइनुसाइटिस (Sinusitis) में लाभ करता है ।

मात्रा—१२ वर्ष से बड़े बच्चों व युवकों को १ स्पैन्स्यूल कैप्स्यूल प्रति १२ घंटे पर किसी पेय के साथ जो गरम न हो निगलाते हैं । जो पूरी कैप्स्यूल निगल न सकते हों वे उसे फोड़कर स्पैन्स्यूल किसी मृदु ठण्डे भोजन में मिलाकर खा सकते हैं पर चबावें नहीं । छोटे बच्चों को न दें ।

निर्माता—स्मिथ क्लीन एण्ड फ्रेंच (Smith Kline & French India Ltd.)

—*—

इथनीन सिरप
(Ethnine Syrup)

औषधि-मिश्रण—फोलकोडीन (Pholeodine)
ऑक्सीमेल (Oxymel)
क्लोरोफार्म (Chloroform)
ग्लिसरीन (Glycerine)
सुगन्धित सिरप (Flavoured Syrup)

प्रयोग—सूखी एवं कष्टदायक खांसी, कुकास (Whooping Cough)

आदती कास (Habit Coug), टान्सिलों आदि के कारण कास में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार। बच्चों को एक चम्मच तक दिन में ३-४ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

— ❋ —

फेलसाल
(Felsol)

औषधि मिश्रण--

फिनायल डाईमेथिलआइसोपाइराजोलोन (Phedyle dimethylisopyrazolone)

फिनायल डाईमेथिलआयोडोपाइराजोन (Phenyle dimethyliodopyrazolone)

एण्टीपायरीन एसीटो-सेलीसिलास (Antipyrine Aceto Salicylas)

कैफीन (Caffeine)

एक्सट्रैक्ट विसी एल्ब (Extra t Visci Alb.)

एक्सट्रैक्ट ब्रेचीक्लेडाई (Ext. Brachycladii)

प्रयोग--ब्रांकियल दमा (Bronchial Asthma), कार्डियक दमा (Card ac Asthma), हृद्शूल (Angina Pectoris), पुरानी वायु-नली प्रदाह (Ch onic Bronchitis), कुकुर-खाँसी (Whooping Cohgh) आदि रोगों में यह दवा सुन्दर कार्य करती है।

मात्रा—दौरे के समय में १ पुड़िया ही पर्याप्त है। यदि आवश्यकता पड़े तो २० मिनट के पश्चात् दूसरी पुड़िया देनी चाहिये।

निर्माता—ऐंग्लो फ्रेञ्च ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

— ❋ —

फाइलाजीन
(Filazine)

औषधि-मिश्रण—

डाईइथिलकार्बामाजीन साइट्रेट (Diethylcarbamazine Citrate)

प्रयोग—यह फाइलेरिया तथा यूसिनोफिलिया में लाभ करती है। आवश्यकतानुसार इसे केंचुवा में भी प्रयोग करते हैं।

मात्रा--२ से ६ टिकिया प्रतिदिन। केंचुवा के लिये ६ से १० मिग्रा० प्रति किलोग्रा० शरीर भार प्रतिदिन।

निर्माता--टी० सी० एफ०।

—*—

फिनैम्बुटॉल
(Finambutal)

औषधि—यह इथैम्बुटॉल (Ethambutol) की २०० और ४०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग--सभी यक्ष्माओं (Tuberculoses) में लाभदायक है।

मात्रा—२०० से ४०० मिग्रा० दिन में २ बार या १५ से २५ मिग्रा० प्रति किग्रा० शरीर भार के अनुसार दिन में १ मात्रा।

निर्माता—फिनोकेम लेबोरेटरीज (Finochem Laboratories)

—*—

फ्रनॉल टैबलेट्स
(Frenol Tablets)

औषधि-मिश्रण—

थीयोफाइलीन (Theophylline)

इफेड्रीन सल्फेट (Ephedrine Sulphate)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग--श्वास रोग (Bronchial Asthma) और हे फीवर (Hay Fever) की चिकित्सा और निरोध में लाभदायक है। इनके अतिरिक्त हृद्जन्य श्वास (Cardiac Asthma) एवं वात स्फीति (Emphy-ema) के हलके लक्षणों को शान्त करती है। खाँसी (Cough), कुकुर खाँसी (Whooping Cough), पाइलोरिक संवरणी के उद्वेष्ट (Phlorospasm) एवं आन्त्र की उद्वेष्टयुक्त अवस्थाओं में भी लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार।

—*—

फ्रैनॉल टी० एफ० टेबलेट्स
(Franol T. F. Tablets)

औषधि-मिश्रण—

थीयोफाइलीन (Theophylline)

इफेड्रीन सल्फेट (Ephedrine Sulphate)

क्लोरमीजानोन (Chlormezanone)

थेनिलडियामीनो हाइड्रोक्लोराइड (Thenyldiamino Hydrochloride)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—फ्रैनॉल टैब्लेट्स के समान। यह उससे और अधिक शक्तिशाली है।

मात्रा--१-२ टिकिया दिन में ३ बार।

—*—

ग्लूकैलडीन
(Glucaldine)

औषधि-मिश्रण—आयोडीन (Iodine) तथा कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—श्वासयन्त्र के अन्दर के खराश में विशेष लाभदायक है। साधारण ठण्ढ लगने में न देना चाहिए।

मात्रा—१ टिकिया हर चार घण्टे पर देनी चाहिए।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

ग्लाइकोडिन-टर्प वासक
(Glycodin-Terp Vasaka)

औषधि-मिश्रण—यह निम्नलिखित औषधियों के मेल से तैयार की जाती है।

एण्टीमनी टारट्रेट (Antimony Tartrate)
टर्पीनहाइड्रेट (Terpene Hydrate)
कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)
मेन्थल (Menthol)
सिरप टोलू (Syrup Tolu)

प्रयोग—नये तथा पुराने वायुनली प्रदाह (Acute and chronic Bronchitis), पल्मोनरीट्यूबरक्यूलासिस (Pulmonary Tuberculosis), बहुव्यापक सर्दी (Influenza), गलकोष प्रदाह (Pharyngitis), स्वरनली प्रदाह (Laryngitis), टान्सिल प्रदाह (Tonsillitis) तथा श्वासयन्त्र की उन खराबियों में जिनके द्वारा खांसी, बलगम की शिकायत पैदा हो अथवा बढ़े, लाभप्रद है।

मात्रा—एक चम्मच की मात्रा में दवा नित्य ३-४ बार सेवन करनी चाहिए। १ से ६ वर्ष के बच्चों को ¼ चम्मच, ६ से १० वर्ष के बच्चों को ½ चम्मच की मात्रा में दवा देनी चाहिये। दवा को थोड़े से पानी अथवा

दूध में मिलाकर प्रयोग करावें। यह दवा दो प्रकार की है—(१) ग्लाइकोडीन टर्प वासक तथा (२) ग्लाइकोडीन टर्प वासक विथ गुइकाल।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल वर्क्स, बड़ौदा।

ग्लाइकोडिन लौजेन्जेज
(Glycodin Lozenges)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट ग्लिसराइजा (Ext. Glycerrhiza)
कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)
मेन्थल (Menthol)
बेन्जोइक एसिड (Benzoic Acid)
एमोनियम ब्रोमाइड (Ammonium Bromide)
टर्पीन हाइड्रेट (Terpene Hydrate)
आयल यूकेलिप्टस (Oil Eucalyptus)
आयल अनीसी (Oil Anisi)
आयल मेन्थ पिप (Oil Menth. Pip.)

प्रयोग—यह दवा थाइसिस (Pthisis), पुराने वायुनली प्रदाह (Chronic Bronchitis), स्पाज्मोडिक वायुनली प्रदाह (Spasmodic Bronchitis) आदि के कास में विशेष लाभदायक है। कुकुर खांसी (Whooping Cough), दमा (Asthma), दमा सम्बन्धी वायुनली प्रदाह (Asthmatic Bronchitis), स्वरनली प्रदाह (Laryngitis), गलकोष प्रदाह (Pharyngitis), टांसिल प्रदाह (Tonsillitis) आदि में भी गुणकारी है।

मात्रा—१ लोजेन्ज को मुँह में रखकर चूसना चाहिये। नित्य ३ से ४

बार तक ऐसा ही करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता--एलेम्बिक, केमिकल बड़ौदा।

ग्लाइकोसेप्टॉल

(Glycoseptol)

औषधि-मिश्रण--

कैम्फर (Camphor)
मेन्थॉल (Menthol)
थाइमॉल (Thymol)
आयोडीन (Iodine)
सोडियम बाइकार्बोनेट (Sodium Bicarbonate)
सोडियम बोरेट (Sodium Borate)
सोडियम बेंजोएट (Sodium Banzoate)
सोडियम सैलिसिलेट (Sodium Salicylate)
क्लव ऑयल (Clove Oil)
एनीसीड ऑयल(Aniseed Oil)
यूकैलिप्टस ऑयल (Eucalyptus Oil)
टर्पिनियोल (Terpineol)
ग्लिसरीन (Glycerin)
एलकोहल (Alcohol)

प्रयोग—सभी प्रकार की गले की गड़बड़ (All sorts of throat troubles), दाँत दर्द (Toothache), टांसिल शोथ (Tonsillitis), मुखपाक (Stomatitis), ग्रसनी शोथ (Pharyngitis), स्वरयन्त्र शोथ (Laryngitis), भारी आवाज या स्वरभंग (Hoarseness of Voice

or aphonia), दुर्गन्धित श्वास (Bad breath), कष्टदायक कास (Irritative cough) और गले की अधिरक्तता (Congestion of throat) और गाल, तालु, जिह्वा और मसूढ़ों के व्रणों (Ulcers of cheeks, palate, tongue and gums) में लाभदायक है ।

मात्रा---एक प्याले सुखोष्ण जल (Tepid Water) में ८-१० बूँद दवा डालकर ५-७ मिनट गरारे करें । दिन में ३-४ बार विशेषतः सोने के पहले अवश्य करना चाहिये ।

समभाग जल में मिलाकर नासा प्रदाह (Nasal catarrh) और संक्रामक रूसी (Infectious dandruff) में सीकर (Spary) के रूप में प्रयोग कर सकते हैं । गुदकण्डू (Pruritus ani) और भगकण्डू (Pruritus Vulvae) में स्थानिक प्रयोग कर सकते हैं । चर्मशोथ (Dermatitis), जलना (Furns), चोट, कीड़ों के दंश (Bites stings) पर भी लगाया जा सकता है ।

निर्माता--ज्यूपिटर केमिकल वर्क्स (Jupitar Chemical Works)

प्रयोग--यह दवा थाइसिस (Phtisis), पुराने वायुनली प्रदाह (Chronic Bronchitis), स्पाजमोडिक वायुनली प्रदाह (Spasmodic Bronchitis), आदि के कफ में विशेष लाभदायक है । कुकुर खाँसी (Whooping Cough), दमा (Asthma), दमा सम्बन्धी वायुनली प्रदाह (Asthmatic Bronchitis), स्वरनली प्रदाह (Laryngitis), गलकोष प्रदाह (Pharyngitis), टांसिल प्रदाह (Tonsillitis) आदि में भी गुणकारी है ।

मात्रा--१ लोजेन्ज को मुँह में रखकर चूसना चाहिये । नित्य ३ से ४ बार तक ऐसा ही करना चाहिये । बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी ।

निर्माता--एलेम्बिक, केमिकल, बड़ौदा ।

—*—

इकाफ्रीन टैब्लेट

(Icafrine Tablet)

औषधि मिश्रण--

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)
फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)
आयोडोकेफीन (Idocaffeine)
एमीनोफाइलीन (Aminophylline)
नियासिन (Niacin)

प्रयोग--इसका प्रयोग वायुनली से सम्बन्धित तथा हृद्पिण्ड से सम्बन्धित दमा (Bronchial and Cardiac Asthma) में होता है। यह नासा प्रदाह (Rhinitis) में भी लाभप्रद है।

मात्रा--१ से २ टिकिया की मात्रा में दौरे के समय देना चाहिये। तत्पश्चात् चिकित्सक की राय से दुहरानी चाहिये।

निर्माता--एलेम्बिक केमिकल वर्क्स, लिमिटेड, बड़ौदा।

इल्विको

(Ilvico)

औषधि-मिश्रण--

इल्विन (Ilvin)
विटामिन सी (Vitamin C)
फीनाजोन (Phenasone)
एन-मैथिल इफेड्रीन हाइड्रो० (N. Methyl Ephedrine Hcl.)
कोडीन फॉस (Codeine Phos)

सैलिसिलामाइड (Salicylamide)
सोडियम सैलिसिलेट (Sodium Salicylate)
क्विनीन हाइड्रोक्लोर (Quinine Hydrochlor.)
कैफीन (Caffeine)

प्रयोग--सामान्य सर्दी (Common Cold), इन्फ्लुएञ्जा (Influenza), गले में शोथ (Pharyngitis), ज्वर इत्यादि में लाभ करती है ।

मात्रा--१ गोली दिन में ३ बार ।

निर्माता— ई मर्क ।

--*--

इपिसेएड्रीन
(Ipseandrine)

औषधि-मिश्रण--इसके १ चम्मच शर्बत में २ मि० ग्राम इपिकाक का एल्केलायड है जो कि २·३२ मिग्रा० मार्फीन और ७·५ मिग्रा० इफेड्रीन हाइड्रोक्लारायड के बराबर होती है ।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग सभी प्रकार की खाँसी (Cough) में उत्तम होता है ।

मात्रा—१ चम्मच दिन में ३ या ४ बार प्रयुक्त होता है ।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज स्विट्जरलैण्ड ।

--*--

आइसाथिज़ोन
(Isathizon)

औषधि-मिश्रण--

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

थियासीटाजोन (Thiacetazone)

प्रयोग--यह तपेदिक (Pulmonary tuberculosis) की खाने की औषधि है।

मात्रा--२-४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता--बंगाल इम्यूनिटी को० लि०।

—*—

आइसोनेक्स
(Isonex)

औषधि-मिश्रण—

यह आइसोनिकोटिनिक एसिड हाइड्राजाइड (Isonicotinic acid Hydrazide) की ५० और १०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—सब प्रकार के यक्ष्मा (टी० बी०) तथा कुकुर खाँसी में लाभ करती है।

मात्रा--१ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता— ड्यूमेक्स।

—*—

आइसोविन
(Isovin)

औषधि—यह पी-हाइड्रॉक्सी एम-मीथॉक्सी बेन्जेल्डीहाइसड आइसोनिकोटिनोइल हाइड्राजोन (P-Hydroxy m-Methoxy Benzaldehyde Isonicotinoil Hydrazone) की ५०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग--यक्ष्मा में लाभकर है। इसका अकेले या अन्य औषधियों के साथ प्रयोग करते हैं।

मात्रा—२५ मिग्रा० प्रति किग्रा० शरीर-भार के अनुसार प्रतिदिन देते हैं। सामान्यतः २ से ४ टिकिया प्रतिदिन की मात्रा है।

निर्माता—जी० डी० ए० (G. D. A.)

—*—

आइसोजोन

(Isozone)

औषधि-मिश्रण—

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

थियासीटाजोन (Thiacetazone)

प्रयोग—क्षय (Pulmonary Tuberculosis) की खाने की औषधि है।

निर्माता—ड्यु मेक्स।

—*—

कैसेबिन

(Kasabin)

औषधि-मिश्रण—यह निम्नलिखित औषधियों के मेल से तैयार की जाती है :—

एमोनियम बेन्जोएट (Ammonium Benzoate)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोरायड (Ephedrine Hydrochloride)

पोटेशियम सल्फा गुएकोलेट (Potassium Sulpho-guaiacolate)

वासक (Vasak)

प्रयोग—नये तथा पुराने वायुनली प्रदाह (Acute or Chronic

Bronchitis), ब्रांकोन्यूमोनिया (Broncho-Pneumonia), ब्रांकीयल दमा (Bronchial Asthma), हे फीवर (Hay Fever), सूखी संकोचयुक्त खांसी (Dry Spasmodic Cough), कुकुर खांसी (Whooping Cough), कैटारल न्यूमोनिया (Catarrhal-Pneumonia), पलमोनरी टी० बी० (Pulmonary tuberculosis), श्वासयन्त्र की तकलीफों (Respiratory Trouble) आदि में यह लाभ करती है।

मात्रा—२ चम्मच की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिये। १ वर्ष से नीचे के बच्चों को १० बूँद, १ से ३ वर्ष तक के बच्चों को १५ बूँद, ३ से ८ वर्ष तक के बच्चों को ३० बूँद, ८ से १२ वर्ष तक के बच्चों को ४० बूँद की मात्रा देना उपयुक्त है।

निर्माता—बंगाल केमिकल एण्ड फार्मास्युटिकल वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता।

--*--

मैरेक्स

(Marax)

औषधि-मिश्रण—

हाइड्रॉक्सिजन हाइड्रोक्लोराइड (Hydroxyzine Hydrochloride)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)
थीयोफाइलीन (Theophylline)

प्रयोग—श्वास रोग (Asthma) की उत्तम कैप्स्यूल है।

मात्रा—एक कैप्स्यूल दिन में २-४ बार।

निर्माता—फाइजर (Pfizer)

—*—

मेण्डेको
(Mendaco)

औषधि-मिश्रण—पोटैशियम आयोडाइड (Potassium Iodide)
एक्सट्रैक्ट लोबेलिया (Ext. Lobelia)

प्रयोग—दमा (Asthma), व युनली प्रदाह (Bronchitis), हे फीवर (Hay Fever), अनिद्रा (Loss of Sleep), अजीर्ण (Indigestion), ताकत की कमी (Loss of Vitality), तेज सिर-दर्द (Severe Headache) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—बड़ों को २ टिकिया की मात्रा में भोजन के पहले नित्य ३ बार एक गिलास जल के साथ निगल जाना चाहिये। एक वर्ष के बच्चे को ¼ टिकिया, २ वर्ष के बच्चे को ⅓ टिकिया, ५ वर्ष के बच्चे को ½ टिकिया तथा १० वर्ष के बच्चे को १ टिकिया की मात्रा में, नित्य ३ बार तक देना चाहिये।

निर्माता—दी नॉक्स कम्पनी, अमेरिका।

—*—

मर्लोन
(Merlon)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)
केफान (Caffeine)
एमीनोफाइलीन (Aminophylline)
फिनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)
फिनजोनम (Phenazonum)

प्रयोग—यह वायुनली की ऐंठन (Broncho-spasm) में अच्छा

काम करती है। कुकुर खाँसी (Whooping Cough) में भी लाभ करती है।

मात्रा—नई बीमारी के दौरे के समय १ से ३ टिकिया तक नित्य थोड़े से जल के साथ देनी चाहिये। पुरानी बीमारी में १ से २ टिकिया तक नित्य रात्रि में सोने के ½ घण्टे पहले तथा प्रातःकाल उठने पर १ टिकिया लेनी चाहिये। इससे दमा के रोग में विशेष लाभ होता है। बच्चों की मात्रा ¼ से ½ टिकिया तक है।

निर्माता—दी एंग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

—*—

माइकोरेन
(Mycoren)

औषधि-मिश्रण—एन-कर्टोनिल-ए-इथिलैमिनोब्यूटीरिक एसिड डाइ-मिथाइलामाइड (N-Cortonyl-a-ethylaminobutyric acid dimethylamide) तथा एन-कर्टोलिन ए-तापिलैमिनोब्यूटीरिक एसिड डाइ-मिथाइलामाइड का जलीय घोल है।

प्रयोग – यह श्वसन-संस्थान का टॉनिक है। जिस किसी अवस्था में रोगी को पूरी वायु न मिल रही हो उसमें प्रयोग करने पर फेफड़ों में श्वास भरने की मात्रा बढ़ जाती है।

मात्रा—७५ से २२५ अथवा ४५० मिग्रा० तक प्रति बार दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार। मुख से अथवा शिरा या पेशी में सूचीवेश।

निर्माता—सुहृद् रोगी,

—*—

नियोइपीनीन

(Neo-Epinine)

औषधि-मिश्रण--

यह आइसोप्रीनालीन (Isoprenaline Sulphate) की टिकिया है।

प्रयोग—सब प्रकार के दमा में प्रयोग करते हैं।

मात्रा--½ से १½ गोली दिन में ४ बार।

निर्माता—बरोज वेलकम।

—*—

नियाजोन टी. सी. एफ.

(Niazone T. C. F.)

औषधि-मिश्रण—

थियासीटाजोन (Thiacctazone)

आइसोनिकोटिनिक एसिड हाइड्राजायड (Isonicotinic acid hydrazide)

प्रयोग—राजयक्ष्मा (Tuberculosis) की औषधि है।

मात्रा--१ टिकिया रात को सोते समय।

निर्माता--टी० सी० एफ० (T. C. F.)

--*--

नायड्राजिड

(Nydrazid)

औषधि-मिश्रण--यह आइसोनियाजिड (Isoniazid) की टिकिया है।

प्रयोग--सब प्रकार की टी० बी० में लाभकर है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

टिप्पणी—इसी के समान आइसो-निकोटिनिक एसिड हाइड्राजायड (Isonicotinic Acid Hycrazide) की अन्य टिकियाँ—

१. पीलाजिड (Pelazid)— ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

२. आइसोनेक्स (Isonex)— ड्यूमेक्स (Dumex)

३. टिबिजाइड (Tibizide)– ए. डी. (A. D.)

४. एलजाइड (Alzide)—एलेम्बिक (Alembic)

५. आइसोनिण्डान (Isonindon)– इण्डोफार्मा (Indo-Pharma)

६. आइसोजिड ओपिल (Isozid Opil)—ओपिल (Opil)

७. विटाजाइड (Vitazide)—थिराप्यूटिक फार्मास्यूटिकल्स (Therapeutic Pharmaceuticals) । इसमें मल्टीविटामिन मिले हुए हैं ।

८. थेमिजाइड (Themizide)—थेमिस (Themis) मल्टीविटामिन मिले हुए हैं ।

९. आइजोविटाजाइड (Isovitazide) —टी. एच. पी. (T.H.P.) विटामिन मिले हुए हैं ।

१०. निकोजिड टैबलेट (Nicozid Tablets)—कलकत्ता केमिकल (Calcutta Chemical)

११. टिजाइड (Tizide)—कार्लो-आर्बा (Carlo Erba)

आई. एन. एच. और थियासीटाजोन के पेटेण्ट योग

(Prprietary Proeparations of INH Thiacetazone)

१. एल्जाइड टी (Alzide-T)—एलेम्बिक (Alembic) ।

मात्रा—२ टिकिया सोते समय ।

२. यूनिथिबेन वी. एफ. (Unithiben V.F.)—यूनिकेम Unichem)

मात्रा—४ टिकिया सोते समय ।

३. आइसाथिजॉन (Isathizon)—बंगाल इम्यूनिटी (Bengal Immunity) ।

मात्रा—४ टिकिया रात को सोते समय ।

४. आइसोजोन (Isozone)—ड्यूमेक्स (Dumex) ।

मात्रा—४ टिकिया सोते समथ ।

५. आइसोजोन फोर्ट (Isozone Forte)—ड्यूमेक्स (Dumex)

मात्रा—१ टिकिया सोते समय ।

नियाजोन (Niazone) —टी. सी. एफ. (T. C. F.)

मात्रा—१ टिकिया सोते समय ।

पासोनेक्स

(Pasonex)

औषधि-मिश्रण—इसमें पैराएमाइनो सैलिसिलिक एसिड (Para Amino Salicylic Acid) तथा आइसोनिकोटिनिक एसिड हाइड्राजाइड (Isonicotinic Acid Hydrazide) औषधियाँ रहती हैं ।

प्रयोग—सब प्रकार की टी० बी० की अमोघ औषधि है ।

मात्रा—१४-१६ ग्राम दिन भर में ।

निर्माता—ड्यूमेक्स कम्पनी (Dumex Co.) ।

पास ग्रैन्यूल्स

(Pas Granules)

औषधि-मिश्रण—यह पैरा एमाइनो सैलिसिलिक एसिड (Paryamino-Salicylic Acid) का एक उत्तम योग है जो Enterocoated granules के रूप में आता है।

प्रयोग—नियो पी० ए० सी० के समान है।

मात्रा—१४-१६ ग्राम प्रतिदिन।

निर्माता—ड्यूमेक्स कम्पनी (Dumex Co.) । इसी प्रकार इसी कम्पनी का कैल्शियम पास तथा सोडियम पास भी आता है।

—o—

नियो-पी० ए० सी०

(Neo-P. A. C.)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में पास (P. A. C.) आइसो-निकोटिनिक एसिड हाइड्राजाइड (Isonicotinic Acid Hydrazide), विटामिन सी, विटामिन डी२ इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार के यक्ष्मा में इसका प्रयोग होता है। केवल आइसोनेक्स से जितने समय में यक्ष्मा के जीवाणु सहनशील (Resistant) होते हैं इसके प्रयोग से वह स्थिति देर में आती है।

मात्रा—१२ से १६ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—नियोफार्मा।

—o—

पाजाईड टैबलेट

(Pazide Tablets)

औषधि-मिश्रण—आइ० एन० एच० (I. N. H.) पास सोडियम (P A S Sodium) ।

प्रयोग—यक्ष्मा (Tuberculosis) की औषधि है।

मात्रा—१२ से २० टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—बिडिल सवेयर एण्ड कं० (Biddle Sawyer and Co.)।

—०—

पास

(P. A. S.)

औषधि-मिश्रण—यह दवा पैरा-एमिनो-सैलिसिलिक एसिड है।

प्रयोग—यह टी० बी० की महौषधि है। पलमोनरी, इण्टेस्टाइनल, यूरिनरी, जेनीटो यूरिनरी, आइक्यूलर, स्किन आदि विभिन्न टयूबरक्यूलोसिस में प्रयुक्त होती है। वक्ष में पीब इकट्ठा होने (Empyema) तथा प्लुरिसी (Pleurisy) में भी बहुत लाभ करती है। इसका प्रयोग टी० बी० की बीमारी में स्ट्रेप्टोमाइसिन की सुई के साथ बड़ा ही गुणकारी होता है।

मात्रा—इसको १४ ग्राम नित्य देना चाहिए। पहले ५ ग्राम फिर ४ ग्राम तथा इसके बाद फिर ५ ग्राम। इसे भोजन के साथ अथवा भोजन के बाद देना चाहिए तथा एक ग्लास दूध के साथ निगल जाना चाहिए।

निर्माता—अनेक कम्पनियाँ।

टिप्पणी—एमिनॉक्स (Aminox) हेक्स्ट (Haechst) का सोडियम पैरा अमिनो सैलिसिलेट (Sodium-P-amino-salicylate) है।

———

पेक्टामॉल

(Pectamol)

औषधि—यह ऑक्सीलीडिन (Oxyledin) सिरप है।

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की खाँसी (Cough) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—बी० डी० एच० (B. D. H.)

पेट्रोमोल

(Petromol)

औषधि-मिश्रण—

पेट्रोलियम (Petroleum)

कैल्शियम हाइपोफॉस्फाइट (Cal. Hypophosphite)

सोडियम हाइपोफॉस्फाइट (Sod. Hypophosphite)

प्रयोग—यह दवा प्लूरिसी (Pleurisy), वायुनली प्रदाह (Brono-hitis), तुण्डिका प्रदाह (Tonsillitis), पुराना यक्ष्मा रोग (Chronic Tuberculosis), पुराना गलकोष प्रदाह (Chronic Pharyngitis) आदि रोगों में लाभ करती है।

मात्रा—२ से ३ चम्मच दो बार भोजन के बाद।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

फेड्रॉस

(Phedros)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रा (Ephedra)

इपिकाक (Ipecac)

अमोनियम क्लोराइड (Ammon. Chloride)

क्लोरोफार्म (Chloroform)

सिरप टोलू (Syrup Tolu)

प्रयोग—कास (Cough) के लिए अच्छा सिरप है ।

मात्रा--१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार ।

निर्माता—एम. एस. डी. (M. S. D.)

फेन्सोडिल

(Phensedyl)

औषधि मिश्रण—

प्रोमीथाजीन हाइड्रोक्लोराइड (Promethazine Hydrochloride)

कोडीन फॉस्फेट (Codeine Phosphate)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)

प्रयोग— खाँसी की अच्छी दवा है । खाँसी की इच्छा कम करती तथा तज्जन्य शारीरिक जकड़न को दूर करती है । गले की खरखराहट इससे शीघ्र दूर होती है ।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३ बार ।

निर्माता— मे एण्ड बेकर ।

टिप्पण !-इफेड्रीन कोडीन (Codeine) और कैल्शियम युक्त कैल्सिड्रीन विद कोडीन सीरप (Calcidrine with Codeine) अबॉट (Abbott) का आता है ।

पिरिटन एक्सपेक्टोरेण्ट

(Piriton Expectorant)

औषधि-मिश्रण—

क्लारफेनिरामीन मेलिएट (Chlorpheniramine Maleate)

एमोन क्लोराइड (Ammon Chloride)
सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)

प्रयोग—इसमें पहली एण्टि एलर्जिक (Anti Allergic) औषधि है। एनाफाइलैक्टिक शाक (Anaphylactic Shok), हे फीवर (Hay-Fever), शीतपित्त (Urticaria), सीरम रोग (Serum Sickness), शोथ (Oedema) तथा वासोमोटर राइनाइटिस (Vasomotor Rhinitis) में प्रयोग करते हैं, परन्तु विशेष रूप से कफनिस्सारक (Expectorant) के रूप में लाभकर है।

मात्रा– १ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो कम्पनी (Glaxo Co.)

टिप्पणी—पिरिटन टैबलेट (Piriton Tablet), पिरिटन डुओलेट Piriton Duolet) तथा पिरिटन इन्जेक्शन (Piriton Injection) भी आता है।

पल्मोसीन

(**Pulmosin**)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन हाइड्रोक्लो० (Ephedrine-Hydrochlor)
टर्पीन हाइड्रेट (Terpine Hydrate)
कैल्शियम ग्लूकोनेट (Cal. Gluconate)
थियोगुइकॉल (Theoguaicol)
सोडी बेन्जोस (Sodi Benzoas)

प्रयोग—ठण्डा लगना (Colds), वायुनली प्रदाह (Bronchitis) कुकुर खांसी (Whooping Cough) आदि मे लाभप्रद है।

मात्रा—१ चम्मच की मात्रा में नित्य ३ बार तक सेवन करना चाहिए।

निर्माता—ड्रेगोन केमिकल, कलकत्ता।

—o—

रिकॉल्विन तथा रिकॉल्विन विथ आर्सेनिक
(Recolvin or Recolvin with Arsenic)

औषधि मिश्रण—

पॉट० आयोडाइड (Pot. Iodide)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर० (Ephedrine Hcl.)
सोडियम हाइपोफॉस (Sod. Hypophos)
स्पि० एमोनिया एरोमेट (Spt. Amon Aromat.)
धतूरा की पत्ती (Dhatura Leaf)
वासक (Vasaka)
कण्टकारी (Kantakari)
जिञ्जीबर (Zingiber)
पीपल (Pipal)
अपंग (Apang)
नागेश्वर (Nageswar)
बामनहटी (Bamunhati)
तालीसपत्र (Talispatra)
मुलहठी (Glycyrrhiza)

'विथ आर्सेनिक' में आर्सेनिक भी होता है।

प्रयोग—ब्रांकियल एज्मा (Bronchial Asthma), जीर्ण श्वास नलिका प्रदाह (Chronic Bronchitis), एलर्जिकल ब्रांकाइटिस (Allergic Bronchitis) तथा उषसिप्रियता (Tropical Eosinophilia) में लाभ करती है।

मात्रा--३-४ चम्मच दिन में २-३ बार।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स ।

—०—

रियोसॉल फोर्टं

(Riosol Forte)

औषधि-मिश्रण—

कार्बीटापेण्टेन साइट्रेट (Carbetapentane Citrate)
क्लोरेफेनिरामीन मेलिएट (Chlorpheniramine Maleate)
सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)
टर्पीन हाइड्रेड (Terpine Hydrate)
फ्लेवर्ड सिरफ बेस (Flavoured Syrup Base)

प्रयोग—बिना कफ वाली खाँसी में प्रयुक्त होता है ।

मात्रा—½ से १ चम्मच दिन में ३ बार ।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स ।

———

रेस्पिनिल

(Respinyl)

औषधि –यह ग्वायासिल ग्लिसीरिल ईथर (Guaiacyl Glyceryl Ether) की टिकिया है ।

प्रयोग—सूखी खाँसी (Dry Unproductive Cough) तथा जहाँ कफ कठिनाई से निकलता हो वहाँ इसका प्रयोग करना चाहिए । यह अपने प्रकार की अलग ही औषधि है । इसका स्थानीय प्रभाव होकर, जिन वातनाड़ियों (Nerves) की उत्तेजना से खाँसी का प्रतिवर्त (Cough)

Reflex) उत्पन्न होता है, उसकी ग्रहणशीलता कम कर, खाँसी कम कर देती है, साथ ही श्वास-मार्ग को साफ कर कण्ठ को सुखद अनुभूति देती है। जहाँ कफ निकलता हो वहाँ इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

मात्रा—१ टिकिया प्रति २ घण्टे पर। दिन भर में ६ टिकिया तक।

निर्माता—क्रूक्स।

—०—

सीडैज्मा

(Sedasma)

औषधि-मिश्रण--

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर (Ephedrine Hydrochlor)
क्विनाल्बार्बिटोन (Quinalbarbitone)
थियोफाइलान (Theophylline)
ग्वायसिल ग्लिसिरिल ईथर (Guaiacyl Glyceryl Ether)

प्रयोग—ब्रांकियल एज्मा (Bronchial Asthma), ब्रांकाइटिस (Bronchitis) आदि रोग।

मात्रा--२ टिकिया प्रति ४ घण्टे पर।

निर्माता--क्रूक्स।

———

सिरोलिन

(Sirolin)

औषधि—यह सन्तरे के शर्बत में पोटैशियम गायकोलसल्फोनेट (Potassium Guaiacolsulfonate) का घोल है।

प्रयोग—अनेक प्रकार के कास (Cough) में प्रयुक्त होता है। इसे चाय आदि पेयों के साथ भी ले सकते हैं।

मात्रा—३ से ६ चम्मच अथवा अधिक प्रतिदिन।
निर्माता—रोश (Roche)

—o—

स्पाज्मोनिल
(Spasmonyl)

औषधि-मिश्रण—
मीपाइरामीन मेलीयेट (Mepyramine Maleate)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोर (Ephedrine Hydrochlor)
कैफीन एट सोडा० सैलिसिल (Caffeine et Sod. Salicyl)
सोडियम आयोडाइड (Sod. Iodide)
अमिनोफाइलीन (Aminophylline)
पोटैशियम ब्रोमाइड (Potassium Bromide)
टर्पीन हाइड्रेट (Terpene Hydrate)
बेलाडोना टि० (Belladonna Tincture)
टि० स्ट्रामोनियाई (Tr. Stramonii)
टि० लोबेल ईथर (Tr. Lobel Ether)
सिरप, ग्लिसिरीन आदि (Syr. Glycerine etc.)

प्रयोग—श्वसनी श्वास (Bronchial Asthma), श्वास-स्थिति (Status Asthmaticus), कूकर कास (Whooping Cough), श्वसन तन्त्र का अभिष्यन्द (Respiratory Catarrh), कष्टश्वास (Dyspnoea), श्वसनी-उद्वेष्ट (Bronchospasm), ब्रांकाइटिस (Bronchitis), हे फीवर (Hay fever) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—२ चाय चम्मच भर दिन में २-३ बार।

निर्माता—बायो ड्रग लेबोरेटरीज प्राइवेट (Bio Drug Laboratories Private Ltd.)

———

साइबेक्स

(Sybex)

औषधि-मिश्रण—

डाइफेनहाइड्रामीन हाइड्रोक्लोर (Diphenhydramine Hydrochlor)

पोटैशियम गायाकॉल सल्फोनेट (Potassium Guaiacol Sulphonate)

सोडा० साइट्रेट (Sod. Citrate)

क्लोरोफार्म (Chloroform)

लिक्विड एक्सट्रैक्ट लिकोरिस (Liqu d Extract Liquorice)

मेन्थॉल (Menthol)

अमिनोफाइलीन (Aminophylline)

प्रयोग—एलर्जी जन्य खाँसी (Allergic Cough), ब्रांकाइटिस (Bronchitis), ऐज्मेटिक कफ (Asthmatic Cough) में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ चम्मच भर दिन में ३ बार।

निर्माता—अल्का फार्मास्युटिकल्स (Alka Pharmaceuticals)

———

सिरप वासक

(Syrup Vasaka)

औषधि मिश्रण—वासक (Vasaka)

एक्सट्रैक्ट टोलू (Ext. Tolu)

कैल्शियम हाइपोफास्फाइट (Calcium Hypophosphite)

सिरप सिम्प्लेक्स (Syrup Simplex) आदि।

प्रयोग—इसकी क्रिया श्वासयन्त्र पर विशेषकर होती है। खाँसी-बलगम के लिए सुन्दर दवा है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में थोड़े से गरम जल के साथ नित्य ३ से ४ बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—नवरत्न फार्मास्युटिकल्स, कोचीन।

———

सिनेफ्रिकाल
(Synephricol)

औषधि-मिश्रण—

एन-एसिटिल पी-अमीनोफीनाल (N-acetyl p-aminophenol)
फेनिलेफ्रीन हाइड्रोक्लोर० (Phenylephrine Hydrochlor.)
थेनिलडियामीन हाइड्रोक्लोर० (Thenyldiamine Hydrochlor.)
कैफीन ((Caffeine)

प्रयोग—प्रथम औषधि पीड़ाहर तथा ज्वरहर है। द्वितीय श्लेष्मलकला की अविरक्तता (Congestion) दूर करती है जिससे नासावरोध दूर होता है। तीसरी एलर्जी विरोधी है। सर्दी जुकाम का एलर्जी प्रमुख कारण है। कैफीन शरीर तथा श्वसन-संस्थान की सुस्ती दूर करती है। यह सर्दी जुकाम; एलर्जिक वासोमोटर राइनाइटिस, जीर्ण साइनुसाइटिस, इन्फ्लुएन्जा, नासान्तर्गत होनेवाले आपरेशन के पश्चात् का शोफ, एञ्जियोन्यूराइटिक शोफ, यूस्टेशियन ट्यूब (कान व गले को सम्बन्धित करनेवाली नलिका) का कैटार्ह तथा एलर्जी से उत्पन्न अस्थिकला प्रदाह में लाभ करती है।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ३ बार। बच्चों को एक टिकिया दिन में ३ बार। रोग प्रारम्भ होते ही चिकित्सा शुरू कर देनी चाहिए। तथा जब तक सर्दी रहे तब करनी चाहिए।

निर्माता—विन्थ्रॉप प्रोडक्ट्स—डेज मेडिकल स्टोर (मैनु०) प्रा० लि०।

टीबाफेन
(Tabafen)

औषधि-मिश्रण—

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

निकोटिनैल्डीहाइड थियोसेमीकार्बाजोन (Nicotinaldehyde Thiosemicarbazone)

प्रयोग—यह राजयक्ष्मा की औषधि है। किसी-किसी रोगी को यह सह्य नहीं होती। ऐसी अवस्था में इसका प्रयोग न करना चाहिए।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ३ बार। इसकी अल्प मात्रा से प्रारम्भ कर धीरे-धीरे पूरी मात्रा पर आना चाहिए।

निर्माता—सुहृद गेगी लि०।

टीड्राल

Tedral)

औषधि-मिश्रण—

फिनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)
थियोफायलीन (Theophylline)
इफेड्रीन हाइड्राक्लोराइड (Ephedrine Hcl.)

प्रयोग—सब प्रकार के दमा में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ गोली दिन में तीन बार।

विर्माता—मारटिन हेरिस कम्पनी।

टरबोलन

(Terbolan)

औषधि-मिश्रण—

फ्रूसीमाइड (Frusimide)
रीसर्पीन (Reserpine)

प्रयोग—माध्यम उग्रता के अतिरिक्तदाब (Moderate degree of hypertension) में लाभकर है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में तीन बार। आवश्यक होने पर ४ टिकिया प्रतिदिन भी दे सकते हैं। रक्तदाब कम होने पर मात्रा क्रमशः (१ से ३

सप्ताह बाद) घटाते हैं और जिस मात्रा पर रक्तदाब स्थिर रहे वह मात्रा देते रहते हैं।

निर्माता—हेक्स्ट (Haechst)

—:o:—

थेमिजाइड
(Themizide)

औषधि-मिश्रण--

आइसोनियाजिड (Isoniazid)
विटामिन ए (Vitamin A)
कैल्सिफेरॉल (Calciferol)
थायमीन मोनोनाइट्रेट (Thiamine Mononitrate)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
नियासिनामाइड (Niacinamide)
पाय रडॉक्सिन हाइड्राक्लोर० (Pyridoxin Hcl.)
एसिटोमिनैप्थोन (Acitomenapthone)
एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
फेरस फ्यूमरेट (Ferrous Fumerate)
डाइबेसिक कैल्सियम फॉस० (Dibasic Calcium Phosphate)

प्रयोग—सभी प्रकार के टी० बी में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता—थेमिस लेबोरेटरीज।

—o—

थियोकॉर्टिण्डान
(Theocortindon)

औषधि-मिश्रण—

थियोफाइलिन (Theophylline)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रेडनिजोलोन (Prednisolone)

प्रयोग—श्वसनी श्वास (Bronchial Asthma), एज्मेटिक ब्रांकाइटिस (Asthmatic Bronchitis), हे फीवर (Hay fever) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१-३ टिकिया प्रतिदिन। बच्चों को ½ से १ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—ईण्डो-फर्मा (Indo Pharma)

थियानिसिड

(Thianisid)

औषधि-मिश्रण—

थियासीटाजोन (Thiacetazone)

आइ. एन. एच. (I. N. H.)

प्रयोग—यक्ष्मा की औषधि है।

मात्रा—२-३ टिकिया भोजन के बाद।

निर्माता—विडिल सवेयर एण्ड को॰ (Biddle Sawyer & Co.)

टिक्सिलिक्स

(Tixilix)

औषधि-मिश्रण—

प्रोमीथाजीन हाइड्रोक्लोराइड (Promethazine Hydrochloride)

फेनिल प्रीपैनोलामीन हाइड्रोक्लोराइड (Phenly Prepanolamine Hydrochloride)

प्रयोग—बच्चों की खाँसी, विशेषतः कुकास (Whooping Cough) में लाभदायक है।

मात्रा—½ से २ चम्मच अवस्थानुसार दिन में ३ बार।

निर्माता—में एण्ड बेकर (May & Baker)

टोसेक्स ईक्सपैक्टोरेण्ट कफ सीरप
(Tosex Expectorant Cough Syrup)

औषधि-मिश्रण—

कार्बीटापेण्टेन साइट्रेट (Carbetapentane Citrate)

टार्पीन हाइड्रेट (Terpine Hydrate)

सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)

अल्कोहल (Alcohol)

सुगन्धित ग्लिसरीन सिरप बेस (Flavoured Glycerine-Syrup base.)

प्रयोग—कार्बीटापेण्टेन कास अवसादक है। इसका कास प्रतिवर्त्त (Cough reflex) पर अस्थाई प्रभाव, सम्भवतः कास केन्द्र द्वारा पड़ता है। टार्पीन हाइड्रेट अत्यधिक कफ को कम करता तथा सोडियम साइट्रेट ढीला करता है। यह सभी प्रकार के कास में दिया जा सकता है। इससे कोष्ठबद्धता नहीं होती। कभी-कभी इसके सेवन से पाचन की गड़बड़ी तथा त्वचा पर उद्भेद उत्पन्न होते हैं।

मात्रा—स्क्विब।

ट्रेसकेटिल
(Trescatyl)

औषधि—यह इथियोनामाइड (Ethionamide) की टिकिया है।

प्रयोग—यक्ष्मा (Tuberculosis) की औषधि है।

मात्रा—४ से ८ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—में एण्ड बेकर (May & Baker)

टुसेड एक्सपेक्टोरेण्ट

(Tussade Expectorant)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरफेनिरामीन मेलियेट (Chlorpheniramine Maleate)

ग्लिसीरिल गायकोलेट (Glyceryl guaiacolate)

अमोनियम क्लोराइड (Ammonium chloride)

सोडियम सायट्रेट (Sodium citrate)

क्लोरोफॉर्म (Chloroform)

मेन्थाल (Menthol)

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की खाँसी में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—सिप्ला (Cipla)

टुसानेट

(Tussanate)

औषधि मिश्रण—

मीपाइरामीन मलीयेट (Mepyramine Maleate)

कैफीन एट सोडि० सैलिसिल० (Caffein et Sod. Salicyl.)

अमन० क्लोर (Ammon. Chlor.)

अमन बेंजोएट (Ammon Benzoate)

पॉट० गायकोलसल्फोनेट (Pot. Guaiacolsulphonate)

अमिनोफाइलीन (Aminophylline)

सोडयम साइट्रेट (Sodium Citrate)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)

टर्पीन हाइड्रेट (Terpene Hydrate)

क्लोरोफार्म (Chloroform)
कैम्फोरेटेड ओपियम टिंचर (Camphorated Opium Tincture)
एक्स० ओसीमम सैंकटम (Ext. Ocimum Sanctum)
सिरप वासक, ग्लिसिरीन आदि (Syrup. Vasaka. Glycerin etc.)

प्रयोग—तीव्र एवं चिरकारी कफ, (Acute and Chronic Cough), ब्रांकाइटिस (Bronchitis), सर्दी (Common cold), कूकर कास (Whooping Cough), फेरिंजाइटिस (Pharyngitis), श्वसन तन्त्र का अभिष्यन्द (Respiratory Catarrh), ब्रांकियेक्टेसिस (Bronchiectasis), इन्फ्लुएन्जा (Influenza) आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—२-३ चाय चम्मच भर दिन में ३ बार भोजन के बाद।

निर्माता—बायो ड्रग लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड (Bio Drug Laboratories private Limited)

टुसेनॉल
(Tussanol)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट थाइम लिक्विड (Extract Thyme Liquid)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)
क्लोरोफार्म (Chloroform)

प्रयोग—श्वसनीश्वास (Bronchial Asthma), एज्मेटिक ब्रांकाइटिस (Asthmatic Bronchitis with Emphysema), ट्रोपिकल यूसिनोफिलिया (Tropical Eosinophilia), कूकर कास (Whooping Cough) में लाभदायक है।

मात्रा—१/२ से १ बड़ा चम्मच ३-४ घण्टे पर। बच्चों को १/२ से १ चाय चम्मच भर और २ वर्ष से छोटे बच्चों को अत्यल्प मात्रा में।

निर्माता—मार्टिन एण्ड हेरिस (Martin & Harris)

—०—

यूनिड्रिनल
(Unidrinal)

औषधि मिश्रण—

इफेड्रीन (Ephedrine)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

कैफीन (Caffeine)

एमीनोफाइलीन (Aminophylline)

प्रयोग—इसका प्रयोग दमा, रजःकृच्छ्र में बड़ा गुणकारी है।

मात्रा—नित्य १ से २ टिकिया तक सेवन करना चाहिये।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

—०—

यूनि-थिबेन वी० एफ०
(Uni-Thiben V. F.)

औषधि-मिश्रण—

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

थियासीटाजोन (Thiacetazone)

थियामीन हाइड्राक्लो० (Thiamine Hydrochloride)

रिबोफ्लेवीन (Riboflavine)

नियासिन (Niacin)

पाइरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)

कैल्सिफेरॉल (Calciferol)

प्रयोग—राज-यक्ष्मा की अच्छी दवा है। इसके प्रयोग से क्षय के कीटाणु जल्दी प्रतिरोध (Resistanee) प्राप्त नहीं करते। अतः इसे काफी दिन तक लगातार दिया जा सकता है।

मात्रा--२ से ४ टिकिया रात्रि को सोते समय।

निर्माता--यूनिकेम लेबोरेटरीज लि०।

वैलेड्रीन
(Valledrine)

औषधि-मिश्रण—

ट्राइमीप्राजीन (Trimeprazine)

फोल्कोडीन साइट्रेट (Pholcodein Citrate)

इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)

प्रयोग—सूखी खाँसी (Dry Cough), ब्रांकाइटिस (Bronchitis) एवं कुकास (Whooping Cough), में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में २-३ बार।

निर्माता—मे एण्ड बेकर (May and Baker)

वी० आई० पी० टेबलेट्स
(V. I. P. Tablets)

औषधि-मिश्रण

कैल्सियम पास (Calcium Pas)

आइसोनियाजिड (Isoniazid)

विटामिन सी (Vitamin C)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी२ (Vitamin B_2)
कैल्सियम पैण्टोथीनेट (Calcium Pantothenate)
नियासिनामाइड (Niacinamide)
विटामिन डी २ (Vitamin D_2)
प्रयोग—यक्ष्मा में लाभकर औषधि है।
मात्रा—४ टिकिया दिन में ४ बार भोजन, जलपान आदि के बाद।
निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—०—

वासकनॉल
(Vasaknol)

औषधि-मिश्रण—
डाइफेनहाइड्रामीन हाइड्रोक्लोर० (Diphenhydramine Hydrochloride)
इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Ephedrine Hydrochloride)
एण्टिमनी पोटैशियम टारट्रेट (Antimony Potassium Tartrate)
टर्पीन हाइड्रेट (Terpin Hydrate)
सिरफ वासक (Syrup Vasaka)
सिरप टोलू (Syrup Tolu)
प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की खाँसी में लाभदायक है।
मात्रा—१–२ चाय चम्मच भर ३–४ घण्टे पर। बच्चों को १–२ से १ चाय चम्मच भर ३–४ घण्टे पर।
निर्माता—मार्टिन एण्ड हेरिस (Martin & Haris)

—०—

जेफ्राल

(Zephrol)

औषधि-मिश्रण—

यह इफेड्रीन का कफ सीरप है।

प्रयोग—अनेक प्रकार की खाँसी (Cough) तथा श्वास (Asthma) में लाभकर है। बच्चों के कुकास (Whooping Cough) में भी लाभ करता है।

—०—

अध्याय ३

मूत्र-प्रजनन संस्थान एवं मधुमेह की औषधियाँ

इस अध्याय में उन पेटेण्ट औषधियों का समावेश होगा जो मूत्रल हैं अथवा पुरुष जननेन्द्रिय की दुर्बलता को दूर करती हैं। मूत्रमार्ग के उपसर्गों के लिए सभी सल्फा श्रेणी (देखें सल्फा एवं जीवाणु विरोधी औषधियाँ) की औषधियाँ जो मूत्र-मार्ग से शीघ्रता से उत्सर्ग होती हैं तथा अन्य एण्टीबायोटिक औषधियाँ (प्रायः सभी) प्रयोग में लायी जाती हैं। परन्तु कुछ सल्फा श्रेणी की औषधियाँ जिनका विशेष रूप से इसीलिए निर्माण किया गया है अथवा इसी प्रकार के पेटेण्ट नाम से बिकती हैं उनका तथा इस कार्य के लिये प्रयुक्त अन्य औषधियों का यहीं पर ही समावेश किया गया है।

मधुमेह मूत्र अथवा मूत्र-मार्ग का रोग नहीं है। यह चयापचय की गड़बड़ी है। यह अग्न्याशय (Pancreas) का रोग है। फिर भी इसकी औषधियाँ यहाँ दी गई हैं, क्योंकि मूत्र से ही इस रोग का पता चलता है तथा जन साधारण में यह मूत्र का ही रोग समझा जाता है।

नारी-प्रजनन संस्थान के रोगों को स्त्री-रोगों के प्रकरण में देखें।

एमीनोफाइलिन

(Aminophyl)

औषधि-मिश्रण—

थियोफाइलीन (Theophylline)

इथिलेनीडियामिन (Ethylenediamine)

प्रयोग—उपर्युक्त दोनों प्रकार के लवणों के मिश्रण से यह तैयार की जाती है। हृदय को मजबूत बनाती है तथा गुर्दों से सम्बन्धित रक्ताधिक्य (Renal Congestion) में मुफीद है। शोथ में भी मुफीद है। इसका प्रयोग विशेषतया हृद्पिण्ड के रक्तवह नाड़ी मडण्ल (Cardiac Vascular System) के रोगों में किया जाता है। दमा (Asthma), हृद्पिण्ड अथवा गुर्दा से सम्बन्धित सूजन (Cardiac or reanal oedema) रोग की यह उत्तम औषधि है। इसकी क्रिया थूक में खून आने (Haemoptysis) तथा अन्य रक्तस्रावों (Haemorrhages) में भी सुन्दर रूप से देखी जाती है।

मात्रा—रोग के अनुसार नित्य १ से ४ टिकियाँ तक दी जा सकती है। इस दवा की सूई भी लगाई जाती है।

निर्माता—अनेक कम्पनियाँ।

अमोकेट

(Ammoket)

औषधि—यह अमोनियम मैण्डालेट (Ammonium Mandalate) से तैयार की गई है।

प्रयोग—मूत्रेन्द्रिय की शिकायतों में लाभप्रद है। पेशाब के बन्द हो जाने पर इसका प्रयोग विशेष लाभप्रद हो जाता है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त नित्य ४ बार १ चम्मच की मात्रा में सेवन करना चाहिये। बच्चों की मात्रा आयु के अनुसार होगी।

निर्माता—बूट्स।

आरटोसिन

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में ·५ ग्राम टोलब्यूटामाइड (Tolbutamide) रहता है।

प्रयोग—मधुमेह की औषधि है।

मात्रा—मूत्रमार्ग से शर्करा की मात्रा के अनुसार। सामान्यतः १ टिकिया प्रातः काल जलपान के साथ, १ दोपहर और १ रात में।

निर्माता—बोरिंगर नॉल कम्पनी।

क्लोरफार्मिन
(Chlorformin)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरप्रोपेमाइड (Chlorpropamide)

फेनफार्मिन हाइड्रो० (Phenformin Hcl.)

प्रयोग—मधुमेह (Diabetes) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—सामान्य मात्रा ½–१ टिकिया प्रातः जलपान के बाद और रात्रि भोजन के बाद है। उग्र प्रकार के मधुमेह में १–२ टिकिया प्रातः जलपान के बाद और १ रात्रि में। इससे भी अधिक मात्रा होने पर १–२ टिकिया प्रातः १–२ टिकिया रात्रि और १ टिकिया दोपहर में दे सकते हैं। ५ टिकिया प्रतिदिन से अधिक न दें।

निर्माता—कैडिला लेबोरेटरीज (Cadila Laboratries)

क्लोट्राइड
(Chlotride)

औषधि—यह क्लोरोथियाजाइड (Chlorothiazide) की टिकिया है।

प्रयोग—मूत्रल औषधि है। अतः शाफ (Oedema) एवं उच्च रक्तचाप (Hypertension) में लाभदायक है। देखें इसिड्रेक्स (Esidrex)।

मात्रा—१–२ टिकिया प्रतिदिन।

टिप्पणी—१. इसी में कुछ परिवर्तन कर डाइ-क्लोट्राइड (Di-Chlotride) नाम से इसके अधिक शक्तिशाली औषधि इसी कम्पनी ने बनाई है। उसमें हाइड्राक्लोरोथियाजाइड (Hydrochlorothiazide) रहता है।

२. डाइक्लोट्राइड रिसर्पीन युक्त—(Di-Chlotride With Reserpine) भी मिलता है जो विशेष रूप से अति रक्तदाब (Hypertension) में प्रयुक्त होता है।

निर्माता—एम० एस० डी० (M. S. D.)

१. एंडयूरन (Enduran)—अबॅट (Abbott)

२. हाइग्रोटोन (Hygrotone) - गेगी (Giegy)

केल्शियम डाइयूरेटिन

(Calcium Diuretin)

औषधि मिश्रण – इसकी प्रत्येक गोली में ·५ ग्राम थियोब्रोमिन केल्शियम सैलिसिलेट (Theobromine Calcium Salicylate) रहता है।

प्रयोग—किसी भी कारण उत्पन्न शरीर शोफ में मूत्रल औषधि के रूप में प्रयोग करते हैं जैसे कञ्जेस्टिव हार्ट फेल्योर, नेफ्रोसिस, वृक्कशोथ (Nephritis) हृद्शूल, कार्डियक एज्मा तथा अति रक्तदाब आदि।

निर्माता—बोहरिंगर नॉल कम्पनी (Boehringer Knoll Co.)

डी० बी० आई० टैबलेट

(D. B. I. Tablets)

औषधि---यह एन-बीटा फेनिथिलबाइग्वानाइड (N-B Phenethylbiguanide) की टिकिया है।

प्रयोग---मधुमेह (Diabetes Mellitus) की मुख द्वारा लेने की नवीन प्रकार की औषधि है।

मात्रा---अल्प मात्रा से आरम्भ कर धीरे धीरे बढ़ाते हैं तथा जितनी मात्रा से रोग पर नियन्त्रण हो जाय उसे स्थिर करते हैं। साधारणः ५० मिग्रा० ४ बार में विभक्त कर भोजनोपरान्त देना चाहिये।

निर्माता---यू० एस० बी० एण्ड वी०।

टिप्पणी—डी० बी० आई०—टी० डी० (D. B. I.—T. D.) टिकिया की केवल १ कैप्स्यूल प्रातः जलपान के साथ पर्याप्त है। आवश्यक होने पर रात्रि में १ कैप्स्यूल और दे सकते हैं।

—०—

डायाबेनीज

(Diabenese)

औषधि—यह क्लोरप्रोपैमाइड (Chlorpropamide) की टिकिया है।

प्रयोग—मधुमेह की मुख द्वारा लेने की औषधि है। यह शरीर के अन्दर ही इंसुलीन का उत्पादन बढ़ाती है। जिन रोगियों को ४० यूनिट इंसुलिन की प्रतिदिन आवश्यकता होती है उनका डायबिनीज के द्वारा बिना इंसुलिन की सुई के ही काम चल जाता है।

मात्रा—१ टिकिया प्रतिदिन प्रातः जलपान के बाद। ३ से ७ दिन के बाद मात्रा आवश्यकतानुसार ($\frac{1}{4}$ से $\frac{1}{2}$ टिकिया) कम अथवा अधिक करनी चाहिये।

सावधानी—इसके सेवनकाल में मूत्र तथा रक्त की शर्करा को नियमित रूप में जाँच करते रहना चाहिये।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

———

डाइ-एडेमिल

(Di-Ademil)

औषधि-मिश्रण—

हाइड्रोफ्लूमीथियाजाइड (Hydroflumethiazide)

पोटैशियम क्लोराइड (Pot. Chloride)

प्रयोग—यह एक उत्तम मूत्रल औषधि है, अतः विभिन्न कारणों से उत्पन्न शोफ (Oedema) कम करने के लिए इसका प्रयोग करते है।

मात्रा—१ से २ गोली प्रातःकाल।

निर्माता—स्क्विब।

टिप्पणी—डाइ-एडेमिल में सर्पगन्धा मिला हुआ डाइ-रॉडिक्सीन (Di-Raudixin) टिकिया मिलती है। वह मूत्रल-होने के साथ रक्तदाब (Blood Pressure) और अधिक कम करती है।

—*—

डायामॉक्स
(Diamox)

औषधि—यह एसीटाजोलामाइड (Acetazolamide) की टिकिया है।

प्रयोग—यह मूत्रल औषधि (Diuretic) है। अतः शोफ (Oedema), कन्जेस्टिव हार्ट फेल्योर (Congestive Heart Failure), सगर्भावस्था का शोथ और विषमयता (Toxaemia and Oedema of Pregnancy), मासिक धर्म के पूर्व तनाव (Premenstrual Tension), मोटापा (Obesity), समलवाय या ग्लोकोमा (Glaucoma) आदि में लाभदायक है। इसके अतिरिक्त अपस्मार (Epilepsy) में भी लाभदायक है।

मात्रा—१ से १½ टिकिया प्रातःकाल।

सावधानी—अधिक मात्रा में न लेना चाहिये। अधिक समय तक सेवन करने पर शरीर में पोटाशियम की कमी हो जाती है।

निर्माता—लेडर्ली (Lederle)

डूफास्टॉन
(Duphaston)

औषधि—यह डाइड्रोजेस्टरोन (Didrogesterone) की ५ मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—बार-बार गर्भपात (Habitual abortion) आसन्न गर्भपात (Threatened abortion), कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea), अन्तर्गर्भाशय अस्थानता (Endometriosis) एवं बन्ध्यता (Infertility) में लाभप्रद है।

मात्रा—सामान्य मात्रा १ टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—डूफर (Duphar)

इण्डोक्रीन कम्पाउण्ड मेल
(Endocrine Compound Male)

औषधि-मिश्रण—

थाइराइड (Thyroid)

पिटयूइटरी (Pituitary)

सुप्रारीनल (Suprarenal)

आरकिक (Orchic)

प्रयोग—यह पुरुषों के वीर्य सम्बन्धी विकारों की उत्तम दवा है। साधारण स्नायुओं की कमजोरी (General Neurasthenia), नामर्दी (Impotency), रतिक्रिया अथवा विषय-कार्य में कमजोरी (Sexual weakness), शारीरिक दुर्बलता (Asthenia) आदि विकारों में भी इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त नित्य २ बार, २ से ३ टिकिया की मात्रा में सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

इण्टैरोफ्यूरेण्टिन कैप्स्यूल
(Enterofurantin)

औषधि मिश्रण—

क्लोरेम्फनिकाल (Chloramphenicol)

नाइट्रोफ्यूरेण्टोइन (Nitrofurantoin)

प्रयोग—मूत्र-मार्ग के उपसर्गों (Urinary tract infections) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल ५-६ घण्टे पर ।

निर्माता--डेज मेडिकल स्टोर्स।

टिप्पणी--अधिक शक्ति की इण्टेरोफ्यूरेण्टिन फोर्ट कैप्स्यूल (Enterofurantin Forte Capsule) आती है। इसका सिरप भी आता है।

इसिड्रेक्स
(Esidrex)

प्रयोग--सब प्रकार के शोफ जैसे कन्जेस्टिव हार्ट फेल्योर तथा वृक्क शोथ (Nephritis), नेफरोसिस (Nephrosis), सिरोसिस आफ लिवर, स्थूलता इत्यादि में शोफ कम करने के लिए प्रयोग करते हैं जो मूत्र की मात्रा बढ़ाकर कार्य करती है।

मात्रा--रोग की उग्रता एवं रोगी के अवस्थानुसार मात्रा निर्धारित करते हैं।

निर्माता--सीबा (Ciba)

टिप्पणी--इसी कम्पनी की नेवीड्रेक्स (Navidrex) इससे भी अधिक शक्तिशाली टिकिया मिलती है। इसी प्रकार फोवेन (Fovane) मूत्रल टिकिया है।

फ्यूराडेण्टिन
(Furadantin)

प्रयोग--मूत्र-मार्ग के उपसर्गों पर कार्य करनेवाली यह एण्टीबायोटिक के अतिरिक्त औषधि है। यह अनेक उपसर्गों (B. Coli. Proteus Staph. Pyogenes, Str. Faecalis, Ps. Pyocyanea, Bact. aerogenes, Paracelon bacilli etc.) पर कार्य करती है।

मात्रा--४ से ८ टिकिया प्रतिदिन, ५ से ७ दिन तक।

निर्माता--स्मिथ क्लीन एण्ड फ्रेञ्च (इण्डिया), लि०।

ग्लाइसिफेज

(Glyciphage)

औषधि—यह मेटफार्मिन हाइड्रक्लोराइड (Metformin Hydrochloride) ५०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—मधुमेह (Diabetes Mellitus) में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में २ से ४ बार।

निर्माता—फ्रैंको इण्डियन (Franco Indian)

हार्मोटोन एम

(Hormotone M)

औषधि-मिश्रण—

मेथिल टेस्टोस्टरोन (Methyl Testosterone)

थायरायड (Thyroid)

सुप्रारेनल (Suprarenal)

सकल पिटुइटरी (Whole Pituitary)

प्रयोग—प्रजनन-अंगों का अपूर्ण विकास (Hypagonadism), नपुंसकता, वृद्धावस्था की शारीरिक और मानसिक दुर्बलता (Male Climacteric) तथा रक्तप्रदर (Hypermenorrhoea and Metrorrhagia) में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया प्रति रात्रि जीभ के नीचे रखनी चाहिये।

निर्माता—जी० डब्लू० कार्नरिक को०।

हाइग्रोटोन

(Hygroton)

औषधि—यह क्लोरथैलिडॉन (Chlorthalidone) की टिकिया है।

प्रयोग—तीव्र मूत्रल औषधि है, अतः शोफ में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ से २ टिकिया प्रतिदिन। शोफ समाप्त होने पर ½ से १ टिकिया एक दिन छोड़कर।

निर्माता—सुहृद् गेगी ।

इन्वेनाल

(Invenol)

औषधि-मिश्रण—

N_1—Sulphanilyl—N_2—n—Butylcarbamide हैं ।

प्रयोग—इसका प्रयोग मधुमेह में होता है ।

मात्रा—मूत्र तथा रक्त की शर्करा की प्रतिशत मात्रा के अनुसार इसका प्रयोग मुख द्वारा करते हैं । पहले दिन ६ टिकिया, दूसरे दिन ५ टिकिया, तीसरे दिन ४ टिकिया और उसके बाद १ से ३ टिकिया प्रतिदिन आवश्यकतानुसार देते हैं । प्रतिदिन की मात्रा २ या ३ बार भोजन के साथ या तुरन्त बाद देना चाहिये ।

निर्माता—हेक्स्ट कम्पनी, बम्बई ।

मरकोलन टैबलेट्स

(Merocolan Tablets

औषधि-मिश्रण—यह पारद का मूत्रल योग है ।

प्रयोग—(Oedema), कञ्जेस्टिव हार्ट फेल्योर (Congestive Heart failure), हृदयजन्य श्वास (Cardiac Asthma), जलोदर (Ascites), अति रक्तदाब (Hypertension), शरीर में जल का संचय (Fluid Retention) तथा मासिक धर्म के पूर्व के कष्ट (Premenstrual tension) में लाभकर है ।

मात्रा—१ से ४ टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

नैडिसिन
(Nadisan)

औषधि निर्माता—इसकी प्रत्येक गोली में ·५ ग्राम कारब्यूटामाइड (Carbutamide) रहता है।

प्रयोग—सब प्रकार के मधुमेह में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—मूत्रगत शर्करा की मात्रा निर्धारित करके देते हैं।

निर्माता—बेरिंगर नॉल (Boehringer Knoll)

—०—

नियो-नैक्सलेक्स
(Neo-Naclex)

औषधि-मिश्रण—इसमें २·५ या ५ मि० ग्राम बेण्ड्रोफ्लुएजाइड (Bendrofluazide) रहता है।

प्रयोग—सर्व प्रकार का शोफ (Oedema) विशेषकर कन्जेस्टिव हार्ट फैल्योर (Congestive Heart Failure), नेफरोटिक सिण्ड्रोम (Nephrotic Syndrome) यकृत का सिरोसिस जिससे जलसंचय हो गया हो (Cirrhosis of Liver with fluid retention), गर्भावस्था की विषमयता (Toxaemia of Pregnancy) तथा अतिरक्तदाब में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ से २ गोली प्रातःकाल आवश्यकतानुसार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

टिप्पणी—नियो-नेक्लेक्स आर० के० (Neo-Naclex R. K.) में रीसर्पीन (Reserpine) और पोटैशियम क्लोराइड (Potassium chlo-

ride) मिले रहते हैं। इसका प्रयोग अतिरक्त दाब (High Blood pressure) में होता है।

नैफ्रिल
(Nephril)

औषधि—पोलिथियाजाइड (Polythiazide)

प्रयोग—यह अति तीव्र मूत्रल औषधि है। एक ही मात्रा का प्रभाव २४ से ४८ घण्टे तक रहता है। कंजेस्टिक हार्ट फेल्योर (Congestive Heart Failure), शोफ (Oedema) गर्भधारण की अवस्था का शोफ, वृक्कजन्य शोफ (Renal Oedema) औषधिजन्य अथवा अन्य किसी भी प्रकार का शोफ तथा अति रक्तदाब (Hypertension) में उपयोगी औषधि है।

मात्रा—१ से ४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

टिप्पणी—मध्यम या अति उच्च रक्तदाब (Moderate or Severe hypertension) के लिए नेफ्रिल-ऑर (Nephril-R) की टिकिया मिलती है। इसमें रिसर्पीन (Reserpine) मिला रहता है।

एन० एफ० टी०
(N. F. T.)

औषधि—यह नाइट्रोफ्यूरेण्टोइन (Nitrofurantoin) की टिकिया और सिरप है। प्रत्येक टिकिया में ५० मिग्रा० और प्रत्येक चाय चम्मच भर सिरप में २५ मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—मूत्रमार्ग के संक्रमणों (Urinary tract infections) में बहुत लाभकर है।

मात्रा--इसकी दैनिक मात्रा प्रत्येक किलोग्राम शरीरभार के अनुपात में ५ से ८ मिग्रा० है। कुल मात्रा को चार भागों में बांट कर दिन भर में देते हैं।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

निक्रोसिल

(Nicosil)

औषधि मिश्रण—यह दवा सल्फानिलेमाइड (Sulphanilamide) तथा इपेनिन (Epanine) के मेल से तैयार की जाती है।

प्रयोग—यह सूजाक की उत्तम दवा है।

मात्रा--१ से ३ टिकिया की मात्रा दिन भर में ३ बार रोग के अनुसार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—सिप्ला. बम्बई।

—०—

पासुमा स्ट्रांग

(Pasuma Strong)

औषधि-मिश्रण--

मेथिल टेस्टोस्टरोन (Methyl Testosterone)
टेस्टोस्टेरोन प्रोपियोनेट (Testosterone Propionate)
डाइटोकोफेरॉल एसिटेट (Ditocopherol Acetate)
सोडियम मोनोमेथिल आर्सोनेट (Sodium Monomethyl Arsonate)
योहिम्बीन हाइड्रोक्लोर० (Yohimbine Hcl.)
कैफीन (Caffeine)

रेकेफेड्रीन हाइड्रोक्लोर० (Recephedrine Hydrochlor.)
स्ट्रिकनीन (Strychnine)
ग्लिसिरोफास्फेट (Glycerophosphates)

प्रयोग—योनिजन्य दुर्बलता, नपुंसकता (Impotency), अवसादक रोग, वन्ध्यापन (Sterility), शीघ्र पतन (Ejaculation Precox) में लाभदायक है ।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३ बार ।

निर्माता—ई मर्क जर्मनी (E. Merck, Germany)

—०—

पिरैण्ड्रेन

(Perandren)

औषधि—यह मेथिल टेस्टोस्टरोन (Methyltestosterone) की टिकिया है । ५ तथा २५ मिग्रा० की टिकिया है ।

प्रयोग - वृद्धावस्था के विकार (Climacteric), अनीला ग्रन्थि की वृद्धि (Prostatic Hypertrophy), क्रिप्टार्किडिज्म (Cryptorchidism), नपुंसकता, सिमड रोग (Simmonds diseases), कुशिंग का सिन्ड्रोम (Cushing's Syndrome), हृद्शूल (Angina Pectoris), थ्रोम्बोएञ्जिआइटिस आब्लिटरेन्स (Thromboangitis obliterans), धमनी जरठता (Arteriosclerosis) सभी प्रकार का रक्त प्रदर, रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea), स्तन का कैन्सर (Mammary Caricnoma) एवं मासिक पूर्व के तनाव (Premenstrual Tension) में लाभप्रद है ।

मात्रा ५ से ५० मिग्रा० प्रतिदिन आवश्यकतानुसार ।

निर्माता—सीबा (Ciba)

टिप्पणी— १. इसकी एम्पुल (Ampoules) एवं वायल (Vials) इन्जेक्शन के लिए मिलते हैं।

२. टेस्टाफार्म—(Testaform) बी. डी. एच. (B. D. H.) द्वारा निर्मित यही टिकिया और सुई है।

रेस्टिनान
(Rastinon)

औषधि-मिश्रण—

यह टोलब्युटामाइड (Tolbutamide) से बनी टिकिया है।

प्रयोग एवं मात्रा—२ से ६ टिकिया प्रतिदिन। धुममेह में।

निर्माता—हेक्स्ट कम्पनी (Hoechst)

—*—

सल्फोट्रोपीन
(Sulphotropine)

औषधि-मिश्रण—

सल्फानिलामाइड (Sulphanilamide)

हेक्सामीन (Hexamine)

प्रयोग— मूत्र-मार्ग के तीव्र अथवा जीर्ण उपसर्ग (Acute or Chronic-Urinary tract infections) में लाभदायक है। विशेष रूप से कोलिबेसिलाई (Colibacilii), स्टैफिलोकोकाई (Staphylococcii) तथा इण्टेरोकोकाई (Entercoccii) के उपसग में प्रयुक्त होता है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ४ से ६ बार।

निर्माता—वाण्डर फार्म्ड लि०

—*—

टेस्टोफॉस
(Testophos)

औषधि-मिश्रण—

मेथिल टेस्टोस्टरोन (Menthyl Testosterone)

विटामिन ई० (Vitamin E)

सोडियम एल-ऑक्सीबेंझिल फास्फोरिकम (Sodium L-oxybenzyl-phosphoricum)

योहिम्बिन हाइड्रोक्लोराइड (Yohimbin-Hcl.)

एक्सट्रैक्ट कोली (Ext. Colae)

एक्स० मूरी पावूनी (Ext. Murae Pauwnae)

प्रयोग—यह सब प्रकार की लैंगिक दुर्बलता; सेक्सुअस न्यूरास्थानिया (Sexual Nurasthenia), मैथुन की दुर्बलता, नपुंसकता आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ गोली प्रतिदिन २ सप्ताह तक।

निर्माता—सिगफ्रेड कम्पनी।

—*—

टॉलामिड
(Tolamid)

औषधि-मिश्रण—यह टोलब्युटामाइड (Tolbutamide) की टिकिया है।

गुण—यह मुख द्वारा लेने की औषधि है।

मात्रा—प्रतिदिन १ टिकिया से प्रारम्भ कर धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिये। जितनी मात्रा में मूत्र शर्करा रहित हो जावे, वह मात्रा स्थिर करनी चाहिये।

निर्माता—सिप्ला।

—*—

यूनिटोलबिड
(Uni-Tolbid)

औषधि—टोलब्यूटामाइड (Tolbutamide) ०·५ ग्राम की टिकिया है।

गुण—मधुमेह की उत्तम औषधि है।

मात्रा—टोलामिड (Tolamid) के समान।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)

--*--

यूरोलूकोसिल
(Urolucosil)

औषधि-मिश्रण—सल्फामेथीजॉल (Sulphamethizole)

प्रयोग—यह अत्यन्त घुलनशील सल्फोनामाइड है जो बिना किसी परिवर्तन के मूत्र में उत्सर्ग होता है। सल्फा औषधियों से ठीक होने वाली सभी मूत्रमार्ग के उपसर्गों में लाभ करता है।

मात्रा—१ से २ टिकिया प्रति ४ घण्टे पर।

निर्माता—वार्नर लैम्बर्ट फार्मास्युटिकल कं०।

--*--

अध्याय ४

शोफ एवं रक्तवह संस्थान के रोगों की औषधियाँ

इस अध्याय में हृदय की दुर्बलता में कार्य करने वाली औषधियाँ, ब्लड प्रेशर कम करने वाली, हृदय की दुर्बलता से उत्पन्न शोफ, जल-संचय (जलोदर आदि) को ठीक करने वाली, हृदय से उत्पन्न श्वास रोग आदि तथा हृद्शूल (Angina Pectoris) की औषधियों का संकलन किया गया है। हृदय पर कार्य करने वाले मुख्य द्रव्य जिनका पेटेण्ट औषधियों में अधिकांश प्रयोग होता है वे ये हैं :—

१. डिजिटैलिस—डिजिटैलिस तथा उसके ग्लाइकोसाइड हृदय को बल देने वाले तथा उसकी तीव्र व अनियन्त्रित गति को ठीक करने वाले मुख्य तत्त्व हैं। इनका कार्य सीधे हृदय की पेशी पर होता है जिससे पेशी बलपूर्वक पूर्ण संकोच करने में समर्थ होती है। परिणामतः हृदय अधिक रक्त-प्रवाहित करने में समर्थ होता है। इससे फेफड़ों में रुका हुआ रक्त—जिसके कारण श्वास जैसा रोग (Cardiac Asthma) हो जाता है—आगे बढ़ कर फेफड़ों का रक्ताधिक्य कम कर देता है और रोगी श्वास-कष्ट (Dyspnoea) से मुक्त हो जाता है। शरीर के निचले तथा अन्य भागों में रुके हुए रक्त में भी गति आ जाने से शोफ कम हो जाता है। यह हृदय का बल बढ़ाकर वृक्कों में रक्त-संचार बढ़ा देता है। परिणामतः मूत्रत्याग अधिक होकर रक्त से अनावश्यक जलीयांश निकल जाने से हृदय पर पड़ा हुआ कार्य का बोझा कम हो जाता है। अर्थात् अकेली एक यही औषधि हृदय की दुर्बलता तथा उससे उत्पन्न अनेक विकारों को शान्त कर देती है।

परन्तु इसकी अधिक मात्रा से प्राण-संकट उत्पन्न हो सकता है—हार्टफेल हो सकता है, इसके प्रयोग में सावधानी बरतनी चाहिए।

२. अमीनोफाइलीन, थियोफाइलीन इत्यादि—ये औषधियाँ हृदय को पोषण देने वाली धमनियों को विस्फारित कर हृदय की पेशी का रक्त-संचार बढ़ाती हैं। साथ ही मूत्रल होने से रक्त का अनावश्यक जलीयांश निष्कासित कर हृदय का कार्य-भार कम कर देती हैं। शोफ भी कम करती हैं। ये रक्तदाब को भी कुछ कम करती हैं। जब कि डिजिटैलिस रक्तदाब बढ़ाता है, कैफीन मूत्रल होने से लाभदायक होती है।

३. राओल्फिया सर्पेण्टीना—यह सर्पगन्धा है। सर्पगन्धा एवं उसके कार्यकारी तत्व रिसर्पीन (Reserpine) आदि रक्तदाब कम करने के प्रमुख द्रव्य हैं। यह अतिरक्तदाब घटानेवाली हानिरहित औषधि है। इसका मन पर भी शामक प्रभाव पड़ता है। जो रक्तदाब कम करने में सहायता करता है। इसका प्रयोग अनेक मनोविकारों पर भी किया जाता है। इसका सबसे बड़ा गुण यह है कि रक्तदाब के उचित स्तर को यह कम नहीं करता। इसके अतिरिक्त रक्तदाब घटाने की अनेक नई औषधियाँ हैं जो अति शक्ति-शाली रूप में यह कार्य करती हैं साथ ही हीनरक्तदाब (Hypotension) भी करने का तथा कुछ अन्य उपद्रव करने का उनमें उतना ही घोर दुर्गुण है। अतः उनके प्रयोग में अति सावधान रहना चाहिए। इस प्रकार की कुछ औषधियों का भी इस अध्याय में संकलन किया गया है।

४. हृद्शूल को कम करने वाली औषधियाँ रक्तदाब घटाकर हृद्धमनी को प्रसारित कर तथा अनेक बार मन को प्रभावित कर शूल दूर करने का कार्य करती हैं।

शोफ कम करने के लिए विशेषतः मूत्रल रक्तवर्धक औषधियों का प्रयोग होता है।

—०—

एडल्फेन

(Adelphane)

औषधि-मिश्रण—इसमें सर्पासिल के साथ 1. 4 Dihydrazinophthalazine औषधि रहती है ।

प्रयोग—अति रक्तदाब (High Blood Pressure) में प्रयोग करते हैं ।

मात्रा—१-२ गोली दिन में तीन बार ।

निर्माता—सीबा (Ciba)

—०—

एड्ल्फेन-इसिड्रेक्स

(Adelphane-Esidrex)

औषधि-मिश्रण—इसमें एडल्फेन के साथ इसिड्रेक्स (Esidrex) रहता है ।

प्रयोग—वृक्क विकार के कारण अति रक्तदाब में मूत्र की मात्रा बढ़ाकर रक्तदाब कम करने की उत्तम औषधि है । अतः इसका प्रयोग कन्जेस्टिव हार्टफेल्योर, गर्भावस्था की विषमयता इत्यादि रोगों में करते हैं ।

मात्रा—१-२ गोली दिन में २-३ बार ।

निर्माता—सीबा कम्पनी ।

—०—

एन्जीसेड

(Angised)

औषधि-मिश्रण—यह ग्लिसरिल ट्राइनाइट्रेट (Glyceryl Trinitrate) का उत्तम योग है ।

प्रयोग—हृद्शूल (Angina Pectoris) की चिकित्सा एवं रोक-थाम के लिए प्रयोग करते है ।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३-४ बार तथा पीड़ा के समय।

निर्माता—बरोज वेल्कम (Burroughs Wellcome)

—०—

नसोलाइसेन

(Ansolysen)

औषधि--यह पेण्टोलिनियम टारट्रेट (Pentolinium Tartrate) की टिकिया और एम्प्यूल है।

प्रयोग—उग्र एवं अति उग्र रक्तदाब (Essential Hypertension) की उत्तम औषधि हैं।

मात्रा--रोग की तीव्रता एवं रोगी पर औषधि के प्रारम्भिक प्रभाव पर निर्भर करती है। सामान्यतः ३.५ से १० मिग्रा० प्रति ६ घंटे पर। न्यून मात्रा से प्रारम्भ कर धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।

निर्माता--एम० बी०।

टिप्पणी—इसी कार्य के लिए इसी कम्पनी की पीरोलाइसेन (Perolysen) टिकिया मिलती है।

—०—

कार्डियन

(Cardeon)

औषधि-मिश्रण--वैसोमोटर न्यूक्लियोसाइड्स (Vasomotor Neucleoside)

क्लोरोफिल (Chlorophyll)

क्रिस्टेलाइन कैल्शियम क्लोराइड (Crystalline Calcium Chloride)

कार्डियक एक्सट्रैक्स (Cardiac Extract)

हाइड्रोकार्बोनेट आफ मैग्नीशियम (Hydrocarbonate of magnesium)

प्रयोग—इस औषधि के द्वारा रक्तस्थली का कार्य उचित रूप में लाया जा सकता है। यह हृद्‌शूल की अच्छी दवा है।

मात्रा—१ से २ टिकिया तक नित्य तीन बार खाना खाने के पूर्व सेवन करना चाहिए।

निर्माता—एंग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी, बम्बई।

—०—

कार्डियामिड
(Cardiamid)

औषधि-मिश्रण—यह नियासिनडिथेलेमाइड से तैयार की जाती है।

प्रयोग—श्वास-यन्त्र तथा हृदय पर इसकी बड़ी सुन्दर क्रिया होती है। हर प्रकार के संक्रामक रोगों में इसका प्रयोग लाभप्रद साबित होता है।

मात्रा—पूरी उम्रवालों के लिए एक घूँट पानी में ३० बूँद की मात्रा दिन भर में ३ से ६ बार देनी चाहिए। बच्चों को ३-५ बूँद की मात्रा में देना चाहिये। यह दवा सूई में भी मिलती है। सूई के प्रयोग से तत्क्षण लाभ उठाया जा सकता है।

निर्माता—सिप्ला बम्बई।

—०—

कार्डियाजोल
(Cardiazol)

औषधि-मिश्रण—यह Pentamethylenetrazol का योग है।

प्रयोग—कोरामिन के समान एकाएक सरक्युलेटरी फेल्योर (Sudden Criculatory Failure), न्यूनरक्तदाब (Hypotension), थकान, श्वास संस्थानगत फेल्योर (Respiratory Failure) इत्यादि की अमोघ औषधि है।

मात्रा--२० बूँद या एक गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता--नॉल (Knoll)

—*—

कॉर्डियाजोल इफेड्रीन

(Cardiazol Ephedrine)

औषधि-मिश्रण—यह कार्डियाजोल (Cardiazol) का इफेड्रीन (Ephedrine) के साथ उत्तम योग है।

प्रयोग—यह Circulatory Failure, हीनरक्तदाब (Hypotension) तथा श्वास-संस्थानगत अवसाद (Respiratory Depression) आदि रोगों में प्रयुक्त होती है।

मात्रा--१-२ गोली या १०-२० बूँद २-३ बार दिन भर में।

निर्माता—नॉल (Knoll)

—*—

कार्डिलेट

(Cardilate)

औषधि-मिश्रण—यह इरिथ्रिटिल टेट्रान इट्रेट (Erythrityl Tetranitrate) की टिकिया है। प्रति टिकिया में ४ मि० ग्रा० अथवा १५ मि० ग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग--हृद्शूल (Angina Pectoris) की औषधि है। एक मात्रा का प्रभाव ४ घण्टे तक रहता है।

मात्रा--आक्रमण के समय १ टिकिया जीभ के नीचे रखने से ५ मिनट में आराम मिलता है। दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार इसका प्रयोग किया जा सकता है। आक्रमण से बचाव के लिए १ टिकिया पानी के साथ पीना चाहिये।

निर्माता--बरोज वेलकम एण्ड को (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड।

—*—

कार्डोसिडान
(Cardosedon)

औषधि-मिश्रण—

एमीनोफाइलीन (Aminophylline)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

पैपावेरीन (Papaverine)

प्रयोग—इसका प्रयोग हृद्शूल (Angina Pectoris), Vascular Spasm, अतिरिक्तदाब, दमा तथा Coronary Artery Disease में करते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Company)

—*—

कैल्शियम थियाब्रोमिन सैलिसिलेट
(Calcium Theobromine Salicylate)

औषधि-मिश्रण—यह दवा जिस नाम से पुकारी जाती है उसी के द्वारा बनी हुई है।

प्रयोग—हृदय की बिमारियों में लाभदायक है। मूत्राधिक्य (Diuresis) में मुफीद साबित होती है।

मात्रा—२ से ३ टिकिया नित्य पानी में मिलाकर भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिये।

निर्माता—ग्लुकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

—*—

सीडिलैनिड
(Cedilanid)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक गोली में—

लैनैटोसाइड सी (Lanatoside C) २५ मि० ग्रा०

२ मि० लि० के एम्पुल में—

डिस्लैनोसाइड (Deslanoside) ४ मि० ग्रा०

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग सब प्रकार के हार्टफेल्योर जैसे मायोकार्डियल फेल्योर (Maycardio l Failure), कोरोनरी स्क्लेरोसिस (Coro ary Sclerosis), ऑरिक्यूलर फिब्रिलेशन (Auricular Fibrillation) इत्यादि में होता है।

मात्रा—इसकी मात्रा का निर्धारण चिकित्सक स्वयं करता है।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, बम्बई।

—*—

कार्निजेन
(Carnigen)

औषधि-मिश्रण—

न्यूक्लियोसाइड (Nucleosides)

रैक पी-हाइड्रॉक्सी-इफेड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Rac. P–Hydroxyephedrine hydrochloride)

प्रयोग—संक्रमणों (Infectious) अथवा शस्त्रकर्मों (Operations) के बाद हीन रक्तदाब (Hypotension), हृदय एवं रक्त वाहिनियों के रोगों में हीन रक्तदाब, अधःस्थितिक हीन रक्तदाव (Orthostatic hypotension), मूर्च्छा (Syncope), हृद्धमनी (Coronary artery) की अपयासता, जनन निवृत्तिकाल में होनेवाली परिसंचरण की विकृतियों आदि में लाभकर है। वृद्धों में हृदय की शक्ति बढ़ाने के लिए इसका प्रयोग

होता है। हृद्वात (Cardiac failure) में स्ट्रोफेन्थिन (Strophanthin) अथवा डिजिटैलिस (Digitalis) के साथ इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—१०-१५ बूँद दिन में ३ बार या अधिक। बच्चों को ३ से १० बूँद आवश्यकतानुसार।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

टिप्पणी—इसका २ मिलि० का इन्जेक्शन भी आता है।

—*—

कौम्बीजैन्थिन

(Combixanthin)

औषधि-मिश्रण—

बीटा-हाईड्रोक्सीप्रोपिल थियोफायलीन (B-Hydroxypropyl Theophylline)

पेण्टाएरिथ्रिटाल टेट्रानाइट्रेट (Pantaerythritol Tetranitrate)

मिथिल फिनोबार्बिटाल (Methyl Phenobarbital)

प्रयोग—हृद्शूल, (Mycordial Infarction), धमनी काठिन्य (Arteriosclerosis), हृद्विकार, हृद्जन्य श्वास (Cardiac Asthma), तीव्र फुपफुस शोथ (Acute Pulmonary Oedema), तीव्र हृदयगति (Tachycardia), Extra-Systoles तथा वृक्कजन्य शोथ (Renal Oedema) में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—½-१ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता—सेगफ्रेड (Siegfried)

—*—

कोरामीन ड्राप

(Coramine Drops)

औषधि—यह निकेथामाइड (Nikethamide) का २५% घोल है।

प्रयोग—श्वास का अवसाद (Respiratory failure) और रक्त-परिभ्रमण का अवसाद (Circulatory failure) में बहुत लाभदायक औषधि है। न्यूमोनिया, टायफायड आदि जिन रोगों में हृदय दुर्बल हो जाता है उनमें इसका नियमित प्रयोग किया जाता है। हृदयावसाद (Heart failure) में इसकी सुई सीधे हृदय में दी जाती है।

मात्रा—१० से ४० बूँद दिन में ३-४ बार।

निर्माता—सीबा (Ciba)

टिप्पणी—१. इसकी टिकिया भी मिलती है जिसे बूँदों के स्थान पर प्रयोग में लाया जाता है। इन्जेक्शन के लिए एम्प्यूल (Ampoules) मिलते हैं।

१. निकेथामाइड निम्नलिखित नामों से मिलती है :—

२. कार्मिड (Cormid)—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals) बूँद एवं एम्प्यूल।

२. कार्वोटोन (Corvotone)—बूट्स (Boots)। बूँद (Drops) तथा इन्जेक्शन के एम्प्यूल (Ampoules)

३. एनाकार्डोन (Anacardone)—बी० डी० एच० (B. D. H.)

—०—

डिजी-कार्डिन
(Digi-Cardine)

औषधि-मिश्रण—यह निम्नलिखित दो औषधियों के मेल से तैयार की गई है।

डिजिटाक्सिन (Digitoxin)

एमीनोफाइलीन (Aminophylline)

प्रयोग—यह हृदयगति के बन्द होने की आशंका (Heart arrest) होने पर दी जानी चाहिये। हृदय रोग की यह महौषधि है। इसकी क्रिया श्वासयन्त्र पर बड़ी सुन्दर होती है।

मात्रा—१ से ४ टिकिया तक नित्य दिया जा सकता है। रोग तथा रोगी की स्थिति देखते हुए औषधि की मात्रा में कमी-बेशी की जानी चाहिए।

निर्माता—एंग्लो फ्रेञ्च ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

डिजिलैनिड

(Digilanid)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में डिजिटैलिस लेनाटा (Digitalis lanata) के ·२५ मिग्रा० ग्लाइकोसाइड रहते हैं तथा प्रत्येक २ मिलि. के एम्पुल में ४ मिलिग्राम Desacetyl Lanatosides रहता है। १ गोली ½ ग्रेन पत्र चूर्ण के बराबर होती है।

प्रयोग—इसका प्रयोग डिजिटैलिस के ही समान हृद्रोगों में हुआ करता है।

मात्रा—४-८ गोली दिन में दो बार अथवा १ इन्जेक्शन दिन में १ बार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, बम्बई।

डिजिटॉक्सिन

(Digitoxin)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में ·१ मिलिग्राम शुद्ध डिजिटॉक्सिन (Pure Digitoxin) रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग कन्जेस्टिव हार्ट फेल्योर (Congestive Heart failure) तथा ऑरिक्युलर फिब्रिलेशन (Auricular Fibrillation), ऑरिकुलर फ्लटर (Auricular Flutter) में करते हैं।

मात्रा—रोग की उग्रता तथा रोगी के अवस्थानुसार निर्धारित करते हैं।

निर्माता—अनेक कम्पनियाँ।

टिप्पणी--सैण्डोज (Sandoz) की एसीलैनिड (Acylanid) नाम से यही टिकिया मिलती है। प्रत्येक टिकिया में ·१ मिग्रा० औषधि रहती है।

डाइजिस्टन
(Digistan)

औषधि-मिश्रण—यह डिजिटेलिस की पत्तियों के ग्लुकोसाइड्स (Glucosides of Digitalis leaf) से बनती है।

प्रयोग—यह हृदय को मजबूत रखने के लिए टॉनिक है।

मात्रा—इसकी ८ मिनिम की एक खुराक है।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

डाई-रौडिक्सिन
(Di-Raudixin)

औषधि-मिश्रण—हाइड्रोफ्लूमीथियाजाइड (Hydroflumethiazide),
सर्पगन्धामूल (Rauwolfia Serpeptina Root),
पोटैशियम क्लोराइड (Potassium Chloride)

प्रयोग--अति रक्तदाब जिसमें मूत्रगत यूरिया की अधिकता हो गई हो उसमें प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ टिकिया दिन में २-३ बार आवश्यकतानुसार प्रयोग करते हैं।

निर्माता—स्क्विब कम्पनी (Squibb Co.)

डिरोकल
(Dirocal)

औषधि-मिश्रण—यह थियोब्रोमीन कैल्शियम सैलीसिलेट (Theobromine Calcium Silicylate) से तैयार की गई है।

प्रयोग—हाई ब्लड प्रेशर (High Blood Pressure), शोथ रोग (Dropsy), धमनी का संकोच (Arterial Spsm) तथा हृद्शूल (Angina Pectoris) आदि रोगों में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१ से २ टिकिया नित्य ३ बार भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिए। खाली पेट खाना नुकसानदेह है।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

ईक्वानइट्रेट

(Equanitrate)

औषधि-मिश्रण—

पेण्टाइरिथ्रिटाल टैट्रानाइट्रेट (Pentaerythritol Tetranitrate), मेप्रोबामेट (Meprobamate)

प्रयोग—हृद्शूल (Angina pectoris) तथा कोरोनरी विकार की प्रतिषेधात्मक चिकित्सा में कार्य करता है।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—जान वेथ एण्ड कम्पनी (John Wyeth and Co.)

आयोड-कैल्शियम डाइयूरेटिन

(Iod-Calcium-Diuretin)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम डाइयूरेटिन (Cal. Diuretin)

पोटास आयोडाइड (Pot. Iodide)

प्रयोग—धमनी काठिन्य से अतिरिक्तदाब (Arteriosclerotic High (B. P.), हृद्शूल (Angina Pectoris), कार्डियक ऐज्मा (Cardiac

Asthma), चक्कर (Vertigo), शिरःशूल (Headache), निद्रानाश (Insomnia) तथा अन्य हृदय एवं धमनीगत विकारों में देते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—नॉल कम्पनी (Knoll)

—*—

आयोड़ो डिरोकल
(Iodo-Dirocal)

औषधि-मिश्रण—थियोब्रोमीन कैल्शियम सैलीसिलेट (Theobromine Calcium Salicylate)

पोटैशियम आयोडाइड (Potassium Iodide) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह अति रक्तदाब (High Blood Pressure) हृत्पिण्ड रोगों के कारण शोथ रोग के होने (Dropsy due to Cardiac Disease) धमनी का संकोच (Arterial Spasm) तथा हृत्शूल (Angina Pectoris) आदि रोगों में विशेष लाभ करती है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में, नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए। इसका सेवन भोजन के एक घण्टे पश्चात् करना चाहिए। खाली पेट देना हानिकारक है।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

—*—

इस्मेलिन
(Ismelin)

औषधि —यह ग्वानीथिडील सल्फेट (Guanithidine Sulphate) की टिकिया है। १० तथा २५ मिग्रा० की टिकिया मिलती है।

प्रयोग—अति रक्तदाब (Hypertension) की अच्छी औषधि है।

सगर्भावस्था की विषमयता (Toxaemia of Pregnancy) में भी लाभदायक है।

मात्रा—१० मि०ग्रा० प्रतिदिन से प्रारम्भ करते हैं। प्रति सप्ताह इतनी ही मात्रा बढ़ाते जाते हैं जब तक कि इच्छित प्रभाव न उत्पन्न हो जाय।

सावधानी—१. फीयोक्रोमोसाईटोमा (Pheochromccytoma) तथा हाल के हृद्पेशी इन्फारक्शन (Recent myocardial infarction) में इसका प्रयोग निषिद्ध है।

२. इसके सेवन काल में रोगी का रक्तदाव (Blood Pressure) रोगी को खड़ा करके नापना चाहिए।

निर्माता—सिबा (Ciba)

खेली कार्डिन

(Khelli-Cardin)

औषधि-मिश्रण—इसमें २५ मिलीग्राम खेलिन (Khellin) रहता है।

प्रयोग—कोरोनरी विकार, हृद्शूल (Angina Pectoris), कोरोनरी थ्राम्बोसिस (Coronary Thrombosis), ब्रांकियल एज्मा, कुकुर खाँसी इत्यादि में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—रोग और रोगी के आवश्यकतानुसार निर्धारित करते हैं।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Reptakos Co.)

—*—

लैनाक्सिन

(Lanoxin)

औषधि-मिश्रण—यह डिजिटैलिस लैनेटा (Digitalis Lanata) की पत्ती से निकला ग्लायकोसाइड (Glycoside) है।

प्रयोग तथा मात्रा—डिजिटॉक्सिन के समान।

विर्माता—बरोज वेलकम।

—o—

नियोकॉर
(Neo Cor)

औषधि-मिश्रण—

मीप्रोबामेट (Meprobamate)

पैण्टाइरिथ्रिटॉल टेट्राइट्रेट (Pantaerythritol Tetranitrate)

डाइप्रोफाइलीन (Diprophylline)

पापावरीन हाइड्रोक्लोराइड (Papaverine Hydrochloride)

प्रयोग—हृदयशूल की उत्तम औषधि है। यह हृद् धमनी (Coronary artery) को विस्फारित कर शूल को तुरन्त कम करती है। मन पर प्रभाव कर बार-बार के आक्रमण से बचाती है। मूत्र की मात्रा बढ़ाकर हृदय के कार्य-भार को कम करती है। इसका प्रभाव तुरन्त आरम्भ होकर काफी समय तक रहता है।

मात्रा—१ से २ टिकिया।

निर्माता—नीग्रो-फार्मा प्राइवेट लि०।

—o—

नियो-नेक्लेक्स-आर के
(Neo-Naclex-RK)

औषधि-मिश्रण—

बेण्ड्रोफ्लुआजाइड (Bendrofluazide)

रीसर्पीन (Reserpine)

पोटैशियम क्लोराइड (Potassium chloride)

प्रयोग—अति रक्तदाब (Hypertension) की अच्छी औषधि है।

मात्रा—२ टिकिया प्रातःकाल जलपान के बाद लेना चाहिए। २-३ सप्ताह में यदि पर्याप्त लाभ न हो तो १ टिकिया बढ़ा दें। आवश्यकतानुसार

पुनः २-३ सप्ताह के बाद एक टिकिया बढ़ा सकते हैं। लाभ प्रारम्भ हो जाने के बाद एक मात्रा क्रमशः घटानी चाहिए। जिस मात्रा पर रक्तदाब उचित स्तर पर स्थिर रहे वह बराबर देते रहें।

निर्माता—ग्लैक्सो (Glaxo)

—०—

पेट
(Pet)

औषधि-यह पेण्टाइरिथ्रिटॉलटेट्रानाइट्रेट (Pentaerythritol Tetranitrate) की टिकिया है।

प्रयोग---हृद्शूल (Angina Pectoris), कॉरोनरी इनसफिशियेन्सी (Coronary Insufficiency) तथा कॉरोनरी थ्रॉम्बाटिक आक्रमण के बाद (Post Coronary thrombotic attack) में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स।

टिप्पणी—पेट-एस० ए० (Pet S. A.) में औषधि अधिक मात्रा में रहती है और धीरे-धीरे अधिक समय तक (१२ घण्टे) कार्य करती है। अतः इसकी एक टिकिया प्रातःकाल जलपान के पूर्व एवं १ टिकिया रात्रि को भोजन के पूर्व देने मात्र से काम चल जाता है। पेट-एम० (Pet. M.) में मीप्रोबामेट (Meprobamate) मिला रहता है। अतः यह मन पर भी शान्तिदायक प्रभाव डालता है। इसकी १-२ टिकिया दिन में ३ या ४ बार देते हैं।

—*—

क्विनिडीन सल्फेट
(Quinidine Sulphate)

औषधि--यह सिनकोना की छाल से निकाला गया एल्कालॉयड (Alkaloid) तत्व है।

प्रयोग—नये ऑरिकुलर फिब्रिलेशन (Auricular Fibrillation) एवं ऑरिकुलर फ्लटर (Auricular Flutter) में लाभदायक है।

मात्रा—पहिले १ टिकिया दें। यदि कोई दुर्लक्षण प्रकट न हो तो २ घण्टे बाद पुनः १ टिकिया दें। दुर्लक्षण न होने पर १२ घण्टे बाद २ टिकिया प्रति ३ से ५ घण्टे पर आवश्यकतानुसार दे सकते हैं।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

रैलफेन

(Ralfen)

औषधि—यह राओल्फिया सर्पण्टिना की जड़ों से तैयार की गई औषधि है।

प्रयोग—यह अत्यधिक रक्तदाब (High Blood Pressure) की अत्युत्तम दवा है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया की मात्रा में नित्य २ बार भोजन के पूर्व खाना चाहिए या १० मिनिम की मात्रा में रात्रि में सोने के समय खाना चाहिए। उन्माद रोग (Insanity) में ३ से ६ टिकिया की मात्रा में नित्य २ बार खानी चाहिए। ऐसी स्थिति में दोपहर को तथा रात्रि में सोने के समय लेना चाहिए।

ओल्फिय सरपेण्टिना एक्सट्रैक्ट

(Rauwolfia Serpentina Ext.)

औषधि-मिश्रण—राओल्फिया सर्पेण्टिना रूट्स के अलकेलायड्स (Total Alkaloids form Rauwolfia Serpentina Roots)।

प्रयोग—यह अधिक रक्तदाब (High Blood Pressure) की अच्छी दवा है। यह दवा टिकिया में भी आती है।

मात्रा—५ से १५ मिनिम की मात्रा में दिन भर में ३ बार देनी चाहिए। अगर टिकिया में देनी हो तो २ - २ टिकिया की मात्रा में सुबह और शाम दीजिए।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

—*—

रीसरपेक्स
(Reserpex)

औषधि-मिश्रण—यह रिसर्पीन (Reserpine) का उत्तम योग है।

प्रयोग—इसका प्रयोग किसी भी कारण से उत्पन्न अति-रक्तदाब (Hypertension) में करते हैं।

मात्रा—अति रक्तदाब के मापन पर निर्भर करती है।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.) कम्पनी।

—*—

रौनिलकौ
(Ronicol)

औषधि—यह बीटा पायरिडिल करबिनॉल (B-pyridyl Carbinol) की टिकिया है।

प्रयोग—यह एक उत्तम रक्तवाहिनी प्रसारक (Vasodilator) औषधि है जिसका प्रयोग किसी प्रकार के आन्त्रिक कन्जेशन (Congestion) एवं अति-रक्तदाब की अवस्था में करते हैं।

मात्रा—$\frac{1}{2}$ से २ टिकिया दिन में अनेक बार।

निर्माता— रोश कम्पनी (Roche Co.)

—*—

सीलारेन
(Scillaren)

औषधि-मिश्रण—

इसकी प्रत्येक गोली में ६·७ मिग्रा० और प्रत्येक एम्पुल में ·५ मिग्रा० ग्लाइकोसीडाल कम्प्लेक्स सफेद स्क्वील का रहता है (Glycosidal complex of white squill)

प्रयोग—इसका मुख्य प्रयोग हृदय रोग में डिजिटेलिस के समान होता है ।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार होती है ।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, बम्बई ।

सीडोनल
(Sedonal)

औषधि मिश्रण—

अमीनोफाइलीन (Aminophylline.)

अल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड (Alluminium Hydroxide)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—यह रक्तदाब कम करती, हृदय को बल पहुँचाती तथा मूत्रल है, शोफ कम करती है ।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार ।

निर्माता—ईस्ट इंण्डिया फार्मास्युटिकल वर्क्स लि० ।

सर्पासिल
(Serpasil)

औषधि-मिश्रण—यह सर्पगन्धा सत्व रीसर्पीन (Reserpine) का उत्तम योग है ।

प्रयोग—समस्त कारणों से उत्पन्न उच्च रक्तदाब की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार रक्तदाब के अनुसार देते हैं।

निर्माता—सीबा (Ciba)

टिप्पणी—यह औषधि टी० सी० एफ० (T. C. F.) की रीसर्पीन (Reserpine) नाम से मिलती है। सर्पिरुटिन सी (Serprutin C) में इसके अतिरिक्त अमीनोफाइलीन (Aminophylline), फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone) विटामिन सी और बी$_1$ (Vitamin B_1 and C) तथा नियासिनामाइड (Niacinamide) भी हैं। अतः यह अधिक प्रभावशाली और मन को शान्ति देने वाली है। रॉडिक्सिन (Raudixin) स्क्विब (Squibb) की सम्पूर्ण सर्पगन्धा है।

स्ट्रेप्टोसिड

(Streptocid)

औषधि—यह इन्जेक्शन के रूप में आता है तथा प्रत्येक मि०लि० में २५ मिग्रा० एल स्ट्रोफेन्थिन (L-Strophanthin) विद्यमान रहती है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग मुख्य रूप से हृदयविकार की तीव्रावस्था (Cardiac Emergencies, Myocardial Failure) इत्यादि में होता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज स्विटजर लैंड।

सिनकैल्टन

(Syncalton)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक मिलि० द्रव में ऑक्सीड्रीन टारट्रेट (Oxedrine Tartrate) १०० मिग्रा० रहता है। इन्जेक्शन के लिए एम्प्यूल भी मिलती है।

प्रयोग—संक्रामक रोगों में उत्पन्न अल्प रक्तदाब (Hypotension secondary to infectious diseases), सगर्भता में (During pregnancy), रोगोत्तर काल में (in convalescence), दुर्बलता (Asthenia), वृद्धावस्था (in old age), हृदय के रोधगलन में (in myocardial infarction), चोट लगने के बाद (After injury), विषाक्तता के बाद (after poisoning) आदि किसी भी कारण उत्पन्न अल्पदाब (Hypotension) में लाभदायक है ।

मात्रा—२० से ३० बूँद दिन में ३ बार । इससे बड़ी मात्रा भी दे सकते हैं । खाली पेट में चीनी के साथ मिलाकर लेना अधिक लाभप्रद है ।

निर्माता—जर्मन रेमिडीज प्राइवेट लि० (German Remidies Pvt. Ltd.)

—*—

टीनॉरमल
(Tenormal)

औषधि—१ : २ : २ : ६ :६—पेण्टामेथिलपीराडीन हाइड्रोजन टारट्रेट (1 : 2 : 2 : 6 : 6 Pentamethylperadine hydrogen tartrate) की टिकिया है । १ मिग्रा० की आती है ।

प्रयोग—मध्यम, उग्र और दुर्दम अति रक्तदाब (Moderate, Severe and malignant hypertension) में लाभदायक है ।

प्रयोग-विधि एवं मात्रा—२.५ मिग्रा० दिन में चार बार देते हैं । प्रतिदिन प्रतिमात्रा २.५ मिग्रा० (आधा बड़ी टिकिया) बढ़ाते जाते हैं जब तक कि लाभ न हो जाय ।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)

—*—

थेमिनॉल
(Thaminol)

औषधि-मिश्रण—थियोब्रोमीन (Theobromine)

एमीनोफाइलीन (Aminophylline)

आयडो कैफीन (Iodo Caffeine)

फीनोबार्बीटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—यह हृद्शूल (Angina Pectoris) की बहुमूल्य दवा है। हृद्पिण्ड तथा गुर्दा सम्बन्धित शोथ में लाभदायक है। हृद्पिण्ड (Cardiac) तथा वायुनली सम्बन्धी (Bronchial) दमा में अच्छा काम करती है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में २-३ बार।

निर्माता—एलेम्बिक लि०, बड़ौदा।

—*—

थियोबिटल
(Theobital)

औषधि-मिश्रण—थियोब्रोमीन (Theobromine)

फीनोबार्बीटल (Phenbarbital)

प्रयोग—धमनी के संकोच (Arterial Spasm), हृद्शूल (Angina Pectoris), अधिक रक्तदाब (High Blood Pressure), शोफ रोग (Dropsy) में लाभदायक है।

मात्रा—१ से ३ चम्मच की मात्रा में ३ बार भोजन के एक घण्टे बाद देना चाहिये। खाली पेट देना नुकसानदेह है।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

—*—

वेरिटॉल
(Veritol)

औषधि-मिश्रण—इसमें फोलेड्रीन सल्फेट (Pholedrine-Sulphate) नामक औषधि रहती है ।

प्रयोग—रक्तदाब बढ़ाने के लिए, शॉक की स्थिति मुख्यतः औपसर्गिक रोगों के कारण उत्पन्न मायोकार्डियल इन्फार्कशन, कोरोनरी थ्राम्बोसिस, सामान्य थकान, अतिसार, वमन के कारण कमजोरी में प्रयोग करते हैं ।

मात्रा—१५-३० बूँद दिन भर में कई बार आवश्यकतानुसार ।

निर्माता—नॉल कम्पनी (Knoll Co.)

विस्कार्ड्न
(Viscarden)

औषधि—यह खेलिन (Khellin) की टिकिया है ।

प्रयोग—हृद्शूल (Angina Pectoris), हृद् धमनी का अवरोध (Coronary Thrombosis), कुकास (Whooping Cough), दमा (Bronchial Asthma), वृक्कशूल (Renal Colic), पैत्तिक शूल (Biliary Colic) आदि में लाभदायक है ।

मात्रा—१-३ टिकिया आवश्यकतानुसार ।

निर्माता—बी० डी० एच० (B. D. H.)

टिप्पणी—इसका इंजेक्शन भी मिलता है ।

अध्याय ५

पीड़ाहर, शूलहर एवं आमवात की औषधियाँ

इस श्रेणी की औषधियों में अधिकांश में ऐस्पिरिन तथा फिनैसिटिन होती है। इनके साथ कुछ में कैफीन होती है। कैफीन इन औषधियों के हृदय पर अवसादक प्रभाव के विपरीत कार्य कर हृदय को बल देती है तथा नींद को भी कम करती है। कुछ औषधियों में कोडीन होती है जो पीड़ा दूर करने का गुण बढ़ा देता है। कुछ थोड़ी-सी औषधियों में कैफीन और कोडीन दोनों होती हैं। जोलैण्डिन तथा इरगीपायरिन आदि भिन्न श्रेणी की औषधियाँ हैं तथा विशेषतः आमवात में शोथ एवं पीड़ा के लिए प्रयुक्त होती हैं। इन दोनों ही प्रकार की औषधियों में अब निर्माता कार्टिजोन श्रेणी के द्रव्य मिलाकर उन्हें अधिक प्रभावकारी बना रहे हैं। परन्तु ये औषधियाँ उत्तरोत्तर अधिक मूल्य की होने के कारण प्रथम श्रेणी की औषधियों के समान लोकप्रिय नहीं हो सकी हैं, यद्यपि उनमें पेट के विकार उत्पन्न करने का घोर दुर्गुण है। कार्टिजोन श्रेणी के द्रव्य किसी भी प्रकार के शोथ, विशेषतः आमवातिक शोथ को कम करने की विशेषता रखते हैं। आजकल पैरासीटॉमाल (Paracetamol) का प्रयोग बढ़ रहा है।

उपर्युक्त औषधियाँ पीड़ा के साथ ज्वर भी (पसीना लाकर) अस्थाई रूप से उतार देती हैं। कुछ में तो क्विनीन भी मिली होती है। प्रायः सभी वेदनाहर औषधियाँ आमवात में भी लाभ करती हैं। अतः इसी अध्याय में आमवात, गठियावात की औषधियाँ भी सम्मिलित कर ली गई हैं। सभी सैलिसिलेट तथा कॉर्टिजोन श्रेणी की औषधियाँ (कॉर्टिजोन, हाइड्रोकार्टिजोन प्रेड्निजोलोन, डेकाड्रॉन आदि) इसमें विशेष लाभकर होती हैं।

शूलनाशक औषधियों में बेलाडोना के तत्व अधिकांश में होते हैं। बेलाडोना अनैच्छिक पेशियों का संकोच (शूल का विशिष्ट कारण) दूर

करता है। इन औषधियों में एस्पिरिन, फिनैसिटिन आदि मिले हुए योग भी मिलते हैं। ये योग शूल-शमन में विशेष लाभकर होते हैं।

--*--

अवेदन
(Avedan)

औषधि-मिश्रण—

एपप (App)
एस्पिरिन (Aspirin)
कैफीन (Ceffeine)

प्रयोग—सिरदर्द (Headache), शरीर में दर्द (Bodyache), तन्त्रिकाओं की पीड़ा (Neuralgic Pains), अर्धावभेदक (Migraine), कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea), सर्दी (Common cold), सायटिका (Sciatica), पेशीशोथ (Myositis), आमवात (Rheumatism), दाँत के दर्द (Toothache) आदि में लाभ करती है।

मात्रा—१-२ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

आर्टन
(Artan)

औषधि-मिश्रण—फिनायल क्विनोलीन (Phenyl Quinoline) कार्बोक्साइलिक एसिड (Carboxylic Acid)

उपर्युक्त दो दवाओं के मेल से तैयार हुई है।

प्रयोग—यह दवा गठिया (Gout), वातरोग, सूजाकी गठियावात (Gonorrhoeal arthritis), गृध्रसी वात (Sciatica), कटिवात (Lumbago), पञ्जरास्थि के बीच का स्नायुशूल (Intercostal-Neuralgia) आदि रोगों में उपयुक्त है।

मात्रा—दो से चार टिकिया नित्य भोजन के उपरान्त थोड़े से जल के साथ सेवन करना चाहिये।

—*—

बैरालगन
(Baralgan)

औषधि-मिश्रण—

नोवाल्जिन (Novalgin)

पी' पाईपीरिडिनोइथॉक्सी-ओ-कार्बमीथॉक्सी-बेन्जोफिनोल हाइड्रोक्लोराइड (P' Piperidinoethoxy O-Carbmethoxy-benzophenole hydrochloride)

डाइफेनिल-पाइपीरिडिनोइथाइल-एसीटामाइड-ब्रोमीमीथाइलेट (Diphenyl-Piperidinoethyl-acetamide-bromimethylate)

प्रयोग—वृक्कशूल (Renal colic), मूत्राशय का आकुञ्चल (Tenesmus of bladder), पित्तशूल (Biliary Colic), आन्त्रशूल (Intestinal colic), स्पास्टिक कष्टार्तव (Spastic Dysmenorrhoea) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में तीन बार।

निर्माता—हेक्स्ट (Heochst)

टिप्पणी—इसका इन्जेक्शन भी आता है।

—*—

बेलाडेनल

(Belladenal)

औषधि-मिश्रण—बेलाफोलीन (Bellafoline)

फीनोबार्बीटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—यह मासिकस्राव के समय की वेदना को दूर करती है। ऐंठन के लिए सुन्दर दवा है। वायुगोला के लिए भी उत्तम औषधि है। पाकाशय प्रदाह में भी इससे अक्सर फायदा होते देखा गया है। दर्द गायब करने का इसमें खास गुण है।

इसके अलावा बीलियरी और इण्टेस्टायनल कोलिक (Biliary & Intestinal Colic), मूत्र जननेन्द्रिय संस्थान में शूल (Colic in the Urogenital System) में प्रयोग करते हैं।

बेलाडेनल का दूसरा योग (Gastric and Duodenal Ulcer), एण्ट्रोकोइलीटिस (Entrocolitis), स्पास्टिक कोष्ठबद्धता, (Spastic Constipation), हाइपरएमेसिस ग्रेविडेरम (Hyperemesis Gravidarum) इत्यादि में अद्भुत् कार्य करता है।

मात्रा-१ से २ टिकिया की मात्रा में आधा से २ घण्टे के अन्तर से देना चाहिये। दर्द कम हो जाने पर दवा रोक देना चाहिये।

निर्माता-सैण्डोज लिमिटेड, स्विट्जरलैंड।

—०—

बेलाफोलीन

(Bellafoline)

औषधि-मिश्रण--इसमें ·२५ मि० ग्राम बेलाडोना पत्र का क्षाराभ

होता है। १ मि० लि० के एम्पुल में '५ मि० ग्राम बेलाडोना पत्र का क्षाराभ होता है।

प्रयोग—आमाशयिक विकार, ब्रांकियल एज्मा (Bronchial Asthma), कुक्कुरखाँसी (Whooping Cough), में प्रयुक्त होता है। अन्य बेलाडेनल के ही समान गुण-कर्म हैं।

मात्रा—१ से २ गोली दिन में ३ बार अथवा '५ मि० ग्राम के १ मि० लि० का इन्जेक्शन दिन में एक बार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोलेटरीज, स्विटजरलैण्ड।

बेनाल्जिस
(Benalgis)

औषधि-मिश्रण—

थियामीन प्रोपिल डाइसल्फाइड (Thiamine Propyl Disulphide)
एनाल्जिन (Analgin)

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार के तन्त्रिकाशोथ (Neuritis) या तान्त्रिका पीड़ा (Neuralgia), आमवात (Rheumatism), पेशी-पीड़ा (Myalgia) आदि सभी पीड़ाओं में लाभकर है।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार पीड़ा पूर्णतः समाप्त होने तक।

निर्माता—फ्रैंको इण्डियन फार्मा० लि० (Franco-Indian Pharmaceuticals Private Ltd.)

बेटनिलन
(Betnelan)

औषधि-मिश्रण--यह बीटामीथाजोन (Betamethazone) की टिकिया है।

प्रयोग—तीव्र दमा, एलर्जिक नासाशोथ (Rhinitis), दाद, अन्य शोथमय त्वक्रोग, शीतपित्त, आमवातिक ज्वर, हृदयावरण शोथ, सीरम सिकनेस, किसी भी कारण से उत्पन्न विषमयता (Toxaemia), शाक औपसर्गिक रोग, र्‌यूमेटायड सन्धिशोथ, नेफ्रोटिक सिंड्रोम (Nephrotic Syndrome) तथा अल्सरेटिव कोलायटिस की यह अच्छी दवा है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

ब्यूटाकॉर्टिण्डान्
(Butacortindon)

औषधि-मिश्रण—

फेनिलब्यूटाजोन (Phenylbutazone)	१०० मिग्रा०
प्रेड्‌नीजोलोन (Prednisolone)	२·५ मिग्रा०
एट्रोपीन मीथोनाइट्रेट (Atropine methonitrate)	१५० मिग्रा०
मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Magnessium Trisilicate)	१५० मिग्राम

प्रयोग—आमवात (Rheumatism) की सभी अवस्थाओं में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—इण्डो फार्मा।

—०—

ब्यूटैरीन टैबलेट
(Butarine Tablet)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक गोली में फेनिल ब्यूटाजोन (Phenyl

Butazone), एमाइडोपायरिन (Amydopyrine), एस्कॉर्बिक एसिड (Ascorbic Acid) इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—र्‍यूमेटिक फीवर (Rheumatic Fever), शोथ, सन्धिशूल, ज्वर की अवस्थाएं तथा इन्फलुएन्जा में यह पर्याप्त लाभ करती है।

मात्रा---१-२ गोली दिन में २-३ बार।

निर्माता-थेमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Phaımaceuticals)

—०—

जोलैंडिन-एल्का

(Zolandin-Alka)

औषधि-मिश्रण—

फेनिलब्यूटाजोन (Phenylbutazone)

ड्राइड एलुमिनियम हाइड्रोक्साइड जेल (Dried Aluminium Hydroxide Gel)

मैग्नीशियम ट्राइसिलिकैट (Megnessium Trisilicate)

प्रयोग---आमवात ज्वर (Rheumatic fever) आमवाती सन्धि-शोथ (Rheumatic Arthritis), सन्धिग्राही स्पॉण्डिलोसिस (Ankylosing Spondylitis), अस्थि सन्धि शोथ (Osteoarthritis), सन्ध्येतर आमवात (Non-articular Rheumatism) आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—२-४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—गेगी (Geigy)

———

कैफीन ऐस्पिरिन

(Caffeine & Aspirin)

औषधि-मिश्रण-

एसिटिल सेलीसिलिक एसिड (Acetyl Salicylic acid)

केफीन (Cafeine)

प्रयोग—बहुव्यापक सर्दी (Influenza), सिरदर्द (Headache), ठण्ढ के कारण दाँत में दर्द (Cold Toothache), स्नायुशूल (Neuralgia), गठिया वात की बीमारियाँ (Rheumatic Diseases) आदि में इस दवा का प्रयोग होता है यह दर्द को तत्क्षण गायब करने की शक्ति रखती है।

मात्रा—बड़ों को १ से २ टिकिया ३ बार तक दी जा सकती है। बच्चों को ½ से १ टिकिया ही पर्याप्त है।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

टिप्पणी—कैफिएस्पिरिन (Caf iasp rin) नाम से बायर (Bayer) की टिकिया मिलती है।

कैफर्गट

(Cafergot)

औषधि-मिश्रण—अर्गोमेट्रोन टारट्रेट (Ergometrin Tartrate)
कैफीन (Caffeine)

प्रयोग—यह औषधि मस्तिष्कगत रक्तवाहिनियों को प्रसारित करके शिरःशूल की अवस्था को कम करती है, अतः इसका मुख्यतः प्रयोग अधकपारी (Migraine) में हुआ करता है।

मात्रा—रोग की अवस्था में २ गोलियाँ एक साथ मुख द्वारा पानी से निगल जानी चाहिए तत्पश्चात् Caffergot Q चूसते रहें।

पैकिंग—२०, ५०, १०० गोली की पैकिंग में आता है।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, बम्बई।

कैलपॉल

(Calpol)

औषधि—यह पैरासीटामॉल (Paracetamol) ५०० मिग्रा० की टिकिया है ।

प्रयोग—यह पीड़ाहर (Analgesic) औषधि है। इसके सेवन से पेट में जलन नहीं होती।

मात्रा—१-२ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—बरोज वेलकम एण्ड को० (Burroughs Welcome and Co.)

———

कैस्पिन

(Caspin)

औषधि-मिश्रण—ऐस्पिरिन (Aspirin)
कैफीन (Caffeine)
फिनैसेटीन (Phenacetin)

प्रयोग—हर प्रकार के दर्द की औषधि है। मलेरिया ज्वर के समय के सिर दर्द में बड़ा ही लाभ करती है। स्नायुशूल (Neuralgia)-दाँत में दर्द (Toothache), बहुव्यापक सर्दी (Influenza), गठिया वात (Rheumatism) आदि रोगों में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया एक बार खाना चाहिए। दर्द तुरन्त कम हो जाता है।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

सीबाल्जिन
(Cibalgin)

औषधि-मिश्रण--डायल (Dial)

एमिडोपायरिन (Amidopyrin)

प्रयोग--सब प्रकार के दर्द जैसे, सिर दर्द, अधकपारी, दन्तशूल, कष्टार्त्तव तथा अन्य वेदनाहरण के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१ गोली आवश्यकतानुसार दिन में ३-४ बार।

निर्माता--सीबा फार्मा।

कोडोमोलिएडान
(Codomolindon)

औषधि-मिश्रण--प्रत्येक टिकिया में कोडीन सल्फेट (Codeine Sulphate)

पैरासीटामॉल (Paracetamol)

प्रयोग—सभी प्रकार की तीव्र अथवा चिरकारी पीड़ाओं में लाभ करती है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में २-३ बार।

निर्माता--इण्डो फार्मा (Inodopharma)

कोडोपायरिन
(Codopyrin)

औषधि-मिश्रण-एसिटिलसैलिसिलिक एसिड (Acetylsalicylicacid)

फिनैसेटिन (Phenacetin)

कोडीन फास्टेन (Codeine Phosphate)

प्रयोग—सिर दर्द (Headache), स्नायुशूल (Influenza) तथा अन्य प्रकार के स्नायुओं के दर्द में लाभदायक है। बुखार को गिरा कर नार्मल पर लाने की शक्ति रखता है। बहुव्यापक सर्दी (Influenza) में भी इसका प्रयोग लाभप्रद है। वात व्याधि, गठिया (Rheumatism) में भी अच्छा फल दिखलाता है। रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea) रोग में भी पीड़ा का शमन करता है।

मात्रा—बड़ों को १ टिकिया तथा ५ वर्ष से ऊपर के बच्चों को ½ टिकिया और इससे छोटे बच्चों को ¼ टिकिया देना लाभप्रद है। रोग के अनुसार समय-समय पर दवा देनी चाहिए। दो-दो घण्टे के अन्तर पर भी दवा देते हैं।

—*—

कोड्रल
(Codral)

औषधि मिश्रण—एस्पिरिन (Aspirin)

फिनैसेटिन (Phenacetin)

कैफीन (Caffeine)

कोडीन फास (Codeine Phos)

प्रयोग—सब प्रकार के वेदनाहरण जैसे कष्टार्त्तव, आमवात, सन्धिशोथ, कटिशूल, सर्दी-जुकाम, इन्फ्लुएन्जा ज्वर में काम करती है।

मात्रा—१-३ गोली दिन में ३ बार।

निर्माताता—बरोज वेलकम (Burroughs Welcome)

—*—

कॉर्लिन

(Corlin)

औषधि-मिश्रण—

यह कार्टिसोन एसिटेट (Cortisone Acetate) का एक उत्तम योग है जो गोली, नेत्र मलहम इत्यादि के रूप में प्राप्त होता है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग टायफायड (Typhoid), आमवात ज्वर (Rheumatic fever), पेरिकार्डाइटिस (Paricarditis), यक्ष्मा (T. B.), श्वास (Asthma), एलर्जिक पर्प्यूरा (Allergic Purpura), यकृत रोग (Liver Diseases), त्वक् रोग (Skin Diseases), नेफ्रोसिस (Nephrosis), वातरक्त (Gout) इत्यादि में सहायक औषधि के रूप में होता है।

मात्रा—चिकित्सक के अनुसार ३ से ४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता---ग्लैक्सो लेबोरेटरीज, बम्बई।

टिप्पणी----१. इसका इन्जेक्शन भी मिलता है।

२. कार्टिजोन के अन्य योग :---

(इनके प्रयोग के लिए इफकार्लिन देखें)

१. प्रेडनिजोलोन (Prednisolone)----कूपर फार्मा आदि अनेक कम्पनियों की ५ मि० ग्रा० की टिकिया।

२. वायसोलोन (Wysolone)—वेथ (Wyeth) कं०। प्रेडनिजोलोन की टिकिया।

३. वायसोन (Wycsone)— वेथ (Wyeth)। डेक्सामीथाजोन (Dexamethasone) की टिकिया है।

४. मिलिकार्टेन (Millicorten)—सीबा (Ciba)। डेक्सामीथाजोन (Dexamethasone) की टिकिया है।

५. डेकाड्रान (Decadron)—एम० एस० डी० (M. S. D.) डेक्सामीथाजोन (Dexamethasone) की टिकिया है। इन्जेक्शन के लिए २ मि० लि० का वायल मिलता है।

६. डेल्टाकार्ट्रिल (Deltacortril)—फाइजर (Pfizer)। प्रेडनिजोलन (Prednisolone) की टिकिया है। इन्जेक्शन भी मिलता है।

७. डेल्टाकार्लिन (Delta-Corlin)—ग्लैक्सो (Glaxo)। प्रेडनिजोन (Prednisone) की टिकिया।

८. डेल्डा-इफकार्लिन (Delta-Efcorlin)—ग्लैक्सो (Glxo)। प्रेडनिजोलोन (Prednisolone) की टिकिया।

केनाकॉर्ट (Kanacort)—स्क्विब (Squibb)। यह ट्राइएमसिनोलोन (Triamcinolone) की टिकिया है।

१०. नियाजोन (Niazone)—लेपिटिट (Lepitit) प्रेडनीजोलोन (Prednisolone) की टिकिया (Tablet) है।

११. डेल्टाफ्लुओरीन (Deltafluorine)—लेपिटिट (Lepitit)। डेक्सामीथाजोन (Dexamethasone) की टिकिया (Tablet) है।

१२. प्रेसिन (Precin)—एलेम्बिक (Alembic)। प्रेडनिजोलोन (Prednisolone) की टिकिया है।

१३. लेडरकॉर्ट (Ledercort)—लेडर्ली (Lederle)। ट्राएमसिनोलोन (Triamcinolone) की टिकिया है। इन्जेक्सन के लिए १ मि० लि०वायल भी मिलते हैं। त्वचा के लिए मलहम (Ledercort ointment) एवं नियोमाइसिन (Neomycin) युक्त क्रीम (Cream) भी मिलती है।

१४. होस्टाकार्टिन (Hostacortin)—हेक्स्ट (Hoechst)। यह प्रेडनिजोन (Prednisone) की टिकिया है।

१५. होस्टाकार्टिन-एच (Hostacortin-H) — हेक्स्ट (Hoechst) यह ग्रेडनिजोलोन (Prednisolone) की टिकिया है।

—*—

बाई-डीकोर्टिसिल
(Bi-Decortisyl)

औषधि—प्रेडनीसोन (Prednisone)

प्रयोग—र्‌यूमेटिक ज्वर (Rheumatic fever) र्‌यूमेटाइड संधिशोथ, Ankylosing Spondylo Arthritis, तीव्र गठिया, Paget's Disease, Bursitis, Fibrositis, Tendinitis, Cervico-Brachial Neuralgia Lumbago, Sciatica इसके अतिरिक्त अनेक त्वचागत विकार, नेत्र विकार, कर्ण, गलाजन्य रोग, औपसर्गिक विकार तथा हृदय एवं नाड़ीगत विकार में भी इसका प्रयोग करते हैं (देखें इफकार्लिन ।)

मात्रा—१ गोली दिन में ३–४ बार।

निर्माता—राउसेल (Roussel)।

—*—

डेकापायरिन-एम
(Decapyrin M)

औषधि-मिश्रण—

फेनिलब्यूटाजोन (Phenylbutazone)
एमिडोपायरीन (Amidopyrin)
मीप्रोबामेट (Meprobamate)

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की पीड़ाहर (Analgesic), ज्वरहर (Antipyeretic) और शोथहर (Anti-Inflammatory) है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में तीन-चार बार।

निर्माता-स्वस्तिक फार्मास्युटिकल्स (Swastik Pharmaceuticals)

—०—

डेकॉर्ट टैबलेट्स

(Decort Tablets)

औषधि- -यह डेक्सामीथाजोन (Dexa nethasone) की टिकिया है।

प्रयोग—देखें इफकार्लिन।

मात्रा—१-४ टिकिया या अधिक प्रतिदिन।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स ey's Medical Stores)

—*—

डेक्सा कौर्टिसिल तथा डेक्साकौर्टिसिल प्लस

(Dexacortisyl and Dexacortisyl Plus)

औषधि-मिश्रण —इसकी मुख्य औषधि-डेक्सामीथाजोन एसिटेट (Dexamethasone Acetate) है, परन्तु Dexacortisyl Plus में इनके अतिरिक्त केल्शियम एस्कोर्बेट (Calcium Ascorbate), विटामिन डी$_2$ (Vitamin D_2) तथा एल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड जेल (Aluminium Hydroxide gel) रहता है।

प्रयोग एवं मात्रा—Bidicortisyl के समान है।

मात्रा—राउसेल (Roussel)

———

डेक्सा कॉर्टेन

(Dexa Corten)

औषधि—यह डेक्सामेथाजोन (Dexamethasone) की उत्तम टिकिया है।

प्रयोग एवं मात्रा—१-४ टिकिया प्रतिदिन। (देखें इफकार्लिन)।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स।

—*—

डेल्टाकॉर्ट्रिल

(Deltacortril)

औषधि—यह प्रेडनीसोलोन (Prednisolone) का उत्तम योग है।

प्रयोग एवं मात्रा—१-४ टिकिया प्रतिदिन (देखें इफकार्लिन)।

निर्माता—ड्यूमेक्स कम्पनी (Dumex Co.)

डेल्टा कार्लिन

(Delta Corlin)

और

डेल्टा इफकॉर्लिन

(Delta Efcorlin)

औषधि—प्रत्येक गोली में ५ मिलीग्राम Prednisone पहली में तथा ५ मि० ग्राम Prednisolone द्वितीय में विद्यमान रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग Corlin के ही समान होता है। इस औषधि का प्रयोग आमाशयिक व्रण (Peptic ulcer), हाई ब्लड प्रेशर (High Blood Pressure) इत्यादि में निषिद्ध है। (देखें इफकार्लिन)।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज, बम्बई।

—*—

डेपायरिन

(Depyrin)

औषधि-मिश्रण—

एसीटिलसैलिसिलिक एसिड (Acetylsalicylic Acid)
फिनैसिटिन (Phenacetin)
कोडीन फॉस्फेट (Codeine Phosphate)

प्रयोग--सिरदर्द (Headache), शरीर में पीड़ा (Body aches), सर्दी (Common cold), इनफ्लुएन्जा (Influenza) आदि में लाभदायक है।

मात्रा--१-२ टिकिया जल के साथ आवश्यकतानुसार।
निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

डिस्प्रिन

(Disprin)

औषधि--यह घुलनशील एस्पिरिन (Asprin) की टिकिया है।

प्रयोग—सभी प्रकार की पीड़ाओं में जहाँ ऐस्पिरिन (Aspirin) का प्रयोग होता है वहाँ इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—१-२ टिकिया आवश्यकतानुसार पर्याप्त जल के साथ।
निर्माता--आर० सी० आई० (R. C. I.)

डोलेण्टिन

(Dolantin)

औषधि-मिश्रण—यह (Pethinine Hydrochloride) है।

प्रयोग--समस्त रोगों में जहाँ मार्फिया अथवा पेथिडीन की आवश्यकता पड़ती है इसका प्रयोग कर सकते हैं। जैसे कैन्सर शूल, माँशपेशी का दर्द, प्रसवकालीन वेदना इत्यादि में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—½ से १ गोली मुख से अथवा १-२ सी० सी० मांसपेशी में सूचीवेध। ५० मि० ग्रा० की गोली आती है।

निर्माता—हेक्स्ट फार्मास्युटिकल्स कं० बम्बई।

—•—

डोलो-न्यूरोबियोन
(Dolo-Neurobione)

थियामीन मोनोनाइट्रेट (Thiamine Mononitrate)

पाइरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.)

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

एनाल्जिन (Analgin)

प्रयोग—शारीरिक पीड़ाओं (Pain) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार पानी से निगलें।

निर्माता—इ० मर्क (E. Merck)।

—•—

डोलोनल
(Dolonal)

औषधि-मिश्रण—फीनासेटीन (Phenacetin)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

एम्फिटेमीन सल्फेट (Amphetamine Sulphate)

प्रयोग—यह साधारण तरह से सिरदर्द (Headache), दांत दर्द (Toothache), स्नायुशूल (Neuralgia) और गठियावात (Rheumatism) में लाभदायक है।

मात्रा—१ से २ टिकिया सेवन से ही लाभ प्रतीत होता है। दर्द कम न हो तो पुनः दवा देनी चाहिए।

निर्माता—डेनिस यूनाइटेड मेडिकल ऐक्सपोर्ट (ड्यूमेक्स) बम्बई।

—•—

डोलविरान

(Dolviran)

औषधि-मिश्रण—

सैलिसिलामाइड (Salicylamide)

फिनैसेटिन (Phenacetin)

कोडीन फॉस (Codeine Phos)

ल्यूमिनल (Luminal)

प्रयोग—सभी प्रकार की पीड़ाओं (Pains) में लाभकर है। ज्वर को पसीने के साथ उतार देता है।

मात्रा—१-२ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—बायर (Bayer)

—*—

इफकार्लिन

(Efcorlin)

औषधि-मिश्रण—हाइड्रोकार्टिजोन का एक उत्तम योग है जिसमें उपयुक्त दवा ५ मिग्रा० प्रति मि०लि० इञ्जेक्शन के रूप में तथा १·५ मिग्रा० टैबलेट के रूप में विद्यमान रहती है।

प्रयोग—संधिशोथ (Rheumatoid Arthritis), आमवात आदि में लाभप्रद है। एडिसोनियन क्राइसिस (Adisonian Crysis), एड्रेनालेक्टामी (Adrenalectomy), अलर्जीजन्य तीव्र प्रतिक्रिया (Severe Allergic Reactions), न्यूरोसर्जिकल शॉक (Neurosurgical Shock), घातक संक्रमण (Life threatening infections), तीव्र शोथ (Acute Inflammation), मोचें (Sprains) में प्रयुक्त होता है। रोगों की विषमयता (Toxaemia) को शीघ्र दूर करता है। शॉक (Shock) की उत्तम औषधि है। संक्षेप में यह विषमयता हर (Antitoxic)

एलर्जीविरोधी (Anti-allergic), शोथहर (Anti-inflammatory) एवं आमवातहर (Anti-rheumatic) श्रेष्ठ औषधि है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज।

टिप्पणी—इञ्जेक्शन के लिए इसका इफकार्लिन सॉल्युबल (Efcorlin Soluble) भी मिलता है। आँख-कान-नाक के लिए मलहम व बूँद तथा त्वचा के लिए मलहम मिलते हैं। नियोमाइसिन युक्त भी मिलते हैं।

होस्टाकॉर्टिन

(**Hostacortin**)

औषधि-मिश्रण—यह Prednisone की टिकिया है। प्रत्येक गोली में ५ मिग्रा Prednisone रहता है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग मुख्य रूप से आमवात रोग (Rheumatic Diseases), अनूर्जता जन्य रोग (Allergic Disease), दमा, त्वचा रोग, रक्तविकार, औपसर्गिक रोग तथा घातक रोगों (Malignant Diseases) में किया जाता है। (देखे इफकार्लिन)।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार निर्धारित की जाती है।

प्रकार—इसके निम्नलिखित प्रकार हैं—

१—होस्टाकार्टिन सस्पेंशन (Hostacortin Suspension)

२—होस्टाकार्टिन सोल्युबल इन्जेक्शन (Hostacortin Soluble Injection).

३—होस्टाकार्टिन एच० (Hostacortin-H) के नाम से प्रेडनिजोलोन मिलता है।

निर्माता—हेक्स्ट कम्पनी, बम्बई।

इण्डोसिड

(Indocid)

औषधि—यह इण्डोमेथासिन (Indomethacin) की कैप्स्यूल है।

प्रयोग—शोथहर (Anti-inflammatory) और वेदनाहर (Analgesic) है। आनवाताभ सन्धिशोथ (Rheumotoid Arthritis), सन्ध्यस्थिशोथ (Osteo arthritis), वातरक्त (Gout) आदि में लाभ दायक है।

मात्रा—२-३ कैप्स्यूल प्रतिदिन।

निषेध-आमाशय व्रण (Gastric Ulcer), गर्भिणी (Pregnant) और दूध पिलाने वाली माताओं (Lactation) एवं अति दुर्बलता में न दें।

निर्माता—एम० एस० डी० (M. S. D.)

इसगिपायरिन

(Isgipyrin)

औषधि-मिश्रण—

ब्यूटाजोलेंडिन (Butazolandin)

अमीडोपायरिन (Amidopyrin)

एम्प्यूल में जाइलोकेन (Zylocain) भी रहता है।

प्रयोग—यह आमवातिक सन्धिशोथ (Rheumatic Arthritis), आमवाताभ सन्धिशोथ (Rheumatoid Arthritis), वातरक्त (Gout), उष्णावातज संधिशोथ (Gonococcal Arthritis) तथा सन्ध्यास्थिशोथ (Osteoarthritis) में लाभ करती है। यह उत्तम पीड़ाहर है।

मात्रा—टिकिया ३-४ टिकिया प्रतिदिन।

एम्प्यूल — एक एम्प्यूल प्रतिदिन पेशी में ।

निर्माता—सुहृद गेगी प्राइवेट लि० ।

केनाकॉर्ट

(Kenacort)

औषधि-मिश्रण—यह ट्रायमसिनोलोन (Triamcinolone) की टिकिया है ।

प्रयोग—आमवात, एलर्जी एवं शोथहर औषधि है । (देखें इफकार्लिन) ।

मात्रा—½ से १ गोली दिन में अनेक बार ।

निर्माता—स्क्विब कम्पनी ।

टिप्पणी—लेडरली कम्पनी (Lederle) की लेडरकार्ट (Ledercort) नाम से यही औषधि मिलती है । इसकी टिकिया, (Tablets) आयण्टमेण्ट (Ointment), इन्जेक्शन (Injection) तथा नियोमाइसिन (Neomycin) युक्त क्रीम (Cream) भी मिलती है ।

केनाल्जेसिक

(Kenalgesic)

औषधि-मिश्रण—

केनाकॉर्ट (Kenacort)

एस्पिरिन (Aspirin)

प्रयोग—शरीर के विभिन्न स्थानों पर पीड़ा तथा शोथ (Inflammation) तथा आमवात व वातरक्त (गठिया-Gout) में प्रयुक्त होता है ।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार ।

निर्माता —स्क्विब ।

मोलसिन

(Molcin)

औषधि—यह पैरासीटामॉल (Paracetamol) ५०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—इन्फ्लुएञ्जा (Influenza), सिरदर्द (Headache), पेशी अथवा सन्धियों की पीड़ा (Muscular or joint pain) आदि अनेक प्रकार की पीड़ाओं में लाभकर है।

मात्रा—१–२ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—मार्टिन एण्ड हैरिस (Martin and Harris)

न्यूरो-ट्रैसेण्टिन

(Neuro-Trasentin)

औषधि-मिश्रण—डाइफेनिल एसीटिल डाइईथिल अमीनोईथेनोलीस्टर हाइड्रोक्लोराइड (Diphenyl acetyl diethyl aminoethanolester Hcl.) फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)।

प्रयोग—गैस्ट्रोइन्टेस्टाइनल एवं-बिलिएरी स्पाज्म की अवस्था तथा कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१–२ गोली दिन में २–३ बार।

निर्माता—सीबा कम्पनी (Ciba Co)

फाइसेप्टोन

(Physeptone)

औषधि-मिश्रण—यह मेथाडोन हाइड्रोक्लोराइड (Methadone Hcl.) का उत्तम योग है।

प्रयोग--सब प्रकार के शूलहरण के लिए जहाँ पेथिडीन, मार्फिया इत्यादि की आवश्यकता पड़ सकती है, इसका प्रयोग करते हैं।

टिप्पणी—इसकी एम्प्यूल इन्जेक्शन के लिए मिलती है।

ओसेड्रिन
(**Osadrin**)

औषधि-मिश्रण—

फीनोपायराजोन (Phenopyrazone)

एमीडोपायरिन (Amidopyrine)

पैराएमीनोबेन्जोइक एसिड (Para-amino benzoic Acid)

प्रयोग एवं मात्रा—नोवाल्जिन (Novalgin) के समान है।

निर्माता—नॉल (Knoll)

नोवाल्जिन
(**Novalgin**)

औषधि-मिश्रण—Sodium Phenyl dimethyl pyraxolonemethyl amino-methane sulphonate से तैयार की गई है।

प्रयोग—अन्य वेदनाहर औषधियों के ही समान यह भी एक उत्तम वेदनाहर औषधि है। सब प्रकार के शूल जैसे—Renal Colic, Biliary Colic, कटिशूल, Nauralgia, कष्टार्त्तव इत्यादि में इसके प्रयोग से उत्तम लाभ होता है।

मात्रा—एक- दो टिकिया दिन में २-४ बार।

निर्माता—हेक्स्ट।

टिप्पणी—बच्चों के लिए इसके ड्राप (Drops) तथा इन्जेक्शन के लिए एम्प्यूल भी मिलते हैं।

नोवाल्जिन क्वोनीन

(Novalgin-Quinine)

औषधि-मिश्रण—

नोवाल्जिन(Novalgin)

क्विनीन का यौगिक (A Compound of quinine)

प्रयोग—ज्वर उतारने के लिए नोवाल्जिन से अधिक शक्तिशाली है। ज्वरों (Fever), इन्फ्लुएञ्जा (Influenza) तथा पेशी के आमवात के ज्वरों (Fever associated with muscular rheumatism) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ ड्रैगी दिन में १ से ३ बार।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

नियोफेब्रिन

(Neofebrin)

औषधि-मिश्रण—

एमाइडोपाइरिन (Amidopyrin)

कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)

कैफीन (Caffeine)

एस्कोर्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

मेथपाइरिलीन फ्युमारेट (Methapyrilene Fumarate)

प्रयोग—समान्य सर्दी-जुकाम, नासाकोटर शोथ (Sinusitis), इन्फ्लुएञ्जा, ज्वर, शिरःशूल, शरीर में दर्द तथा एलर्जिक नासाशोथ (Rhinitis) इत्यादि रोगों में इसको देते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—नियोफार्मा (Neo-pharma)

ऑक्सिडिजिन

(**Oxidigin**)

औषधि-मिश्रण—

ऑक्सिफेनब्यूटाजोन (Oxyphenbutazone)

एनाल्जिन (Analgin)

डियाजीपाम (Diazepam)

प्रयोग—सभी प्रकार के संक्रमणयुक्त अथवा संक्रमण हीन शोथ एवं पीड़ा में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में तीन बार। लाभ होने पर १ टिकिया दिन में ३ बार। इसे भोजन के तुरन्त बाद या एक गिलास दूध के साथ लेना चाहिए।

निर्माता—जयपुर फार्मास्युटिकल वर्क्स (Jaipur Pharmaceutical workes)

परासिलामाइड

(**Parasylamide**)

औषधि-मिश्रण—

पैरासीटामॉल (Paracetamol)

सैलिसिलामाइड (Salicylamide)

मिथाक्वालोन हाइड्रो० (Methaqualone Hcl.)

कैफीन (Caffeine)

क्लोरफेनिरमीन मेलियेट (Chlorphniramine Maleate)

प्रयोग—सभी प्रकार पीड़ाओं में लाभकर है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—एलबर्ट डेविड लि० (Albert David Ltd.)

———

फीनासिन सिरप

(Phenacin Syrup)

औषधि-मिश्रण—इनमें N. Acetyl-para-Aminophenol औषधि है।

प्रयोग—इसका प्रयोग समस्त प्रकार के शूल, सर्दी-जुकाम और आमवातिक विकार (Rheumatic conditions) में करते हैं।

मात्रा—१ से २ चम्मच दिन में ३-४ बार आवश्यकतानुसार। यह बच्चों में विशेष रूप से प्रयुक्त होता है।

पैकिंग—यह सीरप तथा गोली दोनों रूपों में आता है।

निर्माता—लेबोरेटरीज ऑर्गासिन।

फेनास्कोडीन

(Phenascodin)

औषधि-मिश्रण—

एसिड एसिटिल सैलिसिलेट (Acid Acetyl Salicylate)

कोडीन फास (Codeine Phos)

फिनासिटीन (Phenacetin)

प्रयोग—सिरदर्द (Headache), रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea), दन्तशूल (Toothache), स्नायुशूल (Neuralgia) आदि हर प्रकार के दर्द की अच्छी दवा है।

मात्रा— १ से २ टिकिया नित्य १ से ४ बार या आवश्यकतानुसार।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

—o—

प्रीडासिन

(Predasin)

औषधि-मिश्रण—

ऐस्पिरिन (Aspirin)

प्रैड्निजोन (Prednizone)

प्रयोग--सिरदर्द (Headache), स्नायुशूल (Neuralgia), बहु-व्यापी सर्दी (Influenza), मासिक की पीड़ा (Dysmenorrhoea), सूजन की पीड़ा (Inflammation) तथा आमवातिक सन्धिशोथ (Rheumatic Arthritis) में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से २ टिकिया दिन भर में ३ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो (Glaxo)

पायराकार्टिन

(Pyrscortin)

औषधि-मिश्रण—

होस्टाकॉर्टिन (Hostacortin)

पायरामिडान (Pyramidon)

प्रयोग—सब प्रकार के आमवातिक विकार (Rheumatic Conditions) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

टिप्पणी—पायाराकॉर्टिन फोर्ट (Pyracortin Forte) नाम से इससे दुगुनी मात्रा की टिकिया मिलती है।

पाइरालजिन टैबलेट्स

(**Pyralgin Tablets**)

औषधि-मिश्रण——फिनेसेटिन (Phenacetin)
एमिडोपायरिन (Amidopyrine)
फीनोबार्बीटोन (Phenobarbitone)
कोडीन फास्फेट (Codeine Phosphate)
कैफीन सायट्रेट (Caffeine Citrate)

प्रयोग—हर प्रकार के दर्द के लिए मुफीद है। सिर-दर्द (Headache), दांत दर्द (Toothache), गठिया वात (Rheumatism), स्नायुशूल (Neuralgia), रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea), कटिवात (Lumbago), गृध्रसी वात (Sciatica), फोड़े का दर्द आदि में लाभप्रद है। ज्वर की अवस्था में भी इसका प्रयोग किया जाता है। इसके सेवन से ज्वर उतर जाता है।

मात्रा—१ से २ टिकिया तक सेवन करनी चाहिए। बच्चों की मात्रा १/४ से १/२ टिकिया की है। आवश्यकता पड़ने पर दवा दिन भर में कई बार दी जा सकती है।

निर्माता—एलेम्बिक, बड़ौदा।

पाइरामिडोन

(**Pyramidon**)

औषधि-मिश्रण—यह डाईमेथीलेमिनो फेनाल डाइमेथायल-पैराजोलोन (Dimethylamino-phenyl dimethyl-pyrazolon) से तैयार की जाती है।

प्रयोग—सिरदर्द (Headache), बहुव्यापक सर्दी (Influenza), स्नायुशूल (Neuralgia), मासिक की पीड़ा (Menstrual pain), विसर्प रोग (Erysipelas) आदि में प्रयुक्त होती है। विशेषकर छोटी माता (Measles) में अधिक गुणकारी है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार तथा चिकित्सक की राय से।

निर्माता—बायर, जर्मनी।

पैरामाइड

(Paramide)

औषधि-मिश्रण—

पैरासीटामॉल (Paracetamol)

सैलिसिलामाइड (Salicylamide)

मीथाक्वालोन हाइड्रो० (Methaqualone Hcl.)

कैफीन (Caffeine)

क्लोरफेनिरामीन मेलियेट (Chlorpheniramine Maleate)

प्रयोग—चोट (Trauma), मोच (Sprain), अस्थिभग्न (Fracture), आधकपारी (Migrain), ज्वर (Fever), कष्टार्तव (Dysmenorrhea) आदि की पीड़ाओं में लाभकर है।

मात्रा—१–२ टिकिया दिन में ३–४ बार।

निर्माता—एलबर्ट डेविड (Albert David)

—:o:—

रेफागन

(Refagan)

औषधि-मिश्रण—

सैलिसिलामाइड (Salicylamide)

फिनैसेटिन (Phenacetin)

कैफीन (Caffeine)

इन्सिडल (Incidal)

प्रयोग—सिरदर्द (Headache), सर्दी-जुकाम (Cold Influenza) तथा सन्धि एवं शारीरिक पीड़ाओं को शान्त करता है। ज्वर को तेज पसीना लाकर उतारता है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ४ बार।

निर्माता—बायर (Bayer)

रूमाटैब

(Rumatab)

औषधि-मिश्रण—एसिटिल सैलिसिलिक एसिड (Acetylsalicylic acid)

कैल्सियम सक्सीनेट (Calcium Succinate)

ऐसकार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

विटामिन 'के' (Vitamin 'K')

प्रयोग—गठियावात (Arthritis) तथा आमवात (Rheumatic fever) की अच्छी दवा है।

मात्रा—१ टिकिया की मात्रा में ३ बार।

निर्माता—ब्लम एण्ड फिलिप्स, बम्बई।

रह्यूमिन

(Rheumin)

औषधि-मिश्रण—

फिनाइल क्विनोलीन (Phenyl Quinoline) कार्बोक्सिलिक एसिड (Carboxylic acid)

प्रयोग—यह गठिया वात की अच्छी दवा है। पट्ठे की सूजन (Neuritis) तथा स्नायुशूल (Neuralgia) में भी लाभदायक है। गृध्रसी वात में भी अच्छा फल दिखलाती है।

मात्रा—२ से ४ टिकिया की मात्रा में देना चाहिए। टिकिया को पानी से निगल जाना चाहिये। ३–४ दिन तक दवा खाने पर ३ से ७ दिन तक दवा रोक देनी चाहिए। भोजन के पश्चात् ही दवा देनी चाहिए। यदि रोगी को लीवर की शिकायत हो तो बड़ी सावधानी से इसका प्रयोग करना चाहिए।

निर्माता—ईस्ट इण्डिया फार्मास्यूटिकल।

—०—

सिडेमान

(Sedamon)

औषधि-मिश्रण—

मोलिक्यूल एमीडोपायरिन (Molecule Amidopyrine)

मोलिक्यूल फीफर कम्पाउन्ड (Molecule Pffier Compound)

डाईथायलमेलोनायल-यूरिया (Diethylmelonyl-urea)

प्रयोग—सिरदर्द (Headache), दन्तशूल (Toothache), स्नायुशूल (Neuralgia), गृध्रसीवात (Sciatica) तथा रजःकृच्छ्र (Dysmenorthoea) से यह लाभप्रद है।

मात्रा—१ से २ टिकिया तक आवश्यकतानुसार थोड़े से जल के साथ सेवन करना चाहिए। इस प्रकार २–३ बार तक सेवन करना उपयुक्त है। बच्चों को १/४ से १/२ टिकिया तक उम्र के अनुसार दी जानी चाहिए।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

———

सायोब्यूटाजोन

(Siobutazone)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम फेनिल ब्यूटाजोन (Cal. Phenyl butoazone)
प्रेड्निजोलोन (Prednisolone)
अल्यूमिनियम हाइड्रोक्साइड (Alluminium Hydroxide)
मैग्नीशियम ट्राइसिलिकेट (Mag. Trisillicate)
विटामिन सी (Vit. C)

प्रयोग—आमवातिक तथा आमवाताभ सन्धिशोथ (Rheumatic and Pheumatoid Arthritis) तथा अन्य पीड़ाओं में लाभदायक है।

मात्रा— ३-४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—एलबर्ट डेविड लि०।

स्पाज्मिण्डान

(Spasmindon)

औषधि-मिश्रण—कोडिन सल्फेट (Codeine Sulphate)
पैपावेरीन हाइड्रोक्लोराइड (Papaverine Hcl.)
एट्रोपीन सल्फेट (Atropine Sulphate)

प्रयोग—बेलाडेनल के समान एण्टीस्पाजमोडिक (Antispasmodic) एवं एनाल्जेसिक (Analgesic) वेदना एवं शूलहरण में इसका प्रभाव होता है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—इण्डो फार्मा (Indo. Phama)

सक्सी-सैलिलि

(Succi-salyl)

औषधि-मिश्रण—यह कैल्शियम सक्सीनेट तथा सोडियम सैलिसिलेट (Calcium Succinate तथा Sodium Salycilate) का उत्तम योग है।

प्रयोग—आमवातिक ज्वर, औपसर्गिक सन्धिशोथ, बहुसन्धिशोथ, Osteoarthritis तथा Spondilitis में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—४ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Raptakos Co.)

सुगैनरिल

(Suganril)

औषधि—यह ऑक्सीफेनब्यूटाजोन (Oxyphenbutazone) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में १०० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—अभिघात के कारण शोथ (Inflammation due to trauma), बर्साइटिस (Bursitis), साइनोवाइटिस (Synovitis), पेशीशोथ (Myositis), उपरितन घनास्र शिराशोथ (Superficial (thrompholebitis), यूविआइटिस (Uveitis), स्क्लेराइटिस (Scleritis), केराटाइटिस (Keratitis) आदि में लाभकर है।

मात्रा—२ टिकिया दिन में ३ बार दो-तीन दिन तक। उसके बाद १ टिकिया दिन में ३ बार।

निषेध—पेप्टिक व्रण (Peptic ulcer), हृदय, वृक्क या यकृत की अपर्याप्तता (Cardiac, renal or hepatic insufficiency), रक्त की विकृतियाँ (Blood dyscrasias) तथा औषधि के प्रति सुग्राहिता (Drug hypersensitivity) ।

निर्माता--गेगी (Geigy) ।

टोलसेरम टैबलेट्स

(Tolseram Tablets)

औषधि—यह मीफेनेसिन कार्बामेट (Mephenesin Carbamate की टिकिया है ।

प्रयोग—कटिशूल (Lumbago), कन्धे का दर्द (Frozen Shoulder Syndrome), गले की अकड़न (Torticollis), बर्साइटिस (Bursitis), फाइब्रो-साइटिस (Fibrositis), सन्धिशोथ (Arthritis) आदि में लाभकर है ।

मात्रा—४ से ६ टिकिया दिन में ३ से ५ बार भोजन के बाद ।

विर्माता--स्क्विब (Squibb)

ट्रॉमैक

(Traumac)

औषधि-मिश्रण—

ऑक्सीफेनब्यूटाजोन (Oxyphenbutazone), डाइहाइड्रॉक्सी एलुमिनियम एमिनोएसीटेट (Dihydroxyaluminium Amenoacetate) ।

प्रयोग—आमवाताम सन्धिशोथ (Rheumatoid arthritis), बहु-सन्धिशोथ (Polyarthritis), पेशीशोथ (Myositis), तान्तव शोथ (Fibrositis), कशेरुकशोथ (Spondylitis), सन्धिग्राही कशेरुकशोथ (Ankylosingspondylo-arthritis), पेशी पीड़ा (Myalgia), कण्डराशोथ (Tendonitis) एवं तीव्र वातरक्त (Acute gout) में लाभ दायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३ बार भोजनोपरान्त।

निर्माता—आरपाइक प्रा० लि० (Arpike Pvt. Ltd.)

अल्ट्राजिन

(**Ultragin**)

औषधि-मिश्रण—

एनाल्जिन (Analgin)

कोडीन (Codeine)

फीनेसेटिन (Phenacetin)

प्रयोग—अनेक पीड़ाओं में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—जियोफ्रे मैनर्स (Geofrey Manners)

यूनाल्जेन एच. सी. टैब्लेट्स

(**Unalgen H. C. Tablets**)

औषधि-मिश्रण—

एनाल्जिन (Analgin)

फेनिल-बूटाजोन (Phenylbutazone)
प्रेडनिजोलोन (Prednisolone)
हाइड्राक्सिजीन हाइड्रोक्लोराइड (Hydroxyzine HCl.)

प्रयोग—रूमेटायड सन्धिशोथ (Rheumatoid arthritis), सन्धिग्राही स्पॉण्डिलोसिस (Ankylosing Spondylosis), अस्थिसन्धिशोथ (Oseoarthritis), गाउट (Gout), आमवाती सन्धिशोथ (Rheumatic Arthritis), गृध्रसी (Sciatica), तन्त्रिकाशोथ (Neuritis), तन्त्रिकाशूल (Neuralgia), पेशीशोथ (Myositis), फाइब्रोसाइटिस (Fibrositis), कण्डराशोथ (Tendonitis), विपुटीशोथ (Bursitis) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)

———

अध्याय ६

अनिद्रा-अपस्मार-योषापस्मार की औषधियाँ

यह उन औषधियों का अध्याय है जो मस्तिष्क पर कार्य कर शारीरिक रूप में दिखाई देनेवाले रोगों को शान्त करती हैं। यद्यपि मानसिक रोगों पर कार्य करनेवाली औषधियों का पृथक अध्याय है फिर भी अनिद्रा (Insomnia), अपस्मार (Epilepsy) तथा योषापस्मार (हिस्टिरिया-Hysteria) केवल शारीरिक लक्षणों द्वारा प्रकट होनेवाले रोग हैं। ये औषधियाँ मस्तिष्क की हलचल कम करती तथा निद्राकेन्द्र पर कार्य कर नींद लाती हैं। प्रत्येक निद्राकर औषधि अपस्मार में कुछ न कुछ काम करती है और प्रत्येक अपस्मार की औषधि न्यूनाधिक रूप में निद्राकर होती ही है। यही कारण है कि अनिद्रा तथा अपस्मार के शारीरिक लक्षणों में पूर्ण भिन्नता होते हुए भी इनकी औषधियों को एक हो अध्याय में रखा गया है। इस प्रकार की अधिकांश औषधियों में अनेक ब्रोमाइड (Bromides), क्लोरल हाइड्रेट (Chloral Hydrate) तथा बार्बिटोन श्रेणी की औषधियाँ (Barbiturates) रहती हैं। अपस्मार के लिए कुछ अन्य विशिष्ट औषधियाँ भी हैं। इस अध्यायोक्त किसी भी औषधि का अधिक मात्रा में प्रयोग न हो इसका ध्यान रखना आवश्यक है साथ ही निद्राकर औषधियों की आदत न पड़े इसकी सावधानी रखें।

एल्डो ब्रोम

(**Aldibrom**)

औषधि-मिश्रण—सोडियम ब्रोमाइड (Sedium Bromide)
पोटैशियम ,, (Potassjum Bromide)

एमोनियम ब्रोमाइड (Ammonium Bromide)
कैल्शियम ,, (Calcium Bromide)
स्ट्रौनटियम ,, (Strontium Bromide)

प्रयोग—यह मृगी (Epilepsy) तथा अनिद्रा (Sleeplessness) की अच्छी दवा है ।

मात्रा—१ से २ चम्मच जल के साथ दिन भर में २ से ३ बार सेवन करानी चाहिए।

निर्माता--स्टैण्डर्स मेडिकल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, लिमिटेड कलकत्ता ।

—*—

ब्रोमेलिन एलिक्जर
(Bromalin Elixir)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट आफ वेलीरियन (Extract of Valerian)
क्लोरल हाइड्रेट (Chloral Hydrate)
पोटैशियम ब्रोमाइड (Potassium Bromide)
एमोनियम कार्बोनेट (Ammonium Carbonate)
सिरप औरण्टी (Syrup Aurantii)
एक्वा (Aqua)

प्रयोग--अनिद्रा, (Sleeplessness), चिड़चिड़ा स्वभाव (Irritable temper), मस्तिष्क की बेचैनी (Mental Uneasiness and Restlessness), उदासीनता (Melancholia), योषापस्मार (Hysteria), मृगी (Epilepsy), कष्टकर मासिकस्राव (Painful Menses), स्नायुओं की कमजोरी (Neurasthenia) आदि रोगों में मुफीद है ।

मात्रा—इसे भोजन के पहले या बाद में २ चम्मच से ४ चम्मच तक दिन में दो-तीन बार सेवन करना चाहिए। रात्रि में सोने के १५ मिनट पहले थोड़े से स्वच्छ जल में मिलाकर बड़े चम्मच से १ चम्मच दवा देनी चाहिए।

निर्माता-एंग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

—*—

ब्रोमो वेलेरीएनेट एलेक्जिर गेबेल
(Bromo Valerianate Elixir Gabail)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट आफ वेलेरियन डियोडोराइज्ड (Ext. of Valerian deodorised)

एसिड वेलेरियानिक डियोडोराइज्ड (Acid Valerianic deodorised)

एमोन कार्बोनेट (Ammon Carbonate)

क्लोरल हाइड्रेट (Chloral Hydrate)

पॉट ब्रोमाइड (Pot. Bromide)

सिरप औरण्टी (Syrup Aurantii)

डिस्टिल्ड वाटर (Distilled Water)

प्रयोग—यह दवा स्नायु की कमजोरी (Neurasthenia), योषापस्मार (Hysteria), मृगी (Epilepsy), अनिद्रा (Insomnia), आदि रोगों में लाभदायक है।

मात्रा—बड़े चम्मच से १ चम्मच दवा थोड़े स्वच्छ जल के साथ भोजन के पूर्व या उपरान्त सेवन कराना चाहिए। दिन भर में तीन बार सेवन कराना चाहिए। रोग के अनुसार दवा में कमी-बेशी की जा सकती है।

निर्माता—दी एंग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी, बम्बई।

———

ब्रोमोवल एलिक्जर

(Bromoval Elixir)

औषधि-मिश्रण—

टिंचर वेलेरियन (Tr. Valerian)
एक्सट्रैक्ट ग्लिसराइजा (Ext. Glycyrrhiza)
पोटैशियम ब्रोमाइड (Pot. Bromide)
क्लोरल हाइड्रास (Chloral Hydras)
सिरप तथा फ्लेवरिंग एजेण्ट्स (Syrup and flavouring agents)

प्रयोग--योषापस्मार (Hysteria), स्नायुओं की कमजोरी (Neurasthenia), उदासीनता Melancholia, पट्ठे का रोग, Neurosis, विशेष मादक द्रव्यों का सेवन Alcoholic excesses, अग्निमान्द्य या अजीर्ण Dyspepsia, रजःकृच्छ्र Dysmenorrhoea आदि रोगों में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—इसका एक से २ चम्मच की मात्रा में दिन में १ से ३ बार तक थोड़े जल के साथ मिश्रण करके सेवन कराना चाहिये। एक खुराक रात्रि में सोने के समय देना विशेष लाभप्रद होता है। बच्चों को ५ से १० बूँद तक थोड़े पानी में मिलाकर देना चाहिये। ध्यान रहे कि बच्चा एक साल से कम उम्र का न हो। दवा बड़ी सावधानी के साथ दुहरानी चाहिये।

निर्माता—सिप्ला लैबोरेटरीज, बम्बई।

—*—

(Bromical)

पोटैशियम ब्रोमाइड Pot. Bromide

कैल्शियम हाइपोफास (Cal. Hypo.)

क्लोरल हाइड्रेट (Chloral Hydrate).

टिंचर हायोसियामस Tr. Hyoscyamus

टिंचर वेलीरियन (Tr. Valerian)

एक्सट्रैक्ट ब्राह्मी (Ext. Brahmi)

सिरप थियामीन (Syrup Thiamine)

प्रयोग—यह अनिद्रा (Insomnia), स्नायुशूल (Neuralgia), योषापस्मार (Hysteria), रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea), कमजोरी (Debility) आदि शिकायतों में लाभप्रद औषधि है।

मात्रा—एक चम्मच की मात्रा में दिन भर में तीन बार। डाक्टर की राय से कमी-बेशी की जा सकती है।

—*—

कार्बिटाल
(Carbital)

औषधि-मिश्रण—यह कार्बोमाल (Carbomal) और फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—इसका प्रयोग निद्राकर (Hypnotic) औषधियों के रूप में निद्रानाश, चिन्ता इत्यादि अवस्थाओं में करते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल रात में सोते समय।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parkea nd Davis)

—*—

साइक्लोबार्बीटोन

(Cyclobarbitone)

प्रयोग—यह अनिद्रा (Insomnia) की अचूक औषधि है। चाहे स्नायुओं की कमजोरी के कारण हो या विशेष चिन्ता की वजह से अथवा वृद्धावस्था के कारण जिस किसी भी कारण से क्यों न हो, इसके सेवन से तुरन्त ही नींद आ जाती है और जागने पर ज्ञात होता है कि उसे जैसी नींद पहले आती थी वैसी ही इसके प्रयोग से आयी। इसमें नशा पैदा करने वाली कोई वस्तु नहीं है।

मात्रा--इसकी १½ से ३ ग्रेन अर्थात् ½ से १ टिकिया की मात्रा रात्रि में सोने के समय भोजन के पश्चात् ले लेनी चाहिये। पुरानी बीमारी होने पर शुरू में कुछ अधिक औषधि की भी आवश्यकता पड़ सकती है। किन्तु जब वह दवा काम करने लग जाये तो धीरे-धीरे खुराक कम करते जाना उचित है। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार कम होनी चाहिए।

निर्माता-बरोज वेलकम एण्ड कम्पनी।

—*—

डायल

(Dial)

औषधि--यह एलोबार्बिटोन (Allobarbitone) की टिकिया है।

प्रयोग--यह निद्राकर (Hypnotic) औषधि है। अनिद्रा (Insomnia), शल्य कर्म के पूर्व (Preoperative medication), स्ट्रिकनीन विषाक्तता (Strychnine Poisoning) में तथा शामक प्रभाव (Sedative) के लिए दी जाती है।

मात्रा--शामक प्रभाव के लिए आधा से १ टिकिया दिन में ३ बार। निद्रा के लिये १-२ टिकिया सोने के १ घण्टे पूर्व।

निर्माता--सीबा (Ciba)

टिप्पणी--अन्य निद्राकर औषधियाँ निम्नलिखित हैं--

१. रूटोनल (Rutonal)-मे एण्ड बेकर (May and Baker) ।

२. सोनरगन (Sonergan)-मे एण्ड बेकर (May and Baker) इसमें बार्बिटोन के साथ फीनर्गन (Phenergan) मिला हुआ है । यह देर तक निद्रा लाती है ।

३. सोनाल्जिन (Sonalgin)—मे एण्ड बेकर (May and Baker) पीड़ा युक्त अनिद्रा में लाभकर है ।

४. प्रोटामिल (Protamyl)--मे एण्ड बेकर (May and Baker) जल्दी निद्रा लाकर देर तक स्थिर रखती है ।

५. गार्डेनल (Gardenal)-मे एण्ड बेकर (May and Baker) ।

६. सोनेरिल (Soneryl) मे एण्ड बेकर (May and Baker) । यह ब्यूटो बार्बिटोन है ।

७ थियोगार्डेनल (Theogardenal)--मे एण्ड बेकर (May and Baker) ।

८ वेस्परेक्स (Vesparax)—Uni. U. C. B.

६ नेम्ब्यूटल (Nembutal)—अबट (Abbott) कैप्स्यूल (Capsule) एवं एलिग्जर (Elixir)

—*—

डाइलेण्टिन सोडियम कैप्सील्स
(Dilantin Sodium Kepseals)

औषधि-मिश्रण--इसकी एक टिकिका में ·१ ग्राम (Sodium 5-5-dipoenyl Hydantoinate Soluble Phenytoin) रहता है ।

प्रयोग—यह उत्तम आक्षेपहर (Anticonvulsant) है, अतः इसका प्रयोग मृगी (Epilepsy) के आक्षेपों को कम करने के लिए करते हैं। इसका शर्बत भी आता है।

मात्रा--रोगी के आवश्यकतानुसार।

निर्माता--पार्क डेविस।

टिप्पणी--डाइलेण्टिन सोडियम सस्पेंशन (Dilantin Sodium Suspension) भी आता है। १ चम्मच द्रव में १ कैप्सील के समान औषधि रहती है।

—*—

डोरिडेन

(Doriden)

औषधि-मिश्रण—इसमें oc—Phenyl--cc ethylglutarimide रहता है।

प्रयोग—निद्रानाश, गर्भावस्था के वमन (Morning Sickness), में प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१-२ गोली रात्रि में सोते समय।

निर्माता--सीबा (Ciba)

———

डॉरफीनिन

(Dorfenin)

औषधि—यह फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone) की टिकिया है। ३२ मिग्रा (½ ग्रेन), ६५ मिग्रा० (१ ग्रेन) और ६७ मिग्रा० (१½ ग्रेन) की टिकिया मिलती है।

प्रयोग--यह सामान्य निद्राकर (Hypnotic) और शामक (Sedative) है। अनिद्रा (Insomnja), मिर्गी (Epilepsy) तथा चिन्तायुक्त अवस्थाओं (Anxiety) में प्रयोग करते हैं। कुकुर खाँसी (Whooping cough), धनुस्तम्भ (Tetanus-टिटैनस) तथा इक्लेम्प्सिया (Eclampsja) आदि में ऐंठन (Spasm) कम करने में सहायता करती है।

मात्रा—३२ से १३० मिग्रा० (½ से २ ग्रेन) प्रतिदिन देते हैं। नींद लाने के लिए १ से १½ ग्रेन सोते समय पर्याप्त होती है। अधिकतम २०० मिग्रा० (३ ग्रेन तक देते हैं।

निर्माता--(I. C. I.)

—०—

एलब्रोमल
(Elbromal)

औषधि-मिश्रण--वेलीरियन (Valerian)
ब्रोमाइड (Bromide)
क्लोरल (Chloral)
हायोसियामस (Hyoscyamus)
केनाबिस इंडिका (CannbisI ndica)

प्रयोग—यह अनिद्रा (Insomnia), मृगी (Epilepsy), योषापस्मार (Hysteria), बच्चों का आक्षेप (Infantile Convulsions) तथा हर प्रकार की नसों की उत्तेजना सम्बन्धी बीमारियों में प्रयुक्त होता है।

मात्रा-१ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

--*--

इथोब्रल

(Ethobral)

औषधि-मिश्रण—क्विनालबार्बिटोन (Quinalbarbitone)
ब्यूटोबार्बिटोन (Butobarbitone)
फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—निद्रानाश (Insomnia), मुख्य रूप से आमाशयिक व्रण, मासिक स्राव से पूर्व, दमा इत्यादि के कारण उत्पन्न रोग में देते हैं ।

मात्रा—१-२ गोली रात में सोते समय ।

निर्माता—जान वेथ एण्ड कम्पनी (John Wyeth and Co.)

—*—

इपिलन

(Epilan Tablets)

औषधि-मिश्रण—फीनोबार्बिटल (Phenobarbital)
सोडियम डायफिनायल हाइडेण्टोइनेट (Sodium Diphenyl Hydantoinate)

प्रयोग—यह मृगी रोग (Epilepsy) की सुन्दर दवा है ।

मात्रा—पूरी उम्रवालों के लिए ३ से ६ टिकिया तथा बच्चों के लिए ½ से ½ टिकिया तक एक से दो बार तक नित्य देना चाहिए ।

निर्माता—एंग्लो फ्रेञ्च ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई ।

टिप्पणी—इसी प्रकार की टिकिया बायर (Bayer) कं० की कोमिटल (Comital) तथा कोमिटल एल. (Comital L.) मिलती है ।

—*—

गैरोइन

(Garoin)

औषधि-मिश्रण—

फेनिटॉइन (Phenytoin)

फीनोबार्बीटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग--यह निद्राकर औषधि है तथा मृगी (Epilepsy) की उत्तम औषधि है।

मात्रा--व्यक्तिगत आवश्यकतानुसार इसकी मात्रा निर्धारित होती है। साधारणतया १ से २ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—एम० बी०।

—*—

इट्रिडल

(Itridal)

औषधि-मिश्रण--

साइक्लोबार्बिटोन कैल्शियम (Cyclobarbitone Calcium)

प्रोथिपेण्डिल (Prothipendyl)

प्रयोग--यह मस्तिष्क पर शामक प्रभाव करनेवाली औषधि है। सोते समय लेने से शीघ्र नींद लाती है।

मात्रा--१ टिकिया सोते समय।

निर्माता— जर्मन रेमिडीज प्राइवेट लि०।

—*—

लूपोट
(Lupot)

औषधि-मिश्रण--

फीनोबार्बिटल सोडियम (Phenobarbital Sodium)

पोटैशियम ब्रोमाइड (Potassium Bromide)

प्रयोग—इसके सेवन से १५–२० मिनट में ही नींद आ जाती है। यह अनिद्रा रोग (Insomnia) की उत्तम दवा है। मृगी (Epilepsy), स्नायुओं की उत्तेजना (Nervous Excitement), पट्ठे का रोग (Neurosis) आदि में गुणकारी है।

मात्रा—निद्रा लाने के लिए १ टिकिया पर्याप्त है। इसकी मात्रा १/२ से १ टिकिया तक की है जो समयानुकूल होती है। बच्चों को १/४ से ३/४ टिकिया तक उम्र के अनुसार दी जायगी। २ वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यह दवा न देनी चाहिए।

निर्माता—सिप्ला लैबोरेटरीज, बम्बई।

लिथोकार्ब
(Lithocarb)

औषधि--यह लिथियम कार्बोनेट (Lithium Corbonate) १५० मिग्रा० की कैप्स्यूल है।

प्रयोग—यह उन्माद (Mania), उन्माद जन्य अवसादी अवस्था (Maniac-diprsssive illness) तथा इनके रोग निरोध में प्रयुक्त होती है।

मात्रा--प्रारम्भ में ६ से १० कैप्स्यूल प्रतिदिन दें, ५-७ दिन बाद मात्रा एकाएक आधी कर दें। इससे पहिले उन्माद बन्द हो जाय तो पहिले ही मात्रा घटा दें। इसकी धारण मात्रा (Maintenance dose) २ कैप्स्यूल दिन में तीन बार है।

रोग निरोधी मात्रा—२ से ६ कैप्स्यूल प्रतिदिन। छोटी मात्रा से प्रारम्भ कर धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिये। लक्षणों पर ध्यान रखना चाहिए।

आनुषंगिक प्रभाव—कम्प (Tremor), पेशियों में फड़कन आदि, गतिभग (Ataxia), आदि, आँखों मे अँधेरा छाना (Black-out spells), अपस्मार के समान दौरे (Epileptiform Seizures), अस्पष्ट बोली (Slured speech), चक्कर (Dizziness), मल-मूत्र की असंयति (Incontinence of urine and faeces), निद्रालुता (Somnolence), देर से सोच सकना (Psycho-motor retardation), संभ्रम (Confusion), बेचैनी (Rectlessness), जड़िमा (Stupor), संन्यास (Coma), हृदय गति में अनियमितता (Cardiacarrhythmia), हीन रक्तदाब (Hypotension), परिसरीय संचरण पात (Peripheral circulatory collapse), अरुचि (Anorexia), मचला (Nausea) वमन (Vomiting), अतिसार (Diarrhoea), अल्बूमिनमेह (Albuminuria) मूत्राल्पता (Oliguria), बहुमूत्रता (Polyuria), ग्लूकोजमेह (Glycosuria), प्रत्यूर्जी वाहिनीशोथ (Allergic vasculitis), केशों का सूखना व पतला होना (Drying and thining of hair), त्वचा की सुन्नता (Anaesthesia of the skin), धुंधला दीखना (Blurring of vision), थकावट (Fatigue), सुस्ती (Lethargy), निर्जली भवन (Dehydration), भार घटना (Loss of weight) आदि बहुत से आनुषंगिक लक्षण हैं।

टिप्पणी- केवल विशेषज्ञ ही इसका प्रयोग कर सकते हैं।

निर्माता—मर्क (Merck)

—*—

मेसएटॉयन
(Mesantoin)

औषधि—यह ईथिल मेथानल-फिनाइल हाइडेण्टाइन (Methyl-phenylethyl hydantoin) है।

प्रयोग—मृगी (Epilepsy) की अद्वितीय दवा है।

मात्रा—प्रारम्भ में ½ से १ टिकिया नित्य एक सप्ताह तक दें। तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार बढ़ा सकते हैं।

निर्माता—सैण्डोज लिमिटेड, स्विट्जरलैण्ड।

—*—

माइसोल
(Mysoline)

औषधि—यह पाइरिमिडॉन (Pyrimidon) की टिकिया अथवा पेय के रूप में औषधि है।

प्रयोग—यह अपस्मार (Epilepsy) की विशिष्ट औषधि है। हर प्रकार के अपस्मार में लाभदायक है।

मात्रा—३ से ६ टिकिया प्रतिदिन। बच्चों में अवस्थानुसार कम। इसे थोड़ी मात्रा से आरम्भ कर धीरे-धीरे यथावश्यक बढ़ाना चाहिए।

निर्माता—आई० सी० आई०।

———

पोलीब्रोम
(Ploybrom)

औषधि मिश्रण—

सोडियम ब्रोमाइड (Sodium Bromide)

पोटेशियम ब्रोमाइड (Potassium Bromide)

कैल्शियम ब्रोमाइड (Calcium Bromide)

अमोनियम ब्रोमाइड (Ammonium Bromide)

लीथियम ब्रोमाइड (Lithium Bromide) आदि के मेल से तैयार होती है।

प्रयोग—यह दवा मृगी (Epilepsy), सिरदर्द (Headache), अनिद्रा (Insomnia) तथा जरायु सम्बन्धित विकारों में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ से ३ ड्राम तक प्रयोग करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

--*--

रूटोनल
(Rutonal)

औषधि—यह फेनिलमैथिलबार्बिट्यूरिक एसिड, फेनिलमैथिल मैलोनिलयूरिया (Phenylmethylbarbituric acid Phenylmethyl malonylurea) की टिकिया है।

प्रयोग—यह निद्राकर (Hypnotic) और शामक (Sedative) औषधि है तथा गार्डेनल के समान प्रयोग में लाई जाती है।

मात्रा—१ टिकिया प्रातः-सायं अथवा आवश्यकतानुसार ४-५ टिकिया प्रतिदिन तक।

निर्माता—मे एण्ड बेकर लि०

सरप्यूमिनल
(Serpuminal)

औषधि-मिश्रण—

सरपीना आलकेलायड्स (Serpina Alkaloids)

आयोडो कैफीन (Iodo Caffeine)

फीनोब्रार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—हृद्‌शूल (Angina Pectoris), अपस्मार (Hysteria), अनिद्रा (Insomnia), उन्माद (Insanity), नसों तथा मस्तिष्क सम्बन्धी विकारों (Nervous and Mental Disorders) में लाभदायक है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिये।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—*—

सोनाल्जिन
(Sonalgin)

औषधि-मिश्रण—

ब्यूटोबार्बिटोन (Butobaritone)
फीनेसिटिन (Phenacetin)
कोडिन फॉस (Codeine Phos)

प्रयोग—यह वेदनाहर (Analgesic) तथा निद्राकर (Hypnotic) औषधि है। जहाँ वेदना के कारण अनिद्रा हो वहाँ यह विशेष प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा—१ से २ टिकिया दिन में २–३ बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—मे एण्ड बेकर लिमिटेड।

—*—

सोनर्गन
(Sonergan)

फीनर्गन (Phenergan)
सोनेरिल (Soneryl)

प्रयोग—यह निद्राकर औषधि है। इससे शीघ्र निद्रा आकर देर तक आती रहती है।

मात्रा—१ से २ टिकिया सोते समय।

निर्माता—मे एण्ड बेकर लि०।

—*—

टेग्रीटॉल

(Tegretol)

औषधि—वह कार्बामाजीपीन (Carbamazepine) २०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—सभी प्रकार के अपस्मारों (Epilepsies) में लाभदायक है।

मात्रा—१ से २ टिकिया दिन में २ या ३ बार। बच्चों को :—

१	वर्ष तक	½ से १	टिकिया	प्रतिदिन
१ से ५	,, ,,	१ - २	,,	,,
५ से १०	,, ,,	२ - ३	,,	,,
१० से १५	,, ,,	३ - ५	,,	,,

चिकित्सा थोड़ी मात्रा से प्रारम्भ कर क्रमशः बढ़ावें।

निर्माता-गेगी (Geigy)

———

ट्राइक्लोरिल

(Tricloryl)

औषधि—यह ट्राइक्लोफॉस (Triclophos) सिरप है।

प्रयोग—नींद लाने की दवा है। रात्रि में लेने पर नींद आती है और दिन में प्रशान्तक (Tranquilliser) का कार्य करती है।

मात्रा-नींद लगने की मात्रा २ चम्मच और प्रशान्तक के लिए १ चम्मच दिन में १ या दो बारे है।

निर्माता–ग्लैक्सो (Glaxo) .

---*---

वेलोल
(Valol)

औषधि—यह मेन्थायल वेलीरियनेट (Menthyl Valerianate) से कैयार की गई है।

प्रयोग—स्नायविक दौर्बल्य (Neurasthenia), हिस्टीरिया (Hysteria), जनन निवृत्ति काल के लक्षणों में लाभप्रद है।
चाहिए।

मात्रा—१० से १५ मिनिम तक की मात्रा में इसका प्रयोग करना चाहिए।

निर्माता—ग्लकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

---*---

जारोण्टिन सिरप
(Zarontin Syrup)

औषधि—यह oc–इथिल, oc-.मेथिल सक्सिनिमाइड (oc Ethyl-oc Methyl succinimide) का सिरप है।

प्रयोग—अपस्मार (Epilepsy-मृगी की उत्तम औषधि है।

मात्रा—६ वर्ष से छोटे बच्चों को १ चम्मच और बड़े बच्चों को २ चम्मच। बड़े को औषधि का प्रभाव देखते हुए क्रमशः बढ़ानी चाहिए। प्रायः ६ चम्मच प्रतिदिन की विभक्त मात्राओं से काम चल जाता है। आवश्यकता होने पर ७-८ चम्मच तक प्रतिदिन दे सकते हैं।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

—*—

अध्याय ७

मानसिक व्याधियों की औषधियाँ
(Mental Disorders Tranquillisers)

बढ़ते हुए उद्योगीकरण के युग में मानसिक व्याधियाँ सामान्यतः बढ़ती ही हैं। पैसे की हवस, चारों ओर से पैसे की खींच, शीघ्र धनवान बन जाने की इच्छा, यन्त्रीकरण के साथ-साथ मनुष्य के स्वयं भी यन्त्रवत् कार्य करने की स्थिति, पुरानी धारणाओं का टूटना, नये सामाजिक मूल्यों की अपूर्ण स्थापना, जीवन के संघर्ष बढ़ जाना तथा महत्वाकांक्षा आदि ऐसे कारण हैं जिनका मन पर अत्यधिक दबाव पड़ता है। परिणामतः मन की विभिन्न जटिल ग्रन्थियों के निर्माण के साथ मानसिक असन्तुलन उत्पन्न हो जाता है। आज भारत में इसकी प्रारम्भिक स्थिति है। अमेरिका में मानसिक रोग अपनी पराकाष्ठा पर हैं। भारत में भी ये रोग बढ़ रहे हैं। ये मन के रोग अनेक बार शारीरिक व्याधियों के रूप में प्रकट होते हैं। इस स्थिति को देखते हुए कुछ विशिष्ट औषधियों का निर्माण होने लगा है। इन्हें ट्रैंक्विलाइजर (Tranquillisers) कहते हैं। इनका कार्य मन की तनाव की स्थिति कम कर मनुष्य को स्वस्थ सामाजिक व्यवहार करने योग्य बनाना है। ये चिन्ता को कम करती तथा वस्तुस्थिति को पहचानने में तथा उसके अनुरूप स्वयं को बनाने में सहायता करती हैं। यह बात निश्चित है कि लगातार मानसिक तनाव का परिणाम कालान्तर में पागलपन में हो सकता है। मानसिक अवसाद (Depression) की औषधियों का भी यहीं विचार किया गया है।

इस मानसिक तनाव का साथी रोग हाई ब्लड प्रेशर (High Blood Pressure) है। इसकी औषधियां हृदय-रोग की औषधियों में देखें।

अमिकाम
(Amicalm)

औषधि—अमिट्रिप्टिलीन हाइड्रो० (Amitiyptiline Hcl.) २५ या १० मि० ग्राम की टिकिया है।

प्रयोग—प्रशान्तक (Tranquilliser) और मनोद्दीपक (Thymoleptic) है।

मात्रा—१ से ८ टिकिया प्रतिदिन या चिकित्सक के निर्देशानुसार।

निर्माता—टेटेण्टोफार्मास्युटिकल्स (Tetento Pharmaceuticals)

एनाटेन्साल
(Anatensol)

औषधि-मिश्रण—यह फ्लूफीनेजीन डाइड्रोक्लोराइड (Fluphenazine Dihydrochloride) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—मानसिक उत्तेजना को शान्त करने के लिए, (Emotional equilibrium) तथा बच्चों की Behavior Problem ठीक करने के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

निर्माता—स्क्विब कम्पनी।

—*—

काम्पोज
(Calmpose)

औषधि—यह डियाजीपाम (Diazepam) की ५ मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—मानसिक तनाव (Tension), भय (Fear) और चिन्ता (Anxiety) की अवस्था में प्रयोग किया जाता है। इनसे उत्पन्न सिरदर्द (Headache) एवं अनिद्रा में भी लाभ होता है। अकारण आशंका

(Apprehension) अथवा किसी रोग के कारण अत्यधिक चिन्ता को यह दूर करता है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में २-३ बार।

निर्माता—रैनबॉक्सी लेबोरेटरीज लि० (Ranboxy Laboratories Ltd.)

—०—

एम्फेटिण्डान

(Amphetindon)

औषधि-मिश्रण--

एम्फेटामीन सल्फेट (Amphetamine Sulphate) १० मिग्रा०।

एट्रोपीन मीथोनाइट्रेट (Atropine methonitrate) ·२१ मिग्रा०।

प्रयोग—नार्कोलेप्सी (Narcolepsy निद्रारोग), पार्किन्सोनिज्म (Parkinsonism), समुद्री रोग (Sea Sickness), मृदु प्रकार का अवसाद (Mild depressive neurosis), चिरकारी मदात्यय (Chronic alcoholism) आदि में लाभकर है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—इण्डोफार्मा।

—*—

सेन्सीडल

(Censedal)

औषधि—यह नियालबार्बिटान (Nealbarbitone) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में ६० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग— यह बार्बिटोन होते हुए भी निद्राकर (Hypnotic) कम है परन्तु मन को शान्त करने वाली (शान्तक-Tranquilliser) अधिक, अतः चिन्ता (Anxiety), मानसिक तनाव (Tension), भय और वृद्धावस्था की चिड़चिड़ाहट में लाभ करता है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन देते हैं। उसका प्रभाव देखते हुए मात्रा कम या अधिक करते हैं।

निर्माता—मे एण्ड बेकर (M. & B.)

डेक्सीड्रीन
(Dexedrine)

औषधि-मिश्रण—यह डेक्सएम्फेटामिन सल्फेट (Dexamphetamine Sulphate) की टिकिया है।

प्रयोग—यह केन्द्रीय नाड़ी-मण्डल को उत्तेजित करती है। आलस्य, निद्रा, काम में मन न लगना, थकावट प्रतीत होना, चिड़चिड़ापन, प्रातःकाल उठने पर भी थका-सा होना आदि लक्षणों को दूर कर व्यक्ति को कार्य करने के योग्य बनाती है। वातावरण में रुचि उत्पन्न करती है। इसके सेवन से मन प्रफुल्लित होने की भावना, वाचालता तथा ध्यान केन्द्रित करने की शक्ति उत्पन्न होती है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—स्मिथ क्लीन एण्ड फ्रेंच (इन्डिया) लि०।

इनकैफाबॉल
(Encephabol)

औषधि—यह पायरिटिनॉल (Pyritinol) १०० मिग्रा० की टिकिया है। २० टिकिया और १०० टिकिया की शीशी में आती है।

प्रयोग—यह मस्तिष्क के चयापचय (Cerebral metabolism) को क्रमशः सुधार कर मस्तिष्क की कार्यकुशलता बढ़ाता है। मध्य आयु या वृद्धावस्था में विस्मृति (Loss of memory), एकाग्रता एवं प्रभाविता (Concentration and effectiveness), थकावट अधिक होना

(Increased fatigability), नींद की गड़बड़ (Sleep disturbances) और भावात्मक स्थिरता (Emotional Stability) आदि में सुधार लाता है। तन्त्रिका तन्त्र की थकावट (Nervous exhaustion) जो मानसिक तनाव (Mental stress) से उत्पन्न होता है उसमें भी लाभ करता है। सिर एवं मस्तिष्क पर चोट के बाद (Post traumatic carnio-cerebral conditions) तथा एपोप्लेक्सी (Apoplexy) व विषालुता में (Intoxications) एवं मस्तिष्क शोथ (Encephalitis) आदि के बाद में भी प्रयोग किया जाता है। बच्चों के मानसिक व बौद्धिक (Mental and psychic) विकास की कमी या गड़बड़ी में भी यह लाभ करता है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ बार किसी द्रव के साथ। बच्चों को अवस्था के अनुपात में १-२ टिकिया प्रति दिन। इसका प्रभाव धीरे-धीरे होता है। अतः कई महीनों तक लगातार प्रयोग करना चाहिये। कम से कम ३-४ सप्ताह में इसका प्रभाव दिखाई देता है।

निर्माता—मर्क (Merck)

—*—

एम्फेटिन

(Amphetin)

औषधि-मिश्रण— यह डेक्सैम्फेटामीन सल्फेट (Dexamphetamine Sulphate) की टिकिया है।

प्रयोग—अवसादावस्था, स्थूलता (Obesity) तथा नार्कोलेप्सी (Narcolepsy) में लाभ करती है।

मात्रा— $\frac{1}{2}$ से १ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—थेमिस फार्मास्युटिकल्स।

—*—

ड्रिनैमिल

(Drinamyl)

औषधि-मिश्रण—

डेक्सीड्रीन (Dexidrine)

अमाइलोबार्बिटोन (Amylobarbitone)

प्रयोग—यह डेक्सीड्रीन के समान है। परन्तु जिनको डेक्सीड्रीन से अधिक उत्तेजना अथवा अनिद्रा उत्पन्न होती हो, उन्हें डेक्सीड्रीन के स्थान पर इसे देना चाहिए।

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—स्मिथ क्लीन एण्ड फ्रेंच (इण्डिया) लि०।

————

इस्कैजीन

(Eskazine)

औषधि-मिश्रण—यह ट्राइफ्लूपीराजीन (Trifluoperazine) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में १ मिग्रा० औषधि होती है।

प्रयोग—चिन्ता (Anxiety), मानसिक उद्वेग, मासिक के पूर्व, प्रसवोत्तर तथा वृद्धावस्था का तनाव (Pre menstrual, Post Partum and Manopausal tension), वृद्धावस्था की बहक, हृल्लास (Nausea) तथा वमन (Vomiting) में लाभ करती है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में २-३ बार।

निर्माता—स्मिथ क्लीन एण्ड फेंच (इण्डिया) लि०।

————

इक्वैनिल

(Equanil)

औषधि-मिश्रण – यह मीप्रोबामेट (Meprobamate) की टिकिया है। प्रति टिकिया ४०० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग--चिन्ता (Anxiety), मानसिक तनाव (Mental tension), मनोदैहिक विकार (Psychosomatic Disorders), निद्रानाश (Insomnia), कटिशूल इत्यादि में प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता--जॉन वेथ कम्पनी।

टिप्पणी--लेपिटिट (Lepitit) की यही औषधि परट्रैंक्विल (Pertranquil) नाम से मिलती है।

ग्लूटाविट

औषधि-मिश्रण--

ग्लूटैमक एसिड (Glutamic Acid)

कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)

विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

प्रयोग—कैल्शियम पैण्टोथीनेट (Cal. Pantothenate), स्मरणशक्ति का ह्रास (Weak Memory), मानसिक असन्तुलन (Disturbed Mental Equilibrium) आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में २-३ बार।

निर्माता--जियोफ्रे मैनर्स (Geofrey Manners)

फ्रिजीवाइट
(Frigivite)

औषधि-मिश्रण—यह रीसर्पिन (Reserpine), विटामिन बी१ और बी१२ (Vitamin B_1 & B_{12}) का एक उत्तम योग है ।

प्रयोग—गोली और शर्बत दोनों रूपों में आता है। समस्त प्रकार के अति-रक्तदाब, गर्भावस्था की विषमयता, साइज्रोफ्रेनिया, साइकोसिस, चिन्ता इत्यादि में प्रयोग करते हैं ।

मात्रा—१-२ गोली या १-२ चम्मच दिन में २ बार ।

निर्माता—जियाफ्रे मैनर्स (Geofrey manners)

हिप्टोजीन
(Hyptozyn)

औषधि-मिश्रण--

मीथाक्वालोन हाइड्रोक्लोराइड (Methaqualone Hcl.)

हाइड्राक्सीजीन हाइड्रोक्लोराइड (Hydroxyzine Hcl.)

प्रयोग—रोगों के कारण अनिद्रा (Insomnia due to diseases), पीड़ा के कारण अनिद्रा (Insomnia due to pain), चिन्ता के कारण अनिद्रा (Insomnia due to anxiety and tension), मानसिक, अवस्थाओं और दुःस्वप्नों के कारण अनिद्रा या उचटी हुई नींद आना, (Insomnia or disturbed sleep due to psychic conditions and nightmares or dreams), शस्त्रकर्म के पूर्व भय एवं अधैर्य (Nervousness) कम करने के लिए तथा अपस्मार (Epilepsy) में अन्य औषधियों के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता है ।

मात्रा—१-२ टिकिया सोते समय।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)।

इक्विनियम

औषधि—यह क्लोरडियाजी प्रोक्साइड (Chlordiazeproxide) १० मिग्रा॰ की टिकिया है।

प्रयोग—यह मानसिक तनाव (Tension), चिन्ता (Anxiety), भय (Fear), आशंका (Apprehension) और उनसे उत्पन्न सिरदर्द (Headache) तथा अनिद्रा (Insomnia) में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में २-३ बार।

निर्माता—यूनीक फार्मास्युटिकल लैब्स (Unique Pharmaceutical Labs)।

लार्गेक्टिल
(Largactil)

औषधि—यह क्लोरप्रोमेजीन (Chlorpromazine) है।

प्रयोग--मानसिक तनाव (Tension) तथा चिन्ता दूर करता है। शीजोफ्रेनिया (Schizophrenia) से पीड़ित व्यक्ति का उपद्रव शान्त करता है। वमन रोकता है। निद्राकर तथा पीड़ाहर औषधियों को साथ देने से उनका गुण बढ़ाता है। पीड़ा की ओर से ध्यान हटाता है। त्वचा की खुजली तथा हिचकी रोकता है। बच्चों के स्वभाव दोष को दूर करता है। मानसिक रोगियों को चिकित्सक से सहयोग करने योग्य बनता है।

मात्रा--मुख द्वारा २५ से ३०० मि॰ ग्रा॰ प्रतिदिन।

सुई द्वारा—२५ से ५० मि॰ ग्रा॰ प्रति बार दिन में ४ बार तक।

निर्माता—मे एण्ड बेकर लि० (M. and B.)।

टिप्पणी—क्लोरप्रोमैजीन (Chlorpromazine) के साथ एमाइलोबार्बिटोन (Amylobarbitone मिला हुआ मे एण्ड बेकर (May and Beker) का अमारगिल (Amargil) आता है।

--*--

लिब्रियम
(Librium)

औषधि-मिश्रण--

यह क्लोरडियाजीप्रोक्साइड (Chlordiazeproxide) है।

प्रयोग—यह सौषुम्निक प्रत्यावर्तों को कम करती, पेशियों का तनाव कम करती, मन पर शामक प्रभाव डालती तथा आक्षेप रोकती है। मानसिक तनाव, भय तथा चिन्ता दूर करती है। अनिद्रा व चिन्ताजनक शिरःशूल को ठीक करती है। मानसिक उद्वेगों के कारण उत्पन्न सभी शारीरिक लक्षणों में लाभ पहुँचाती है। बच्चों के स्वभाव दोषों में दी जाती है। पेशियों का तनाव दूर करने के कारण गर्दन, कमर आदि की नस अकड़ने (Torticolis and Lumbago) में आराम पहुँचाती है।

मात्रा--१ से ४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—रोश प्रोडक्ट्स लि० (Roche Products Ltd.)

—o—

ल्युमिनाल

औषधि—यह फेनिलईथिलबार्बिट्युरिक एसिड (Phenylethylbarbituric acid) की टिकिया है। एक टिकिया में ३०, ६० अथवा १०० मि० ग्रा० औषधि होती है।

प्रयोग--यह निद्राकर (Hypnotic) औषधि है। अपस्मार (Epilepsy), अर्धावभेदक (Migraine) अनिद्रा (Insomnia), कड़ापन (Spastic Conditions), अतिवेदनता (Hyperexitability),

गर्भिणी का वमन (Hyperemesis Gravidarum), इक्लैम्पिसया (Eclampsia), सीडेनहैम का कोरिया (Sydenham's Corea), अति रक्तदाब (Hypertension), हृद्शूल (Argina Pectoris) एवं ग्रेव का रोग (Grave's Disease) में लाभदायक है। धनुर्वात (Tetanus) अथवा बच्चों के टिटैनी रोग (Tetani) के आक्षेपों को रोकता है।

मात्रा--सामान्य दैनिक या सोते समय की मात्रा ५० मि० ग्रा० से २०० मि० ग्रा० है। तीव्र रोगों में यह बढ़ाई जा सकती है।

निर्माता—बायर (Bayer)

टिप्पणी— १. सूचीवेध के लिए इसका एम्प्यूल (Ampoule) भी मिलता है।

२. ल्यूमिनालेटस—(Luminalettes) के नाम से १५ मि० ग्रा० की टिकिया मिलती है।

—*—

मलेरिल
(Melleril)

औषधि-मिश्रण—

इसकी गोली में क्रमशः १०, २५ और १०० मिलिग्राम थायोरिडेजीन (Thioridazine Hcl.) रहता है। ५ मिलिग्राम की टिकियों को मेलेरे-लेट्स (Mellerelets) कहते हैं।

प्रयोग--इसका प्रयोग मुख्य रूपेण चिन्ता, मानसिक तनाव, निद्रानाश, हृदय विकार, दमा; आमाशयिक विकार, आमाशयिक व्रण, कोलायटिस, मासिक विकार आदि में उत्तम है।

मात्रा— रोग की उग्रता तथा रोगी के अवस्थानुसार १-२ गोली दिन में २-३ बार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैंड।

—०—

मेसमार
(Mesmar)

औषधि—यह मीप्रोबामेट (Meprobamate) की टिकिया है। प्रत्येक में ४०० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग--यह एक उत्तम प्रशान्तक (Tranquilliser) है। चिन्ता (Anxiety), पेशीउद्वेष्ट (Muscle spasm) और आक्षेपों (Convulsions) में लाभप्रद है।

मात्रा –१ टिकिया दिन में ३ बार। यदि आवश्यक हो तो सोने के पहले १ टिकिया और दे सकते हैं।

निर्माता--डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

मेथेड्रीन
(Methedrine)

औषधि—यह मेथिलऐम्फेटामीन हाइड्रोक्लोराइड (Methylamphetamine Hydrochloride) की टिकिया और सूई है।

प्रयोग—प्रफुल्लतोत्पादक (Euphoriant), केन्द्रीय वातनाड़ी संस्थान की उत्तेजक (C. N. S. Stimulant), क्षुधाहारक (Anorexiant) तथा रक्तदाब बढ़ानेवाली (Vasopressor) हैं। नारकोलेप्सी (Narcolepsy) में लाभदायक है।

मात्रा--१ टिकिया दिन में दो, तीन अथवा चार बार अथवा एक सूई प्रतिदिन।

निर्माता—बरोज वेलकम एण्ड कं० (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

टिप्पणी--इसका इन्जेक्शन भी मिलता है।

मिल्टाउन
(Miltown)

औषधि--मीप्रोबामेट (Meprobamate) की टिकिया है।

प्रयोग--मानसिक तनाव, नशा बन्द करते समय के लक्षण, शल्य कर्म के पूर्व तथा पश्चात् की चिन्ता दूर करती है। मानसिक व शारीरिक रोगों के समय अत्यधिक परेशानी को कम करती है।

मात्रा—४०० से १२०० मि० ग्रा० प्रतिदिन (२०० या ४०० मि० ग्रा० प्रति टिकिया)।

निर्माता—लेडरली।

—*—

नेटिसेडीन
(Natisedine)

औषधि—यह फेनिलइथाइल-बार्बिचुरेट ऑफ क्विनिडीन (Phenylethylbarbiturate of quinidine) १०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग--चिन्ता (Anxiety), अनिद्रा (Insomnia), बेचैनी (Irritability), अत्यधिक दुःख (Anguish), मानसिक अस्थिरता (Temperamental instability), आर्तवस्त्राव तथा रजोनिवृत्ति (Menstruation & Menopause) के समय के लक्षण, धड़कन (Palpitation) तथा अनेक मनःकायिक रोगों में लाभदायक है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—लेबोरेटरीज ग्रीमाल्ट (Labaratories Grimault)।

—०—

नियामिड
(Niamid)

औषधि-मिश्रण—नियालामाइड (Nialamide) की टिकिया है।

प्रयोग - यह मोनो अमीन ऑक्सिडेज की अवरोधक (Mono-amine-oxidase inhibitor) है। मन की अवसादक स्थिति को दूर करती, मन प्रसन्न करती, भूख बढ़ाती तथा अच्छा होने की भावना पैदा करती है। पीड़ा कम करने का भी इसका गुण है। हृद्शूल में लाभ कर है। दौरे की

तीव्रता तथा उनका जल्दी-जल्दी आना कम करती है। बच्चों में बिस्तर में मूत्रत्याग की आदत दूर करती हैं।

मात्रा—४ से ६ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि० (Pfizer Private Ltd.)

प्रिस्कोफेन
(Priscophen)

औषधि-मिश्रण—

प्रिस्काल (Priscol)

ट्रेसेण्टिन (Tresentin)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—नाड़ीवात विकार, चिन्ता, न्यूरोसिस (Neurosis), नाड़ीगत थकान तथा अन्य मानसिक रोगों में लाभ करता है।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—सीबा फार्मा।

—०—

रेसपाम
(Respam)

औषधि—यह डियाजीपाम (Liazepam) ५ मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—उत्तम प्रशान्तक (Tranquilliser) है।

मात्रा—१ से ६ टिकिया प्रतिदिन विभक्त मात्राओं में

निर्माता—आरपाइक प्राइवेट लि० (Arpike Pvt. Ltd.)

रिटैलिन
(Ritalin)

प्रयोग यह मृदु मानसिक तथा शारीरिक उद्दीपक है। चैतन्यता उत्पन्न करता है, अवसाद (मानसिक) दूर करता है। अकारण मन में दुःखी होना,

चिन्तित होना, थकावट का अनुभव, मन की उलझन, संसार से दूर रहने की इच्छा, रोने की इच्छा होना आदि को दूर कर मन प्रसन्न कर शान्ति देता है।

मात्रा—२ से ३ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—सीबा फार्मा (इण्डिया) लि०।

सरमाण्टिल
(Surmontil)

औषधि—यह ट्राइमिप्रामीन (Trimipramine) १० और २५ मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—चिन्ता (Anxiety) और अवसाद (Depression) को दूर करती है।

मात्रा—प्रारम्भ में २ टिकिया प्रतिदिन देते हैं। आवश्यकतानुसार १ टिकिया प्रतिदिन बढ़ाते जाते हैं। सामान्यतः १५० से ३०० मिग्रा०। (६ से १२ टिकिया) प्रतिदिन पर्याप्त होती है। अधिकतम १६ टिकिया प्रतिदिन दे सकते हैं। प्रति सप्ताह १ टिकिया घटाते हुए धारण मात्रा (Maintenance dose) ६ से १२ टिकिया प्रतिदिन पर आ जाना चाहिए।

निर्माता—एम०बी० (M. B.)

टरफ्लूजिन
(Terfluzin)

औषधि—यह ट्राइफ्लूपीराजीन (Trifluperazine) की १ मिग्रा० और ५ मिग्रा० की टिकिया तथा ०·१ प्रतिशत घोल अर्थात् १ मिग्रा० प्रति मिलि० द्रव में घुला हुआ एक मिलि० के एम्प्यूल में इन्जेक्शन के लिए मिलता है।

प्रयोग—चिन्ता (Anxiety) तथा शारीरिक रोगों के कारण मानसिक

अवसाद में लाभदायक है। वमन को शीघ्र बन्द करता है। मानसिक रोगों में उच्च मात्रा में लाभ करता है।

मात्रा--सामान्य मात्रा १-२ मिग्रा० (१-२ छोटी टिकिया) दिन में दो बार। मानसिक रोगों में २ मिग्रा० दिन में तीन बार। इस मात्रा को क्रमशः बढ़ाते हुए (आवश्यक हो तो) ४० से ६० मिग्रा० और कभी-कभी १२० मिग्रा० प्रतिदिन तक ले जाते हैं। लाभ होने पर मात्रा क्रमशः घटाते हैं।

निर्माता--एम० एण्ड बी० (M. & B.)

डेप्सोनील

(Depsonil)

औषधि--यह आइमिप्रामीन (Imipramine) की २५ मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग--यह मानसिक अवसाद की स्थिति में लाभदायक है। विशेष रूप से उस स्थिति में जब कि व्यक्ति स्वयं को अपराधी अथवा पापी, कलंकित आदि समझने के कारण उदास हो रहा हो और इसी मानसिक विकार से कुछ शारीरिक लक्षण भी प्रकट हो रहे हों। वृद्धावस्था का औदासीन्य, रजोनिवृत्ति के समय मानसिक उद्वेग इससे शान्त होते हैं। इसका प्रभाव प्रकट होने में २ से ४ सप्ताह लगते है।

मात्रा--७५ से २०० मिग्रा० प्रतिदिन। प्रारम्भ में बड़ी मात्रा देकर धीरे धीरे कम करना चाहिए।

निर्माता--सुहृद गेगी लिमिटेड।

—*—

अध्याय ८

स्त्री-रोगों की औषधियाँ

इस अध्याय में उन विशिष्ट रोगों की औषधियों का समावेश किया गया है जो केवल स्त्रियों में होते हैं। इनमें रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर, कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea), अनार्त्तव (Amencrrohoea Primary or Secondary) गर्भिणी का वमन (Hyperemesis Gravidarum) गर्भस्राव (Abortion), बन्ध्यत्व (Sterility) आदि को लिया गया है।

इन योगों में मुख्य औषधि अशोक अथवा कुछ हार्मोन अथवा दोनों होते हैं। अशोक बहुत प्राचीन काल से रजःविकारों में प्रयुक्त होता रहा है। हार्मोन आधुनिक शोध है। दूसरा क्रम पीड़ाहर हायोसियामस आदि का है। ये कष्टार्त्तव में लाभ पहुचाते हैं। तीसरा क्रम प्रजनन संस्थान को शक्ति देने वाले द्रव्यों का है। इसमें विटामिन, शतावरी आ।द हैं। लोध्र आदि श्वेत प्रदर (Leucorrhoea) में लाभ पहुँचाते हैं। बन्ध्यत्व में हार्मोन तथा विटामिन विशेष रूप से ई तथा ए आवश्यक होते हैं। विटामिनों को उसी अध्याय में देखना चाहिए। श्वेत प्रदर केलिए स्थानीय औषधियों का विशेष प्रयोग किया जाता है जो स्थानीय संक्रमणों को दूर कर श्वेत स्राव बन्द कर देती हैं। अनेक बार श्वेत प्रदर की रुग्णाओं में रक्त की कमी रहती है। उस स्थिति में बिना रक्त-वर्द्धक औषधियों के स्थायी लाभ नहीं होता (देखें टॉनिक एवं विटामिन)

गर्भस्राव के उपरान्त अथवा स्वाभ।विक प्रसव होने के उपरान्त होनेवाले रक्तस्रावों को अर्गट [Ergot] के योगों अथवा पिटुइटरी [Pituitary] की सुई से रोका जाता है, परन्तु अन्य प्रकार से होने वाले रक्तस्रावों को रक्तस्रावहर औषधियों के अध्याय में देखें।

एसीटार्सोल वेजाइनल कम्पाउण्ड
(**Acetarsol Vaginal Compound Tablets**)

औषधि-मिश्रण—

एसीटार्सोल (Acetarsol)

बोरिक एसिड (Boric Acid)

कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate)

फ्लेवाजोल (Flavazole)

प्रयोग—यह श्वेतप्रदर (Leucorrhoea) रोग की अच्छी दवा है।

मात्रा—२ से ३ टिकिया तक योनि में काफि ऊपर हटाकर डाल देनी चाहिए। दिन में दो बार करना चाहिये। इसी प्रकार २ से ४ सप्ताह तक करना लाभप्रद है।

निर्माता—बूट्स प्योर ड्रग हाउस।

एलेट्रिस एलिक्जर
(**Aletris Elixir**)

औषधि-मिश्रण—एक्सट्रैक्ट एलेट्रिस लिक्विड (Ext. Aletris Liq.)

„ शतावरी „ („ Shatavari „)

„ अशोका „ („ Ashoka „)

एक्सट्रैक्ट अश्वगन्धा लिक्विड (Ext. Aswagandha Liq.)

„ ग्लिसीराइजा „ („ Glycyrrhiaza Liq.)

„ वाइबर्नी प्रुनोफोलियो लिक्विड (Ext. Viburni Prunifolio Liq.)

„ हाइड्रैस्टिस लिक्विड (Ext. Hydastis Liq.)

टिंचर कैनाबिस इण्डिका (Tr. Cannabis Indica)

पोटैशियम ब्रोमाइड (Potassium Bromide)

माल्ट एक्सट्रैक्स (Malt Extract)

प्रयोग—स्त्रियों के मासिक ऋतु के समय की सम्पूर्ण बुराइयों को दूर करता है। बाधक वेदना, अनियमित ऋतुस्राव तथा बच्चेदानी की खराबियों के लिए अच्छी दवा है। जिन स्त्रियों को बार-बार गर्भपात हो जाता हो उनके लिए विशेष उपयोगी है। श्वेत प्रदर, रक्त प्रदर तथा ऋतुस्राव की सुन्दर औषधि है। जरायु सम्बन्धी विकारों की प्रशंसनीय दवा है।

मात्रा—नई बीमारी में १ चम्मच दवा हर ४ घण्टे पर देना चाहिए तथा पुरानी बीमारी में २ चम्मच दवा दिन में ३ बार देना उचित है।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल वर्क्स, बड़ौदा।

एनोवलर—२१
(Anovlar—21)

औषधि-मिश्रण—

नॉरईथिस्टरोन एसिटेट (Norethisterone Acetate)
ईथिनिल ईस्ट्रे डियोल (Ethinyı Oestradiol)

प्रयोग—कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea), इण्डोमेट्रिओसिस (Endometriosis) तथा बन्ध्यत्व (Functional Sterility) में लाभ करती है।

मात्रा—१ टिकिया प्रतिदिन, मासिक स्राव के पाँचवें दिन से २४ वें दिन तक प्रति मास।

निर्माता—शेरिंग एशिया जी० एम० बी० एच०।

एनूरोक्सिन
(Anuroxin)

औषधि-मिश्रण—थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)।

पाइरिडाक्सिन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)

प्रयोग—गर्भावस्था की मिचली और कै (Nausea & Vomiting) को उत्तम दवा है। यह लकवा (Paralysis) और हर प्रकार के स्नायविक रोग (Chorea) में मुफीद है।

मात्रा--एक टिकिया नित्य सेवन करना चाहिए। डाक्टर की राय के अनुसार मात्रा बढ़ाई जा सकती है।

निर्माता--ओरियण्टल फार्मेस्युटिकल इण्डस्ट्रीज, बम्बई।

क्लाईनेस्ट्राल

(Clinestrol)

औषधि-मिश्रण—यह एक इस्ट्रोजेन [Oestrogen] का उत्तम योग है।

प्रयोग--स्त्रीगत विकार कैसे कष्टार्त्तव [Dysmenorrhoea], अनार्तव [Amenorrhoea], मेनोपाज [Menopause], प्रोस्टेट ग्रन्थि का कैन्सर अति मासिकस्राव [Menorrhagia], मुँहासा इत्यादि में इसका प्रयोग उत्तम है।

मात्रा--चिकित्सक की राय के अनुसार इसकी मात्रा निर्धारित करना चाहिए।

निर्माता--ग्लैक्सो।

डुओगाइनॉन

(Duogynon)

औषधि-मिश्रण--

ईस्ट्रैडिथोल [Oestradiole]

प्रोजेस्टेरोन [Progesterone]

प्रयोग--यदि किसी महिला का मासिक धर्म टल गया तो यह जानने के लिए कि गर्भ-धारण [Pregnancy] के कारण टला है अथवा अन्य किसी कारण से, इसका प्रयोग किया जाता है। वैसे किसी भी अनार्त्तव [Amenorrhoea] में इससे लाभ होता है।

मात्रा--१ टिकिया प्रतिदिन दो दिन तक दें। गर्भ की अनुपस्थिति में एक सप्ताह के अन्दर रजःस्राव हो जाता है।

निर्माता--शेरिंग [Schering]

टिप्पणी--इसी कार्य के लिए-१, ऑर्गेनन [Organon] की मेन्स्ट्रोजेनि [Menstrogen] टिकिया चार टिकिया प्रतिदिन ५ दिन तक प्रयोग की जाती है दोनों ही औषधियों की सुई भी मिलती है।

२. सिक्रोडिल [Secrodyl] बी० डी० एच [B. D. H.] टिकिया [Tablet]।

एलिक्जिर गायनी कम्पाउण्ड

(Elixir Gynae Com.)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्स लोध लिक्विड [Ext. Lodh Liq.]
,, मूथा ,, [,, Mootha ,,]
,, अशोका ,, [,,Asoka ,,]
,, बर्बेरिस ,, ,, [,,Berberis]
,, वाइबर्नम,, [,, Viburnum]
निगेला सेटाइवा [Nigella Sativa]
उडफोर्डिया [Woodfordia]
वाटर लीली [Water Lily]
सिरप कैल्शिआई [Syrup Calcii]

प्रयोग—यह जरायु-सम्बन्धी विकारों की उत्तम दवा है। रक्तस्राव को रोकने की अच्छी औषधि है। रजःकृच्छ्र तथा बाधक वेदना में भी प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में नित्य ३ बार भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिये।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्यूटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

अर्बोलिन

(Erbolin)

औषधि-मिश्रण--प्रत्येक टिकिया में २७० मि० ग्रा० अर्गट (बी० पी० सी०) होता है जो ०'४ मि० ग्रा० अर्गोटॉक्सीन के बराबर है ।

प्रयोग—प्रसव की तीसरी अवस्था के बाद गर्भाशय की संवृत्ति के लिए, अनिवार्य अथवा अपूर्ण गर्भस्राव (Incomplete or inevitable abortion), प्रसवोत्तर रक्तस्राव (Post Partum Haemorrhage), गर्भाशय की असंवृत्ति (Sub-involution) तथा रक्तप्रदर (Menorrhagia) में इसका प्रयोग होता है ।

मात्रा--१ टिकिया दिन में ३ बार । आवश्यक होने पर अधिक भी दे सकते हैं ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज ।

ईसट्रायड

(Estroid)

औषधि-मिश्रण—डाइनीस्ट्रोल (Dienoestrol)
कैलशियम फास्फेट (Calcium Phosphate)

प्रयोग—स्त्रियों के रजोनिवृत्ति (Menopause), रजोरोध (Amenorrhea), रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhea) आदि रोगों में उपयुक्त है ।

मात्रा--नित्य १ से ६ टिकिया तक की मात्रा में सेवन किया जा सकता है ।

निर्माता—यूनिकेम, लेबोरेटरीज, बम्बई ।

इटिसाइक्लीन
(**Eticyclin**)

औषधि--यह ईथिनिल इस्ट्रेडियोल (Ethinyl Oestradiol) की लिंगुएट (Linguet जीभ के नीचे रखने की टिकिया) है।

प्रयोग -रजोनिवृत्ति के दोष (Menopausal disturbances), मासिक स्राव का न होना (Amenorrhoea), गर्भाशय से रक्तस्राव (Functional Uterine Bleeing), अष्ठीला का कैन्सर (Prostatic Carcinoma), स्तन का कैन्सर (Mammary Carcinoma), प्रसव कराने के लिए (Induction of Labour) तथा स्तन्य की कमी (Supression of Lactation) में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१-२ लिंगुएट प्रतिदिन

निर्माता—सीबा (Ciba)।

टिप्पणी -१. इसी कम्पनी का ओवोसाइक्लीन (Ovocyclin) नाम से इस्ट्रेडियोल (Oestradiol) की टिकिया (Tablet) एवं एम्पूल (Ampoule) मिलते हैं। गुण प्रयोग एवं मात्रा इसी के समान।

२. इसी प्रकार की टिकिया शेरिंग (Schering) की प्राइमोल्यूटन (Primolutan) है।

३. डाइलोफार्म (Diloform)--बी०डी० एच० (B. D. H.) की इथिनिल इस्ट्रेडियोल (Ethinyl Oestradiol) की टिकिया (Tablet) है।

४. ल्यूटोफॉर्म (Lutoform) -बी० डी० एच० (B. D. H.) यह इथिस्टरोन [Ethisterone] की टिकिया है।

फीमेल कॉडियल 'आरपी'
(**Female Cordial 'Arpi'**)

औषधि-मिश्रण--

अशोक का त्वचा सत्व [Aquous Ext. from Asoka Bark]

अश्वगन्धा [Ashwagandha]
शतावरी [Satavari]
मुलेठी [Glycyrrhiza glabra]
लोध्र [Lodhra]
इक्स० हायोसायमस [Ext. Hyoscyamus)
पॉट ब्रोमाइड [Pot. Bromide]
क्लोरोफार्म [Chloroform as preservative]
ग्लिसरीन [Glycerin]
सुगन्धित सीरप [Flavoured Syrup]

प्रयोग—यह आयुर्वेदीय एवं एलोपैथिक औषधियों का उत्तम योग है अशोक का प्रयोग स्त्री-रोगों में, विशेषतः रक्त-प्रदर में प्राचीन काल से होता आया है। आज भी इसकी महत्ता है। यह डिम्ब ग्रन्थि [Ovary] तथा गर्भाशय [Uterus] को बल देता है। गर्भाशय के संकोच की शक्ति बढ़ाकर रक्तप्रदर में लाभ करता है तथा रक्तस्राव को पिट्यूटरी तथा अर्गट के समान बन्द कर देता है। अश्वगन्धा बल-वीर्य की वृद्धि करने वाला उत्तम टॉनिक है। शतावरी स्त्री-रोगों को दूर करती तथा दुग्धवर्धक है। अश्वगन्धा तथा शतावरी मन पर शामक प्रभाव डालते हैं। लोध्र श्वेत प्रदर दूर करता है। इक्स० हायोसायमस गर्भाशय के आकुञ्चन से उत्पन्न पीड़ा का शमन करता है। पॉट० ब्रोमायड मन पर शामक प्रभाव करता है। इस प्रकार यह औषधि स्त्री-रोगों श्वेतप्रदर, रक्तप्रदर, कष्टार्त्तव में लाभप्रद है। यह प्रजनन संस्थान का विशेषतः तथा सम्पूर्ण शरीर का सामान्यतः टॉनिक है।

मात्रा—१ से २ चाय चम्मच दिन में ३ बार जल अथवा दूध के साथ।

———

फ्लैजिल

(Flagyl)

औषधि-मिश्रण—यह मेट्रोनिडाजोल [Metronidazole] की टिकिया है। प्रत्येक में २०० या ४०० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—इसका मुख्य प्रयोग ट्राइकोमोनास वैजाइनैलिस [Trichomonas vaginalis] संक्रमणों में होता है। अतः इस संक्रमण से उत्पन्न श्वेतप्रदर [Leucorrhoea] में बहुत लाभ करती है। इसके अतिरिक्त अमीबिक अतिसार [Amoebic Desentery] में तथा जियार्डिया के संक्रमण [Giardiasis] में लाभ करती है।

मात्रा—श्वेत प्रदर में [ट्राइकोमोनास के संक्रमण में] २०० मिग्रा० दिन में ३ बार सात दिन तक देते हैं। पुरुष में संक्रमण होने पर भी इसी विधि से देना चाहिए। अमीबा के संक्रमण [Amoebiasis] में ४०० मिग्रा० दिन में ३ बार ५ दिन तक दें। जियार्डिया [Giardiasis] में २०० मिग्रा० दिन में ३ बार ५ दिन तक पर्याप्त है।

निर्माता—एम. बी. [M. &. B.]

फ्लैवोल्यूटन

(Flavolutan)

औषधि-मिश्रण—यह प्रोजेस्टरॉन [Progesterone] तथा विटामिन [Vitamin E] नामक औषधि का योग है।

प्रयोग—सेकेण्डरी एमेनोरिया [Secondary Amenorrhoea] गर्भाशय रक्तस्राव [Dysfunctional Uterine bleeding], अत्यार्त्तव [Menorrhagia], कष्टार्त्तव [Dysmenorrhoea], गर्भावस्था की विषमयता [Eclampsia], बंध्यापन [Sterility], सम्भावित गर्भस्राव

[Threatened Abortion], अधकपारी [Migraine] की उत्तम औषधि है ।

निर्माता—बोरिंगर नॉल [Boehringer Knoll]

———

ल्यूटोवेरिन
(Leutoverin)

औषधि-मिश्रण

अशोक त्वचा [Ashoka Bark]
अर्जुन त्वचा [Arjuna Bark]
दारुहरिद्रा [Daruharidra]
एक्सट्रैक्ट हाइड्रास्टिस लि० [Extract Hydrastis Liq.]
एक्सट्रैक्ट वैलेरियन लि० [Extract Valerian Liq.]
रेड सैण्डल उड [Red Sandal wood]
एक्सट्रैक्ट हायोसियामस [Extract Hyoscyamus Solid]
एक्सट्रैक्ट एलब्रोमा आगस्टा [Exrtact Albroma Augusta]
कैल्शियम ग्लिसरोफास [Calcium Glycerophos.]
लीवर एक्सट्रैक्ट [Liver Extract]
थाइरायड [Thyroid]
विटामिन 'बी' कम्प्लेक्स [Vitamin 'B' Complex]
पिट्यूटरी [Pituitary]
अलकोहल [Alcohol]

प्रयोग—यह सम्पूर्ण जरायु रोगों में प्रयुक्त होती है । अनियमित ऋतुस्राव [Irregular Menses], गर्भावस्था का रजःकृच्छ्र [Dysmenorrhoea during pregnancy], श्वेत प्रदर [Leucorrhoea] आदि में लाभ करती है ।

मात्रा—१ चम्मच की मात्रा में नित्य २ बार भोजन के उपरान्त देना चाहिये। चिकित्सक की राय से मात्रा में परिवर्तन किया जा सकता है

निर्माता—ड्रेगोन केमिकल, कलकत्ता।

लिक्विड मेनोरिन
(**Liq. Menorin**)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट अशोका [Extract Ashoka]

,, लोध्रा [Extract Lodhra]

टिंचर मिर्ह [Tinc. Myrrha]

एक्सट्रैक्ट गोखरू [Extract Gokharu]

पौटैशियम ब्रोमाइड [Potassium Bromide]

एक्सट्रैक्ट बेलाडोना [Extract Belladonna]

कैल्शियस साल्ट्स [Calcium Salts]

प्रयोग—अत्यधिक रक्तस्राव [Menorrhagia], रजःकृच्छ्र [Dysmenorrhoea], गर्भपात [Abortion], रजोलोप [Menopause] तथा श्वेत प्रदर [Leucorrhoea] में अच्छा काम करती है।

निर्माता—यूनीकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

ल्यूकोजीन
(**Lucozyn**)

औषधि-मिश्रण—

आयरन पाइराइट्स [Iron Pyrites]

रेड कोरल [Red Coral]

कैल्शियम फास्फेट [Calcium Phosphate]

एलोज [Aloes]
मिर्ह [Myrrha]
अशोका [Ashoka]
लोध्र [Lodhra]
विटामिन बी १ [Vitamin B_1] आदि के मेल से यह दवा तैयार होती है।

प्रयोग—यह मासिक धर्म की सारी बुराइयों को दूर करती है।

मात्रा—२ टिकिया की मात्रा में, नित्य २ से तीन बार तक सेवन करना चाहिये। दूध का प्रतिदिन सेवन करना अनिवार्य है। चिकित्सा समाप्त होने पर दूध छोड़ा जा सकता है।

निर्माता—इण्डस्ट्रियल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट लि०, बम्बई।

ल्यूटोसाइक्लिन
(Lutocyclin)

औषधि—ईथिस्टेरोन [Ethisterone] की ५ और २५ मि० ग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—प्राथमिक एवं द्वितीयक अनार्त्तव [Primary and Secondary Amenorrhoea], कष्टार्त्तव [Essential Dysmenorrhoea], मासिक पूर्व का तनाव [Premenstrual tension], बीच-बीच का रक्तस्राव [Intermenstrual Bleeding], रक्तप्रदर (Metropathia Haemorrhagica] एवं गर्भस्राव रोकने में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—सीबा (Ciba)।

टिप्पणी—इसकी इन्जेक्शन के लिए एम्प्यूल (Ampoule) भी मिलती है

ल्यूटोनेस्टिल

(Lutonestryl)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में एनाहाइड्रोक्सी प्रोजेस्टरान (Anhydroxy progesterone) तथा इथिनिल एस्ट्रेडियाल (Ethinyl Estradiol) रहता है।

प्रयोग—सेकेण्डरी अनार्त्तव (Secondary Amenorrhoea) में ४ गोली दिन भर में, Habitual Abortion में १ गोली दिन में एक बार ६ माह तक, Threatened Abotion में १ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—राउसेल (Roussel)

—o—

मिथर्जिन

(Methergin)

औषधि-मिश्रण—इसकी गोली में ·१२५ मि० ग्रा० (Methylero metrins Maleate) तथा एम्प्युल की प्रति मि० ली० में ·२ मि०ग्रा० रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग मुख्य रूप से प्रसव की तृतीयावस्था में प्यूअर-पैरियम (Puerperium), सिजरियन सेक्शन (Caesarian Section) अपूर्ण गर्भस्राव (Incomplete Abortion) तथा किसी भी कारण से उत्पन्न गर्भाशयिक रक्तस्राव में इसके प्रयोग से उत्तम लाभ होता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज।

माइकोस्टैटिन वैजाइनल

(Mycostatin Vaginal)

औषधि-मिश्रण—यह निस्टैटिन की टिकिया है।

प्रयोग—ल्यूकोरिया (Leucorrhoea) में लाभ के साथ प्रयुक्त की जाती है। योनि प्रक्षालन कर रात्रि में सोते समय तथा प्रातःकाल एक-एक टिकिया योनि में अधिक से अधिक अन्दर रखें। लाभ होने पर केवल रात्रि में रखें।

निर्माता—स्क्विब।

टिप्पणी—इसकी मुख द्वारा लेने के लिए टिकिया (Tablets) व पाउडर (Powder) भी आता है। चर्म रोगों के लिए मलहम (Ointment) आता है।

—०—

नव गाइनी कंसेण्ट्रेटेड

(Nava Gynae Conc.)

औषधि-मिश्रण—सराका बार्क (Saraca Bark)

लोध बार्क(Lodh Bark)

मोथा (Motha)

बर्बेरिस (Berberis)

वाईबर्नम (Viburnum)

निगिला सेटाइवा (Nigella Sativa)

उडफोर्डिया (Wood Fordia)

वाटर लीली (Water Lily)

कैल्शियम लैक्टेट (Calcium Lactate)

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

ईस्ट एक्सट्रैक्ट (Yeast Extract) आदि दवाओं के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह दवा अत्यधिक रक्तस्राव (Manorrhagia) तथा रजः कृच्छ्र (Dysmenorrhoea) रोग में बड़ी ही श्रेयस्कर है।

मात्रा—२० से ३० बूंद की मात्रा में दिन भर में तीन बार भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिए।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्युटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

--*--

नियोगायनर्जिन
(Neo-Gynergen)

औषधि-मिश्रण—

इसकी प्रत्येक गोली में ·२५ मि० ग्रा० अथवा ·१२५ मि० ग्रा० एर्गोमेट्रीन टार्टरेट (Ergometrine Tartrate) रहता है तथा प्रत्येक १ मि० लि० के एम्पुल में इतनी ही औषधि रहती है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग मेथर्जिन के समान प्रसवोत्तर रक्तस्राव, अपूर्ण गर्भस्राव, अति मासिक तथा अनियमित मासिक स्राव इत्यादि विकारों में होता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैण्ड।

नियो क्लाइनेस्ट्रॉल
(Neo-Clinestrol)

औषधि-मिश्रण—

यह कम विषाक्त लक्षणों का ईस्ट्रोजेन (Oestrogen) का उत्तम योग है।

प्रयोग—इसका प्रयोग मुख्यरूपेण मासिक विकार, मेनोपोजल विकार, अनार्त्तव-कष्टार्त्तव, प्रोस्टेट का कैन्सर, अधिक रक्तस्राव इत्यादि अवस्थाओं में होता है।

मात्रा—१ से २ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज, बम्बई।

नोरा साईक्लिन—२२

(Noracyclin-22)

औषधि-मिश्रण—

लाइनेस्ट्रीनॉल (Lynestrenol)

मेस्ट्रेनॉल (Mestranol)

प्रयोग—कष्टार्त्तव (Dysmenorrhoea) इण्डोमेट्राइटिस (Endometritis) तथा फंक्शनल स्टेरिलिटी (Functional Sterility) में लाभदायक है।

मात्रा—मासिक धर्म के प्रारम्भ के चौथे दिन से प्रतिदिन १ टिकिया बाईस दिन तक प्रतिमास।

निर्माता—सीबा फार्मा।

टिप्पणी—इसी प्रकार का गाइनोवलर-२१ (Gynovlar-21) और एनोवलर-२१ (Anovlar-21) शेरिंग (Schering) का आता है।

प्रेग्निडॉक्सिन

(Pregnidoxin)

औषधि-मिश्रण—

मीक्लोजीन हाइड्रोक्लोर (Meclozine Hcl.)

पाइरिडॉक्सिन (Pyridoxin)

कैफीन (Caffeine)

प्रयोग—सगर्भा के वमन तथा अन्य प्रकार के वमन में लाभदायक है।

मात्रा—१ टिकिया रात को आवश्यकता होने पर १ टिकिया प्रातःकाल।

निर्माता—यूनि यू सी बी (Uni-U. C. B.)

—*—

एस० वी० सी०

(S. V. C.)

औषधि-मिश्रण—३-एसिटैमिडो-४-हाइड्राक्सीफेनिलार्सोनिक एसिड (3-acitamido-4 hydroxyphenylarsonic acid)।

कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrates)

प्रयोग—अपत्यमार्ग (Vagina) के अनेक उपसर्गों तथा तज्जन्य श्वेत प्रदर (Leucorrhoea) में लाभ करती है। तत्रस्थ क्षतों को भी ठीक करती है।

मात्रा—सैलाइन अथवा सोडाबाईकार्ब के विलियन से योनि प्रक्षालन कर एक टिकिया अधिक से अधिक अन्दर की ओर रख दी जाती है। प्रारम्भ में प्रतिदिन दो तीन बार, बाद में केवल एक बार, तत्पश्चात १ दिन या २ दिन छोड़कर।

निर्माता—मे एण्ड बेकर लि०।

———

टेलसुटिन
(Talsutin)

औषधि-मिश्रण—

टेट्रासाइक्लीन (Tetracycline)

एम्फोटरिसिन बी (Amphotericin B)

प्रयोग—योनि के कैण्डिडा (Candida), ट्राइकोमोनास (Trichomonas) तथा मिश्रित संक्रमणों (Mixed infections) में लाभदायक है।

मात्रा एवं प्रयोग-विधि—१ टिकिया योनि में जितना अन्दर हो सके दिन में १ या २ बार दो सप्ताह तक रखें।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

यूटेरन
(Uteron)

औषधि-मिश्रण—

अशोका (Ashoka)

वाइबर्नम प्रूनिफोलियम (Viburnum Prunifollium)

ब्रोमाइड्स (Bromides)

हायोसियामस (Hyoscyamus)

एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग—इसका प्रयोग जरायु सम्बन्धी रोगों पर विशेषकर होता है जिनमें रजःकृछ्र (Dysmenorrhoea), अत्यधिक रक्तस्राव (Menorrhagia) तथा गर्भस्राव प्रमुख हैं।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में थोड़े जल के साथ नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

यूनी-प्रोजेस्टिन
(Uni-Progestin)

औषधि-मिश्रण—

इसमें प्रोजेस्ट्रान २५ मि० ग्राम।

विटामिन ई एसीटेट ३० मि० ग्राम।

प्रयोग—इसका प्रयोग स्त्रियों में होने वाले समस्त मासिक विकारों, जैसे अनार्त्तव, कष्टार्त्तव, मासिक रक्ताधिक्य, अनियमित मासिक स्राव, बन्ध्यता, अपूर्ण गर्भस्राव इत्यादि विकारों में उत्तम लाभ देता है।

मात्रा—१ से २ सी० सी० इण्ट्रामस्कुलर चिकित्सक के मतानुसार सूचीवेध करना चाहिये।

निर्माता--यूनिकैम लेबोरेटरीज, बम्बई।

—*—

विटा-अशोका-कार्डियल
(Vita-Ashoka-Cordial)

औषधि-मिश्रण--

अशोका (Ashoka)

वासक (Vasaka)

अर्जुन (Arjun)

बर्बेरिस एशियाटिका (Berberis Asiatica)

रेड सैण्डल उड (Red Sandal Wood)

ईस्ट एक्सट्रैक्ट (Yeast Extract)

विटामिन 'बी' कम्प्लेक्स (Vitamin 'B' Complex)

प्रयोग--मासिक या अधिक रक्तस्राव होने (Excessive Menstrual Bleeding) तथा मासिक में कष्ट (Painful Menstruation) होने पर इसे देना चाहिये। यह जरायु विकारों के लिये टॉनिक का कार्य करती है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल के साथ नित्य २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिये ।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता ।

—०—

वोल्डिस
(Voldys)

औषधि-मिश्रण—

मेजेस्ट्रॉल एसीटेट (Megestrol Acetate)

इथिनिलईस्ट्रेडियाल (Ethinylestradiol)

मात्रा एवं प्रयोग-विधि-परसिस्टेण्ट फंक्शनल ब्लीडिंग (Persistent Functional Bleeding)--गर्भाशय से सतत रक्तस्राव होने की अवस्था में १ टिकिया दिन में ३ बार भोजन, जलपान के बाद ७ दिन तक दें। दवा रोकने पर पुनः रक्तस्राव होगा। रक्तस्राव शुरू होने के पाँचवें दिन से १ टिकिया प्रतिदिन २१ दिन तक दें। पुनः रक्तस्राव होने पर २१ दिन तक दें। इस प्रकार ३ से ६ बार औषधि-प्रयोग करावें।

२. इण्डोमेट्रियोसिस (Endometriosis)—१ टिकिया प्रतिदिन ७ दिन तक, तदुपरान्त १ या २ टिकिया प्रतिदिन २ सप्ताह तक। इसके बाद १ टिकिया दिन में चार बार छः माह तक देनी चाहिये। यदि लाभ हो जाय तो औषधि बन्द कर दें अन्यथा छः माह और चलावें। चिकित्सा छः माह से कम नहीं होनी चाहिये।

३. क्रियात्मक वन्ध्यता (Functional sterility)-प्रत्येक मासिक के पाँचवें दिन से २५ वें दिन तक २१ दिन तक प्रतिमास १ टिकिया ३ से ६ मास तक दें।

४. अल्पार्तव बहुआर्तव (Oligomenorrhoea and Polymenorrhcea)—मासिक के पाँचवें दिन से पचीसवें दिन तक प्रतिदिन १ टिकिया दें। इस प्रकार ३ से ६ माह तक दें।

५- गौण अनार्तव (Secondary amenorrhoea) तथा रजोनिवृत्तिकालोत्तर संलक्षण (Post Menopausal Syndrome) उपर्युक्त ३ व ४ के अनुसार औषधि प्रयोग करें।

६. आर्तव स्थगन (Postponement of menstruation)—यदि आर्तव किसी कारण से स्थगित करना हो तो आर्तवकाल से ७ दिन पहिले से प्रतिदिन १ टिकिया तब तक दें जब तक स्थगित करना हो। अथवा आर्तव के ३-४ दिन पहिले से २ टिकिया प्रतिदिन दें।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo laboratories)

—o—

अध्याय ९

बाल रोगों की औषधियाँ
तथा
बच्चों के भोजन

बच्चों की पेटेण्ट औषधियों में ग्राइप मिक्श्चरों का प्रयोग काफी होने लगा है। इन मिक्श्चरों में मूलतः कोई विशेष अन्तर नहीं होता। इसमें पेट की अम्लता कम करने के लिए कुछ क्षारीय तत्व सोडा-बाईकार्ब-(Seda-Bi-carb) आदि तथा कुछ वातानुलोमक (Carminative) तत्व होते हैं। इसका प्रयोग बच्चों के पतले दस्तों में होता है। दूसरे योग जो केवल बच्चों के लिये होते हैं वे कुकुरखाँसी (Whooping Cough), सुखण्डी (Rickets), रोहिणी (Diphtheria), आदि रोगों के लिए तथा विटामिन आदि से युक्त पौष्टिक बिन्दु हैं। सुखण्डी (Rickets) में विशेषतः विटामिन डी और कैल्शियम का प्रयोग होता है। अतः इसके लिए तथा पौष्टिक बिन्दुओं के लिए 'विटामिन एवं टानिक' का अध्याय द्रष्टव्य है। लाइसीन युक्त पोषक बिन्दु बच्चों को मोटा करने तथा भूख बढ़ाने के लिये उत्तम होते हैं। जीवाणु विरोधी औषधियों को उसी अध्याय में देखना चाहिये। वे रोग जो वयस्कों में भी होते हैं उनकी औषधियों की मात्रा बच्चों की आयु के अनुसार कम करके प्रयोग करनी चाहिये। इसके अतिरिक्त भी जो औषधियाँ केवल बच्चों के लिए बनायी जाती हैं, उन्हें इसी अध्याय में दिया जा रहा है।

——

बालकामृत

[Balakamrit]

औषधि मिश्रण—

फास्फेट ऑफ आयरन [Phosphate of Iron]

फास्फेट ऑफ केल्शियम (Phosphate of Calcium)

माल्ट एक्सट्रैक्ट [Malt Extract]

फास्फेट ऑफ पोटाश [Phosphate of Potash]

फास्फेट ऑफ सोडा [Phosphate of Soda]

प्रयोग—यह बच्चों की हड्डी को पुष्ट करता हुआ उन्हे शक्तिशाली बनाता है। बच्चों की कमजोरी, पीलापन और बाढ़ रुक जाने पर अच्छी दवा है। सुखण्डी [Rickets], रक्ताल्पता [Anaemia], वजन की कमी [Loss of weight], ताकत की कमी [Loss of Energy] आदि की यह सुन्दर दवा है।

मात्रा—१ से ६ वर्ष तक के बच्चों को $\frac{१}{४}$ से $\frac{१}{२}$ चम्मच तक, ६ से १२ वर्ष तक $\frac{१}{२}$ से १ चम्मच तक जल के साथ मिलाकर देना चाहिए। दिन में २ से ३ बार तक दे सकते हैं।

निर्माता--एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—o—

कैसिलन तथा कैसिलन बी$_{१२}$

[Casilan and Casilan B_{12}]

औषधि-मिश्रण--यह दुग्ध की प्रोटीन [Milk Protein] है।

प्रयोग--रुग्णावस्था एवं उसके बाद दुर्बलता की अवस्था में उत्तम पोषण है। रक्ताल्पता [Anaemia], जलने के बाद या हड्डी टूटने आदि की अवस्था में इसे देना चाहिए। रक्त में प्रोटीन की कमी [Hypoprotei-

naemia] में अत्यन्त लाभकर है। बिटामिन बी$_{१२}$ युक्त यह औषधि अधिक गुणयुक्त है।

प्रयोग विधि—दूध, पानी अथवा किसी भी द्रव में धीरे-धीरे हिलाकर घोल लें और उसका इच्छानुसार सेवन करें। किसी भी खाद्य पदार्थ के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता है।

निर्माता--ग्लैक्सो लेबोरेटरीज [Glaxo Laboratories]

—*—

कोसोम

[Cosome]

औषधि-मिश्रण-इसमें Racephedrin Hcl., Ethylmorphine Hcl., Liquid Extract Thyme., Spirit Chloroform इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग-इसका प्रयोग ब्रांकियल एज्मा, जीर्ण ब्रांकायटिस, कष्टदायक खाँसी, स्वरयन्त्र शोथ [Laryngitis], गलशोथ [Pharyngitis] तथा कुकुरखाँसी [Whooping Cough] में करते हैं।

मात्रा—½ से १ चम्मच दिन में कई बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता-ई मर्क कम्पनी [E. Merck Co. Germany]

—o—

डेटिगन

[Detigon]

प्रयोग-यह बच्चों की खाँसी के लिए बिन्दु [Drops] है।

मात्रा—बच्चों को ५ से १५ बूँद दिन में ३–४ बार। शिशुओं को ५ बूँद दिन में ३-४ बार तथा बड़ों को २०-३० बूँद दिन में ३-४ बार।

निर्माता – बायर (Bayer)।

—o—

फेरेक्स
(Farex)

औषधि-मिश्रण—
कार्बोहाइड्रेट [Carbohydrate]
प्रोटीन [Protein]
वसा (Fat)
खनिज लवण [Mineral Salts]
जलीयांश [Moisture]
लौह [Iron]
कैल्शियम (Calcium)
फॉस्फोरस (Phosphorous)
विटामिन डी$_{२}$ (Vitamin $D_{२}$)

प्रयोग—बच्चों को दूध के स्थान पर पिलाने का उत्तम पेय है। माता के दूध के अतिरिक्त भी इसे दिया जा सकता है। शिशुओं के लिए आवश्यक सभी तत्व इसमें हैं। बड़े बच्चों को ताकत के लिए इसे दूध में मिलाकर दे सकते हैं। इसकी मात्रा धीरे-धीरे आवश्यकतानुसार बढ़ानी चाहिए।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज [इण्डिया] प्राइवेट लि०।

—✽—

ग्लैक्सो
[Glaxo]

औषधि-मिश्रण—
वसा [Fat]
प्रोटीन [Protein]
कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate)
खनिज लवण [Mineral Salts]

साइट्रेट [Citrates]

जलीयांश (Moisture)

विटामिन डी [Vitamin D]

लौह (Iron)

प्रयोग—यह बच्चों को दूध के स्थान पर पिलाया जाता है। पाउडर रूप में आता है तथा जल में घोल कर पिलाने के लिए तैयार किया जाता है।

निमार्ता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज [इन्डिया] प्राइवेट लि०।

टिप्पणी—बच्चों के लिए अन्य डिब्बे बन्द दूध ये हैं।

१. ऑस्टर मिल्क (Ostermilk)—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज [Glaxo Laboratories]

२. अमूल [Amul]

३. ड्यूमेक्स बेबी फूड [Dumex Baby Food]

४. लैक्टोडेक्स [Lactodex]—रेप्टाकॉस।

५. प्रोमोलन (Promolan)—स्क्विब (Squibb)।

ग्राइप मिक्श्चर
(Gripe Mixture)

औषधि-मिश्रण—

सोडा साइट्रास [Soda Citras]

सोडा बाइकार्ब [Soda Bi-Carb]

लीकर कैल्सिस [Liq. Calcis]

एक्वा केरुई [Aqua Caruii]

,, अनेथी डिल (Aqua Anethi Dil)

,, अनीसी डिल [,, Anisi Dil]

,, क्लोरोफार्म डिल [,, Chloroform Dil]

सिरप सिम्प्लेक्स (Syrup simplex)
,, जिंजर (Syrup Ginger)

प्रयोग—बच्चों को नीरोग रखने तथा पुष्ट बनानेवाली यह बहुमूल्य दवा है। बच्चों के अम्लत्व (Acidity), उदराध्मान (Flatulence) तथा आंत्रिक व पाकाशयिक विकारों, हिचकी (Hiccough), ऐंठन (Convulsions), लगातार खाँसी, ठंढ और बलगम, दाँत निकलने के समय के पतले दस्त आने, कै आदि में बड़ी ही मुफीद दवा है।

मात्रा—१/२ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य दो बार थोड़े से दूध के साथ अथवा बिना दूध के ही सेवन करना चाहिये।

—*—

ग्रिपेरिन
(Griparin)

औषधि-मिश्रण—

सोडाबाईकार्ब (Soda-bi-carb)
सोडियम ब्रोमाइड (Sodium Bromide)
एक्वा अनेथी कान (Aqua Anethi Con)
आयल कैरवे (Oil Caraway)
टिंचर कार्मिनेटिव (Tr. Carminative)

प्रयोग—बचपन की अनेक प्रकार की व्याधियों के लिए लाभदायक है। इसका प्रयोग विशेषकर अजीर्ण रोग (Indigestion), उदराध्मान (Flatulence), अंत्रशूल (Colicy pain), पाकाशय का अम्लत्व (Acidity of the Stomach) आदि में होता है। दाँत निकलने के समय के कष्ट में भी बड़ा लाभ करता है।

मात्रा—१ माह से ६ माह तक के बच्चों को १/३ से १/२ चम्मच की मात्रा

में देना चाहिये तथा ६ माह से १ वर्ष तक के बच्चों को और उससे भी अधिक उम्र वालों को ½ से २ चम्मच की मात्रा में देना लाभप्रद है।

निर्माता--एलेम्बिक केमिकल वर्क्स लि०, बड़ौदा।

—०—

ग्रिपोसाइड़
(Gripocide)

औषधि-मिश्रण--प्यूसीडेनम ग्रेवियोलेन्स (Peucedanum Graveolens)

एपीयम ग्रेवियोलेन्स (Apium Graveolens)

केरम वल्बोकास्टेनम (Carum Bulbocastanum)

फोइनीक्यूलम केपीलेसियम (Foeniculum Capilaceum)

कोरिएण्ड्रम सेटाइवम (Coriandrum Sativum)

सोडियम बाइकार्बोनेट (Sodium Bicabonate)

सूक्रोज (Sucrose) आदि औषधियों के मेल से तैयार की जाती है।

प्रयोग—यह बच्चों के दस्त, पेट की ऐंठन के लिए बड़ी ही उपयुक्त दवा है।

मात्रा—पैदाइशी बच्चे को ३० बूंद की मात्रा में, १ से ६ माह के बच्चे को १ चम्मच, ६ माह से १ वर्ष तक के बच्चे को २ चम्मच, १ वर्ष से २ वर्ष तक के बच्चे को २ से ३ चम्मच की मात्रा में नित्य २ बार भोजन के उपरान्त देने चाहिये। इसे देने से पहले शीशी खूब हिला लेनी चाहिये।

निर्माता—नवरत्न फार्मास्युटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

ग्वानिमाईसिन
(Guanimycin)

औषधि-मिश्रण—

स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin)

सल्फाग्वानिडीन (Sulphaguanidine)

केओलीन (Kaolin)

प्रयोग—पाचन-संस्थान के संक्रमणों-बेसिलरी अतिसार (Bacillary Dysentery) आदि में शीघ्र लाभकर है।

मात्रा—१५ मि० लि० प्रति ३-४ घण्टे पर।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

टिप्पणी—ग्वानिमाइसिन फोर्ट (Guanimycin Forte) इससे अधिक संकेन्द्रित (Concentrated) औषधि है।

—*—

हेलीबोरेन्ज
(Haliborange)

औषधि-मिश्रण—यह विटामिन ए०, डी०, (कैल्सीफेराल) तथा विटामिन सी का सन्तरे के शर्बत में उत्तम योग है।

प्रयोग—बच्चों के शरीर बिकास में कमी, दाँत का देर से जमना, रिकेट्स स्कर्वी तथा अन्य विटामिन की कमी वाले रोगों में टाँनिक रूप में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—½–१ चम्मच दिन में २ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

———

इनक्रिमिन ड्राप
(Incrimin Drops)

औषधि--मिश्रण—

एल लाइसिन मोनोहाइड्रोक्लोर (L–Lysine Monohydrochloride)

विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी६ (Vitamin B_6)
सॉर्बिटॉल सोल्यूशन (Sorbitol Solution)
प्रोपिलपैराबेन (Propylparaben)
मैथिलपैराबिन (Methylparaben)

प्रयोग—यह उन बच्चों और शिशुओं के लिए लाभप्रद है, जिन्हें भूख कम लगती है और जो दुर्बल हैं तथा जिनका समुचित विकास नहीं हो रहा है। वृद्धों को भी यह लाभप्रद है।

मात्रा—शिशुओं (Infants) को १० से २० बूँद प्रतिदिन दूध, फलों के रस अथवा अन्य पेयों के साथ। २ वर्ष से बड़े बच्चों को २० बूँद प्रतिदिन।

औषधि-प्रयोग की अन्तिम तिथि (Expiration Date)—निर्माण की तिथि से १½ वर्ष तक।

निर्माता—लेडरली (Lederle)

टिप्पणी—लौह युक्त इन्क्रिमिन विद आयरन सिरप (Incrimin with Iron Syrup) भी मिलती है।

—*—

इण्टेस्टोपान

(Intestopan)

औषधि-मिश्रण—इसमें २०० मि० ग्रा० ब्रोक्सी क्विनोलीन (Broxy-quinoline) और ४० मिग्रा० ब्रोवेन्जोक्सैलिडीन (Brovenzoxalidine) रहता है।

प्रयोग—औपसर्गिक अतिसार, बच्चों को हरा दस्त, समर डायरिया, बैसिलरी अतिसार, जियारडिएसिस, एमेबिक डिसेण्ट्री, गैस्ट्रोइण्टेयटिस, इण्टेरायटिस, मोनीलिएसिस इत्यादि रोगों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—½-१ गोली बच्चों को ।

१-२ ,, युवक को दिन में २ बार देते हैं ।

निर्माता—सैण्डोज (Sandoz)

केओपेक्ट
(Keopect)

औषधि-मिश्रण--

लाइटकेओलिन (Light kaolin)

पेक्टिन (Pectin)

प्रयोग—यह औषधि विशेष रूप से बच्चों के लिए बनी है, परन्तु बड़ों में भी प्रयोग में लायी जा सकती है । अविशिष्ट प्रवाहिका (Non-specific diarrhoea), आमाशय और आन्त्र शोथ (Gastro-interitis), वृहदान्त्र शोथ (Colitis), आफारा युक्त अपचन (Fermentative dyspepsia), समर डायरिया (Summer diarrhoea) में लाभदायक है ।

मात्रा—१-२ चाय का चम्मच दिन में चार बार ।

निर्माता—कोप्रैन केमिकल (Kopran Chemical)

टिप्पणी—यह सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine) युक्त भी मिलता है जिसका नाम सल्फो केओपेक्ट (Sulfo Kaopect) है ।

लैक्टोडेक्स
(Lactodex)

औषधि-मिश्रण—इसमें Whole Milk तथा Skimmed Milk Powder, माल्टोडेक्सट्रीन (Maltodextrine), पायरीडोक्सीन हायड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.) विटामिन सी०, विटामिन ए० तथा कैल्सिफेराल (Calciferol) होता है ।

प्रयोग—जिन माताओं को दूध नहीं होता अथवा विकृत दूध होता है उनके बच्चों में इसका व्यवहार करते हैं।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Reptakos Co.)

—*—

मेजोरल टेबलेट्स
(Mejoral Tablets)

औषधि—यह एसिड एसिटिल सैलिसिलास (Acid Acetyl Salicylas) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में १०० मिग्रा० औषधि रहती है। यह विशेष प्रकार की बनाई गई टिकिया बच्चों के लिए विशेष उपयोगी है।

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की पीड़ा, फ्लू आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—बच्चों को आयु के अनुसार।

—*—

परटूसॉल 'जी'
(Pertusol 'G')

औषधि-मिश्रण—

कैल्सियम हाइपोफास (Calcium Hypophos)

सोडियम बेन्जोएट (Sodi. Benzoate)

एक्सट्रैक्ट वासक (Ext. Vasaka)

,, ग्लिसराइजा (,, Glycyrrhizae)

,, तुलसी (,, Tulsi)

,, एफिड्रा (,, Ephedra)

,, यूरेरिया (,, Uraria)

,, सोलानम (,, Solanum)

पोटेशियम गुएकोल सल्फोनेट (Pot. Guaiacol Sulphonate)

टर्पीन हाइड्रेट (Terpine Hydrate)

यूकेलिप्टल (Eucalyptol)

ग्लिसरीन मेन्थाल एट थाइमोलिस (Glycerin Menthol et Thymolis)

प्रयोग—कुकुरखाँसी तथा हर प्रकार के कफ, वायुनली प्रदाह (Bronchitis) तथा गले के घाव (Sore throat) आदि में लाभदायक है।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्युटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

पिपटल-पिडियैट्रिक
(Piptal Pediatric)

औषधि-मिश्रण—

एसीटामिनोफेन (Acetaminophen)

फीनोबार्बीटल (Phenobarbital)

पाइपेनोलेट मैथिल ब्रोमायड (Pipanolate Methyl bromide)

प्रयोग—बच्चों के पेट दर्द, अन्य प्रकार के दर्द तथा ज्वर को कम करने की औषधि है। बच्चों के रोने-चिल्लाने को कम कर नींद लाती है।

मात्रा—५ से १५ बूँद।

निर्माता—कीमो फार्मालेबोरेटरीज लि०।

प्रोमोलान

(Promolan)

औषधि-मिश्रण—यह प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट (Protein, Carbohydrate) की पर्याप्त मात्रा से युक्त दूध पाउडर है।

प्रयोग—जिन माताओं को विकृत दूध या दूध का अभाव रहता है। उनके बच्चों में इसका प्रयोग करते हैं।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

सायोजायड सिरप

(Siozide Syrup)

औषधि-मिश्रण—

सीटिल पाइरिडिनियम क्लोराइड (Cetyl Pyridinium Chloride)
टर्पीन हाइड्रेट (Terpene Hydrate)
सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)
साइट्रिक एसिड (Citric Acid)
ग्लिसरीन (Glycerine)
आई० एन० एच० (I. N. H.)
विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)
विटामिन सी (Vitamin C)

प्रयोग—यह कुक्कुर खाँसी में लाभ करती है।

मात्रा—$\frac{1}{2}$ चम्मच दिन में २ से ३ बार तक अवस्थानुसार।

निर्माता—एलबर्ट डेविड लि०।

सिरप परटुसाल

(**Syrup Pertusol**)

औषधि-मिश्रण—

यूरेरिया लेगेपापोयड्स (Uraria Lagapoids)

सोलानम इण्डिकम (Salanum Indicum)

प्रेमना स्पिनोसा (Premna Spinosa)

एफ्रेड्रा वल्गेरिस (Ephedra Vulgaris)

सिरप अजवायन(Syrup Ajowan)

सिरप वासक (Syrup Vasaka)

प्रयोग—यह कुक्कुर खाँसी (Whooping Cough) की श्रेष्ठ दवा है। नये तथा पुराने वायुनली-प्रदाह (Bronchitis) में लाभदायक है।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में बराबर मात्रा के जल के साथ दिन में ३–४ बार।

निर्माता—नवरत्न फार्मास्युटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

—o—

स्ट्रेप्टोगुइन

(**Streptoguin**)

औषधि-मिश्रण—

स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin)

सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine)

सक्सीनिलसल्फाथिजाजॉल (Succinylsulphathiazol)

केओलिन (Kaolin)

प्रयोग—अतिसार में लाभदायक है। यह शीशी में चूर्ण रूप में आता है। इसमें उबला हुआ ठण्डा जल मिलाकर घोल बना लिया जाता है। शीशी की गरदन तक द्रव भरना चाहिये।

मात्रा--२ बड़े चम्मचभर प्रति ४ घण्टे पर, बच्चों को १–२ चाय चम्मच भर।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स [Dey's Medical Stores]

—o—

सिरप परटूसिस

[Syrup Pertussis]

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट वेलीरियनडियोडोराइज्ड [Ext. Valerian Deodorized]

क्लोरल हाइड्रेट [Chloral Hydrate]

पोटैशियम ब्रोमाइड [Potassium Bromide]

एमोन कार्बोनेट [Ammon Carbonate]

एमीनोफाइलीन [Aminophylline]

निकेथेमाइड [Nikethamide]

सिरप ओरण्टी [Syrup Auranti]

प्रयोग—यह कुक्कुर खाँसी [Whooping Cough] की अच्छी दवा है।

मात्रा--६ महीने से १ वर्ष के बच्चों को २ चम्मच [छोटा] सिरप थोड़े से जल के साथ मिलाकर हर ३ घण्टे पर देना चाहिए। २ वर्ष से ४ वर्ष के बच्चों को यह सिरप २ चम्मच की मात्रा में सुबह, दोपहर और शाम को देना चाहिए। ४ वर्ष से १२ वर्ष के बच्चों को १ चम्मच [बड़ा] सुबह, दोपहर और रात में देना चाहिए।

निर्माता—दी एंग्लोफ्रेंच ड्रग कं०, बम्बई।

———

अध्याय १०

आँख, कान, नाक की औषधियाँ

इस प्रकार की औषधियों का स्थानीय प्रभाव होता है। आँख आने [Conjunctivitis] तथा रोहुआ [Tarchoma] के लिए आँख में तथा कान की पीड़ा और कान बहने के लिए कान में दवा छोड़ी जाती है। नाक में प्रायः सर्दी-जुकाम में तथा तज्जन्य सिर के भारीपन को दूर करने के लिए दवा छोड़ी जाती है जो साधारणतः थोड़े समय के लिए आराम पहुँचाती है। नाक में छोड़ने की दवाओं में इफेड्रीन व एड्रीनैलीन प्रायः रहती हैं जिनका प्रधान कार्य कंजेशन [Congestion] को दूर कर कर स्राव सुखाना तथा श्वास-मार्ग के अवरोध को दूर करना है। इसमें क्लोरब्युटॉल [Chlor-butol] आदि जो पीड़ा का शमन करती, कुछ सुगन्धित एवं एण्टिसेप्टिक द्रव्य [Menthol आदि] तथा नाक को एकदम शुष्क होने से बचाने के लिए लिक्विड पैरफीन [Liquid Paraffin] जैसे द्रव्य रहते हैं। परन्तु कान तथा आँख की औषधियों में आधुनिक जीवाणु विरोधी तथा कॉर्टिजोन श्रेणी की औषधियों ने क्रांति उत्पन्न कर दी है। तथापि अब भी आँख में कुछ पुरानी औषधियों का प्रयोग होता आ रहा है, अतः उनमें से कुछ को यहाँ भी दिया जायगा

कॉर्टिजोन श्रेणी की औषधियाँ [कार्टिजोन, हाइड्रोकॉर्टिजोन, प्रेडनि-जोन, प्रेडनिजोलोन, डेक्सामीथाजोन, बीटामीथाजोन आदि] शोथ को शीघ्र कम कर पीड़ा को दूर करती हैं। इनके प्रयोग के कारण फुल्ली पड़ना कम हो गया है। जीवाणु विरोधी औषधियाँ [सल्फोनेमाइड, पेनिसिलीन, क्लोरोमाइसिटीन तथा टेट्रासाइक्लीन] शीघ्रता से जीवाणुओं को समाप्त कर रोग शान्त कर देती हैं। इनसे कोई प्रतिक्रिया अथवा पीड़ा भी नहीं होती।

कान के लिए सल्फोनेमाइड, क्लोरोमाइसिटीन एवं टेट्रासाइक्लीन का विशेष प्रयोग होता है। इन सभी औषधियों का स्वरूप बूंद अथवा मलहम का होता है।

—०—

एलबूसिड आइ ड्राप्स
(Albucid Eye Drops)

औषधि—यह सल्फासीटामाइड (Sulphacetamide के १०%, २०% और ३०% बूंद हैं।

प्रयोग—तीव्र नेत्रकलाशोथ (Acute conjunctivitis), कॉर्नियल अल्सर (Corneal ulcer), नवजात का चक्षुशोथ (Ophthalmia neonatorum), रोहा (Trachoma), व्रणी पक्ष्मशोथ (Ulcerative blepharitis), डैक्रोसिस्टाइटिस (Dacrocystitis), तथा बिलनी (Stye) में लाभकर है। शस्त्रकर्म के पूर्व तथा पश्चात् तथा चक्षु की चोटों में भी प्रयोग में लाते हैं।

प्रयोग—१-२ बूँद दिन में ४ बार डालें।

निर्माता—इण्डियन शेरिंग लि० (Indian Schering limited)

———

आरपिमाइड
(Arpimide)

औषधि-मिश्रण—यह सल्फासीटामाइड (Sulphacetamide) का विलयन है। १०%, २०% तथा ३०% शक्ति का आता है।

प्रयोग—आँख आना (Conjunctivitis) पक्ष्म शोथ (Blepharitis) व आँख, कान के बाह्य संक्रमणों में लाभ करती है। कान, नाक आदि में ३०% शक्ति का प्रयोग करना चाहिए।

प्रयोग-विधि—२-३ बूँद दिन में ३-४ बार।

निर्माता—आरपी केमिकल इण्डस्ट्रीज, कासगंज (उ० प्र०)

—०—

आॅरिनॉल

औषधि-मिश्रण—

बेञ्जोकेन (Benzocaine)

फीनाजोन (Phenazone)

क्लोरब्युटॉल (Chlorbutol)

पॉट हाइड्राक्सीक्वीनोलीन सल्फ (Pot. Hydroxyquinoline Sulph)

ग्लिसरीन (Glycerin)

प्रयोग—कान के दर्द की अच्छी दवा है। एण्टिसेप्टिक, पीड़ाहर तथा सफाई कराने वाली औषधि है।

मात्रा—३–४ बूँद दिन में ३–४ बार।

निर्माता—मार्टिन एण्ड हैरिस (प्राइवेट लि०)।

बोना-फेड्रिन

(**Bena-Fedrin**)

औषधि-मिश्रण—

बिनैड्रिल (Benadryl)

इफेड्रिन हाइड्रोक्लोरायड (Ephedrine Hcl.)

क्लोरब्युटॉल (Chlorbutol)

मेन्थॉल (Menthol)

डेक्सट्रोज (Dextrose)

प्रयोग—नासा शोथ (Rhinitis) आदि में नाक के शोफ (नाक बन्द होने) और साँस लेने में कठिनाई होने पर नाक में २–४ बूँद छोड़ने पर लाभ होता है।

निर्माता—पार्क डेविस (Parke Davis)

—o—

बेटनीसॉल एवं बेटनीसॉल-एन आई-ईयर ड्राप्स

(Betnesol & Betnesol-N Eye-Ear Drops)

औषधि—यह बीटामीथाजोन (Betamethasone) का बिन्दु है। एन (N) में नियोमाइसिन भी मिली होती है।

प्रयोग—आँख में चोट के कारण (Inflammation Caused by trauma), जीवाणु से अथवा दाहक पदार्थों के कारण शोथ तथा कान के शोथ व पाक में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ बूँद प्रति २-३ घण्टे पर डालना चाहिए।

इसे ठण्डे और सूखे स्थान पर रखना चाहिए। ३० अंश से नीचे के तापक्रम पर यह १८ मास तक नहीं बिगड़ती है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

टिप्पणी १—उपर्युक्त नाम से इसका मलहम भी मिलता है। बेटनीसाल (Betnesol) नाम के बिन्दु (Nasal Drops) अलग मिलते हैं।

इन्जेक्शन देने के लिए बेटनीसाल इन्जेक्शन (Betnesol Injection)।

मौखिक प्रयोग (For Oral Use) के लिये बेटनीसाल टिकिया (Betnesol Tablet) मिलती है।

टिप्पणी २—कार्टिजोन श्रेणी की औषधियों से युक्त आँख, कान के मलहम तथा बूँद निम्नलिखित नामों से मिलते हैं :—

१. कार्टिजोन सीबा (Cortisone Ciba)—सीबा (Ciba)। आँख का मलहम इसमें कार्टिजोन एसीटेट रहता है। कोई एण्टिबायोटिक नहीं रहता।

२. केनलॉग-एस आपथैलिमक आयण्टमेण्ट (Kenalog–S Ophthalmic Ointment)—स्क्विब (Squibb)। इसमें ट्रायमसिनोलोन एसिटोनाइड (Triamcenolone Acetonide), नियोमाइसिन

(Neomycin) तथा ग्रैमिसिडिन (Gramicidin) मिला है। आँख में लगाने के लिए है।

३. फ्लोरिनेफ एस आपथैल्मिक आयण्टमेण्ट (Florinef-S Ophthalmic Ointment)—स्क्विब (Squibb)। इसमें फ्लूड्रो कार्टिजोन एसिटेट (Fludrocortisone Acetete), नियोमाइसिन (Neomycin) और ग्रैमिसिडिन (Gramicidin) है। आँख में लगाने के लिए आता है।

४. कैम्बिसन आइ आयण्टमेण्ट (Cambison Eye Ointment)—में प्रेडनिजोलोन (Prednisolone) के साथ नियोमाइसिन (Neomycin) और सरफेन (Surfen) मिला होता है।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

सीटाकार्ट आई ईयर ड्रॉप्स
(Cetacort Eye-Ear Drops)

औषधि-मिश्रण—

प्रेडनिजोलोन एसीटेट (Prednisolone Acetate)

सोडियम सल्फासीटामाइड (Sodium Sulphacetamide)

प्रयोग—आँख कान के संक्रमण में लाभदायक है। आँख में १-२ बूंद तथा कान में १-२ बूंद प्रति २-२ घण्टे पर टपकाना चाहिये। लाभ होने पर अधिक समय पर टपकावें।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

कैटाजॉल
(Catazol)

औषधि-मिश्रण—

फेनिलेफ्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Phenylephrine Hydrochloride)

नेफाजोलीन नाइट्रेट (Nephazoline Nitrate)

क्लोरब्युटॉल (Chlorbutol)

प्रयोग—सर्दी, जुकाम, इन्फ्लुएन्ज़ा आदि में नाक बहने पर प्रयोग करते हैं। नाक में कुछ बूँद दिन में अनेक बार डालते हैं।

क्लोरोमाइसेटिन-हाइड्रोकार्टिजोन आफ्थैल्मिक आयन्टमेन्ट (Chloromycetin Hydrocortisone Ophthalmic Ointment)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरोमाइसेटिन (Chloromyectin)

हाइड्रोकॉर्टिजोन (Hydrocortisone)

प्रयोग—आँख आने में लाभ करता है तथा फुल्ली पड़ने से बचाता है।

मात्रा—रोग के अनुसार दिन में दो से ८-१० बार तक।

निर्माता—पार्क डेविस (इण्डिया) लि०।

टिप्पणी—क्लोरोमाइसेटिन आफ्थैल्मिक आयण्टमेण्ट (Chloromycetin Ophthalmic Ointment) बिना हाइड्रोकार्टिजोन के भी मिलता है।

क्लोरोमाइसेटिन ईयर ड्राप्स (Chloromycetin Ear Drops)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरोमाइसेटिन (Chloromycetin)

बेन्जोकेन (Benzocaine)

प्रोपिलीन ग्लाइकॉल (Propyline Glycol)

प्रयोग—कान बहना मध्यकर्णपाक आदि में लाभ करता है।

मात्रा—कान साफ़ कर २-४ बूँद दिन में ३-४ बार।

निर्माता—पार्क डेविस (इण्डिया) लि० ।

कैम्फेड्रीन
(Csmphedrene)

औषधि-मिश्रण—

मेन्थाल (Menthol)

कैम्फर (Camphor)

यूकेलिप्टॉल विथ इफेड्रीन (Eucalyptol with Ephedrine)

प्रयोग—सर्दी से तुरन्त बचाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। इसके प्रयोग से शीत का प्रकोप बढ़ने नहीं पाता और क्रमशः रोग फुरसत पाने लगता है। दमा (Asthma), हे फीवर (Hay-fever), श्वसनी शोथ (Bronchitis) आदि रोगों में भी लाभप्रद है।

मात्रा—४ से ६ बूँद नाक में ड्रापर से छोड़ना चाहिए। इस समय रोगी का सिर पीछे की ओर झुका रहना चाहिए ताकि दवा नाक के छिद्र द्वारा भीतर चली जाय। इस प्रकार हर तीन घण्टे पर करना चाहिए।

निर्माता ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

कैराकसॉल
(Caracsol)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम आयोडाइड (Sodium Iodide)

मोनोबेसिक कैल्सियम फास्फेट (Monobasic Calcium Phosphate)

प्रयोग—बनते हुए मोतियाबिन्द को आगे बनने से रोकता है और कभी-कभी ठीक भी कर देता है।

मात्रा—१-१ बूँद दिन में ३-४ बार आँख में डालें। प्रयोग अवधि ३ से ६ माह।

सावधानो—आँखों में किसी प्रकार के शोथ (Inflammation) की अवस्था में प्रयोग न करें।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—०—

केटाजोल सी

(Cotazol C)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरबुटाल (Chlorbutol)

कैम्फर (Camphor)

यूकेलिप्टोल (Eucalyptol)

मेन्थाल (Menthol)

आयल सिनेमन

लिक्विड पैराफीन (Liq. Paraffin)

प्रयोग—सिर को पीछे को ओर झुकाकर दोनों नाक में २ बूँद दवा छोड़नी चाहिए। इसके प्रयोग से नासा प्रदाह (Rhinitis), माथे की सर्दी (Coryza); नाक की सर्दी (Nasal catarrh) आदि रोग दूर हो जाते हैं।

मात्रा—२-२ बूँद दोनों नासा छिद्रों में दिन में ३-४ बार।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

सीबाजॉल आई आयण्टमेण्ट

(Cibazol Eye Ointment)

औषधि-मिश्रण—यह सिबाजाल (Cibazol) से ही तैयार की जाती है।

प्रयोग—नये तथा पुराने हर प्रकार के चक्षु रोगों में लाभप्रद है। सुजाक के कारण भी यदि नेत्रों में कोई खराबी आ गयी हो तो इससे अवश्य लाभ होगा। आपरेशन के बाद भी इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—थोड़ी-सी मात्रा में आँख में इसको दिन भर में १ या २ बार प्रयोग में लाना चाहिये। चोट, घाव आदि पर लगाने के लिए भी इसका मलहम पृथक् आता है।

निर्माता—सीबा फार्मा लिमिटेड, बम्बई।

कोलिरियम
(Collyrium)

औषधि-मिश्रण—

बोरिक एसिड (Boric acid)

बोरैक्स (Borax)

एण्टीपायरिन (Antipyrine)

प्रयोग—नेत्रों की खुजली को दूर करती है। नेत्र-विकारों की अच्छी दवा है।

मात्रा—आँख में छोड़ने वाली छोटी रंगीन प्याली ले लीजिए। उसमें आधी प्याली दवा भरकर आँखा में एकदम सटाकर उड़ेल दीजिए। ध्यान रहे कि उस समय सिर पीछे की ओर झुका रहना चाहिए ताकि दवा आँख में चली जाय, बाहर न गिरे, प्याली लगी रहने दीजिए और आँख खोलकर उसी में ध्यान से देखने की कोशिश करिये। ऐसा करने से लोशन से आँख एकदम भींग जायगी। इसके बाद इस लोशन के अतिरिक्त इस दवा की (Eye Drops) दो तीन बूँदें ड्रापर से आँख में छोड़िए। बहुत सुन्दर कार्य करेगी।

निर्माता—जॉन वीथ एण्ड ब्रदर्स लिमिटेड, बम्बई।

सिलोप्रीन
(Ciloprine)

औषधि-मिश्रण—यह डाइ एमीनो-डाइ फीनायल सल्फोन सोडियम साल्ट (Di-amino-diphenyl sulphone sodium salt) तथा एन-

एन डाइहाईड्रोक्सी मेथाइल कार्बेमाइड (N.N dihydroxy methyl carbamide) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह कर्ण रोग की महौषधि है।

निर्माता—सिलांग लिमिटेड, स्विट्जरलैंड।

—:०:—

कॉर्टोला
(Cortola)

औषधि-मिश्रण—

सल्फासीटामाइड सोडियम (Sulphacetamide Sodium)

हाइड्रोकार्टिजोन (Hydrocortisone)

प्रयोग—आँख आना (Conjunctivitis) आदि आँख के रोगों, नासा शोथ एवं एलर्जी (Allergy) से उत्पन्न नाक के रोगों और चिरकारी कर्ण-स्रावों में लाभदायक है। आँख में १०% सल्फासीटामाइड सोडियम वाले बिन्दु या मलहम का प्रयोग होता है तथा कान और नाक में ३०% वाले बिन्दुओं का प्रयोग होता है।

निर्माता—ईस्ट इण्डिया फार्मास्युटिकल वर्क्स (East-India Pharmaceutical works)

———

इफकार्लिन नियोमाइसिन आई ईयर आयण्टमेण्ट
(Ifcorlin Neomycin Eye-Ear Oint.)

औषधि-मिश्रण—

हाइड्रोकार्टिजोन एसीटेट (Hydrocortisone Acetate)

नियोमाइसिन (Neomycin)

प्रयोग—आँख आना (Conjunctivitis), आँख के व्रण (Corneal ulcers), पलकों का जलना अथवा शोथ (Blepharitis), आपरेशन

के पश्चात् स्कार बनने से बचाने के लिए इसका प्रयोग होता है। कान बहने में लाभ करता तथा शोथजन्य पीड़ा दूर करता है।

यह मलहम तथा बूँद के रूप में कान तथा आँख के लिए मिलता है।

मात्रा—१-१ बूँद प्रति घण्टे अथवा दो घण्टे पर। मलहम प्रति तीन-चार घण्टे पर।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

टिप्पणी—नाक में डालने के बूँद इफकार्लिन नेजल ड्राप (Efcorlin Nasal Drops) तथा बिना नियोमाइसिन के भी आँख और त्वचा के मलहम (Ointments) मिलते हैं।

एण्ड्रीन

(**Endrine**)

औषधि-मिश्रण—इफेड्रीन (Ephedrine)
मेन्थाल (Menthol)
कैम्फर (Camphor)
युकेलिप्टॉल (Eucalyptol)
ओलियम रिसिनी (Oleum Recini)
लिक्विड पैराफीन (Lquid Paraffin)

प्रयोग-सिर दर्द (Headache), नासा प्रदाह (Rhinitis), नली का घाव (Sinustis), हे-फीवर (Hay-Fever) आदि रोगों में मुफीद है।

मात्रा—४ से ६ बूँद की मात्रा में नाक में छोड़ना चाहिये।

निर्माता—जान बेथ एण्ड ब्रदर्स, बम्बई।

ईण्टेरोमाईसेटिन ओटिक सॉल्यूशन

(Enteromycetin Otic Solution)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol)

प्रोपीलीन ग्लाइकॉल (Propylene glycol)

बेञ्जोकेन (Benzocaine)

प्रयोग—कान के संक्रमणों में प्रयोग किया जाता है। कान को रुई से पोंछकर १-३ बूंद औषधि टपका देनी चाहिये। कपड़े की बत्ती बनाकर और औषधि में भिगाकर भी कान के अन्दर रख सकते हैं।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

ईयरलिना

(Earlina)

औषधि-मिश्रण—

बोरिक एसिड (Boric Acid)

सल्फासीटामाइड (Sulphacetamide)

प्रोकेन हाइड्रोक्लोराइड (Procain Hydrochloride)

रिसोर्सिन (Resorcin)

ग्लिसिरीन (Glycerin)

प्रयोग—चिरकारी एवं तीव्र कर्णपाक (Chronic and acute otitis Externa or Otorrhcea) तथा कान की पीड़ा एवं स्राव युक्त अन्य अवस्थाएं।

मात्रा—कान को साफ कर २-३ बूंद दिन में दो बार डालें और रुई से कान बन्द कर दें।

निर्माता—जुपिटर केमिकल वर्क्स (Jupitar Chemical Works)

आइमाइड सिल्वर
(Eyemide Silver)

औषधि-मिश्रण—सल्फानिलेमाइड (Sulphanilamide)

सिल्वर प्रोटीनेट (Silver Proteinate)

प्रयोग—नेत्र रोगों की सुन्दर दवा है। सुजाकी चक्षु-प्रदाह (Gonorrhoeal Ophthalmia), ब्लेफराइटिस (Blepharitis) तथा अञ्जनी (Styes) में बहुत ही गुणकारी है। आइमाइड्स (Eyemides) कई प्रकार के हैं जो रोगानुसार प्रयोग में लाये जाते हैं। यथा—आइमाइड ड्राप्स (Eyemide Drops), आइमाइड एट्रोपीन (Eyemide Atropine), आइमाइड क्विनाइन (Eyemide Quinine), आइमाइड यलो (Eyemide yellow), आइमाइड रिजालमेण्ट आयण्टवेण्ट (Eyemide Resolvent Ointment), आइमाइड जीरोफार्म (Eyemide Xeroform) आदि।

जेण्टिसिन एच सी आइ-ईयर ड्राप्स
(Genticin HC Eye/Ear Drops)

औषधि-मिश्रण—

जेण्टामाइसिन सल्फेट (Gentamycin Sulphate)

हाइड्रोकॉर्टिजोन एसीटेट (Hydrocortisone acetate)

बेन्जाल्कोनियम क्लोराइड (Benzalkonium Chloride)

प्रयोग—चिरकारी चक्षुकलाशोथ (Chronic conjunctivitis), एलर्जिक चक्षुकलाशोथ (Allergic conjunctivitis), फ्लेक्टिनुलर चक्षुकलाशोथ (Phlyctinular conjunctivitis), वसन्त प्रदाह (Spring catarrh), स्क्वैमस पक्ष्मशोथ (Squamous blepharitis), केराटाइटिस (Keratitis), आँख में यांत्रिक या रासायनिक क्षति (Mechanical or Chemical injury to eye). प्रकाश चक्षुशोथ (Photophlalmia) तथा आँख पर शस्त्र-कर्म के बाद प्रयोग में लाते हैं।

बहिःकर्णशोथ (Otitis Externa), मध्यकर्ण शोथ (Otitis Media) क्षत तथा शस्त्रकर्म के पूर्व अथवा पश्चात् प्रतिषेधार्थ प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ से ४ बूँद दिन में ३-४ बार डालें। कान में डालने के पूर्व उसकी सफाई कर लें और बाद में रुई से बन्द कर दें।

निर्माता—इण्डियन शेरिंग लिमिटेड (Indian Schering Limited)

लॉक्यूला
(Locula)

औषधि-मिश्रण—यह सल्फासीटामाइड का विलयन है। १०%, २०% तथा ३०% शक्ति का आता है।

प्रयोग—आँख और कान के बाह्य संक्रमणों में लाभकर है। ३०% का प्रयोग कान में होता है।

मात्रा—२-३ बूँद दिन में ३-४ बार।

निर्माता—ईस्ट इण्डिया फार्मास्युटिकल वर्क्स।

नेरीजाल
(Naresol)

औषधि-मिश्रण—

इफेड्रीन (Ephedrine)

क्लोरबूटोल (Chlorbutol)

थाइम आयल (Thyme oil)

मेन्थाल (Menthol)

कैम्फर (Camphor)

लिक्विड पैराफीन (Liquid Paraffin)

प्रयोग—यह नाक में डालने की दवा है। नाक में रक्ताधिक्य (Nasal Congestion), माथे की सर्दी (Coryza), ठण्ड लगना (Colds),

नया या पुराना नासा-प्रदाह (Acute or Chronic Rhinitis), दमा (Asthma), हे फीवर (Hay Fever), स्वरभंग (Hoarseness), स्वरनली प्रदाह (Laryngitis), श्वास लेने में नाक से धूल आदि का प्रवेश हो जाना आदि में यह मुफीद है।

मात्रा—नाक को खूब साफ कर लेने के पश्चात् सिर को पीछे की ओर झुकाना चाहिये। तत्पश्चात् ४ से ६ बूँद नाक के प्रत्येक छेद में डालना चाहिए। इस प्रकार दिन में ३ बार किया जा सकता है।

निर्माता—एलेम्बिक, बड़ौदा।

—*—

नेसेप्टिन
(Naseptin)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरहेक्सिडीन हाइड्रोक्लोराइड (Chlorhexidine hydrochloride)

नीयोमाइसिन सल्फेट (Neomycin Sulphate)

जल विलेय आधार में (In water miscible base)

प्रयोग—बार-बार होने वाले फोड़े-फुन्सियों में इसका प्रयोग होता है। स्टैफिलोकोक्कस (Staphylococcus) नाक में घर जमाए रहता है जहाँ से संक्रमण अन्य स्थानों पर फैलता है। अतः इसकी एक रत्ती बराबर मात्र उँगली पर लेकर नाक के अन्दर लगा दी जाती है और दोनों ओर अन्दर तक लगाकर नाक दबा कर सर्वत्र फैला दी जाती है। यह मलहम ट्यूबों (Tubes) में मिलती है। १० दिन तक लगातार प्रयोग करना चाहिए।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)

———

नैसोल
(Nasol)

औषधि-मिश्रण—एड्रीनेलीन (Adrenaline)
इफेड्रीन (Ephedrine)
क्लोरिटन एक्वा (Chloreton Aqua)
एसेन्शियल आयल (Essential Oil)

प्रयोग—यह दवा नाक में छोड़ी जाती है। हे फीवर, ठण्ड लगना, दमा को अवस्थाओं में इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार होती है।

निर्माता—यूनीकेम लैबोरेटरीज, बम्बई।

—※—

नीबासल्फ
(Nebasulf)

औषधि-मिश्रण—
नियोमाइसिन (Neomycin)
बेसिट्रेसिन (Bacitracin)
सल्फानिलामाइड (Sulfanilamide)

प्रयोग—यह आँख आने तथा कान बहने में लाभदायक है। इनके लिए एक शीशी में दस मि०लि० आस्रुत जल आता है तथा दूसरी में पाउडर आता है। उपयोग के पूर्व दोनों को मिला लेते हैं। मिला लेने के बाद एक सप्ताह के अन्दर इसे काम में ले आना चाहिये।

मात्रा—१-२ बूँद दिन में कई बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

—※—

नियोस्पोरिन आई ड्राप्स
(Neosporin Eye Drops)

औषधि-मिश्रण—

पोलिमिक्सिन बी सल्फेट (Polymixin B Sulphate), नियोमाइसिन सल्फेट (Neomycin Sulphate), ग्रेमिसिडिन एन एफ (Gramicidin N F) ।

प्रयोग—आँख के बैक्टीरियाजन्य बाह्य संक्रमणों (External Bacterial infection of the eye) में लाभदायक है ।

मात्रा—१-२ बूँद दिन में २-४ बार आँख में डालें ।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome) ।

नियोस्पोरिन एच ईयर ड्राप्स
(Neosporin H Ear Drops)

औषधि-मिश्रण—

पोलिमिक्सिन बी सल्फेट (Polymixin B Sulphate), नियोमाइसिन सल्फेट (Neomycin Sulphate), हाइड्रोकार्टिन (Hydrocortin) ।

प्रयोग—बैक्टीरिया के संक्रमण से होने वाले बाह्य कर्णशोथ (Otitis externa due to bacterial infection) तथा अलर्जी (Allergy), तांत्रिकातन्त्र जन्य (Neurogenic) या सीबोरिक त्वक्शोथ में लाभकर है । कान के लिए कर्णशोथ आदि में भी प्रयोग कर सकते हैं ।

मात्रा—कान साफ करके २ बूँद दिन में ३-४ बार डालें ।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

आप्टासिड
(Optacid)

औषधि—यह सल्फासीटामाइड (Sulphacetamide) का घोल है। १०%, २०% और ३०% शक्ति का अलग-अलग मिलता है।

प्रयोग—आँख, कान और नाक में सल्फा औषधियों से ठीक होनेवाले संक्रमणों में लाभ करता है। सामान्यतः आँख में १० या २० प्रतिशत और कान-कान में ३० प्रतिशत घोल का प्रयोग होता है।

मात्रा—२-३ बूँद दिन में कई बार (३-४ बार) आवश्यकतानुसार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)।

आप्टाकार्ट आई ड्राप्स
(Optacort Eye Drops)

औषधि—यह १ प्रतिशत हाइड्रोकार्टिजोन (Hydrocortisone) का घोल है।

प्रयोग—पक्ष्मशोथ (Blepharitis), आँख आना (Conjunctivitis), केराटाइटिस (Keratits), ताराशोथ (Iritis) एवं आँख और पलकों के अन्य उपरितन शोथों में लाभदायक है।

प्रयोग-विधि—१-२ बूँद प्रति १-२ घण्टे पर आँख में टपकावें।

निर्माता—डेज मेडिकल (Dey's Medical Stores)।

आप्टिसाल
(Optisol)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम सल्फासीटामाइड (Sodium sulphacetamide)।

सोडियम प्रोपियोनेट (Sodium propionate)

नार्मल सैलाइन (Normal saline)

प्रयोग—आँख आना (Conjunctivitis), पलकों का शोथ (Blepharitis), ट्रैकोमा (Trachoma), आइराइटिस (Iritis), कॉर्निया का व्रण (Corneal ulcer), चक्षुशोथ (Ophthalmia), डैक्रोसिस्टाइटिस (Dacrocystitis) आदि आँख में संक्रमणों में लाभदायक है।

प्रयोग-विधि—१ से ४ बूँद दिन में ३-४ बार आँख में डालें।

निर्माता—स्टैडमेड (Stadmed)।

ऑट्रिविन
(Otrivin)

औषधि—यह जाइलोमीटाजोलीन हाइड्रोक्लोर (Xylometazoline Hydrochlor) का घोल है।

प्रयोग—सर्दी-जुकाम में नाक बन्द होने पर नाक में बूँदें छोड़ी जाती हैं।

मात्रा—१-२ बूँद दिन में २-३ बार।

निर्माता—सीबा।

—*—

प्रोथ्राईसिन
(Prothricin)

औषधि-मिश्रण—

टाइरोथ्राइसिन (Tyrothricin)।

प्रोपैड्रीन हाइड्रोक्लोराइड (Propadrine Hydrochloride)

प्रयोग—जुकाम (Cold), इनफ्लुएञ्जा (Influenza) आदि नाक बन्द होने या पानी बहने की स्थिति में जीवाणुघ्न (Antibacterial नासा बिन्दु (Nasal Drops) है।

मात्रा—१-२ बूँद आवश्यकतानुसार नाक में डालें।

निर्माता—एम० एस० डी० (M. S. D.)

टिप्पणी – टाइरोथ्राइसिन (Tyrothricin) की मुख और गले के रोगों के लिए चूसने की टिकिया।

१. टाइरोजेट्स (Tyrozets)--एम० एस० डी० (M. S. D.)

२. ट्रॉक्स (Trox)--बी० डी० एच० (B. D. H.)

प्यूमिलेट
(Pumilet)

औषधि-मिश्रण—

यूकैलिप्टॉल (Eucalyptol)

मेंथाल (Menthol)

पिपरमिण्ट आयल (Pippermint oil)

बोर्निल एसीटेट (Bornyl Acetate)

सत्व लिकोरिस (Ext. lequorice)

प्रयोग—गले की खराश (Sore throat), सूखी खांसी (Dry cough), सर्दी (Cold), टांसिलशोथ (Tonsilltis), स्वरयन्त्र शोथ (Laryn gitis) और ग्रसनी शोथ (Pharyngitis) में लाभकर है। १-२ बूँद नाक में छोड़ते हैं।

निर्माता— बंगाल केमिकल (Bengal Chmical)

—*—

पेनिसिलीन आफथैलिमक आयण्टमेण्ट
(Penicillin Ophthalmic Ointment)

औषधि—यह पेनिसिलीन का आँख में लगाने का मलहम है।

प्रयोग—आँख के बाह्य उपसर्गों में लाभ करता है।

विधि—ट्यूब को दबाकर मलहम सीधे आँख में डालना चाहिए। दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—ग्लैक्सो तथा अन्य अनेक कम्पनियाँ।

सुबाकॉर्ट आई आयण्टमेण्ट
(Subacort Eye Ointment)

औषधि-मिश्रण—यह आँख का मलहम है जिसमें १० मिग्रा० टेट्रासाइक्लीन हाइड्रोक्लोर (Tetracycline Hcl.) तथा १० मिग्रा० हाइड्रोकार्टिजोन (Hydrocortisone) रहता है।

प्रयोग--आँख की पलकों का शोथ (Blepharitis), आँख का आना (Conjunctivitis), Keratitis, Scleritis, Iritis, Iridocyclitis तथा एलर्जिक कारणों से उत्पन्न अन्य शोथ युक्त रोगों में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा--इसका दिन में अनेक बार आँख में लेप करते हैं।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

सल्फाथियाजोल एण्ड मेटीकेन
(Sulfathiazole & Metycaine)

औषधि-मिश्रण--

सल्फाथियाजोल (Sulfathiazole)

मेटीकेन (Metycaine)

प्रयोग—यह नेत्र के दर्द में बड़ा ही मुफीद मलहम है।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

टैरामाइसिन आफ्थैल्मिक आयण्टमेण्ट

(Terramycin Ophthalmic Ointment)

औषधि-मिश्रण—

टेरामाइसिन हाइड्रोक्लोराइड (Terramycin Hydrccloride)

पोलिमिक्सिन बी सल्फेट (Polymixin B Sulphate)

प्रयोग—आँख के बाह्य संक्रमणों पर लाभकर है। कान के लिए यही दवा बूँद के रूप में (Terramycin otic Solution) आती है। इसमें पीड़ाहर औषधि बेन्जोकेन (Benzocaine) भी मिली रहती है।

मात्रा—दिन में २ से ४ बार तक मलहम आँख में तथा बूँद कान में छोड़े जाते हैं।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

टेराकार्ट्रिल आई अथवा ईयर आयण्टमेण्ट

(Terracortril Eye-Ear Ointment)

औषधि-मिश्रण—

टेरामाइसिन हाइड्रोक्लोराइड (Terramycin Hydrochlor)

प्रयोग—आँख तथा कान के बाह्य उपसर्गों में लाभ करता है।

विधि—ट्यूब से निकाला हुआ लगभग १ सेण्टीमीटर लम्बा मलहम नीचे पलक में रखना चाहिए। दिन में दो-तीन बार। कान में लगाने के लिए इतना ही मलहम उँगली या रूई के फाहे में रखकर दिन के २-४ बार प्रयोग करें।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

—*—

वैसीलॉक्स

(Vasylox)

औषधि—मीथोक्सामीन हाइड्रोक्लोराइड (Methoxamine Hydrochloride) का नासा बिन्दु है।

प्रयोग—नाक बन्द होना (Nasal Congestion), नाक से पानी बहना आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ बूँद २ से ४ बार प्रतिदिन।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

विसीन
(Visine)

औषधि-मिश्रण—

टेट्राहाइड्रोजोलीन हाइड्रोक्लोराइड (Tetrahydrozoline Hydrochloride)

बेञ्जाल्कोनियम क्लोराइड (Benzalkonium chloride)

प्रयोग—आँखों में थकावट (Eye Fatigue), अलर्जी (Allergy) आँखों से पानी बहना आदि अवस्थाओं में लाभप्रद है।

प्रयोग-विधि—१-२ बूँद दिन में दो या तीन बार प्रत्येक आँख में डालें।

निर्माता—फाइजर (Pfizer)

अध्याय ११

बाह्य प्रयोग की औषधियाँ

इस अध्याय में मलहम, लेप, पुल्टिस, पट्टियाँ तथा एण्टिसेप्टिक औषधियों का समावेश होगा। ये सभी बाह्योपचार में काम आती हैं। एण्टि-सेप्टिक औषधियाँ घाव साफ करने, शल्य-कर्म के पूर्व उसका स्थान, हाथ, औजार आदि को साफ करने के काम आती हैं। मलहम कटे, जले, घाव आदि तथा दाद, एक्जिमा, खुजली आदि में लगाने के प्रयोग में आते हैं। पट्टियाँ और पुल्टिस पीड़ा दूर करते, नये होते हुए फोड़ों को बैठाने तथा पाक युक्त फोड़ों को शीघ्र पकाकर बहाने के काम आती हैं। कुछ मलहम तथा लेप पीड़ा भी दूर करते हैं। ये अनेक चर्म रोगों में प्रयुक्त होते हैं।

खुजली के अधिकांश लेप अथवा मलहमों में बेञ्जिल बेञ्जोएट (Benzyl Benzoate) रहता है। यह खुजली की विशिष्ट औषधि है। दाद के मलहमों में सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid), क्राइसोफेनिक एसिड (Crysophenic Acid), फीनॉल (Phenol) आदि रहते हैं। अन्य चर्म रोगों के लिए जिंक, बोरिक, रिसार्सिनॉल (Resorsinol), सल्फर (Sulphur) आदि रहते हैं। शोथहर एवं पीड़ाहर मलहमों में आयोडीन तथा इम्ब्रोकेशन आदि में तारपीन का तेल मुख्य होता है। कुछ ऐसे भी मलहम अथवा लेप हैं जो कण्डू के लिए विशेषतः होते हैं। इनमें कैलामीन मुख्य है।

इस क्षेत्र में भी एण्टिबायोटिक एवं कार्टिजोन श्रेणी की औषधियों ने क्रांति मचा दी है। उन्हें उसी अध्याय में देखना चाहिए।

—❋—

एनीथेन मलहम

(Anethaine Ointment)

औषधि—यह एनीथेन हाइड्रोक्लोराइड (Anethaine Hydrochloride) का मलहम है।

प्रयोग—बवासीर (Haemorrhoides), भगन्दर (Anal fissure) जल जाना (Minor burns), फुन्सी, (Boils), कीटदंश (Stings) एवं अन्य साधारण स्थानीय पीड़ाओं को दूर करता है।

मात्रा—दिन में अनेक बार आवश्यकता पड़ने पर लगाते हैं।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)।

एण्टीफ्लेमिन

(Antiflamin)

औषधि-मिश्रण---एल्यूमिनियम सिलिकेट (Aluminium Silicate)

बोरिक एसिड (Boric Acid)

सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid)

एसेन्शियल आयल (Essential Oils)

ग्लिसरीन (Glycerine)

उपर्युक्त औषधियों के मेल से यह तैयार की गई है। इसका बाह्य प्रयोग होता है।

प्रयोग---न्यूमोनियाँ (Pneumonia), श्वसनीशोथ (Bronchitis), प्लुरिसी (Pleurisy), टांसिल प्रदाह (Tonsillitis), सूजन (Inflammation), फोड़ाफुन्सी (Abscess & Bolis), मोच (Sparin) आदि रोगों में लाभदायक है। इसे गर्म करके बाँधना चाहिए और ऊपर से कपड़े से ढाँक कर रखना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

एधेसिव प्लास्टर
(Adhesive Plaster)

औषधि-मिश्रण—

यह जिंक आक्साइड (Zinc Oxide) की पट्टी होती है।

प्रयोग—एसेप्टिक छोटे-मोटे घावों पर चिपकाने से उनको पकने नहीं देता तथा घाव ठीक हो जाने पर ही छूटता है। फुन्सियों पर लगाने से उन्हें बैठाता है। जहाँ पट्टी नहीं बाँधी जा सकती वहाँ ड्रेसिंग को स्थिर रखने के काम आता है। जिस जोड़ की हलचल कम करना हो उसके चारों ओर चिपकाने से उसमें स्थिरता आ जाती है। डिसलोकेशन (Dislocation) तथा फ्रैक्चर (Fracture) की ड्रेसिंग में उपयोगी है। भिन्न-भिन्न चौड़ाई की पट्टियाँ रील में चिपकी हुई आती हैं।

निर्माता—जॉन्सन एन्ड जॉन्सन तथा अन्य कम्पनियाँ।

—*—

एस्केबियाल
(Ascabiol)

औषधि—यह बेन्ज़िल बेन्ज़ोएट (Benzyl Benzoate) २५% निलम्बन (Emulsion) है।

प्रयोग—खुजली रोग (Scabies) और जुवां (Pediculosis) में प्रयुक्त होती है।

प्रयोग-विधि—गरम पानी से स्नान के बाद शरीर सुखाकर उसे पूरे शरीर में (सिवाय चेहरे और सिर के) लगा देते हैं। सूख जाने पर स्वच्छ वस्त्र धारण कराते हैं। एक-दो दिन में रोग शान्त हो जाता है।

जुओं के लिए इसको लगाकर २४ घण्टे बाद गरम पानी और साबुन से धो देते हैं।

निर्माता—एम॰ बी॰ (M. B.)

—*—

बेडियोनल-जेल
(Badional Jel)

यह बेडियोनल की जेली है।

औषधि--मिश्रण

प्रयोग—घाव (Wounds), जलने (Scalds), एक्स-रे के दुष्परिणाम (X-Ray Skin Reactions), उकवत (Eczema), पायोडर्मा (Pyoderma) आदि अनेक चर्म रोगों में इसको लगाया जाता है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार दिन में १ बार अथवा अधिक दिन पर एक बार लगाया जाता है।

निर्माता—बायर (Bayer)।

बेलाडोना प्लास्टर
(Belladonna Plaster)

औषधि-मिश्रण—एक मोटे कपड़े पर बेलाडोना फैलाया रहता है। इसकी स्टिक भी मिलती है जिसे गरम कर स्पैचुला से किसी भी मोटे कपड़े पर फैलाया जा सकता है।

प्रयोग—यह पीड़ा-शामक तथा शोथहर है। फोड़े फुन्सियों पर लगाने से प्रायः उन्हें बैठा देता है अन्यथा पीड़ा कम करके शीघ्र पका कर फोड़ देता है। मोच, बन्द चोट, किसी प्रकार की सूजन तथा आमवातिक सन्धिशोथ में लाभ करता है। इसे गरम करके लगाया जाता है। जितने स्थान पर शोथ हो उससे कुछ बड़ी पट्टी बनाकर चिपका देते हैं।

निर्माता—जॉनसन एण्ड जॉनसन तथा अन्य अनेक कम्पनियाँ।

—०—

बिनैड्रिल क्रीम
(Benadryl Cream)

औषधि-मिश्रण—यह दो प्रतिशत बिनैड्रिल का जल विलेय मलहम है।

प्रयोग—एलर्जीजन्य त्वक् रोग तथा कण्डू में लाभदायक है।

मात्रा —दिन में ३-४ बार पतला लेप लगाना चाहिए।

निर्माता—पार्क डेविस (इण्डिया) लि०।

बेटनोवेट
तथा
बेटनोवेट-एन स्किन आयण्टमेण्ट
(Betnovate)
and
(Betnovate-N Skin Ointment)

औषधि—यह १% बीटामीथाजोन १७—वेलीरेट (Betamethasone 17–Valerate) का मलहम है। बेटनोवेट-एन में नियोमाइसिन (Neomycin) भी मिला है।

गुण—एक्जिमा (Eczema), सोरियेसिस (Psoriasis), न्यूरोडार्माटोसिस (Neurodematosis), अनूर्जता (Allergies), सीबोरिक डर्माटाइटिस (Seborrhoeic Dermatitis), लाइकैन प्लैनस (Lichen Planus), घमौरी (Prickly heat), इण्टर्टिगो (Intertigo) आदि में प्रयुक्त होता है।

प्रयोग—दिन में २-३ बार आवश्यकतानुसार लगाना चाहिये।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) लि०।

बिस्मूडर्म
(Bismu-Derm)

औषधि-मिश्रण—बिस्मथ सबगैलेट (Bismuth Subgallate) और बोरिक एसिड (Boric Acid) के मेल से तैयार हुआ है।

प्रयोग—छोटे ढंग के (Minor) आपरेशनों में यह पाउडर उपयोगी है। कटे, जले, घाव और शैयाक्षत के रोगियों के लिए उपयोगी है। अगरस, उकवत तथा अन्य चर्म रोगों में भी लाभदायक है।

निर्माता—टेडिंगटन केमिकल फैक्टरी लिमिटेड, बम्बई।

बेनजोपेड

(Benzoped)

औषधि-मिश्रण—

बेञ्जायल बेञ्जोएट (Benzyl Benzoate)

बेञ्जोकेन (Benzocaine)

डी० डी० टी० (Diohloro diphenyl-trichlorcethane)

प्रयोग—चर्मरोगों की अचूक औषधि है। इसका केवल बाह्य प्रयोग होता है। गाज स्पंज के साथ तद्रूप किसी वस्तु द्वारा इसका प्रयोग चमड़े पर करना चाहिए। यह ब्रश आदि से भी लगाया जा सकता है। लगाने के पश्चात् सम्पूर्ण चमड़े को कपड़े से ढँक देना चाहिए और इसे कम से कम दो तीन दिनों तक इस स्थिति में रखा रहना चाहिए। नित्य इसका प्रयोग करना वर्जित है।

मात्रा—पूरी उम्रवालों के लिये करीब २ औंस पर्याप्त होगा।

निर्माता—इली लीली एण्ड कम्पनी, बम्बई।

—*—

बिटरेक्स

(Bitterex)

औषधि-मिश्रण—

कोलाइड सल्फर (Colloid Sulphur)

कोलाइड कैल्शियम (Colloid Calcium)

टापसिनी (Topcini)

एलोज सोकोरिना (Aloes Socorina)

एक्सट्रैक्ट जेन्शियन (Ext. Gentian)

एक्सट्रैक्ट हेमीडिसमस (Ext. Hemidismus)

प्रयोग—यह हर प्रकार के चर्मरोगों की अच्छी दवा है।

मात्रा—दिन भर में तीन बार २ से ३ चम्मच की मात्रा में सेवन करना चाहिये।

निर्माता—स्टैण्डर्ड मेडिकल रिसर्च इन्स्टीच्यूट लिमिटेड, कलकत्ता।

—*—

ब्रेडेक्स वायोफार्म
(Bradex Vioform)

औषधि-मिश्रण—

डोमीफेन ब्रोमाइड (Domiphen Bromide)

क्वीनियोडोक्लोर (Quiniodochlor)

ट्राइपीलीनामीन (Tripelennamine)

प्रयोग—यह स्थानीय प्रयोग के लिए एण्टीमाइकोटिक (Antimycotic), जीवाणु विरोधी (Antibacterial) तथा कण्डूहर (Antipruritic) मलहम है। डर्मेटोफाइटोसिस (Dermatophytosis), डर्मेटाइटिस (Dermatitis), उकवत (Eczema), सोरियेसिस (Psoriasis) आदि में लाभकर है। अर्थात् फंगसजन्य, जीवाणुजन्य तथा अनेक प्रकार के चर्म रोगों में लाभ पहुँचाता है।

मात्रा—रुग्ण स्थान पर दिन में दो बार लगाते हैं और ऊपर से हलका बन्धन लगाते हैं।

निर्माता—सीबा (Ciba)

———

जोलैण्डिन क्रीम
(Zolandin Cream)

औषधि—

फेनिलब्यूटाजोन (Phenylbutazone)

थिमेरोसल (Thimerosal)

प्रयोग—कंडराओं के तनाव (Pulled tendons), कन्ट्यूसन (Contusion), मोच (Sprain), सन्धिच्युति (Dislocations), उपरितन शिराओं के शोथ (Superficial Venous inflammation) तथा अपस्फीत शिराओं के परिणाम जन्य शोथ (Inflammatory sequelle of varicose veins) में जहाँ त्वचा घाव रहित हो इसका प्रयोग किया जाता है। आमवात जन्य पेशी शोथ (Rheumatic inflammation of muscles) तथा कटिपीड़ा आदि में भी लाभदायक है। कण्डराओं तथा कण्डरावणों के शोथ (Inflammation of tendons and tendon-sheaths), वर्सा (Bursae) आदि के पाक रहित शोथों में भी लाभदायक है।

प्रयोग विधि—रुग्ण स्थान पर क्रीम को दिन में दो तीन बार लगाते हैं। जहाँ गहराई में प्रभाव डालना हो वहाँ जोरदार मालिश भी कर देनी चाहिए।

निर्माता—सुहृद् गेगी ट्रेडिंग लि० (Suhrid Geigy Trading Ltd.)

सीटाव्लेक्स क्रीम
(Cetavlex Cream)

औषधि-मिश्रण—यह सीटाव्लॉन (Cetavlon) की ०·५% जलविलेय (Water miscible), क्रीम है।

प्रयोग—यह जीवाणुनाशक क्रीम है। घावों (Burns), जले हुए स्थानों (Burns), चर्मरोग आदि में लाभदायक है।

प्रयोग विधि—क्रीम को लिण्ट या रूई पर लगा कर घाव एव उसके चारों ओर हलके हाथ से लगा देते हैं। उस पर पट्टी बाँधने के पूर्व पुनः एक बार लगा देना चाहिए। चर्म रोग में दिन में दो बार लगावें।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)।

सीटाव्लॉन
(**Cetavlon**)

औषधि—यह सीट्रिमाइड (Cetrimide) का चूर्ण है।

प्रयोग—इसका ·१ से १ प्रतिशत तक घोल प्रयोग में लाया जाता है। निम्नलिखित अवस्थाओं में प्रयोग होता है।

घाव और जलने में—०·५ से १ प्रतिशत घोल से घावों को धोने से उनका संक्रमण दूर होता है।

त्वचा का विशोधन—शस्त्रकर्म करने के पूर्व १ प्रतिशत घोल से हाथों को साफ करना चाहिए। रोगी के शस्त्रकर्म के स्थान को जीवाणु रहित (Sterilize) करने के लिए ७० प्रतिशत एलकोहल (Alcohol) ०·५ प्रतिशत का घोल काम में लाया जाता है।

चर्मरोग—त्वक् शोथ (Dermatitis) और एक्जिमा (Eczema) आदि रोगों में १ प्रतिशत घोल का प्रयोग करते हैं।

शैम्पू—१ से ३ प्रतिशत घोल काम में लाते हैं।

इनके अतिरिक्त अस्पताल के पात्र, बच्चों के मलमूत्र से भींगे कपड़े एवं शस्त्रों की स्वच्छता के लिए भी इसका प्रयोग करते हैं।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)।

कोलोसॉल कैलेमीन लोशन
(**Collosol Calamine Lotion**)

औषधि—यह कोलायडल कैलेमीन (Colloidal Calamine) से तैयार की गई है।

प्रयोग—चर्म रोगों की यह औषधि है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—क्रूक्स लिमिटेड, बम्बई।

क्रोटोरेक्स-एचसी क्रीम
(Crotorax-HC Cream)

औषधि-मिश्रण—

क्रोटामिटान (Crotamiton)

हाइड्रोकॉर्टिजोन (Hydrocortisone)

प्रयोग— एक्जीमा (Eczema), सीबोरिक त्वक्शोथ (Seborrhoeic dermatitis), कान्टैक्ट त्वक्शोथ (Contact dermatitis), डिसहाइड्रोटिक एक्जीमा (Dyshidrotic eczema), वैरिकोज एक्जीमा (Varicose eczema) मलद्वार प्रजननांग एक्जीमा (Anogenital eczema), लाइकेन प्लैनस (Lichen planus), सामान्य हर्पीज (Herpes Simplex), न्यूरोडर्मॉटाइटिस (Neurodermatitis), हर्पीज जोस्टर (Herpes Zoster), शीतपित्त (Urticaria), गुद-प्रजननांगी कण्डू (Anogenital Pruritus), वृद्धावस्था की कण्डू (Sanile Pruritus), चयापचय से सम्बन्धी कण्डू (Pruritus accompanying metabolic disorders)

प्रयोग विधि—प्रभावित स्थान पर दिन में दो तीन बार अल्प मात्रा में लगावें ।

निर्माता—सुहृद् गेगी (Suhrid Geigy)

टिप्पणी—बिना हाइड्रोकॉर्टिजोन के केवल क्रोटोरेक्स क्रीम (Crotorax Cream) भी मिलती है। इसका विशेष रूप से किसी भी प्रकार की कण्डू (Pruritus) में होता है ।

क्रिस्टल वायोलेट-'एवलॉन' ब्रांड
(Crystal Violet- Avlon' Brand)

औषधि—यह हेक्सामेथिलपैरारोसैनिलीन का हाइड्रोक्लोराइड (Hydrochloride of hexametheylparosaniline) है ।

प्रयोग—यह पूतिहर (Antiseptic) औषधि है। इसका प्रभाव ग्राम पॉजिटिव (Gram positive) जीवाणुओं पर पड़ता है। घाव (Wounds), जले हुए (Burns) त्वचा के माइकोटिक रोगों (Mycotic Skin affections), एवं चिरकारी व्रणों (Chronic ulcers) पर लाभ करता है।

प्रयोग विधि—१ प्रतिशत जलीयघोल का प्रयोग किया जाता है। क्रीम के रूप में भी प्रयुक्त हो सकता है। जले हुए पर प्रोफ्लेवीन हेमिसल्फेट (Proflavine Hemisulphate) मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)।

क्रिस्टापेन ऑयण्मेंट

(Crystapen Ointment)

औषधि—यह क्रिस्टलाइन पेनिसिलिन (Crystalline Penicillin) का मलहम है।

प्रयोग—त्वचागत उपसर्गों (Superficial Skin disease) जो पेनिसिलिन से नष्ट होनेवाले जीवाणुओं से होते हैं तथा ऐसे ही जीवाणुओं से उत्पन्न कर्ण पाक, दाढ़ी पकना, एक्जिमा आदि के पकने पर लाभ करता है। घावों पर लगाया जा सकता है।

मात्रा—दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

टिप्पणी—इसकी अधिक शक्ति का मलहम भी मिलती है जिसे क्रिस्टापेन आयण्टमेंट हाइ पोटेन्सी (Crystapen Ointment High Potency) कहते हैं। इसे आँख में भी प्रयोग कर सकते हैं। क्रिस्टापेन के इन्जेक्शन (Injection) तथा टैबलेट (Tablets) भी मिलते हैं।

—o—

कैलेड्रिल क्रीम तथ लोशन
(Caladryl Cream and Lotion)

औषधि-मिश्रण--

कैलेमीन (Calamine)

बिनैड्रील (Benadryl)

कैम्फर (Camphor)

प्रयोग—अम्हौरी, तापदग्ध, कृमि दंश (शीतपित्त युक्त) तथा त्वचागत अन्य एलर्जी के लक्षणों में शीघ्र लाभकर है। इसे फफोलों तथा घाव, चोट आदि पर नहीं लगाना चाहिए। यह क्रीम तथा लोशन के रूप में मिलता है।

निर्माता—पार्क डेविस (इण्डिया) लि०।

— — —

कैम्बिसन
(Cambison)

औषधि-मिश्रण—यह एक ऐण्टीबैक्टीरियल प्रेड्निसोलोन का मलहम है जिसका रासायनिक संगठन -–Methyl—1—Aminoquinolyl 6—Carbamidrochloride है।

प्रयोग—इसके अन्दर उत्तम एण्टीबैक्टीरियल तथा एण्टी इन्फ्लेमेटरी गुण होने के कारण इसका प्रयोग स्थानिक रूप से तीव्र तथा जीर्ण त्वक्शोथ (Acute & Chronic Dermatitis), एलर्जिक एक्जिमा (Allergic Eczema), शैशवीय एक्जिमा (Infantile Eczema) तथा अनेक प्रकार के कण्डुओं में उत्तम है।

मात्रा—रुग्ण स्थान पर इसकी एक पतली पर्त दिन में २ या ३ बार लगाएं।

इसका नेत्र मलहम भी आता है। जिनका अनेक नेत्र रोगों में प्रयोग करने से लाभ होता है।

निर्माता—हेक्स्ट।

— — —

डर्मोक्विनॉल

(**Dermoquinol**)

औषधि—यह क्वीनिओडोक्लोर (Quniodochlor) का ४ और ८ प्रतिशत का मलहम है।

प्रयोग—सीबोरिक त्वक शौथ (Seborrhoic dermatitis), रूसी (Dandruff), हजामत बनाने से होने वाली फुन्सियाँ (Sycosis barbae), एथेलीट पाद (Athelete's foot) इम्पेटिगो (Impetigo) शैशवीय एक्जिमा (Infantile eczema) पिटिरियेसिस वेसिकोलार (Pityriasis vesicolor), इपिडर्मोफाइटोसिस (Epidermophytosis) आदि त्वचा के रोगों में लाभदायक है।

प्रयोग-विधि—दिन में २–३ बार लगावें।

निर्माता—ई० आई० पी० डब्लू (E. I. P. W.)

डीरोबीन

(**Derobin**)

औषधि—यह डाइथ्रैनॉल (Dithranol) का पाउडर है।

प्रयोग—त्वचा के रोगों तथा सोरियेसिस (Psoriasis), फंगस के संक्रमण (Fungus infections) आदि में मलहम बनाकर प्रयुक्त होता है।

मात्रा—·२५ से ३% तक का मलहम प्रयुक्त होता है, परन्तु आवश्यकतानुसार ५% तक शक्ति का प्रयोग में लाया जा सकता है। साधारणतया १% का ही प्रयुक्त होता है। दिन में एक बार लगाना पर्याप्त है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

टिप्पणी १—इसका बना बनाया मलहम डीरोबिन आयण्टमेण्ट (Derobin Ointment) कोलतार (Coal Tar) एवं सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid) युक्त मिलता है।

प्रयोग-विधि—मलहम लगाये हुए रुग्ण भाग को गॉज से ढंक देते हैं तथा उसके चारों ओर कोई मलहम लगाकर पट्टी बाँध देते हैं।

टिप्पणी—डोरोबिन विद हाइड्रोकार्टिजोन आयण्टमेण्ट (Derobin with Hydrocortisone Ointment) में हाइड्रोकॉर्टिजोन भी मिला होता है। इससे शोथ (Inflammation), कण्डू (Pruritus) एवं एलर्जी (Allergy) का भी शीघ्र शमन होता है।

एम्ब्रोकेशन
(Embrocation)

औषधि-मिश्रण—

कैम्फर (Camphor)

मेंथाल (Menthol)

टर्पेण्टाइन (Terpentine)

क्लोरोफार्म (Chloroform)

आयल रोजमरी (Oil Rosemary)

आयल युकेलिप्टस (Oil Eucalyptus)

आयल लेवेण्डर (Oil Lavendar)

आयल कैम्फर (Oil Camphor)

आयल विण्टरग्रीन (Oil Wintergreen)

टिंचर ओपियाई (Tr. Opii)

टिंचर एकोनाइट (Tint. Aconite)

एक्सट्रैक्ट बेलाडोना (Ext. Belladonna)

एमोनिया (Ammonia) आदि दवाओं के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—इस दवा का बाह्य प्रयोग किया जाता है। किसी भी स्थान के दर्द में मुफीद है। प्लुरिसी (Pleurisy), न्युमोनिया (Pneumonia),

स्नायुशूल (Neuralgia), कटिवात (Lumbago) गृध्रसीवात (Sciatica), मोच (Sprain), गठियावात का मांसपेशियों में दर्द (Rheumatic Muscular pains) आदि में इसका प्रयोग लाभप्रद होता है।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ोदा।

—*—

एक्जामॉइण्ट—१

(Eczemoint—1)

औषधि-मिश्रण— यह कैलेमीन (Calamine) तथा कोलटार (Coaltar) के मिश्रण से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह पानी देनेवाली (Wet or Weeping) एक्जिमा (Eczema) में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—रोग के अनुसार थोड़ा या अधिक मलहम रोग स्थान के ऊपर लगाना चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड बड़ौदा।

एक्जीमॉइण्ट—२

(Eczemoint—2)

औषधि-मिश्रण—

रिसार्सिनॉल (Resorcinol)

सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid)

बीटानेफ्थाल (Betanephthol)

कैलेमीन (Calamine)

सल्फर (Sulphur)

प्रयोग—यह सूखे एक्जिमा (Dry Eczema) मेंप्रयुक्त की जाती है। अन्य चर्म रोगों में लाभप्रद है।

मात्रा—थोड़े से मलहम को एक अँगुली से धीरे-धीरे रोगाक्रान्त स्थान पर रगड़ना चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

यूरैक्स
(Eurax)

औषधि-मिश्रण—कॉर्टोनिल-एन-इथिल-ओ-टोलुआयोडाइड [Cortonyl-N-ethyl-o-toluiodide]

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की कण्डू में यथा गुदकण्डू [Pruritus ani] भगकण्डू [Pruritu Vulvae], त्वाचागत एलर्जी [Skin allergies] वृद्धों की कण्डू [Senile Pruritus], एक्जिमा [Eczema], न्यूरोडरमेटोसिस [Neurodermatosis] तथा सोरियेसिस [Psoriasis]

मात्रा—दिन में दो-तीन बार लगाना चाहिए।

निर्माता—सुहृद् रोगी।

टिप्पणी—यह हाइड्रोकॉर्टिजोन युक्त [Eurax with Hyrocortisone] भी मिलती है।

यूथेरिया
(Eutheria)

औषधि-मिश्रण—

यूकेलिप्टॉल [Eucalyptol]
मेन्थाल [Menthol]
गालथेरिया [Gaultheria]
कैम्फर [Camphor]

प्रयोग—मोच (Sprains), मांसपेशियों में दर्द (Mucular Pains), कटिवात (Lumbago), गुध्रसीवात (Sciatica) गठिया के जोड़ों में दर्द (Joint Pains of Gout & Rheumatism) आदि में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—अवश्यकतानुसार आक्रांत स्थान पर रगड़ना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

,पिनाल

(Eupinol)

औषधि-मिश्रण—यह एक क्लोरोफिनॉल कम्पाउण्ड (Chlorophenol Compound) है जो विभिन्न प्रकार के एण्टिसेप्टिक एरोमेटिक्स (Antiseptic Aromatics) के मिश्रग से तैयार किया गया है।

प्रयोग—यह चमड़े की सफाई, रोगी के कमरे की सफाई, उनके वस्त्रों की सफाई, चीरफाड़ के औजारों तथा सर्जन के हाथों की सफाई के काम में आती है। यह कृमिनाशक (Germicide), सड़ने गलने से रोकने वाली (Antiseptic) तथा संक्रमण को रोकने वाली (Disinfactant) औषधि है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार होनी चाहिए।

निर्मात—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

फिब

(Fib)

गऔषधि-मिश्रण—

बिस्मथ सब आयोडाइड (Bismuth Subiod.de)

बिस्मथ सबगैलेट (Bismuth Subgallate)
जिंक सल्फोकार्बोनेट (Zinc Sulpho Carbonate)
एलम (Alum)
बोरिक एसिड (Boric Acid)
यूकेलिप्टॉल (Eucalyptol)
थाइमल आयोडाइड (Thymol Iodide)

प्रयोग—यह एण्टिसेप्टिक डस्टिंग पाउडर है। कटे-फटे घाव, चोट आदि पर इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—आक्रान्त स्थान पर इसे पर्याप्त मात्रा में छिड़क देना चाहिए। ताकि स्थान ढँक जाय।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड कलकत्ता।

———

ग्लिसिरोथाइमॉल
(Glycerothymol)

औषधि-मिश्रण—
थाइमॉल (Thymol)
बोरोग्लिसरीन (Boroglycerine)
मेन्थॉल (Menthol)
गालथेरिया (Gaultheria)
यूकेलिप्टॉल(Eucalyptol)
सोडी बेन्जोएट (Sodi Benzoate)

प्रयोग—यह कृमिनाशक औषधि है। कुल्ली वगैरह करने के लिए इसका प्रयोग करना लाभदायक है।

मात्रा– थोड़ी सी दवा ३-४ गुने पानी में डालकर कुल्ली करनी चाहिए।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

———

ग्लाइमॉल
(Glymol)

औषधि-मिश्रण--

थाइमॉल [Thymol]

यूकेलिप्टॉल [Eucalyptol]

मेन्थाल [Menthol]

बेञ्जोइक एसिड [Benzoic Acid]

बोरिक एसिड [Boric Acid]

प्रयोग--पायरिया [Pyorrhoea], दाँतों में कीड़े लग जाना [Dental caries], टान्सिल प्रदाह [Tonsillitis], नासा प्रदाह [Rhinitis], गले का घाव [Sore Throat] आदि में मुफीदा है।

मात्रा--थोड़ा-सा लेकर कुल्ली करना अथवा आवश्यकतानुसार सूँघना चाहिए।

निर्माता--बंगाल केमिकल कलकत्ता।

आयोडिल
[Iodyl]

औषधि-मिश्रण--यह यायोडीन तथा मिथिल सैलिसिलेट का बाह्य प्रयोगार्थ उत्तम योग है।

प्रयोग--सन्धि एवं अन्य प्रकार के दर्द एवं शोथ जैसे न्यूरेल्जिया, सायटिका [Sciatica], मायेल्जिया [Myalgia], आमवात [Rheumatism], कटिशूल [Lumbago], ग्रन्थिशोथ [Adenitis] तथा अन्य शोथयुक्त विकार में यह आशातीत लाभ करता है।

प्रयोग विधि--इसको रुग्ण स्थान पर शनैः-शनैः मालिश तब तक करते हैं जब तक उसका रंग जज्ब न हो जाय।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स [Standard Pharmaceuticals]

१—इसी प्रकार Alembic Co. द्वारा निर्मित एल्कोटिन [Alcotin] है।

२—इसी प्रकार जी० डी० फार्मास्युटिकल्स [G. D. Pharmaceuticals] का पेनोरब [Penorub] है।

आइ-कल
[I-cl]

औषधि-मिश्रण—

आयोडीन [Iodine]

क्लोरीन [Chlorine]

प्रयोग—यह कृमि-रोग नाशक पाउडर है। मुँह साफ करने, घावों को साफ करने के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—६ से १२ बूँद तक ½ गिलास गर्म पानी में डालकर मुँह साफ करना चाहिए तथा १ हिस्सा दवा ४ हिस्सा पानी में मिलाकर घाव धोना चाहिए।

जालमार
[Jalmar]

औषधि-मिश्रण—

टैनिक एसिड जेली [Tannic Acid Jelly]

एक्रीफ्लेविन [Acriflavine]

काड लीवर आयल [Cod Liver Oil]

प्रयोग—हर प्रकार के जले [Burns], कटे घाव Scalds & skin Abrasions] में फायदा करती है। इसका बाहरी प्रयोग किया जाता है।

निर्माता—सिप्ला, बम्बई।

जोडोल

[Jodol]

औषधि—यह मलहम आयोडीन से तैयार की गई है।

प्रयोग—इसका प्रयोग गिल्टियों के बढ़ने [Grandular Enlargements], गठिया वात [Rheumatism], जोड़ों की शिकायत [Joint Diseases], सूजन की अवस्थाओं [Inflammatory Conditions], मोच [Sprains], कटा-फटा [Bruises], चर्म रोग [Skin Diseases] आदि शिकायतों में करते हैं।

मात्रा—इसकी मात्रा आवश्यकतानुसार होगी। धीरे-धीरे इसे तब तक रगड़ना चाहिए जब तक कि इसका रंग गायब न हो जाय। जहाँ पर चमड़ा कटा हो वहाँ पर धीरे-धीरे लगाकर बैण्डेज कर देना चाहिए।

निर्माता—हिन्द केमिकल, कानपुर।

—•—

कार्पिन लोशन

[Karpin Lotion]

१—सोड० थायोसल्फ० [Sod Thiosulph]
सोड० हाइड्रॉक्स० [Sod. Hydrox.]
सोड० बेञ्ज [Sod. Benz.]
जल [Aqua]

२—एसिड टार्ट [Acid Tart]
फीनोल [Phenol]
जल [Aqua]

प्रयोग—पिटिरियेसिस [Pityriasis] एवं अनेक चर्मरोगों में लाभदायक है।

प्रयोग-विधि—रुग्ण स्थान पर नं० १ का घोल रूई के फाहे से लगा

देते हैं। दो मिनट बाद उसी पर नं० २ का घोल लगाते हैं। दिन में दो बार लगाना चाहिये। १०-१२ दिन लगावें।

निर्माता--डेज मेडिकल स्टोर्स [Dey's Medical stores]

--*--

केनाकाम्ब

(Kenacomb)

औषधि-मिश्रण—

ट्राएमसिनोलोन (Triamcinolone)

नियोमाइसिन (Neomycin)

ग्रैमिसिडिन (Gramicidin)

निस्टैटिन (Nystatin)

प्रयोग—अलर्जी जन्य त्वक् रोग (Allergic dermatoses) तथा मोनोलिया के संक्रमणों (Monilial infections) में लाभकर है।

मात्रा—दिन में २-३ बार लगावें।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

--*--

केनाडर्मा आयण्टमेंट

(Kenaderma Ointment)

औषधि-मिश्रण—

हैलक्विनॉल (Halquinol)

ट्राएमसिनोलोन (Triamcinolone)

प्रयोग—शोथयुक्त त्वचा के रोगों में लाभदायक है। शैशवी एक्जिमा (Infantile eczema), एटोपिक एक्जिमा (Atopic eczema), नपकिन एक्जिमा (Napkin eczema), सीबोरिक डर्माटाइटिस (Seborrhoeic dermatitis), वैरीकोज एक्जिमा (Varicose-eczema), काण्टेक्ट डर्माटाइटिस (Contact dermatitis), इण्ट-

टिंगो (Intertigo), गुदा एवं योनि कण्डू (Anogenital Pruritus) फॉलिकुलाइटिस (Folliculitis), साइकोसिस बार्बी (Sycosis barbae–हजामत बनाने से उत्पन्न त्वक्रोग), पैरोनीकिया (Paronychia), लाइकेन प्लैनस (Lichen Planus), लाइकेन सिम्प्लेक्स (Lichen Simplex) आदि में लाभदायक है ।

प्रयोग-विधि—एक स्थान पर दिन में २-४ बार लगावें ।

निर्माता--स्क्विब (Squibb)

किलेक्स

(Kilex)

औषधि—यह डी० डी० टी० पाउडर है जो एक कण्टेनर में रख जाता है और वह कण्टेनर पम्प का काम करता है ।

प्रयोग—यह बहुत ही सुन्दर कृमिनाशक औषधि है । मच्छर, खटमल, मक्खी, चीटा, चपड़ा आदि मारने के काम में लायी जानी चाहिए । इसके पम्प करने से कृमि का नाश हो जाता है ।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल बड़ौदा ।

लैक्टो कैलेमीन

(Lacto Calamine)

औषधि--केलेमिन (Calamine),

प्रयोग—यह लोशन में तैयार की गई है । मुँहासा, (Acne) बर्रो जुलपित्ती (Urticaria), उकवत (Eczema), शीतला (चेचक) Chickea-Pox, Measles आदि चर्म रोगों में बहुत लाम पहुँचाती है ।

मात्रा—आवश्यकतानुसार इसकी मात्रा लगानी चाहिये । यह दवा क्रीम तथा टेलकम पाउडर के रूप में भी प्राप्त है ।

निर्माता--दी कुक्स लेबोरेटरीज लिमिटेड ।

लिवोडर्म
(Livoderm)

औषधि-मिश्रण—

यकृत सत्व (Liver Extract)

मेथिल पैराबेन (Methyl Paraben)

प्रोपिल पैराबेन (Propyl Paraben)

लिग्नोकेन हाइड्रोक्लोर० (Lignocain Hydrochloride)

प्रयोग—घाव, चोट, त्वचा के व्रण, जलना, शैया व्रण (Bed Sores), फिश्चुला, कार्बङ्कल, एक्नी, हार्पीज तथा एक्जिमा आदि में लाभकर है।

मात्रा--घाव को साफ कर मलहम को गॉज (Gauzc) पर फैलाकर घाव पर कस कर बाँध दें। आवश्यकतानुसार प्रतिदिन अथवा एक दिन छोड़कर पट्टी बदलें।

निर्माता--टी० सी० एफ०।

लोरेक्सेन
(Lorgexane)

औषधि--इसमें १ प्रतिशत गामा बेजीन हेक्साक्लोराइड (Gamma benzene hexachloride) रहता है।

प्रयोग---सिर, शरीर और जघन (Pubic) प्रदेश के जूँ के लिए प्रयोग किया जाता है।

प्रयोग-विधि—प्रयोग के पूर्व औषधि को तिगुने पानी में मिला लेना चाहिए। इस घोल का प्रयोग २४ घण्टे के अन्दर हो जाना चाहिये।

सिर के जुओं-(Pediculosis capitis) में एक चाय का चम्मच भर औषधि सामान्य सिर के लिए पर्याप्त होती है। तिगुने पानी में घोलकर पिपेट के सहारे पूरे सिर में टपकाना चाहिये और ऊँगलियों से अच्छी तरह फैला देना चाहिए। एक बार में ही सब जुवें मर जाती हैं।

शरीर एवं जघन के जुवो (Pediculosis corporis and Pubis) में पानी में मिला हुआ घोल लगा देते हैं। रगड़ना नहीं चाहिए बल्कि सूख जाने दें।

कपड़ों पर जुवों के लिए इसका छिड़काव (Spray-स्प्रे) करना चाहिये।

निर्माता--आई० सी० आई० (I. C. I.)

मरसाजेल
(Mersagel)

औषधि-मिश्रण—यह फेनिल मर्क्युरिक एसिटेट (Phenyl mercuric acetate) की जल में घुलनशील जेली है।

प्रयोग--एथेलीट फुट (Athelete's foot), धोबी इच (Dhobie-itch), दाद (Ringworm), पिटिरियेसिस वर्सीकलर (Ptyriasis Versicolour), रूसी (Dandruff) आदि में लगाने की जेली (मलहम) है।

मात्रा--अल्प मात्रा में लगाना चाहिये। दिन में कई बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज के लि०।

—o—

मिलिकॉर्टन वायोफार्म
(Millicorten Vioform)

औषधि-मिश्रण —

डेक्सामीथाजोन (Dexamethasone)

क्विनिओडोक्लोर (Quiniodochlor)

प्रयोग--जीवाणुजन्य (Bacterial), फफूँदजन्य (Mycotic) एवं एलर्जीजन्य (Allergic) त्वक् रोगों में उत्तम लाभकर मलहम है।

मात्रा--दिन में अनेक बार हलका लेप लगावें।

टिप्पणी—१-बिना मिलिकॉर्टिन के केवल वायोफार्म क्रीम (Vioform Cream) भी मिलती है।

वायोजॉल—२-(Viozol) में वायोफार्म (Vioform) के साथ सल्फाथियाजॉल (Sulphathiazole) भी मिला रहता है तथा योनि (Vagina) के रोगों में लगाने के काम आता है।

माइकोजॉल आयन्टमेंट और लिक्विड
(Mycozol Ointment and Liquid)

औषधि-मिश्रण—लिक्विड में :—

क्लोरब्युटॉल (Chlorbutol)

सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid)

बेन्जोइक एसिड (Benzoic Acid)

मैलेकाइट ग्रीन (Malachite Green)

मेथीलेटेड स्पिरिट (Methylated Spirit)

आयण्टमेंट में प्रथम दो औषधियों और मर्क्यूरिक सैलिसिलेट (Mercuric Salicylate) रहता है।

प्रयोग—त्वचा के विभिन्न रोगों में लाभदायक है। जिनको इपिडर्मोमाइकोसिस (Epidermomycosis) कहते हैं।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke & Davis)

मिटिगल
(Mitigal)

औषधि—यह गन्धक से निमित तैल (Oil) तथा मलहम (Ointment) है।

प्रयोग—खुजली (Scabies), इम्पेटिगो (Impetigo), डर्मेटोमायकोसिस (Darmatomycoses), दाद (Tineacouris), जूँ

(Pediculosis) आदि में लाभ होता है। तेल को लगाने की अन्य औषधियों में मिलाया जा सकता है।

मात्रा—१४० मि० लि० तीन दिन में समस्त शरीर पर मला जाता है।

निर्माता—बायर (Bayer)

टिप्पणी—मिटिगल मलहम (Mitigal Ointment) भी मिलती है।

—*—

मिस्ट्रेप्टॉन

(Mystrepton)

औषधि-मिश्रण—

क्रिस्टेलाइन पेनिसिलिन जी (Cryst. Penicillin G)

डाइहाइड्रोस्ट्रोप्टोमाइसिन सल्फ० (Dihydrostroptomycin Sulph)

प्रयोग—पुराने घाव, मिश्रित उपसर्ग, सोपसर्ग त्वचा शोथ, खुजली रोग में लाभदायक है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार २-२ घण्टे अथवा देर से।

टिप्पणी—इसका हाइड्रोकॉर्टिजोन युक्त मलहम भी मिलता है। जिसे मिस्ट्रेप्टान बिद हाइड्रोकॉर्टिजोन आयण्टमेंट (Mysterpton with Hydrocortisone Ointment) कहते हैं।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्रा० लि०।

--o--

मायबेसिन आयण्टमेंट

(Mybasin Ointment)

औषधि-मिश्रण—

नियोमाइसिन (Neomycin)

बेसिट्रेसिन (Bacitracin)

मृदु पैराफिन बेस में (In Soft Paraffin Base)

प्रयोग—अनेक ग्राम निगेटिव (Gram-negative) तथा ग्राम पॉजिटिव (Gram-Positive) पूय जनक जीवाणुओं के उपसर्ग में लाभदायक है।

मात्रा—दिन में ३-४ बार लगावें।

निर्माता--ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

टैनाफैक्स
(Tanafax)

औषधि—यह टैनिक एसिड (Tannic Acid) की जेली है।

प्रयोग—यह जल जाने पर प्रयुक्त होती है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार अनेक बार लगावें।

निर्माता--बरोल वेलकम (Burroughs Wellcome)

टीनियाफैक्स
(Tineafax)

औषधि-मिश्रण—

जिंक अण्डीसाइलीनेट (Zinc undecylenate)

जिंक नैफथीनेट (Zinc Naphthenate)

टरपीनियॉल (Terpineol)

मीसल्फन (Mysulphan)

मैथिल सैलिसिलेट (Methyl Salicylate)

प्रयोग--टीनिया पीडिस (Tinea Pedis), टीनिया क्रूरिस (Tinea Cruris) एवं अन्य फफूँद (Fungs) जन्य त्वचा के रोगों को ठीक करता है।

प्रयोग-विधि—रात्रि में और प्रातःकाल मलहम लगाना चाहिए।

टिप्पणी—इसका पाउडर (Powder) भी मिलता है।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

यूनिस्केबायएट
(Uniscaboint)

औषधि-मिश्रण—आर बेन्जीन हेक्साक्लोराइड (R. Benzene Hexachloride)

एमीनो एक्रीडीन हाइड्रोक्लोराइड (Amino acridine Hydrochloride)

प्रयोग—यह चर्म रोगों की दवा है। खाज में विशेष गुणकारी है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार होनी चाहिये।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

निक्सोडर्म
(Nixoderm)

औषधि-मिश्रण—

एसिड बेन्जोइक (Acid Benzoic)
एसिड सैलिसिलिक (Acid Salicylic)
टिटेनियम डाइआक्साइड (Tetanium Dioxide)
केओलीन (Kaolin)
सल्फर (Sulphur)
पैराफिन (Paraffin)
लिक्विड पेट्रोलेटम (Liquid Petrolatum)
स्नो ह्वाइट पेट्रोलेटम (Snow White Petrolatum)
मेन्थाल (Menthol)

प्रयोग—यह चर्म रोगों में प्रयुक्त होनेवाला सुन्दर मलहम है। नीम साबुन और गर्म पानी से आक्रान्त स्थान को खूब साफ कीजिये। उसके बाद मलहम लगाइये। मलहम रात्रि में तथा प्रातःकाल लगाना चाहिये।

मात्रा अधिक न होनी चाहिए। धीरे-धीरे मलहम लगाकर रगड़ना उचित है।

निर्माता—दी नाक्स कम्पनी, अमेरिका।

नीबाकार्ट्रिल आयन्टमेंट-चर्म
(Nebacortril Ointment-Skin)

औषधि-मिश्रण—

नियोमाइसिन (Neomycin)

बेसिट्रेसिन (Bacitracin)

हाइड्रोकार्टिजोन (Hydrocortisone)

पेट्रोलियम बेस में (In Petrolium Base)

प्रयोग—यह एलर्जी विरोधी (Antia llergic), शोथ विरोधी (Anti-Inflammatory) तथा जीवाणु विरोधी (Anti-Bacterial) मलहम है। शोथ, कण्डू, पूयजनक उपसर्ग, एक्जिमा, गुद-कण्डू आदि त्वचा के बाह्य रोगों में लाभदायक है।

मात्रा—दिन में २-३ बार या अधिक इसका पतला लेप लगाना चाहिए।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

—*—

नीको सोप
(Niko Soap)

औषधि-मिश्रण—साबुन के साथ एक प्रतिशत मर्क्यूरिक आयोडाइड (Mercuric Iodide) तथा फीनॉल।

प्रयोग—यह जीवाणुघ्न साबुन है। हाथ, आपरेशन का स्थान, शल्य पात्र आदि स्वच्छ करने का उत्तम साधन है। अनेक त्वक् रोगों में लाभ करता है।

निर्माता—पार्क डेविस (इण्डिया) लि०।

—*—

न्यूपरकेनल
(Nupercainal)

औषधि—सिनकोकेन हाइड्रोक्लोराइड (Cinchocaine Hydrochloride) का १% मलहम है।

प्रयोग—यह वेदनाहर मलहम है तथा कण्डू (खुजलाने की इच्छा) को भी शान्त करता है। त्वचा (Skin) जहाँ पर त्वचा और श्लैष्मिक कला का मेल होता है (Mucocutaneous Junctions), गुदविदार (Anal Fissure), अर्श (Haemorrhoides), सूर्यदग्ध (Sunburn), त्वचा में खरोंच (Skin Abrasions), फफोले एवं स्राव से युक्त एक्जिमा (Vesicular and exudative Eczema), शैया व्रण (Bed Sores), कक्षा (Herpes Zoster), शीतदग्ध (Chilblains), चुचुकविदार (Cracked Nipples), घाव (Ulcerations) आदि पीड़ायुक्त अवस्थाओं में लाभकर है।

मात्रा—दिन में तीन बार लगावें।

निर्माता—सीबा (Ciba)

--*--

प्रोपैमिडीन
(Propamidine)

औषधि-मिश्रण—यह डाइएमिडिनोडाइफिनाक्सीप्रोपेन (Diamidinodiphenoxypropane) है।

प्रयोग—घावों तथा जल जाने पर इसका बड़ा ही लाभदायक प्रयोग होता है, किन्तु यदि प्रयोग करने का ढंग गलत हुआ तो असफलता रहेगी। पहले घाव को नार्मल सेलाइन के सोल्यूशन से खूब मजे में धो डालना चाहिए। तदुपरान्त स्पेचुला से चमड़े की सतह के बराबर प्रोपेमिडीन जेली का प्लास्टर लगाना चाहिए। अगल-बगल के चमड़े पर यह मलहम न लगाना चाहिये। लगे हुए मलहम के ऊपर गाज लगाकर, उसके ऊपर रूई

रखकर बैण्डेज कर देना चाहिए। प्रत्येक तीसरे दिन ड्रेसिंग करनी चाहिये। अगर मवाद अधिक जाती हो तो नित्य ड्रेसिंग शुरू में कर सकते हैं। स्प्लिण्ट अगर लगाया गया हो तो दो दिन अथवा इससे अधिक पर भी ड्रेसिंग की जा सकती है। हर एक बार सेलाइन सोल्यूशन से घाव को साफ कर देना चाहिए तथा नयी जेली लगानी चाहिये। ताजा जले हुए स्थान में यदि इसका प्रयोग करना हो तो पहले जले हुए चमड़े को उस स्थान से हटा देना चाहिये तदुपरान्त प्रोपेमिडीन क्रीम का उस आक्रान्त स्थान पर स्पेचुला के द्वारा मोटा लेप करना चाहिये। तत्पश्चात् गाज रखकर बैण्डेज करना चाहिये। यदि जले हुए स्थान पर इसे लगाने में इससे तकलीफ हो तो किसी लिनेन या गाज पर लगाकर तब उस आक्रान्त स्थान में उसे लगाना चाहिये। इस ड्रेसिंग को ४८ घण्टे तक एकदम न छूना चाहिये। इसके बाद खोलकर सेलाइन से धोकर आवश्यकतानुसार पुनः प्रयुक्त करना चाहिये। प्रोपेमिडीन का आफथैलमिक सोल्यूशन भी आता है जो नेत्र रोग में लाभदायक है।

मात्रा--आवश्यकतानुसार होगी।

निर्माता--मे एण्ड बेकर लिमिटेड।

—०—

रिलैक्सिल ऑयण्टमेंट

(Relaxyl Ointment)

औषधि-मिश्रण—

मीफेनेसिन (Mephenesin)

मीथाइल निकोटिनेट (Methy-Nicotinate)

कैप्सिसिन (Capsicin)

ग्रीज रहित आधार (Non greasy base)

प्रयोग--कटिपीड़ा (Lumbago), पीठ में जकड़न (Stiffness in tbe back), तनाव (Strains) में मालिश के लिए।

प्रयोग विधि—पीड़ा के स्थान पर दिन में अनेक बार मालिश करें।

निर्माता—फ्रैंको-इण्डियन मैन्युफैक्चरर्स लि० (Franco-Indian-Manufacturers Ltd.)

—०—

रिंगवर्मोल

(Ringwormol)

औषधि-मिश्रण—बेन्जोइक एसिड (Benzoic Acid)

सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid)

मर्करी (Mercury)

प्रयोग—यह चर्म रोगों के लिये अच्छा मलहम है। विशेषकर दाद के लिए उत्तम है।

मात्रा—आक्रान्त स्थान को कार्बोलिक साबुन तथा पानी से धो डालना चाहिये और सूख जाने पर इस मलहम को लगाना चाहिये। कपड़ा बचाना चाहिये नहीं तो दाग लग जाने पर न छूटेगा।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

सैवलॉन

(Savlon)

औषधि-मिश्रण—

हिबिटेन (Hibitane)

सीटाव्लॉन (Cetavlon)

प्रयोग—यह हाथ, शल्य कर्म के शस्त्र, बतरन, फर्श आदि धोने, कुल्ला करने, डूस के लिये, घाव आदि धोने के काम आनेवाला एण्टिसेप्टिक

है। इसे जल में घोलकर काम में लाते हैं। इसका मलहम, पाउडर, चूसने की टिकिया आदि भी आती है।

निर्माता—आई० सी० आई०।

स्केबीज्मा
(Scabiezme)

औषधि-मिश्रण—बेन्जायल बेन्जोएट (Benzyl Benzoate)

सल्फर (Sulphur)

कैम्फर (Camphor)

कार्बोलिक एसिड (Carbolic Acid)

सैलिसिलिक एसिड (Salicylic Acid)

पेट्रोलियम (Petroleum)

प्रयोग—यह चर्म रोग की अच्छी दवा है। खुजली या उकवत में इसका बाह्य प्रयोग विशेष गुणकारी होता है। इस दवा की सूई भी आती है। जो विशेष लाभ पहुँचाती है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—इण्डस्ट्रियल एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट लि०, बम्बई।

—०—

शीतल
(Shital)

औषधि-मिश्रण—कैम्फर (Camphor)

मेन्थाल (Menthol)

आयल यूकैलिप्टस (Oil of Eucalyptus)

आयल कैजुपुटी (Oil of Cajuputi)

प्रयोग—यह बाह्य प्रयोग का बाम है। शरीर के किसी भी हिस्से के दर्द में इसका सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा सकता है। स्नायुशूल

(Neurlagia), शरीर के दर्द (Body-Pains), मोच, (Sprains), गठिया वात (Rheumatism), दाँत दद (Toothache), ठण्ड लगकर दर्द (Colds), सिरदर्द (Headache) आदि में लाभ पहुँचाती है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार लेकर रगड़ना चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

सल्फालेप
(Sulphalep)

औषधि--यह सल्फोनेमाइड (Sulphonamide) से तैयार की गई है।

प्रयोग--अल्सर, कार्बङ्कल तथा अन्य चर्म रोगों में इसका बाह्य प्रयोग होता है।

मात्रा--आवश्यकतानुसार मात्रा होनी चाहिये। आक्रान्त स्थान पर इसे लगाना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

स्केबिओयण्ट
(Scabioint)

औषधि-मिश्रण—

मर्करी (Mercury)
कोलटार (Coaltar)
सल्फर (Sulphur)
कैम्फर (Camphor)

प्रयोग—चर्म रोगों के लिए अच्छा मलहम है। दाद, खाज में विशेष गुणकारी है।

मात्रा—आक्रान्त स्थान को गर्म पानी तथा साबुन से खूब साफ कर लेना चाहिये। तत्पश्चात् उन स्थानों पर मलहम लगाना चाहिये। गन्दे कपड़े पहनना नुकसानदेह है।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

स्केबल

(Scabal)

औषधि—यह बेन्जायल बेन्जोएट (Benzyl Benzoate) से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह दाद, खुजली का अच्छा मलहम है।

मात्रा—गर्म पानी तथा साबुन से आक्रान्त स्थान को साफ करके सुखा लेना चाहिये। तत्पश्चात् मलहम लगाना चाहिये।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

सर्फाकेन

(Surfacaine)

औषधि-मिश्रण—मेथाइलपिपेर डीनो-प्रोपाइल-पैरासाइक्लो हेक्सीलाक्सी बेन्जोएट सल्फेट (Methylpiperidino-Propyl-paracyclohexyloxy Benzoate Sulphate)

प्रयोग—यह चर्म रोगों के लिए अच्छा मलहम है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार होगी।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

—*—

टारसोलॉन

(Tarsolon)

औषधि-मिश्रण—

प्रेडनिजोलोन एसीटेड (Prednisolone acetate)

ट्यूमेनॉल अमोनियम (Tumenol-Ammonium)

प्रयोग—एक्जिमा (Eczema), अलर्जी जन्य रोग (Allergic diseases), कण्डू (Pruritus), एक्नी रोजेशिया (Acne rosacea) आदि त्वचा के रोगों में लाभदायक है।

प्रयोग-विधि—दिन में १ से २ बार लगावें।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

—o—

टेरामाइसिन टोपिकल आयण्टमेंट

(Terramycin Topical Ointment)

औषधि-मिश्रण—

टेरामाइसिन हाइड्रोक्लोर (Terramycin Hydrochloride)

पोलिमिक्सिन बी (Polymixin B.)

पेट्रोलियम बेस में (In Petrolium Base)

प्रयोग--त्वचागत संक्रमणों में लाभकर। पूययुक्त त्वचा शोथ (Pustular Dermatitis), घाव, फोड़े फुन्सी, एक्नी, कटना, जलना आदि में प्रयुक्त होता है।

मात्रा--दिन में २-३ बार लगाना चाहिये।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि०।

—o—

टाइमोलोन

(Tymolone)

औषधि-मिश्रण—यह थाइमल आयोडाइड (Thymol Iodide) द्वारा तैयार औषधि है ।

प्रयोग—यह ऐण्टिसेप्टिक मलहम है । कटे, जले, घाव, मोच आदि पर इसका प्रयोग होता है । उकवत में भी लाभप्रद है ।

मात्रा—इसे आवश्यकतानुसार २, ३ बार दो दिन तक लगाना चाहिये । लगाने के पूर्व आक्रान्त स्थान को खूब साफ कर लेना चाहिए ।

निर्माता—टी० सी० एफ० लिमिटेड, बम्बई ।

—*—

टायरोडर्म

(Tyroderm)

औषधि—यह टायरोथ्राइसिन (Tyrothricin) का मलहम है ।

प्रयोग—घाव आदि में लगाने का लाभदायक मलहम है ।

मात्रा—दिन में १-२ बार आवश्यकतानुसार ।

निर्माता—एम० एस० डी० ।

—o—

टेसीफाल

(Tecifol)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट विचहेजल (Ext. Witchazel)

एलो पेट्रोलेटम (Yellow Petrolatum)

लेनोलिन ऐनहाइड्रस (Lanolin Anhydrous)

लिक्विड पैराफिन (Liquid Paraffin)
बेन्जोकेन (Benzocaine)
विस्मथ सबगैलेट (Bismuth Subgallate)
कैम्फर (Camphor)
मेन्थाल (Menthol)

प्रयोग मलद्वार का उकवत (Eczema of the anus), दर्द भरी और खुजली युक्त खूनी बवासीर (Painful & itching haemorrhoide) अण्डकोष का उकवत (Eczema of the scrotum) तथा हर प्रकार के दर्द भरे घावों में लाभदायक है।

मात्रा--आवश्यकतानुसार इस मलहम का प्रयोग करना चाहिये।

निर्माता--टी० सी० एफ०, बम्बई।

—✱—

जाइलोकेन मलहम

(Xylocain Ointment)

औषधि—यह ५ प्रतिशत जाइलोकेन (Xylocain) का मलहम है।

प्रयोग--इसके प्रयोग से पीड़ा (Pain), खुजली (Itching) और जलन (Burning) समाप्त हो जाती है। घावों (Wounds), चुचुक (Nipple), एक्जिमा (Eezema), कीटदंश (Insect bites), अर्श (Haemorrhoids), गुद विदर (Anal Fissure) में प्रयुक्त होता है। शीघ्र पतन (Premature ejaculation) में भी लाभ करता है।

निर्माता--गेगी (Geigy)

—o—

अध्याय १३

रक्त-स्राव रोकनेवाली औषधियाँ

(Haemostatics)

रक्त-स्राव शरीर पर चोट लगने, कटने आदि से हो सकता है अथवा शरीर के अन्दर से किसी रोग के कारण मल के साथ, मुख से वमन (Haematemesis), खाँसी (Haemoptysis) या मसूढ़ों आदि से हो सकता है। कुछ रोग ऐसे भी होते हैं जिनमें थोड़ा भी कटने या चोट लगने से रक्त-स्राव होने लगता है और जल्दी बन्द नहीं होता। ऐसे रोगों में अप्रत्यक्ष रक्त स्राव जैसे त्वचा के नीचे या उदर गुहा के अवयवों में भी रक्त स्राव हो सकता है। रक्त-स्राव रोधक औषधियाँ इस श्रेणी के रोगों में उनके मूल कारण को लक्षणों सहित दूर कर देती हैं, परन्तु अन्य रोगों में केवल रक्त-स्राव को रोकने में सहायक मात्र हैं, रोग के मूल कारण की चिकित्सा भी पूरे जोर शोर से करनी चाहिये। यहाँ पर सब प्रकार से होनेवाले रक्त-स्रावों को रोकने की औषधियाँ संकलित की गई हैं।

रक्त-स्राव रोधक औषधियों का मूल सिद्धान्त रक्त में जमने की शक्ति बढ़ाना है। इस कार्य में विटामिन सी और के तथा कैल्शियम विशेष सहायक होते हैं। उनके सम्बन्ध में विटामिन का अध्याय अवश्य देखें। अन्य औषधियाँ जिनमें से अनेक में विटामिन तथा कैल्शियम भी मिले हुए हैं यहाँ दी जाती हैं।

—o—

क्लाओडेन टिकिया

(Clauden Tablet)

औषधि-मिश्रण—

फुफ्फुस के तन्तुओं से निकाला गया कोएगुलेण्ट (Coagulant isolated from lung tissue) कैल्शियम लैक्टेट (Calcium Lactate) ।

———

प्रयोग--यह रक्त में जमने की शक्ति को बढ़ाती है। अतः रजःस्राव अथवा रक्त-स्राव की सम्भावना में प्रयोग की जाती है।

मात्रा—१-३ टिकिया प्रतिदिन भोजन के साथ।

निर्माता—ल्युइटपोल्ड-रेक् म्यूनिख।

हीमोलिन

(Haemolin)

औषधि-मिश्रण—

टैकार्डिया लैका (Tachardia Lacca)

वासक (Vaska)

एब्रोमा अगस्टा (Abroma Augusta)

अयापान (Ayapana)

टेरोकार्पस सैण्टैलिनस (Pterocarpus Santalinus)

सिम्प्लोकॉस रेसीमोसा (Symplocos Recemosa)

अगलैया राक्सबर्घियाना (Aglaia Rauxburghina)

प्रयोग—फुफ्फुस, आन्त्र, आमाशय, वृक्क, मूत्राशय तथा अन्य रक्त-स्रावों को रोकता है। विशेष रूप से आमाशय और आन्त्र से रक्तस्राव में लाभकर है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार १ से ६ एम्प्यूल प्रतिदिन जल, दुग्ध अथवा शर्बत के साथ मुख द्वारा।

निर्माता—एडको लिमिटेड।

हीमोस्टिक

(Hemostic)

औषधि-मिश्रण--इसको प्रत्येक गोली में रूटीन (Rutin), विटामिन सी, Acetomenaphthone तथा कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate) रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग Degenerative Vascular Disease, एलर्जिक विकार, औपसर्गिक ज्वर की अवस्था, यकृत तथा क्लोम विकार, Gastro-Intestinal disease, Pancreatic Insufficiency, रक्त-स्राव जन्य रोग (Haemorrhagic Disease) इत्यादि अवस्थाओं में करते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में आवश्यकतानुसार अनेक बार।

निर्माता—एलेम्बिक (Alembic)

स्पञ्जोस्टन
(Spongostan)

औषधि-मिश्रण—इसमें 2 Piece Sterile gelatine Spong अलग अलग रखा हुआ मिलता है जो कि Heat Sealed poliofilm bag में बन्द आता है।

प्रयोग—किसी भी कारण से उत्पन्न बाह्य रक्तस्राव को तत्काल रोकने के काम में आता है।

प्रयोग विधि—इसको विशुद्ध सैलाइन में तश्तरी में रखकर भिगोकर रखते हैं और तत्काल उसमें से निकलकर सैलाइन निचोड़कर रक्तस्रावी स्थान पर २ मिनट तक रखते हैं जब तक पूर्ण रूप से उस स्थान पर चिपक न जाय।

स्टिप्टोबियोन
(Styptobion)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में विटामिन सी०, Dibutyrate of Vitamin K_4, 2—Methyl-1 4—Napthohydraquinone diphosphate Sodium, रुटिन (Rutin) इत्यादि औषधियाँ होती हैं।

प्रयोग—इसका प्रयोग सर्व प्रकार के बाह्य एवं आन्तरिक रक्तस्राव की अवस्थाओं में करते हैं। इसके अतिरिक्त मासिक जन्य अत्यार्त्तव इत्यादि में भी प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—ई मर्क कम्पनी जर्मनी (E. Merck Co. Germany)

स्टिप्टोविट
(Styptovit)

औषधि-मिश्रण—

एड्रेनोक्रोम मोनोसेमीकार्बाजोन (Adrenochrome Monosemicarbazone)

मोनोडियोन सोडियम बाई-सल्फाइट (Menadione Sodium Bisulphite)

एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

रूटिन (Rutin)

कैल्शियम ग्लुकोनेट (Calcium Gluconate)

कैल्सीफेरॉल (Calciferol)

प्रयोग—हर प्रकार के रक्तस्राव में लाभदायक है।

मात्रा—१ से २ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—डोल्फिन लेबोरेटरीज प्राइवेट लि०।

स्टैड्रेन
(Stadren)

औषधि—यह कार्बाजोक्रोम सैलिसिलेट (Carbazochrome Salicylate) की टिकिया, सूई और सिरप है।

प्रयोग—किसी भी रक्तस्राव में लाभकर है।

मात्रा–टिकिया दिन में ३-४ बार बच्चों को सिरप अवस्था के अनुसार। सूई एक एम्प्यूल मांसपेशी में, प्रतिदिन एक या दो बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता — मिलनेक्स लेबोरेटरीज।

—o—

टिविटा

(Tivita)

औषधि—यह कार्बाजोक्रोम सैलिसिलेट (Carbazochrome Salicylate) की टिकिया है।

प्रयोग--सभी प्रकार के रक्तस्रावों में लाभदायक।

मात्रा — १ टिकिया दिन में तीन बार।

निर्माता—लेबोरेटरीज ऑर्गासिन।

—o—

अध्याय १४

जीवाणु विरोधी औषधियाँ

(Antibiotics)

टेट्रासाइक्लिन, पेनिसिलिन, स्ट्रेप्टोमाइसिन और सल्फा श्रेणी की तथा कुछ अन्य औषधियों की गणना जीवाणुरोधी (Bacteriostatic) औषधियाँ में होती है। इनमें से पेनिसिलिन तो जीवाणुनाशक (Bactiricidal) भी है। इस श्रेणी की औषधियों ने चिकित्सा जगत में क्रान्ति मचा दी है। अतः इनका पृथक्-पृथक् रोगों में वर्णन न कर एक ही स्थान पर कुछ विस्तार से वर्णन किया जायगा।

टेट्रासाइक्लीन

(Tetracyclines)

इनमें से टेट्रासाइक्लीन श्रेणी की औषधियाँ नवीनतम तथा सर्वाधिक प्रभावशाली हैं। ये सैकड़ों प्रकार के जीवाणुओं से (एक साथ अथवा अलग-अलग) उत्पन्न रोगों में प्रभावशाली हैं। इनमें विषाक्तता भी नहीं होती। इनका प्रयोग प्रधानतः बैक्टीरियल (Bacterial), रिकेट्शियल (Recket-tsial), स्पाइरोकीटल (Spirochetal) और कुछ सूक्ष्मदर्शकातीत विषाणु (Virus) तथा प्रोटोजोन (Protozoan) श्रेणी के रोगोत्पादक जीवाणुओं के विनाश के लिए होता है। यह तीव्र तथा जीर्ण दोनों प्रकार के रोगों में समभाव से लाभकारी होता है। न्यूमोनिया (Pneumonia) रोगों में बहुत ही गुणकारी है। श्वसन संस्थान के रोगों में विशेषतया तीव्र प्रकार की खाँसी, फेफड़े के उपसर्ग (Pulmonary infections), कुकुर खाँसी

(Whooping Cough), इन्फ्लुएंजा (Influenza) आदि रोगों में भी इसका सफलतापूर्वक प्रयोग करते हैं ।

इनमें तथा अन्य सभी जीवाणु विरोधी औषधियों में एक ही सबसे बड़ा दुर्गुण है कि ये आन्त्रस्थ उन जीवाणुओं को भी नष्ट कर देती हैं जो शरीर के लिए हितकर हैं तथा जो विटामिन बी कम्प्लेक्स के अनेक तत्वों का शरीर के भीतर ही निर्माण करते हैं। आन्त्रस्थ कुछ ऐसे भी जीवाणु हैं जो सामान्यतः रोगोत्पादक नहीं होते । अन्य जीवाणुओं की उपस्थिति में ये एक निश्चित परिमाण से अधिक नहीं बढ़ते, परन्तु जीवाणु-विरोधी औषधियों के सेवन के पश्चात् अनेक जीवाणुओं के समाप्त हो जाने पर ये अन्धाधुन्ध बढ़ते हैं तथा रोग उत्पन्न कर देते हैं । अतः इनके सेवन की अवधि में उपद्रव न हो पाये तथा बिटामिनों की पूर्ति होती रहे इसका ध्यान रखना चाहिए । इसी बात को ध्यान में रख कर अनेक कम्पनियों ने विटामिन युक्त टेट्रासाइक्लीन की कैम्स्यूल तथा कुछ ने निस्टैटिन युक्त कैप्स्यूल बनाये हैं ।

भिन्न स्थानों पर तथा विभिन्न रोगों पर प्रयोग के लिए अनेक स्वरूपों में इसका निर्माण किया जाता है यथा कैप्स्यूल, एम्प्यूल, वायल, मलहम, कार्टिजोन युक्त मलहम, अन्य जीवाणुरोधी औषधियों के साथ मिले हुए मलहम, आँख, कान, नाक के लिए बूँद, एलिक्जर, बच्चों के लिए पीडियैट्रिक ड्राप, ट्राची आदि । आँख, कान, नाक के रोगों तथा त्वचा के मलहमों का उन प्रकरणों में भी उल्लेख हो चुका है । यहाँ पर संक्षेप में कुछ पेटेण्ट टेट्रासाइक्लीनो का उल्लेख किया जाता है । ये सभी टेट्रासाइक्लीनों के लवण हैं यथा क्लोरटेट्रासाइक्लीन (Chlor-tetracycline), आक्सी टेट्रासाइक्लीन (Oxy-tetracycline), टेट्रासाइक्लीन हाइड्रोक्लो० (Tetracycline Hydrochlor) आदि । ये सभी न्यूनाधिक रूप में समान गुणयुक्त हैं ।

मात्रा--इसकी साधारण मात्रा $\frac{1}{4}$ से $\frac{1}{2}$ ग्राम प्रति ४-६ घण्टे पर देने की है । २४ घण्टे में साधारणतः १ से २ ग्राम की प्रचलित मात्रा है । छोटे बच्चों में उनकी उम्र, भार या वजन और रोग की तीव्रता के अनुसार मात्रा का निश्चय करना चाहिए ।

टैरामाइसिन

(Terramycin)

स्वरूप (Presentation)—

टेरामाइसिन कैप्स्यूल (Terramycin Capsule)—२५० मि० ग्रा० प्रति कैप्स्यूल।

टेरामाइसिन एस० एफ० कैप्स्यूल (Terramycin S.F. Capsule)— इसमें विटामिन बी कम्प्लेक्स तथा सी मिला हुआ है।

टेरामाइसिन सिरप (Terramycin Syrup)—बच्चों तथा कैप्स्यूल निगलने में असमर्थ रोगियों के लिए।

टेरामाइसिन प्रीमिक्स्ड पीडियेट्रिक ड्राप (Terramycin Premixed Pediatric Drops)—शिशुओं के लिए बूँद।

टेरामाइसिन इण्ट्रावेनस (Terramycin Intravenous)—शिरा द्वारा देने के लिए एम्प्यूल, इसे डेक्स्ट्रोज के विलयन के साथ मिलाकर धीरे धीरे दिया जाता है।

टेरामाइसिन-इण्ट्रामस्कुलर (Terramycin Intramuscular)—पेशी में देने के लिए एम्प्यूल तथा वायल।

टेरामाइसिन आफ्थैलिमक आयन्टमेंट (Terramycin Ophthalmic Ointment) आँख, कान, नाक का प्रकरण देखें।

टेरामाइसिन टॉपिकल आयन्टमेंट (Terramycin Topical Ointment)—बाह्य प्रयोग की औषधियाँ देखें।

टेरामाइसिन ट्राची (Terramycin Troches)—मुख, जिह्वा, गले आदि के रोगों के लिए।

टेरामाइसिन ओटिक सोल्यूशन (Terramycin Otic Solution)—आंख, कान, नाक का प्रकरण देखें।

टेरामाइसिन सोल्यूबल टैबलेट (Terramycin Soluble Tablets)—बच्चों के लिए। किसी पेय में घालकर देना चाहिए।

टेरामाइसिन डैण्टल पेस्ट (Terramycin Dental Paste) - दाँत उखाड़ने के बाद तथा मुख की शल्यक्रिया के बाद पाक से बचाव के लिए।

टेरामाइसिन वैजायनल टैबलेट (Terramycin Vaginal Tablets)—योनि रोग में रखने के लिए।

टेट्रासिन कैप्स्यूल (Tetracyn Capsule)—टेरामाइसिन कैप्स्यूल के समान।

टेट्रासिन इन्ट्रामस्कुलर (Tetracyn Intramuscular)—टेट्रसिन की पेशी में देने की एम्प्यूल।

सिनरमाइसिन कैप्स्यूल (Synermycin Capsule)—यह टेरामाइसिन तथा ओलियेण्डोमाइसिन (Oleandomycin) की संयुक्त कैप्स्यूल है। मात्रा टेरामाइसिन के समान अथवा अधिक।

सिनरमाइसिन इन्ट्रामस्कुलर (Synermycin Intramuscular)—पेशी में देने योग्य सिनरमाइसिन।

टेराकार्ट्रिल (Terracortril Ophthalmic & Topical Ointments)—आँख तथा त्वचा का मलहम।

निर्माता—उपर्युक्त सभी औषधियों के निर्माता फाइजर प्राइवेट लि०।

एक्रोमाइसिन
(Achromycin)

यहभी टेरामाइसिन के समान कैप्स्यूल, विटामिन युक्त कैप्स्यूल, एम्प्यूल, मलहम आदि के रूप में आती है।

मात्रा तथा प्रयोग—टेरामाइसिन के समान।

निर्माता—लेडरली (Lederle)

टिप्पणी—१. एक्रोमाइसिन वी (Achromycin V) कैप्स्यूल में सोडियम मैटाफॉस्फेट (Sod um Metaphosphate) मिला रहता है। जिससे इसका शीघ्र शोषण होता है।

टिप्पणी २--इसका एक्रोमाइसिन इन्ट्रामस्कुलर (Achromycin Intramuscular) इन्जेक्शन. एक्रोमाइसिन इण्ट्रावेनस (Achromycin Intravenous) इन्जेक्शन, एक्रोमाइसिन इयर सोल्यूशन (Achromycin Ear Solution) कान में डालने के लिए, एक्रोमाइसिन पोडियैट्रिक ड्राप्स एक्यूअस (Achromycin Pediatric Drops Aquos) बच्चों के लिए, एक्रोकाइसिन मलहम (Achromycin Ointment) त्वचा एवं घावों के लिए एक्रोमाइसिन आपथैल्मिक आयन्टमेंट (Achromycin Ophthalmic Ointment) आँख के लिए मलहम, एक्रोमाइसिन आपथैल्मिक आॅयल सस्पेंशन (Achromycin Ophthalmic Oil Suspension) आँख के लिए तैलीय बूँद, एक्रोमाइसिन सोल्यूबल टेबलेट्स (Achromycin Soluble tablets) पेय द्रव्थों में घोल बनाकर पीने के लिए प्रत्येक टिकिया ५० मि० ग्रा० की) एक्रोमाइसिन स्परसाँयड्स (Achromycin Spersoides) घोलकर पीने के लिए पाउडर एक्रोमाइसिन ट्रोचेज (Achromycin Troches) मुख में रखने के लिए भी मिलते हैं ।

सुबामाइसिन

(Subamycin)

मात्रा तथा प्रयोग—टेरामाइसिन के समान ।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर प्राइवेट लि० ।

टिप्पणी—सुबामाइसिन सी (Subamyain C) कैप्स्यूल में १२५ मिग्रा० औषधि रहती है । बच्चों के लिए है ।

इसकी डिस्पर्सिबल टिकिया (Dispersible tablets), पीडियाट्रिक ड्राप्स (Pediatric Drops), पीडियाट्रिक सिरप (Pediatric Syrup), आपथैल्मिक आयन्टमेंट (Ophthalmic Ointment),

सुबाकार्ट स्किन आयन्टमेंट (Subacort Skin Ointment), सुबामाइसिन आई/ईयर सस्पेंशन (Subamycin Eye Ear-Suspension) आदि भी मिलते हैं।

एलसाइक्लिन
(Alcyclin)

कैप्स्यूल, पीडियाट्रिक ड्राप (Pediatric drops), आँख का मलहम (Eye ointment) रूप में आती है।

मात्रा तथा प्रयोग—टेरामाइसिन के समान।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल, वर्क्स लि०।

होस्टासाइक्लीन
(Hostacycline)

कैप्स्यूल (Capsule), सिरप (Syrup) और ड्राप्स (Drops) के रूप में आती है।

मात्रा तथा प्रयोग—टेरामाइसिन के समान।

निर्माता—हेक्स्ट।

औरियोमाइसिन
(Auriomycin)

कैप्स्यूल सस्पेंशन, आँख का मलहम पीडियेट्रिक ड्राप आदि।

मात्रा तथा प्रयोग—टेरामाइसिन के समान।

निर्माता—लेडरली लेबोरेटरीज।

लेडरमाइसिन कैप्स्यूल एवं ड्राप

(Ledermycin Capsules & Drops)

औषधि-मिश्रण--यह कम मात्रा में अधिक समय तक कार्य करने वाला टेट्रासाइक्लीन है।

प्रयोग--टेरामाइसिन के समान।

मात्रा—१५० मि० ग्राम की २ कैप्स्यूल अथवा ३०० मि० ग्राम की एक कैप्स्यूल दिन में दो बार। बच्चों को १ से २ बूँद प्रति कि० ग्राम शरीर भार के अनुसार दिन में दो बार।

निर्माता—लेडरली (Lederle)

मस्टेक्लिन वी

(Mysteclin v)

इसमें टेट्रासाइक्लीन के साथ निस्टैटिन भी है। कैप्स्यूल (Capsules) और बच्चों के लिए पीडियाट्रिक ड्राप (Pediatric drops) मिलते हैं।

मात्रा--४ कैप्स्यूल प्रतिदिन। बच्चों को ड्राप अवस्था के अनुसार।

निर्माता--स्क्विब।

टिप्पणी—केवल मिस्टेक्लिन १००-१०० (Mysteclin 100-100) के नाम से टेट्रासाइक्लीन (Tetracyline) और निस्टैटिन (Nystatin) की कैप्स्यूल आती है जिसमें दोनों १००-१०० मिग्रा० रहते हैं।

अन्य पेन्टेट टेट्रासाइलीन

(Other Proprietary Tetracyclines)

१. एफडिसाइक्लीन (Afdicyline)—ए० एफ० डी० (A.F.D.) टेट्रासाइक्लीन हाइड्रोक्लोराइड (Tetracycline Hydrochloride) ५०० मिग्रा० की कैप्स्यूल है।

२. कोपासाइक्लीन (Kopacycline)-कोप्रन केमिकल (Kopran Chemical)। बच्चों के लिए बूँद और सिरप (Pediatric drops and Syrup) ।

३. ईस्टीसाइक्लीन पीडियाट्रिक ड्राप्स (Estycycline Pediatric drops)—टैबलेट्स प्राइवेट लिमिटेड (Tablets Private Ltd.) बच्चों के लिए बूँद ।

पेनिसिलिन
(Penicillin)

यह अनेक जीवाणुओं से उत्पन्न रोगों में लाभ करती है ।

प्रयोग—इसका प्रयोग विभिन्न रोगों में बड़ी सफलतापूर्वक किया जाता है जैसे मेनिञ्जाइटिस (Meningitis) न्यूमोनिया (Pneumonia), कार्बङ्कल (Carbuncle), गर्मी (Syphilis), सूजाक (Gonorrhoea), पैरीटोनाइटिस (Peritonitis), इण्डोकार्डाइटिस (Endocarditis), गठिया वात (Arthritis), डिफ्थीरिया (Diphtheria) तथा हर प्रकार के चर्मरोग आदि । इसका प्रयोग आजकल लगभग सभी बैक्टीरियल रोगों में किया जा रहा है ।

मात्रा—आवश्यकतानुसार होगी ।

पेनिसिलिन के प्रकार

१—क्रिस्टलाइन पेनिसिलिन 'के' या 'जी' (Crystalline Penicillin K or G)—यह जल में शीघ्र घुलनशील है । इसकी सूई ३-६ घण्टे पर २५ से ५० हजार यूनिट तक पेशी में दी जाती है । इसे नार्मल सैलाइन या आस्रुत जल में घोलते हैं । आँख के रोगों में इसके बूँद प्रति घण्टे अथवा दो घण्टे पर आँख में डाले जाते हैं । यह रक्त में जाकर शीघ्र नष्ट हो जाती

है। अतः इसे शिरा द्वारा देना हो तो बूँद की विधि (Drip method), से दिया जाता है। पेनिसिलिन में विषाक्तता बिल्कुल नहीं है, अतः इसे अधिक मात्रा में दिया जा सकता है। किसी-किसी को इसकी असह्यता होती है। ऐसे व्यक्ति को देते ही घोर उपद्रव होता है तथा ५ मिनट के अन्दर ही प्राणान्त हो सकता है। इसका घोल प्लूरा, पेरिटोनियम तथा सुषुम्ना में भी सुई द्वारा भरा जा सकता है।

निर्माता—ड्यूमेक्स, ग्लैक्सो आदि अनेक कम्पनियाँ।

२—प्रोकेन पेनिसिलीन (Procain Penicillin)—यह वायल में आती है तथा सुई द्वारा २४ घण्टे में एक बार पेशी में (शिरा में कदापि नहीं) दी जाती है। ४, ८ तथा २० लाख यूनिट के वायल आते हैं।

निर्माता—आई० सी० आई, ड्यूमेक्स आदि अनेक कम्पनियाँ।

३. पेनिसिलिन इन आयल (Penicillin in Oil)—यह भी सूई द्वारा पेशी में दी जाती है। इसका प्रभाव २४ से ७२ घण्टे तक रहता है।

निर्माता—हेक्स्ट आदि अनेक कम्पनियाँ।

४—बिनापेन (Benapen)—इसका प्रभाव ७२ से ९६ घण्टे तक रहता है।

निर्माता—ग्लैक्सो।

५—पेनिड्यार एल० ए० (Penidure L. A.)—यह ६ और १२ लाख के यूनिट के वायल में आती हैं। प्रभाव १ सप्ताह तक रहता है।

६—पेनिसिलिन के मलहम (Penicillin Ointments)—आँख व बाह्य प्रयोग के लिए।

निर्माता—ग्लैक्सो आदि अनेक कम्पनियाँ।

७—पेसिलिन जी टैबलेट (Penicillin G Tablets)—चूसने के लिए। मुख, गले आदि में स्थानीय लाभ के लिए।

निर्माता—ड्यूमेक्स, स्क्विब आदि अनेक कम्पनियाँ।

८—पेनिसिलिन वी टैबलेट (Penicilin V Tablets)—यह पेट में जाकर नष्ट नहीं होती, अतः इसका प्रभाव उन सभी रोगों में होता है जिनमें सुई दी जाती है। इससे असह्यता के लक्षण भी उसी रूप में उत्पन्न नहीं होते।

निर्माता—ड्यूमेक्स एम० बी० आदि अनेक कम्पनियाँ।

९—क्रिस्टापेन वी सीरप (Grystapen V Syrup)—बच्चों के लिए पेनिसिलिन वी का सिरप है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

पेनिसिलिन का टिकिया

पेनिसिलिन की व्यापारिक टिकिया (अकेली अथवा सल्फा औषधियों के साथ :—

१. पेन्टिड-२०० और पेन्टिड-४०० (Pentid 200 and Pentid 400) स्क्विब (Squibb) पेनिसिलिन जी (Penicillin G)।

२. स्टैनपेन–२०० और स्टैनपेन–५०० (Stanpen 200 and Stanpen 500)—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)। पेनिसिलिन जी (Penicillin G)।

३. पेन्टिड्स वी (Pentids V)—स्क्विब (Squibb) पेनिसिलिन वी० (Pencillin V) की टिकिया २ लाख यूनिट।

४. ओरासिन के (Oracyn K)—एम० बी० (M. &. B.) पेनिसिलिन वी (Penicillin V) १ और २ लाख यूनिट ६२·५ और १२५ मि० ग्रा० की टिकिया।

५. फीनोसिन (Fenocin) ड्यूमेक्स (Dumex)। पेनिसिलिन वी (Penicillin V) १ और २ लाख यूनिट (६५ और १३० मिग्रा०) की टिकिया।

६. क्रिस्टापेन-वी (Crystapen V)—ग्लैक्सो (Glaxo)। पेनिसिलिन वी (Penicillin V) ६५ मि० और १३० मिग्रा० की। इसका सिरप भी मिलता है।

७. फीनोसिन ट्राइसल्फा (Fenocin Trisulfa) ड्यूमेक्स (Dumex)। तीन घुलनशील सल्फा औषधियों के साथ पेनिसिलिन वी (Penicllin V with three soluble sulpha drugs)।

८. पैनिट्रायड (Penitriad)—एम एण्ड बी (M & B)—घुलनशील सल्फा औषधियों के साथ पेनिसिलिन जी (Penicillin G with three soluble sulpha drugs)।

९. स्टैनपेन एस (Stanpen-S)—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)। पेनिसिलिन व सल्फा (Penicillin and Sulpha)।

१०. केमिपेन (Chemipen)—स्क्विब (Squibb)। यह पेनिसिलिनेज (Penicillinase resistant) पोटैशियम अल्फा-फीनॉक्सी ईथिल पेनिसिलिन (Potassium Alphaphenoxyethyl Penicillin) की टिकिया है। २ लाख यूनिट (१३६ मि० ग्रा०) औषधि रहती है।

११. डेपेन टैबलेट्स (Depen Tablets)—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)। प्रत्येक टिकिया में पेनिसिलिन वी पोटैशियम (Penicillin V Potassium) १३० मिग्रा० रहती है। बच्चों के लिए इसकी आधी मात्रा की डेपेन 'सी' (Depen 'C') टैबलेट मिलती हैं। इसके ग्रेन्यूल्स (Granules) भी मिलते हैं जिनको घोलकर सिरप बनाया जा सकता है।

———

स्ट्रेप्टोमाइसिन
(Streptomycin)

परिचय—यह एक प्रसिद्ध जीवाणु विरोधी औषधि है जो स्ट्रेप्टोमाइसिस ग्रिसेस (Streptomyesis Greseus) नामक जीवाणु (Soil Organism) से उत्पन्न होती है। यह एक जान्तव (Biological) पदार्थ है। यह सफेद, कणदार, गंधरहित चूर्ण होता है जो सल्फेट और हाइड्रोक्लोराइड के रूप में आता है। एक तीसरा रूप डाइहाइड्रोस्ट्रेप्टोमाइसिन का है जो अधिक क्रियाशील, कम तकलीफ देनेवाला और अधिक काल तक पड़ा रहने पर भी न बिगड़ने वाला है। परन्तु इससे स्थायी बाधिर्य उत्पन्न हो सकता है।

मात्रा—साधारणतः इसकी मात्रा $\frac{१}{२}$ ग्राम प्रत्येक १२ घण्टे पर देनी चाहिये। यह मात्रा एक मध्यम शक्ति और वजनवाले रोगी की है। प्रयोग द्वारा वैज्ञानिकों ने यह निश्चित किया है कि प्रतिदिन एक ग्राम की मात्रा लगभग ४२ दिन तक अधिक से अधिक देना चाहिए। इससे रोगी को कष्ट नहीं होता तथा औषधि का उत्तम लाभ होता है। इसके अतिरिक्त २४ घण्टे में १ ग्राम से अधिक मात्रा का प्रयोग करने पर कोई विशिष्ट लाभ तो नहीं दीख पड़ा है, केवल विषाक्तता के लक्षणों की ही अधिकता होती है और ४२ दिन से अधिक चिकित्सा चलती रहने पर रोगी को औषधि प्रायः सात्म्य हो जाती है। आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा-अवधि ४२ दिन के बजाय ६०, ९०, १०० या १२० दिनों तक चालू रखी जा सकती है और इससे रोगियों को लाभ भी हुआ है। २४ घण्टे में १ ग्राम के बजाय २ या ३ ग्राम की औषधि भी अत्यन्त उग्र लक्षणों की शान्ति के लिए दो-चार दिनों तक दी जा सकती है, परन्तु लगातार चिकित्सा के लिए एक ग्राम ही पर्याप्त मात्रा है।

पैकेट—प्रायः १ ग्राम चूर्ण की रबरबन्द शीशियाँ पृथक्-पृथक् अथवा ५ और १० के कार्डबोर्ड बक्सों में आती हैं। कुछ कम्पनियाँ २ ग्राम और

५ ग्राम चूर्ण की शीशियाँ भी भेजती हैं। अब ०·७५ ग्राम की भी मिलने लगी है। इस समय उपलब्ध स्ट्रेप्टोमाइसिन में स्क्विब और फाइजर कं० के स्ट्रेप्टोमाइसिन चिकित्सकों द्वारा अधिक प्रयुक्त किये जा रहे हैं।

गुण—मुख द्वारा प्रयोग करने पर इसका प्रभाव शरीर पर बिल्कुल नहीं के बराबर होता है। आन्त्रगत, राजयक्ष्मा पर भी मुख द्वारा प्रयुक्त औषधि निरर्थक होती है। आँत में यह अपरिवर्तित स्वरूप में पड़ी रहती है और उसी प्रकार निकल जाती है। सूचीवेध द्वारा मांसपेशी में देने से यह सर्वोत्तम कार्य करती है। प्रायः २० मिनट के बाद शरीर के अणु-अणु में व्याप्त हो जाती है और लगातार ६ घंटे तक अपनी पूर्ण शक्ति से रोग का सामना करती है। इसके बाद इसकी शक्ति क्रमशः क्षीण हो जाती है और १२ से २४ घंटे के बाद प्रायः समाप्त हो जाती है। यह जलोदर के जल में, फुफ्फुसावरण के जल में, सुषुम्ना के जल में तथा प्रायः सभी स्थानों पर एक समान फैलती है। वैज्ञानिकों का ऐसा अनुमान है कि स्ट्रेप्टोमाइसिन के द्वारा जीवाणुओं का पूर्ण विनाश नहीं होता, बल्कि शरीर की जीवाणुभक्षक शक्ति इसके द्वारा इतनी अधिक बढ़ जाती है कि साधारण शक्तिसम्पन्न जीवाणुओं को भी शरीर स्ट्रेप्टोमाइसिन की मदद से नष्ट कर देता है। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि स्ट्रेप्टोमाइसिन इन जीवाणुओं के द्वारा उत्पन्न विष (Toxins) को उसी प्रकार सोख लेती है जिस प्रकार सोखता या स्पंज स्याही को और विषों की अनुपस्थिति से ज्वर, खाँसी, रक्तवमन, वक्षशूल, अग्निमान्द्य, दौर्बल्य इत्यादि अदृश्य हो जाते हैं। रोगी खा-पीकर चैन से रहकर तुरन्त स्वस्थ-पुष्ट हो जाता है और स्वयं इतना शक्तिशाली हो जाता है कि उसके रोगभक्षक अवयव रोगान्त कर देते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का अनुमान है कि रोग-विष की उपस्थिति में उत्तम से उत्तम औषधि क्रियाहीन हो जाती है और स्ट्रेप्टोमाइसिन द्वारा विष शोषण के बाद वे ही उत्तम औषधियाँ चमत्कारिक लाभ प्रदान करती हैं और

रोगी स्वस्थ हो जाता है जो कितने ही गम्भीर मरणासन्न रोगियों की प्राणरक्षा का कारण होता है। प्रमुख समाचार पत्रों में स्ट्रेप्टोमाइसिन के सम्बन्ध में बहुत-सा कुप्रचार किया गया है जो कुछ अंश में सत्य अवश्य है, पर साथ-ही-साथ एक योग्य चिकित्सक को यह भी स्वीकार करना पड़ेगा कि स्ट्रेप्टोमाइसिन की मदद से ऐसे बहुत से रोगियों की प्राण-रक्षा की गई जो इसकी अनुपस्थिति में असहाय घोषित कर दिये गये थे।

व्यवहार--यह विशेषकर ग्राम निगेटिव (Gram Negative) या एसिडफास्ट (Acid fast) जीवाणुओं पर कार्य करती है। अथवा वे जीवाणु जो पेनिसिलिन (Penicillin) के द्वारा नष्ट नहीं किये जा सकते, उन पर इसकी बड़ी अच्छी क्रिया होती है और कुछ ग्राम पॉजिटिव (Gram Positive) जीवाणु भी हैं जिन पर इस औषधि की क्रिया अति प्रशंसनीय होती है।

प्रयोग— इसका प्रयोग नीचे लिखे रोगों पर भिन्न-भिन्न मात्रा एवं विधि से काफी सफलता के साथ किया जाता है।

(१) ग्राम निगेटिव या पेनिसिलिन क्षम (Penicillin Resistant) ग्राम पॉजिटिव जीवाणुमयता—कुछ रोग ऐसे जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न होते हैं जिन पर पेनिसिलिन की क्रिया नहीं होती जैसे आन्त्र के जीवाणु, मुख के जीवाणु, पायोसाइनियस, बेसिलस कोलाई, बेसिलस टाइफोसस इत्यादि। इसके अतिरिक्त कुछ रोग ऐसे होते हैं जो पेनिसिलिन द्वारा अच्छे होने वाली श्रेणी के हैं, परन्तु इससे अच्छे नहीं होते। इन दोनों प्रकार के रोगों में इसकी मात्रा २४ घण्टे में १ ग्राम तक मांसपेशी द्वारा प्रत्येक ६-१२ घण्टे पर सूचीवेध करनी चाहिये। इस तरह की मात्रा रोगी को आवश्यकतानुसार ७ से २० दिनों तक अथवा जब तक तीव्र लक्षणों की शान्ति न हो तब तक देना चाहिए।

(२) टुलारेमिया जेनरल (Tularaemia General)--½ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घण्टे पर सूचीवेध करना चाहिये। इस तरह की मात्रा ५ से १० दिनों तक देनी चाहिए। रोगी की अवस्थानुसार औषधि की मात्रा कम अथवा अधिक भी की जा सकती है।

(३) टुलारेमिया ग्लैण्डुलर (Tularaemia Glandular) या व्रण और ग्रन्थियुक्त—१ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह की मात्रा ५ से १० दिन अथवा रोग की शान्तिपर्यन्त दी जा सकती है।

(४) ज्वर-युक्त फुफ्फुस या फुफ्फुसावरण का टुलारेमिया—इस प्रकार की व्याधि में २ ग्राम की मात्रा मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करनी चाहिए। इस तरह ५ से १० दिन अथवा रोग की शान्तिपर्यन्त व्यवहार करना चाहिए।

(५) इनफ्लुएंजा के सदृशमस्तिकावरण शोथ--इसमें ०·०४४ ग्राम की मात्रा मानव शरीर के प्रति २ पौंड वजन के हिसाब से मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर लगातार बूँद-बूँद शिरा में इसका सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह लगातार ४ दिनों तक सूचीवेध करना चाहिए। साथ ही रोगी के रक्त, सुषुम्ना जल (Spinal fluid) और गले की परीक्षा नित्य करनी आवश्यक है। बच्चों के लिए इसके साथ नार्मल सैलाइन अथवा सल्फाडायाजीन का प्रयोग आवश्यक है।

(६) गले, स्वरयन्त्र, श्वासनलिका इत्यादि का शोथ और इन्फ्लुएंजा-१ ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह २ दिनों तक और ज्यादा से ज्यादा ४ दिनों से अधिक चिकित्सा नहीं करनी चाहिए।

(७) ग्रामनिगेटिव जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न मस्तिष्कावरण शोथ—२ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घण्टे पर सूचीवेध करना चाहिए तथा प्रतिदिन रोगी का खून, सुषुम्ना जल और गले की परीक्षा करनी आवश्यक है।

(८) एच० इन्फ्लुएन्जा (H. Influenza)—½ ग्राम की मात्रा अन्तःपेशी (Intramuscular) सूचीवेध २४ घण्टे पर करना चाहिए। २४ घण्टे में $\frac{१}{४०}$ ग्राम इण्ट्राथीकल (Intrathecal) दिया जा सकता है।

(९) मूत्रमार्ग के रोग—ग्राम निगेटिव जीवाणु द्वारा उत्पन्न अथवा ग्राम पॉजिटिव, पेनिसिलिन के असफल होने के पश्चात् जीवाणुओं की वृद्धि में इस औषधि का प्रयोग अति लाभप्रद है। १ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह ५-७ दिन तक व्यवहार कर सकते हैं। जीवाणु रहते हुए भी लक्षणों की शांति हो सकती है।

(१०) पेनिसिलिन क्षम जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न न्यूमोनिया या ब्रांकियेक्टेसिस अथवा इन्फ्लुएंजा—१ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए तथा ७ दिनों तक लगातार चिकित्सा करते रहना चाहिए।

(११) उदरावरण शोथ—ग्राम निगेटिव या पेनिसिलिन क्षम ग्राम पॉजिटिव जीवाणु द्वारा उत्पन्न हुआ हो तो ½ से १ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। यह पेरिटोनियम या उदरावरण में भी सूचीवेध किया जा सकता है। ७ से १० दिन तक चिकित्सा करनी चाहिए।

(१२) उदरगत फोड़े—जो पेनिसिलिन क्षम ग्राम पॉजिटिव जीवाणुओं द्वारा अथवा ग्राम निगेटिव जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न हुआ हो उसमें १

ग्राम की मात्रा में मांसपेशी द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह ७ से १० दिन तक चिकित्सा अनिवार्य है।

(१३) राजयक्ष्मा जन्य मस्तिष्कावरणशोथ--१/४ से १/२ ग्राम की मात्रा प्रति २४ घंटे पर इण्ट्राथिकल सूचीवेध द्वारा देना चाहिए। और १/२ ग्राम की मात्रा प्रति १२ घंटे पर मांसपेशी में देना चाहिए। इस तरह १½ माह या इससे भी अधिक दिन तक अवस्थानुसार चिकित्सा करनी चाहिए।

(१४) मस्तिष्कावरणशोथ रहित मिलियरी राजयक्ष्मा --१/८० ग्राम प्रति कि० ग्रा० शरीर के वजन पर मांसपेशी विधि से ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह १½ माह या इससे अधिक दिनों तक चिकित्सा करनी चाहिए।

(१५) स्वरयन्त्र, वायुनली या श्वासनलिका का राजयक्ष्मा—१/८० ग्राम प्रति कि० ग्रा० शरीर के वजन पर मांसपेशी विधि से ६-१२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह ६ सप्ताह या इससे अधिक दिनों तक चिकित्सा करनी चाहिए।

(१६) त्वचा या अन्तस्त्वक् राजयक्ष्मा—१/८० ग्राम कि० ग्रा० शरीर के वजन पर मांसपेशी विधि द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह ८ सप्ताह या इससे भी अधिक दिनों तक चिकित्सा करनी चाहिए। परन्तु फाइब्रोकेसिस (Fibrocaseous) या फाइब्रोकेवनर्स (Fibrocavernous) रोगों में इसका प्रयोग अनुपयुक्त होता है।

(१७) फुफ्फुस का राजयक्ष्मा (Pulmonary T. B.)—१/४० ग्राम प्रति कि० ग्रा० शरीर के वजन पर भी मांसपेशी विधि द्वारा ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिए। इस तरह ६ सप्ताह या इससे अधिक दिन तक चिकित्सा करनी चाहिए। परन्तु फाइब्रोकेसिस फाइब्रोकेवनर्स (Fibrocaseous of Fibrocavernous) रोगों में इसका प्रयोग उतना अच्छा कार्य नहीं करता।

(१८) आन्त्र अथवा मूत्र मार्ग का राजयक्ष्मा—१/२४ ग्राम प्रति कि० ग्रा० शरीर के वजन पर मांसपेशी से ६ से १२ घंटे पर सूचीवेध करना चाहिये। इस तरह ६ सप्ताह या इससे अधिक दिनों तक चिकित्सा रोगी के अवस्थानुसार की जाती है।

(१६) राजयक्ष्माजन्य तीव्र न्यूमोनिया--१/२४ ग्राम प्रति कि० ग्रा० शरीर के वजन पर मांसपेशीगत विधि से ६ से १२ घण्टे पर सूचीवेध करना चाहिये और ३ महीना या इससे भी अधिक दिनों तक चिकित्सा अनिवार्य है।

(२०) जीवाणुजन्य हृदन्तःशोथ (Bacterial Endocarditis)-जो पेनिसिलिन के असफल प्रयोग के बाद नानहेमोलेटिक स्ट्रेप्टोकोक्कस, एच इन्फ्लुएञ्जा (Haemophylus Influenza) तथा एण्ट्रोकोक्काई, जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न हुआ हो तो १ से २ ग्राम की मात्रा प्रतिदिन मांस-पेशीगत विधि द्वारा ६ से १२ घण्टे पर सूचीवेध करना चाहिये। २ से ४ सप्ताह तक लगातार चिकित्सा अनिवार्य है। परन्तु प्रारम्भ में अधिक मात्रा का ही प्रयोग उत्तम है। पेनिसिलिन भी इसके साथ प्रयोग की जा सकती है।

(२१) बेसीलरी डिसेण्ट्री (Bacillary Dysentery)—१ से २ ग्राम तक प्रतिदिन मांसपेशी गत सूचीवेध अथवा मुख द्वारा ६ से १२ घंटे पर प्रयोग करना चाहिये। ४ से १० दिनों तक चिकित्सा अनिवार्य है। कुल मात्रा २० ग्राम तक या इससे भी कम होनी चाहिये।

(२२) व्रण--१/४ से १ मि० ग्रा० प्रति मि० लि० का घोल स्थानिक प्रयोग द्वारा व्यवहार करना चाहिये। विशेष लाभ के लिए पेनिसिलिन के साथ प्रयोग करना चाहिये।

(२३) आंत्र के शस्त्र-कर्म तथा आन्त्रगत जीवाणुओं के विनाश के लिए— ३ से ४ ग्राम की मात्रा में मुख द्वारा ६ से १२ घंटे पर सन्तरे के रस के साथ प्रयोग करना चाहिये।

(२४) एक्यूट ब्रुसेलोसिस (Acute Brucellosis)—१ से २ ग्राम की मात्रा में मांसपेशीगत विधि द्वारा ६ से १२ से घंटे पर सूचीवेध करना चाहिये। १४ से २७ दिन तक प्रयोग करना चाहिये। अधिक लाभ के लिए सल्फाडायाजीन का प्रयोग करना आवश्यक है।

(२५) आन्त्रिक सन्निपात या मियादी ज्वर (Typhoid Fever)- २ ग्राम की मात्रा २४ घण्टे में मांसपेशीगत विधि से १ ग्राम प्रति १२ घंटा पर सूचीवेध करना चाहिये।

(२६) सालमोनिला इन्फेक्शन (Salmonella Infection)—१ ग्राम की मात्रा में मांसपेशी गत विधि से ६ से १२ घण्टे पर सूचीवेध करना चाहिये। इस तरह ७ से १४ दिन तक लगातार चिकित्सा करें।

इस औषधि का सर्वोत्तम और अमृततुल्य प्रयोग राज्यक्ष्मा के विविध भेदों में बड़ा ही सफल पाया गया है; राज्यक्ष्मा चाहे क्रमशः वृद्धि पर हो या स्थिर अवस्था में हो, अतिस्रावी हो या रक्तस्रावी हो, न्यूमोनिया ढंग का हो या साधारण हो, इन सभी में इसका प्रयोग बड़ा ही मूल्यवान है। भिन्न-भिन्न अंगों के राजयक्ष्मा, जैसे फेफड़े का राज्यक्ष्मा, श्वासनलिका का राजयक्ष्मा, स्वरयन्त्र का राज्यक्ष्मा, त्वचागत नाड़ी-व्रण और भगन्दर का राजयक्ष्मा, मिलियरी फुफ्फुस का राजयक्ष्मा, मस्तिष्कावरण का राजयक्ष्मा, अस्थि और सन्धि का राजयक्ष्मा, मूत्र तथा प्रजनन संस्थान का राजयक्ष्मा, पचन-संस्थान का राजयक्ष्मा, पेरिटोनियम का राजयक्ष्मा लसिका ग्रन्थियों का राजयक्ष्मा इत्यादि सभी राजयक्ष्माओं में इसने वह गुण दिखलाया है जो ऐतिहासिक मूल्य रखता है। वक्ष के शल्यकर्मों में रोग निरोधक दृष्टि से इसका प्रयोग प्रशंसनीय है। राजयक्ष्मा की चिकित्सा के सम्बन्ध में यह ज्ञातव्य है कि यथासम्भव चिकित्सक को अन्य प्राचीन पौष्टिक चिकित्साओं द्वारा उसे आरोग्य प्रदान करने का उद्योग करना चाहिये और जब उन साधारण चिकित्साओं से कोई लाभ न होता हो तब भली प्रकार रक्त, कफ, वक्ष का चित्र

तथा अन्य परीक्षाओं से पर्याप्त निश्चय करके इस ब्रह्मास्त्र का प्रयोग करना चाहिए। प्रारम्भिक और अल्पकालीन मृदु राजयक्ष्मा में इसका प्रयोग प्रायः व्यर्थ-सा होता है। राजयक्ष्मा का किंचित् अनुमान होते ही बिना साधारण चिकित्सा किये इसका प्रयोग करना गर्हित है। राजयक्ष्मा की कुछ अवस्थाएँ ऐसी हैं जिनमें इसका प्रयोग वैसा लाभकर नहीं होता, जैसे केसियस (Caseous), फाइब्रोटिक (Fibrotic), कैवर्नस (Cavernous), इत्यादि। कुछ राजयक्ष्मा के जीवाणु ऐसे हैं जो स्ट्रेप्टोमाइसिन क्षम (Resistant) हो जाते हैं।

कुछ समय से इस औषधि का व्यवहार ब्यूबोनिक एवं सेप्टिसीमिक प्लेग (Bubonic and Septicaemic Plegue) में किया जा रहा है और इसका फल शत प्रतिशत सफल रहा। ऐसा अनुमान किया जाता है कि इस औषधि की मदद से यह रोग निर्मूल कर दिया जा सकेगा। इसके लिए २४ घण्टे में १ से २ ग्राम एक सप्ताह तक मांसपेशी द्वारा सूचीवेध करना चाहिए।

प्रयोग-विधि--(Administration)--यह दवा पाइरोजेन फ्री आस्रुत जल (Pyrogen free distilled water) तथा शुद्ध आइसोटोनिक (Isotonic) लवण के विलयन (Normal Saline) में पूर्ण घुलनशील है। एक ग्राम दवा के लिए २ से ४ मि० लि० शुद्ध जल आवश्यक है। घोल के बना लेने के बाद अगर इसे साधारण तापक्रम (६० फारनहाइट) में रखा जाय तो ६ मास तक इसके गुण में कोई परिवर्तन न होगा। अधिक अच्छा यह होता है कि इसका घोल रेफ्रीजरेटर (Refrigerater) में (६० फा० हाइट तापक्रम के नीचे) रखा जाय। शुष्क स्ट्रेप्टोमाइसीन १ वर्ष तक कार्यक्षम रहता है। इसकी सर्वोत्तम प्रयोग विधि मांसपेशी द्वारा ही है परन्तु इसका प्रयोग आवश्यकतानुसार अवत्वक् (Subcutaneous) स्थानिक (Local), इन्ट्राथिकल (Intrathecal), इंट्रापेरिटोनियल (Intraperitoneal), तथा मुखमार्ग द्वारा भी किया जाता है।

मांसपेशी--इस विधि के द्वारा सर्वोत्तम यही होता है कि प्रत्येक १२ घंटे पर सूचीवेध किया जाय। विशेष आवश्यकता पड़ने पर ही छः घंटे पर सूचीवेध करना चाहिये। इस कार्य के लिए नितम्ब प्रदेश की मांसपेशियाँ ही सर्वसुरक्षित हैं। जहाँ तक सम्भव हो स्कन्ध (Deltoid) की माँसपेशियों में सूचीवेध न करना ही अच्छा होता है। सूचीवेध के समय सूचिका को गम्भीर पेशियों में प्रवेश करने के बाद धीरे-धीरे औषधि का प्रवेश करना आवश्यक होता है। जिन रोगियों में अधिक पीड़ा होने की सम्भावना हो उन्हें १% प्रोकेन हाइड्रोक्लोर का घोल थोड़ा मिलाकर सूचीवेध कर सकते हैं।

अन्तःशिरा—यह मार्ग मांसपेशी से अधिक लाभदायक नहीं है, परन्तु औषधि की अनिच्छित प्रतिक्रिया का ज्यादा भय रहता है, अगर देना हो तो दवा का घोल काफी पतला बनाना चाहिए तथा औषधि बूँद-बूँद करके धीरे-धीरे प्रवेश करनी चाहिए, साथ ही रोगी के हृदय की गति के ऊपर काफी सावधानी रखनी चाहिए। डाई-हाइड्रोस्ट्रेप्टोमाइसिन को शिरा द्वारा नहीं देना चाहिए। इस मार्ग से देने पर घातक परिणाम की आशंका है, अतः योग्य चिकित्सकों द्वारा इस मार्ग का व्यवहार नहीं किया जाता है।

इण्ट्राथिकल (Intrathecal)—मस्तिष्क के रोगों में मांसपेशी मार्ग के साथ-साथ यह मार्ग भी आवश्यक है। इसका घोल $\frac{1}{२०}$ ग्राम ५ मि० लि० नार्मल सैलाइन (Normal Saline) के अनुपात से बनाना चाहिए तथा ४ घण्टे में ५ से ४० मि० लि० का एक सूचीवेध देना चाहिए।

इण्ट्राप्लूरल या इण्ट्रापेरिटोनियल--आवश्यकता पड़ने पर इन जगहों में भी सूचीवेध किया जा सकता है। १ ग्राम स्ट्रेप्टोमाइसिन ४० मि० लि० नार्मल सैलाइन में बनाकर प्लूरा या पेरिटोनियल कैविटी में दिया जा सकता है। ६ से ८ घण्टे तक दवा वहाँ पड़ी रहनी चाहिए।

स्थानिक (Local)—$\frac{१}{४}$ से १ मि० ग्राम स्ट्रेप्टोमाइसिन का १ मि० लि० नार्मल सैलाइन में घोल बनाना चाहिए।

मुखद्वारा—(Oral) आन्त्र पर अधिक कार्य करने के लिए इस मार्ग का प्रयोग आवश्यक है। औषधि को सन्तरे के रस, दूध या अन्य पेय पदार्थ के साथ लिया जा सकता है। पेनिसिलिन के साथ मिलाकर इस औषधि का प्रयोग निर्विवाद है।

विषात्मक परिणाम—स्थानिक कष्ट, विशेषकर सबक्यूटेनियस सूचीवेध के बाद होता है, परन्तु यह क्रमशः धीरे-धीरे शान्त हो जाता है। त्वचा पर चकत्ते पड़ना तथा ज्वर का हो जाना भी कभी-कभी दीख पड़ता है। कभी-कभी मूत्रमार्ग में भी कष्ट होता है। दवा देना रोक देने पर ये सभी उपद्रव शान्त हो जाते हैं। विशेषतर इस दवा के प्रयोग के बाद ८ वीं क्रैनियल नाड़ी के खराब हो जाने का भय है। अधिक लम्बे समय तक प्रयोग करने के बाद इस नाड़ी पर असर होता है। सुषुम्ना मार्ग द्वारा इस औषधि के प्रयोग से ज्यादा डर रहता है। २४ घण्टे में २ ग्राम से भी अधिक मात्रा देने पर इस नाड़ी पर असर होता है। इससे सिर में चक्कर आना, वमन, मिचली, त्वचा की लालिमा, मुख की तमतमाहट, सिर दर्द, बेचैनी, कान का बहरापन, कम्पन, ज्वर, घबराहट इत्यादि लक्षण पैदा हो जाते हैं। मूत्र-मार्ग से इसका पर्याप्त त्याग न होने पर रक्त में इसकी मात्रा अधिक रहती है। ऐसी अवस्था में इन्जेक्शन द्वारा दी गई मात्रा को कम कर देना चाहिये। अन्यथा औषधि की अधिकता से दुष्परिणाम होता है। ऐसी अवस्था में औषधि का प्रयोग पूर्णतः बन्द कर देना चाहिये और लक्षण के शमन के लिए साधारण चिकित्सा करनी चाहिये।

स्ट्रेप्टोमाइसिन व पेनिसिलिन के संयुक्त योग (Streptomycin and Penicillin mixed)—इस नाम के योग में उक्त दोनों औषधियाँ होती हैं इससे इसका कार्य-क्षेत्र तथा प्रभाव बढ़ जाता है। डाइक्रिस्टिसिन (Dicrysticin), स्ट्रेप्टोपेनिसिलिन (Streptopenicillin), सेक्लोमाइसिन (Seclomycin) आदि पेटेण्ट नामों से मिलती हैं। इसके दो प्रकार के योग होते हैं। एक में ३ लाख यूनिट प्रोकेनपेनिसिलिन और १ लाख यूनिट

बेञ्जिल पेनिसिलिन (Benzyl Penicillin) के साथ ½ ग्राम स्ट्रेप्टोमाइसिन होता है। दूसरे में १ ग्राम स्ट्रेप्टोमाइसिन होता है। इनमें दोनों के सम्मिलित गुण होते हैं। कुछ के नाम आदि आगे दिये जाते हैं।

प्रोकेन तथा पेनिसिलिन स्ट्रेप्टोमाइसिन के सम्मिलित योग

1—डाइक्रिस्टिसिन	Dicrysticin	स्क्विब	Squibb
2—स्पेमाइसिन	Spemycin	रोडिया	Rhodia
3—सेक्लोमाइसिन	Seclomycin	ग्लैक्सो	Glaxo
4—ओम्नामाइसिन	Omnamycin	हेक्स्ट	Hoechst
5—कम्बायोटिक	Combiotic	फाइजर	Pfizer
6—ईस्टोमाइसिन	Estomycin	ग्लैक्सो	Glaxo
7—स्ट्रेप्टोपेनिसिलिन	Streptopenicillin	ड्यूमेक्स	Dumex

क्रिस्टास्ट्रेप (Crystsastrep) डेज मेडिकल स्टोर्स और क्रिस्टामाइसिम (Crystamycin) ग्लैक्सो में ५ लाख यूनिट बेञ्जिलपेनिसिलिन (Benzyl penicillin) और ½ ग्राम स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट (Streptomycin sulphate) रहते हैं।

———

क्लोरोमाइसेटिन
(Chloromycetin)

औषधि-मिश्रण—यह स्ट्रेप्टोमाइसिन बेनेजुली (Streptomycin Vanezulae) नामक एक्टीनोमाइसाइट (Actinomycite) के किण्वीकरण (Fermentation) से उत्पन्न होती है। इसके अतिरिक्त अब इसे कृत्रिम रासायनिक विधियों द्वारा (Synthetically) भी बनाया जाता है।

प्रयोग—यह आन्त्रिक सन्निपात या मियादी बुखार (Typhoid Fever), चेचक (Small Pox), हरपीज (Herpes), कुकुरखाँसी (Whooping Cough) आदि में गुणकारी है। इसका प्रयोग रॉकी माउण्टेन स्पॉटेड फीवर (Rocky mountain Spotted Fever), आंत्र के सर्जिकल उपसर्ग, रिकेट्शियल पॉक्स (Rickettsial Pox), ब्रूसलोसिस (Brucellosis) आदि में भी करते हैं। अतिसार (Diarrhoea), सूजाक (Gonorrhoea), बहुव्यापक सर्दी (Influenza), छोटी माता (Measles), कनफेर (Mumps), अष्ठीला ग्रंथिशोथ (Prostatitis), हैजा या विशूचिका (Cholera), पुनरावर्तक ज्वर (Relapsing Fever), गर्मी (Syphilis), उपदंश जन्य व्रण (Chancroid), विसर्प (Erysipelas), प्लेग (Plague) आदि रोगों में भी इससे लाभ पहुँचता है।

मात्रा—इसकी साधारण मात्रा ·२५ ग्राम प्रति ३, ४, ६, ८ या १२ घण्टे पर रोग की उग्रता के अनुसार देनी चाहिए। रोगी की सहिष्णुता के अनुसार इसकी मात्रा ·५ ग्राम से १ ग्राम तक बढ़ाई जा सकती है और उसे ४, ६, ८, या १२ घण्टे के अन्तर पर दिया जा सकता है। इसकी पूर्ण मात्रा एक चिकित्सा अवधि पर्यन्त १० से २० ग्राम तक है।

निर्माता-पार्क डेविस, अमेरिका।

टिप्पणी—यह निम्नलिखित रूपों में प्राप्य है :—

१. इन्जेक्शन—क्लोरोमाइसेटिन इण्ट्रामस्कुलर (Chloramycetin Intramuscular) १ और २ ग्राम के वायल में।

२. क्लोरोमाइसेटिन आँख का मलहम (Chloromycetin Ophthalmic Ointment)

३. क्लोरोमाइसेटिन-हाइड्रोकार्टिजोन आँख का मलहम (Chloromycetin Hydrocortisone Ointment)

४. क्लोरोमाइसेटिन क्रीम (Chloromycetin Cream) बाह्य प्रयोग के लिए।

५. क्लोरोमाइसेटिन कान के बूंद (Chloromycetin Ear Drops) कान के रोगों के लिए।

६. क्लोरोमाइसेटिन एप्लिकैंप (Chloromycetin Applicaps) आँख में लगाने के लिए छोटी-छोटी विशेष आकृति की कैप्स्यूल जिसे दबा कर मलहम आँख में लगाया जा सकता है इसे वास्तव में मलहम को आँख में लगाने की एक मात्रा ट्यूब समझना चाहिए अन्यथा उपर्युक्त नं० २ और इसमें कोई भेद नहीं है। मलहम को निर्जीवाणुक अवस्था में सद्यः प्राप्त करने का यह उत्तम साधन है।

७. क्लोरोमाइसेटिन पामिटेट (Chloromycetin Palmitate)—यह बच्चों के लिए उत्तम सिरप है। इसकी प्रत्येक चम्मच (४ मि० ली०) द्रव में १२५ मि० ग्राम औषधि रहती है। इसकी मात्रा २५ से ५० मि० ग्रा० प्रति किलोग्राम शरीर भार के अनुसार प्रति ६ घण्टे पर है। अत्यन्त छोटे शिशुओं को अपेक्षाकृत कम मात्रा देनी चाहिए।

८. क्लोरोमाइसेटिन पापिमेट विद विटामिन्स (Chloromycetin Palmitate with Vitamins)—यह बच्चों के लिए विटामिन बी कम्प्लेक्स युक्त सीरप है।

९. क्लोरोमाइसेटिन सक्सिनेट (Chloromycetin Succinate)—यह इन्जेक्शन है और २५० मिग्रा० तथा १ ग्राम के वायल में मिलता है।

१०. क्लोरोमाइसेटिन टोपिकल (Chloromycetin Topical)—घावों में लगाने का मलहम।

११. क्लोरोस्ट्रेप (Chlorcstrep)—यह क्लोरोमाइसेटिन और स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptcmycin) की कैप्स्यूल है। अतिसार (Dysentery) में प्रयुक्त होती है।

अन्य कम्पनियों के क्लोरेम्फेनिकॉल निम्नलिखित हैं :—

१. क्लोरामेक्स (Chloramex)—ड्यूमेक्स (Dumex) टैबलेट (Tablets)।

२ इण्टेरोमाइसेटिन (Enteromycetin) डेज (Dey's कैप्स्यूल (Capsule), सिरप (Syrup), इन्जेक्शन (Injection)।

३ क्लोरेम्फाइसिन (Chlcramphycin)— बोहरिंगर नॉल (Boehringer Knoll) टैबलेट (Tablet), बच्चों के लिए ड्राइ सिरप (Dry Syrup)।

४ सिन्थोमाइसेटिन (Synthomycetin)— लेपिटिट् (Lepitit)। कैप्स्यूल (Capsule), सिरप (Syrup) तथा इन्जेक्शन (Iujection)।

५. अम्ब्रासिन्थ (Anbrasynth)—लेपिटिट (Lepitit)। इसमें टेट्रासाइक्लीन (Tetracycline) और क्लोरैम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) आधा-आधा मिला हुआ है।

६. फ्लोरास्ट्रेप (Florastrep)-फ्लोरा फार्मा (Flora Pharma)। क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) और स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycine) की कैप्स्यूल।

७. सल्फामाइसेटिन (Sulphamycetin) लेपिटिट (Lepitit)। क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) और सल्फा औषधियाँ (Sulphadrugs)। टिकिया (Tablets)।

८ पायाट्रेप (Piastrep)—पाया फार्मास्युटिकल (P. P. W.) क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) और स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin) की कैप्स्यूल है।

९. एम्बासेटिन (Embacetin)—एम० बी० (M. B.) २५० मिग्रा० की कैप्स्यूल और (Suspension) १२५ मिग्रा० प्रति चाय चम्मच भर द्रव में।

१०. पोलीमाइसेटिन (Ploymycetine) स्वस्तिक फार्मास्युटिकल्स (Swastik Pharmaceuticals) २५० मिग्रा० की कैप्सूल मिलती है। कान में डालने के बूँद (Otological Solution) भी मिलती हैं।

११. रेक्लोर (Reclor)—स्क्विब (Squibb)। प्रत्येक कैप्स्यूल में क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) २५० मिग्रा० और ऐस्कॉर्बिक एसिड (Ascorbic acid) २५० मिग्रा० रहता है।

१२. सीट्रामाइसेटिन (Cetramycetin)—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)। क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol), टेट्रासाइक्लीन (Tetracycline) और विटामिन सी (Vitamin C) की कैप्स्यूल है।

१३. स्ट्रेप्टोसेटिन (Streptocetin)— एम० एण्ड बी० (M. &. B.) स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin) और क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) की कैप्स्यूल है।

१४. एल्कोफेनिकॉल (Alcophenicol)—एलेम्बिक (Alembic), २५० मिग्रा० की कैप्स्यूल, सस्पेंशन, कान में डालने के बूँद (Ear drops), आँख का मलहम (Eye Ointment)।

१५. कोपास्ट्रेप (Kopastrep)—कोप्रन केमिकल (Kopran Chemical) स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin) और क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) की कैप्स्यूल और सस्पेंशन (Suspension) है।

१६. कोपामाइसेटिन (Kopamycetin)—कोप्रन केमिकल (Copran Chemical)। सिरप (Syrup) और कान में डालने के बूँद (Otic solution)।

१७. टाइफेनिकॉल (Typhenicol)—स्टेण्डर्ड (Standard)। कैप्स्यूल (Capsule)।

१८. गुर्कोमाइसेटिन (Gurcomycetin)—गुर्को फार्मा (Gurco Pharma)।

१९. गुर्कोस्ट्रेप (Gurcostrep)-गुर्को फार्मा (Gurco Pharma) क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) और स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin) की कैप्स्यूल (Capsules)।

२०. टाइफोस्ट्रेप (Typhostrep)—स्टैण्डर्ड (Standard)। क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) और स्ट्रेप्टोमाइसिन (Streptomycin) की कैप्स्यूल (Capsule)।

२१. केमिसेटिन (Kemicetine)—कार्लो-अर्बा (Carlo-Erba) क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) की टिकिया (Tablets) १२५ मिग्रा० और २५० मिग्रा० की, कैप्स्यूल (Capsule) २५० मिग्रा० की, सिरप (Syrup), ग्रैन्यूल (Granules) १ ग्राम, '५ ग्राम, '२५ ग्राम और १२५ मिग्राम की सपोजिटरी (Suppositories), मलहम (Ointment), २% कम्पाउण्ड नेजल आयण्टमेंट (Compound Nasal Ointment), आफथैल्मिक आयण्टमेंट (Ophthalmic Ointment), ईरोजाल के लिए (For aerosol), कान में डालने के लिए (Otological), योनि में रखने की सपोजिटरी और बूजी (Vaginal Suppositories and bougies)।

२२. स्ट्रेप्टोकेमिसिटीन (Strepto-Kamicetine)—कार्लो अर्बा (Carlo-Erba)—स्ट्रैप्टोमाइसिन (Streptomycin) और क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) का सिरप (Syrup) कैप्स्यूल (Capsule)।

२३. ईस्टीफेनिकॉल पामिटेट (Estiphenicol Palmitate)—टैबलेट्स प्राइवेट लि० (Tablets Private Ltd.)।

यह क्लोरेम्फेनिकॉल पामिटेट सिरप (Chloramphenicol Palmitate Syrup) है। प्रत्येक चाय चम्मच भर सिरप में १२५ मिग्रा० औषधि रहती है।

२४. कैटिलन (Catilan)—हेक्स्ट फार्मास्युटिकल्स लि० (Hoechst Pharmaceuticals Ltd.) क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) २५० मिग्रा० की कैप्स्यूल है।

२५. माइक्लोर (Mychlor)—स्क्विब (Squibb) प्रत्येक कैप्स्यूल में २५० मिग्रा० क्लोरेम्फेनिकॉल (Chlcramphenicol) और २५०००० यूनिट निस्टैटिन (Nystatin) है।

२६. प्रैक्सिन (Praxin)—बोहरिंगहर नॉल (Boehringer-Knoll) यह क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) का ड्राई सिरप (Dry Syrup) है। उपयुक्त मात्रा में जल मिला देने पर प्रत्येक चाय चम्मच भर द्रव में १२५ मिग्रा० औषधि रहती है।

ओरोमाइसेटिन

(**Oromycetin**)

औषधि—यह क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) २५० मिग्रा० की कैप्स्यूल है। १२ कैप्स्यूल शीशी में आते हैं।

प्रयोग—टायफायड ज्वर (Typhoid Fever) की औषधि है।

मात्रा—१-१ कैप्स्यूल प्रति ४-६ घण्टे पर।

निर्माता—ओरियेण्टल फार्मा (Oriental Pharma)।

एम्पिलिन

(**Ampillin**)

औषधि—यह एम्पिसिलीन (Ampicillin) २५० मिग्रा० की कैप्स्यूल

(Capsule) और शीशी में ४० मिलि० पानी मिला देने के बाद प्रत्येक चाय चम्मच भर द्रव में १२५ मिग्रा० औषधि रहती है ।

प्रयोग—यह अनेक ग्रामनिगेटिव (Gram-negative), ग्राम पॉजिटिव (Gram positive) जीवाणुओं और टायफायड (Typhoid) के जीवाणु के संक्रमण में लाभ करती है ।

मात्रा—सामान्यतः १ कैप्स्यूल प्रति छः घण्टे पर देना चाहिए परन्तु टायफायड ज्वर में ४ कैप्स्यूल की मात्रा में प्रति ६ घण्टे पर १४ दिन तक देते हैं ।

निर्माता—लाइका लैब्स (Lyka-Labs) ।

———

इसकेसिलिन

(**Eskaycillin**)

औषधि—इसकी प्रत्येक कैप्स्यूल में एम्पिसिलिन (Ampicillin) २५० मिग्रा० एम्पिसिलिन ट्राइहाइड्रेट (Ampicillin Trihydrate) के रूप में रहती है ।

प्रयोग—एम्पिसिलिन सुग्राही (Ampicillin Sensitive) जीवाणुओं द्वारा मूत्र-प्रजनन तन्त्र (Genetourinary System) पैत्तिक (Billiary), आमाशयान्त्र (Gastrointestinal) तथा श्वसन तन्त्र (Respiratory System) के संक्रमण में अति लाभकर है । टायफायड (Typhoid) में विशेष लाभकर है ।

मात्रा—१ कैप्स्यूल (२५० मिग्रा०) प्रति ६ घण्टे पर । टायफायड में इसकी चौगुनी मात्रा तक ।

निर्माता—एस० के० एफ० (S. K. F.)

———

ई-माइसिन

(E-Mycin)

औषधि—प्रत्येक टिकिया में १०० अथवा २५० मिग्रा० इरिथ्रोमाइसिन (Erythromycin) रहता है। अवलम्बन (Suspension-सस्पेंशन) में प्रत्येक ५ मिलि० में १०० मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—शिरानालशोथ (Sinusitis), गल शोथ (Pharyngitis), स्वरयन्त्र शोथ (Laryngitis), तुण्डिका शोथ (Tonsillitis), विन्सेन्ट का संक्रमण (Vincents infection), श्वसनीशोथ (Bronchitis), श्वसनीफुफ्फुस शोथ (Bronchopneumonia), श्वसनीविस्फार (Bronchiectasis), न्यूमोनिया (Pneumonia), डिफ्थीरिया (Diphtheria), फोड़े-फुन्सी (Furunculosis), विद्रधि (Abscess) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—२५० मिग्रा० प्रति ६ घण्टे पर। उग्रसंक्रमणों में इसकी दुगुनी मात्रा में दे सकते हैं। बच्चों को १०० मिग्रा० की १–२ टिकिया आवश्यकतानुसार दिन में ३–४ बार दें।

अवलम्ब (Suspensios) १–२ चम्मच की मात्रा में दिन में ४ बार। बच्चों को १/४ से १/२ मिलि० प्रति किग्रा० शरीर भार के अनुसार दिन में ४ बार।

निर्माता—थेमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

रोसिलिन

(Roscillin)

औषधि—यह एम्पिसिलिन (Ampicillin) २५० मिग्रा० की कैप्स्यूल, सिरप और पीडियाट्रिक ड्राप्स है।

प्रयोग—न्यूमोनिया (Pneumonia), ब्रांकाइटिस (Bronchitis), ब्रांकियेक्टेसिस (Bronchiectasis), पाइलाइटिस (Pyelitis), ड्रीसेण्टरी

(Dysentery), इण्टेराइटिस (Enteritis), गैस्ट्रोइण्टेराइटिस (Gastroenteritis), गोनोरिया (Gonorrhoea), टांसिलाइटिस (Tonsillitis), फेरिञ्जाइटिस (Pharyngitis), मेनिञ्जाइटिस (Meningitis), इण्डोकार्डाइटिस (Endocarditis) आदि में लाभकर है।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल प्रति छः घण्टे पर। बच्चों को १ वर्ष तक १ चाय चम्मच भर ५ वर्ष तक १ से १½ चाय चम्मच भर और १२ वर्ष तक १½ से २ चाय चम्मच भर सिरप प्रति छः घण्टे पर। टायफायड में २ से ४ गुनी तक दे सकते हैं।

निर्माता—रैनबॉक्सी (Ranboxy)

—०—

सल्फाग्रुप की औषधियाँ
(Sulpha Drugs)

आज तीस-पैतीस वर्षों में चिकित्सा जगत में शुल्कौषधियों या सल्फा-ड्रग्स का व्यवहार हो रहा है और वे इस काल के अन्दर अपनी उपयोगिता को वास्तविक रूप में सिद्ध कर चुकी है।

प्रारम्भिक दिनों में शुल्वौषधियों या सल्फा ड्रग्स का प्रयोग खतरे से खाली नहीं रहा, किन्तु आज आधुनिक विज्ञान तथा बृहद् अनुसन्धान-कार्यों की सहायता से, अधिक नई और निरापद औषधियाँ बनाई जा चुकी हैं।

—०—

सल्फा औषधियों की कार्य-प्रणाली
(Mode of action of Sulpha Drugs)

प्रायः सभी शुल्व औषधियाँ निगलने के पश्चात् क्षुद्रान्त्रों से पूर्णतया समग्र रूप में शोषित होकर रक्तप्रवाह में चली जाती हैं। सल्फाग्वानीडीन

तथा कुछ अन्य स्थानिक कार्यशील शुल्व औषधियाँ, आंशिक रूप में ही शोषित होती हैं और अतिशय मात्रा में मल के द्वारा त्यक्त हो जाती अर्थात् पाखाने के जरिये शरीर से निकल जाती हैं। इसी कारण अतिसार एवं प्रवाहिक वर्ग के रोगियों में इनकी व्यवस्था करने का निर्देश मिलता है। जब कोई शुल्वयोग रक्त-प्रवाह में पहुँचता है, तो शरीर की सभी धातुओं में वहाँ से वितरित हो जाता है। रक्त प्रवाह में वर्तमान शुल्वौषधियों का कुछ भाग यकृत में पहुँचकर एक विशेष रूप में परिवर्तित हो जाता है, जिसको शुल्वौषधियों का शुक्तिकृत अंश (Acetylated Portion of the Sulpha drug) कहते हैं। अन्त में जाकर शुल्वौषधियों के दोनों प्रकार, शुक्तिकृत भाग जिसका ऊपर उल्लेख हो चुका है और दूसरा जिसको स्वतन्त्र भाग कह सकते हैं, वृक्क के द्वारा शरीर के बाहर निकाल दिये जाते हैं तर्थात् मूत्रस्राव के द्वारा बाहर निकाले जाते हैं।

रोगियों में शुल्वौषधियों का अन्तः प्रयोग करते समय इस भय की भी संभावना रहती है कि यह शुक्तिकृत भाग (Acetylated Portion) जो शीघ्रता से मूत्र में नहीं घुल पाता, वृक्क की नलिकाओं का अवरोध करके कहीं मूत्रावरोध का रूप न धारण कर लें, ऐसी घटनायें 'सल्फाथायाजोल' या 'सल्फापायरीडीन' जैसी औषधियों के प्रयोग में हो सकती हैं।

कुछ औषधियाँ जिनमें 'सल्फामेथाजीन' का नाम विशेष उल्लेखनीय है, उनके शुक्तिकृत अंश (Acetylated Portion) मूत्र में घुलनशील होते हैं, जिसके फलस्वरूप वृक्कगत नलिकाओं का अवरोध नहीं होता। इसी कारण सल्फामेथाजीन, केवल बड़ों में ही नहीं बच्चों में भी जिनका वृक्क प्रक्रिया (Kidney mechanism) बड़ी ही नाज़ुक होती है, पूर्णतया निरापद भाव से काम में लाया जा सकता है।

शुल्वौषधियाँ तृणाणुओं (Bacteria) की एवं उनकी संख्या वृद्धि या प्रजनन दोनों की क्रिया रोकती हैं। तृणाणुओं के पोषक द्रव्यों के लिए स्पर्द्धा करके तथा उसे अवरुद्ध करके (Competing for and blocking

the feeding system) उनके पोषण और संख्या वृद्धि में बाधा करती हैं। परिणामस्वरूप न तो तृणाणुकोषाओं (Bacterial cells) का प्रजनन ही होता है और न वे जीवित रह पाती हैं।

रक्त-प्रवाह में इस औषधि की एक उचित मात्रा में बनी रहना (Suitable concentation) नितान्त आवश्यक है, क्योंकि इसी प्रकार के ऊपर उनका रोगनिवारण कार्य (Therapeutic effect) निर्भर करता है। अतएव यह आवश्यक होगा कि प्रति चार घण्टे पर (या 'सल्फामेथाजीन' के सम्बन्ध में प्रप्रि ६ घण्टे पर) मात्रा को दुहराते रहें ताकि रक्त प्रवाह में उचित मात्रा का एक सतत स्तर बना रहे। शोषण का भी विचार करना जरूरी है। उदाहरण के लिए 'सल्फाडायाजीन' सल्फानिलामाइड की अपेक्षा अधिक मन्द गति से शोषित होती है, परन्तु उसका उत्सर्ग भी देरे से होता है, फलतः ऊँचा रक्त स्तर प्राप्त हो जाता है। दूसरी तरफ यह भी होता है कि 'सल्फामेजाजीन' की अपेक्षा 'सल्फाडायाडीन' कम घुलनशील होता है, जिसमें इससे (दूसरे में) वृक्क के उपद्रवों की अधिक सम्भावना रहती है।

स्थानिक प्रयोगों में भी 'सल्फाथायाजोल' की तुलना में सल्फानिलामाइड अधिक घुलनशील है, यद्यपि तृणाणुओं की वृद्धि रोकने में यह द्रव्य दूसरे की अपेक्षा अल्प शक्ति का है तथापि अधिक घुलनशील होने की वजह से उसकी यह कमी पूरी हो जाती है और पूर्ण समर्थ हो जाता है।

अस्तु जब किसी शुल्व वर्ग की औषधि को चुनना होता है तो वैद्य को विशिष्ट रोग की चिकित्सा के अतिरिक्त भी कई बातों का विचार करना पड़ता है। यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है कि चिकित्सा में इन औषधियों का प्रयोग सात दिनों से अधिक न किया जाय !

यदि विशिष्ट तृणाणु शुल्वौषधियों से प्रभावित होनेवाला (Sensitive) है तो रोग की लाक्षणिक शान्ति या चिकित्सा सम्बन्धी प्रतिक्रिया तीन दिनों

के अन्दर ही दिखलाई पड़ेगी। अर्थात् रोग की अवस्था में कुछ न कुछ सुधार अवश्य दिखलाई पड़ेगा। यदि कोई भी असर न दिखलाई पड़े तो औषधि का सेवन बन्द कर देना चाहिए।

—:o:—

सल्फा औषधियों की विषाक्तता
(Toxic Effects of Sulpha Drugs)

१—हृल्लास तथा वमन—पुराने जमाने में जब 'सल्फापाइरीडीन' का चिकित्सा में व्यवहार होता रहा, ये लक्षण रोगियों में आमतौर से दिखलाई पड़ते थे। ये औषधियाँ शिरःशूल और सुस्ती भी पैदा करती थीं।

२—नीलिमा—औषधि के प्रयोगकाल में त्वचा, ओष्ठ आदि का नीला होना पाया जा सकता है, विशेषतः ऐसे रोगियों को जो रक्ताल्पता (Anaemia) से पीड़ित हों। यदि इस प्रकार के चिह्न दिखलाई पड़ें तो औषधि का प्रयोग बन्द कर देना चाहिए।

३—मूत्राभाव तथा शोणित मेह (Anuria and Haematuria)—इसका वर्णन ऊपर हो चुका है, मूत्रस्राव का बन्द होना तथा मूत्र में रक्त का पाया जाना इन दो बातों का ध्यान उष्ण देशों में रखना चाहिये। पर्याप्त मात्रा में जल या तरल पदार्थों के लिए जाने पर तथा 'सल्फामेजाथीन' जैसी घुलनशील औषधियों के इस्तेमाल से इन लक्षणों की उत्पत्ति रोकी जा सकती है। क्षारीय मिश्रण भी इस कार्य में सहायता करता है। क्योंकि क्षारीय मूत्र में इन औषधियों की घुलनशीलता घटती है। यदि इस प्रकार के लक्षण पैदा होने लगें तो तत्काल दवा बन्द कर देनी चाहिए।

४—उद्भेद (Rashes)—कुछ व्यक्तियों में शुल्वौषधियों के प्रयोग से शरीर पर लालिमा और चकत्ते दिखलाई पड़ने लगते हैं। ऐसी स्थिति में दवा का खिलाना बन्द करके काफी मात्रा में पानी या तरल पदार्थ पीने को देना चाहिए।

५—औषधि ज्वर—कभी-कभी इन दवाओं के सेवन से तीव्र ज्वर उत्पन्न हो जाता है और उसमें वेपथु (कम्प) और प्रलाप भी होने लगता है। 'सल्फापाइरीडिन' और 'सल्फाथायाजोल' ऐसी औषधियाँ हैं जिनमें इस स्थिति के उत्पन्न होने की सम्भावना रहती है। ऐसी स्थिति में दवा बन्द कर देनी चाहिये।

चिकित्सा में व्यवहृत होनेवाले प्रचलित शुल्व योग

सल्फानिलेमाइड

(Sulphanilamide)

शुल्वौषधियों में रासायनिक रचना की दृष्टि से यह योग सबसे अधिक सरल है। सल्फामेजाथीन' की तुलना में इसका कार्य (Potency) बहुत नीचे दर्जे का है और हीन पड़ता है। परन्तु इसकी घुलनशीलता बहुत अधिक होती है इसलिए वृक्क विकार होने की सम्भावना कम रहती है, तथापि इसके प्रयोग से नीलिला, वमन या ज्वर प्रभृति विषाक्त प्रभाव रोगियों में मिल सकते हैं। खुले हुए व्रणों के ऊपर स्थानिक प्रयोग में अवचूर्ण तक के रूप में इसका बहुत उपयोग होता है। फिर भी बहुत से ऐसे मौके आते हैं जिनमें चिकित्सक सल्फानिलामाइड की गोलियाँ रोगियों को खिलाने की व्यवस्था करते हैं। इसका कारण दवा का सस्ता होना है, क्योंकि दूसरी शुल्व औषधियों की अपेक्षा ये सस्ती पड़ती हैं युवकों में २ ग्राम (४ गोली) प्रारम्भिक मात्रा, तत्पश्चात् १ ग्रा० प्रति चार घण्टे पर देते रहने से पर्याप्त रक्तगत मात्रा (Concentration) प्राप्त हो जाती है। बच्चों में इसकी मात्रा अनुपाततः कम हो जाती है।

निर्माता—ग्लैक्सो तथा अन्य कम्पनियाँ।

सल्फापाइरीडीन

(Sulphapyridine)

यह एक मध्यम वीर्य शुल्व योग है, परन्तु इसका शोषण मन्द तथा अनिश्चित है। इसकी घुलनशीलता बहुत निम्नकोटि को है और यदि कोई वैद्य इसको चिकित्सा में बरतता है तो उसे वृक्क को पहुँचने वाली हानि से सतर्क रहना चाहिए। औषधि सेवनजन्य उपर्युक्त विष प्रभाव भी बहुत मिलता है। साथ ही सल्फापाइरीडीन में एक और विशेषता है कि वह तापक्रम को नीचे लाता है, यद्यपि इसकी यह कार्य-पद्धति अब तक जानी नहीं जा सकी है। इस गुण के परिणामस्वरूप रोग में बिना किसी प्रकार के सुधार हुए ही ज्वर उतर सकता है।

निर्माता—यम० बी० तथा अन्य कम्पनियाँ

—०—

सल्फाथायाजोल

(Sulphathiazole)

यह एक उत्तम वीर्य (Potency) का योग है। परन्तु बहुत शीघ्रता से इसका शरीर से निष्कासन हो जाता है। चूँकि इसकी यथावश्यक रक्तगत मात्रा के निर्धारण (बनाये रखने) में कठिनाई होती है, इसलिए इसका प्रचलन आजकल कम हो गया है। इसके अतिरिक्त इस योग का शुक्लिकृत अंश इतना कम घुलनशील है कि वृक्क की हानि का भय सदा बना रहता है। इसलिए इसका चिकित्सा में प्रयोग आजकल बन्द सा हो गया है।

निर्माता—एम० बी० आदि अनेक कम्पनियाँ।

—०—

सल्फाडायाजीन

(Sulphadiazine)

यह आंत्रों के द्वारा मन्द गति से शोषित होता और देर से बाहर निकलता है। यह एक उपयोगी सल्फा योग है और कम से कम विषाक्त है। परन्तु दुर्भाग्यवश यह 'सल्फामेजाथीन' की भाँति मूत्र में घुलनशील नहीं है। इसलिए इसके प्रयोग में वृक्क-दोषों का होना सामान्य है। यह मस्तिष्क सुषुम्ना ज्वर या अभिन्यास ज्वर (Meningitis) में प्रयोग करने लायक एक श्रेष्ठ योग है। 'सल्फाडायाजीन' नित्य के उपसर्गों में व्यवहृत नहीं होता है।

निर्माता—एम० बी० आदि अनेक कम्पनियाँ।

सल्फामेजाथीन

(Sulphamezathine)

इसकी तृणाणुओं के ऊपर होनेवाली क्रिया ठीक उसी प्रकार है जिस प्रकार 'सल्फाडायाजीन' की, किन्तु विशेषता यह है कि यह वृक्कों के लिए उसकी अपेक्षा न्यून विषाक्त है। इस योग के प्रमुख लाभ ये हैं :—

यह मूत्र में अत्यधिक घुलनशील है, इसका शीघ्रता से शोषणा होता है और विष प्रभाव के कारण होने वाले उपद्रव इसके प्रयोग में बिरले ही मिलते हैं। इससे यह सभी के लिए निरापद रहती है। यह श्रेष्ठतम शुल्वयोग है जिसका नित्य ही चिकित्सा कार्यों में व्यवहार होता है तथा विशेष रूप से श्वसनक ज्वर (Pneumonia) में (या वात श्लेष्मोल्वण दोषों में) प्रयोग का निर्देश है। रोगी की कितनी तीव्र अवस्था क्यों न हो, लाभप्रद सिद्ध होता है। पहली मात्रा छः गोली (३ ग्राम) देकर तत्पश्चात् तीन-तीन गोली प्रति छः घण्टे के अन्तर पर देते रहने से रक्तगत मात्रा का अच्छा स्तर बना रहता है।

मात्रा—बच्चों में उपसर्ग की तीव्रातितीव्र अवस्था के अनुसार मात्रायें विभिन्न हो सकती हैं। जीवन के प्रथम छः मासों में अर्थात् ६ मास तक के बच्चों में १ ग्राम (२ गोली) प्रारम्भिक मात्रा के रूप में तत्पश्चात् प्रति ६ घण्टे पर ०·५ (१ गोली) की मात्रा में उपयोगी किया गया है। परन्तु इतनी बड़ी मात्रा देना उचित नहीं।

निम्नलिखित टेबुल में औसत मात्राओं का सुविधानुकूल और सरल दिग्दर्शन कराया गया है। प्रायः सभी उपरोक्त औषधियों के सम्बन्ध में यह लागू होता है।

आयु वर्षों में	धारण मात्रा	नियमित मात्रा (Maintenance Dose
०–३	१ टिकिया	१ टिकिया प्रति ४ घण्टे पर
३-१०	१½ ,,	१½ ,, ,, ,, ,,
१०–१५	२ ,,	२ ,, ,, ,, ,,
वयस्क	४ ,,	३ ,, ,, ,, ,,

तीन दिन के बाद मात्रा ६–६ घण्टे पर कर देना चाहिए।

'सल्फामेजाथीन' की व्यवस्था का निर्देश विशेष रूप से कुछ अन्य रोगों में भी है। जैसे उपत्वक्शोथ (Cellulitis), उपसृष्टव्रण, विसर्प, मध्यकर्ण शोथ, शंखकूट शोथ (Mastoid infection), लोहित ज्वर (Scarlet fever), तुण्डिकेरी (Tonsillitis) आदि दग्धव्रण और उपसृष्ट गहरे व्रणों की चिकित्सा में भी यह चूर्ण के रूप में बाह्य या स्थानिक प्रयोग में अति उपयोगी है।

—*—

सल्फाग्वानीडीन

(Sulphaguanidine)

शुल्वौषधियों का यह योग केवल मात्र प्रवाहिका भेदों में ही प्रयुक्त होता है। सेवन के बाद इसका आधे से अधिक भाग आंत्रों में रोक लिया जाता

है जो वहाँ पर स्थानिक कार्य करता है तथापि जो भाग शोषित होकर रक्त में पहुँचता है वह मृदु स्वरूप का शिरःशूल, मिचली, प्रभृति लक्षणों को पैदा करता है। इस योग का निर्देश दण्डाणवीय प्रवाहिका या अतिसार (Bacillary Dyscntery), विशूचिका-हैजा, शैशवीयातिसार (Gastroenteritis) तथा सव्रण-बृहदन्त्र शोथ (Ulcerative colitis) जैसे रोगों में पाया जाता है।

सूचना--जिन रोगियों में सल्फाग्वानीडिन का एक सप्ताह से अधिक प्रयोग चल रहा हो, उनके लिए आवश्यक है कि जीवतिक्ति 'बी' का कोई योग सेवन करने की सलाह दी जाय। क्योंकि सल्फाग्वानीडीन की उपस्थिति से आंत्रों में इस जीवतिक्ति के विभिन्न अवयवों के निर्माण में बाधा पहुँचती और निर्माण नहीं होता है। फलतः शरीर में इस तत्व की कमी आ जाती है। जल या द्रवों का सेवन भी नितान्त आवश्यक है।

मात्रा—प्रथम मात्रा ४ से ८ टिकिया फिर २ से ४ टिकिया प्रति ३-४ घंटे पर।

निर्माता—बूट्स आदि अनेक कम्पनियाँ।

थैलिल सल्फाथायाजोल
(Phthalyl Sulphathiazole)

यह योग भी प्रवाहिका भेदों (Dysenteries) में ही व्यहृत होता है, परन्तु अपेक्षाकृत थोड़ी मात्रा में ही अधिक काम करता है। चूंकि सल्फाग्वानी ीन की अपेक्षा कम मात्रा में यह शोषित होता है इसलिए कम विषाक्त है। इसकी तृणाणुओं के ऊपर होनेवाली क्रिया भी सल्फाग्वानीडीन से अधिक होती है।

मात्रा—प्रथम मात्रा ४ से ८ टिकिया फिर ३ से ४ टिकिया प्रति ३-४ घण्टे पर।

निर्माता—एम० बी० आदि अनेक कम्पनियाँ

सल्फासेटीन

(Sulphacetin)

औषधि-मिश्रण—यह सल्फासिटेमाइड (Sulphacetamide) है।

प्रयोग—प्रमेह (Gonorrhoea) रोग में लाभदायक है। मूत्रयन्त्र की सारी शिकायतों को दूर करती है।

मात्रा—२ टिकिया की मात्रा में नित्य ३ बार लगातार ४ दिन तक खानी चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

सोलूसेप्टासीन

(Soluseptasine)

औषधि-मिश्रण—यह डाइसोडियम पी (बाई फेनायलप्रोपिलोमिनो) बेञ्जीन सल्फोनेमाइड एः बाई-डाईसल्फोनेट Di-sodium P (phe-prophylamino) (benzine sulphonamide aby-disulphonate) है।

प्रयोग—यह मलहम, सोल्यूशन तथा सूई तीन शकल में तैयार होती है। इसका मुख्य कार्य स्ट्रेप्टोकोक्कल इन्फेक्शन दूर करना है। कान, नाक, गले आदि के आक्रान्त होने पर इसके सोल्यूशन के प्रयोग से विशेष लाभ होता है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार होती है।

निर्माता—मे एण्ड बेकर, इंग्लैंण्ड

सल्फानिल

(Sulphanil)

औषधि-मिश्रण—यह सल्फोनामाइड (Sulphonamide) से तैयार की जाती है

प्रयोग—विसर्प रोग (Erysipelas), तुण्डिका प्रदाह (Tonsillitis), गठिया वात (Arthritis), न्यूमोनिया (Pneumonia), कार्वङ्कल (Carbuncle), प्यूअरपेलर सेप्सिस आदि में प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा--१ से २ टिकिया की म,त्रा में भोजन के उपरान्त नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

थियोनिकोजीन

(Thionicozine)

औषधि-मिश्रण—

सल्फाथियाजोल(Suiphathiazole)

सल्फाडायजीन (Sulphadiazine)

नियासिनेमाइड (Niacinamide)

प्रयोग—इसका विशेषकर मेनिङ्गोकोक्कल (Meningococcal), न्यूमोकोक्कल (Pneumococcal), गोनोकोक्कल (Gonococcal), स्ट्रेप्टोकोक्कल (Streptococcal) तथा स्टेफिलोकोक्कल (Staphylococcal) संक्रमणों में प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में दिन भर में ३ बार अथवा जैसी चिकित्सक की राय हो। बच्चों की मात्रा उनके वजन, उम्र तथा हालत के अनुसार होती है।

विर्माता--सिपला, बम्बई।

सेप्टानिलम

(Septanilum)

औषधि-मिश्रण—यह पी० एमिनोबेञ्जीन सल्फोनेमाइड (P-amino-benzine-Sulphonamide) द्वारा तैयार की जाती है।

प्रयोग—इसका प्रयोग बिशेषकर स्ट्रेप्टोकोक्कल इन्फेक्शन में होता है। स्ट्रेप्टोकोक्कल तथा बी० कोली इन्फेक्शन में भी इसका प्रयोग गुणकारी है।

मात्रा—यह दवा टिकिया के रूप में आती है। १·५ से ३ ग्राम तक नित्य दी जाती है। किसी-किसी स्थिति में ५ से २० ग्राम तक देते हैं।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज।

सल्फाट्रायड

(Sulphatriad)

औषधि-मिश्रण—इसमें सल्फाथियाजॉल (Sulphathiazole), सल्फाडियाजीन (Sulphadiazine) तथा सल्फामीराजीन (Sulpha-merazine) मिली हुई है। यह घुलनशील काफी है तथा मूत्रावरोध उत्पन्न नहीं करती।

मात्रा—अन्य सल्फा औषधियों के समान।

निर्माता—मे एण्ड बेकर।

—०—

बायरीना

(Bayrena)

औषधि—यह अधिक समय तक कार्य करनेवाला सल्फोनामाइड (Sulphonamide) है।

प्रयोग—उन सभी अवस्थाओं में इसका प्रयोग होता है जिनमें सल्फोनामाइडों का।

मात्रा—प्रथम दिन प्रातःकाल जलपान के बाद २ टिकिया अथवा दो चाय चम्मच भर सस्पेंशन जल के साथ देना चाहिये। दूसरे दिन से इसकी आधी मात्रा प्रतिदिन एक बार दें। रोग के लक्षण समाप्त होने के दो-तीन दिन बाद तक इसका प्रयोग करना चाहिये।

बच्चों की मात्रा	पहले दिन	दूसरे दिन से
३ से ६ माह	३० बूँद	१ बूँद
६ से ९ माह	३५ बूँद	१० बूँद
६ से १२ माह	४० बूँद	११ बूँद
१ से २ वर्ष	३५ बूँद	१५ बूँद
२ से ४ वर्ष	४० बूँद	२० बूँद
४ से ६ वर्ष	३/४ टिकिया	१/२ टिकिया
६ से १० वर्ष	१ टिकिया	१/२ टिकिया
१० से १४ वर्ष	१½ टिकिया	१/२ टिकिया
१४ वर्ष से ऊपर	२ टिकिया	१ टिकिया

निर्माता—बायर (Bayer)

डोसल्फिन
(**Dosulfin**)

औषधि-मिश्रण—

सल्फाप्रोक्सिलीन (Su'phaproxyline)

सल्फामीराजीन (Sulphamer.zine)

प्रयोग---यह कम मात्रा में अधिक समय तक काम करने वाली सल्फा-औषधि है।

मात्रा—प्रथम दिन ४, दूसरे-तीसरे दिन २-३, तदुपरान्त २ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता--सुहृद गेगी लि०।

ओरिसल
(Orisul)

औषधि-मिश्रण—यह सल्फाफीनाजॉल (Sulphaphenazol) की टिकिया है।

प्रयोग—गुण अन्य सल्फोनामाइड औषधियों के समान है। अल्प मात्रा-में अधिक समय तक कार्य करती है।

मात्रा--प्रथम तथा द्वितीय दिन प्रातः-सायं २-२ टिकिया तदुपरान्त दिन में दो टिकिया।

निर्माता—सीबा फार्मा (इण्डिया) लि०।

मैड्रिब्रॉन
(Madribon)

यह अत्यल्प मात्रा में बहुत अधिक समय तक काम करने वाली सल्फा औषधि है। बड़ों के लिए टिकिया तथा बच्चों के लिए ड्राप आते हैं।

मात्रा--प्रथम दिन १-१ टिकिया प्रातः-सायं। तदुपरान्त १ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—रोश प्रोडक्टस लि०।

डियाजिल
(Diazil)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में ·५ ग्राम सल्फाडाइमिडीन (Sulphadimidine) रहता है।

प्रयोग एवं मात्रा—सल्फाडायाजीन के समान।

निर्माता—शीलाग कम्पनी।

अर्गाफेन
(Irgafen)

औषधि—यह सल्फोनामाइड ग्रुप की औषधि है।

प्रयोग—जहाँ सल्फा औषधियों का प्रयोग होता है।

मात्रा—८ से १० टिकिया प्रथम दिन। तदुपरान्त २ टिकिया प्रतिदिन कम करते हुए २ से ४ टिकिया प्रतिदिन। २-३ दिन तक रोग समाप्ति के बाद भी देना चाहिये।

निर्माता—सुहृद गेगी।

केमिसल्फन
(Kemisulfan)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरैम्फेनिकाल स्टी० (Chloramphenicol Str.)

सल्फाडायाजीन (Sulphadiazine)

सल्फामीराजीन (Sulphamerazine)

सल्फाग्वानीडीन (Sulphaguanidine)

प्रयोग--सब प्रकार के अतिसार, पेचिश, श्वसन-संस्थान के रोग जैसे जीर्ण ब्रांकाइटिस, ब्रांकोन्यूमोनिया तथा मूत्रेन्द्रिय संस्थानगत अनेक रोगों में लाभ करता है।

मात्रा--२ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता--कार्लो आर्बा।

लेडरकिन
(Lederkyn)

औषधि--यह सल्फामीथॉक्सी पाइरिडाजीन (Sulphamethoxy-Pyridazine) की ०·५ ग्राम की टिकिया है।

प्रयोग--सल्फा औषधियों के प्रयोग के अनुसार ही इसका भी प्रयोग होता है। यह लम्बे समय तक कार्य करने वाली (Long acting) सल्फा औषधि है।

मात्रा--पहिले दिन २ टिकिया और दूसरे दिन से १ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता--लेडर्ली (Lederle)

टिप्पणी--बच्चों के लिए लेडरकिन एसीटिल पीडियैट्रिक सस्पेंशन (Lederkyn acetyl Pediatric Suspension) मिलता है। बच्चों के भार के अनुसार प्रति १ किग्रा० पर ५ मिली० (२५० मिग्रा०) औषधि प्रथम दिन और उसके बाद आधी मात्रा में प्रतिदिन देते हैं। कुल मात्रा एक बार में ही देनी चाहिये।

सल्फा—४
(Sulpha—4)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में Sulphadiazine, Sulphadimidine, Sluphacetamide, Sulphathiazol होता है।

प्रयोग-- सल्फाडायाजीन के समान है।

मात्रा--१-२ गोली दिन में २-३ बार।

निर्माता--स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)

—*—

सिप्रोमाइड
(Sipromide)

औषधि-मिश्रण—सल्फाडायाजिन (Sulphadiazine), सल्फामेराजीन (Sulphamerazine), सल्फाडायमिडीन (Sulphadimidine) सल्फासिटामाइड (Sulphacetamide) रहता है।

प्रयोग एवं मात्रा—सल्फाट्रायड Sulphatriad) के समान है।

निर्माता—एलेम्बिक (Alembic)

—*—

सिप्रोमाइड विथ पेनिसिलिन वी
(Sipromide with Penicillin V)

औषधि मिश्रण - इसमें Sipromide की समस्त औषधियों के अतिरिक्त ६० मि० ग्रा० पेनिसिलिन वी० रहता है।

प्रयोग एवं मात्रा—सिप्रोमाइड के समान है।

निर्माता--एलेम्बिक (Alembic)।

—*—

सुप्रोनल
(Supronal)

औषधि-मिश्रण--यह दो सल्फा औषधियों का योग है।

प्रयोग—सल्फा औषधियों की जहाँ जहाँ आवश्यकता हो इसको प्रयोग कर सकते हैं।

मात्रा—४ से ६ मात्रा प्रतिदिन। बच्चों को अवस्थानुसार कम मात्रा।

निर्माता—बायर (Bayer)

ट्राइसल्फन
(Trisulfan)

औषधि-मिश्रण—यह गोली अथवा शर्बत दोनों रूपों में मिलती है जिसमें सल्फाडायाजीन (Sulphadiazine), सल्फामीराजीन (Sulphamerazine) तथा सल्फामीथाजीन (Sulphamethazine) रहता है।

प्रयोग एवं मात्रा—सल्फाट्रायड के समान रहती है।

निर्माता—कार्लोअर्बा (Carlo Erba)।

३—सलपेन टैबलेट्स
(3 – Sulpen Tablets)

औषधि-मिश्रण—

पेनिसिलिन वी पोटैशियम (Ponicillin V Potassium)

सल्फाडायाजीन (Sulphadiazine)

सल्फामीराजीन (Sulphamerazine)

सल्फाडायमिडीन (Sulphadimidine)

प्रयोग—पेनिसिलिन और सल्फा से प्रभावित होने वाले सभी रोगों में लाभदायक है।

मात्रा—पहिली मात्रा २ टिकिया तदुपरान्त १-२ टिकिया प्रति ४-६ घण्टे पर।

निर्माता--डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)।

—*—

स्ट्रेप्टोट्रायड

(Streptotriad)

औषधि-मिश्रण —

स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट (Streptomycin Sulphate)

सल्फामीराजीन (Sulphamerazine)

सल्फाडायाजीन (Sulphadiazine)

सल्फाथियाजाल (Sulphathiazole)

गुण तथा प्रयोग—यह बैसिलरी डिसेन्टरी (Bacillary Dysentery) तथा अन्य दण्डाण्वीय संक्रमणों से होने वाले तीव्र अतिसारों में लाभदायक है।

मात्रा--२-३ टिकिया चार बार।

निर्माता—मे एण्ड बेकर।

—*—

जिनाल्का

(Zinalka)

औषधि-मिश्रण—

सल्फाडायाजीन (Sulphadiazine)

सल्फामीराजीन (Sulphamerazine)

सल्फामीथाजीन (Sulphamethazine)

डाइ-सोडियम हाइड्रोजन साइट्रेट (Di-Sodium hydrogen Citrate)

प्रयोग—यह ३ सल्फोनामाइडों का मिश्रण है साथ ही रक्त को क्षारीय बनाने वाला है। इसका प्रयोग उन सभी स्थानों पर हो सकता है जहाँ सल्फोनामाइडों का यथा मेनिंगोकोक्कल मेनिंजाइटिस (Meningoco-

ccal meningitis), मेनिंगोकोक्कल सेप्टीसीमिया (Meningococcal Septicaemia), बीटा हीमोलिटिक स्ट्रेप्टोकोक्कल के संक्रमण (Beta-Haemolytic streptococcal infections), न्यूमोनिया (Pneumonia), इम्पायमा (Empyema), मध्यकर्ण शोथ (Otitis media), मैस्टायड शोथ (Mastoiditis), विसर्प (Erysipelas), प्रसूति ज्वर (Puerperal fever), उदरावरण शोथ (Peritonitis), अन्तर्हृद शोथ (Endocarditis), मूत्रमार्ग के उपसर्ग (Urinary tract infections) आदि।

मात्रा— २ टिकिया प्रति ४ घण्टे पर।

निर्माता—डोल्फिन लेबोरेटरीज (Dolphin Laboratories)।

—*—

केमि साइक्लीन

(Kemi-Cycline)

औषधि-मिश्रण--यह गोली एवं कैप्स्यूल दोनों रूपों में आती है।

इनमें क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol) तथा टेट्रासाइक्लीन हाइड्रोक्लोराइड (Tetracycline Hcl.)। औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—इसका प्रयोग एक्रोमाइसिन एवं क्लोरोमायसिटीन दोनों से अच्छे होनेवाले मिश्रित उपसर्गों में करते हैं।

मात्रा—रोग की उग्रता एवं रोगी के अवस्थानुसार।

निर्माता--कार्लो अर्बा।

टिप्पणी—इसी प्रकार की इण्टेरोसाइक्लीन कैप्स्यूल (Enterocycline Capsule) भी आती है।

—*—

इण्टेरोमाइसेटिन सल्फा
(Interomycetin Sulpha)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरेम्फेनिकॉल (Chloramphenicol Palmitate)

सल्फाडियाजीन (Sulphadiazine)

थैलिलसल्फाथियाजॉल (Phthalyl sulphathiazol)

प्रयोग—इसकी टिकिया और सिरप मिलते हैं। आन्त्रशोथ (Enteritis or colitis), आमाशयान्त्रशोथ (Gastrointeritis), मूत्र-प्रजनन तन्त्र के संक्रमण (Urogenital infections), सानुसाइटिस (Sinusitis), टांसिलशोथ (Tonsillitis), न्यूमोनिया (Pneumonia), पित्ताशयशोथ (Cholecystitis), यकृतशोथ (Hepatitis) आदि में लाभकर है।

मात्रा—१-२ टिकिया या १-२ चम्मच सिरप प्रति ४-६ घण्टे पर रोगी की अवस्था के अनुसार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

रोबामाइसिन
(Rovamycin)

औषधि—यह स्पाइरामाइसिन की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में २५० मिग्रा स्पाइरामाइसिन (Spiramycin) होती है।

प्रयोग—स्टैफिलोकोक्कस ऑरियस (Staphylococcus aureus) के संक्रमण, न्यूमोकोक्कस (Pneumococcus) और स्ट्रेप्टोकोक्कस के फुफ्फुस (Lungs) तथा श्वसन सं थान के संक्रमण तथा मध्यकर्ण के संक्रमणों में लाभ करता है। अमीबिक अतिसार की अन्य औषधियों के साथ इसे भी देने से अधिक लाभ होता है।

मात्रा—१ टिकिया प्रति ६ घण्टे पर।
निर्माता—एम० एण्ड बी०।

—*—

पोलिमिक्सिन बी सल्फेट
(Polymixin B Sulphate)

यह जीवाणु-विरोधी औषधि स्यूडोमोनास इरोजिनोसा (Pseudomonas Aeroginosa—B Pyocyaneous) के संक्रमण में विशेष लाभदायक है। इसका मुखमार्ग से प्रयोग केवल आमाशयान्त्र मार्ग (Gastro-intestinal tract) के संक्रमणों (Infections) के लिए होता है, क्योंकि मुखमार्ग से लेने पर इसका शोषण अत्यल्प होता है, अतः इस प्रकार लेने पर शरीरस्थ अन्य संस्थानों पर प्रभाव (Systemic effects) के लिए नहीं होता। इसका विशेषतः स्थानिक प्रयोग (Local application) ही होता है। मांसपेशी में देने पर इसका शरीरगत प्रभाव (Systemic effect) भी होता है। इस कार्य के लिए २.५ मिग्रा० प्रति कि० ग्रा० शरीर भार के अनुसार प्रतिदिन की मात्रा में प्रयोग होता है। इसका वृक्क पर बुरा असर पड़ता है, अतः उक्त मात्रा से अधिक मात्रा में कभी प्रयोग नहीं करना चाहिए। अच्छा तो यह है कि आन्तरिक प्रयोग करे ही नहीं। यों यह इण्ट्राथीकल (Intrathecal) अथवा नेत्रकला के नीचे (Sub Conjunctival) भी दी जा सकती है, परन्तु इसका मलहम (Ointment), बिन्दु (Drop) अथवा लोशन (Lotion) के रूप में ही प्रयोग करना चाहिए। बिन्दु-आँख-कान के लिए और लोशन मूत्राशय (Bladder), प्लूरा (Pleura), मैक्जिलरी सायनस (Maxillary Sinues), नासूर (Fistula) आदि को धोने के काम में आते हैं।

———

टाइरोथ्राइसिन
(Tyrothricin)

परिचय—बेसिलस ब्रेविस नामक जीवाणु से प्राप्त एक जीवाणुघ्न पदार्थ है जिसे ड्यूबोस (Dubos) नामक वैज्ञानिक ने खोज निकाला। वास्तव में यह दो प्रकार के कणदार पदार्थों टायरोसिडीन (Tyrocidin) तथा ग्रेमीसिडीन (Gramicidin) का मिश्रण है। यह पानी में घुलनशील न होकर एल्कोहल अथवा मद्यसार में घुलनशील है तथा एल्कोहल से संयुक्त होकर स्थायी घोल बनता है। उपर्युक्त दोनों ही पदार्थ रक्तद्रावक (Haemolytic) हैं। अतः इसका प्रयोग शिरामार्ग से कदापि नहीं करना चाहिये। इसके अलावा इस औषधि से विषाक्त होने के कारण इसे मुख द्वारा व सूचिकाभरण द्वारा नहीं दिया जा सकता।

इस औषधि का प्रधान प्रयोग स्थानिक औषधि के रूप में है, क्योंकि इसमें पूयोत्पादक जीवाणुओं की वृद्धि रोकने के साथ-साथ व्रण के रोपण धातु (Granulation tissue) के निर्माण का भी गुण होता है। क्योंकि यह औषधि रोपण धातु के निर्माण को उत्तेजना देती है।

उपयोग—प्रयोग में लाने के लिए टाइरोथ्राइसीन का एल्कोहल में मिला हुआ घोल जो २% शक्ति का होता है, मिलता है, क्योंकि जैसा ऊपर कहा गया है, इसका एल्कोहल में बना हुआ घोल स्थायी होता है। प्रयोग में लाते समय इस घोल की एक मि० ली० मात्रा दो सौ मि० लि० (200 ml.) जल में मिलाकर तैयार कर लिया जाता है। घोल का मिश्रण शुद्ध जल में बनाना चाहिये। नार्मल सैलाइन का प्रयोग करना ठीक नहीं है। इस औषधि का १ : ५०० शक्ति का घोल निम्नलिखित रूपों में प्रयोग में लाया जाता है।

(१) चर्म रोग—भिन्न-भिन्न प्रकार के चर्म रोगों में लक्षणों की उग्रता को देखते हुए इसका प्रयोग लाभकारी होता है। चर्म रोगों में बिना हल्का

किए हुए घोल का भी प्रयोग कर सकते हैं। किन्तु ऐसा बहुत कम करते हैं। घोल के प्रयोग के अलावा मलहम का प्रयोग भी उपर्युक्त रोगों में किया जा सकता है। इसके लिए एक ग्राम आधार द्रव्य में ०·३ मिलीग्राम औषधि डालकर मिला लेना चाहिए तथा इसी शक्ति का बना हुआ मलहम भी प्रयोग के लिए ट्यूबों में बन्द बाजार में मिलता है।

(२) गले एवं नाक आदि अंगों के रोग—तीव्रनासा शोथ (Acute Rhinitis) की अवस्था में नाक को सैलाइन (Saline) के समबल घोल से धो लेने के बाद इस घोल की एक बूँद डालनी चाहिए। इसी प्रकार चिरकालीन नासाशोथ (Chronic Rhinitis) की अवस्था में भी इसका प्रयोग किया जाता है, किन्तु एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस प्रयोग में अत्यधिक लाभ की आशा न की जाय। आजकल तो ऐसी अवस्था में शल्य कर्म (Operation) करने के बाद इसके घोल को नासामार्ग में पहुँचा कर प्रक्षालन किया जाता है। प्रतिश्याय (जुकाम) की अवस्था में भी १ : ५००० टायरोथ्राइसीन तथा $\frac{१}{१०}$ प्रतिशत शक्ति की प्रिवीन (Privine) का घोल मिलाकर नाक में स्प्रे (Spray–फुहारे) के रूप में प्रति दो घण्टे पर प्रयोग करना चाहिए। गले के रोगों में भी इसी प्रकार फुहारे का प्रयोग किया जा सकता है। रोहिणी (Diphtheria) नामक रोग की वाहक अवस्था में इस औषधि का स्प्रे (Spray) के रूप में प्रयोग करना लाभकर होता है। इस औषधि का प्रयोग रात में करते रहने की विशेष आवश्यकता नहीं पड़ती। इस औषधि के शुष्क चूर्ण का भी प्रयोग अवधूलन कर्म (Dusting) में किया जा सकता है।

(३) व्रण चिकित्सा—व्रण की सफाई करने के बाद उसे टॉयरोथ्राइसीन के ऊपर लिखे हुए घोल (१ : ५०००) में भिगोया हुआ गॉज भर दिया जाता है। फिर इस गॉज को प्रति चार-चार घण्टे पर घोल से भिगो-

कर तर रखना चाहिए। फिर ४८ घण्टे बाद पट्टी खोल देनी चाहिए। यदि घाव न भरा हो तो पुनः गॉज भरकर पट्टी बाँध देनी चाहिए।

—*—

इलोटाइसीन
(Ilotycin)

औरियोमाइसिन, टेरामाइसिन, क्लोरोमाइसिटिन आदि की तरह यह भी जीवाणुघ्न पदार्थ है जो भिन्न-भिन्न रोगोत्पादक जीवाणुओं पर अपना घातक प्रभाव डालता है। यह औषधि अभी तक दुष्परिणामों से रहित मानी गयी है तथा इसका सेवन मुख द्वारा कराया जा सकता है।

इस औषधि का चूर्ण कैप्स्यूल (Caps ule) में भरकर मुख द्वारा किया जा सकता है। मुख द्वारा औषधि सेवन करने के बाद औषधि एक घण्टे बाद रक्त में मिलने लगती है तथा आठ घंटे तक रक्त में उचित मात्रा में मिली रहकर अपना कार्य करती है। यह औषधि रक्त से होकर सुषुम्ना वारि (Cerebrospinal fluid) में भी पहुँच जाती है। अतः इस औषधि का प्रभाव सुषुम्नावरण शोथ (Meningitis) की अवस्था में भी पड़ता है तथा यह लाभ भी पहुँचाती है।

यह औषधि पेनिसिलिन द्वारा नष्ट होनेवाले अधिकांश जीवाणुओं के लिए घातक होने के साथ ही साथ आवर्तक ज्वर (Undulant fever), रॉकी पर्वत ज्वर (Rocky Mountain fever), तन्द्रक ज्वर (Typhus fever) आदि रोगों में भी लाभ पहुँचाती है। इसका निर्माण इसी लीली कम्पनी ने किया है और उसके विद्वानों का कहना है कि यह औषधि डिफथीरिया (रोहिणी) नामक रोग पर भी प्रभावकर सिद्ध हुई है। उसी कथन पर परीक्षण किये जा रहे हैं। अगर यह उनके कथन के अनुकूल सिद्ध हुई तो निश्चित ही यह बड़ी उपयोगी सिद्ध होगी।

आजकल इसके साथ ही साथ सल्फा औषधि का मिश्रण भी कर दिया गया है जिससे इसकी कार्यशीलता और अधिक प्रभावशाली हो उठी है। इस सल्फा औषधि मिश्रित योग का नाम 'इलोटाइसिन सल्फा' (Ilotycin sulpha) है जो कि बटिकाओं के रूप में बाजार में मिलती है। बच्चों को सुविधानुसार तथा रुचिपूर्वक दिये जाने के लिए इसको 'बच्चों के लिए' Paediatric रूप में चूर्णित करके मीठा बना दिया गया है जिसे "Ilotycin sulpha paediatric" के रूप में प्राप्त किया जा सकता है। निःसंदेह यह एक अत्यन्त उपयोगी औषधि है।

———

ईरिथ्रोसिन
(Erythrocin)

परिचय—यह Abbott Co. द्वारा निर्मित Erythromycin ethylsuccinate का उत्तम योग है।

मात्रा—२५० मि०ग्रा० प्रति ६ घण्टे पर।

गुण—इसके सभी गुण इलोटायसिन के समान हैं।

—०—

मेग्नामायसिन
(Magnamycin)

परिचय—वह नवीनतम जीवाणुघ्न पदार्थ है जिसके सम्बन्ध में विशेष परीक्षण हो रहे हैं। इसका रासायनिक नाम कार्बोमायसिन (Carbomycin) है। इसका निर्माण स्ट्रेप्टोमायसिस हैल्सटीडीआई (Streptomyces Helstedii) से होता है।

विशेष—यह एक श्वेत, गन्धरहित, तिक्त स्वाद वाला चूर्ण होता है, जो जल में कम, परन्तु क्लोरोफार्म में अधिक घुलनशील है।

मात्रा—मेग्नामायसिन की सामान्य मात्रा १-२ ग्राम (१५-३० ग्रेन) प्रतिदिन मुख द्वारा प्रति ६ घण्टे पर युवक में और ५० से १०० मिलीग्राम ($\frac{3}{4}$ से $1\frac{1}{2}$ ग्रेन प्रति किलोग्राम शरीर के वजन के हिसाब से) बच्चों में प्रति ६ घण्टे के अन्तर पर देना चाहिए।

गुण कर्म एवं प्रयोग—इसकी विशेषता यह है कि पेनिसिलिन तथा टेट्रासाइक्लीन से क्षम स्ट्रेप्टोकोक्कस पर भी यह प्रभावकर है। गलग्रन्थिशोथ (Tonsillitis), न्यूमोनिया, अमीबिक अतिसार, व्रण एवं विद्रधि में इसका प्रयोग किया जाता है। यद्यपि इसका कार्यक्षेत्र कोई विस्तृत नहीं होता, परन्तु जहाँ कहीं यह कार्य करता है, वहाँ अन्य एण्टीबायोटिक्स के असफल हो जाने पर भी यह सफल हो जाता है। इसका शुरू में कार्य जीवाणुरोधक (Bacteriostatic) होता है तथा इसका जीवाणुनाशक प्रभाव इरिथ्रोमायसिन के समान होता है। इसका मुख द्वारा सेवन करने से पाचन नलिका द्वारा शोषण होता है तथा इरिथ्रोमायसिन के समान इस पर भी आमाशयिक अम्लता का कोई भी प्रभाव नहीं होता। साथ ही शरीर में इस औषधि का वितरण सब स्थानों पर, C. S. F. को छोड़कर, हो जाता है और शेष भाग पित्त द्वारा निष्कासित होता है। इसका प्रयोग मूत्र-संस्थान के उपसर्ग, विद्रधियों (Abcesses), सेल्यूलायटिस तथा स्ट्रेप्टो और स्टेफिलोकोक्कस जीवाणु करते है।

विषाक्त लक्षण—इसके द्वारा उत्पन्न विषाक्त लक्षणों में मिचली, वमन, अतिसार, क्षुधानाश, मूर्च्छा, जिह्वा शोथ, त्वचागत विस्फोट प्रधान हैं।

नियोमायसिन

(Neomycin)

परिचय—इसको सामान्य भाषा में मायसिफ्रेडिन (Mycifradin) भी कहा जाता है जिसका निर्माण स्ट्रेप्टोमायसिस फ्रेडी (Streptomyces

Fradiae) से किया गया है। इसका अविष्कार वैक्समैन तथा लिशेवेलियर द्वारा हुआ था। यह श्वेत हलके पीतवर्ण का गन्धरहित रवेदार चूर्ण होता है जो जल में घुलनशील है।

मात्रा--इसके स्थानिक प्रयोग के लिए ५% का मलहम आता है। मुख द्वारा सेवन के लिए इसकी १ ग्राम (१५ ग्रेन) की मात्रा प्रति चार घंटे पर युवक व्यक्ति को दे सकते हैं तथा इन्जेक्शन के लिए १०-१५ मि० ग्रा० ($\frac{१}{६}$ से $\frac{१}{४}$ ग्रेन) प्रति कि० ग्रा० शरीर के वजन के हिसाब से सूचीवेध करना चाहिये। यह $\frac{१}{२}$ ग्राम की गोली के रूप में मिलती है तथा १ ग्राम की इसकी मात्रा ४-८ घंटे पर देनी चाहिये।

गुण धर्म एवं प्रयोग--मुख द्वारा सेवन से इसका आमाशय से बहुत कम शोषण होता है। इसका ९७% भाग मल द्वारा, ३% मूत्र द्वारा बिना परिवर्तित हुए निष्कासित हो जाता है; परन्तु मांसपेशी में सूचीवेध करने पर इसका शीघ्र शोषण होता है तथा ६ से ८ घण्टे में पूर्ण रू से रक्त में वितरित हो जाता है। साथ ही प्लूरल जल, सेरिब्रोस्पाइनल जल इत्यादि में भी यह शोषण के उपरान्त पहुँच जाता है।

यह औषधि कई ग्राम धन एवं ग्राम ऋण जीवाणुओं के विरुद्ध कार्य करती है। परन्तु चूँकि मुख द्वारा सेवन करने के पश्चात् इसका रक्त में शोषण नहीं हो पाता, अतः इसका कार्यक्षेत्र केवल आन्त्रनलिका तक ही सीमित रहता है और इसका प्रयोग भी केवल उन्हीं अवस्थाओं में करना लाभदायक है। जब आन्त्र या आमाशय पर कोई शल्यकर्म किया जाता है तब इसका प्रयोग शल्य-कर्म के ७२ घण्टे पहले से करना चाहिये। इस प्रयोग का मुख्य उद्द ेश्य आमाशय में स्थित जीवाणुओं को समाप्त करना है, ताकि उनसे कोई उपद्रव न उत्पन्न हो सके।

इसका मुख्य रूप से कार्य स्टैफिलोकोकस, स्ट्रेप्टोकोक्कस, न्यूमोकोक्कस, ई० कोलाई तथा सालमोनेला ग्रुप के उपसर्गों में होता है, परन्तु

फंसग एवं विषाणुओं पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पूय, एन्जाइम आमाशय एवं आंत्र के स्राव इस औषधि की क्रिया में कोई विघ्न नहीं डालते।

स्थानिक रूप में ·५% (५ मिलिग्राम प्रति ग्राम) घोल के रूप-मलहम के रूप में इसका प्रयोग होता है। इसके प्रयोग से त्वचा पर इसके द्वारा कोई विषाक्त प्रभाव नहीं होता है। त्वचा रोगों के अन्तर्गत दग्ध (Burns), घाव (Wounds), व्रण (Ulcer), उकवत (Eczema), त्वचाशोथ (Dermatitis), इम्पेटिगो (Impetigo), फुन्सियों (Ferunculosis), में इस औषधि का उत्तम कार्य है। इसी प्रकार कान बहने (Otitis Media), कंजंक्टिवायटिस (Conjunctivitis), ब्लेफराइटिस (Blepharitis) तथा विलनी (Stye) पर भी इसके स्थानिक प्रयोग से उत्तम लाभ होता है। ब्रांकिएक्टेसिसि (Bronchiectasis), जीर्ण श्वासनानिका शोथ (Chronic Bronchitis), इसमें एरोसोल अर्थात् सूँघने के रूप में प्रयोग होता है जिसे कम से कम ६ सप्ताह तक करना चाहिये।

आवश्यकता पड़ने पर नीयोमायसिन १% घोल नार्मल सैलाइन में २०० मि० लि० बनाकर गुदा मार्ग से प्रविष्ट कराते हैं, जिससे आन्त्र का पूर्ण रूप से प्रक्षालन होता है। तीव्र अतिसार में ·५ ग्राम की मात्रा में दिन में ३ बार सेवन करना चाहिये तथा टेट्रासाइक्लीन के सहयोगी औषधि के रूप में इसका प्रयोग होता है। फ्लूरल कैविटी, पेरिटोनियम तथा सन्धियों में इसका प्रयोग होता है। कटिप्रदेश में लम्बर पञ्चर द्वारा मेनिनजाइटिस की अवस्था में इसका प्रयोग होता है।

विषमयता (Toxicity)—इसका कोई विशेष विषाक्त प्रभाव नहीं होता। मुख द्वारा अधिक मात्रा में अथवा दीर्घकाल तक सेवन से कभी-कभी मिचली, वमन, अतिसार, क्षुधानाश इत्यादि दुष्परिणाम प्रकट होते हैं। इंजेक्शन द्वारा प्रयोग करने पर उग्र वृक्क विकार उत्पन्न हो जाता है जैसे मूत्र में एल्ब्यूमिन का स्राव, कास्ट का निकलना, मूत्रकृच्छ्र इत्यादि। इसके अलावा

कान की नाड़ी पर आघात पड़ने से रोगी बहरे हो जाते हैं तथा शिरःशूल, चक्कर आना, हाथ-पैर में दर्द इत्यादि लक्षण मिलते हैं इसलिए सामान्य रूप से नियोमायसिन का इन्जेक्शन के रूप में प्रयोग करना निषिद्ध है।

वायोमायसिन

(**Viomycin**)

यह औषधि वायोसिन सल्फेट (Viocin Sulphate) के रूप में प्रचलित है। जिसका निर्माण स्ट्रेप्टोमायसिस प्यूनिकुइस (Streptomyses Punicues) द्वारा होता है।

विशेषता—यह औषधि श्वेत तथा कुछ-कुछ हलके पीले रंग की गन्ध रहित चूर्ण के रूप में होती है जो कि एल्कोहल में कम, परन्तु जल में शीघ्र घुलनशील है।

मात्रा—इसकी सामान्य मात्रा २ ग्राम प्रतिदिन (३० ग्रेन) दो बार में बाँटकर मांसपेशीगत इन्जेक्शन द्वारा सप्ताह में दो बार है।

गुण-कर्म एवं प्रयोग—मुख द्वारा तथा रासायनिक लेप द्वारा इसका शोषण बहुत कम होता है। परन्तु मांसपेशीगत इन्जेक्शन से यह पूर्ण रूप में शोषित हो जाती है। शोषित होने के पश्चात् औषधि का कुछ भाग रक्त, सेरिब्रोस्पाइनल फ्लुइड, पेरिटोनियल फ्लुइड में वितरित हो जाता है। परन्तु अधिकतर भाग मूत्र द्वारा निष्कासित हो जाता है। यह क्षय रोग में प्रयुक्त होने वाली अति उत्तम औषधि है तथा जो क्षय के उपसर्ग स्ट्रेप्टोमाइसिन तथा पी० ए० एस० एवं आइसोनियाजाइड से क्षम हों उनके लिए यही एकमात्र औषधि है। इसका प्रयोग सोडियम एमिनो सैलिसिलेट (Sodium Amino Salicylate) के साथ और उत्तम प्रभाव दिखाता है।

वायोमायसिन का समस्त प्रकार के फुफ्फुस टी० बी०, अस्थि टी० बी० (Bone T. B.), लसिका ग्रन्थि टी० बी० (Gland T. B.), टी० बी० मेनिनजाइटिस (Tubercular Meningitis), मिलियरी टी० बी० Laryngeal T. B., ब्रांकियल (Bronchial) तथा स्वर यन्त्र की टी० बी० (Laryngeal T, B.) में प्रयोग होता है। राजयक्ष्मा के रोगियों में जिनकी शल्यक्रिया होने जा रही हो, इसका पूर्व प्रयोग उत्तम है।

विषालु लक्षण (Toxic Reactions)—एलर्जिक अवस्थाएं जैसे त्वचागत विस्फोट (Rashes), बहरापन, मूत्र में एल्ब्यूमिन स्राव तथा उनमें लाल रक्त कण एवं पूय की उपस्थिति, वमन, अतिसार, क्षुधानाश, कमजोरी, मांसपेशियों में संकोच (Cramps) इसके विषाक्त लक्षण हैं जो इस औषधि का अधिक मात्रा एवं दीर्घकाल तक सेवन करने से उत्पन्न होते हैं।

नोट—इससे सभी सहमत हैं कि प्रायोगिक रूप में यह औषधि स्ट्रेप्टोमायसिनक्षम यक्ष्मा कीटाणु को नष्ट कर देती है इसका अत्यन्त विषैला प्रभाव इसके प्रयोग में बाधक है।

ड्यूमेक्स फाइजर कम्पनी ने वायोसिन (Viccin) नाम से इसका वायल निकाला है।

फ्यूमेगैलिन

(**Fumagallin**)

यह औषधि अपजान (Upjohn) कम्पनी के विद्वान वैज्ञानिकों द्वारा आविष्कृत हुई है तथा एक नवीन जीवाणु विरोधी (Antibiotic) पदार्थ है। अभी तक जितने भी प्रयोग इस औषधि द्वारा किये गये हैं उनका फल कुछ अधिक लाभदायक नहीं सिद्ध हुआ प्रतीत होता है, किन्तु फिर भी इसका एकमात्र प्रयोग अमीबिक अतिसार (Amoebic dysentery) की

चिकित्सा में होता है। यह औषधि अमीबा की सिस्ट (Cyst) अवस्था में जब उस पर अन्य औषधियों का विशेष प्रभाव नहीं पड़ रहा हो तो अधिकतर लाभकर पायी गयी है। इसका प्रयोग अन्य जीवाणुघ्न औषधियों की भाँति मुख द्वारा ही किया जाता है। वैज्ञानिकों द्वारा यह देखा गया है कि १०० मिलिग्राम प्रतिदिन की मात्रा १२ दिन तक लगातार दिये जाते रहने से १०० में ६० रोगी ठीक हो गये तथा उन रोगियों में तीन मास तक रोग का पुनराक्रमण नहीं हुआ। सम्भवतः भविष्य में इन्जेक्शन प्रयोग भी शीघ्र आएगा।

गार्लीसीन

(Garlicin)

यह एक पीले रंग का जीवाणुघ्न पदार्थ है जिसकी ४०० मिलीग्राम की एक यूनिट मानी जाती है। यह मुख द्वारा ही प्रयोग में लायी जाती है। पित्त, आमाशयिक रस, मस्तिष्क सुषुम्ना द्रव आदि के उपस्थित रहने पर भी यह औषधि अपना काम कर दिखाती है, किन्तु रीबोफ्लेवीन (Rebof-lavin), थियामीन (Thiamine) व पेन्टोथिनिक एसिड (Pentothe-nic acid) की उपस्थिति रहने से इसकी कार्यशीलता और अधिक बढ़ जाती है।

इस औषधि का प्रधान प्रयोग बैसिलरी अतिसार (Bacillary dy-sentery) शिगा, सोन्ने तथा फ्लैक्शनर अतिसार तथा आमातिसार आदि आन्त्र विकृतिकारक रोगों का नाश करने के लिए किया जाता है। तन्द्रक ज्वर (Typhus fever) में भी यह औषधि लाभकर प्रमाणित हुई है। औषधि सेवन करने के दूसरे दिन लक्षणों में कमी होने लगकर लाभ मालूम होने लगता है तथा क्रमशः रोगी स्वस्थ तथा सबल होता जाता है। इसकी मात्रा निम्नलिखित क्रम से देनी चाहिये :—

१—पहिले दिन—२०-२० इकाई दिन में ५ बार कुल मात्रा १०० इ०, दूसरे व तीसरे दिन—२०-२० इ० दिन में ४ बार कुल मात्रा ८० इ०, चौथे, पाँचवें-छठें व सातवें दिन—२०-२० इ० दिन में तीन बार कुल मात्रा ६० इ०, आठवें व नवें दिन—दिन में २०-२० इकाई की केवल दो मात्राएँ इस प्रकार दिन में कुल मात्रा ४० इ० ।

नोट—यदि रोग अधिक तीव्र स्वरूप का हो तो ऊपर बतायी गयी मात्रा को दुगुना भी किया जा सकता है ।

एरोस्पोरिन

(Aerosporin)

यह जीवाणुघ्न पदार्थ हाइड्रोक्लोराइड लवण के रूप में प्राप्त होता है । इसकी एक मिलीग्राम मात्रा १०० इकाई के बराबर मानी जाती है । मुख द्वारा देने से यह औषधि रक्त में शोषित नहीं होने पाती, अतः इसका सूचीवेध मार्ग से प्रयोग करना आवश्यक हो जाता है । इसका इन्जेक्शन दिये जाने पर शीघ्र ही शरीर से उत्सर्ग हो जाता है । अतः पेनिसिलीन की भाँति ही बार-बार इञ्जेक्शन देने की आवश्यकता पड़ जाती है । यह औषधि थोड़ी बहुत मात्रा में विषालु भी है और इसका यह विषालु परिणाम वृक्कों पर पड़ता है जिसके फलस्वरूप मूत्र बनने की क्रिया बिगड़ जाती है ।

इस औषधि का प्रयोग कुक्कुर खाँसी, आन्त्रिक ज्वर आदि की अवस्थाओं में किया जाता है, विशेषकर कुक्कुर खाँसी में । औषधि की मात्रा $\frac{१}{१०}$ मिलीग्राम प्रति कि० ग्राम शरीर भार के हिसाब से देनी चाहिए अर्थात् ८० कि० ग्राम (२ मन) शरीर के भारे वाले युवक के लिए ८० मिग्रा० औषधि आवश्यक है । यह मात्रा प्रति चार घण्टे पश्चात् मांसपेशीगत सूचीवेध (Intramuscular Injection) के रूप में दी जाती है । औषधि प्रयोग के ८ घण्टों के भीतर ही लाभ दृष्टिगोचर होने लगता है । किन्तु ४-५ दिन

तक चिकित्सा करने से ही रोग का समूल नाश सम्भव है। खाँसी के साथ-साथ यदि ब्रांको न्यूमोनिया (Bronchopneu nonia) आदि उपद्रव हों तो सल्फा विभाग की औषधियाँ या पेनिसिलिन का भी प्रयोग किया जाना चाहिए।

क्लोरोस्ट्रैप, इण्टेरोस्ट्रैप, ह्यूमैटिन कैप्स्यूल पेट के रोगों की औषधियों में सल्फाथियाजॉल मेटोकेन, माइबेसिन, मिस्ट्रेप्टोन, नीबाकार्ट्रिल आयण्टमेण्ट, सल्फालेप, बाह्य प्रयोग को औषधियों में, नोबासल्फ, लॉक्यूला, इफकार्लिन नियोमाइसिन आफ्थैलमिक आयण्टमेण्ट, क्लोरोमाइसेटिन ईयर ड्राप, नोवासल्फ इन्स्टिलेशन आदि आँख, कान, नाक की औषधियों में तथा ग्रानोमाइसिन बाल रोगों की औषधियों में देखें।

अध्याय १५

विटामिन एवं टॉनिक

(Vitamins & Tonics)

'टॉनिक' अथवा 'शक्तिवर्धक औषधि' का कोई एक विशिष्ट अर्थ नहीं है और न ही सब टॉनिक एक ही प्रकार का कार्य करते हैं। सब टॉनिक सब प्रकार की निर्बलताओं में भी लाभ नहीं करते। इतना होते हुए भी 'टॉनिक' शब्द बहुत प्रचलित है तथा इस शब्द से एक व्यापक अर्थ का बोध होता है। किसी व्यक्ति का रक्त (रक्त-कण) मलेरिया ज्वर से पर्याप्त मात्रा में नष्ट हो चुका है, अतः वह अति दुर्बलता का अनुभव करता है, उठने-बैठने में भी असमर्थ है। वह टॉनिक चाहता है। जीर्ण रोग, टायफायड अथवा न्यूमोनिया से मुक्त होने के उपरान्त एक व्यक्ति टॉनिक चाहता है जब कि हो सकता है कि उसके रक्त की हीमोग्लोबिन (Haemoglobin) अथवा रक्त कणों की संख्या सामान्य हो। कोई व्यक्ति पुनः-पुनः छोटे-मोटे रोगों से आक्रान्त होता रहता है। वह भी टॉनिक चाहता है। ऐसे भी अनेक व्यक्ति हैं और इनकी संख्या बढ़ती जा रही है, जो दिखाई देने में हट्टे-कट्टे हैं, जिनके रक्त में कोई त्रुटि नहीं तथा जिनका आहार-व्यवहार भी सामान्य रूप से चलता रहता है फिर भी वे अपने डाक्टर से 'टॉनिक' की 'डिमाण्ड' करते हैं। यह वर्ग थोड़े से परिश्रम में थक जाता है, काम में मन नहीं लगता, आलस्य आता है, रात्रि में ठीक से नींद नहीं आती और दिन में ऊँघता रहता है। बड़े नगरों में इसी प्रकार के व्यक्ति सर्वाधिक 'टॉनिक-भक्षी' होते हैं। आवश्यकता की विविधता के कारण अनेक प्रकार के टॉनिक बनाए जाते हैं। अतः प्रत्येक टॉनिक के प्रत्येक अवयव की प्रत्येक स्थान पर गुण विवेचना न करते हुए हम उनका वर्गीकरण कर वर्ग के अनुसार अनेक आधारभूत अवयवों का गुण वर्णन करेंगे। सामान्यतः हम टॉनिकों को निम्नलिखित वर्गों में बाँट सकते हैं :—

१. विटामिन पृथक्-पृथक् अथवा सम्मिलित रूप में।
२. विटामिनों की प्रमुखता में कुछ अन्य तत्व।
३. ग्लिसरोफॉस्फेट युक्त टॉनिक, विटामिनों अथवा अन्य तत्वों के साथ।
४. एञ्जाइम युक्त टॉनिक।
५. लौह के अथवा लौहयुक्त रक्तवर्धक टॉनिक।
६. प्रोटीन एवं यकृत सत्व युक्त रक्तवर्धक टॉनिक।
७. अनेक प्रकार के सम्मिलित टॉनिक।

विटामिन

(Vitamins)

बिटामिन वे तत्व हैं जो शरीर की क्रियाओं के सञ्चालनार्थ एवं शरीर के रक्षणार्थ आवश्यक हैं। इनकी अनुपस्थिति में अनेक रोग हो जाते हैं। जिन्हें हानताजन्य रोग कहते हैं। विटामिन ए, बी कम्पलेक्स, सी, डी, ई, के और पी हैं। इनके गुण, प्रयोग एवं मात्रा क्रमशः दिये जा रहे हैं। क्रमशः बाद में वर्णित विटामिनों के साथ पूर्व वर्णित विटामिनों के सम्मिलित योग भी दिये गये हैं।

विटामिन ए

(Vitamin A)

यह वसा में घुलनशील तत्व है। इसका कार्य शरीर की गीली श्लेष्मल कलाओं को स्वस्थ रखना, रूक्ष होने से बचाना, अ-वृद्धि तथा अपवृद्धि से बचाना है। इसकी हीनता से चक्षुओं में जीरोफथैल्मिया (Xerophthalmia), फेफड़ों में संक्रमण, ब्रॉकोन्यूमोनिया, जिह्वा मूल में विद्रधि, ग्रन्थि पाक, कर्ण, नासा-रन्ध्रों में पूय, पचन संस्थान व मूत्र तथा प्रजनन संस्थान के संक्रमण हो जाते हैं। पथरी भी इसकी हीनता से बनती

है। चर्म का मोटा होना भी इसकी कमी का द्योतक है। दाँतों के डेण्टीन एवं एनैमल के लिए इसकी परम आवश्यकता है। विटामिन ए० की कमी से सुषुम्ना तथा वातनाड़ियों (Nerves) के आवरणों (Sheaths) का व्यपजनन होने लगता है तथा महिलाओं के मासिक क्रम में गड़बड़ हो जाती है। नक्तान्धता का कारण भी यही है।

इसे वृद्धिकारक तत्व (Growth Promoting Factor) भी कहते हैं, क्योंकि बिना इसके बच्चे ठीक से नहीं बढ़ते। बच्चों को इसकी आवश्यकता बड़ों से अधिक होती है।

प्रयोग—श्वसन-संस्थान के रोगों में रोग से बचाव की शक्ति बढ़ाने के लिए विशिष्ट चिकित्सा के साथ इसका प्रयोग होता है। रोग मुक्त होने पर तथा अधिक परिश्रम करने की स्थिति में शक्ति बनाए रखने के लिए टॉनिक के रूप में, पुरुष को प्रजनन शक्ति बढ़ाने के लिए, कैन्सर रोग में विटामिन सी के साथ सामान्य दशा सुधारने के लिए, रजःस्राव के पूर्व के कष्ट (Premenstrual Tension) में, वृद्धावस्था के योनिशोथ (Vaginitis), कण्डू तथा ल्युकोप्लेकिया में, बच्चों की रोगाणुओं से रक्षा की शक्ति बढ़ाने के लिए नाकड़ा, प्रतिश्याय, रूक्ष नासा-गल-प्रदाह, कैरेटोमलेशिया, जीरोफ्थैल्मिया, क्वाशियाँरकॉर, कर्निया (अक्षिकला) के क्षत, कैराटाइटिस, मस्से, त्वक रोगों तथा भंगुर केश व नखों में इसका प्रयोग होता है।

प्रोपेलिन

(**Prepalin**)

औषधि—

कैप्स्यूल में २४००० यनिट प्रति कैप्स्यूल।

लिक्विड में ७२००० यूनिट प्रति मि० लि०।

एम्प्यूल में १ लाख यूनिट प्रति एम्प्यूल।

एम्प्यूल फोर्ट में ३ लाख यूनिट प्रति एम्प्यूल।

मात्रा—३-४ कैप्स्यूल, लिक्विड २४ से ३० मि० प्रतिदिन, सूई ३ से ७ दिन के अन्तर से, फोर्ट सूई १ से २ सप्ताह के अन्तर से, अधिक से अधिक १० सप्ताह तक।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

एरोविट
(Aerovit)

औषधि—

ड्राप्स में २०००० यूनिट प्रति मि० लि०।

टिकिया में ५०००० यूनिट प्रति टिकिया।

एम्प्यूल में ३ लाख यूनिट प्रति मि० लि०।

मात्रा—प्रीपैलिन के समान यूनिट के बराबर।

निर्माता—रोश प्रोडक्ट्स लि०।

विटामिन बी० कम्प्लेक्स

इस विटामिन में अनेक तत्व हैं, अतः इसे कम्प्लेक्स कहते हैं। नीचे इसके पृथक् तत्वों का वर्णन किया जाता है।

विटामिन बी$_1$ (एन्यूरिन अथवा थियामिन)—इसकी कमी से बहु-नाड़ी शोथ (Polyneuritis) तथा बेरी-बेरी रोग होता है। यह कार्बो-हाइड्रेट के चयापचय (Metabolism) से सम्बन्धित है। इसकी अनु-पस्थिति में इसके चयापचय में गड़बड़ हो जाती है। कोष्ठबद्धता, व्रण, हृदय के रोग इसकी न्यूनता से हो सकते हैं। गर्भवती स्त्रियों व दूध पिलाने वाली माताओं को इसकी अधिक आवश्यकता होती है।

प्रयोग—बेरी-बेरी, आलस्य, दुर्बलता, एक या बहुनाड़ी शोथ, कञ्जेस्टिट हार्ट फेल्योर, हृदय के दक्षिण भाग का विस्फार, थोड़े परिश्रम से साँस फूलना, धड़कन, हृदय की अनियमित गति, शोफ, अक्षमता (रोगों के प्रति) विस्मृति, मानसिक थकान, कार्बोहाइड्रेट के चयापचय में गड़बड़ी, त्वचा में सुन्नता, पेशीक्षय, दुर्बलता अथवा अङ्गघात, न्यूरास्थीनिया, अनिद्रा, एकाग्रता की कमी, अवसाद, चिड़चिड़ापन, शरीरभार का घटना, स्कर्वी में विटामिन सी के साथ, गृध्रसी वात, गर्भवती स्त्री अथवा मधुमेह जन्य नाड़ी शोथ, गर्भवती का वमन अथवा कोष्ठबद्धता आदि में इसका प्रयोग होता है।

बेरिन
(Berin)

औषधि—

टिकिया—५, १०, ५० तथा २०० मि० ग्रा० की।

एम्प्यूल—५० मि० ग्रा० १ मि० लि० के एम्प्यूल में।

वायल—५० मि० ग्रा० तथा १०० मि० ग्रा० प्रति मि० लि० का १० मि० लि० का वायल।

मात्रा—१०० से २०० मि० ग्रा० प्रतिदिन रोग तथा परिणाम के अनुसार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

बीनर्वा
(Benerva)

औषधि—

टिकिया—१०, ५० तथा १०० मि० ग्रा० प्रति टिकिया।

वायल—१० मि० लि० में १ ग्राम।

प्रयोग–१०० से २०० मि० ग्रा० प्रतिदिन।

निर्माता—रोश प्रोडक्टस लि०।

डुविट बी$_1$

(Duvit B_1)

औषधि—१० मि० लि० के वायल में १०० मि० ग्रा० प्रति मि० लि०।

मात्रा—१ से २ मि० लि० प्रतिदिन।

निर्माता—फाइजर प्राइवेट लि० (डयूमेक्स)

अन्य कम्पनियों का विटामिन बी$_1$

बिटामिड (Bitamid)—सिपला, बम्बई।

बायोवाइट (Biovite)—जॉन बीथ एण्ड ब्रदर्स लि०।

बीडोम (Bedome)—शार्प एण्ड डोम।

बर्विटेक्स (Bervitex)—एलेम्बिक लि० बड़ौदा।

विटामिन बी$_2$

(Vitamin B_2)

यह रिबोफ्लेविन है। इसकी कमी से मुख के कोणों में कटाव तथा ओठों पर पपड़ी (Angular stomatitis) हो जाते हैं।

प्रयोग—कार्निया का क्षत (Corneal Ulcer), कैराटाइटिस, मुख पाक (Angular stomatitis), त्वक् रोग, अधिक दिन पड़े रहने से होने वाले पीठ के घाव (Bed Sores), सोरियेसिस, योनिशोथ, कण्डू तथा अर्धावभेदक (Migraine–अधकपारी) में प्रयुक्त होता है। यह इसी नाम से अनेक कम्पनियों द्वारा बनाया जाता है

रिबोफ्लेविन

(Riboflavine)

औषधि—टिकिया ५ तथा १० मि० ग्रा० प्रति टिकिया।

एम्प्यूल—१० मि० ग्रा० प्रति २ मि० ग्रा० का एम्प्यूल।

वायल—५ मि० ग्रा० प्रति मि० लि०; १० मि० लि० का वायल।

मात्रा—प्रतिषेधक—½ से १ टिकिया प्रतिदिन।

रोगनिवारक—५ से १० मि० ग्रा० प्रतिदिन।

निर्माता—टी० सी० एफ० आदि अनेक कम्पनियाँ।

विटामिन बी$_3$

(Vitamin B $_3$)

यह पेण्टोथीनक एसिड है। इसकी कमी से पैरों में जलन (Burning feet syndrome) होती बतायी जाती हैं, परन्तु यह अभी पूर्णरूपेण सिद्ध नहीं हुआ है।

प्रयोग—पैरों में जलन (Burning feet syndrome) आँतों की अकर्मण्यता (Paralytic ileus), शल्य कर्म के उपरान्त आमाशय विस्फार, पेशियों की ऐंठन, ल्यूपस इरिथिमेटोसस (Lupus erythematosus) में, कार्टिजोन के साथ स्ट्रेप्टोमायसिन तथा डाइहाइड्रोस्ट्रेप्टोमायसिन से श्रवण कार्य में हानि होने से बचाने के लिए इसका प्रयोग होता है।

कैल्शियम पेण्टोथिनेट

(Calcium Pantothenate)

औषधि—५० मि० ग्रा० २ मि० लि० के एम्प्यूल में।

२५ मि० ग्रा० प्रति मि० लि० १० मि० लि० के वायल में।

मात्रा—२ मि० लि० प्रतिदिन अथवा एक दिन छोड़कर।

निर्माता—टी० सी० एफ०।

विटामिन बी$_4$ व बी$_5$

(Vitamin B_4 and B_5)

ये विशेष महत्व के नहीं हैं।

विटामिन बी$_6$

(Vitamin B_6)

यह पायरियाडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड है। रक्त के श्वेत कायाणुओं को परिपक्व होने तथा उन्हें अस्थि-मज्जा से रक्त में भेजने के लिए उत्तरदायी हैं। गर्भवती स्त्री के वमन में यह लाभ करता है। मायास्थीनिया ग्रेविस, पेशियों का व्रणपजनन तथा पैरालिसिस एजिटेन्स में लाभ करता है।

प्रयोग--गर्भावस्था का वमन, एनीस्थीसिया (संज्ञाहीन करने वाली औषधि) के बाद वमन, एक्स-रे अथवा रेडियम के अति प्रयोग जन्य हानि, मदात्यय, कम्पवात (Paralysis agitans), पार्किन्सोनिज्म, लघु ताण्डव (Corea minor), कम्पन, श्वेतकायाणुहीनता अथवा विहीनता तथा आइसोनियाजिड के कुप्रभाव में प्रयुक्त होता है।

बिनाडॉन

(Benadon)

औषधि—पायरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोरायड (Pyridoxine Hcl.)

टिकिया ४० मि० ग्रा० प्रति टिकिया।

एम्प्यूल १०० मि० ग्रा० प्रति २ मि० लि० के एम्प्यूल।

मात्रा—प्रतिषेधक—२-३ टिकिया प्रतिदिन अथवा दो एम्प्यूल प्रतिदिन पेशी अथवा शिरा में।

रोग निवारक--३-५ टिकिया प्रतिदिन अथवा दो एम्प्यूल प्रतिदिन पेशी अथवा शिरा में।

निर्माता—रोश प्रोडक्टस लि०।

ग्लैडॉक्सिन

(Gladoxin)

औषधि—यह पाइरिडॉक्सिन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride) है।

प्रयोग—इसका प्रयोग अनेक प्रकार की वमन की अवस्थाओं में शैशवी आक्षेप, मानसिक तथा नाड़ी जन्य विकार, त्वचा रोग, श्वेत रक्तकणाल्पता, (Leucopenia) इत्यादि अवस्थाओं में होता है।

मात्रा—१-५ गोली प्रतिदिन तथा १-१ एम्प्यूल मांसपेशी तथा शिरा द्वारा प्रतिदिन।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज।

विटामिन बी-

(Vitamin B_7)

यह नियासिन—निकोटिनिक एसिड है तथा इसकी हीनता से पिलैग्रा रोग होता है। इसका नाम ही पिलैग्रारोधी तत्व (Pellagra Preventing factor या P. P. factor) है। इस कार्य में बी१ बी ६ भी इसकी सहायता करते हैं।

प्रयोग—पिलैग्रा, पेनिसिलिन, ब्रोमाइड, आइसोनियाजिड आदि औषधियों के प्रयोग से उत्पन्न हीनता, गर्भावस्था, वृद्धावस्था में सन्धियों के संकोच-विस्तार में कमी, मैक्रोसाइटिक रक्ताल्पता, शिजोफ्रेनिया आदि में इसका प्रयोग होता है। इसके प्रयोग से मुख का आरक्त होना (Flushing of the face) एकाएक मुँह, सिर आदि में गरमी का दौरा होना इत्यादि हो सकता है। इसके अमाइड (नियासिनामाइड-निकोटिनिक एसिड अमाइड) में यह दुर्गुण नहीं होता, परन्तु लाभ उतना ही करता है, अतः प्रायः

आमाइड का भी प्रयोग होता है। हृद्शूल (Angina Pectoris) में यह बृहत् मात्रा में प्रयुक्त होता है। इसके अतिरिक्त शिरःशूल, कपालास्थि भग्न से मस्तिष्क पर हुई क्षति, अधकपारी, विशिष्ट प्रकार का अस्मार, हृदय की पेशी का नाश (Infarction), अति रक्तदाब, धमनियों के अवरोध (Thrombosis or embolism), धमनी कठोरता, कष्टार्त्तव, मधुमेह तथा अनेक त्वचा के रोगों में प्रयुक्त करते हैं।

—०—

पिलोनिन

(Pelonin)

औषधि—निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

टिकिया—५० तथा २५० मि० ग्रा० प्रति टिकिया।

एम्प्यूल—५० मि० ग्रा० २ मि० लि० के एम्प्यूल में।

मात्रा—प्रतिषेधक-५० मि० ग्रा० प्रतिदिन।

रोग निवारक—१०० से ५०० मि० ग्रा० मुख द्वारा अथवा ५० से १०० मि० ग्रा० पेशी अथवा शिरा द्वारा।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

—*—

पिलोनिन एमाइड

(Pelonin Amide)

औषधि—निकोटिनिक एसिड अमाइड (Nicotinic Acid Amide)

टिकिया—५० मि० ग्रा० प्रति टिकिया।

एम्प्यूल—५० मि० ग्रा० २ मि० लि० के एम्प्यूल में।

मात्रा—प्रतिषेधक-१ टिकिया प्रतिदिन।

रोग निवारक—१ से १० टिकिया प्रतिदिन अथवा १ से २ एम्प्यूल प्रतिदिन पेशी या शिरा द्वारा ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि० ।

———

नियासिनामाइड
(Niacinamide)

औषधि—५० मि० ग्रा० प्रति टिकिया ।

मात्रा—१ से ३ अथवा अधिक टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—टी० सी० एफ० तथा अन्य कम्पनियाँ ।

———

निकोटिनिक एसिड
(Nicotinic Acid)

औषधि—५० मि० ग्रा० प्रति टिकिया ।

मात्रा—१ से ३ अथवा अधिक टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—टी० सी० एफ० तथा अन्य कम्पनियाँ ।

—*—

निकोमिन
(Nicomin)

औषधि—यह नियासिनामाइड (Niacinamide) की टिकिया है ।

मात्रा—१ से २ टिकिया दिन में ३ बार ।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल, बड़ौदा ।

बायोटिन तथा इनासिटॉल

(Biotin and Inositol)

इनकी उपयोगिता अभी सिद्ध नहीं हुई है।

फोलिक एसिड

(Folic Acid)

टीरोइग्लुटैमिक एसिड (Pteroyglutamic Acid) है। यह अस्थिमज्जा की कोशाओं के चयापचय के लिए अनिवार्य विटामिन है। यह अस्थि-मज्जा के मैगैलोब्लास्टिक परिवर्तनों के साथ मैक्रोसाइटिक रक्ताल्पता में लाभदायक है। इस श्रेणी में एडिसन की घातक रक्ताल्पता, गर्भवती की रक्ताल्पता, पिलाग्रा, ग्रहणी तथा वसातिसार (Steatorrhoea) आते हैं। एडिसन की रक्ताल्पता में केन्द्रीय वात-नाडी मण्डल में होने वाले परिवर्तनों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। श्वेतकायाणुहीनता अथवा विहीनता में इससे लाभ होता है। उपर्युक्त अवस्थाओं में इसका प्रयोग किया जाता है।

फोलिक एसिड

(Folic Acid)

औषधि—५ मि० ग्रा० प्रति टिकिया।

मात्रा—५ से १५ मि० ग्रा० प्रतिदिन। आवश्यकतानुसार १५० मि० ग्रा० तक।

निर्माता—टी० सी० एफ० तथा अन्य कम्पनियाँ।

टिप्पणी—लेडर्ली (Lederle) का फोलिक एसिड फोलवाइट (Folvite) के नाम से मिलता है।

विटामिन बी१२

(Vitamin B_{12})

यह रक्त निर्माण के लिए आवश्यक है। इसकी कमी से अस्थिमज्जा में मेगैलोब्लास्टिक अतिवृद्धि (Hyperplasia) हो जाता है, परिणामतः

मैक्रोसाइटिक हारपरक्रोमिक रक्ताल्पता हो जाती है। सामान्य शारीरिक वृद्धि के लिए यह आवश्यक है। वातनाड़ियों के लिए यह आवश्यक है।

प्रयोग—मैगेलोब्लास्टिक रक्ताल्पता, प्रणाशी रक्ताल्पता, वातनाड़ियों का व्यपजनन, विटामिन B_{12} की हीनता से उत्पन्न मानसिक लक्षणों, संग्रहणी में फोलिक एसिड के साथ, आमाशय के आपरेशन के बाद की रक्ताल्पता, नाड़ी शोथ अथवा बहुनाड़ी शोथ में अकेले अथवा विटामिन बी$_{१२}$ के साथ कक्षा (Herpes Zoster), अस्थि सन्धिशोथ (Osteoarthritis), अस्थि-भंगुरता (Osteoporosis), मदात्यय, मधुमेह अथवा हीन पोषणता से उत्पन्न वातिक लक्षणों, यकृत् के सिरोसिस, संक्रामक यकृत् शोथ, व्रणयुक्त बृहदान्त्र शोथ (Ulcerative colitis), कुष्ठ प्रतिक्रिया (Lepra-reaction—चिकित्सा की अवधि में) भूख बढ़ाने, टॉनिक के रूप में सामान्य क्षमता बढ़ाने के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

—*—

मैक्राबिन

(Macrabin)

औषधि—विटामिन बी$_{१२}$ (Vitamin B_{12})

टिकिया—१० व ५० मा० ग्राम प्रति टिकिया।

पेय—२५ मा० ग्राम प्रति चम्मच।

एम्प्यूल—१००, ५०० तथा १००० माइक्रोग्राम विटामिन बी$_{१२}$ के १ मिलीलीटर के एम्प्यूल।

वायल—५० व १०० माइक्रोग्राम प्र० मि० लि० के वायल। ५०० व १००० प्रति मि० लि० के ५ व १० मि० लि० के वायल।

मात्रा—५० से १००० माइक्रोग्राम प्रतिदिन, प्रति सप्ताह अथवा प्रति-पक्ष अथवा देर से।

निर्माता – ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लि०।

—*—

विटामिम बी $_{१२}$ के पेटेण्ट योग

(Proprietary preparations of Vitamin B_{12})

निम्नलिखित सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)हैं :—

१. एनाकोबिन (Anacobin)—बी० डी० एच० (B. D. H.)।

२. बीडाक्सेन (Bedoxane)—कोप्रन केमिकल (Kopran Chemical)।

३. बीकोबियॉन (Becobion)—यू० पी० ड्रग हाउस (U. P. Drug House)।

४. बीटाविन (Betavin)—इवान्स मेडिकल (Evans Medical)।

५. कोबाविट (Cobavit)—डूफर फार्मास्युटिकल (Duphar Pharmaceuticals)।

६. कॉबमेक (Cobmac)-मैक लेबोरेटरीज (Mac Laboratories)।

७. कोबास्टन (Cobastan)—स्मिथ स्टैनिस्ट्रीट (Smith Stanistreet)।

८. सायनोप्लान (Cyanoplon)—खण्डेलवाल लेबोरेटरीज (Khandelwal Laboratories)।

९. डुविट बी$_{१२}$ (Duvit B_{12})—ड्यूमेक्स (Dumex)।

१०. रैनविट बी$_{१२}$ (Ranvit B_{12})—रैनाबॉक्सी (Ranboxy)

११. रेडीसाल (Redisol)—एम० एस० डी० (M. S. D.)।

१२. विटामिन डॉन बी$_{१२}$ (Vitamindon B_{12})—खण्डेलवाल लेबोरेटरीज (Khandewal Laboratories)।

१३. वायोकोबीन (Wyocobin)—जॉन वेथ (John Wyeth)।

निम्नलिखित हायड्रॉक्सोकोबालामिन (Hydroxocobalamin)हैं :—

१. एनाकोबिन एच (Anacobin-H)—बी० डी० एच० (B.D. H.)।

२. बीडॉक्सेन एच (Bedoxane-H)—कोप्रन केमिकल (Kopran Chemical)।

३.सायनोमिन-एच (Cyanomin-H)—थिराप्यूटिक फार्मास्युटिकल्स (Therapeutic Pharmaceuticals)।

४. सायनोप्लॉन-एच (Cyanoplon-H)—खण्डेलवाल लेबोरेटरीज (Khandelwal Laboratories)।

५. मैक्राबिन-एच (Macrabin-H)—ग्लैक्सो (Glaxo)।

६. रेडिसॉल-एच (Redisol-H)-एम० एस० डी० (M. S. D.)

निम्नलिखित फोलिक एसिड युक्त विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12} with Folic acid) हैं :—

१. बोयोफॉल$_{12}$ (Bifol$_{12}$)-मैक लेबोरेटरीज (Mac Laboratories)।

२. फोलिसिड (Folicid)—खण्डेलवाल लेबोरेटरीज (Khandelwal Laboratories) इसमें निकोटिनामाइड (Nicotinamide) भी मिला हुआ है।

३. मैक्राफोलिन (Macrafolin)—ग्लैक्सो (Glaxo)।

निम्नलिखित विटामिन में बी$_1$ और बी$_{12}$ (Vitamin $B_1 + B_{12}$) मिले हुए हैं :—

१. कोबास्टन फोर्ट (Cobastan Forte)—स्मिथ स्टैनिस्ट्रीट (Smith stanistreet)।

२. मैक्राबेरिन फ्रीज ड्राइड (Macraberin Freeze Dried)—ग्लैक्सो (Glaxo)।

३. वन-१२ (One-12) ए० एफ० डी० (A. F. D.)

निम्नलिखित विटामिन बी$_1$ बी$_6$ और बी$_{12}$ (Vitamin B_1 B_6 and B_{12}) के योग हैं :—

१. बैराप्लेक्स (Baraplex)—ए० एफ० डी० (A. F. D.)।

२. बीनैक्सिन-१२ (Benaxin-12)—कोप्रन केमिकल (Kopran Chemical)।

३. बीथाडॉक्सिन-१२ (Bethadoxin-12)—बायोलॉजिकल इवान्स (Biological Evans)।

४. बिवीडॉक्स (Bividox)—एबॉट (Abbott) ।

५. कोबास्टन-६ (Cobastan-6)—स्मिथ स्टैनिस्ट्रीट (Smith Stanistreet) ।

६. क्रिस्टाबिन फोर्ट (Crystabin Forte)—मिलनेक्स लेबोरेटरीज (Milnex Laboratories) ।

७. सायनॉक्सीन (Cyanoxine)—कीमो फार्मा (Chemo Pharma) ।

८. न्यूरोबियोन (Neurobione)—मर्क (Merck) ।

९. न्यूरोफिन (Neurophin)—डोल्फिन लेबोरेटरीज (Dolphin laboratories) ।

१०. ट्राइरेडिसॉल (Tri Redisol)—एम० एस० डी० (M. S. D.) ।

११. ट्राइरेडिसॉल-एच (Tri Redisol-H)—एम० एस० डी० (M. S. D.) इसमें हाइड्रॉक्सोकोबालामिन (Hydroxocobalamin) है ।

—o—

ट्राइरेडिसॉल एच०
(Triredisol H.)

हाइड्रॉक्सोकोबालामिन (Hydroxocobalamin)

एन्यूरीन (Aneurine)

पाइरिडॉक्सिन (Pyridoxin)

प्रयोग—रक्ताल्पता (Anaemia), न्यूराइटिस (Neuritis), गृध्रसी (Sciatica) अन्तःसत्वातिवमन (Hyperemesis gravdiarum) जहाँ-जहाँ भी विटामिन बी$_1$ बी$_6$ और बी$_{12}$ की आवश्यकता हो वहाँ लाभ करती है ।

मात्रा—१ मि० लि० मांसपेशी में (Intramuscular) आवश्यकतानुसार ।

निर्माता—एम० एस० डी० ।

विटामिन बी कम्प्लेक्स के पेटेण्ट योग
(Proprietary Preparations of Vitamin B Complex)

१. बीविनल (Bivinal)—एलेम्बिक (Alembic) एलिक्सर (Elixir), टैबलेट (Tablets) और इन्जेक्शन (Injections)

२. बीविनल फोर्ट (Bivinal Forte) एलेम्बिक (Alembic) विटामिन बी कम्प्लेक्स में विटामिन सी मिला हुआ (Vitamin B. Complex with Vitamin C)। कैप्स्यूल (Capsule)

३. एलिक्सर बी विटॉल (Elixir B. Vitol) स्टैण्डर्ड (Standard)।

४ ओरोप्लेक्स फोर्ट (Oroplex Forte) जी० डी० ए० G. D. A.)

—※—

वन—१२
(One-12)

औषधि-मिश्रण—

थियामीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hcl.)

विटामीन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})

प्रयोग—विटामिन बी$_1$ और बी$_{12}$ की जहाँ-जहाँ आवश्यकता हो वहाँ-वहाँ इसका प्रयोग किया जा सकता है।

निर्माता—ए० एफ० डी०।

फोलिनेट विथ बी$_{12}$
(Folinate with B_{12})

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक गोली में फोलिक एसिड (Folic Acid), फेरस ग्लूकोनेट (Ferrus Gluconate) विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12}) रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग सब प्रकार की रक्ताल्पता की अवस्थाओं में करते हैं।

मात्रा— १-२ गोली दिन में तीन बार भोजनोपरान्त।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Co.)

फोलव्रॉन
(Folvron)

औषधि-मिश्रण—

फोलिक एसिड (Folic acid)

आयरन (Iron)

प्रयोग—बड़े आकार के रक्तकणोंवाली अरक्तता (Megaloblastic anaemia) में लाभदायक है।

मात्रा—२ चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—लेडर्ली (Lederle)

टिप्पणी—फोलव्रॉन एफ (Folvron-F) नाम से इसको कैप्स्यूल भी मिलती है।

ग्लिसिरोफॉस्फेट
(Glycerophosphates)

ग्लिसिरोफॉस्फेट विटामिन बी के साथ अथवा अन्य विटामिन एवं टॉनिकों के साथ मिले हुए अनेक पेटेण्ट औषधियों में रहते हैं। साधारणतः सोडियम, पोटैशियम, मैंगनीज, कैल्शियम आदि के ग्लिसरोफॉस्फेट होते हैं। ये वातनाड़ियों तथा मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होते हैं। ये नाड़ियों की दुर्बलता दूर कर सुस्ती, थकान, मानसिक शिथिलता आदि दूर करते हैं। हड्डी व रक्त में फास्फोरस की आवश्यकता की पूर्ति करते हैं।

आगे विटामिन बी कम्प्लेक्स के योग तथा ग्लिसिरोफास्फेट युक्त योग दिये जाते हैं।

बी—न्यूरोफॉस
(B-Neurophos)

औषधि-मिश्रण—

थियामीन मोनोनाइट्रेट (Thiamine Mononitrate)

रीबोफ्लेविन (Reboflavin)

पाइरिडॉक्सिन हाइड्रो० (Pyridoxin Hcl.)

विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

कैल्शियम ग्लि० फॉ० (Calcium Clycerophosphate)

मात्रा—१ से २ कैप्स्यूल या २ चम्मच दिन में ३-४ बार या १० से १५ बूँद दिन में २ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

बी-विटॉल
(B-Vitol)

औषधि-मिश्रण—इसमें थियामीन हाइड्रोक्लोर० (Thiamine Hcl.) रिबोफ्लेविन (Reboflavin), निकोटिनामाइड (Nicotinamide), पायरीडॉक्सीन (Pyridoxine), डी-पेन्थॉल (D-panthol), सोडि-ग्लि० फॉ० (Sodium Glycerophosphate), अल्कोहल (Alcohol), सुगन्धित शर्कराहीन बेस (Flavoured nonsyrup base) इत्यादि औषधियाँ होती हैं।

प्रयोग—इसका प्रयोग समस्त विटामिन बी की कमीवाले रोगों में करते हैं।

मात्रा—२ से ४ चाय चम्मच दिन में तीन बार।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)

बीकोस्यूल्स

(Becosules)

औषधि-मिश्रण—इसमें समस्त बी कम्प्लेक्स की औषधियों के अतिरिक्त विटामिन बी१२, फोलिक एसिड तथा विटामिन सी कैप्स्यूल के रूप में होता है।

प्रयोग—समस्त प्रकार के विटामिन बी की कमी से उत्पन्न होनेवाले रोगों में इसका प्रयोग है।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल दिन में एक बार।

निर्माता—ड्यूमेक्स कम्पनी (Dumex Co.)

बीकोजाइम

(Becozyme)

औषधि-मिश्रण—यह बी कम्प्लेक्स (B. Complex) तथा एन्जाइम (Enzyme) का एक संयुक्त योग है।

प्रयोग—समस्त विटामिन बी कम्प्लेक्स की हीनयोगज व्याधियों एवं पाचन-सम्बन्धी विकारों में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ गोली भोजनोपरान्त दिन में दो बार।

निर्माता—रोश (Roche)

बेसिटॉन
(Basiton)

औषधि--मिश्रण--

विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vit. B. Complex)

बी$_{12}$ (B_{12})

फोलिक एसिड (Folic Acid)

प्रयोग—अति रक्ताल्पता (Severe Anaemia), नसों की कमजोरी (Nervous Debility), विशेष भूखे रहने अथवा उपवास की दुर्बलता (Starvation), सगर्भावस्था (Pregnancy) तथा तपेदिक (Tuberculosis) आदि रोगों में लाभ करता है।

मात्रा—भोजन के पूर्व दिन में दो बार २ से ४ चम्मच की मात्रा में खाना चाहिये। बच्चों की मात्रा आयु के अनुसार।

निर्माता—स्किवब कम्पनी।

—*—

बी कम्प्लेक्स एलिक्जर
(B Complex Elixir)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी$_1$ थियामिन हाइड्रोक्लोराइड (Vitamin B_1-Thiamine Hydrochloride)

विटामिन बी$_2$ रिबोफ्लेविन (Vitamin B_2-Riboflavin)

विटामिन बी$_6$ पाइरिडाक्सीन (Vitamin B_6-Pyridoxine)

निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)

कैल्शियम पैण्टोथीनेट (Calcium Pantothenate)

स्ट्रिकनीन ग्लिसिरोफास्फेट (Strychnine Glycerophosphate)

पोटैशियम ग्लिसिरोफास्फेट (Potassium Glycerophosphate)

मैंगनीज ग्लिसिरोफास्फेट (Manganese Glycerophosphate)

लेसीथिन (Lecithin)

एल्कोहल (Alcohol)

प्रयोग—यह दवा साधारणतया हर प्रकार की कमजोरी (General debility), स्नायुओं की कमजोरी (Neurasthenia), रक्ताल्पता (Anaemia), बेरी-बेरी (Beri-Beri), भूख न लगना (Loss of Appetitie), बड़ी अँतड़ी के कुछ हिस्सों का प्रदाह (Colitis) आदि रोगों में उपयुक्त होती है।

मात्रा—२ चम्मच दवा दिन में तीन बार नित्य खाना खाने के पहले अथवा बाद में जैसी डाक्टर की राय हो उसी अनुसार सेवन करना चाहिये। बच्चों के लिये इसकी आधी खूराक दी जानी चाहिये।

निर्माता—बंगाल इम्यूनिटी कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता।

टिप्पणी—लेडली (Lederle) का स्ट्रेसकैप्स (Stresscaps), विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex) और विटामिन सी (Vitamin C) कैप्स्यूल (Capsule) है।

—*—

बी० जी० फास
(B. G. Phos)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड विटामिन बी$_1$ (Thiamin Hydrochloride Vitamin B_1)

रिबोफ्लेविन विटामिन बी$_2$ (Riboflavin Vitamin B_2)

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

पाइरिडाक्सीन हाइड्रोक्लोरायड-विटामिन बी$_6$ (Pyridoxin Hydrochloride Vitamin B_6)

कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium Glycerophosphate)

सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)

पोटैशियम ग्लिसिरोफास्फेट (Potassium Glycerophosphate)
मैंगनीज ग्लिसिरोफास्फेट (Manganese Glycerophosphate)
एल्कोहल (Alcohol)

प्रयोग—जिसे भूख न लगती हो और जिसकी पाचन-क्रिया में गड़बड़ी हो उसके लिए उपयोगी है। औषधि भूख को बढ़ाती है तथा पाचन-क्रिया के विकारों को दूर करती है। शरीर में ताकत पहुँचाने की उत्तम दवा है।

मात्रा—बड़ों को २ से ३ चम्मच तथा बच्चों को १ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य सेवन करना चाहिये। दवा दिन भर में ३ बार भोजन के पूर्व देनी चाहिये। यदि चिकित्सक की राय हो तो भोजन के उपरान्त भी दवा का सेवन किया जा सकता है। बोतल का कार्क खूब कसकर बन्द रखिये ताकि सूर्य की किरण अथवा कड़ी धूप न लगे अन्यथा औषधि खराब हो जायगी और हानिकर भी साबित होगी।

निर्माता—शार्प एण्ड डोम लिमिटेड, इंगलैण्ड।

—*—

बीकोप्लेक्स
(Becoplex)

औषधि-मिश्रण—
थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)
पाइरीडाक्सिन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Cal. Pantothenate)
यीस्ट एक्सट्रैक्ट (Yeast Extract dried)

प्रयोग—पेट की गड़बड़ी के कारण जब विटामिन बी की कमी हो जाती है उस समय इसका प्रयोग करना उपयुक्त है। भूख की कमी (Loss of Appetite), रक्ताल्पता (Anaemia), यकृत की विकृति (Liver

Complaints), जीर्ण यकृत प्रदाह (Chronic Hepatitis), स्नायुशूल (Neuralgia) आदि रोगों में लाभदायक है।

मात्रा--२ से ३ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता--निरोमेन मैन्यूफैक्चरिंग केमिस्ट्स कोपेनहेगन, डेनमार्क।

--*--

मीनोप्लेक्स
(Menoplex)

औषधि-मिश्रण--

थियामीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hcl.)

रीबोफ्लेवीन ५-फास सोडियम (Reboflavine 5-phos. Sodium)

पाइरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.)

पैन्थेनॉल (Panthenol)

नियासिन (Niacin)

एसिटिल मीथियोनीन (Acetyl Methionine)

कोलीन क्लोराइड (Choline Chloride)

विटामिन बी$_{१२}$ (Vit. B_{12})

सोडी ग्लिसिरोफॉस्फेट (Sodi Glycerophosphate)

प्रयोग--सामान्य दुर्बलता (General debility), केन्द्रीय तन्त्रिकातन्त्र के रोग (Diseases of central nervous System) अरुचि (Anorexia), बेरीबेरी (Bari beri), अवशोषण (Malnutrition), वृहदाकारी अरक्तता (Macrocytic anaemia), उदर विकार (Gastrointestinal upsets), तीव्रहृदयता (Tachycardia), चिड़चिड़ापन (Irritability), अवसाद (Depression), कणीश्वेतकोशिकाहीनता (Agranulocytosis), तन्त्रिकापेशियों के रोग (Neuromuscular diseases), सगर्भता की मचली और वमन (Nausea and vomiting of pregnancy), पिलाग्रा (Pellagra), त्वक्शोथ (Dermatitis)

ओठ फटना (Fissure of lips), केराटाइटिस (Karatitis) और पेशी की अकड़नों (Muscular rigidities) में लाभदायक है।

मात्रा—१–२ चम्मच

निर्माता—जी० डी० ए० केमिकल्स लि० (G. D. A. Chemicals Ltd.)

लेडरप्लेक्स कैप्स्यूल
(Lederplex Capsule)

औषधि-मिश्रण—

थियामीन मोनोनाइट्रेट (Thiamine mononitrate)

रिबोफ्लेविन (Riboflavin)

नियासिनामाइड (Niacinamide)

पायरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.)

कैल्शियम पैण्टोथीनेट (Calcium Pantothenate)

कोलीन बाइटार्ट्रेट (Choline bitartrate)

इनोसिटॉल (Inositol)

इनसाल्यूबल लिवर फ्रैक्शन (Insoluble liver Fraction)

विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})

प्रयोग—विटामिन बी कम्प्लेक्स की आवश्यकता पूरी करता है।

मात्रा—१ कैप्स्यूल प्रतिदिन।

निर्माता—लेडर्ली (Lederle)

टिप्पणी—लेडरप्लेक्स लिक्विड (Lederplex liquid) और इन्जेक्शन के लिए लेडरप्लेक्स पेरण्टेरल (Lederplex parenteral) भी मिलता है।

बीप्लेक्स एलिक्जर
(Beplex Elixir)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

कैल्शियम पैण्टोथीनेट (Calcium Pantothenate)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
पाइरिडॉक्सीन (Pyridoxin)
निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)
साइट्रिक एसिड (Citric Acid)
लिक्विड ग्लूकोज (Liquid Glucose)
सिरप तथा एरोमेटिक्स (Syrup & Aromatics)

प्रयोग—विटामिन बी की कमी की पूर्ति करता है। बेरी-बेरी (Beri-beri), अग्निमान्द्य, दस्त आना (Diarrhoea) आदि में भी मुफीद है। सगर्भावस्था में गर्भवती स्त्री को इसका सेवन कराने से ताकत पहुँचाती है तथा प्रसव के बाद भी इसके सेवन से स्तन में दूध होता है और स्वास्थ्य ठीक रहता है।

मात्रा—२ चम्मच नित्य दो बार बड़ों को तथा १ चम्मच नित्य दो बार बच्चों को देना चाहिए।

निर्माता—दी एँग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

मल्टिबे

(Multibay)

औषधि-मिश्रण—विटामिन बी कम्प्लेक्स तथा सी का मिश्रित कैप्स्यूल है।

प्रयोग—विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex) तथा विटामिन सी (Vitamin C) की जहाँ आवश्यकता हो इसका प्रयोग कर सकते हैं। दुर्बलता एवं रोगोत्तर काल में लाभदायक है।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में दो बार। बच्चों को १ कैप्स्यूल प्रतिदिन।

निर्माता—बायर (Bayer)।

—०—

न्यूरोबियॉन मर्क
(Neurobion Merk)

औषधि मिश्रण--

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})

प्रयोग—तन्त्रिकाशोथ (Neuritis), तन्त्रिकाशूल (Neuraligia), सर्वाइकल सिण्ड्रोम (Cervical Syndrome), शोल्डर आर्म सिण्ड्रोम (Shoulder-Arm Syndrome) इण्टरवर्टीब्रल डिस्क आपरेशन के बाद (After intervertebral disc operations), व्यपजनन युक्त सुषुम्ना के रोग (Degenerative spinal diseases), कक्षा (Herpes zoster), अर्धावभेदक (Migraine), अर्दित (Facial Paresis) परिसरीय रक्त संचरण की गड़बड़ी (Disorders of the peripheral circulation) आदि में लाभदायक है।

मात्रा--१-२ टिकिया ३ बार प्रतिदिन। अधिक मात्रा की आवश्यकता होने पर न्यूरोबियोन फोर्ट (Neurobion Forte) टिकिया १-२ प्रतिदिन दे सकते हैं। इन्जेक्शन का प्रयोग सर्व शक्तिशाली है।

निर्माता—ई० मर्क (E. Merk)

न्यूरोज़ाल
(Neurosol)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लिसिरोफास (Calcium Glycerophos)

सोडियम ग्लिसिरोफास (Sodium Glycerophos)

स्ट्रिकनिन ग्लिसिरोफास (Strychinine Glycerophos)

प्रयोग—साधारण कमजोरी (General debility), स्नायविक दौर्बल्य (Neurasthenia) तथा बीमारी के बाद स्वास्थ्य-लाभ करने पर इसका प्रयोग लाभप्रद है ।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में ३ बार भोजन के पहले सेवन करना चाहिये ।

निर्माता—ग्लूकोनेट, लिमिटेड, कलकत्ता ।

नर्वीटोन

(Nervitone)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium Glycerophosphate)
सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)
पोटैशियम ग्लिसिरोफास्फेट (Potassium Glycerophosphate)
मैंगनीज ग्लिसिरोफास्फेट (Manganese Glycerophasphate)
कैफीन ग्लिसिरोफास्फेट (Caffeine Glycerophosphate)
स्ट्रिकनीन ग्लिसिरोफास्फेट (Strychnine Glycerophosphate)
आयरन कोकोडिलेट (Iron Cocodylate)
थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thimine Hydrochloride)
पाइरीडाक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)
नियासिन (Niacin)

प्रयोग—यह दवा नसों में स्फूर्ति पैदा करती है । शरीर को बलवान बनाती है तथा खून को बढ़ाती है । स्नायविक दौर्बल्य, शारीरिक थकावट रतिक्रिया में कमजोरी, शरीर का गिरते जाना आदि स्थितियों में लाभ करती है ।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल के साथ भोजन के

उपरान्त नित्य २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल वर्क्स लिमिटेड, बड़ौदा।

फॉस्फोटोन

(Phosphoton)

औषधि-मिश्रण—

लेसीथिन (Lacithin)

सोडी ग्लिसिरोफास (Sodi Glycerophos)

एसिड ग्लिसिरोफास (Acid Glycerophos)

सोडियम मेथाइल आर्सोनेट (Sodium Methyl Arsonate)

सिपाफेरन (Cipaferron)

स्ट्रिकनीन हाइड्रोक्लोराइड (Strychnine Hydrochloride)

एक्सट्रैक्ट नक्स वामिका (Ext. Nux Vomica)

एल्कोहल (Alcohol)

प्रयोग—किसी बीमारी के बाद स्वास्थ्य लाभ करने पर इसका प्रयोग लाभप्रद है। मस्तिष्क या शारीरिक कमजोरी में भी इसका प्रयोग अच्छा कार्य करता है, रक्ताल्पता रोग की अच्छी दवा है। स्नायविक दौर्बल्य (Neurasthenia), भूख का अभाव (Anorexia) आदि में गुणकारी है।

मात्रा—१ चम्मच दवा थोड़े से जल के साथ मिलाकर पीना चाहिये। पहली तथा दूसरी खुराक दोनों समय के भोजन के १ घण्टा पूर्व लेना चाहिए तथा तीसरी खुराक सोने के समय लेना चाहिए।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

पोलिबियॉन
(Polybion)

औषधि-मिश्रण—यह विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex) का सिरप है।

प्रयोग—विटामिन बी कम्प्लेक्स की हीनता और सामान्य टॉनिक के रूप में प्रयुक्त करते हैं।

मात्रा—२ चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—ई० मर्क (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड (E- Merck-India-Private-Limited)।

टोटालिन बी सिरप
(Totalin B Syrup)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thimine Hydrochloride)
रिबोफ्लेबिन (Riboflavin)
पायरीडाक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
निकोटिनामाइड (Nicotinamide)
सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)
सिरप (Syrup)

प्रयोग—विटामिन बी कम्प्लेक्स की न्यूनता से उत्पन्न रोगों में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में दो बार।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

यूनो बी कम्प्लेक्स

(Uni-B-Complex)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी२ (Vitamin B_2)
निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
पाइरीडाक्सीन (Pyridoxine)
ईस्ट (Yeast)

प्रयोग—यह विटामिन बी की कमी के कारण उत्पन्न रोगों में लाभप्रद है।

मात्रा—२ से ६ टिकिया तक नित्य।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

—o—

यूनी-बी-कम्प्लेक्स कम सी

(Uni-B-Complex cum C)

औषधि-मिश्रण—

फोलिक एसिड (Folic Acid)
फंगल डायस्टेज (Fungal Diastase)
ऐस्कॉर्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
थियामीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)
निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
रिबोफ्लेवीन (Riboflavine)
पाइरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.)
कैल्सियम पेन्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)

प्रयोग—शक्तिवर्द्धक एवं पाचक है।

मात्रा—१-२ टिकिया दिन में दो बार।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)

यूनी-बी-कम्प्लेक्स फोर्ट
(Uni-B-Complex Forte)

औषधि-मिश्रण—

फंगल डायस्टेज (Fungal Diastase)

थियामीन हाइ० (Thiamine Hcl.)

रिबोफ्लेवीन (Riboflavine)

नियासिनामाइड (Niacinamide)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

ऐस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

पाइरिडाक्सीन हाइड्रो० (Pyridoxine Hcl.)

पैन्थेनॉल (Panthenol)

फोलिक एसिड (Folic Acid)

प्रयोग—यह विटामिन सी युक्त विटामिन बी कम्प्लेक्स की कैप्स्यूल है तथा इनकी पूर्ति के लिए प्रयुक्त होता है।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल प्रतिदिन।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)

सर्बेक्स टी
(Surbex-T)

औषधि-मिश्रण—

थियामीन (Thiamine)

रिबोफ्लेविन (Riboflavine)

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})

कैल्शियम पेण्टोथीनेट (Calcium Pantothenate)

विटामिन सी (Vitamin C)

प्रयोग—विभिन्न तन्त्रिकाशोथों (Neuritis) एवं टॉनिक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—अँबट (Abbot)

विटामिन बी कम्प्लेक्स

(Vitamin B Complex)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ब$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)

निकोटिनिक एसिड एमाइड (Nicotinic Acid Amide)

विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})

मेथियोनीन (Methionine)

कोलीन क्लोराइड (Choline Chloride)

सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)

अलकोहल (Alcohol)

प्रयोग--बेरी-बेरी (Beri-Beri), भूख की कमी (Loss of appetite), शोथ रोग (Oedema), पट्ठे की सूजन (Neuritis), गर्भावस्था में कै होना (Vomiting of Pregnancy), कब्जियत (Constipa-

tion), मलेरिया-ज्वर के बाद की कमजोरी (Weakness after Malaria fever) आदि अनेक विकारों में प्रयुक्त की जाती है।

मात्रा—भोजन के बाद दोनों बार २–२ चम्मच।

निर्माता—टी० सी० एफ०।

सायोप्लेक्स लाइसोन

(Sioplex Lysine)

औषधि-मिश्रण—

थियामिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamnie Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Rib flavin)
विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)
डी-पैन्थेनॉल (d-Panthenol)
नियासिनामाइड (Niacinamide)
कोलीन डाइहाइड्रोजन साइट्रेट (Choline Dihydrogen Citrate)
बीटेन डाइहाइड्रोजन साइट्रेट (Betain Dihydrogen Citrate)
इनोसिटॉल (Inositol)
एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine Monohydrochloride)

प्रयोग—बचपन (During Growth periods), सगर्भता (Pregnancy) दूध पिलाने की अवस्था (Lactation), हृदय और रक्तवह तन्त्र की गड़बड़ी (Heart and Cardiovascular disorders), रोगों के बाद ठीक होने की अवस्था (Convalescence) आदि में लाभकर है।

मात्रा—१ से ३ चाय चम्मच भर या अधिक प्रतिदिन। बच्चों को उम्र के अनुसार।

निर्माता—एलबर्ट डेविड लि० (Albert David Ltd.)

विटामिन सी
(Vitamin C)

इसे एस्कार्बिक एसिड कहते हैं। इसकी कमी से स्कर्वी, मसूढ़ों से रक्त आना, रक्त के जमने की शक्ति में कमी, पोषण में कमी, शरीर भार में कमी, दाँतों में कीड़ी लगना, भूख न लगना, अनेक संक्रमण (Infections) होना तथा रक्ताल्पता होती है। यह केशिकाओं (सूक्ष्मरक्तवाहिनियों-Capillaries) को ठीक रखता है। रक्त के लाल व श्वेत कणों की परिपक्वता में सहायता करता है तथा विटामिन पी के साथ कैल्शियम चयापचय ठीक रखता है इसकी हीनता में घाव जल्दी नहीं भरते, रक्तस्राव की प्रवृत्ति होती है, त्वचा के नीचे रक्तस्राव होता है, कापालिक पेशियों का व्यपजनन होता है तथा यकृत के अन्दर तन्तुनाश (Necrosis) होता है।

प्रयोग—उपर्युक्त अवस्थाओं, जीर्ण विषाक्तता तथा संखिया से उत्पन्न त्वचा के रोग में लाभ पहुँचाता है। श्वेत कणों के जीवाणुओं की भक्षणशक्ति बढ़ाता है। यह आमाशय व्रण, केशिकाओं से रक्तस्राव, श्वास, एलर्जीजन्य रोग, सोरियेसिस, आमवाताभ सन्धिशोथ, कुकुर खाँसी तथा सल्फोनामाइड की विषाक्तता में प्रयुक्त होता है। इसकी सहायता से लौह का प्रचूषण सुविधा से होता है। ज्वरों में तथा यकृत के रोगों में अन्य चिकित्सा के साथ इसे भी पर्याप्त मात्रा में दिया जाता है।

रिडॉक्सन

(Redoxon)

औषधि—टिकिया—प्रति टिकिया में ५०, २०० तथा ५०० मि० ग्रा० विटामिन सी० ।

एम्प्यूल—१०० मि० ग्रा० २ मि० लि० के एम्प्यूल में ।
५०० मि० ग्रा० ५ मि० लि० के एम्प्यूल में ।

मात्रा—प्रतिषेधक २५ से ७५ मि० ग्रा० प्रतिदिन ।
रोगनिवारक—१०० से ५०० मि० ग्रा० या १ ग्राम प्रतिदिन ।

निर्माता—रोश प्रोडक्ट्स लि० ।

—*—

सीलिन

(Celin)

औषधि—टिकिया—५०, १०० या ५०० मि० ग्रा० विटामिन सी टिकिया ।

एम्प्यूल—१०० मि० ग्रा० प्रति मि० लि० १ मि० लि० का एम्प्यूल ।
१०० मि० ग्रा० प्रति मि० लि० ५ मि० लि० का एम्प्यूल ।

मात्रा—१०० से ५०० मि० ग्रा० या १ ग्राम तक प्रतिदिन मुख, पेशी अथवा शिरा द्वारा ।

निर्माता—ग्लैक्सो ।

—o—

एस्कॉर्बिक एसिड

(Ascorbic Acid)

औषधि—प्रति टिकिया १०० मि० ग्रा० विटामिन सी ।

मात्रा—१ से १० टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—ए० एफ० डी० आदि अनेक कम्पनियाँ ।

—*—

च्युसी

(**Chewcee**)

औषधि—विटामिन सी की चबा कर खाने योग्य स्वादिष्ट टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में :—

ऐस्कॉर्बिक एसिड (Ascorbic acid) २०० मिग्रा०।

सोडियम ऐस्कार्बेट (Sodium ascorbate) २३८ मिग्रा० रहता है।

मात्रा—१ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—लेडर्ली (Lederle)

———

सिविनल

(**Civinal**)

औषधि—प्रत्येक टिकिया में ५० मिग्रा० विटामिन सी (Vitamin C) रहता है।

मात्रा—१ से १० टिकिया एक बार में। यह मात्रा दिन में २ बार देते हैं। लौह की कमी से होने वाली अरक्तता में लौह की टिकियों के साथ इसको १ टिकिया दिन में तीन बार देने से रोग में शीघ्र लाभ होता है।

निर्माता—एलेम्बिक (Alembic)

— ० —

कैल्शियम सैण्डोज '५००'

(**Calcium Sandoz '500'**)

औषधि-मिश्रण—कैल्शियम ग्लुकोनेट (Cal. Gluconate) विटामिन सी (Vitamin C 500 mg.) पाँच मि० लि० के एम्प्यूल में विटामिन सी २५० मिग्रा० तथा १० मि० लि० के एम्प्यूल में ५०० मिग्रा० होता है।

मात्रा—१ से २ सुई प्रतिदिन शिरा द्वारा।

प्रयोग—विटामिन सी के सभी गुणों के साथ कैल्शियम के भी गुण इसमें प्राप्त होते हैं। साधारणतः इसे रक्तस्राव की प्रवृत्ति रोकने, शरीर की क्षमता बढ़ाने, कैल्शियम की आवश्यकता की पूर्ति (यथा राजयक्ष्मा आदि में), अलर्जी जन्य रोग (शीतपित्त, एक्जिमा, त्वक् रोग आदि) में देते हैं। यह विटामिन सी कैल्शियम के चयापचय को ठीक करने में सहायक होता है।

निर्माता—सैण्डोज लि०।

कैल्सिमा सी
(Calcima C)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate)

विटामिन सी (Vitamin C)

प्रयोग—कैल्शियम सैण्डोज के समान।

मात्रा—सुई १ से २ एम्प्यूल शिरा द्वारा प्रतिदिन।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

कैल्सिमा ए. सी. डी.
(Calcima A. C. D.)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लुकोनेट (Cal. Gluconate)

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन सी (Vitamin C)

विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—कैल्शियम के साथ तीन विटामिन जो शरीर की क्षमता बढ़ाते हैं, मिला देने से यह एक अच्छा योग बन गया है। बच्चों, गर्भवती स्त्रियों

तथा जिनको कैल्शियम की आवश्यकता है उनके तथा रोगों के विरुद्ध क्षमता बढ़ाने के काम में यह आता है।

मात्रा—३ से १२ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—सिपला, बम्बई,।

बिकोटिन विथ विटामिन सी
(Bicotin wlth Vitamin C)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

विटामिन बी ६ (Vitamin B_6)

निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)

पैण्टोथिनिक एसिड (Pantothenic Acid)

विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})

विटामिन सी (Vitamin C)

लीवर प्रिपरेशन तथा स्टमक टीशू मेटीरियल (Liver Peeparation & Stomach tissue Material)

प्रयोग—यह दवा विटामिन बी तथा विटामिन सी की कमी की पूर्ति करती है। किसी रोग के न रहने पर भी इसका सेवन किया जा सकता है। तथा रोगोत्पत्ति के पश्चात् भी इसके सेवन से पूर्ण लाभ होता है।

मात्रा—१ कैप्स्यूल की मात्रा में तीन चार बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—इली लीली एण्ड कम्पनी आफ इण्डिया, बम्बई।

विटामिन डी
(Vitamin D)

इसमें विटामिन डी १ डी२ तथा डी ३ होते हैं। इन तीनों के लगभग समान गुण-धर्म हैं। चिकित्सा में साधारणतः डी२ (कैल्सिफेरॉल) का प्रयोग

होता है। यह आन्त्र से कैल्शियम का प्रचूषण कर रक्त में उसकी तथा फास्फोरस की मात्रा बनाए रखता है। हड्डियों के कैल्सीभवन तथा अन्य लवणों का उपयोग इसी के द्वारा सम्भव है। इसकी हीनता से बच्चों में सूखा रोग (Rickets) होता है। बड़ों को अस्थिमृदुता (Osteomalacia) में यह लाभ करता है। स्वस्थ दाँतों के निर्माण के लिए अनिवार्य विटामिन है। आमवात, सन्धिशोथ, अलर्जी के रोग तथा सोरिएसिस में इसकी बड़ी मात्राएँ देने से लाभ होता है। छोटे बच्चों में इसकी हीनता से टिटैनी नामक रोग होता है। अत्यधिक मात्रा में इसका प्रयोग हानिकारक है।

प्रयोग—इस विटामिन को कैल्शियम के साथ दिया जाता है, क्योंकि इसका कार्य ही कैल्शियम का शरीर में उचित उपयोग करना है। बिना इसके कैल्शियम का उपयोग नहीं हो सकता तथा जब इसे देने की आवश्कता होती है कैल्शियम की भी उतनी ही आवश्यकता होती है।

कैल्सिरॉल डी२

(Calcirol D_2)

औषधि—यह विटामिन डी२ (Vitamin D_2) ६००००० यूनिट की एम्प्यूल है।

मात्रा—एक एम्प्यूल की औषधि दूध या किसी अन्य द्रव में मिलाकर रोग के अनुसार एक या अनेक बार देते हैं।

निर्माता—कैडिला लेबोरेटरीज (Cadila Laboratories)

जैनिविस डी२

(Genivis D_2)

औषधि—यह शुद्ध विटामिन डी२ है। एक शीशी में ग्रैन्यूल्स के रूप में ६ लाख यूनिट विटामिन होता है।

मात्रा—१ शीशी, दूध अथवा किसी अन्य द्रव के साथ घोल कर १५ दिन पर, अथवा १ माह पर लेना चाहिए।

निर्माता—ओम लेबोरेटरीज-स्विट्ज़रलैंड।

———

स्टेरोजिल

(Sterogyl)

औषधि—प्रति एम्प्यूल ६ लाख यूनिट तैलीय विलयन के रूप में।

मात्रा—१५ दिन अथवा एक महीने पर मुख अथवा पेशी द्वारा। मुख अथवा पेशी में देने के लिये अलग-अलग प्रकार की एम्प्यूल आती है।

निर्माता—फ्रैंको इण्डिया।

—०—

एडिप्लेक्स

(Adiplex)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी$_2$ (Vit. D_2)

विटामिन बी$_1$ (Vit. B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vit. B_2)

विटामिन बी$_6$ (Vit. B_6.)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

विटामिन सी (Vit. C)

प्रयोग—हर प्रकार के विटामिन की कमी पूरी कर सकता है।

मात्रा—१ चम्मच प्रतिदिन या अधिक।

निर्माता—नवरत्न फार्मास्युटिकल लेबोरेटरीज।

—०—

एडेक्सोलिन
(Adexolin)

औषधि-मिश्रण—कैप्स्यूल में :—

विटामिन ए [Vit. A] ६००० यूनिट

विटामिन डी [Vit. D] १००० यूनिट

लिक्विड में—

विटामिन ए [Vit. A] १२००० यूनिट प्रति मि० लि०

विटामिन डी [Vit. D] २००० यूनिट प्रति मि० लि०

प्रयोग—विटामिन ए तथा डी की कमी दूर करता है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज।

टिप्पणी—लेडर्ली [Lederle] का वाई-डेल्टा [Vi-Delta] भी विटामिन ए और डी [Vitamin A and D] है। इसमें लैक्टिक एसिड [Lactic Acid], सोडियम बेञ्जोएट [Sodium Benzoate] भी मिला रहता है। यह इमल्शन [Emulsion] है और बच्चों के लिए है।

—o—

ऐबडेक ड्राप तथा कैप्स्यूल
(Abdec Drops & Capsule)

औषधि-मिश्रण—

यह औषधि मल्टी विटामिन का एक उत्तम योग है।

विटामिन ए [Vitamin A]	५००० I. U.
,, डी [,, D]	१००० ,, ,,
विटामिन बी१ [Vitamin B_1]	१ मि० ग्रा०
,, बी२ [,, B_2]	४ ,, ,,
,, बी६ [,, B_6]	१ ,, ,,
नियासिनेमाइड [Niacinamide]	५ मि० ग्रा०
विटामिन सी० [Vitamin C]	५० ,, ,,

प्रयोग—यह अन्य मल्टीविटामिन के ही समान ताकत की एक उत्तम औषधि है। जिसे भूख न लगती हो, पाचन-क्रिया में गड़बड़ी हो उसके लिए इसका प्रयोग उत्तम है।

पैकिंग – एबडेक ड्राप के रूप में १५ मि० लि० की शीशी ड्रापर के साथ आती है तथा कैप्स्यूल के रूप में २५ और १०० कैप्स्यूल की शीशो में मिलता है।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस लिमिटेड।

कॉड लिवर आयल

(Cod Liver Oil)

औषधि—यह मछली का तेल है। इसमें विटामिन ए तथा डी रहता है।

प्रयोग—यह शरीर को मजबूत बनाता है और वजन को बढ़ाता है। रोगों में, साधारण स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है। यकृत की खराबियों को दूर करता है। बच्चों के लिए बहुत लाभप्रद है।

मात्रा—छोटे चाय के चम्मच की मात्रा से लेकर बड़े चम्मच की एक मात्रा तक दिन भर में तीन बार दी जा सकती है।

निर्माता—सेवन सीज आदि अनेक कम्पनियाँ।

—०—

कैल्सिड

(Calsid)

औषधि मिश्रण—कैल्शियम ग्लुकोनेट (Calcium Gluconate) विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—शरीर में रक्ताल्पता (Anaemia) सुखण्डी रोग (Rick-

tes), बच्चों के आक्षेप रोग (Tetani); हड्डी का दाग (Caries), टी० बी० (Tuberculosis) आदि रोगों में फायदेमन्द है ।

निर्माता—बंगाल केमिकल एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स कलकत्ता ।

कैलजड

(Calzad)

औषधि-मिश्रण—

डाइ-कैल्शियम फास्फेट (Di-Calcium Phosphate)

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी (Vitamin D । आदि औषधियों के मेल से यह दवा तैयार की गई है ।

प्रयोग-विटामिन ए, डी तथा कैल्शियम की कमी के कारण उत्पन्न रोगों की चिकित्सा में यह औषधि लाभदायक है । सुखण्डी रोग (Rickets), दाँतों में खोखड़े पड़ जाना (Dental Caries); बच्चों की कमजोरी या थकावट, गर्भवती स्त्री के गर्भाशय की सुस्ती आदि स्थितियों में इसके प्रयोग से पर्याप्त मात्रा में लाभ होता है । किसी बीमारी के न होने पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता है ।

मात्रा—३ से ६ टिकिया तक नित्य सेवन करनी चाहिए ।

निर्माता—एंग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी, बम्बई ।

—*—

कैल्फोस्रॉन-डी

(Calfosron-D)

औषधि-मिश्रण--

डाइकैल्शियम फास्फेट (Di-Calcium Phosphate)

विटामिन डी (Vitamin D)

आयरन पाइरोफास्फेट (Iron Pyrophosphate)

प्रयोग—बच्चों के दाँत निकलने के साथ इसका प्रयोग बहुत सुन्दर कार्य करता है। बच्चा खाता-पीता हो, किन्तु दिन पर दिन सूखता जाता हो, उसे सुखण्डी रोग हो गया हो तो इसका प्रयोग करना चाहिए। बहुत ही लाभ पहुँचायेगा। गर्भवती स्त्री को भी देने से शरीर को बलशाली बनाता है। ऐंठन की बीमारी में भी अच्छा काम करता है।

मात्रा—गर्भवती स्त्री को अथवा बच्चे को दूध पिलानेवाली स्त्रियों को ३ से १२ पलब्ल्यूस दिन भर में देना चाहिए। १ से ६ टिकिया नित्य देने से बच्चों को सुखण्डी रोग होने से बचाया जा सकता है। यदि सुखण्डी रोग से बच्चा पीड़ित हो तो उसे नित्य ४ से ८ टिकिया तक प्रयोग कराना चाहिए चिकित्सक की राय से मात्रा में कमी-बेशी की जा सकती है।

निर्माता—इली लीली एण्ड कं०, अमेरिका।

कोमिलॉल विथ विटामिन डी
(Comilol with Vitamin D)

औषधि-मिश्रण—

कॉडलीवर आयल इमल्शन (Emulsion of pure Cod Liver Oil)

कैल्शियम हाइपोफास० (Calcium Hypophosphate)

एरोमेटिक्स, विटामिन ए तथा डी (Aromatics, Vitmin A&D)

प्रयोग—क्षय करने वाली बीमारीरियों, कमजोरी, खाँसी, वायुनली भुज-प्रदाह, क्षय रोग आदि में यह औषधि उपकारी है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त नित्य दो बार ३ ड्राम की मात्रा में इस्तेमाल करना चाहिए।

कैल्सि-ऑस्टलिन
(Calci-Ostelin)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक मि० लि० में—

कैल्शियम	·५ मि० ग्रा०

विटामिन डी० ५०००यूनिट्स है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग समस्त उन स्थानों एवं रोगों में हुआ करता है जहाँ कैल्शियम की आवश्यकता होती है जैसे चर्मरोग, रक्तवह संस्थान के रोग, अपकपारी तथा टी० बी० इत्यादि।

मात्रा—१-२ मि० लि० मांसपेशी में सूचीवेध दिन में एक बार और साथ में मुख द्वारा इसकी गोली का भी प्रयोग करते हैं।

पैकिंग—१५ मि० लि० का वायल तथा ६ एम्पुल का बक्स आता है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज, बम्बई।

डिकामिन
(Decamin)

औषधि-मिश्रण—यह विटामिन ए (Vitamin A) तथा विटामिन डी (Vitamin D) के मिश्रण से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह विटामिन ए तथा डी की कमी की पूर्ति करता है।

निर्माता—ड्यूमेक्स, बम्बई।

—*—

डिटामिड
(Detamid)

औषधि—यह विटामिन डी (Pure Crystalline Vitamin D)

प्रयोग—यह सुखण्डी रोग (Rickets) तथा दाँतों में खोड़रे हो जाने (Caries of the teeth) में विशेष लाभप्रद है। बच्चों के दाँत निकलने के समय इसे देना चाहिए तपेदिक रोगों में भी मुफीद है।

मात्रा—१ से २ टिकिया तक की मात्रा में नित्य एक बार छोटी उम्र वालों को देना चाहिये। मात्रा धीरे-धीरे बढ़ाई जा सकती है। बड़ों को १ से ३ टिकिया तक नित्य सेवन करना चाहिए। इस दवा की टिकिया ०.०६

मि० ग्राम में बनाई जाती है तथा ५ मिलीग्राम में भी। जो ५ मिलीग्राम की टिकिया होगी उसकी २ टिकिया ८, १० दिन के अन्तर से दी जायगी।

निर्माता--सिपला, बम्बई।

कालजीप्लेक्स

(Kalziplex)

औषधि-मिश्रण—कैल्शियम लैक्टेट (Calcium Lactate)

एसिड फास्फोरिक (Acid Phosphoric)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)

विटामिन सी (Vitamin C)

विटामिन डी$_2$ (Vitamin D_2)

प्रयोग—इसके प्रयोग से कैल्शियम की कमी पूर्ति हो जाती है

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिये।

निर्माता—नवरत्न फार्मास्यूटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

—*—

इफाइनल

(Ephynal)

यह टोकोफेरिल एसिटेट (Tocopheryl Acetate) है। इसे प्रजनन व वन्ध्यत्व विरोधी (Reproductive or Anti-sterility) विटामिन भी कहते हैं। यह गर्भधारण करने के लिए आवश्यक है। इसकी हीनता से गर्भस्राव होता है। पुरुष में वीर्य निर्मात्री कोषाओं का व्यपजनन हो जाता है। यह गर्भस्राव, गर्भधारण काल की विषमयता, रजःकृच्छ्र तथा दूध कम होने की स्थिति में प्रयुक्त होता है। ऐच्छिक पेशियों को ठीक रखने के लिए इसकी परम आवश्यकता है। इसकी हीनता से स्पास्टिक पैरालिसिस (अंगघात) हो जाता है।

प्रयोग—यह पेशियों की दुर्बलता, टेबीज डार्सेलिस, डुपिट्रेन के संकोच (Dupuytren's Contractions) व तन्तुशोथ (Fibrositis) में लाभ करता है। इण्टरमिटेण्ट, क्लॉडिकेशन, थ्रॉम्बो-एञ्जिआइटिस ऑबलिटेरेन्स वैरिकोज व्रण, हृदय की पेशी दुर्बलता, हृद् धमनी की अक्षमता (Insufficiency), पुरुष की प्रजनन शक्ति की कमी (विटामिन ए के साथ) में प्रयुक्त होता है। अन्य चिकित्सा के साथ बार-बार गर्भस्राव में, प्रारम्भिक तीन महीनों में गर्भस्राव की सम्भावना में पूरे समय के पहिले बच्चा होने की संभावना में, रजःस्राव की गड़बड़ी में, वृद्धावस्था में ऋतुस्राव बन्द होने से उत्पन्न उपद्रवों में, ल्यूपस इरिथिमेटोटस, स्क्लेरोडर्मा आदि रोगों में इसका प्रयोग किया जाता है।

विटामिन ई०
(Vitamin E)

औषधि-—

टिकिया—१० मि० ग्राम० विटामिन ई प्रति टिकिया।

ड्रेगो—१०० मि० ग्रा० विटामिन ई प्रति ड्रैगी।

एम्प्यूल—१०० मि० ग्रा० प्र० मि० लि० एम्प्यूल।

मात्रा—-१० मि० ग्रा० से ३० मि० ग्रा० तथा १०० से २०० मि० ग्रा० प्रतिदि मुख से। १ एम्प्यूल प्रतिदिन पेशी में।

निर्माता—रोश प्रोडक्ट्स लि०।

रोविगॉन
(Rovigon)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A 30000 I. U.)

विटामिन ई (Vitamin E 70 mgm.)

मात्रा—३ से ४ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—रोश प्रोडक्ट्स लि०।

—०—

विटियोलीन

(Vitioline)

औषधि—विटामिन ई प्रति कैप्स्यूल, ६, ३०, १०० मि० ग्राम (टोकोफेराल)

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज, बम्बई।

———

स्क्लेरोबियॉन

(Sclerobion)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

विटामिन ई (Vitamin E)

प्रयोग—धमनियों (Arteries) के रोगों, संयोजक ऊतक (Connective tissue) के रोगों, वृद्धावस्था (Old age) और धमनी जरठता (Arteriosclerosis) जन्य रोग, मध्य आयु एवं वृद्धावस्था की दुर्बलता (Asthenia and exhaustion) में लाभप्रद है।

मात्रा—प्रतिषेधक (Prophylaxis) के लिए १ टिकिया प्रतिदिन तथा चिकित्सा के लिए २-३ टिकिया प्रतिदिन भोजन के बाद। ३ माह से अधिक लगातार दवा न लें।

विटामिन के

(Vitamin K)

यह रक्त के जमने की शक्ति के लिए आवश्यक है। यह दो प्रकार का का होता है के१ व के२। रक्तस्राव की स्थिति में, अवरोधजन्य कामला (Obstructive Jaundice) में रक्तस्राव की स्थिति न आने देने के लिए, बवासीर में तथा आपरेशन के बाद होने वाले रक्तस्राव में इसका प्रयोग होता है।

—०—

सिनकाविट

(Synkavit)

औषधि—

टिकिया–प्रति टिकिया १० मि० ग्रा० विटामिन के।

एम्प्यूल—प्रति एम्प्यूल १० मिग्रा० विटामिन के जल-विलेय रूप में। साधारणतः यह वसा में ही घुलनशील होता है।

मात्रा—१० मि० ग्रा० प्रतिदिन, मुख, पेशी या शिरा द्वारा।

निर्माता—रोश प्रोडक्ट्स लि०।

केपिलिन

(Kapilin)

यह विटामिन के२ का योग है। इसकी गोली और लिक्विड के १० मि० ग्राम एसीटोमीनेफथोन (Acetomenaphthone) तथायही औषधि १ मि० लि० १० मि० ग्राम रहती है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग किसी भी कारण उत्पन्न रक्तस्राव में होता है जैसे Jaundice, T. B. Colitis) इत्यादि।

मात्रा—१० मि० ग्राम प्रतिदिन ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज, बम्बई ।

लौहयुक्त टॉनिक

(Tonics with Iron)

टॉनिकों में लौह का प्रयोग रक्त में हीमोग्लोबिन बनाने में एक आवश्यक तत्व के रूप में होता है । जिस रक्ताल्पता में रक्तकणों की संख्या तो पूरी रहती है, परन्तु रक्त-कण छोटे होते हैं अथवा रक्त-कणों की ही संख्या कम रहती है उसमें लौह देना आवश्यक होता है । किसी भी रोग की कमी युक्त रक्ताल्पता (Hycporomic anaemia) में लौह आवश्यक है । अतः लौह के कुछ ऐसे टॉनिक बनाये गये हैं जिनमें केवल लौह विशेष प्रकार से प्रस्तुत किया गया है । अन्य रोगों में विटामिन अथवा दूसरे रक्तवर्धक तत्वों के साथ सम्मिलित रहता है । साधारणतः इन रोगों में ताम्र, मैगनीज, कोबाल्ट आदि धातुएँ (Minerals) रहती हैं । ये धातुएँ स्वयं रक्त के अवयव नहीं बनतीं परन्तु इनकी उपस्थिति में रक्त का निर्माण होता है । अर्थात् ये केटालिटिक एजेण्ट (Catalytic agents) के रूप में कार्य करते हैं । दूसरे तत्व विटामिन बी कम्प्लेक्स बी$_{12}$ सी, लीवर एक्स्ट्रैक्ट आदि हैं । इनमें विटामिनों का उल्लेख हो चुका है ।

फरसालेट

(Fersolate)

औषधि-मिश्रण—प्रति टिकिया १६५ मि० ग्राम फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate), कॉपर (ताम्र) सल्फेट (Copper Sulphate), मैंगनीज सल्फेट (Manganese Sulphate) ।

मात्रा—३ टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज [इण्डिया] लि० ।

———

आयरन टैबलेट

(Iron Tablets)

औषधि-मिश्रण—फेरस सल्फेट [Ferrous Sulphate] विटामिन बी$_1$ [Vitamin B_1] ।

मात्रा—२ से ६ टिकिया प्रतिदिन ।

निर्माता—टी० सी० एफ० ।

———

फेरेट्स

(Ferets)

औषधि-मिश्रण—

फेरस फ्यूमरेट [Farrous Fumarate]

फोलिक एसिड [Folic Acid]

सायनोकोबालामिन [Cyanocobalamin]

ऐस्कॉर्बिक एसिड [Ascorbic Acid]

प्रयोग—रक्ताल्पता [Anaemia] की औषधि है ।

मात्रा—१-२ टिकिया प्रतिदिन भोजनोपरान्त ।

निर्माता—टी० सी० एफ० ।

———

फीजोफर

[Fesofer]

औषधि—यह फेरस सल्फेट की सस्टेण्ड रिलीज स्पैन्स्यूल कैप्स्यूल [Sustained release Spansule Capsule] है । अर्थात् इसके अन्दर

की औषधि आन्त्र में पहुँच कर कैप्स्यूल के बाहर आती है। जिससे आमाशय के लक्षण मिचली, जलन, भारीपन आदि पैदा नहीं होते।

प्रयोग—लौह की कमी से होने वाली अरक्तता (Iron deficiency anaemia) में लाभकर हैं।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल प्रतिदिन। ६ माह से बड़े शिशुओं और बच्चों को १ कैप्स्यूल प्रतिदिन फोड़कर दे सकते हैं।

निर्माता—एस० के० एफ० (S. K. F.)

—*—

फीजोविट
(Fesovit)

औषधि-मिश्रण—यह आयरन (Iron), विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex) और विटामिन सी (Vitamin C) की स्पैन्स्यूल कैप्स्यूल (Spansule Capsule) है।

प्रयोग—आयरन (Iron) की कमी से होने वाली अरक्तता (Anaemia), सगर्भता (Pregnancy) और दुर्बलता में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल प्रतिदिन छः माह से बड़े बच्चों को १ कैप्स्यूल फोड़कर दी जा सकती है।

निर्माता—एस० के० एफ० (S. K. F.)

आयसोलेट
(Aysolate)

औषधि-मिश्रण—फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate)
कॉपर (Copper)
मैंगनीज (Manganese)

प्रयोग—लौह की कमी से होने वाली रक्ताल्पता (Anaemia) में

२ टिकिया प्रतिदिन भोजनोपरान्त ।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता ।

बायोफेरेट्स

(Bio ferettes)

औषधि-मिश्रण—फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate)

फेरी पायरो फास स्केल्स (Ferri Pyrophos scales)

कापर सल्फ (Copper Sulph)

मैंगनीज साइट्रेट (Manganese citrate)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

प्रयोग—यह दवा रक्तस्वल्पता (Anaemia), हरित पीड़ा (Chlorosis), पुराना मूत्रग्रन्थि प्रदाह (Chronic Nephritis) आदि रोगों में दी जाती है ।

मात्रा—१ से २ डेग्रीज तक दिन में दो बार भोजन के उपरान्त निगल कर ऊपर से पानी पी लेना चाहिए । बच्चों की खुराक चिकित्सक की राय पर निर्भर है ।

निर्माता—टी० सी० एफ० बम्बई ।

बायोफेरिन

(Biof rrin)

औषधि-मिश्रण—लौह (Iron)

यकृत (Liver)

हीमोग्लोबिन (Haemoglobin)

प्रयोग—सब प्रकार की रक्ताल्पता तथा सामान्य कमजोरी (General Debility) में प्रयोग करते हैं ।

मात्रा—१-२ चम्मच भोजनोपरान्त ।

निर्माता—हेक्स्ट (Hoechst)

औषधि मिश्रण—

लौह (Iron)

कैल्शियम (Calcium)

विटामिन डी$_2$ (Vitamin D_2)

प्रयोग—गर्भावस्था (Pregnancy), स्तन्यकाल (Lactation), बच्चों की वृद्धि के समय, सूखा (Rickets) तथा रक्ताल्पता (Anaemia) में प्रयोग करते हैं ।

मात्रा—१ गोली दिन में चार बार ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज ।

कैम्पोफेरॉन

(Campoferron)

औषधि-मिश्रण—यकृत (Liver), लौह (Iron), ताम्र (Copper), विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex) तथा कुछ अन्य पदार्थों के लेश (Traces) हैं ।

प्रयोग—सभी प्रकार की अरक्तताओं (Anaemias) में लाभदायक है ।

मात्रा—१ कैप्स्यूल या २ चम्मच द्रव दिन में तीन बार भोजन के बाद, बच्चों को आधी मात्रा में दें ।

निर्माता—बायर (Bayer)

—०—

डीकाप्लेक्स फोर्ट कैप्स्यूल

(**Decaplex Forte Caps.**)

औषधि मिश्रण—

प्रोटियोलाइज्ड लिवर (Proteolised Liver)

स्टमक एक्सट्रैक्ट (Stomach Extract)

ड्राइड यीस्ट (Dried Yeast)

फेरस फूयूमरेट (Ferrous Fumarate)

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

फोलिक एसिड (Folic Acid)

ऐस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

निकोटिनिक एसिड एमाइड (Nicotinic Acid Amide)

कोबाल्ट क्लोराइड (Cobalt Chloride)

मैंगनीज सल्फेट (Manganese Sulphate)

कॉपर सल्फेट (Copper Sulphate)

प्रयोग—यह अनेक कारणों से उत्पन्न रक्ताल्पता (Anaemia) में लाभ करती है।

मात्रा—प्रतिदिन १ अथवा २ कैप्स्यूल।

निर्माता—टी० सी० एफ०।

फेरो-मैन्डेट्स

(**Ferro-Mandets**)

औषधि-मिश्रण—

फेरस फ्यूमरेट (Ferrous Fumerate)

विटामिन सी (vitamin C)

प्रयोग—अरक्तता (Anaemia) में लाभदायक है।

मात्रा—रोग निरोधी चिकित्सा के लिए एक टिकिया प्रतिदिन तथा चिकित्सा में ६ टिकिया प्रतिदिन चबाकर खाते हैं।

निर्माता—लेडर्ली (Lederle)

फेरोनिकम

(Ferronicum)

औषधि-मिश्रण—इसकी गोली में ५ ग्रेन और शर्बत में ·४ ग्रेन फेरस ग्लुकोनेट रहता है।

प्रयोग—हाइपोक्रोमिक एनीमिया (Hypochromic Anaemia) तथा अन्य सभी प्रकार की रक्ताल्पता में इस औषधि का उत्तम प्रभाव है।

मात्रा—चिकित्सक के अनुसार दी जाती है।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैण्ड।

फेरुजल टैबलेट

(Ferusal Tablet)

औषधि-मिश्रण—

एक्सीकेटेड फेरस सल्फेट (Exicated Ferrous Sulphate)

कापर सल्फेट (Copper Sulphate)

मैंगनीज सल्फेट (Manganese Sulphate)

एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

रिबोवफ्लेविन (Riboflavin)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic-Acid)

प्रयोग—यह रक्तस्वल्पता रोग की द्वितीयावस्था में प्रयुक्त होती है। लौह की कमी (Iron Deficiency), नई तथा पुरानी रक्तस्राव की बीमारी

(Acute or Chronic Haemorrhage), संक्रामक ज्वर के पश्चात् स्वास्थ्य-लाभ करने पर (Convalescence from infectious fevers), गर्भावस्था तथा स्तनपान कराने के समय (Pregnancy & Lactation) हरित पीड़ा (Chlorosis) आदि बीमारियों में यह दवा सुन्दर कार्य करती है।

मात्रा—बड़ों को १ से २ टिकिया की मात्रा में नित्य भोजन के उपरान्त २ से ३ बार सेवन करना चाहिये। बच्चों को उम्र के अनुसार।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल वर्क्स लिमिटेड, बड़ौदा।

फेरो-बी-कैल

(**Fero-B-Cal**)

औषधि-मिश्रण—फेरस साल्ट्स (Ferrous Salts)

फेरी-एट-एमोन साइट्रेट (Ferri et Ammon Citrate।

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)

नियासिन (Niacin)

कैल्शियम (Calcium)

साइट्रिक एसिड (Citric Acid)

सोडियम साइट्रेट (Sodium Citrate)

विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—रक्ताल्पता (Anaemias), सुखण्डी (Rickets), हड्डी में सूजन, भूख की कमी (Anorexia), विशेषकर गर्भावस्था तथा स्तन-पान कराने के दिनों में (During Pregnancy & Lactation), कमजोरी (Debility) तथा कठिन रोग से आरोग्य होने पर अर्थात् स्वास्थ्य-लाभ करने पर इसका प्रयोग करना चाहिये।

मात्रा—दिन में ४ से ६ टिकिया अथवा ४ से ६ चम्मच पेय।
निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज।

प्रोलाइकल फोर्ट
(Prolycal Forte)

ओषधि-मिश्रण—

विटामिन बी$_{१२}$ [Vitamin B_{12}]
फेरस ग्लूकोनेट [Ferrous Gluconate]
लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड [Lysine Monohydrochloride]
नियासिनामाइड [Niacinamide]
कैल्सियम ग्लूकोनेट [Calcium Gluconate]
कैल्सियम लीवूलिनेट [Calcium Levulinate]
कैल्सियम लैक्टेट [Calcium Lactate]
विटामिन डी$_{२}$ [Vitamin D_2]

प्रयोग—शरीर वृद्धि में कमी [Impaired growth], सामान्य स्वास्थ्य में कमी [Poor general Condition], भूख में कमी [Lack of appetite], थकावट [Tiredness], शक्ति की कमी [Lack of vitality], रोगोत्तर काल [Convalescence], अरक्तता [Anaemia], दन्तोद्भेद के समय [During dentition], चिरकारी रोगों [During Chronic diseases] में लाभदायक है।

मात्रा—शिशुओं को १/२ चम्मच दिन में दो बार, बच्चों को १ चम्मच दिन में दो बार, बड़ों को १ चम्मच दिन में तीन बार।

निर्माता—आरपाइक प्राइवेट लि० [Arpike Pvt. Ltd.]

प्रोटीन एवं यकृत् सत्वयुक्त तथा अन्य मिश्रित टॉनिक

(Tonics with Liver Extract & Other Mixed Tonics)

टॉनिक में यकृत सत्व [Liver Extract] अति महत्वपूर्ण अवयव है। जहाँ अनेक औषधियों से रक्त निर्माण नहीं होता वहाँ क्रूड लिवर एक्सट्रैक्ट लाभ करता है। यकृत् सत्व तथा प्रोटीन शरीर मे रक्त तथा मांसपेशियों के निर्माण में प्रमुख कार्य करते हैं। इसके अतिरिक्त अनेक टॉनिकों में अनिवार्य अमीनो एसिड [Essential amino acids] भी मिले होते हैं। ये अमीनो एसिड वे तत्व हैं जिनके बिना शरीर में पुनर्निर्माण का काम नहीं हो सकता। इनको तो इसी रूप में या ऐसी प्रोटीन लेने से प्राप्त किया जा सकता है जिनमें ये हों। साधारण अमीनो एसिडों को तो शरीर स्वयं एक से दूसरे में परिवर्तित कर सकता है। इनके साथ अनेक टॉनिकों में अनेक प्रकार के एञ्जाइम भी मिले होते हैं। उनका कार्य भुक्त पदार्थों का पाचन करना होता है। एक और तत्व हैं माल्ट। यह भी उत्तम वल्य है तथा बच्चों के टॉनिकों में विशेष रूप से मिलाया जाता है। यीस्ट स्वयं पाचक होने के साथ विटामिन बी कम्प्लेक्स की कमी पूर्ति करता है। अब नीचे सभी प्रकार के टॉनिकों का वर्णन दिया जाता है।

आलटोन

(Altone)

औषधि-मिश्रण—

पेप्टोन [Peptone]
विटामिन बी१ [Vitamin B_1]
विटामिन बी२ [Vitamin B_2]

विटामिन बी$_६$ [Vitamin B_6]
डी-पेन्थेनॉल [d-panthenol]
नियासिनामाइड [Niacinamide]
कैफीन [Caffeine]
विटामिन बी$_{१२}$ [Vitamin B_{12}] तथा ग्लिसिरोफास्फेट्स [Glycerophosphates]

प्रयोग—दुर्बलताओं में टानिक के रूप में उत्तम है।

मात्रा—२ चम्मच दिन में २ बार भोजन के बाद।

निर्माता—एल्बर्ट डेविड [Albert]

—०—

एमीटॉल

(Amitol)

औषधि-मिश्रण—एमीनो एसीड्स [Amino Acids]
फोलिक एसिड [Folic Acid]
विटामिन बी$_१$ [Vitamin B_1]
रिबोफ्लेबिन [Riboflavin]
पाइरीडाक्सीन [Pyridoxine]
निकोटिनिक एसिड अमाइड [Nicotinic acid amide]
एसकार्बिक एसिड [Ascorbic acid]
प्रयोग—प्रोटीन की कमी में इसका उपयोग लाभदायक है।
मात्रा—२ से ४ चम्मच नित्य २ बार थोड़े जल के साथ सेवन करना चाहिए।
निर्माता—स्टैडमेड, कलकत्ता।

———

एल्जाइम

(Alzyme)

औषधि-मिश्रण—पपेन (Papain)

पेपसिन (Pepsin)

पैनक्रियाटिन (Pancreatin)

डायस्टेस (Diastase)

थियामिन-बी$_1$ (Thiamin B_1)

रिबोफ्लेविन-बी$_2$ (Riboflavin B_2)

पाइरीडाक्सीन-बी$_6$ (PyridoxineB$_6$)

प्रयोग—पाकाशय प्रदाह, अग्निमान्द्य, अजीर्ण रोग आदि विकारों में लाभप्रद है। यह दवा तरल रूप में भी आती है।

मात्रा—२ से ३ टिकिया नित्य दो बार भोजन के तुरन्त बाद ही खानी चाहिए। बच्चों को १ टिकिया देना पर्याप्त है। इसके तरल रूप की दवा को १ से २ चम्मच भोजन के उपरान्त नित्य दो बार सेवन करना चाहिए। बच्चों की खुराक उम्र के अनुसार होनी चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

एमीनोजाइम

(Aminozyme)

औषधि-मिश्रण—

एमीनो एसिड (Amino Acids)

फोलिक एसिड (Folic Acid)

विटामिन बी$_1$ (Vit. B_1)

रिबोफ्लेबिन (Riboflavin)

पाइरिडॉक्सीन (Pyridoxine)

निकोटिनिक एसिड एमाइड (Nicotinic acid amide)
एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
प्रोटियोलिटिक इंजाइम (Protiolytic Enzymes)
आमाइलोलिटिक इंजाइम (Amylolytic Enzymes)
लाइपोलिटिक इंजाइम (Lypolytic Enzymes)

प्रयोग—यह वायु विकारों की अच्छी दवा है। पेट का घाव (Peptic Ulcer), प्रोटीन की कमी (Protein deficiency), गुर्दा सम्बन्धी रोग (Renal diseases) आदि में उपयुक्त है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त २ से ४ चम्मच दिन में दो बार।

निर्माता—स्टैंडमेड लिमिटेड, कलकत्ता।

एडकोज कम्पाउण्ड
(Adcco's Compound)

ओषधि-मिश्रण—

प्रोटियोलाइज्ड लिवर एक्सट्रैक्ट (Proteolysed Liver Ext.)
माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)
मेडिसिनल ग्लूकोज (Medicinal Glucose)
सोडियम बेन्जोएट (Sodium Benzoate)
सोडियम हाइपोफॉस्फाइट (Sodium Hypophosphite)
पोटैशियम हाइपोफॉस्फाइट (Potassium Hypophosphite)
पैपेन (Papain)
क्रियाजोट (Creosote)
पोटैशियम गायाकॉल सल्फोनेट (Potassium Guaiacol Sulfonate)
अश्वगन्धा (Ashwagandha)

अल्कुसी (Alkusi)
बरेला (Barela)
भूमिकूष्माण्ड (Bhumikusmanda)
वासक (Vasak)
चीता (Chita)
पीपल (Pepal)
इण्डियन जेन्शियन (Indian Gentian)
सतमूली (Satmuli)
सिरप (Syrup)

प्रयोग—यह सार्वदैहिक टॉनिक (General Tonic) है, विशेष रूप से श्वसन-तन्त्र के रोगों की रोक-थाम और चिकित्सा में व्यवहृत होता है ।

मात्रा—एक बड़ा चम्मच दिन में ४ से ६ बार । विटामिन युक्त प्रकार (पीला लेबल) दिन में केवल २-३ बार पर्याप्त है ।

निर्माता —एडको लिमिटेड (Adcco Limited)

टिप्पणी—यह तीन प्रकार का मिलता है । १. क्रिओजोट और गायाकाल युक्त (With Creosote and Guaiacol) जिसका औषधि-मिश्रण लिखा गया है । यह लाल लेबल (Red lable) की बोतल में आता है । २. विटामिन युक्त (With Vitamins) यह पीले लेबल की बोतल में आता है और ३. सादा (Plain) जो सफेद लेबल की बोतल में आता है ।

—*—

बी-फोलीन

(B-Folin)

औषधि-मिश्रण —फोलिक एसिड (Folic Acid)
विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)
विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)
विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
लीवर कंसं (Liver Conc)
उपर्युक्त औषधियों के मेल से यह तैयार की जाती है।
प्रयोग—यह एक प्रकार की रक्तस्वल्पता (Anaemia) की औषधि है।
निर्माता—नवरत्न फार्मेस्यूटिकल लेबोरेटरी, कोचीन।

बी० आई० एसेन्स आफ चिकेन
[B. I. Essence of Chicken]

औषधि-मिश्रण—एमीनो एसिड्स (Amino Acids) तथा लीवर पेप्टाइड्स से जो मुर्गियों से प्राप्त होता है, बनता है।

प्रयोग—कमजोरी (Debility), सन्निपात [Typhod], रक्तस्वल्पता (Anaemia), तपेदिक (Tuberculosis), मधुमेह (Diabetes), मलेरिया (Malaria), स्नायुओं की कमजोरी (Neurathenia), अजीर्ण (Weak Digestion), न्यूमोनिया के बाद की कमजोरी, गर्भावस्था (Pregnancy) आदि में उपयुक्त है। इसके सेवन से शरीर बलवान बनता है।

मात्रा—स्वच्छ जल अथवा नारंगी के रस के साथ २ से ३ एम्पुल तक। ध्यान रखें खोलने के साथ ही साथ खा जाना चाहिए अन्यथा देर होने से खराब हो जाने का भय है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होगा।

निर्माता—बंगाल इम्यूनिटी कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता।

—०—

बेस्टॉल
(Bestol)

औषधि-मिश्रण—
फोलिक एसिड (Folic Acid)

एक्सट्रैक्ट आफ रेड बोनमैरो (Ext. of Red Bone marrow)
लेसीथिन (Lecithin)
विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)
विनामिन बी१ (Vitamin B_1)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
नियासिनेमाइड (Viacinamide)
पाइरीडाक्सीन (Pyridoxine)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
विटामिन सी (Vitamin C)
एक्सट्रैक्स नक्स वामिका (Ext. Nux Vom.)
फेरी एट एमोन साइट्रास (Ferri et ammon citras)
ग्लिसरीन, माल्ट एण्ड एरोनेटिक्स (Glycerin, Malt & Aromatics)

प्रयोग--अधिक रक्तस्वल्पता (Severe Anaemia), नसों की कमजोरी (Nervous Debility), विशेष भूखे रहना या उपवास (Severe Starvation), गर्भावस्था (Pregnancy) तथा तपेदिक (Tuberculosis) आदि रोगों में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा--भोजन के पूर्व नित्य २ से ४ चम्मच की मात्रा में २ बार खाना चाहिए। बच्चों की कम मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता--स्टैण्डर्ड मेडिकल रिसर्च इन्स्टीटयूट, कलकत्ता।

बिवनल फोर्ट

(Bivinal Forte)

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन बी१ बी२ बी६ नियासिनामाइड (Niacinamide), कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Cal ium Pantothenate), विटामिन सी रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग औपसर्गिक ज्वर, दुग्धावस्था, Hypermetabolism, गर्भावस्था, Peptic ulcer, Starvation, रक्ताल्पता, मधुमेह, आमाशय तथा आन्त्रगत विकार, यकृत विकार, वृक्क विकार, नाड़ी शोथ तथा सल्फाग्रुप एवं एण्टीबायोटिक्स के प्रयोग काल में करते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में दो बार।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Co.)

डेप्लेक्स लिक्विड
(Deyplex Liquid)

औषधि-मिश्रण—इसमें पूर्ण लीवर एक्सट्रैक्ट (Whole liver extract), विटामिन बी$_1$ बी$_2$ बी$_6$ बी$_{12}$ नियासिनामाइड (Niacinamide), पेन्थिनाल (Panthenol), मिथियोनीन (Methionine), कोलीन क्लोराइड (Choline chloride), इनासिटाल (Inositol), सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate) तथा माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)

मात्रा—२ चम्मच दिनभर में २-३ बार।

टिप्पणी—इसकी अधिक शक्ति की कैप्स्यूल और कम शक्ति की टिकिया भी मिलती है उनमें लिवर एक्सट्रैक्ट और माल्ट नहीं रहता।

डे बी-विट
(Dey-B-Vit)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी$_1$ (Vitamine B_1)
विटामिन बी$_2$ (,, B_2)
विटामिन बी$_6$ (,, B_6)

नियासिनामाइड (Niacinamide)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
मात्रा—२-३ टिकिया दिन भर में तीन बार।
निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

बीकाडेक्स
(Becadex)

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए, डी, बी$_1$ बी$_2$, निकोटिनामाइड (Nicotinamide), कैल्शियम फॉस्फेट (Calcium Phosphate) तथा विटामिन सी रहता है। कैप्स्यूल, टिकिया, शर्बत एवं ड्राप अनेक रूपों में आता है।

प्रयोग—सामान्य कमजोरी एवं विटामिन हीनयोगज रोगों में, औपसर्गिक रोगों के उपरान्त टॉनिक के रूप में तथा गैस्ट्रोइण्टेस्टायनल विकारों में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३-४ बार या १० से १५ बूँद दिन में २ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज।

—o—

ब्लमफॉस
(Blumphos)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट		(Calcium Glycerophosphate)	
सोडियम	,,	(Sodium	,,)
पोटैशियम	,,	(Potassium	,,)
आयरन	,,	(Iron	,,)
मैंगनीज	,,	(Manganese	,,)

कोबाल्ट नाइट्रेट (Cobalt Nitrate)
थाइमीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydro.)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)

प्रयोग—पाचन तन्त्र की बुराइयों (Digestive Disturbances) तथा तन्दुरुस्ती के गिरते जाने (Depression) में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा-२ चम्मच दो बार देना चाहिये। रोग की स्थिति के अनुसार मात्रा बढ़ाई जा सकती है। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—ब्लम एण्ड फिलिप्स, बम्बई।

—०—

सिरोसिन

(Cirossine)

औषधि-मिश्रण—यह एक प्रकार के एमीनो एसिड जिसे डायल मेथियोनीन (Dl. Methionine) कहते हैं, से तैयार की जाती है।

प्रयोग—यह लीवर सम्बन्धी सम्पूर्ण विकारों में प्रयुक्त की जाती है। जलोदर (Ascites), कामला रोग (Jaundice), लीवर डैमेज (Liver Damage), गर्भावस्था (Pregnancy), विष के प्रयोग से यकृत की विकृति आदि रोगों में लाभदायक है।

मात्रा—मात्रा की वास्तविक नाप तो चिकित्सक के ऊपर ही निर्भर है। साधारणतया ३ से ६ टिकिया नित्य दो बार पूरी उम्रवालों को देना चाहिये। चिन्ताजनक स्थिति में १५ से २० टिकिया तक नित्य सेवन कराया जा सकता है।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

—०—

केण्डीनेट्स
(Candinetts)

औषधि-मिश्रण--यह विटामिन ए, डी और सी को चूसनेवाली गोली के रूम में उत्तम योग है।

प्रयोग—बच्चों के शरीर के बढ़ाव के समय, कमजोर, रिकेट्स के बच्चों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ से २ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Roptakos Co.)

कैल्सिमा
(Calcima)

औषधि-मिश्रण--यह योग कैल्शियम लैक्टो फास्फेट से तैयार किया गया है। यह कई प्रकार से तैयार किया गया है। टिकिया में विटामिन बी के साथ, ग्रेन्यूल्स में विटामिन बी के साथ, सिरप और सूई के रूप में आदि।

प्रयोग--सुखण्डी रोग (Rickets), कमजोरी (Debility), रक्त-स्वल्पलता (Anaemia), रक्तस्राव (Heamorrhages), शरीर के वजन में कमी पड़ना (Loss of Weight), स्नायुओं की कमजोरी (Neurasthenia), कुष्ठ जात चर्मरोग (Psoriasis) आदि नाना प्रकार की बीमारियों में इसकी सुन्दर क्रिया होती है।

मात्रा—४ से ८ टिकिया नित्य बड़ों के सेवन करने के लिए पर्याप्त है। बच्चों को १ से ४ टिकिया तक ही काफी है। ग्रेन्यूल्स में से २ से ३ चम्मच दिन में तीन बार नित्य की खुराक है। बच्चों को ½ से १ चम्मच तक नित्य तीन बार काफी होगा। सिरप में ½ से १ औंस तक नित्य सेवन करना चाहिए, बच्चों को ¼ से ½ औंस तक ही पर्याप्त है। इस औषधि का प्रयोग किसी भी रूप में किया जा सकता है।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

केल्सिनॉल

(Calcinol)

यह गोली, ग्रैन्यूल एवं पाउडर के रूप में आती है।

औषधि-मिश्रण—यह कैल्शियम कार्बोनेट (Calcium Carbonate), कैल्शियम फास्फेट (Calcium Phosphate), कैल्शियम फ्लुराइड (Calcium Fluride), मैग्नेशियम हाइड्रोक्साइड (Magnesium Hydroxide) तथा कैल्सिफेराल (Calciferol) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग एवं मात्रा—कैल्शिमा (Calcima) के समान है।

निर्माता रेप्टाकोस कम्पनी (Raptakos Co.)

———

सिपाफेरॉन

(Cipaferron)

औषधि-मिश्रण—प्रोटिओलाइज्ड एक्सट्रैक्ट आफ लीवर (Proteolysed whole Extract of Liver)

प्रोटिओलाइज्ड होल एक्सट्रैक्ट आफ स्टमक (Proteolysed whole Extract of Stomach)

प्रोटिओलाइज्ड होल एक्सट्रैक्ट आफ स्प्लीन (Proteolysed whole Extract of Spleen)

फेरी एट एमोन साइट्रास (Ferri et Amon Citras)

मैंगनीज, कोबाल्ट (Manganese, Cabalt)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

फालिक एसिड (Folic Acid)

प्रयोग—हर प्रकार तथा हर स्थिति के रक्तस्वल्पता रोग (Anaemia) में लाभदायक औषधि है। कमजोरी (Debility), कब्जियत (Constipation), बीमारी के बाद स्वास्थ्य लाभ करने पर (Convalescence

after acute illness) आदि स्थितियों में इसके प्रयोग से काफी लाभ होता है ।

मात्रा--२ से ३ चम्मच तक भोजन के ½ से १ घण्टे के उपरान्त दिन भर में २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिये । चिकित्सक की राय से मात्रा तथा समय में कमी-वेशी की जा सकती है ।

निर्माता—सिपला, बम्बमई ।

—*—

केसीनॉन

(Caseinone)

औषधि-मिश्रण—

प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट (Protein Hydrolysate)
प्रोटियोलाइज्ड लीवर (Proteolysed Liver)
कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate)
फेरीपेप्टोनास (Ferri Peptonas)
थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamin Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Reboflavin)
पाइरीडॉक्सीन हाइड्राक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)
एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—पुरानी बीमारियों तथा टायफायड (Typhoid), टी० बी० (Tuberculsois), रक्तस्वल्पता (Anaemia) आदि में प्रयोग करने से यह शरीर को ताकत पहुँचाती है । गर्भिणी को प्रयोग करने से विशेष लाभप्रद साबित होती है ।

मात्रा—२ से ४ चम्मच की मात्रा में दिन में ३ से ६ बार तक सेवन कराया जा सकता है। यह ग्लूकोज के पानी, फल के रस अथवा स्वच्छ जल के साथ सेवन की जाती है।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

सेरिमाल्ट

(Ceremalt with Cod Liver oil & Hypophosphates)

औषधि-मिश्रण—माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)

सोडियम हाइपोफॉस० (Sodium Hypophosphate)

पोटैशियम हाइपोफॉस० (Potassium Hypophos.)

कैल्शियम हाइपोफॉस० (Calcium Hypophos.)

कॉड लिवर आयल (Cod Liver Oil)

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन बी (Vitamin B)

विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—क्षयकारी रोगों, बच्चों के सुखण्डी रोग (Rickets), रक्त-स्वल्पता (Anaemia), पुरानी वायुनली सूजप्रदाह (Chronic Bronchitis), गले की बिमारियों आदि रोगों में इस औषधि से लाभ होता है।

मात्रा—१ से २ चम्मच तक नित्य २ बार सेवन करना चाहिये। उम्र के अनुसार खुराक में कमी-बेशी की जाती है।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

कार्नोविट

(Carnovit)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट कार्निस (Ext. Carnis)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)

प्रयोग—बीमारी के बाद स्वास्थ्य लाभ करने पर इसका प्रयोग करना चाहिये। रक्तस्वल्पता (Anaemia), प्रोटीन की कमी (Protein defficiency) तथा अजीर्ण रोग (Dyspepsia) में भी इसका प्रयोग लाभप्रद होता है।

मात्रा—२ से ४ ड्राम नित्य २ से ३ बार भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिये।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्युटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

—o—

कीलाटोन
(Chelatone)

औषधि-मिश्रण—

कीलेट आयरन (Chelate Iron)

कीलेट कोल्बाट (Chelate cobalt)

साबनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

थियामीन हाइड्रोक्लोर (Thiamine hydrochloride)

पाइरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine hydrochloride)

डी-सॉर्बिटाल (D-Sorbitol)

प्रयोग—दुर्बलता, सगर्भता (Pregnancy), रोग से ठीक होने के बाद (Convalescence), बच्चों में पोषण की कमी (Malnutrition) आदि अवस्थाओं में लाभदायक है।

मात्रा—१ चम्मच दिन में दो बार भोजन के पहले अथवा बाद।

निर्माता—स्टैडमेड (Stadmed)

———

सॉइमिरॉन लिक्विड

(Cymiron Liquid)

औषधि-मिश्रण – इसमें लीवर एक्सट्रैक्स (Liver Extract), विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12}), आयरन कोलीन साइट्रेट (Iron choline Citrate), कोबाल्ट क्लोराइड (Cobalt chloride), फोलिक एसिड (Folic Acid) इत्यादि औषधियाँ होती हैं।

प्रयोग--इसका प्रयोग समस्त प्रकार की रक्ताल्पता, (Anaemia), यकृत विकार, शरीर वृद्धि में कमी, क्षुधानाश तथा समस्त प्रकार के विटामिन हीनयोगज रोगों में करते हैं।

मात्रा—१--२ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—थेमिस लेबोरेटरीज (Themis Laboratories)

—*—

डेमल्टिन टैबलेट्स

(Demultin Tablets)

औषधि-मिश्रण-यह अल्प शक्ति का मल्टीविटामिन (Multivitamin) की टिकिया है।

प्रयोग—विटामिनों की दैनिक पूर्ति के लिये इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—२-३ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता--डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—o—

डेवटाल ड्राप

(Devtol Drop)

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए विटामिन डी, बी$_{6}$, बी$_{8}$, बी$_{12}$ पेन्थिनाल (Panthenol), निकोटिनामाइड (Nicotinamide) तथा विटामिन सी रहता है।

प्रयोग—समस्त विटामिनों के हीनयोगज रोगों में, कमजोरी, वजन में कमी, शरीर क्षीणता, क्षुधानाश इत्यादि में प्रयोग करते हैं।

प्रयोग—५-१० बूँद दिन भर में बच्चों को अवस्थानुसार।

टिप्पणी—बड़ों के लिए डेवटाल फोर्ट कैप्स्यूल (Devtol Forte Capsule) आता है।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—※—

डिप्लोजाइम

(Diplozyme)

औषधि-मिश्रण—इसमें Diastase, papain, Rocksalt, Beetsalt, अजवायन, कृष्ण जीरा, पीपल, जिञ्जर सिनामन, Cardamom, हरीतक, Sodibicarb इत्यादि औषधियाँ हैं।

प्रयोग—इसका प्रयोग अन्न पाचक औषधियों के रूप में पाचन सम्बन्धी विकार में होता है जैसे, मन्दाग्नि, कमजोरी, Gastro-intestinal-disorders, पेट में वायु का इकट्ठा होना क्षुधानाश इत्यादि।

मात्रा—१ से २ गोली भोजनोपरान्त।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स।

—०—

ड्यूरॉल

(Durol)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)

कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium Glycerophosphate)

स्ट्रिकनिन (Strychnine)

एलकोहल (Alcohol)

प्रयोग—इसका विशेषकर प्रयोग रक्तस्वल्पता (Anaemia) में किया जाता है। शरीर अगर प्रतिदिन कमजोर होता जाता हो तो इसके प्रयोग से बलवान होता है। किसी भी बीमारी के बाद जब मनुष्य स्वास्थ्य-लाभ करे तो उसे चाहिए कि इस औषधि का सेवन करना न भूले, अवश्य लाभ होगा।

मात्रा—चिकित्सक की राय पर निर्भर है।

निर्माता—ड्यूमेक्स, बम्बई।

—o—

एक्सट्रैक्टम हिपेटिस लिक्विड
(Ext. Hepatis Liquid)

औषधि-मिश्रण—यह लीवर एक्सट्रैक्ट (Liver Extract) से तैयार की गयी है।

प्रयोग—हर प्रकार की रक्तस्वल्पता (Anaemia) में इसका प्रयोग लाभप्रद है। शारीरिक कमजोरी (Weakness & diblity) में भी इसे प्रयुक्त करना चाहिए।

मात्रा—दिन भर में २-४ बार $\frac{१}{२}$ से १ औंस की मात्रा में देना चाहिए।

निर्माता—टी॰ सी॰ एफ॰, बम्बई।

—o—

एनरगॉन
(Energon)

औषधि-मिश्रण—

कैल्सियम ग्लिसिरोफास्फेट	(Calcium Glycerophosphate)	
सोडियम	,,	(Sodium ,,)
पोटैशियम	,,	(Potassium ,,)
मैग्नीशियम	,,	(Magnesium ,,)

आयरन तथा स्ट्रिकनीन (Iron & Strychnine)
लेसीथिन (Lecithin)
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

प्रयोग—नर्वों की कमजोरी को दूर करता है तथा शरीर में विटामिन की कमी की पूर्ति करता है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त नित्य दोनों समय १ ड्राम की मात्रा में सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

एलिक्जर हीमोग्लोबिन
(Alixir Hemoglobin)

औषधि-मिश्रण—

हीमोग्लोबिन (Hemoglobin)
प्रोटियोलाइज्ड लिवर एक्सट्रैक्ट (Proteolised Liver Ext.)
प्रोटियोलाइज्ड स्टमक एक्सट्रैक्ट (Proteolised Stomach Ext.)
आर्गेनिक कापर साल्ट आदि (Organic copper salt etc.)

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार की रक्ताल्पता (Anaemia) तथा दुर्बलता (Debility) में उपयुक्त है। ताकत तथा रक्त बढ़ाने को यह औषधि है।

मात्रा—१ से २ चम्मच भोजन के बाद दिन में दो बार। बच्चों में अवस्था के अनुसार कम मात्रा।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

———

इवोफॉस फोर्ट

(**Evofos Forte**)

औषधि-मिश्रण —

लि० सोडियम ग्लिसीरोफॉस्फेट (Liq. Sodium glycerophosphate)।

कैल्शियम ग्लिसीरोफॉस्फेट (Calcium glycerophosphate)

एन्यूरिन हाइड्रोलोराइड (Aneurine Hydrochloride)

विब्रोफ्लेवीन (Riboflavine)

नियासिनामाइड (Niacinamide)

पायरिडॉक्सीन हाइड्राक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.)

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamine)

प्रोपिल ग्लाइकॉल (Propyl glycol)

सोर्बिटॉल (Sorbitol)

सुगन्धित सिरप (Flavoured Syrup)

प्रयोग—थकावट (Tiredness), दुर्बलता (Debility), आदि में तथा जहाँ भी टॉनिक की आवश्यकता हो।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में दो बार भोजन के बाद।

निर्माता—बायोलॉजिकल इवान्स (Biological Evans)

फेरोलिव—१२

(**Feroliv$_{12}$**)

औषधि-मिश्रण—

लिवर एक्सट्रैक्ट (Liver Extract)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)

विटामिन बी$_2$ (Vitamin B_2)

विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})

फोलिक एसिड (Folic Acid)
निकोटिनामाइड (Nicotinamide)
फेरस ग्लूकोनेट (Ferrous gluconate)
कैल्शियम ग्लूकोनेट (Cal. gluconate)
डी. एल. मीथियोनीन (Dl. Methionine)

प्रयोग—शिशुओं (Infants), बच्चों (Children), सगर्भा महिलाओं (Pregnant women) तथा दुर्बल व्यक्तियों के भोजन में विटामिन और खनिजों की पूर्ति करने के लिए, कुपोषण जन्य अरक्तता (Nutritional anaemia) दूर करने के लिए तथा सभी प्रकार की अरक्तताओं की चिकित्सा के लिए इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१ बड़ा चम्मच दिन में ३ बार। बच्चों को १-२ चाय का चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—कोप्रन केमिकल (Kopran Chemical)

— — —

फेरोमाल्ट
(Ferromalt)

औषधि-मिश्रण—यह दवा विटामिन बी कम्प्लेक्स (Vitamin B Complex), प्रोटीन (Protein), मिनरल साल्ट्स (Mineral Salts) डायसटेस (Diastase), कोलायडल आयरन एण्ड कापर (Collcidal Iron & Copper), विटामिन डी (Vitamin D) आदि के सम्मिश्रण से बनायी गयी है

प्रयोग—यह बच्चों की भूख बढ़ाने तथा अनपच को दूर करने वाली दवा है। कमजोर स्वास्थ्य वाले बच्चों के लिए बल प्रदान करनेवाली औषधि है। यह तपेदिक तथा उन अन्य बीमारियों में भी विशेष लाभ करती है जो निरन्तर शरीर का क्षय करती है किसी बड़ी बीमारी के पश्चात् स्वास्थ्य लाभ करने वाले रोगी को देने से भी विशेष फायदा पहुँचाती है।

मात्रा--२ वर्ष तक के बच्चों के लिए ½ चम्मच दवा भोजन के उपरांत नित्य ३ बार देना लाभप्रद है। २ से १० वर्ष तक के बच्चों को १ चम्मच की मात्रा में नित्य ३ बार भोजन के उपरान्त तथा १० पर्ष से ऊपर के बच्चों को नित्य तीन बार २ चम्मच की मात्रा में भोजन के उपरान्त देना लाभदायक है।

निर्माता—क्रूक्स लेबोरेटरीज लिमिटेड, लन्दन।

—०—

फेरीलेक्स
(Ferilex)

औषधि-मिश्रण –

प्रोटियोलाइज्ड लिवर(Proteolysed Liver)
प्रोटियोलाइज्ड ईस्ट (Proteolised Yeast)
स्टमक एक्सट्रैक्ट (Stomach Extract)
फेरी मैंगनीज साइट्रेट (Ferri Manganese Citrate)
फेरी पाइरोफास्फेट (Ferri Pyrophosphate)
सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)
कापर सल्फेट (Copper Sulphate)
कोबाल्ट सल्फेट (Cobalt Sulphate)
फोलिक एसिड (Folic Acid)
इनोसिटाल (Inositol)
एल्कोहल (Alcohol)
माल्ट एक्सट्रैक्स (Malt Extract)
सिरप (Syrup)
ग्लिसिरीन (Glycerine)

प्रयोग—यह रक्तस्वल्पता रोग (Anaemia) की हर स्थिति में प्रयुक्त की जाती है। भूख बढ़ाने की यह अच्छी दवा है।

मात्रा—भोजन के पूर्व नित्य १ से २ चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल के साथ २ से ४ बार सेवन करना चाहिए। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—टी० सी० एफ० लिमिटेड, बम्बई।

फेरो-बी-लीवर

(Fero-B-Liver)

औषधि-मिश्रण—

प्रोटियोलाइज्ड लीवर (Proteolysed Liver)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
फेरस ग्लुकोनेट (Ferrous Gluconate)
फेरि एटएमोन साइट्रेट (Ferri et Ammon Citrate)
कापर ट्रेसेज (Copper Traces)
कैल्शियम साल्ट्स (Calcium Salts)

प्रयोग—रक्तस्वल्पता (Anaemias), सुखण्डी (Rickets), अग्निमान्द्य (Loss of Appetite), पुरानी बीमारी के पश्चात् की कमजोरी (Dibility after Chronic Illness) तथा आपरेशन कराने के बाद की कमजोरी (After Surgical treatments) तथा पेट की सूजन, Neuritis आदि रोगों में यह दवा प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में प्रयुक्त होनी चाहिए।

निर्माता—यूनीकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

फेरोप्लेक्सन

(Ferroplexion)

औषधि-मिश्रण—

थायमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
विटामिन सी (Vitamin C)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
नियासीनेमाइड (Niacinamide)
लिवर फ्रैक्शन (Liver Fraction)
फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate)

प्रयोग—यह हर प्रकार के रक्ताल्पता रोग की अच्छी दवा है। मलेरिया (Malaria), इन्फ्लुएञ्जा (Influenza), रक्तामाशय (Dysentery) तथा प्रसव के पश्चात् स्वास्थ्य लाभ करने के लिए इसका व्यवहार विशेष उपयोगी होता है।

मात्रा—१ टिकिया नित्य ३ बार सेवन करानी चाहिए।

निर्माता—एग्लो फ्रेञ्च ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

फरहीपर

(Ferhepar)

औषधि-मिश्रण—

इसमें प्रोटियोलाइज्ड लिवर एक्सट्रैक्ट (Proteolysed Liver Extract), विटामिन बी१२, आयरन अमोनियम साइट्रेट (Iron Ammonium Citrate), एल्कोहल व ग्लिसरीन रहता है।

प्रयोग—सब प्रकार का रक्ताल्पता, स्प्रू इत्यादि की अमोघ औषधि है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Raptakos Co.)

ड्यूमासूल्स

(Dumasules)

औषधि-मिश्रण—

फेरस ग्लूकोनेट (Ferrous Gluconate), विटामिन बी$_1$, बी$_6$, नियासिनामाइड (Niacinamide), फोलिक एसिड (Folic Acid) विटामिन बी$_{12}$ और सी का उत्तम योग है।

प्रयोग—यह सब प्रकार की रक्ताल्पता विशेषकर लौह की कमी वाली एनीमिया में उत्तम कार्य करता है।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में १ बार।

हीमोलिविट फोर्ट एलिक्सर

(Haemolivit Forte Elixir)

औषधि-मिश्रण—

लिवर कन्सेण्ट्रेट (Liver Concentrate)

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

आयरन कोलीन साइट्रेट (Iron choline citrate)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_I)

रिबोफ्लेवीन (Riboflavine)

नियासिनामाइड (Niacinamide)

विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)

फोलिक एसिड (Folic Acid)

एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine monohydro-Chloride)

सॉर्बिटाल (Sorbital)

सिरप, ग्लिसरीन आदि [Syrup, glycerine ect.]

प्रयोग—सभी प्रकार की अरक्तताएँ [Anaemias], अल्प वृद्धि [Retarded growth], भूख में कमी [Poor appetite], दुर्बलता [Debility] आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—२ चम्मच दिन में २–३ बार।

निर्माता--स्मिथ स्टैनिस्ट्रीट [Smith Stanistreet]।

हीमैट्रीन कैप्स्यूल

(Hematrine Capsules)

औषधि-मिश्रण—

लिवर कंसेंट्रेट [Liver Concentrate]

फोलिक एसिड [Folic Acid]

विटामिन बी१२ [Vitamin B_{12}]

विटामिन सी [Vitamin C]

निकोटिनामाइड [Nicotinamide]

फेरस फ्यूमरेट [Ferrous fumarate]

प्रयोग—अरक्तता [Anaemia] और दुर्बलता [Debility] में प्रयोग करते हैं।

प्रयोग—१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार भोजन, जलपान के बाद।

निर्माता—सैण्डोज [Sandoz]

हिपेटोग्लोबिन

(Hepatoglobin)

औषधि-मिश्रण--इसमें लिवर एक्सट्रैक्ट (Liver Extract), पेप्टोन (Peptone), आक्सीहीमोग्लोबिन (Oxyhaemoglobin), आयरन एण्ड एमोन साइट्रेट (Iron and Ammon Citrate), सोडियम हाईपोफास्फाइट (Sodium Hypophosphite), निकोटिनिक एसिड (Nicotinic acid) एल्कोहल एवं ग्लिसरीन रहता है।

प्रयोग—सामान्य रक्तटॉनिक के रूप में कमजोरी, गर्भावस्था एवं सब प्रकार की रक्ताल्पता की अवस्था में प्रयोग करते हैं।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Raptakos Co.)

हेपिसेब्रिन

(Hepicebrin)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन क्लोराइड (Thiamine Chloride)

रिबोफ्लेविन (Reboflavin)

एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic acid)

निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—यह विटामिन की कमी पूरा करता है। रक्ताल्पता रोग में इसका प्रयोग बड़ा गुणकारी है। उन बीमारियों में जिनमें रोगी एकदम जीर्ण-शीर्ण होता जा रहा हो इसका प्रयोग लाभ पहँचाता है। बच्चों के लिए भी इसका प्रयोग तुरन्त फल दिखाता है। गर्भ काल में भी इसका प्रयोग करना चाहिए।

मात्रा—३ से ५ जेल्सील्स तक दिया जा सकता है।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

हिपोसिमा
(Hepocima)

औषधि-मिश्रण—कंस० लीवर एक्सट्रैक्ट (Conc. Liver Extract)

विटामिन बी (Vitamin B)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

फेरस आयरन (Ferrous Iron)

कापर (Copper)

मैंगनीज (Manganese)

प्रयोग—रक्तस्वल्पता (Anaemias), गर्भावस्था (Pregnancy) दूध पिलाने के समय (Lactation) आदि में विशेष लाभ करती है।

मात्रा—१ से ३ चम्मच की मात्रा में नित्य २ बार भोजन के पूर्व सेवन करना गुणकारी होता है।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

हिपेबिन कं०
(Hepabin Com.)

औषधि-मिश्रण—लिवर फ्रेक्शन-१ (Liver fraction-1)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

विटामिन बी६ (Vitamin$_6$)

नियासिनामाइड (Niacinamide)

डीयल पैन्थिनॉल (Dl. Panthenol)

विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})
फेरस ग्लूकोनेट (Ferrous Gluconate)
कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium Glycerophosphate)
कोबाल्ट सल्फेट (Cobalt Sulphate)
मैंगनीज साइट्रेट (Manganese Citrate)
कॉपर सोडियम साइट्रेट (Copper Sodium Citrate)

प्रयोग—यह हर प्रकार के रक्ताल्पता रोग में लाभदायक है। यह विटामिन बी कम्प्लेक्स की कमी की पूर्ति करता है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त २ चम्मच की मात्रा में नित्य २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिये बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल, बड़ौदा।

———

हाइपोकल

(Hypocal)

औषधि—यह कैल्शियम हाइपोफास्फाइट (Calcium Hypophosphite) है।

प्रयोग—यह दवा कण्ठमाला (Scrofula), खाँसी, बलगम तथा ठण्ड लगने (Cough & Cold) सुखण्डी (Rickets) आदि रोगों में गुणकारी है। यह भूख को बढ़ाती है, पाचन शक्ति की खराबी को दूर करती है तथा रक्तवर्धक है।

मात्रा—१० बूँद से लेकर ४ ड्राम तक की मात्रा में नित्य दो बार देना चाहिए। उम्र के अनुसार मात्रा में कमी-बेशी की जा सकती है।

निर्माता—ईस्ट इण्डिया आदि अनेक कम्पनियाँ।

———

हेपाजेस्ट
(Hepagest)

औषधि—यह प्रोटियोलाइज्ड लीवर पाउडर (Proteolysed Liver Powder)

प्रयोग—इसका प्रयोग पर्निशस एनीमिया (Pernicious-anaemia) मैक्रोसाइटिक एनीमिया (Macrocytic anaemia), गर्भावस्था की रक्तस्वल्पता (Pregnancy Anaemia) में विशेषकर होता है।

मात्रा—½ से १ चम्मच की मात्रा में अथवा इससे अधिक भी फल के रस अथवा पानी में मिलाकर दिन भर में १ से ३ बार तक देनी चाहिए। दवा की शीशी को हवा में खोलकर न रखना चाहिए। शीशी से दवा निकालने के बाद तुरन्त उसे बन्द करने का ख्याल रखें अन्यथा दवा खराब हो सकती है।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल, बड़ौदा।

हीमोद्राक्षोमाल्ट
(Hemo-Drakshomalt)

औषधि-मिश्रण—

अंगूर का रस (Juice of Grapes)
ग्लिसिरोफास्फेट (Glycerophosphate)
एसिमिलेबुल आयरन (Assimilable Iron)
पेप्सीन (Pepsin)

प्रयोग—भूख की कमी (Loss of appetite), शरीर का क्षय होते जाना तथा कमजोरी (Wasting & Debility), वजन की कमी (Loss of Weight), रक्तस्वल्पता (Anaemia) आदि रोगों में लाभप्रद है। बहुत अधिक समय तक किसी बीमारी के भोगने पश्चात् यदि इसका सेवन किया जाय तो गयी हुई तन्दुरुस्ती पुनः वापस आ जाती है। इसका प्रयोग टी. बी. तक के रोग में मुफीद साबित हुआ है।

मात्रा—१ २ से चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल के साथ दिन में ३ बार सेवन करना चाहिए। यदि भूख बढ़ाने के लिए सेवन करना हो तो भोजन के पहले और यदि टॉनिक रूप में प्रयोग करना हो तो भोजन के पश्चात् सेवन करना लाभदायक है। १ से ६ वर्ष तक के बच्चों को ½ से ½ चम्मच, ६ वर्ष से १२ वर्ष के बच्चों को ½ से १ चम्मच की मात्रा में देना चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल वर्क्स, बड़ौदा।

हाईड्रो-प्रोटीन
(**Hydro-protein**)

औषधि-मिश्रण—

एमीनो एसिड्स (Amino acids)
लोवर पेप्टाइड्स (Lower Peptides)
प्रोटीन (Protein)
ग्लूकोज (Glucose)
एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग—यह भोजन का कार्य सम्पादित करती है। टायफायड, टी. बी, बेसीलरी डिसेण्ट्री, हिपेटाइटिस, लीवर की बीमारी आदि रोगों में इसका प्रयोग लाभप्रद होता है जब कि रोगी खाने की वस्तुएँ त्याग देता है। आपरेशन के पूर्व तथा पश्चात् भी इसका प्रयोग किया जाता है। इसके सेवन से शरीर में कमजोरी नहीं होने पाती। इस दवा की सूई भी आती है जो समयानुसार प्रयोग की जाती है।

मात्रा—लगभग २ से ३ औंस की मात्रा में नित्य शर्बत, फल के रस अथवा जल में मिलाकर सेवन करना उपयुक्त है। किन्तु मात्रा में कमी-बेशी रोगी की स्थिति के अनुसार की जाती है। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि दवा की बोतल अँधेरी तथा ठंढी जगह में रखी जाय।

निर्माता—बंगाल इम्यूमिटी, कलकत्ता

हिपाविट्रोन

[**Hepavitrone**]

औषधि-मिश्रण—

प्रोटियोलाइज्ड लीवर [Proteolysed Liver]

एलिमेण्टल आयरन [Elemental Iron as Ferric Amon-Citrate and Ferrous-Gluconate]

फोलिक एसिड [Folic Acid]

मैंगनीज क्लोराइड [Manganese Chloride]

कॉपर सल्फेट [Copper Sulphate]

प्रयोग—रक्ताल्पता [Anaemia], दुर्बलता रोग मुक्तिकाल [Convalescence], गर्भावस्था आदि में उत्तम टॉनिक है।

मात्रा—२ से ३ चम्मच दिन में दो बार भोजन करने के बाद

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स लि०।

आयरन आर्सेनिक स्ट्रिक्नीन कम्पाउण्ड

[**Iron Arsenic Strychnine Compound**]

औषधि-मिश्रण--

आयरन [Iron]

सोडियम कोकोडाइलेट [Sodium Cocodylate]

सोडियम ग्लिसिरोफॉस्फेट [Sodium Glycerophos]

स्ट्रिक्नीन सल्फेट [Strychnine Sulphate]

कॉपर सल्फेट [Copper Sulphate]

मैंगनीज क्लोराइड [Manganese Chloride]

क्लोरब्युटॉल [Chlorbutol]

प्रयोग—उत्तेजक टॉनिक [Stimulant Tonic] है। सामान्य दुर्ब

लता (General dability) एवं रोगोत्तरकाल (Convalescence) में लाभप्रद है।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज ।

जेक्रिटोन

(Jekriton)

औषधि-मिश्रण--

कंसं॰ लीवर एक्सट्रैक्ट (Conc. Liver Extract)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

प्रयोग—इसका प्रयोग मैक्रोसाइटिक एनीमिया, प्रिगनेन्सी एनीमिया, एवं ट्रापिकल नुट्रीशनल एनीमिया में करते हैं।

मात्रा—भोजन के पूर्व १ चम्मच की मात्रा में दिन में २ बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता— गाल केमिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स, कलकत्ता।

केप्लर मल्टी विटामिन कैप्स्यूल

(Kepler Multivitamin Capsule)

औषधि-मिश्रण--इसमें विटामिन ए, डी, सी, बी, बी२ निकोटिनामाइड (Nicotinamide) आदि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग--सब प्रकार के विटामिन हीनयोगज रोगों में टॉनिक के रूप में प्रयोग करते हैं।

निर्मात्रा— बरोज वेल्कम (Burroughs Wellcome)

केप्लर माल्ट विद शार्क लिवर आयल

(**Kepler Malt with Shark Liver Oil**)

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए, डी के अतिरिक्त शार्क लिवर आयल (Shark Liver oil) तथा माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract) रहता है।

प्रयोग—बच्चों में कमजोरी, गर्भावस्था एवं दुग्धावस्था में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ चम्मच दिन में १–३ बार भोजनोपरान्त।

निर्माता—बरोज वेल्कम (Burroughs Wellcome)

लिवोजेन

(**Livogen**)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी२ (Viiamin B_2)
विटामिन बी६ ($Vitamin_6$)
निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
एक्सट्रैक्ट आफ लीवर (Extract of Liver)
ईस्ट एक्सट्रैक्ट (Yeast Extract)

प्रयोग—यह दवा भूख बढ़ाती है तथा पाकाशय की सम्पूर्ण खराबियों को दूर करती है। नसों में स्फूर्ति पैदा करती है तथा शरीर को बलवान बनाती है। रक्ताल्पता रोग से ग्रसित व्यक्तियों को इसका अवश्य सेवन करना चाहिये, क्योंकि इसके प्रयोग से रेड ब्लड कार्पकब्स की वृद्धि होती है

मात्रा—१ चम्मच से २ चम्मच की मात्रा में, नित्य २ बार सेवन करना उचित है। इसे सोडा वाटर के साथ मिलाकर सेवन करना विशेष लाभप्रद है।

निर्माता—दी ब्रिटिश ड्रग हाउसेस लिमिटेड, लन्दन।

लेसिविन
(Lecivin)

औषधि-मिश्रण--

मालट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)

सिन्कोना एक्सट्रैक्टिव्ज (Cinchona Extractives)

विटामिन्स (Vitamins)

प्रयोग—रक्तस्वल्पता (Anaemia), स्नायुशूल (Neurasthenia), अग्निमान्द्य (Dyspepsia), रतिक्रिया की कमजोरियाँ (Sexual Disabilities), मैलेरियल कैकेक्सिया (Malarial Cachexia) आदि रोगों में लाभ करती है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल एण्ड फार्मेस्युटिकल वर्क्स, कलकत्ता।

लिवोटोन
(Livotone)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम फास्फेट (Sodium Phophate)

सोडियम बेन्जोएट (Sodium Benzoate)

कैस्कैरा ड्राइ एक्स (Cascara Dry Ext.)

बाइल साल्ट्स (Bile Salts)

कालमेघ लि० एक्स० (Kalmegh Liq. Ext.)

ऐस्टेराकेन्था का क्वाथ (Decoction of Astaracantha)

लि० एक्स० आफ ओल्डेनलैण्डिया (Liq. Ext. of olden-iandia)

लि० एक्स आफ कैलेरी (Lq. Ext. of Calery)

कुर्ची अल्कालायड (Alkaloids of Kurchi)

अल्कोहल (Alchol)

प्रयोग— यकृत के विकारों में लाभप्रद है। अरुचि (Anorexia), चिरकारी कोष्ठबद्धता (Chronic Constpation), पित्ताशय के रोग (Diseases of gall bladder), अर्श (Piles) आदि में लाभकारी है।

मात्रा—१-२ चम्मच भर भोजन के बाद।

निर्माता—ई० आई० पी० डब्लु० (E. I. P. W.)

लिव्यूल्स
(Livules)

औषधि-मिश्रण—

प्रोटियोलाइज्ड लीवर पाउडर (Proteolysed Liver Powder)

प्रोटियोलाइज्ड स्टमक पाउडर (Proteolysed Stomach Powder)

फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate)

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

रिबोफ्लेविन (Riboflavin)

पाइरीडाक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)

कैल्शियम पेण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)

नियासिनेमाइड (Niacinamide)

ऐस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

फोलिक एसिड (Folic Acid)

प्रयोग--यह हर प्रकार के रक्तस्वल्पता रोग की उत्तम दवा है। गर्भावस्था, किसी बीमारी के पश्चात् स्वास्थ्य लाभ करने, कमजोरी आदि में भी अच्छा काम करती है।

मात्रा--१ से २ टिकिया की मात्रा में, नित्य २ से तीन बार तक थोड़े से जल के साथ निगल जाना चाहिये। मात्रा बढ़ाई भी जा सकती है।

निर्माता—एलेम्बिक, बड़ौदा।

—o—

लक्सट्रान
(Lextron)

औषधि-मिश्रण—

लीवर स्टमक कन्सेन्ट्रेट (Liver Stomach Concentrate)

आयरन एण्ड एमोनिया (Iron & Ammonium citrates green)

विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})

थाइमिन क्लोराइड (Thiamine Chloride)

रीबोफ्लेविन (Riboflavin)

प्रयोग—हर प्रकार के रक्तस्वल्पता रोग की उत्तम दवा है। इसके सेवन से लीवर का कार्य सुचारु रूप से चलता है।

मात्रा---३ से ६ टिकिया तक नित्य सेवन की जा सकती है। आवश्यकतानुसार १२ टिकिया तक प्रयोग में आ सकती है।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

———

लाइसिनॉल
(Lysinol)

औषधि-मिश्रण—

एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine monohydrochloride)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी६ (Vitamin B_6)
विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})

प्रयोग—शिशुओं की शारीरिक वृद्धि के लिए उत्तम औषधि है।

मात्रा—१०–२० बूँद प्रतिदिन।

निर्माता—अलका फार्मास्युटिकल्स (Alka Pharmaceuticals)

—०—

मेकोसिटाल
(Mechositol)

औषधि-मिश्रण—

डायल मेथीयोनीन (Dl-Meth'onine)
कोलीन (Choline)
इनोसिटाल (Inositol)
विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})
विटामिन ई (Vitamin E)
लीवर फ्रैक्शन्स (Liver Fractions)

प्रयोग—यह लीवर की शिकायतों को दूर करती है तथा शरीर पुष्ट बनाती है।

मात्रा—½ से १ औंस की मात्रा में अथवा १ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य तीन बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—सिपला, लेबोरेटरीज, बम्बई।

--०--

मिनोलैड
(Minolad)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी२ (Vitamin D_2)

एल. लायसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L. Lysine Monohydro-Chloride)

फेरि अमन साइट्रेट (Ferri Amon Citrate)

कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Cal. Glycerophosphate)

सोडियम ,, (Sodi. ,, ,,)

मैंगनीज क्लोराइड (Maganese Chloride)

कॉपर सल्फेट (Copper Sulphate)

कोलीन क्लोराइड (Choline Chloride)

मीथीयोनीन (Methionine N. F.)

प्रयोग--बच्चों के दाँत और हड्डियों के ठीक निर्माण के लिये अच्छा टॉनिक है। विटामिन ए और डी की कमी से होने वाले रोगों (Diseases due to defficiency of Vit. A and D) तथा दुर्बलता में प्रयुक्त होता है।

मात्रा—२ चम्मच दिन में ३ बार तक। बच्चों को कम मात्रा में।

निर्माता--टी० सी० एफ०।

—*—

मल्टीसेब्रिन
(Multicebrin)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन (Thimine Chloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
पाइरीडाक्सीन (Pyridoxine)
पेण्टोथेनिक एसिड (Pantothenic Acid)
निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)
ऐसकार्बिक एसिड (Ascorbic acid)
डिस्टिल्ड टोकोफेराल्स (Distilled Tocoferols)
विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—रक्तस्वल्पता रोग की यह औषधि है। विटामिन की कमी की पूर्ति करता है।

मात्रा—किसी बीमारी के न रहने पर यदि रक्त-वीर्य बढ़ाने के लिये इसका इस्तेमाल करना हो तो १ टिकिया नित्य पर्याप्त है। किन्तु रोग के समय २ से ५ टिकिया तक की मात्रा में देनी चाहिये।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

—*—

मल्टीविटाप्लेक्स फोर्ट
(Multivitaplex Forte)

यह गोली, कैप्स्यूल एवं सिरप, ड्राप तीनों में रूपों मिलती है।

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए, बी$_1$, बी$_2$, बी$_6$, बी$_{12}$, कैल्शियम पेण्टोथिनेट, (Calcium Pantothenate), नियासिनामाइड (Niacinamide), विटामिन सी, डी, टोकोफेरिल एसिटेट (Toco-

pheryl Acetate), फोलिक एसिड (Folic Acid) तथा मिनाडियोन (Menadione) रहता है।

प्रयोग--सामान्य टॉनिक के रूप में समस्त प्रकार के विटामिनहीन योगज रोगों में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में १ बार।

निर्माता—ड्यूमेक्स कम्पनी (Dumex Co.)

—०—

विटामिनेट्स फोर्ट (Vitaminets Forte)

औषधि-मिश्रण--यह १० विटामिन और मिनरल्स (Minerals) का एक संयुक्त योग है।

प्रयोग—मल्टी विटाप्लेक्स के समान है।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—रोश कम्पनी (Roche Co.)

मिन्युल्स (Minules)

औषधि-मिश्रण—इसमें १२ विटामिन्स, खनिज (Minerals) विटामिन ई, बी$_2$ तथा फोलिक एसिड (Folic Acid) है।

प्रयोग— सामान्य टॉनिक के रूप में रक्ताल्पता इत्यादि अवस्थाओं में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार।

निर्माता—जान वेथ (John Wyeth)

मेटाटोन

(Metatone)

औषधि-मिश्रण—इसमें थायमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hcl.), सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट तथा पोटैशियम, कैल्शियम, मेग्नीशियम एवं स्ट्रिकनीन के ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium, Potassium. Calcium, Magnesium & Strychnine Glycerophosphates) रहते हैं।

प्रयोग—यह स्वादिष्ट, भूख बढ़ाने वाला सामान्य उत्तम टॉनिक है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में दो बार भोजनोपरान्त।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस कम्पनी (Park & Davis Co.)

—०—

मेक्साफाल

(Mexafol)

औषधि-मिश्रण—फोलिक एसिड (Folic Acid)
विटामिन डी (Vitamin D)
थाइमिन हाइड्रोक्लोरायड (Thiamine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
पायरीडाक्सीन (Pyridoxine)
एसकार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
कैल्सियम पेण्टोथिनेट (Cal. Pantothenate)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)
टोकोफेराल्स (Tocopherols)

प्रयोग—विटामिन ए, बी कम्प्लेक्स, सी तथा डी की कमी के कारण उत्पन्न रोगों में फायदा करती है। इस प्रकार के रक्तस्वल्पता (Anaemia) रोग की उत्तम दवा है।

मात्रा—शरीर को हमेशा बलवान बनाये रखने के लिए १ टिकिया नित्य सेवन करना चाहिए। रोग के समय २ टिकिया नित्य तीन बार पहले एक सप्ताह तक सेवन करना चाहिए और तत्पश्चात् १ टिकिया काफी समय तक सेवन करना श्रेयस्कर है। आवश्यकतानुसार ६ टिकिया तक नित्य सेवन की जा सकती है।

———

मीनाडेक्स
(Minadex)

औषधि-मिश्रण—

इसमें विटामिन ए, बी, फेरी एट एमोन साइट्रास (Ferri et Ammon Citras), कैल्शियम, पोटैशियम, सोडियम, मैंगनीज, ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium, Potassium, Sodium, Manganese, Glycerophosphates), कापर सल्फेट (Copper Sulphate) का योग है।

प्रयोग—सामान्य टॉनिक के रूप में जीर्ण रोगों के उपरान्त कमजोरी, क्षुधानाश तथा अन्य विटामिन हीन योगज रोगों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में दो बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

———

मैक्राफोलिन आयरन
(Macrafolin Iron)

औषधि-मिश्रण—इसमें फेरस फ्युमरेट (Ferrous Fumerate), विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12}) तथा फोलिक एसिड (Folic Acid) रहता है। सिरप तथा टिकिया के रूप में भी मिलता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग सब प्रकार की रक्ताल्पता विशेषकर लोह की कमी वाली रक्ताल्पता में करते हैं ।

मात्रा—१-२ चम्मच या गोली दिन में ३ बार ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)

टिप्पणी—१ केवल मैक्राफोलिन (Macrafolin) भी मिलता है जिसमें आयरन (लौह) नहीं रहता ।

२. एलेम्बिक (Alembic) का इसी प्रकार का योग फोलिनेट-विद विटामिन बी१२ (Folinate with Vitamin B_{12}) नाम से मिलता है ।

—❋—

मैक्सामिन
(Maxamin)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)
थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavine)
पाइरीडाक्सीन (Pyridoxine)
विटामिन सी (Vitamin C)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)
टोकोफेराल्स (Tocopherols)

प्रयोग—यह दवा भूख को बढ़ाती व शरीर को ताकत पहुँचाती है । यह भोजन का भी कार्य करती है ।

मात्रा—१ कैप्स्यूल १ सप्ताह तक नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए और इसके बाद नित्य १ कैप्स्यूल खानी चाहिये ।

निर्माता—दी एंग्लो फ्रेंच ड्रग कं० लिमिटेड, बम्बई ।

मेलवेरॉन
(Melvaron)

औषधि-मिश्रण—विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)
थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
आयरन एमोनियम साइट्रेट (Iron Ammonium Citrate)
माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)

प्रयोग—यह शरीर को बल प्रदान करनेवाली दवा है । बच्चों तथा बड़ों सबके लिए उपयोगी है ।

मात्रा—बच्चों को १ चम्मच से २ चम्मच की मात्रा में (छोटे चम्मच से) नित्य १ से २ बार तक तथा बड़ों को १ चम्मच से २ चम्मच की मात्रा में (बड़े चम्मच से), नित्य २ से ३ बार तक देना चाहिये ! दवा को दूध, पानी अथवा फल के रस के साथ मिलाकर देना विशेष उपयोगी है ।

निर्माता—लीली, अमेरिका ।

मल्टीवाइट
(Multivite)

औषधि-मिश्रण—विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन सी (Vitamin C)

विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—यह विटामिन की कमी पूर्ति करते हुए शरीर को ताकत पहुँचाती है।

मात्रा—बड़ों को २ से ४ टिकिया तक नित्य तथा बच्चों को १ से २ टिकिया तक देनी चाहिये।

—*—

मल्टी विटामिन टैबलेट्स
(Multi Vitamin Tablets)

औषधि-मिश्रण—विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन सी (Vitamin C)
निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)

प्रयोग—यह विटामिन की कमी की पूर्ति करती है। इसके सेवन से शरीर पुष्ट रहता है।

मात्रा—२ टिकिया नित्य सेवन करना चाहिये।

निर्माता—स्ट्रांग, कार्ब एण्ड कम्पनी, ओकियो।

—*—

मल्टिवाइट एफ० एम०
(Multivite F. M.)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी२ (Vitamin D_2)
विटामिन ई (Vitamin E)

विटामिन बी$_1$ (Vitamin B_1)
रिबोफ्लेविन (Riboflaviue)
निकोटिनामाइड (Nicotinamide)
डी-पैन्थीनॉल (D-Panthenol)
फोलिक एसिड (Folic Acid)
विटामिन बी$_6$ (Vitamin B_6)
विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})
विटामिन सी (Vitamin C)
फेरस फ्यूमरेट (Ferrous Fumarate)
कैल्शियम डाइबेसिक फॉस्फेट (Calcium dibasic phosphate)
कॉपर सल्फेट (Copper Sulphate)
मैंगनीज सल्फेट (Manganese Sulphate)
जिंक सल्फेट (Zinc Sulphate)
पोटैशियम आयोडाइड (Potassium Iodide)
मैग्नीसियम ऑक्साइड (Mangnesium Oxide)

प्रयोग—हीनताजन्य पोषण की विकृति (Nutritional disorders caused by inadequate intake), अरुचि (Anorexia), मिचली (Nausea), वमन (Vomting), भोजन के निषेध (Dietary restrictions), आदि आमाशयान्त्र के रोग (Gastrointestinal diseases) तीव्र ज्वर (Acute specificfever), शस्त्रकर्म के पहिले और बाद (Before and after operations), दुर्बलता की अवस्थाएँ (Debilitated Conditions), रोगों के बाद (Convalescence), सगर्भता (Preguancy) आदि में लाभप्रद है ।

मात्रा—१ कैप्स्यूल प्रतिदिन ।

निर्माता—ग्लैक्सो (Glaxo)

———

मायाडेक कैप्सील्स
(Myadec Kapseals)

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए, डी, बी कम्प्लेक्स सी और ई (Vitamin A. D. B. Complex, C and E) तथा आयोडीन (Iodine), मैंगनीज (Manganese), कोबाल्ट (Cobalt), पोटैशियम (Potassium), मोलिब्डेनम् (Molybdenum), लौह (Iron), ताम्र (Copper), यशद, (Zinc), मैग्निशियम (Magnessium), कैल्शियम धातुयें हैं।

प्रयोग—दुर्बलता, थकान अरुचि, (Loss of appetite), चिड़चिड़ापन (Irritability), वृद्धावस्था, शल्यकर्म के बाद (Post Operative) विटामिनों व धातुओं की कमी (Vitamin mineral defficiency) आदि अवस्थाओं में लाभदायक है।

मात्रा—२ अथवा अधिक कैप्स्यूल प्रतिदिन।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Devis)

—:०:—

माइनेटल
(Mynatal)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी२ (Vitamin D_2)

विटामिन सी (Vitamin C)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

विटामिन बी₆ (Vitamin B_6)
विटामिन बी₁₂ (Vitamin B_{12})
फोलिक एसिड (Folic Acid)
नियासिनामाइड (Niacinamide)
पेण्टोथीनिक एसिड (Pantothenic Acid)
कैल्शियम पेण्टोथीनेट (Calcium Pantothenate)
आयरन (Iron)
कैल्शियम (Calcium)
मैग्नीसियम (Magnesium)
पोटैशियम (Potassium)

प्रयोग--सगर्भता में (Pregnancy) में माता और गर्भ दोनों के लिए लाभप्रद।

मात्रा—१ टिकिया प्रतिदिन भोजन के बाद।

निर्माता--मिटल (Mital)

—*—

मल्टीविटामिन के पेटेण्ट योग

(Proprietary Multivitamin Preparations)

१. एलवाइट (Alvite)—एलेम्बिक (Alembic)। बूंद (Drops) टिकिया (Tablets) और इन्जेक्शन (Injectien)

२. एलवाइट फोर्ट (Alvite Forte)—एलेम्बिक (Alembic), कैप्स्यूल (Capsule)

३. मिटाविन (Mittavin)—बोहरिंगर नॉल (Boehringer-Knoll) कैप्स्यूल (Capsule)।

४. पैलमिन (Palmin)—डोल्फिन लेबोरेटरीज (Dolphin Laboratories)। लौह (Iron), कैल्शियम (Calcium), ग्लूटामिक एसिड (Glutamic acid) एवं लाइसीन (Lysine) युक्त माल्टीविटामिन का शर्बत है।

५. फिलबॉन (Filbon)—लेडर्ली (Lederle)। मल्टीविटामिन (Multivitamins) एवं खनिजों (Minerals) की कैपस्यूल।

६. जीवराल (Gevral)—लेडर्ली (Lederle)। मल्टीविटामिन (Multivitamins) और खनिजों (Minerals) की कैप्स्यूल (Capsule) है।

७. प्रीनेटल कैप्स्यूल (Prenatal Capsules)—लेडर्ली (Lederle)। मल्टीविटामिन (Multivitamins) और खनिजों (Minerals) की कैप्स्यूल है। विशेषतः सगर्भा महिलाओं के प्रयोग के लिए है।

८. वाइ-मैग्ना (Vi-Magna)—लेडर्ली (Ledrle)। बच्चों के लिए बूँद (Drops) तथा बड़े बच्चों और वयस्कों के लिए सिरप (Syrup) तथा कैप्स्यूल (Capsules)। मल्टीविटामिन (Multivitamins) हैं।

९. मिवेट्स (Mivets)—एलेम्बिक (Alembic)। मल्टीविटामिन (Multivitamins) और खनिजों (Minerals) की टिकिया है।

१०. मिवेट्स-जी (Mivets G)—एलेम्बिक (Alembic) मल्टीविटामिन (Multivitamins), खनिजों (Minerals) और हार्मोनों (Hormones) की टिकिया है।

११. पोलिविटोन (Polyvitin)—स्टैण्डर्ड (Standard)। कैप्स्यूल (Capsule)।

१२. पोलिविटिन एम (Polyxitin-M)—स्टैण्डर्ड [Standard] मल्टीविटामिन (Multivitamins) और खनिज (Minerals), टिकिया (Tablet) ।

१३. माइविटेल (Myvitel) मिटलेबोरेटरीज (Mit Laboratories) । नौ आवश्यक विठामिनों का सिरप है मात्रा आधा से १ चम्मच प्रतिदिन बच्चों के लिए । अँबट लेबोरेटरीज (Abbott Lab.)

१४. प्रामिलेट्स (Pramilets) यह विटामिन (Vitamins) और खनिजों (Minerals) की टिकिया है । मात्रा १ टिकिया प्रतिदिन ।

नव-हिपोन
(Nava-Hepon)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट हीपेटिस प्रोटियोलाइज्ड (Extract Hepatis Proteolysed)

विटाम्रिन बी१ (Vitamin B_1)

,, बी२ (,, B_2)

,, बी६ (,, B_6)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic acid)

एक्स्ट्रैक्ट आफ ईस्ट (Extract of yeast)

,, बोन मेरो (Extract of Bone marrow Liq.)

फेरी एट एमोनियम साइट्रेट (Ferri-et-ammonium Citrate)

स्ट्रिकनीन ग्लिसिरोफास्फेट (Strychnine Glycerophosphate)

कोलायडल कापर (Colloidal Copper)

मैंगनीज (Manganese)

प्रयोग—यह रक्तस्वल्पता रोग की महौषधि है। यह लीवर की शिकायतों को दूर करती है तथा शरीर को पुष्ट बनाती है। स्त्रियों को गर्भावस्था में भी दी जाती है।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में थोड़े जल के साथ भोजन के पहले सेवन करना चाहिए।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्यूटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

नियोविटाँन

(Neoviton)

यह शर्बत, कैप्स्यूल दो रूप में उपलब्ध होता है।

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए, कैल्सिफेराल, विटामिन बी$_{१२}$, रिबोफ्लेविन (Riboflavin), निकोटिनामाइड (Nicotinamide), पायरीडाक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hcl.) कैल्शियम पेण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate), विटामिन बी$_{१२}$ विटामिन सी तथा फोलिक एसिड (Folic Acid) एवं d-Alpha Tocopheryl Acetate इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल प्रतिदिन।

प्रयोग—इसका प्रयोग समस्त प्रकार के विटामिन हीनज रोगों में करते हैं।

नियोगेडीन एलिक्जर

(Neogadine Elixir)

औषधि-मिश्रण—इसमें पैप्टोन (Peptone), कैल्शियम फास्फेट

(Calcium Phosphate), फास्फोरिक एसिड (Phosphoric Acid), मैग्नेशियम क्लोराइड (Magenesium chloride), सोडियम मेटावेनेडेट (Sodium Metavenadate), सोडियम आर्सिनेट (Sodium Arsenate) विटामिन ए, कैल्सिफेरॉल (Calciferol), विटामिन बी, सी, एल्कोहल तथा ग्लिसरीन रहता है।

प्रयोग—क्षुधानाश, शरीर क्षय, वजन में कमी, न्यूरेस्थीनिया, टी० बी० इत्यादि में टॉनिक के रूप में देते हैं।

मात्रा—१–२ चम्मच भोजन के बाद दोनों समय।

निर्माता—रेप्टाकोस कम्पनी (Raptakos Co.)

ओरहेप्टल

(**Orheptal**)

औषधि-मिश्रण—

इसमें बी$_1$ बी$_2$—निकोटिनामाइड।

पायरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyrodoxine Hydrochloride)

कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)

फेरि एट एमोनियम साइट्रेट (Ferri et Ammonium Citrate)

मैग्नेशियम क्लोराइड (Magnesium Chloride)

क्यूप्रिक क्लोराइड (Cupric Chloride)

सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)

कैफीन (Caffeine)

क्वीनीन हाइड्रोक्लोराइड (Quinine Hydrochloride)

एल्कोहल (Alcohol)

प्रयोग—सब प्रकार की रक्ताल्पता, कमजोरी, थकान, अवसाद, न्युरेस्थानिया, रक्तवह संस्थानगत विकार, क्षुधानाश, टी० बी० तथा अन्य क्षयजन्य विकारों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ चम्मच भोजन के पूर्व दोनों समय।

निर्माता—ई० मर्क जर्मनी (E. Merck Germany)

न्यूमेरोविट्स कैप्स्यूल

(Nnmerovits)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी२ (Vitamin D_2)
थियामिन मोनोनाइट्रेट (Thamine Mononitrate)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
नियासिनामाइड (Niacinamide)
डीएल पैण्टोथेलिन अल्कोहल (Dl.-Pantothenyl Alcohol)
सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)
फोलिक एसिड (Folic Acid)
एस्कॉर्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

प्रयोग—यह मल्टीविटामिन (Multivitamins) की कैप्स्यूल है तथा विटामिन हीनता को दूर करती है।

मात्रा—१ से ४ कैप्स्यूल प्रतिदिन।

निर्माता—टी० सी० एफ०।

ओसिवाइट
(**Ossivite**)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम (Calcium)

फॉसफोरस (Phosphorus)

सिलिकन (Sillicon)

फ्लूरिन (Flurin)

विटामिन ए, डी (Vit. A. D.)

प्रयोग—गर्भावस्था, दुग्धावस्था, शरीर के विकास के निमित्त, शीतपित्त, रक्तस्राव, Angioneurotic Oedema, एलर्जी तथा अन्य कैल्शियम के हीन योगज रोगों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—जान वेथ कम्पनी (John Wyeth Co.)

———

आँस्टोकैल्शियम
(**Ostocal cium**)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम फास्फेट (Calcium Phosphate)

कैल्शियम सोडियम लैक्टेड

विटामिन डी (Vitamin D.)

प्रयोग--गर्भावस्था (Pregnancy), दुग्धपानावस्था (Lactation), वृद्धि के समय (During rapid growth), परिसरीय रक्तसंवहन की गड़बड़ियाँ (Peripheral circculatory disturbances), शीत-दग्ध (Chiblans), शीतपित्त (Urticaria), एञ्जियोन्यूरॉटिक ईडीमा (Angioneurotic Oedema), रक्तस्राव की प्रवृत्ति (Haemorrhagic Tendencies), उकवत (Ecozema), अर्धावमेदक (Migraine), एलर्जी युक्त अवस्था में लाभकर है।

मात्रा—२–३ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज (Glaxo Laboratories)।

टिप्पणी—१. ऑस्टोकैल्शियम-बी$_{12}$ सिरप (Ostocalcium B_{12} Syrup)—विटामिन बी$_{12}$ युक्त ओस्टोकैल्शियम का सिरप है।

मात्रा—बच्चों को $\frac{1}{2}$ से १ चम्मच दिन में ३ बार। यह एक अच्छा टॉनिक है।

इसी प्रकार का सैण्डोज (Sandoz) का मैकालविट (Macalvit) सिरप है तथा इसका इन्जेक्शन भी आता है।

—o—

पैलडक
(Paladac)

औषधि-मिश्रण—

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी (Vitamin D)

थियामिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

रिबोफ्लेविन (Riboflavin)

पायरिडाक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

सोडियम पेण्टोथिनेट (Sodium Pantothenate)

प्रयोग—यह विटामिनों का टॉनिक है, विशेष रूप से बच्चों के लिये बनाया गया है, परन्तु वृद्धों और युवकों में भी प्रयुक्त हो सकता है।

मात्रा—बच्चों को $\frac{1}{2}$ चम्मच प्रतिदिन बड़ों को आवश्यकतानुसार अधिक।

निर्माता—पार्क डेविस।

फॉसफोमिन
(Phosphomin)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लिसिरोफॉस्फेट (Cal. Glycerophosphate)
सोडियम ,, (Sodium ,,)
पोटैशियम ,, (Pot. ,,)
मैंगनीज ,, (Manganese ,,)
थियामिन मोनोनाइट्रेट (Thiamine Mononitrate)
रिबोफ्लेविन (Riboflavine)
पाइरिडाक्सीन हाइड्रोक्लोर० (Pyridoxine Hydrochlor.)
नियासिनामाइड (Niacinemide)
डी-पैन्थीनाल (D-Panthenol)
सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

प्रयोग—रोगोपरान्त दुर्बलता दूर करता, भूख बढ़ाता, बी कम्प्लेक्स की कमी को दूर करता, पाचन - शक्ति बढ़ाता तथा स्वस्थता की भावना पैदा करता है।

मात्रा—एक बड़ा चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—स्क्विब।

पोलीविटीन
(Polyvitin)

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन ए, विटामिन डी, थियामीन मोनोनाइट्रेट, विटामिन बी$_2$, विटामिन बी$_6$, कैल्शियम पैण्टाथिनेट, निकोटिना-

माइड, विटामिन बी१२, विटामिन सी का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—इसका प्रयोग समस्त विटामिन के हीनयोगज रोगों में करते हैं।

मात्रा—१ से २ कैप्स्यूल प्रतिदिन भोजनोपरान्त।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standrard Pharmaceuticals)

प्लास्ट्यूल्स

(Plastules)

औषधि-मिश्रण—यह प्लेन, लिवर, फोलिक एसिड एवं बी१२, चार रूपों में मिलती है।

प्रयोग—विविध प्रकार की रक्ताल्पता तथा अन्य विटामिनों की कमी से उत्पन्न रोगों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार।

निर्माता—जान वेथ कम्पनी।

अन्य कम्पनियों की रक्तवर्धक कैप्स्यूल :—

१—हीमैट्रीन (Hematrine) सैण्डोज (Sandoz)

२—हीमैटिनक कैप्स्यूल (Haematinic Capsules)—टी० सी० एफ० (T. C. F.)

३—आइबेरॉल (Iberol) अँबट (Abott)

४—आट्रिन कैप्स्यूल (Autrin Capsule) लेडरली (Lederle)

५—नेटाबेक कैप्सील्स (Natabec Kapseal)—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

प्रामिलेट्स

(Pramilets)

औषधि-मिश्रण—यह कैल्शियम (Calcium), आयरन (Iron) और मल्टि विटामिन (Multivitamin) की टिकिया है।

प्रयोग—दुर्बलता (Debility), उल्लाघ (Convalescence) तथा जहाँ अरक्तता (Anaemia) हो और विटामिन (Vitamin) एवं मिनरल्स (Minerals) की आवश्यकता हो वहाँ यह लाभप्रद है।

मात्रा—१ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—एबॉट (Abbott)

प्रोलाइपो
(Prolypo)

औषधि-मिश्रण—

प्रीडाइजेस्टेड प्रोटीन (Predigested Protein)

प्रोटियोलाइज्ड यीस्ट एक्सट्रैक्ट (Proteolised Yeast Extract)

सुक्रोज (Sucrose)

आयल एरेकिस (Oil Arachis)

विटामिन डी$_2$ (Vitamin D_2)

कैल्शियम लैक्टोफास्फेट (Cal. Lactophosphate)

एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine Monohydrochloride)

प्रयोग—शरीर भार (Body weight), विशेषतः रोगोत्तर काल (Convalescence) एवं दुर्बलता में शक्ति बढ़ाने के लिए उत्तम औषधि है।

निषेध—पित्त की पथरी (Biliary track calculi) एवं गैस्ट्रिक रिटेंशन (Gastric retention) में इसका प्रयोग न करें।

मात्रा—१-२ बड़े चम्मच या अधिक प्रतिदिन।

निर्माता—टी० सी० एफ० (T. C. F.)

प्रोटिन्यूल्स
(Protinules)

औषधि-मिश्रण—इसके अन्दर (Predigested Milk Protein),

ब से निकाला कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, डी, बी$_1$, बी$_2$, बी$_6$, बी$_{12}$, नियासिनामाइड (Niacinamide), कैलिशियम पैण्टोथिनेट, इनासिटाल (Inositol), बायोटीन (Biotin) आदि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—प्रोटीन तथा विटामिन बी कम्प्लेक्स की कमी में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—एलेम्बिक कम्पनी (Alembic Co.)।

टिप्पणी—लेडरली कम्पनी (Lederle) का प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट (Protien Hydrolysate) प्रोटीन का उत्तम खाद्य है।

प्रोटिनेक्स
(Protinex)

औषधि-मिश्रण—इसमें प्रोटीन हाड्रोलाइसेट (Protein Hydrolysate) विटामिन ए, सी, डी, टोकोफेरिल एसिटेड (Tocopheryl Acetate), मिनाडिओन (Menadione) बी$_1$ बी$_2$ बी$_6$ बी$_{12}$, नियासिनामाइड (Niacinamide), डीएल-पेन्थेनाल (Dl-panthenol) बायोटिन (Biotin), फोलिक एसिड (Folic Acid), कोलीन बाइटारट्रेट (Choline Bitartrate), इनासिटाल (Inositol), एक्सट्रैक्ट माल्ट, कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium Glycerophophate), फेरस ग्लुकोनेट (Ferrous Gluconate) इत्यादि औषधियाँ हैं।

प्रयोग—प्रोटिम्यूल्स के समान है।

निर्माता—ड्यूमेक्स कम्पनी।

टिप्पणी—प्रोटीन (Protien), लौह (Ferrous Fumarate) कैल्शियम (Calcium) एवं विटामिन बी कम्प्लेक्स युक्त प्रोटीन का टॉनिक प्रोवाइटेक्स (Provtiex) नाम का टी० सी० एफ० (T. C. F.) कम्पनो का है।

प्रोविटा

(**Provita**)

औषधि-मिश्रण—

प्रोटीन(Protein)

विटामिन (Vitamins)

मिनरल(Minerals)

प्रयोग—शक्तिवर्द्धक खाद्य

प्रयोग-विधि—एक भाग प्रोटीन चार भाग आटे में मिलाकर रोटी, पूड़ी आदि बनाकर काम में लावें।

मात्रा—इच्छानुसार।

निर्माता— यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)।

पल्मोकाड

(**Pulmo-Cod**)

औषधि-मिश्रण—पैंक्रियाटिक हाइड्रोलाइसेट आफ काड लिवर आयल लीवर एण्ड स्प्लीन(Pancreatic Hydrolysate of Cod Liver Oil, Liver and Spleen)।

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन डी (Vitamin D)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

फोलिक एसिड (Folic acid)

रिबोफ्लेविन (Riboflavin)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic acid)

विटामिन सी (Vitamin C)

सोडियम हाइपोफॉस (Sodium Hypophos)
पोटास ,, (Potass ,,)
केल्शि ,, (Calci ,,)
फेरी ,, (Ferrri ,,)
क्रियोजोट (Creosote)
गुयेकाल (Guaiacol)
एक्सट्रैक्ट फ्राम वाइल्ड चेरी (Extract From Wild Cherry)
यूकेलिप्टस एण्ड जेन्शियन (Eucalyptus and Gentian)
सूगर, ग्लिसरीन, माल्ट, ऐरोमेटिक्स (Sugar. Glycerin. malt. Aromatics)

प्रयोग--न्यूमोनिया (Pneumonia), वायुनली प्रदाह (Bronchitis) तथा ठण्ड लगने (Cold) के बाद इसका प्रयोग करना चाहिये।

मात्रा—१-२ बड़ा चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—स्टैंडमेड।

—०—

पेरोहेमिन कैप्स्यूल
(Perihemin Capsules)

औषधि-मिश्रण—
फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate Exciccated)
फोलिक ऐसिड (Folic Acid)
विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12})
ऐस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
स्टमक पाउडर (Stomach Powder)
लीवर फ्रैक्शन (Insoluble Liver Faaction)

प्रयोग—यह हर प्रकार के रक्तस्वल्पता रोग (Anaemias) में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से २ कैप्स्यूल की मात्रा में आवश्यकतानुसार।
निर्माता—लेडरली न्यूयार्क।

—*—

प्रोहिपेक्स
(Prohepex)

औषधि-मिश्रण—नाइट्रोजन (Nitrogen)
ऐश (Ash)
कॉपर (Copper)
आयरन (Iron)
फोलिक एसिड (Folic acid)
निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
पैण्टोथिनिक एसिड (Pantothenic Acid)
बायोटिन (Biotin)

प्रयोग—जिस समय आँतों की (भोजन के शोषण तथा पचाने की) क्रिया में गड़बड़ी पड़ जाती है उस समय इसका प्रयोग लाभप्रद है। इसके सेवन से यकृत का कार्य सुचारु रूप से चलता है तथा रक्तस्वल्पता रोग का रोगी अत्यधिक लाभ उठाता है। हर प्रकार की कमजोरी में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ चम्मच ग्रेन्यूल्स की मात्रा में दिन में २ बार सेवन करना चाहिए। इन ग्रेन्यूल्स को थोड़े गर्म पानी में घोलना चाहिए और उसमें थोड़ा नमक और मिर्च मिलाकर इस्तेमाल करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—टी० सी० एफ०, बम्बई।

प्रोटोजेस्ट

(Protogest)

औषधि-मिश्रण—यह प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट (Protein Hydrolysate) है। इसके साथ सम्पूर्ण आवश्यक एमीनी एसिड्स (Amino Acids) भी हैं।

मात्रा—२ से ४ ड्राम तक की मात्रा में थोड़े से गर्म पानी, दूध, तरकारी अथवा फल के रस के साथ, चीनी छोड़कर अथवा बिना छोड़े हुए पीना चाहिए। चिकित्सक की राय से मात्रा में कमी-बेशी की जा सकती है।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्युटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

टिप्पणी—एम० एस० डी० का प्रोकेसीनॉल (Procasenol) प्रोटीन (Protein) एवं कार्बोहाइड्रेट (Carbohydrate) का टॉनिक है।

—*—

रिजुकैल्शियम बी. सी. डी.

(Rejucalcium B. C. D.)

औषधि-मिश्रण—

कैल्शियम ग्लुकोनेट (Calcium Gluconate)
कैल्शियम फॉस्फेट (Calcium Phosphate)
विटामिन बी१ (Vit. B_1)
,, बी२ (Vit. B_2)
,, बी६ (Vit. B_6)
,, डी (Vit. D)
,, सी (Vit. C)
आयरन सल्फेट (Iron Sulphate)
कॉपर सल्फेट (Copper Sulphate)

मैंगनीज सल्फेट (Manganese Sulphate)

प्रयोग—यह रक्तवर्द्धक कैल्शियम एवं विटामिन युक्त टानिक है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—इन्डोफ्रेंच फार्मास्युटिकल कं०।

रुब्राप्लेक्स

(Rubraplex)

औषधि-मिश्रण—यह लौह (Iron), बी कम्प्लेक्स तथा बी$_{१२}$ का उत्तम योग है।

प्रयोग—सामान्य टॉनिक के रूप के विटामिन बी० के हीनयोगज रोग तथा रक्ताल्पता की अवस्था में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

रुब्राटन

(Rubraton)

औषधि-मिश्रण—यह एण्टीएनीमिक फैक्टर के अतिरिक्त बी$_{१२}$ तथा फोलिक एसिड (B_{12} & Folic Acid) का उत्तम एलिक्जर (Elixir) है।

प्रयोग—समस्त प्रकार की रक्ताल्पता में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

टिप्पणी—बच्चों के लिए रुब्राटन पीडियैट्रिक (Rubraton Pediatric) विशेष रूप से मिलती है।

रुटोर्बिन

(Rutorbin)

यह विटामिन सी का उत्तम योग है।

प्रयोग—विटामिन सी की कमी से होनेवाले समस्त रोगों में प्रयोग करते हैं।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

रुब्राफेरेट

(Rubraferate)

औषधि-मिश्रण—यह एण्टीएनीमिक औषधि लौह (Iron) विटामिन बी$_{१२}$ बी$_{६}$ तथा फोलिक एसिड (Folic Acid) का एक संयुक्त रूप है।

प्रयोग—समस्त प्रकार की रक्ताल्पता की यह अमोघ औषधि है।

मात्रा--१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार।

निर्माता--स्क्विब (Squibb)

रुब्राग्रान

(Rubragran)

औषधि-मिश्रण--यह हीमैटीनिक औषधियों (Haematinic Medicines) के योग से बना है।

प्रयोग—रक्ताल्पता (Anaemia) में प्रयुक्त होता है।

मात्रा--१ कैप्स्यूल दिन में ३ बार।

निर्माता--स्क्विब (Squibb)

नोट--रुब्राग्रान एच. पी. (Rubragran H. P.) अधिक लाभकर औषधि है।

रुब्रामिन

(Rubramin)

यह विटामिन बी१२ का योग है

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

सैंगोबियान

(Sangobion)

औषधि-मिश्रण—

इसकी प्रत्येक गोली में फेरस ग्लूकोनेट (Ferrous Gluconate)
कोबाल्ट सल्फेट (Cobalt Sulphate)
मैग्नेशियम सल्फेट (Magnesium Sulphate)
विटामिन सी (Vitamin C)
विटामिन बी१२ (Vitamin B_{12})
फोलिक एसिड (Folic Acid)
सोर्बिटाल (Sorbitol)

प्रयोग—इसका प्रयोग सब प्रकार की रक्ताल्पता विशेषकर लौह की कमी के कारण, मुख्य रूप से गर्भावस्था एवं दुग्धावस्था के समय अर्बुद के कारण उत्पन्न रक्ताल्पता इत्यादि में करते हैं।

मात्रा—२ गोली भोजनोपरन्त दिन में २ बार।

निर्माता—ई० मर्क जर्मनी (E. Merck Germany)

सायोप्लेक्स
(Sioplex)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

रिबोफ्लेवीन (Riboflavine)

विटामिन बी६ (Vitamin B_6)

डी-पेन्थेनॉल d-panthenol)

नियासिनामाइड (Niacinamide)

कोलीन डाइहाइड्रोजन साइट्रेट (Choline Dihydrogen Citrate)

बीटेन डाइहाइड्रोजन साइट्रेट (Betaine Dihydrogen Citrate)

इनॉसिट्रॉल (Inositol)

एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine Monohydrochloride)

प्रयोग—सभी दुर्बलता की अवस्थाओं, सगर्भता (Pregnancy) स्तन्यकाल (Lactation), बच्चों का वृद्धिकाल (Growing periods) आदि में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से ३ चम्मच प्रतिदिन।

निर्माता—एल्बर्ट डेविड (Albert David)

—*—

सुपरनियोकाड
(Super Neo-Cod)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन बी (Vitamn B)

विटामिन सी (Vitamin C)

हाइड्रोलाइज्ड सूगर (Hydrolysed Sugar)

ग्लिसिरीन (Glycerine)

एरोमेट्रिक्स (Aromatics)

प्रयोग—बच्चों, दूध पिलाने वाली माताओं, गर्भावस्था वाली स्त्रियों को इसका प्रयोग नित्य करना चाहिए। सुखण्डी (Rickets), तपेदिक (Tuberculosis), शोथ रोग (Beri-Beri), रक्तस्वल्पता (Anaemia), स्नायुदौर्बल्य (Neurasthenia) आदि में लाभकर है।

मात्रा—४ चम्मच नित्य देना चाहिए। बच्चों को १ से २ चम्मच की मात्रा में।

निर्माता—बंगाल इम्युनिटी लिमिटेड, कलकत्ता।

—•—

सिरप लिवोफेरिन

(Syrup Livo Ferrin)

एक्सट्रैक्टम लीवर (Extractum Liver)

फेरी एट एमोनियम साइट्रेट (Ferri et Ammonium Citrate)

फेरी ग्लिसिरोफास्फेट (Ferri Glycerophasphate)

थायमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

कोलायडल कॉपर (Colloidal Copper)

सुक्रोज (Sucrose)

प्रयोग—यह रक्तस्वल्पता (Anaemia) रोग की अच्छी दवा है।

मात्रा—१ से २ ड्राम की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करनी चाहिये।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्युटिकल लेबो०, कोचीन।

—•—

टैका कम्बेक्स कैप्सोल्स एवं एलिक्जर

(Taka Combex Kapseals And Elixir)

औषधि-मिश्रण—यह टैका डायस्टेज (Takadiastase) विटामिन

बी कम्प्लेक्स (Vitamin B complex), विटामिन सी (Vitamin C) एवं यकृत युक्त कैप्सील है। एलिक्जर में अन्तिम दो चीजें नहीं रहती।

प्रयोग—विटामिन बी की हीनता एवं दुर्बलता में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ कैप्सील या २ चम्मच एलिक्जर दिन में २ या ३ बार भोजन के बाद।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

—*—

टैका-डायस्टेज एण्ड पैप्सिन कं० टैबलेट्स
(Taka-Diastase & Pepsin Compound Tablets)

औषधि-मिश्रण—

टैका डायस्टेज (Takadiastase)

पेप्सिन (Pepsin)

प्रयोग—अपच में लाभकर है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया भोजन के साथ अथवा तुरन्त बाद।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

—*—

थेराग्रान
(Theragran)

औषधि-मिश्रण—यह मल्टी विटामिन (Multi Vitamin) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—समस्त प्रकार के विटामिन हीनयोगज रोगों में टॉनिक के रूप में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल दिन में ३-४ बार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

—*—

थ्रेप्टिन बिस्कुट
(Threptin Biscuits)

औषधि-मिश्रण—इसमें केसीन (Casein), सुकरोज (Sucrose), फैट (Fat), बी१ बी२, निकोटिनामाइड इत्यादि रहते हैं।

प्रयोग—यह प्रोटीन का एक उत्तम योग है, अतः प्रोटीन की कमी वाले रोगी का उत्तम भोज्य पदार्थ है।

मात्रा—१०-१५ बिस्कुट दिन भर में।

निर्माता—रेप्टाकोस (Raptakos)

थेरासेब्रीन
(Theracebrin)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन क्लोराइड (Thiamine Chloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
पाइरीडाक्सीन (Pyridoxine)
पैण्टोथेनिक एसिड (Pantothenic Acid)
निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)
ऐसकार्बिक एसिड (Ascorbic acid)
डिस्टिल्ड टोकोफेराल्स (Distilled Tocopherols)
विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)

प्रयोग—इसके द्वारा विटामिन की कमी की पूर्ति होती है।

मात्रा—नई बिमारी में एक १ जेल्सील (टिकिया) की मात्रा में नित्य दो बार ७ से १० दिन तक सेवन करना चाहिये। तदुपरान्त १ टिकिया नित्य। पुरानी बिमारी में १ टिकिया की मात्रा में नित्य २ बार।

निर्माता—लीली, अमेरिका।

—*—

यूनिहेम$_{12}$ फोर्ट कैप्स्यूल
(Unihem$_{12}$ Forte Capsule)

औषधि-मिश्रण—
फेरस फ्यूमरेट (Ferrous Fumerate)
सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)
फोलिक एसिड (Folic Acid)
थियामीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Riboflavin)
नियासिन (Niacin)
ऐस्कॉर्बिक सिड (Ascorbic Acid)
पाइरीडॉक्सिन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)
पैन्थेनॉल (Panthenol)
क्यूप्रिक साइट्रेट (Cupric Citrate)
जिंक आक्साइड (Zinc Oxide)
मैंगानीज डाइआक्साइड (Maganese Dioxide)
प्रयोग—अरक्तता (Anaemia) में लाभप्रद है।
मात्रा –१-२ कैप्स्यूल प्रतिदिन।
निर्माता—यूनिकेम लेबारेटरीज (Unichem Laboratories)

—o—

यूनि-प्रोटीन ब्रिस्कीज
(Uni-Protein Briskies)

औषधि मिश्रण—
प्रोटीन (Protein)
कैल्शियम (Calcium)
आयरन (Iron)

बी१ (B_1)
बी२ (B_2)
नियासिन (Niacin)
विटा० ए (Vita. A)
विटा० डी (Vita. D)
प्रयोग—ये शक्तिवर्धक बिस्कुट हैं।
निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)

यूनि प्रोटीन
(Uni Protein)

औषधि-मिश्रण—
प्रोटीन्स (Proteins)
पैपेन (Papain)
माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt Extract)
पोटैशियम ग्लिसिरोफास्फेट (Pot. Glycerophosphate)
सोडियम ग्लिसिरोफास (Sodium Glycerophos)
मैग्नीशियम ग्लिसिरोफास (Mag. Glycerophos)
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी२ (Vitamin B_2)
विटामिन बी६ (Vitamin B_6)
नियासिन (Niacin)
कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Cal. Pantothenate)
विटामिन सी (Vitamin C)
विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)
कार्बोहाइड्रेटस (Carbohydrates)

प्रयोग—इसके द्वारा प्रोटीन की कमी की पूर्ति की जाती है।

मात्रा—२ से ४ चम्मच की मात्रा में दिन भर में ३ से ४ बार देना चाहिये।

निर्माता—यूनिकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

वीबीटोन
(Vibiton)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

विटामिन बी६ (Vitamin B_6)

कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)

कोलीन क्लोराइड (Choline Chloride)

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

लिवर एक्सट्रैक्ट (Liver Extract)

एलकोहल (Alcohol)

प्रयोग—यह विटामिन बी कम्प्लेक्स की कमी के कारण उत्पन्न रोगों में लाभ पहुँचाती है। मस्तिष्क विकार (Mental Disorders), लकवा (Paralysis), रक्तस्वल्पता (Anaemia), अग्निमाद्य (Dyspepsia), मधुमेह (Diabetes), अतिसार (Diarrhoea) आदि विकारों में विशेष गुणकारी है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—बङ्गाल केमिकल, कलकत्ता।

बाइबाल सिरप
(Vibol Syrup)

औषधि-मिश्रण--

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (,, B_2)

विटामिन बी६ (,, B_6)

कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)

नियासिनेमाइड (Niacinamide)

पेप्सीन (Pepsin)

डायस्टेस (Diastase)

फेरी एट एमोन साइट्रास (Ferri et Ammon Citras)

कैल्शियम लैक्टेट (Calcium Lactate)

लीवर एक्सट्रैक्ट (Liver Extract)

कापर (Copper)

कोबाल्ट (Cobalt)

मैंगनीज (Manganese)

द्राक्षासव (Drakshasava)

सिरप (Syrup)

प्रयोग--यह विटामिन बी कम्प्लेक्स की कमी के कारण उत्पन्न शिकायतों में लाभप्रद है। इसके द्वारा लिवर का कार्य सुचारु रूप से चलता है। तथा शरीर में रक्त की वृद्धि होती है। स्नायुशूल (Neuralgia), गृध्रसीवात (Sciatica), हे फीवर (Hay fever), बेरी बेरी (Beri-Beri) आदि में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—भोजन के उपरान्त नित्य दोनों समय १ से ३ चम्मच की मात्रा में देना चाहिये। इस दवा की सूई भी आती है।

———

विटापान

(Vitapan)

औषधि-मिश्रण—

विटामिन ए (Vitamin A)

विटामिन बी१ (Vitamin B_1)

विटामिन बी२ (Vitamin B_2)

विटामिन बी६ (Vitamin B_6)

कैल्शियम पैण्टोथिनेट (Calcinm Pantothenate)

विटामिन सी (Vitamin C)

नियासिनेमाइड (Niacinamide)

विटामिन एक्स (Vitamin 'X')

पी. एमिनो-बेन्जोइक एसिड (P. Amino Benzoic Acid)

एक्सीपिएण्ट्स (Excipients)

प्रयोग—यह पूर्ण आवश्यक विटामिन का मेल है। इस टॉनिक से किसी भी विटामिन की कमी के कारण उत्पन्न रोग में लाभ होता है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया मात्रा में नित्य देना चाहिये।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

विटा बी

(Vita B)

औषधि-मिश्रण—

थाइमिन हाइड्रोक्लोर (Thiamine Hydrochlor)

रिबोफ्लेविन (Reboflavin)

पाइरीडाक्सीन (Pyridoxine)

निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)

कैल्शियम पेण्टोथिनेट (Calcium Pantothenate)

सोडियम ग्लिसिरोफास (Sodium Glycerophose)
स्ट्रिकनीन हाइड्रोक्लोर (Strychnine Hydrochlor)
फेरी एट एमोन सायट्रास (Ferri et Ammon Citras)
एलकोहल (Alcohol)

प्रयोग-- बेरी-बेरी (Beri-Beri), पट्ठे की सूजन (Neuritis), स्नायुशूल (Neuralgia), नसों का लकवा (Nerve Paralysis), किसी भी प्रकार का चर्म रोग, कै (Vomiting), रक्ताल्पता (Anaemia) आदि रोगों में प्रयुक्त होती है ।

मात्रा--२ से ४ चम्मच दिन में तीन बार ।

निर्माता--बङ्गाल इम्यूनिटी ।

--*--

वाइग्रॉन
(Vigran)

औषधि-मिश्रण—
विटामिन ए (Vitamin A)
विटामिन डी (Vitamin D)
थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thimine Hydrochloride)
रिबोफ्लेविन (Reboflavin)
पाइरीडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)
नियासिनेमाइड (Niacinamide)
एस्कार्बिक एसिड (Ascorbic Acid)
पेण्टोथिनिक एसिड (Pantothenic Acid)
मात्रा--आवश्यकतानुसार होगी ।
निर्माता—ई० आर० स्क्विब एण्ड सन्स, न्यूयार्क ।

विटा डायस्टेज कं०
(Vita Diastase Co.)

औषधि-मिश्रण—

डायस्टेज (Diastase)

पैपेन (Papain)

पैंक्रियेटिन (Pancreatin)

थियामीन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hcl.)

रीबोफ्लेवीन (Riboflavin)

पाइरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

कैल्शियम पेण्टोथीनेट (Calcium pantothenate)

प्रयोग—अपच (Dyspepsia), आध्मान (Flatulence), मिचली (Nausea), अम्लता (Acidity), कोष्ठबद्धता (Constipation), भोजन के बाद अमाशयोर्ध्व भारीपन (Epigastric distress), अवपोषण (Malnutrition), आदि तथा विटामिन बी कम्प्लेक्स की कमी दूर करता है।

मात्रा—१-२ चाय चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—यू० पी० ड्रग हाउस (प्रा०) लि० U. P. Dug House (P) Ltd.।

वाटरबरीज कम्पाउण्ड
(Waterbury's Compound)

औषधि-मिश्रण—

कॉड लिवर आयल (Cod Liver Oil)

लीवर्स तथा स्प्लीन्स (Livers & Spleens)

माल्ट एक्सट्रैक्ट (Malt extract)

ग्लूकोज (Glucose)
सोडियम हाइपोफॉस्फाइट (Sodium Hypophosphite)
क्रियोजोट (Creosote)
गुएकाल (Guaiacol)
वाइल्ड चेरी (Wild Cherry)
यूकेलिप्टस (Eucalyptus)
वर्बा सेण्ट (Verba Santa)
जेन्शियन (Gentian)
एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग—खाँसी (Cough), सर्दी (Cold), वायुनली प्रदाह (Bronchitis), न्युमोनिया आदि होने के पश्चात् देने से टॉनिक का काम करता है। ज्वर (Fever), गर्मी के दिनों की शिकायतों (Summer Complaints), आन्त्रिक विकारों (Bowel Irregularities) आदि में भी लाभप्रद है। इसके सेवन से गिरा हुआ स्वास्थ्य पुनः संभल जाता है। कभी-कभी तपेदिक तक की खाँसी, कफ में यह अच्छा काम करती है। इसके सेवन से भूख काफी बढ़ जाती है।

मात्रा—१ चम्मच दवा नित्य ४ से ६ बार तक सेवन करनी चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—वाटरबरीज केमिकल कम्पनी।

विनटोन
(Wintone)

औषधि मिश्रण—

प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट (Protein Hydrolysate)
पेप्टोन (Peptone)

एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine Monohydrochloride)

सोडियम ग्लिसिरोफॉस्फेट (Sod. Glycerophosphate)

कैल्सियम ग्लिसिरोफॉस्फेट (Cal. Glycerophosphate)

फेरिक अमोनियम क्लोराइड (Ferric Ammonium Chloride)

थियामिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

रिबोफ्लेविन (Riboflavin)

पायरिडॉक्सीन हाइड्रोक्लोराइड (Pyridoxine Hydrochloride)

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

स्ट्रिक्नीन हाइड्रोक्लोराइड (Strychnine Hydrochloride)

ग्लिसिरीन (Glycerine) आदि ।

प्रयोग—भोजन में प्रोटीन की कमी (Impaired protein intake), मरम्मत (Repairation), शरीर की वृद्धि (Maintenance and development of body), एलर्जी की अवस्थाएँ (Allergi conditions), तन्त्रिकाओं की विकृति (Neurological disorders), सभी अरक्तताएँ (All forms of anaemias), बी कम्प्लेक्स की कमी (B-Complex deficiency), अरुचि (Loss of appetite) ।

मात्रा—२-४ चाय चम्मच दिन में दो बार भोजन के पहिले या बाद ।

निर्माता—यू० पी० ड्रग हाउस (प्रा०) लि० U. P. Drug House (P. Ltd.)

—•—

अध्याय १६

विविध रोगों की औषधिय

इस प्रकरण में शेष सभी प्रकार की औषधियाँ सम्मिलित की गई हैं। इसमें अनेक ऐसी भी औषधियाँ मिलेंगी जो पिछले परिच्छेदोक्त वर्गों के रोगों में भी कार्य करती हैं। कारण कि एक ही औषधि अनेक रोगों पर कार्य कर सकती है। अतः एक ही प्रकार के रोग से बाँध देना अनुचित होगा। पिछले परिच्छेदों में जिन औषधियों का समावेश किया गया है वे विशेष रूप से उन रोगों पर प्रयुक्त होती हैं, परन्तु अन्य रोगों में भी प्रयुक्त हो सकती हैं तथा अनेक ऐसे भी हैं जो केवल उन्हीं रोगों में कार्य करती हैं। उनके गुण वहाँ स्पष्ट लिख दिये गये हैं। तदनुसार उनका प्रयोग करना चाहिए। इस प्रकरण में उल्लिखित अधिकांश औषधियाँ अनेक प्रकरणों में सम्मिलित की जाने योग्य हैं अथवा जिन रोगों की औषधियों का कोई विशिष्ट प्रकरण नहीं लगाया गया है उनमें प्रयोग के योग्य हैं।

एड्रीनेलीन हाइड्रोक्लोराइड
(Adrenaline Hydrochloride)

प्रयोग—हृदय को किसी प्रकार का धक्का पहुँचने, दमा (Asthma), रक्तस्राव (Haemorrhages), हिमाङ्ग अवस्था (Collapse), हृद्पिंड विकार, हे फीवर (Hay Fever) आदि रोगों में मुफीद है।

मात्रा—स्वच्छ जल अथवा ग्लूकोज के साथ ०·१–१ मि० लि० देना चाहिये। रोगी की स्थिति एवं उम्र के अनुसार मात्रा में कमी-बेशी की जा सकती है।

निर्माता—बंगाल इम्यूनिटी आदि अनेक कम्पनियाँ।

एड्रॉयड टैबलेट्स
(Adroyd Tablets)

औषधि—प्रत्येक टिकिया में ५ मि० ग्रा० ऑक्सीमीथोलोन (Oxymetholone) रहता है।

प्रयोग—यह शरीर की चयात्मक क्रिया (Anabolic Activity) को बढ़ाता है। शरीर का भार बढ़ाने की उत्तम औषधि है। प्रोटीन का शरीर में संचय करती तथा उसके नाश को रोकती है। अतः दुर्बल, कम भार वाले तथा जीर्ण रोगों से आरोग्य होने वाले व्यक्तियों में यह दी जाती है। बड़े आपरेशनों के बाद, अस्थिसुषिरता (Osteoporosis), अस्थिभग्न (Fractures,) देर से पुजने वाले घावों, जलने (Burns) आदि की अवस्था में लाभदायक है। वृद्धावस्था तथा बहुत दुर्बल रोगियों में विशिष्ट चिकित्सा के साथ-साथ इसका प्रयोग करने से शीघ्र लाभ होता है। इस औषधि के साथ-साथ प्रोटीन युक्त खाद्यों का अधिक सेवन करना चाहिये।

मात्रा—½ से २ टिकिया तक प्रातः जलपान के साथ प्रतिदिन। बालकों को ½ टिकिया प्रतिदिन। शिशुओं को ¼ टिकिया प्रतिदिन। इस औषधि को लगातार ९० दिन से अधिक सेवन नहीं कराना चाहिये। बालकों को एक बार में ३० दिन से अधिक न दें।

सावधानी—हृदय के रोगों, नेफ्राइटिस (Nephritis) और नेफ्रोसिस में इसका सावधानी से प्रयोग करें। अष्ठीला ग्रन्थि (Prostate) के कार्सिनोमा में इसका प्रयोग न करें।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

टिप्पणी—इन्हीं गुणों के लिये सिबा (Ciba) की डॉयनाबॉल (Dianabol) टिकिया आती है। बड़ों के लिए ५ मि० ग्रा० की तथा बच्चों के लिए १ मि० ग्रा० की टिकिया मिलती है।

—•—

एटोफन

(Atophan)

औषधि-मिश्रण—फिनाइलसिन्कोनाइनिक एसिड (Phenylcinconinic Acid) से तैयार होती है।

मात्रा—नित्य ३ टिकिया ३-४ दिन तक सेवन करना चाहिये। तदुपरान्त ३-४ दिन तक दवा बन्द रखनी चाहिये। उसके बाद पुनः दवा शुरू करनी चाहिये। बिना चिकित्सक की राय के इस दवा का प्रयोग न करें। टिकिया को निगल जाइये या पानी में मिलाकर पी लीजिये। खाली पेट भूलकर भी इसका प्रयोग न करें। यदि भूख में कमी, चक्कर आना, बेचैनी आदि लक्षण प्रतीत होने लगें तो इस दवा को तुरन्त रोक देना उपयुक्त है। किसी प्रकार के चर्म रोग के भी पैदा हो जाने पर इसका प्रयोग नहीं करना चाहिये।

निर्माता—ब्रिटिश शेरिंग लिमिटेड, लन्दन।

—०—

एक्टिडिल

(Actidil)

औषधि—यह ट्राइप्रोलिडोन हाइड्राक्लोराइड (Triprolidone Hydrochloride) की टिकिया है।

प्रयोग—अलर्जी विरोधी (Antiallergic)

मात्रा—१—४ टिकिया प्रतिदिन आवश्यकतानुसार।

निर्माता—बरोज वेलकम।

———

एव्लोसल्फोन

(Avlosulfone)

औषधि—यह डेप्सोन (Dapsone) है।

प्रयोग—कुष्ठ (Leprosy) की औषधि है।

मात्रा—थोड़ी मात्रा से प्रारम्भ कर धीरे-धीरे बढ़ाते हैं।

निर्माता—आई० सी० आई०।

अल्मेरिया

(Almaria)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्टम कालमेघ लि०	(Extractum Kalmegh Liquid)
,, गुलञ्च ,,	(Ext. Gulancha Liq.)
,, बार्बेरिस ,,	(Ext. Barberis Liq.)
,, सिनेरिया ,,	(Ext. Cineria)
,, ऐलसीनोइडिस ,,	(Ext. Alsinoides)
,, दशमूल लि० ,,	(Ext. Dasamool Liq.)
,, चेटिम ,,	(Ext. Chatim Liq.)
,, नीम ,,	(Ext. Neem Liq)
,, एकोनाइट ,,	(Ext. Aconite Liq.)

प्रयोग—यह मलेरिया तथा तद्रूप रोग की उत्तम दवा है।

मात्रा—½ ड्राम से २ ड्राम तक रोग की स्थिति के अनुसार सेवन करना लाभप्रद है। दिन भर में ३ बार पर्याप्त होगा। औषधि को एक औंस स्वच्छ जल के साथ सेवन करना चाहिये। बच्चों के लिए ½ ड्राम तक की खूराक है।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्युटिकल, कोचीन।

—*—

एम्बोड्रिल

(Ambodryl)

औषधि-मिश्रण—यह कैप्स्यूल एवं सिरप दोनों रूपों में आता है। इसमें २५ मिलिग्राम Bromodiphen hydramine Hcl. रहता है।

प्रयोग--एण्टीएलर्जिक औषधि के रूप में शीतपित्त, दाद, त्वक्शोथ, खुजली, नासाशोथ, दमा तथा अन्य एलर्जिक रोगों में प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१ गोली या २ चम्मच दिन में ३-४ बार।

निर्माता—पार्क डेविस (Parke Davis)

एनाबोलेक्स

(Anabolex)

औषधि--यह मीथेनडाईनोन (Methandienone) की १ मिग्रा० और ५ मिग्रा० की टिकिया तथा ड्राप है जिसमें १ मिलि० द्रव में २ मिग्रा० मीथेनडाईनोन तथा एल-लाइसीन मोनोहाइड्रोक्लोराइड (L-Lysine Monohydrochloride) रहते हैं।

प्रयोग--भूख बढ़ाता, शरीर की वृद्धि करता, पेशियों की शक्ति बढ़ाता और कृशता दूर करता है। इसके साथ अधिक प्रोटीन का सेवन करना चाहिए।

मात्रा--बच्चों को १ छोटी टिकिया और बड़ों को १ बड़ी टिकिया प्रतिदिन। शिशुओं को २ से १० बूँद प्रतिदिन।

निर्माता--सिप्ला (Cipla)

एनारिल

(Anaryl)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली डाइफेनिल पाइरेलीन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenyl Pyralline Hydrochloride), ऐस्कार्बिक

एसिड (Ascorbic Acid), डाइबेसिक कैल्शियम फास्फेट (Dibasic Calcium Phosphate) होता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग एण्टी एलर्जिक औषधि के रूप में (Anaphylactic Shock), हे फीवर, शीतपित्त (Urticaria), Serum Sickness, शोथ (Oedema) तथा Vasomotor Rhinitis इत्यादि में करते हैं।

मात्रा—आवश्यकतानुसार दिन में २-३ बार।

एनेक्सा

(Annexa)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम साइक्लामेट (Sodium Cyclamate)

सोडियम सैकरीन (Sodium Saccharin)

प्रयोग—मोटापा (Obesity), मधुमेह (Diabetes) आदि जिन रोगों में चीनी खाने का निषेध है वहाँ पानी, चाय आदि को मीठा करने के लिए इसका प्रयोग किया जा सकता है।

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

एण्टीफ्लू

(Antiflu)

औषधि मिश्रण—

इसमें एस्पिरिन (Aspirin), क्विनीन सल्फेट (Quinine Sulphate) फिनासिटीन (Phenacetin), कैफीन मोनोहाइड्रेट (Caffeine monohydrate) तथा पाइन एवं सिनामन आयल (Pine and Cinnamon oil) रहता है।

प्रयोग—सब प्रकार के दर्द, ज्वर, इन्फ्लुएञ्जा, सर्दी, जुकाम एवं डैंगू फीवर में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१ से २ गोली दिन में तीन बार।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)।

एल्डी वेलीरियन एलिक्जिर
(Aldi Valerian Elixir)

औषधि-मिश्रण--पोटैशियम ब्रोमाइड (Pot. Bromide)
क्लोरल हाइड्रेट (Coloral Hydrate)
टिंचर हायोसियामस (Tr. Hyoscyamus)
एक्सट्रैक्ट वेलीरियन (Extract Valerian)
सिरप (Syrup)
एक्वा (Aqua)
एरोमेटिक्स (Aromatics)

प्रयोग--यह मृगी रोग (Epilepsy), मूर्च्छा (Hysteria), स्नायु सम्बन्धी विकारों (Neurasthenic conditions), गर्भाशय सम्बन्धी बीमारियाँ (Uterine congestions , गर्भावस्था में कै होना (Vomiting of Pregnancy) तथा वृद्धावस्था की शिकायतों का पैदा होना (Climacteric disturbances) आदि में प्रयुक्त होती है।

मात्रा--१ से २ चम्मच दिन में दो बार।

निर्माता--स्टैण्डर्ड मेडिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट, कलकत्ता।

—*—

एल्कासॉल
(Alkasol)

औषधि-मिश्रण—यह डाइ-सोडियम हाइड्रोजन साइट्रेट (Disodium Hydrogen Citrate) से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह रक्तदोषान्तक औषधि है। रक्त की अम्लता दूर कर उसे शीघ्र क्षारीय बनाती है। टाइफाइड, न्यूमोनिया (Pneumonia) तथा शीतला (Small Pox) आदि बीमारियों में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—चिकित्सक के ऊपर निर्भर है।

निर्माता—स्टैडमेड, कलकत्ता।

टिप्पणी—इन्हीं गुणों से युक्त औषधि एल्कासाइट्रॉन (Alkacitrone) Gluconate की और साइट्राल्का (Citralka) P & D की है।

एक्टिसॉल
(Aktisol)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम फिनाईलेजो-डाइअमिनो-पायरीडीन-मिथेन सल्फोनेट (Sodium Phenylazo diamino pyridine-methane sulphonate) तथा सोडियम फिनाइलेजो-एसिटीलेमिनो-हाइड्रोक्सिनेफिथलीन-ट्राइसल्फोनेट (Sodium Phenylazo-acetylamino-hydroxynaphthelene trisulphonate)।

प्रयोग—स्ट्रेप्टोकोक्कस नामक जीवाणुओं से उत्पन्न रोगों में, विसर्प रोग (Erysipelas), प्रसूतिका ज्वर (Puerperal fever), नया व जीर्ण गाँठों का दर्द (Acute and Chronic Arthritis), दूषित आरक्त ज्वर (Septic Scarlet fever), पक्षाघात (Paralysis), सूजाक (Gonorrhoea), बच्चों का रक्तदोष (Pyemia of Chidren), सड़ा घाव (Gangrene), टान्सिल प्रदाह (Tonsillitis), आन्त्र पुच्छ प्रदाह (Appendicitis), न्युमोनिया (Pneumonia), मस्तिष्क का झिल्ली प्रदाह (Meningitis) आदि रोगों में लाभप्रद है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया तक नित्य ३ बार भोजन के उपरान्त। टिकिया गर्म जल अथवा दूध के साथ सेवन करना चाहिए। इस दवा की सूई भी होती है।

निर्माता--सियोनोगी एण्ड कम्पनी लिमिटेड, जापान।

एम्यूरॉल
(Amurol)

औषधि-मिश्रण—

साइक्लामेट सोडियम (Gyclamate Sodium)

सैकरीन सोडियम (Saccharin Sodium)

प्रयोग—मधुमेह एवं अधिक भार वाले रोगियों के लिए है। मीठी है और चीनी के स्थान पर प्रयोग करते हैं।

मात्रा—आवश्यकतानुसार।

निर्माता—एलेम्बिक (Alembic)।

एनापोलॉन
(Anapolon)

औषधि—यह आक्सीमीथोलोन (Oxymetholone) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में ५ मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—यह शरीर को पुष्ट करने की (उपचय–Anabolic) क्रिया बढ़ाने वाली औषधि है। अति कृश दुर्बल व्यक्ति एवं रोग के बाद की दुर्बलता को शीघ्र दूर करती है। अभिघात (Trauma), आपरेशन, (Operations) आदि के बाद देने पर ऊतकों का शीघ्र निर्माण करती है। वृद्धावस्था के अस्थिसुषिरता (Senile Osteoporosis) अथवा रजोनिवृत्ति के (Menopausal) कमर के दर्द को दूर करती है। हड्डी टूटने पर यदि जुड़ न रही हो तो इसके प्रयोग से शीघ्र जुड़ जाती है। इसके प्रयोग के समय प्रोटीन का अधिक सेवन करना चाहिए।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन ४०-५० दिन तक देते हैं। उसके बाद १०-१५ दिन औषधि बन्द कर पुनः दे सकते हैं। महिलाओं को लगातार ४ सप्ताह से अधिक न दें। बच्चों को १ टिकिया प्रतिदिन ३० दिन देकर २५-३० दिन औषधि बन्द रखनी चाहिए।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)

असावन

(Asavan)

औषधि-मिश्रण—

अश्वगन्धा (Aswagandha)

शतावरी (Satavari)

गोखरू (Gokharu)

सोडियम ग्लिसिरोफास्फेट (Sodium Glycerophosphate)

सोडियम फार्मेट (Sodium Formate)

प्रयोग—नसों व मांसपेशियों की कमजोरी (Nervous and Muscular Weakness), बृद्धावस्था की जीर्णता (Decay of old age), अग्निमान्द्य (Dyspepsia), स्नायुओं की कमजोरी (Neurasthenia), अनिद्रा (Insomnia), संभोग शक्ति की कमी या अयोग्यता (Sexual Disabilities) आदि रोगों में यह दवा लाभप्रद है।

मात्रा—आधे से १ औंस तक नित्य दो बार भोजन के पश्चात् सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

एविल

(Avil)

यह एक उत्तम, एण्टीहिस्टामिनिक (Anithistaminic) और एण्टीएलर्जिक (Antiallergic) औषधि है।

औषधि—फेनिरमिन मेलिएट (Pheniramine maleate) की टिकिया है। गुलाबी (Pink) टिकिया में २२·५ मिग्रा० और सफेद टिकिया में ४५ मिग्रा० औषधि रहती है। इन्जेक्शन के लिए ४५ मिग्रा० का २ मिलि० एम्प्यूल आता है।

गुण कर्म एवं प्रयोग—इसका प्रयोग सब प्रकार की तीव्र और जीर्ण एलर्जिक अवस्थाओं में जैसे जुलपित्ती (Urticaria), एक्जिमा (Eczema), प्रुरायटस (Pruritus), फूड एलर्जी (Food Allergy), औषधियों के प्रति असहिष्णुता (Idiocyncracy), प्रतिश्याय (Rhinitis), एलर्जिक नेत्र विकार (Allergic Eye Disease), कीटाणु दंश (Insect Bite) तथा रक्तदान के पूर्व (Prophylaxis before Blood Transfusion) में इसका प्रयोग उत्तम होता है।

मात्रा—युवक में ½–१ गोली २–३ बार दिन में भोजन के बाद।

इन्जेक्शन—½–१ एम्प्यूल मांस में दिन भर में एक या दो बार अथवा ½-एम्प्यूल धीरे-धीरे शिरा द्वारा।

मलहम के रूप में इसको रुग्ण स्थान पर लगाते हैं।

पैकिंग— १–२२·५ और ४५ मिलिग्राम की इसकी गोली १०–१० के पट्टी में १० और १०० पट्टों के डिब्बों और १००० टिकिया की शीशी में आती है।

२—४५ मि० ग्रा० का इसका एम्प्यूल २ सी० सी० का १० और १०० एम्प्यूल के बक्स में आता है।

३—इसका सिरप (Syrup), १०० और ५०० मि० लि० की शीशियों में आता है।

४—इसका मलहम १·५% की शक्ति का १० ग्राम ट्यूब में आता है।

निर्माता—हेक्स्ट फार्मास्युटिकल लिमिटेड, बम्बई।

———

ऐव्लोक्लोर

(**Avlochlor**)

औषधि--यह क्लोरोक्वीन फॉस (Chloroquine Phos) की टिकिया है ।

प्रयोग—मलेरिया ज्वर की उत्तम औषधि है। इसे गर्भिणी स्त्रियों को भी दिया जा सकता है। हिपैटिक अमीबियेसिस (Hepatic Amoebiasis) में भी लाभदायक है ।

मात्रा—प्रथम मात्रा ४ टिकिया । ८ घण्टे बाद २ टिकिया । पुनः १२-१२ घण्टे पर २-२ टिकिया । कुल १०-१२ टिकिया ।

निर्माता—आई० सी० आई० ।

बैनोसाइड

(**Banocide**)

अषधि—Diethylcarbamazine citrate (डाइथिल कार्बमेजीन साइट्रेट) का एक उत्तम योग है ।

प्रयोग--सब प्रकार के फाइलेरिया, केंचुआ, (Round Worm) तथा ट्रापिकल यूसीनोफीलिया (Tropical Eosinophilia) में कार्य करता है ।

मात्रा—रोग के अनुसार निर्धारित करते हैं ।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

बेञ्जोसिन

(**Benzocin**)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में बेञ्जोकेन (Benzocaine) और टायरोथ्राइसिन (Tyrothricin) रहता है ।

प्रयोग—इसका प्रयोग मुख के रोग जैसे जिह्वाशोथ (Glossitis), तुण्डिका शोथ (Tonsillitis), गलशोथ (Pharyngitis), Sore throat तथा सर्दी-जुकाम में करते हैं ।

मात्रा—१ गोली मुख में रखकर दिन में कई बार चूसते हैं।

निर्माता--एलेम्बिक कम्पनी।

बीलेमाइड
(Bilamide)

औषधि—यह निकोटिनिल हाइड्राक्सीमेथिल-एमाइड (Nicotinyl-hydroxymethyl-amide) से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह गाल ब्लाडर (Gall Blabber) की सूजन की उत्तम दवा है।

मात्रा—चिकित्सक के कथनानुसार होनी चाहिये।

निर्माता--सिलांग लिमिटेड, स्विट्जरलैण्ड

बैलार्गल
(Bellargal)

औषधि-मिश्रण—

बेलाफोलीन (Bellafoline)	·१ मि० ग्रा०
एर्गोमेट्रीन टारट्रेट (Ergometrine Tartrate)	·३ मि० ग्रा०
फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)	१० मि० ग्रा०

प्रयोग—बेलार्गल स्वतन्त्र नाड़ी मण्डल की एक उत्तम शामक औषधि है, अतः इसका प्रयोग मेनोपाजल सिण्ड्रोम (Menopausal Syndrome), न्यूरेस्थीनिया (Neurasthenia), अधकपारी (Migraine), बहिर्त्वक शोथ (Dermatosis), स्वतन्त्र नाड़ी मण्डलीय विकार जैसे धड़कन (Palpitation), हाथ पैर का ठंडा होना, रात्रि में पसीना होना, आक्षेप, कँपकँपी इत्यादि में अति उत्तम है।

मात्रा—४ से ६ गोलियाँ दिन भर में और जैसे-जैसे स्थिति में सुधार होता जाय मात्रा क्रमशः कम करते जाना चाहिये।

पैकिंग—२०, १००, २५०, १००० गोली की पैकिंग में मिलता है।

निर्माता—सैण्डोज लि०, स्विटजरलैण्ड।

बेलार्गल रिटार्ड

(Bellargal Retard)

औषधि-मिश्रण—

बिलाफोलिन (Bellafoline)	·२ मि० ग्रा०
एर्गोमेट्रीन टारट्रेट (Ergometrine Tartrate)	·६ मि० ग्रा०
फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)	४० मि० ग्रा०

प्रयोग—इसका मुख्य प्रयोग बेलार्गल प्लेन जहाँ प्रयुक्त होता है उसके अलावा Anxiety Neurosis, Cardiac Neurosis, Peptic ulcer, Nervous Dyspepsia इत्यादि में होता है।

मात्रा—इसकी गोली तीन रंग के मिश्रण की होती है तथा इसकी मात्रा १ गोली सुबह-शाम है।

पैकिंग—२०, १००, ५०० गोली का होता है।

निर्माता—सैण्डोज लि०, स्विटजरलैण्ड।

बेलिण्डान

(Bellindon)

औषधि-मिश्रण—

एट्रोपीन मीथोनाइट्रेट (Atropine Methonitrate)	६० मिग्रा०
स्कोपोलामीन हाइड्रोक्लोराइड (Scopolamine Hcl.)	३० मिग्रा०
हायोसीन हाइड्रोक्लोराइड (Hyoscine Hcl.)	१५ मिग्रा०
फीनोबार्बिटल (Phenobarbital)	२१ मिग्रा०

प्रयोग—कष्टार्तव (Dysmenorrhoea), रजोनिवृत्ति के कष्ट (Menopausal disturbances), हृदय की अनियमित गति (Cardiac irregularities), चिन्ता (Anxiety), अवसाद (Depression), यात्रा रोग (Travel Sickness), बेचैनी (Restlessness), बच्चों का वमन (Vomiting of children) तथा कुकुर खाँसी (Whooping Cough) में लाभ करती है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३-४ बार।

निर्माता—इण्डो फार्मा।

बिनेड्रिल कैप्स्यूल, कैपसील्स एवं सिरप
(Benadryl Capsules, Kapseals and Syrup)

औषधि—यह डाइफेनहाइड्रामीन हाइड्रोक्लोराइड (Diphenhydramine Hydrochloride) की कैप्स्यूल है। कैप्स्यूल में १५ मिग्रा० तथा कैप्सील में ५० मि० ग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—यह हिस्टामीन विरोधी (Antihistaminic) औषधि है। एविल के समान गुणों वाली औषधि है। इसका सिरप (Benadryl Syrup) तथा लगाने के लिए २% क्रीम भी मिलते हैं।

मात्रा—१ कैप्स्यूल या कैप्सील दिन में २ से ४ बार तक।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

बीपैन्थेन
(Bepanthen)

औषधि—यह पेण्टोथिनिक (Pantothenic Acid) से बनाई गयी पैन्थेनॉल (Panthenol) नामक औषधि है।

प्रयोग—श्वास मार्ग के ऊपरी भाग (Upper respiratory tract) का प्रदाह, मुखपाक (Stomatitis), आन्त्रशोथ (Enteritis), एक्रो-

पेरीस्थीसिया (Acroparesthesia), हाथ-पैरों की जलन (Burning feet Syndrome), गर्भाशय ग्रीवा के क्षत (Cervical erosions), चुचुक विदार (Sore fissured nipple), बालों का झड़ना (Loss of hair), ओष्ठ पाक (Herpes labialis), सूर्यदग्ध (Sunburn) आदि में लाभदायक है। इसकी लाजें (Lozonges), घोल (Solution) और इन्जेक्शन मिलते हैं। जहाँ जिसकी आवश्यकता हो उसका प्रयोग करें।

मात्रा--२ से ६ लॉजेन्ज प्रतिदिन चूसें। घोल में कपड़ा भिगोकर टैम्पून रखते, लगाते और मालिश करते हैं।

निर्माता—रोश (Roche)

—*—

बेटनीटॉन

(**Betneton**)

औषधि-मिश्रण--

बीटामीथाजोन (Betamethasone)

क्लोरोफेनिरमीन मेलियेट (Chlorpheniramine Maleate)

प्रयोग-पराग ज्वर (Hay Fever), वासोमोटर नासाशोथ (Vosomotor rhinitis), शीतपित्त (Urticaria), वाहिनीतन्त्रिका शोफ (Vasomotor oedema), भोजन की एलर्जी (Food allergy), औषधि और सीरम की प्रतिक्रियाएँ (Drug and Serum reactions), गुद एवं भग कण्डू (Pruritus ani and vulvae), त्वक्शोथ (Dermatitis), एलर्जी जन्य एक्जीमा (Allergy eczema), कीट दंश (Insect bite) आदि।

मात्रा— १ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता--ग्लैक्सो (Glaxo)

———

बायोसाइट्रान-के
(Biocitron-K)

औषधि-मिश्रण—

डाइ पोटैशियम हाइड्रोजन साइट्रेट (Di-potassium hydrogen Citrate)

गिलसिरीन (Glycerin)

सिरप (Syrup)

एल्कोहल (Alcohol)

प्रयोग—यह रक्त को क्षारीय बनाने वाला (Systemic alkalizer) पोटैशियम (Potassium) का योग है। हाइपोपोटैशीमिया (Hypopotassaemia), अम्लमयता (Acidosis), यूरीमिया (Uraemia), बी० कोलाई का संक्रमण (B. Coli infection), पाइलाइटिस (Pyelitis), पाइलोनेफ्राइटिस (Pyelonephritis), जलोदर (Ascites), (Oedema) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—२ चम्मच दिन में २-३ बार जल मिलाकर।

निर्माता—बायो ड्रग लेबोरेटरीज (Bio Drug Laboratories)

टिप्पणी—इन्हीं गुणों से युक्त डाइपोसाल (Diposol) स्टैडमेड (Stadmed) का मिलता है।

बोरोथाइमोलिन
(Borothymolin)

औषधि-मिश्रण—

सोडियम बाईकार्बोनेट (Sodium Bicarbonate)

सोडियम साइबोरेट (Sodium Siborate)

सोडियम क्लोराइड (Sodium Chloride)

मेन्थाल (Menthol)

थाइमल (Thymol)

कैम्फर (Camphor)
आयल यूकेलिप्टस (Oil Eucalyptus)
,, काजुपुटी (Oil Cajuputi)
ग्लिसिरीन (Glycerin)

प्रयोग—मुंह, नाक अथवा गले से बदबूदार श्वास के आने की यह अच्छी दवा है। यह दवा कुल्ली करने के काम भी आती है। टायफायड ज्वर (Typoid), डिफ्थीरिया (Diphtheria), न्युमोनिया (Pneumonia), टी० बी० (Tuberculosis), पायरिया (Pyorrhoea) आदि रोगों में इस दवा की कुल्ली करना लाभप्रद होता है।

मात्रा—एक भाग दवा ४ भाग गर्म पानी में मिलाकर नाक, मुँह अथवा गले की सफाई के काम में लाना चाहिए। जब इस दवा का प्रयोग ब्रुश के लिए करना हो तो १ भाग दवा १० भाग गर्म पानी में मिलाना चाहिए।

निर्माता—एलेम्बिक लिमिटेड, बड़ौदा।

—०—

कैल्सीब्रोनेट
(Calcibronat)

औषधि-मिश्रण—एक टेबिलस्पून सिरप में Calcium bromido-lactobionate ३ ग्रेन रहता है।

इसी प्रकार १ एम्पूल में जो १० मि० लि० का होता है, ०·६३ ग्रेन कैल्शियम तथा १२७ ग्रेन ब्रोमीन होता है।

प्रयोग—इस औषधि का प्रयोग मुख्यतः नाड़ी विकार जैसे धड़कन, निद्रानाश, घबड़ाहट, आक्षेपावस्था, प्रसवकालीन अतिवमन, कण्डूयुक्त त्वचाशोथ, (Itching Dermatosis), शीतपित्त (Urticaria), कण्डू (Pruritus), एक्जीमा (Eczema), ब्रान्कियल एज्मा (Bronchial Asthma), धनुष्टंकार (Tetanus), मिर्गी (Epilepsy) इत्यादि में होता है।

मात्रा—१ से २ गोली दिन में तीन-चार बार तथा १० मि० लि० का शिरामार्ग से सूचीवेध प्रतिदिन।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, बम्बई।

कैल्सिब्रोनेट विथ विटामिन बी,

(Calcibronat With Vitamin B_1)

औषधि मिश्रण—कैल्शियम ब्रोमाइडो लैक्टोबायोनेट (Calcium Bromido Lactobionate)।

एन्यूरीन हाइड्रोक्लोराइड (Aneurine Hydrochloride)

प्रयोग—अधिक कार्य के कारण उत्पन्न न्यूरोसिस (Neurosis due to over work), न्युराल्जिया (Neuralgia), न्यूरास्थानिया (Neurasthenia), चिड़चिड़ापन (Irritability), अधिक उत्तेजना (Over Excitement), बच्चों की नींद में विघ्न (Sleep disturbances), गर्भवती का न्यूराइटिस (Neuritis assoicated with pregnancy), प्रातःकालीन हृल्लास व वमी (Morning sickness), कण्डू (Pruritus), उकवत (Eczema), न्यूरोडर्मेटोसिस (Neurodermatosis) आदि में लाभकर है।

मात्रा—१ टिकिया या १ बड़ा चम्मच शर्बत दिन में ३ बार।

निर्माता—सैण्डोज (इण्डिया) लिमिटेड।

कैल्सील्यूविन

(Calciluvin)

औषधि-मिश्रण—इसमें २०० मिलीग्राम कैल्शियम लैक्टेट (Calcium Lactate) में २० मिलीग्राम लूविस्टीन (Luvistin) प्रतिगोली में रहती है।

प्रयोग—सब प्रकार की एलर्जिक व्याधि मुख्यतः एलर्जिक त्वक्शोथ (Allergic Dermatosis), ड्रग इरप्शन (Drug Eruption)

ब्रांकियल दमा, कण्डू, कीटदंश, अन्य अवस्थाएँ जहाँ कैल्शियम एवं एण्टीहिस्टामिन्स की आवश्यकता हो प्रयोग करते हैं।

मात्रा--१-२ गोली दिन में २-३ बार।

निर्माता—बोरिंगर नॉल (Boehringer Knoll)

कैमोप्रिमा

(Camoprima)

औषधि-मिश्रण—

अमोडियाक्वीन (Amodiaquine Hydro hloride)

प्राइमाक्वीन (Primaquine Phosphate)

प्रयोग—मलेरिया (Malaria) के जीवाणुओं से शरीर को मुक्त करने तथा ज्वर के आक्रमण से बचाव के लिये प्रयुक्त होती है।

मात्रा—मात्रा रोग की उग्रता तथा रोगी के शरीर भार के अनुसार न्यूनाधिक होती है। रोग प्रतिषेधक के लिये २ टिकिया प्रति सप्ताह या एकान्तर दिन पर। रोग की चिकित्सा के लिये पहिले दिन दो टिकिया फिर एक टिकिया प्रतिदिन २ दिन तक। तदुपरान्त २ टिकिया प्रति सप्ताह ३ सप्ताह तक।

निर्माता--पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

कैमोक्विन

(Camoquin)

औषधि—यह अमोडियाक्वीन हाइड्रोक्लोराइड (Amodiaquine Hydrochloride) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में ·२ ग्राम औषधि रहती है।

प्रयोग—मलेरिया (Malaria) की विशेष औषधि है। जियार्डियेसिस (Giardiasis), अमीबिक यकृत शोथ (Amoebic Hepatitis),

टीनियेसिस (Taeniasis) एवं डिस्काइड ल्यूपस इरिथिमेटोसस (Discoid Lupus erythematosus) में भी लाभकर है।

मात्रा—२–३ टिकिया एक बार लेने से ही मलेरिया शान्त हो जाता है। ५ से १५ वर्ष की अवस्था तक १–२ टिकिया और ५ वर्ष से छोटे बच्चों को आधी टिकिया देते हैं।

मलेरिया का आक्रमण न होने देने के लिये उपयुक्त मात्रा प्रति दो सप्ताह में ले लेनी चाहिये।

जियार्डियेसिस में भी उपर्युक्त मात्रा देते हैं। अमीबिक यकृत शोथ में १ टिकिया दिन में ३ बार दस दिन तक देते हैं। आवश्यकतानुसार १० दिन के अन्तर पर पुनः दे सकते हैं।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke and Davis)

कैल्शियम सैण्डोज
(Calcium Sandoz)

औषधि—यह कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate) की टिकिया (Tablets), ग्रैन्यूल (Granules) और शर्बत (Syrup) है।

प्रयोग—शरीर में कैल्शियम की कमी पूरा करती है। रक्तस्राव की प्रवृत्ति, सूखा रोग (Rickets), अस्थिमृदुता (Osteomalacia), अस्थि सुषिरता (Osteoporosis), रक्तवमन (Haematemesis), रक्तष्ठीवन-(Haemoptysis), रक्तमेह (Haematuria), एलर्जी (Allergy) त्वचा के रोग (Skin Diseases), राजयक्ष्मा (Pulmonary Tuberculosis), स्पाज्मोफिलिया (Spasmophilia), टिटैनी (Tetany), दुर्बलता (Debility), स्रावी प्रकृति के रोग (Exudative Diathesis) आदि में लाभ करती है।

मात्रा—१–२ टिकिया, बड़ा चम्मच द्रव या ग्रैन्यूल दिन में २ बार दें।

निर्माता—सैण्डोज लिमिटेड (Sandoz Ltd.) ।

टिप्पणी—इसकी इन्जेक्शन के लिए एम्प्यूल भी आती है ।

कार्बाकॉल
(Carbacol)

औषधि-मिश्रण—यह एक ऐसी औषधि है जिसका गुण, कर्म एसिटिल कोलीन (Acetyl Choline) के समान है ।

प्रयोग—इण्टेस्टाइनल एटोनी, पेट में वायु (Distension), पैरालिटीक इलियस [Paralytic Ileus], तीव्र कोष्ठबद्धता, अति रक्तदाब, प्रवेगी तीव्र हृदयगति [Paroxysmal tachycardia], Raynaud's Disease, Thromboangiits obliterans, Intermittent Claudication, जीर्णव्रण तथा मधुमेह जन्य ग्रैंग्रीन में प्रयोग करते हैं ।

मात्रा—१-२ गोली दिन में १-२ बार आवश्यकतानुसार ।

निर्माता—बरोज वेलकम [Burroughs Wellcome]

—o—

साइट्राल्का लिक्विड
(Citralka Liquid)

औषधि-मिश्रण—इसमें डाइसोडियम हाइड्रोजन साइट्रेट [Disodium Hydrogen Citrate] रहता है ।

प्रयोग—इसका प्रयोग मूत्र को क्षारीय प्रतिक्रिया करने के लिए पायलायटिस [Pyelitis], मूत्राशय शोथ, मूत्रनलिका शोथ [Urethritis] इत्यादि अवस्थाओं में करते हैं ।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में ३-४ बार ।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke & Davis)

साइट्रासॉल
(Citrasol)

औषधि—यह डाइसोडियम हाइड्रोजन साइट्रेट (Di-Sodium Hydrogen Citrate) का सिरप है।

प्रयोग—रक्त की अम्लता को दूर करने में प्रयुक्त होता है। मूत्रलता (Diuresis) तथा पसीना लाने (Diphoresis) के लिए प्रयोग करते हैं जिससे विषाक्तता दूर हो जाय। अतः अनेक ज्वरों में प्रयुक्त होता है।

मात्रा—१-२ चम्मच दिन में तीन-चार बार।

निर्माता—बंगाल केमिकल (Bengal Chemical)

क्रायोजेनिन
(Cryogenine)

औषधि-मिश्रण—यह मेटाबेंजामिडो सेमी कार्बोजाइड (Metabenzamido Semi-Carbazide) से तैयार की गई है।

प्रयोग—इसका प्रयोग टी० बी० (Tuberculosis) तथा टायफायड (Typhoid) ज्वरों में किया जाता है। बहुव्यापक सर्दी (Influenza), गठियावात (Rheumatism), प्लुरिसी (Pleurisy), शीतला (Small-pox) के भी ज्वरों में लाभदायक साबित होती है। बुखार के अतिरिक्त यह दांतो के दर्द (Dental Pain), मुख के स्नायुशूल (Facial Neuralgia), गठिया के दर्द (Rheumatic pain) में भी लाभप्रद है।

मात्रा—पूरी उम्र वालों को १२ से १६ ग्रेन नित्य देना चाहिए। ५ से १५ वर्ष के बच्चों को ६ से १० ग्रेन नित्य तथा ४ से ६ वर्ष के बच्चों को ४ से ६ ग्रेन तक नित्य सेवन करना लाभप्रद है।

निर्माता—ऐंग्लो फ्रेंच ड्रग लिमिटेड, बम्बई।

डैप्सोन

(Dapsone)

औषधि-मिश्रण—यह 4 : 4—Diamino diphenyl Sulphone की टिकिया है।

प्रयोग—यह कुष्ठ (Leprosy) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—रोग की उग्रता एवं रोगी की अवस्था के अनुसार मात्रा निर्धारित करके देते हैं।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)

डेसाइट्रॉन

(Decitron)

औषधि—यह डाइसोडियम हाइड्रोजन साइट्रेट (Disodium Hydrogen Citrate) का घोल है।

प्रयोग—रक्त की क्षारीयता बढ़ाने के लिए इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—१-२ चाय चम्मच भर जल में मिलाकर दिन में ३ बार। बच्चों को आयु के अनुसार कम मात्रा में दें।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

डेल्फिकॉल

(Delphicol)

औषधि-मिश्रण—

ट्राइकोलीन साइट्रेट (Tricholine Citrate)

एसिटिल डीएल-मीथियोनीन (Acetyl dl-Methionine)

इनॉसिटॉल (Inositol)

सायनोकोबालामिन (Cyanocobalamin)

सुगन्धित सिरप [Flavoured syrup]

प्रयोग--यकृत के विकारों, विशेषकर सिरोसिस (Cirrhosis of the liver] में लाभदायक है।

मात्रा--१ चम्मच दिन में ३ बार।

सावधानी—इसकी अधिक मात्रा से कीटोसीस [Ketosis-रक्त में कीटोन पदार्थों की अधिकता] हो सकती है। कभी-कभी अलर्जीसम प्रतिक्रिया हो सकती है।

औषधि की आयु—[Expiration Date]—निर्माण के २ वर्ष बाद तक औषधि सक्षम रहती है।

निर्माता--लेडरली [Lederle]

टिप्पण—यूनिकेम लेबोरेटरीज [Unichem Laboratories] का यूनिवाइट कम कोलीन (Uni Vite Cum Choline] इसी प्रकार का मिलता है।

—o—

सल्फेट्रोन
(Sulphetrone)

औषधि-मिश्रण—यह 4 : 4—Diamino-diphenyl sulphone का घुलनशील योग है। टिकिया, ग्रेन्यूल [Granules] और इन्जेक्शन के रूप में मिलता है।

निर्माता--बरोज वेलकम [Burroughs Wellcome]

डेराप्रिम
(Daraprim)

औषधि-मिश्रण—इसमें पाइरीमीथेमीन [Pyrimethamine] २५ मि० ग्रा० रहता है।

प्रयोग—इसका सब प्रकार की मलेरिया की अवस्था में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—बरोज वेलकम [Burroughs Wellcome)

टिप्पणी—डैराप्रिम कम्पाउण्ड [Daraprim Compound] नाम से यह क्विनीन युक्त टिकिया मिलती है।

— o —

डेक्वाडिन

(Dequadin)

यह गोली और पेण्ट दोनों रूपों में आता है।

औषधि-मिश्रण—डीक्वालीनियम क्लोराइड [Dequallinium Chloride] रहता है।

प्रयोग—मुख, जिह्वा, गले, टांसिल, गुदा आदि के पाक में लाभदायक है।

मात्रा—१ गोली २-४ घण्टे पर चूसें अथवा पेण्ट लगाएँ।

निर्माता—ग्लैक्सो लेबोरेटरीज [Glaxo Laboratories]

टिप्पणी—योनि में प्रयोग करने के लिए पेसरी [Pessaries] तथा घावों आदि की पट्टी के लिए डेक्वाडिन टुल्ली [Dequadin Tulle] का प्रयोग करते हैं।

———

डर्माक्रोम

(Dermachrome)

औषधि मिश्रण—यह पैरा एमीनो बेन्जोइक एसिड [Para amino benzoid acid)

प्रयोग—हर कुष्ठ रोग में लाभदायक है। टायफस ज्वर [Typhus Fever] में यदि ऊँची मात्रा में प्रयोग किया जाय तो लाभ हो सकता है।

मात्रा—चिकित्सक के ऊपर निर्भर है।

निर्माता—यूनीकेम लेबोरेटरीज, बम्बई।

डाइबिस्टिन
(Dibistin)

औषधि-मिश्रण—यह एण्टिस्टीन (Antistine) और पाइरीबेन्जामीन (Pyribenzamine) का उत्तम योग है।

प्रयोग—जिन रोगों में Antistine या अन्य औषधियाँ न काम करें इससे लाभ होता है।

मात्रा—१-२ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—सीबा कम्पनी (Ciba Co.)

डीहाईडरगोट
(Dihydergot)

औषधि—इसकी १ गोली में १ मि० ग्रा० Dihydroergotamine तथा एम्प्यूल में भी इसी मात्रा में औषधि विद्यमान रहती है।

प्रयोग—अधकपारी (Migraine), शिरःशूल (Headache), हर्पीज जोस्टर (Herpes Zoster), मूत्रावरोध (Retention of urine) कनफेर (Mumps) इत्यादि रोगों में इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार है।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, बम्बई।

डिलिगन
(Diligan)

औषधि-मिश्रण—

निकोटिनिक एसिड (Nicotinic Acid)

मीक्लोजीन हाइड्रोक्लोर० (Meclozin Hcl.)

हाइड्रॉक्सिजीन हाइड्रोक्लोर (Hydroxyzine Hcl.)

प्रयोग—चक्कर (Vertigo) में लाभदायक है।

मात्रा—½ से १ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—यूनि-यू. सी. बी. (Uni-U. C. B.)

एलडोपा
(Eldopa)

औषधि—यह एल-डाइहाइड्रॉक्सी-फेनिलालानीन (L-Dihydroxy-phenilalanine) ५०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—पार्किनसन के रोग और संलक्षण (Parkinson's disease or Syndrome) में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—प्रारम्भ में १ से २ टिकिया प्रतिदिन। प्रभाव देखते हुए १/४ से १½ टिकिया तक प्रति २-३ दिन में बढ़ाना चाहिए। अधिकतम मात्रा ४ से ६ ग्राम (८ से १२ टिकिया) प्रतिदिन है।

सावधानी—इसका प्रयोग ठीक-ठीक निदान होने के बाद ही करना चाहिए। इसके इतने अधिक अनुषंगिक प्रभाव है कि विशेषज्ञों द्वारा ही इसका प्रयोग किया जा सकता है।

निर्माता—बिडिल सवेयर प्राइवेट लि० (Biddle Sawyer Private Ltd.)

पैक्सम
(Paxum)

औषधि—यह डियाजीपाम (Diazepam) ५ मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—प्रशान्तक (Tranquilliser) है।

मात्रा—१ से ६ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—ई० आइ० पी० डब्लु (E. I. P. W.)

एलिक्जर सलाब कम्पाउण्ड

(Elixir Salab Compound)

औषधि-मिश्रण—

आर्किस मैसक्यूला (Orchis Mascula)
एविना सेटाइवा (Avena Sativa)
विथानिया सोम्नीफेरा (Withania Somnifera)
इपोमिया डेजिटाटा (Ipomea Degitata)
कर्क्यूलिगो आर्किआयड्स (Curculigo Orchioids)
कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट (Calcium Glycerophosphate)
सोडियम ,, (Sodium ,,)
आयरन ,, (Iron ,,)
स्ट्रिकनीन ,, (Strychnine ,,)
मैग्नीशियम ,, (Magnesium ,,)
गोल्ड कोलायड (Gold Colloidal)
विटामिन सी (Vitamin C)
विटामिन डी (Vitamin D)
सिरप सिम्प्लेक्स (Syrup Simplex)

प्रयोग—स्नायुमण्डल की कमजोरियों में उपयुक्त औषधि है। किसी भी रोग से मुक्त होने के पश्चात् यदि रोगी को इसका उपयोग कराया जाय तो निःसन्देह उसका स्वास्थ्य बदल जायगा। विशेष विषय वासना में लिप्त रहने के कारण यदि कोई पुरुष प्रसंग के लायक न रह गया हो अर्थात् उसे नामर्दी (Impotence) हो गयी हो तो इसके सेवन से अवश्य लाभ होगा।

मात्रा—भोजन के उपरान्त नित्य ३ बार १ से २ ड्राम की मात्रा में

सेवन करना चाहिये। बच्चों को उम्र के अनुसार मात्रा की व्यवस्था करनी चाहिये।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्यूटिकल लेबोरेटरीज, कोचीन।

एलिक्जर ट्रिफेरॉल कंसंट्रेट
(Elixir Triferrol Conc.)

औषधि-मिश्रण—

फेरी सल्फास (Ferri Sulphas)

कापर कोलॉयडल (Copper colloidal)

टर्मिनेलिया छिबुला (Terminalia Chibula)

टर्मिनेलिया बेलोरिका (Terminalia Belorica)

एम्बिलका आफिसिनेलिस (Emblica Officinalis)

सिरप सिम्प्लेक्स (Syrup Simplex)

प्रयोग—यह रक्तस्वल्पता रोग की अवस्था (Secondary anaemia) की अच्छी दवा है। इसके सेवन से कब्जियत दूर होती है, भूख बढ़ती है और वजन में भी वृद्धि होती है। हृदय की धड़कन में मदद मिलती है।

मात्रा—½ से २ ड्राम की मात्रा में भोजन के उपरान्त नित्य २ बार बड़ों को सेवन करना चाहिए तथा बच्चों को १० से ३० मिनिम की मात्रा में उम्र के अनुसार देना चाहिए।

निर्माता—नवरत्न फार्मेस्यूटिकल, कोचीन।

इल्ट्राक्सिन
(Eltroxin)

औषधि-मिश्रण—इसमें एल-थायरोक्सीन सोडियम (L-Thyroxine Sodium) नामक औषधि रहती है।

प्रयोग—इसका प्रयोग थायरायड की कमी वाले रोग जैसे मिक्सीडीमा (Myxoedema), क्रिटिनिजम (Critinism) तथा विशेष प्रकार की स्थूलता में करते हैं।

मात्रा—½–१ गोली दिन में १ या २ बार।

निर्माता—ग्लैक्सो (Glaxo)

इमिडॉक्सिन
(Emidoxin)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरफेनिरमीन मेलीयेट (Chlorphenaramine Maleate)

प्रोक्लोरपीराजीन (Prochlorperazine)

विटामिन बी१ (Viamin B_1)

विटामिन बी६ (Vitamin B_6)

प्रयोग—प्रत्येक प्रकार के वमन (Vomiting) में लाभदायक है।

मात्रा—१ से ४ टिकिया तक आवश्यकतानुसार।

निर्माता—टी० सी० एफ० (T. C F.)

एस्टोमॉल्ट
(Estomalt)

औषधि-मिश्रण—क्विनाइन (Quinine)

आयरन (Iron)

नक्सवामिका (Nux Vomica)

लिक्वड माल्ट (Liquid Malt) आदि।

प्रयोग—रक्तस्वल्पता (Anaemia), अजीर्ण अथवा अग्नि मान्द्य (Dyspepsia), पुराना मलेरिया ज्वर (Chronic Malaria), मलेरियल कैकेक्सिया (Malarial Cachexia) तथा स्नायुओं की कमजोरी (Neurasthenia) आदि रोगों में लाभ करता है।

मात्रा—भोजन के ठीक पहले अथवा बाद में २ ड्राम की मात्रा में नित्य दो बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल्स, कलकत्ता।

एण्टोरल

(**Entoral**)

औषधि-मिश्रण—

यह मरे हुए न्यूमोकोक्काई [Pneumococci], स्ट्रेप्टोकोक्काई [Streptococci], एच० इन्फ्लुएञ्जा [H. Influenzae], एम० केटारहिस [M. Catarrhalis] आदि के मेल से तैयार की गई औषधि है।

प्रयोग—यह बैक्टिरिया शत्रु पर विजय करने वाली दवा है।

मात्रा—यह पल्व्यूल नित्य खाली पेट एक घूँट पानी के साथ सेवन करना चाहिए। इस प्रकार नाश्ता के ½ से १ घण्टे पहले नित्य एक सप्ताह तक क्रम रखना चाहिए। तदुपरान्त १ पल्व्यूल की मात्रा में सप्ताह में दो बार मौसम भर खाना चाहिए। यह उस मौसम के लिए उपयोगी है जब कि ठण्ढ लग जाना साधारण-सी बात हो।

निर्माता—लिली, अमेरिका।

--*--

फीलामीन

(**Felamine**)

औषधि-मिश्रण—फोलिक एसिड [Folic Acid]

हेक्सामीन [Hexamine]

प्रयोग—यह औषधि यकृत् से बाइल को निकालने में अधिक सहायता होती है। अतः इसका प्रयोग Cholicystitis, कोलेंजाइटिस [Cholangitis], कामला [Jaundice] में किया जाता है।

मात्रा—१ से २ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—सैण्डोज कं०, स्विटजरलैंड।

—*—

फोरिस्टल लानटैब्स
(Foristal Lontabs)

औषधि—यह डाइमीथिण्डीन मेलियेट [imethindine Maleate] की ऐसी टिकिया है जिसका लम्बे समय तक प्रभाव रहता है।

प्रयोग—जहाँ प्रतिहिस्टामीन [Antihistamine] की आवश्यकता हो उन सभी रोगों में इसका प्रयोग किया जा सकता है। अर्थात् यह अलर्जी विरोधी औषधि है।

मात्रा—इसे १२ वर्ष से बड़े बच्चों में व्यवहार करना चाहिए। प्रातः सायं १-१ टिकिया पर्याप्त है। टिकिया तोड़कर देने से लम्बे समय तक कार्य करने का गुण समाप्त हो जाता है।

निर्माता—सिबा [Ciba]

———

जीरोबियोन तथा हार्मो जीरोबियान
(Gerobion & Hormo-Gerobion)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में विटामिन ए, बी$_1$, बी$_2$, बी$_3$, विटामिन सी, डी$_3$, ई तथा पी, कोलीन बाइटारेट [Choline bitartrate], ईनोसिटाल [Inositol], हार्मोजीरोबियोन में मिथिल टेस्टोस्टेरोन [Methyl testosterone] इथिनिल एस्ट्राडियाल [Ethinyl-oestradiol], ट्रायोडोथाइरोनीन [Triodo thyronine] भी होती है।

प्रयोग एवं-मात्रा—जीरोनिल [Geronyl] के समान है।

निर्माता—ई० मर्क जर्मनी [E. Merck Germany)

———

जीरिआटोन

(Geriatone)

औषधि-मिश्रण—यह ईस्ट्रोजेन [Oestrogen], एण्ड्रोजेन [Androgen] का एक संयुक्त योग है।

प्रयोग एवं मात्रा—जीरोबियोम [Gerobione] के अनुसार है।

निर्माता—जान वेथ एण्ड कम्पनी [John Wyeth & Co.]

———

जीरोनिल

(Geronyl)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में मिथिल एंड्रोस्टेनोलोन [Methyl Androstanolone], मिथिल टैस्टोस्टेरोन [Methyltestosterone], इथिनिल एस्ट्रेडियाल [Ethinyl Estradiol], विटामिन बी$_2$ विटामिन बी$_{12}$ ग्लुटैमिक एसिड [Glutamic acid], मिथएम्फेटैमिन हाइड्रोक्लोराइड [Methamphetamine Hcl.] रहता है।

प्रयोग–वृद्धावस्था एवं उसके पूर्व की अवस्था के अवस्था के विकार [Senile and Presenile Conditions], Male and Female Climacteric, कमजोरी के रोग [dibilitaing Diseases] तथा अस्थिक्षय [Osteoporosis] में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—½–१ गोली सुबह-शाम भोजन के पूर्व।

———

ग्लूकोडीन

(Glucodin)

औषधि-मिश्रण—

मेडिसिनल ग्लूकोज [Medicinal Glucose]

कैल्शियम ग्लिसिरोफास्फेट [Calcium Glycerophosphate]

विटामिन डी [Vtamin D]

प्रयोग--यह दवा खून की खराबी [Toxaemia], जी मिचलाना [Nausea], भूख की कमी [Anorexia], ज्वर संक्रान्त स्थितियों [Febrile Conditions], वृक्कों का प्रदाह [Nephritis], आदि रोगों में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—२ से ४ चम्मच की मात्रा में भोजन के बाद जल के साथ सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—•—

ग्राइसोविन–एफ पी

[Grisovin F. P.]

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में १२५ मिग्रा० ग्राइसीयोफल्विन [Griseofulvin] रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग त्वचागत सब प्रकार के फंगन उपसर्ग में करते हैं, जैसे—त्वचा, नाखून तथा सिर की त्वचा इत्यादि।

मात्रा—४ गोली दिन भर में मुख द्वारा सेवन करें।

निर्माता—ग्लैक्सो [Glaxo]।

फुल्सिन एफ० पी०

[Fulcin F. P.]

इसका भी प्रयोग और मात्रा ग्राइसोविन [Grisovin] के समान है।

निर्माता—आई० सी० आई० [I. C. I.]।

———

गायनर्जेन

[Gynergen]

औषधि-मिश्रण—गोलियों में, एर्गोमेट्रीन टारट्रेट [Ergometrine

Tartrate]—१ मि० ग्रा० टिकिया में और १ मि० लि० के एम्पुल में ५ मिलिग्राम एर्गोमेट्रीन टार्ट्रेट रहता है ।

प्रयोग—मस्तिष्कगत रक्तवाहिनियों को प्रसारित कराकर अधकपारी [Migraine] में अद्भुत लाभ दिखाती है। इसके अलावा हर्पीज जोस्टर [Herpes zoster], पोस्ट पार्टम हेमोरेज [Postpartum Haemorrhage], मासिक विकार, गर्भस्राव इत्यादि अवस्थाओं में अशातीत लाभ दिखलाता है ।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार ।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैण्ड ।

— ० —

हिपाकोलीन
[Hepacholine]

औषधि-मिश्रण—इसमें विटामिन बी$_{12}$ फोलिक एसिड कोलीन डाइहाइड्रोजन साइट्रेट, इनासिटाल इत्यादि औषधियाँ रहती हैं।

प्रयोग—इसका प्रयोग यकृत् विकार, स्थूलता, Alcoholism तथा मधुमेह में करते हैं।

मात्रा—२ से ३ चम्मच दिन में दो बार भोजनोपरान्त ।

निर्माता—स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स [Standard Pharmaceuticals]।

———

हेरुडायड मलहम
[Herudoid Ointment]

औषधि मिश्रण--इसमें Heparinoid preparation जिसमें १% Anticoagulant Substance रहता है ।

प्रयोग--इसके Thrombophlebitis, Phlebothrombosis, फुन्सी, जहरबाद [Carbuncle], Haematoma मोच और घूस [Sprains

and Bruises), Tenosynovitis, पैर के व्रण, गालो माता इत्यादि में स्थानिक प्रयोग से लाभ होता है।

मात्रा – रुग्ण स्थान पर धीरे-धीरे मालिश एवं लेप करें।

निर्माता––ल्यूटोपोल्ड (Luitopold-Neo Pharma)

हेट्राजन टिकिया एवं सिरप
(Hetrazan Tablets and Syrup)

औषधि––यह डाइइथिल कार्बामाजीन साइट्रेट (Diethyl carbamazine Citrate) की टिकिया और शर्बत है।

प्रयोग––यह फाइलेरिया (Filaria) की उत्तम औषधि है। इओसिनोफिलिया (Eosinophilia) एवं केंचुआ कृमि में भी लाभदायक है।

मात्रा––१ टिकिया अथवा १ चम्मच सिरप दिन में ३ बार। केचुवा में ६ से ८ टिकिया प्रतिदिन १ बार चार दिन तक।

निर्माता – लेडरली (Lederle)

टिप्पणी––अन्य कम्पनियों की डाइइथिल कार्बामाजीन साइट्रेट (Diethylcarbamazine Citrate) :—

१. कार्बिलाजीन (Carbilagine)—बी० एस० एण्ड को० (B. S. and Co.) टिकिया।

२- बेनोसाइड (Banocide)—बी० डब्लू (B. W.)

३. यूनि–कार्बाजन (Uni-Carbazan)—यूनिकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories) इसमें क्लोरफेनीरमीन मैलीएड (Chlorpheniramine Maleate) भी मिला रहता है इसका सिरप (Syrup), टिकिया (Tablets) तथा इन्जेक्शन मिलते हैं।

४. यूनि कार्बाजन फोर्ट (Unicarbazan Forte)—यूनीकेम लेबोरेटरीज (Unichem Laboratories)-इसकी टिकिया में ३ गुना मात्रा

में औषधि तथा प्रेडनिजोलोन (Prednisolone) भी मिला रहता है। इन्जेक्शन में सामान्य से चारगुना मात्रा में औषधि प्रेड्निजोलोन (Prednisolone) के साथ रहती है क्लोरफेनिरमीन मैलीएट भी अधिक मात्रा में दोनों में रहता है।

५. डी० ई० सी० (D. E. C.) एवं डी० सी० सी० (D. C. C.) नाम से अनेक कम्पनियों की टिकिया मिलती है।

६. फाइलाजीन (Filazine)—टी० सी० एफ० (T. C. F.) सिरप (Syrup) एवं टिकिया (Tablets)।

७. डिकार्बामिन (Dicarbamin) थेराप्यूटिक का (Therapeutic) सिरप (Surup), टिकिया (Tablets) एवं इन्जेक्शन के लिए एम्प्यूल (Ampule)।

८. हिरोजेन टैबलेट (Herogen Tablets)—बी० डी० एच० (B. D. H.)।

९. इयासिनोपिन (Eosinopin)—डेज (Day's) टिकिया (Tablets) एवं सिरप (Syrup)।

१०. एलिक्जर ट्रोपैजीन (Elixir Tropazine)—फेगोसिन्थ लैब (Phagosynth Lab.) शर्बत।

———

हिकोसिटॉन
(Hicositon)

औषधि-मिश्रण—

कोलीन (Choline)
इनॉसिटॉन (Inositol)
फोलिक एसिड (Folic Acid)

विटामिन बी$_{१२}$ (Vitamin B_{12})

प्रयोग—यकृत में वसा का संचत (Fatty deposits in the Liver) में लाभदायक है।

मात्रा—१ बड़ा चम्मच दिन में ३ बार।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

हिस्टालिजीन
(Histalizine)

औषधि-मिश्रण—यह (Buclizine Hydrochloride) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग एवं मात्रा—एक टिकिया दिन में ३-४ बार। हिस्टामीन विरोधी औषधि है।

निर्माता—स्टैन्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)।

हिस्ट फेन
(Histaphane)

औषधि-मिश्रण—

बक्लिजीन हाइड्रोक्लोराइड (Baclizine Hcl.)

क्लोरफेनिरमीन मेलिएट (Chlorpheniramine Maleate)

प्रयोग--हिस्टामिम विरोधी (Antihistamine) औषधि है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में दो बार।

निर्माता—यूनि यू० सी० बी० (Uni-U. C. B.)

हाइडर्जीन
(Hyderzine)

औषधि-मिश्रण—इसकी गोली में Hydrogenated Alkaloids of Ergot ·२५ मि० ग्रा० तथा एम्प्यूल में यही औषधि ·२ मि० ग्रा० प्रति मि० लि० होती है।

प्रयोग—यह औषधि एक उत्तम रक्तवाहिनी प्रसारक है, अतः इसका प्रयोग Vericose Ulcer, Bed sore, अधिक रक्तदाब, Glaucoma, शिरः शूल, मस्तिष्क तथा नेत्र सम्बन्धी विकार इत्यादि उत्तम होता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार निर्धारित की जाती है।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैण्ड।

हाइपोटेन्सिल
(Hypotensil)

औषधि-मिश्रण—बिसकम एल्बम (Biscum album)

हिपेटिक एक्सटैक्ट (Hepatic Extract)

पैंक्रियाटिक एक्सट्रैक्ट (Pancreatic Extract) आदि औषधियों के मेल से तैयार की जाती है।

प्रयोग—सिरदर्द (Headache), स्वास्थ्य का गिरना (Depression), सिर में भारीपन मालूम पड़ना (Feeling of fullness in head), काम करने (परिश्रम) के पश्चात् श्वास में कष्ट होना या श्वास न ले सकना (Breathlessness after exertion), रात्रि में

आराम न पाना (Restlessness at night) आदि में विशेष लाभ करती है। यह रक्तदाब (Blood pressure) को कम करती है।

मात्रा—इस दवा को ३ से ६ टिकिया की मात्रा में नित्य सेवन करना चाहिये। आवश्यकतानुसार मात्रा में कमी-बेशी की जा सकती हैं। भोजन के ½ घण्टे पहले इसका सेवन विशेष लाभप्रद होता है।

—※—

इन्सिडल
(Incidal)

औषधि—यह मेभीड्रोलीन (Mebhydrolin) की टिकिया है।

प्रयाग—जहाँ प्रतिहिस्टामिनों (Antihistamines) की आवश्यकता हो वहाँ इसका प्रयोग हो सकता है।

मात्रा १–२ टिकिया दिन में ३ बार।

निर्माता—बायर (Bayer)

—※—

इण्डोक्सन-आस्टा
(Indoxan-Asta)

औषधि—यह एन–एन–बिस (बी क्लोराईथिल)-एन' ओ प्रोपिलीन फास्फोरिक ईस्टर-डायामाइड (N–N–B-Chlorethyl) –N-O (Propylene-phosphoric ester-diamide) की टिकिया है। इसकी सूई भी आती है। प्रति टिकिया ५० मि॰ ग्रा॰ तथा सूई १०० अथवा २०० मि॰ ग्रा॰ औषधि की होती है।

प्रयोग—यह घातक अर्बुदों की नवीन औषधि है। इसके प्रयोग से कार्सिनोमा (Corcinoma), सार्कोमा (Sarcoma), जीर्ण ल्यूकीमिया (Chronic Leukaemia), लिम्फोसार्कोमा (Lymphosarcoma),

हाजकिन रोग (Hodgkin's Disease) तथा रेटिकुलोसिस में लाभ होता है। घातक अर्बुदों (Malignant Tumours) के शल्य कर्म के बाद इसके प्रयोग से पुनरावर्तन (Relapse) होने की सम्भावना कम होती है।

मात्रा—१ टिकिया प्रतिदिन १ से ३ बार या आवश्यकतानुसार।

निर्माता—आस्टा।

एन्फ्लुएन्ज़ा टैबलेट्स
(Influenza Tablets)

औषधि-मिश्रण—

क्विनीन सल्फेट (Quinine Sulphate)

सोडियक बेन्जोएट (Sodium Benzoate)

फिनैसेटिन (Phenacetin)

कैफीन (Caffcine)

सिनामन आयल (Cinnamon Oil)

प्रयोग—इन्फ्लुएन्जा में लाभप्रद है।

मात्रा—१-२ टिकिया आवश्यकतानुसार।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

आयडोबेसिन
(Iodobesin)

औषधि-मिश्रण—पिट्यूटरी (Pituitary)

अर्काइटिक (Orchitic)

ओवरी (Ovary)

थाइरायड (Thyroid)

लीवर (Liver)

सुप्रारीनल (Suprarenal)

आयोडालव्यूमिन (Iodalbumin)

प्रयोग— मूर्च्छा (Faintness), रजोरोध (Amenorrhoea), वात गठिया (Rheumatism) तथा नीचे के अंग-प्रत्यंग की सूजन (Oedema of the lower limbs) में इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा - शुरू में १० दिन तक २ टिकिया नित्य, उसके बाद १० दिन तक ३ टिकिया नित्य, तत्पश्चात् १० दिन तक दवा बन्द रखनी चाहिये। इसके बाद पुनः शुरू की भाँति दवा देनी चाहिये।

निर्माता—दी एग्लो फ्रेंच ड्रग कम्पनी लिमिटेड, बम्बई।

—o—

इन्क्रिजॉल
(Incresol)

औषधि-मिश्रण—थायरायड (Thyroid)

पिट्यूइटरी (Pituitary)

ओवेरियन (Ovarian)

आर्किक (Orchic)

एलकोहल (Alcohol)

प्रयोग—यह दवा कमजोरी (General Debility), बीमारी के बाद स्वास्थ्य लाभ करना (Convalescence), भूख की कमी (Loss of appetite) आदि रोगों में लाभ करती है। शरीर को बलवान बनाने के लिये यह उत्तम दवा है।

मात्रा–१ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिये।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता।

———

आयोडाइज्ड सारसापेरिला
(Iodised Sarsaparilla)

औषधि-मिश्रण—

एक्सट्रैक्ट सार्सा लि० (Ext. Sarsa Liq.)
एक्सट्रैक्ट ग्लिसराइजा लि० (Ext. Glycyrrhizae Liq.)
एक्सट्रैक्ट सेना लि० (Ext. Senna Liq.)
आयल अनीसी (Oil Anisi)
आयल ससाफ्रास (Oil Sassafras)
आयल विण्टरग्रीन (Oil Wintergreen)
पोटैशियम आयोडाइड (Potassium Iodide)
सिरप (Syrup)

प्रयोग—यह रक्तदोषान्तक महौषधि है। इसका प्रयोग उपदंश रोग (Syphilis) की द्वितीय एवं तृतीय अवस्थाओं में विशेषकर किया जाता है। गठिया वात (Rheumatism, gout), कटिवात (Lumbago), गृध्रसीवात (Sciatica), फुन्सियाँ (Pimples), बर्रा, मुँहासा (Acne), फोड़े (Boils) तथा अन्य चर्म रोगों में भी यह दवा लाभप्रद है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल अथवा दूध के साथ नित्य दो से तीन बार तक भोजन के उपरान्त सेवन करना चाहिये।

निर्माता—एलेम्बिक, बड़ौदा।

इवरटॉल
(Ivertol)

औषधि—यह एन-ग्वानिडो-एन-थायोयूरिडो-पी-क्विनोन-डायामाइड (N-guanido L-thioureido-P-quinone-diamide) की टिकिया है।

प्रयोग—स्ट्रेप्टो, स्टेफिलो, न्यूमो तथा हीमोलिटिक स्ट्रेप्टोकोकाइ (Strepto, Staphylo, Pneumo and Haemolytic Streptococci) के संक्रमण में लाभदायक है। विशेष रूप से मुख, टांसिल, गुर्दा एवं गले के संक्रमणों में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में ३ से ५ बार चूसनी चाहिये।

निर्माता—बायर (इण्डिया) लि०।

—०—

केमेड्रीन
(Kemadrin)

औषधि-मिश्रण—यह प्रोसाइक्लिडीन हाइड्रोक्लोराइड (Procyclidine Hcl.) का उत्तम योग है।

प्रयोग—यह पारकिन्सोनिज्म (Parkinsonism) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—रोगी की अवस्था एवं रोग की उग्रता के अनुसार मात्रा निर्धारित करते हैं।

निर्माता—बरोज वेलकम कम्पनी (Burroughs Wellcome Co.)

—०—

केनामिना
(Kenamina)

औषधि-मिश्रण—

केनाकार्ट (Kenacort)

कार्बिनॉक्सामीन मेलिएट (Carbinoxamine maleate)

प्रयोग— यह प्रत्येक प्रकार की प्रत्यूर्जता (Allergy) तथा शीतपित्त (Urticaria), हे फीवर (Hay Fever) प्रत्यूर्जा जन्य नासाशोथ (Allergic rhinitis) आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया। आवश्यकतानुसार ६ घण्टे पर पुनः दे सकते हैं।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

—०—

केटेमेसिन
(Katemesin)

औषधि-मिश्रण—

पाइरीडाक्सीन हाइड्रो० (Pyridoxine Hcl.)

निकोटिनामाइड (Nicotinamide)

थियामीन हाइड्रो० (Thiamine Hcl.)

फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone)

प्रयोग—गर्भिणी का वमन (Hyperemesis gravidarum), ल्यूकोपीनिया (Leucopenia), मांसपेशी में कमजोरी तथा त्वचा शोथ में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—रेप्टाकोस।

———

लिट्रिसन
(Litrison)

औषधि-मिश्रण—

डीएल-मीथियोनिन (Dl. Methionine)

कोलिन टारट्रेट (Choline tartrate)
विटामिन बी१ (Vitamin B_1)
विटामिन बी२ (VitaminB_2)
निकोटिनेमाइड (Nicotinamide)
विटामिन बी६ (Vitamin B_6)
पैन्थीनॉल (Panthenol)
बायोटिन (Biotin)
फोलिक एसिड (Folic acid)
विटामिन बी१२ (VitaminB_{12})
विटामिन ई (Vitamin E)

प्रयोग--यकृत के रोगों में अथवा यकृत के लिए हानिकारक पदार्थों के सेवन करने पर यकृत की रक्षा के लिए इसका प्रयोग होता है।

मात्रा—२-३ टिकिया दिन में २ बार भोजन के समय।

निर्माता—रोश (Roche)

लीवरजेन
(Livergen)

यह गोली और शर्बत दोनों ही रूप में आता है।

औषधि-मिश्रण—इसके शर्बत में (Sodium Phosphate, Sodium Benzoate, Bile Extract), कालमेघ एक्सट्रैक्ट, सनाय की पत्ती, कुलेखेरा, वेनारमूल, मेथी, अजवाइन का तेल, रुदन्ती का तेल एवं एल्कोहल रहता है। इसकी गोली में सोडियम फास्फेट, बाइल, एक्सट्रैक्ट, एक्स्ट्रैक्ट हायोसायमस, पोडोफायलिन, मेथी, फेनेल का तेल, रुदन्ती का तेल रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग समस्त प्रकार के यकृत विकार जैसे कामला (Jaundice), क्षुधानाश, भोजनोपरान्त पेट का भारी होना, आध्मान

(Flatulence), कलेजे पर भारीपन, अपचन तथा कोष्ठबद्धता में करते हैं।

मात्रा--१-२ चम्मच दिन में दो या तीन बार आवश्यकतानुसार लेते हैं।

निर्माता--स्टैण्डर्ड फार्मास्युटिकल्स (Standard Pharmaceuticals)

लिविब्रॉन
(Livibron)

औषधि-मिश्रण—यह विटामिन बी,१ बी२, बी१२, फेरस सल्फेट (Ferrous-Sulphate), मैग्नेशियम साइट्रेट (Magnesium Citrate) तथा एल्कोहल का उत्तम योग है।

प्रयोग--सब प्रकार की रक्ताल्पता एवं यकृत विकार की उत्तम औषधि है।

मात्रा--१-२ चम्मच दिन में २ वार भोजन के पूर्व।

निर्माता—पार्क एण्ड डेविस (Parke & Davis Co.)

—o—

ल्यूकेरन
(Leukeran)

औषधि—यह क्लोरेम्ब्यूसिल (Chlotambucil) की टिकिया है। २ और ५ मिली ग्राम की टिकिया मिलती है।

प्रयोग—मैलिग्नैण्ट लिम्फोमा (Malignant Lymphoma), एवं हॉजकिन के रोग (Hodgkin's Disease , लाभदायक है।

मात्रा—·१—·२ मिलि ग्राम प्रति किलोग्राम शरीर भार के अनुपात में प्रतिदिन दी जाती है।

सावधानी—इसका प्रयोग विशेषज्ञ की देख-रेख में होना चाहिए।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)।

लॉन्जिफेन यूट्रोफिक

(Longifene Eutrophic)

औषधि—यह बक्लिजीन हाइड्रोक्लोराइड (Buclizine Hydrochloride) की टिकिया और सिरप है। प्रत्येक टिकिया में २५ मिग्रा औषधि रहती है।

प्रयोग—भूख बढ़ाने और शरीर भार बढ़ाने के काम आता है।

मात्रा—भोजन के आधा घण्टा पहिले १ टिकिया दिन में दो बार। यदि इससे निद्रा अधिक आने लगे तो केवल १ टिकिया प्रतिदिन दें।

१० से २० किग्रा० के बच्चों को २५ मिग्रा० प्रतिदिन।
२० से ३० „ „ ३७.५ „ „
३० से ४० „ „ ५० „ „
दो तीन मात्राओं में बाँट कर दें।

निर्माता—यू० सी० बी० (U. C. B.)

लाइसिवेन

(Lysivane)

औषधि- यह इथोप्रोपैजीन हाइड्रोक्लोरोइड (Ethopropazine Hydrochloride) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में ५० मि० ग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—पार्किन्सन का सिण्ड्रोम (Parkison's Syndrome) में लाभदायक है।

मात्रा— १ से ४ टिकिया रोग की अवस्था को देखते हुए प्रारम्भ में देनी चाहिए। धीरे-धीरे यह मात्रा आवश्यकतानुसार १० टिकिया तक बढ़ाई जा सकती है।

निर्माता—मे एण्ड बेकर (May and Baker)

लिसपेमीन
(Lyspamine)

औषधि-मिश्रण—यह निकोटिनायल एमिनो-डाइ फिनायलिथेन (Nicotinyl amino - Diphenylethane) तथा फीनोबार्बिटोन (Phenobarbitone) के मेल से तैयार की जाती है।

प्रयोग—ऐंठन (Spasm), हृद्शूल (Angina Pectoris), रक्त-संचालन क्रिया की बुराइयों (Circulatory disorders), ऐंठन युक्त बड़ी अँतड़ी के कुछ हिस्से का प्रदाह (Spasmodic Colitis), अक्सर कै होने (Habitual Vomiting), वृक्क शूल (Renal Colic), रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea) आदि रोगों में इसका अच्छा फल होता है। इस दवा की बत्तियों (Suppositories) का प्रयोग किया जाता है, किन्तु चिकित्सकों की राय लेना भी आवश्यक है। बत्ती का प्रयोग विशेषकर प्रसवकाल की प्रथमावस्था, गर्भावस्था की ऐंठन, मूत्रावरोध आदि की स्थिति में करते हैं।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन। कभी-कभी ६ टिकिया तक दी जाती है। बच्चों को जिन्हें निरन्तर कै का शिकायत रहती है उन्हें ¼ से ½ टिकिया तक हर ६ घण्टे पर देनी चाहिए।

निर्माता—सिलाग लिमिटेड।

मार्जीन
(Marzine)

औषधि-मिश्रण—यह साइक्लीजीन हाइड्रोक्लोराइड (Cyclizine Hydrochloride) की टिकिया और सूई है।

प्रयोग--यह एन्टिहिस्टामीन (Antihistamine), औषधि है। अन्तःसत्वातिवमन (Hyperemesis Gravidarum), औषधिजन्य वमन (Drug induced Vomiting), 'क्ष' किरणजन्य असुख (Radiation Sickness), यात्रा असुख (Travel Sickness). चक्कर आना (Vertigo) तथा शल्यकर्मोत्तर वमी (Post Operative Vomiting) में लाभ करती है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में अनेक बार आवश्यकतानुसार।

निर्माता—बरोज वेलकम।

टिप्पणी—१. इसका इन्जेक्शन भी मिलता है। २. मे एण्ड बेकर कं० की इन्हीं गुणों युक्त एवोमीन (Avomine) नाम की टिकिया आती है। ३. स्क्विब की सिक्विल (Siquil) टिकिया मिलती है।

मियोनीन
(Meonine)

औषधि-मिश्रण--यह डीएल-मीथियोनीन (Dl-Methionine) का योग है।

प्रयोग—इसका प्रयोग Fatty Liver सिरोसिस, यकृत शोथ (Hepatitis), दग्धावस्था, नेक्रोसिस (Necrosis) तथा इल्ला (Warts) एवं धमनी कठारता (Atherosclerosis) में करते हैं।

मात्रा—१ गोली दिन में ३ बार।

निर्माता—जान वेथ (John Wyeth)

—*—

मिक
(Mic)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक कैप्स्यूल में मिथियोनीन (Methionine), इनासिटाल (Inositol), कोलीन डाइ हाइड्रोजन साइट्रेट (Coline Di-hydrogen Citrate) इत्यादि औषधियाँ रहती हैं। इसी के साथ फोलिक एसिड (Folic Acid) तथा विटामिन बी$_{12}$ (Vitamin B_{12}) रहता है। यह कैप्स्यूल तथा सिरप दोनों ही रूपों में उपलब्ध है।

प्रयोग—इसका प्रयोग यकृत शोथ (Hepatitis), Fatty Infiltration, Necrosis इत्यादि रोगों में करते हैं।

मात्रा—१-२ कैप्स्यूल या चम्मच द्रव दिन में तीन बार।

निर्माता—एलेम्बिक (Alembic)

———

मायानोसिन
(Myanesin)

औषधि—यह मीफेन्सिन (Mephensin) की टिकिया है।

प्रयोग—यह पेशियों को शिथिल करती है (Muscle Relaxant)। अतः धनुष्टंकार (Tetanus) आदि में जहाँ आक्षेप (Convulsions) या पेशियों में कड़ापन हो प्रयुक्त होती है।

मात्रा—१-२ टिकिया २ से ४ घण्टे पर आवश्यकतानुसार।

टिप्पणी—इसका सिरप (Syrup) तथा इन्जेक्शन (Injection) भी मिलता है।

निर्माता—बी० डी० एच० (B. D. H.)

—०—

नियो किम सिरप

(Neo Kim Syrup)

औषधि-मिश्रण—नियोकिम सिरप, मिथियोनीन (Metheonine) कोलीन (Choline), इनासिटाल (Inositol), का उत्तम योग है।

प्रयोग—इसका प्रयोग MIC के ही समान है।

निर्माता—डेज मेडिकल स्टोर्स (Dey's Medical Stores)

—*—

मिगरिल

(Migril)

औषधि-मिश्रण—यह एर्गोटामीन टार्टेट (Ergotamine Tartrate), साइक्लिजीन हाइड्रोक्लोराइड (Cyclizine Hcl.) तथा कैफीन (Caffeine) का एक उत्तम योग है।

प्रयोग—अधकपारी (Migraine), चक्कर, शिरःशूल, वमन की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१-२ गोली जल के साथ दिन में दो-तीन बार।

निर्माता—बरोज वेलकम (Burroughs Wellcome)।

—*—

निवाक्वीन
(Nivaquine)

औषधि-मिश्रण—यह क्लोरोक्वीन सल्फ (Chloroquine Sulph) की टिकिया है।

प्रयोग—यह मलेरिया ज्वर को उत्तम औषधि है। गर्भिणी स्त्रियों को भी दी जा सकती है। हिपैटिक अमीबियोसिस में लाभ करती है।

मात्रा—प्रथम बार ४ टिकिया। ८ घण्टे बाद २ टिकिया। पुनः १२-१२ घण्टे पर २-२ टिकिया।

निर्माता—मे एण्ड बेकर लि०।

निवेम्बिन
(Nivembin)

औषधि-मिश्रण—

क्लोरोक्वीन (Chloroquine)

डाइ-आयोडोहाइडॉक्सीक्वीनोलीन (Di-Iodohydroxyquinoline)

प्रयोग—अमीबिक अतिसार (Amoebic Dysentery) की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१ टिकिया दिन में २ बार।

निर्माता—मे एण्ड बेकर (May & Baker)

नियोमेथिडीन
(Neomethidine)

औषधि-मिश्रण—इसमें (Aectyl Methionine), कोलीन क्लोराइड (Caoline Chloride), विटामिन बी$_{12}$ फोलिक एसिड (Folic

(Acid), इनासिटाल (Inositol) तथा लिवोल्यूज (Laevoluse) रहता है।

प्रयोग—यकृत का सिरोसिस (Cirrhosis of Liver), औपसर्गिक यकृत शोथ (Infective Hepatitis), Fatty liver तथा समस्त यकृत रोग, कामला इत्यादि में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—१ से २ चम्मच या गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—नियोफार्मा (Neopharma)

नियो-ऑक्टीनम
(Neo-Octinum)

औषधि-मिश्रण—प्रत्येक गोली में ·०६ ग्राम ऑक्टीनम (Octinum) रहता है।

प्रयोग—सब प्रकार का उदरशूल (Gastric, intestinal, Renal, Bilaiary Colic) कुकुर खाँसी, आमाशयिक व्रण, कार्डियल स्पाज्म, कष्टार्तव, अधकपारी, Hyperemesis Gravidarum तथा Parkinson's Disease में प्रयोग करते हैं।

मात्रा—२५-४० बूंद या १-१ गोली दिन में ३-४ बार।

निर्माता—नॉल कम्पनी (Knoll Co.)

ओपोटोन
(Opotone)

औषधि-मिश्रण—

आर्किक (Orchic)

थाइराइड (Ihyroid)

सुप्रारीनल (Suprarenal)
पिट्यु इटरी (Pituitary)
योहिम्बिन (Yohimbin)
डेमियाना (Damiana)
स्ट्रिक्नीन (Strychnine)

प्रयोग—मस्तिष्क की थकावट व चिन्ता, अधिक दिन तक बीमारी भोगना, इन्द्रिय की कमजोरी आदि में प्रयुक्त होती है।

मात्रा—२ टिकिया की मात्रा में नित्य २ से ३ बार तक भोजन के पश्चात् सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

ओमनी
(Omni)

औषधि-मिश्रण—
ओलियम अनीसी (Oleum Anisi)
,, मेन्थापिप (Oleum Mentha Pip)
,, कैम्फोरी (Oleum Camphori)
,, कैरियोफाइली (Oleum Caryophylli)
,, सिनामोनी (Oleum Cinamoni)
,, यूकेलिप्टी (Oleum Eucalypti)
,, कैरी (,, Cary)
कैम्फर (Camphor)
मेन्थाल Menthol)

प्रयोग—बहुव्यापक सर्दी (Influenza), आन्त्रप्रदाह (Enteritis), सन्निपातिक ज्वर (Typhoid), गले का घाव (Sore Throat),

टान्सिल प्रदाह (Tonsillitis), वायुगोला तथा पेट में शूल (Colic & Stomach ache), उदराध्मान तथा अजीर्ण (Flatulence & indigestion) आदि रोगों में लाभ करती है।

मात्रा—३ से ५ बूँद भोजन के उपरान्त। खतरनाक हालत में ५ से १० बूँद। बच्चों को १ से २ बूँद।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

ओराबोलिन
(Orabolin)

औषधि—यह ईथिलईस्ट्रेनॉल (Ethylestrenol) है। टिकिया और बिन्दु के रूप में मिलता है। प्रत्येक टिकिया २ मिग्रा० और १५ बूँद द्रव में लगभग १ मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—यह शरीर में उपचय (Anabolism) बढ़ाने वाली औषधि है। इससे शरीर में प्रोटीन (Protein) का सञ्चय होता तथा मांस पेशियों का निर्माण होकर शक्ति और शरीर भार में वृद्धि होती है। भार की कमी (Weight loss), चिरकारी रोग से मुक्त होने के बाद (After chronic debilitating Illness), कृशता (Asthenia), कार्टिकोस्टेरॉयड द्वारा चिकित्सा के समय (During corticosteroid therapy), शस्त्रकर्म के पूर्व तथा पश्चात् (Pre-and post operatively), अस्थिसुषिरता (Osteoporosis), शैय्या व्रण (Bed sores), और जलने (Burns), आदि में लाभदायक है।

मात्रा—१-२ टिकिया प्रतिदिन। २ वर्ष तक के शिशुओं को ३ से ८ बूँद प्रतिदिन। २ से ५ वर्ष तक ४ ये १० बूँद प्रतिदिन। ६ से १४ वर्ष तक ½ टिकिया अथवा १० से ३० बूँद प्रतिदिन।

निर्माता—ऑर्गेनन (Organon)

टिप्पणी—बच्चों को २८ दिन और महिलाओं को ३० दिन से अधिक एक बार में न दें।

पेसिटेन

(Pacitane)

औषधि—ट्राइहेक्सीफेनिडिल हाइड्रोक्लोराइड (Trihexiphenidyl Hydrochloride) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में २ मिग्रा० औषधि रहती है।

प्रयोग—पार्किन्सोनिज्म (Parkinsonism) की औषधि है।

मात्रा—पहिले दिन ½ टिकिया (१ मिग्रा०), दूसरे दिन १ टिकिया (२ मिग्रा०), फिर १ टिकिया (२ मिग्रा०) प्रतिदिन बढ़ाते हुए ३ से ५ टिकिया तक प्रतिदिन दें। कुल मात्रा दिन में ३ या ४ बार में दें। भोजन के समयों के निकट देना अच्छा रहता है।

निर्माता—लेडर्ली (Lederle)

पैल्यूड्रीन

(Paludrin)

औषधि-मिश्रण—यह प्रोग्वैनिल (Proguanil) की टिकिया है।

प्रयोग—इसका प्रयोग मलेरिया के पुनराक्रमण को रोकने के निमित्त किया जाता है।

मात्रा—·३ ग्राम की टिकिया दिन में १ बार तथा ·१ ग्राम की टिकिया दिन में ३ बार एक सप्ताह सेवन करें।

निर्माता—आई० सी० आई० (I. C. I.)

पैराकैल्सिनेट
(Para-Calcinate Tablets)

औषधि-मिश्रण—

पैराथाइराइड (Parathyroid)
कैल्शियम ग्लूकोनेट (Calcium Gluconate)
प्रयोग —यह कैल्शियम की कमी की पूर्ति करता है।

मात्रा—१ टिकिया की मात्रा में नित्य २ से ३ बार तक सेवन करना चाहिए।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड कलकत्ता।

--०--

प्रेडजोलन–एच–आयण्टमेण्ट
(Predsolan--H-Ointment)

औषधि-मिश्रण—

प्रेडनीजोलोन एसीटेट (Prednisolone acetate)
बिस्मथ सबगैलेट (Bismuth Subgallate)
टैनिक एसिड (Tannic acid)
बेन्जोकेन (Benzocaine)

प्रयोग—यह बवासीर (Piles) में लगाने का मलहम है। मस्सों का शोथ और पीड़ा दूर करता है।

मात्रा—पाखाना होने के पूर्व या पश्चात् तथा प्रातः-सायं ट्यूब में इसके साथ की टोटी लगाकर गुदा में प्रवेश कर ट्यूब दबाते हैं जिससे कुछ औषधि अन्दर चली जाती है।

निर्माता-ग्लैक्सो (Glaxo)

———

प्रोक्टोसेडिल

(Prectosedyl)

औषधि-मिश्रण—

हाइड्रोकॉर्टिसोन (Hydrocortisone)
सोडियम हिपेरिनेट (Sodium Heparinate)
फ्रेमायसेटिन सल्फेट (Framycetin Sulphate)
एस्कूलोसाइड (Esculoside)
बूटोफार्म (Butoform)
इथोफार्म (Ethoform)

प्रयोग—बाह्य और आन्तरिक बवासीर (Piles), Strangulated Haemorrhoidal Prolapse, गुद कण्डू (Pruritus Ani) मल प्रदेश में दाह, भगन्दर(Anal fissure) इत्यादि में स्थानिक प्रयोन करते हैं।

निर्माता—राउसेल।

प्रीवोमिन

(Prevomin)

औषधि-मिश्रण--इसकी प्रत्येक गोली में Benactyzine Hydrobloride, Pyridoxine Hcl, Thiamine Mononitrate, Niacinamide रहता है।

प्रयोग—इसका प्रयोग मिचली, वमन, विशेषकर गर्भावस्था के समय Radiation Sickness, Motion Sickness तथा I. N. H. के कारण उत्पन्न नाड़ी शोथ (Neuritis) में करते हैं।

मात्रा—½-१ गोली आवश्यकतानुसार।

निर्माता-थेमिस फार्मास्युटिकल्स (Themis Pharmaceuticals)

प्रिस्काल
(Priscol)

औषधि-मिश्रण--इसमें २–Benzyl unipazoline Hcl, नामक औषधि रहती है ।

प्रयोग--हाथ-पैर में ठण्डक, रात्रि में हाथ-पैर में ऐंठन (Cramps) परिसरीय नाड़ी-शोथ (Peripheral Neuritis), Raynaud's Disease, धमनी कठोरता जन्य रोग Chilblains, Frost bite, Bedsore, Iritis, Ratinitis की उत्तम औषधि है ।

मात्रा--१-२ गोली दिन में चार बार ।

निर्माता--सीबा (Ciba)

प्रोफेनिल
(Profenil)

औषधि--यह बिस-गामा-फेनिल प्रोपिलइथाइलामिन (Bis-gamma-phenylpropylethylamine) की टिकिया तथा एम्प्यूल है ।

प्रयोग--यह आमाशय आन्त्र के संकोच (Spasm of small intestines), कार्डियो अथवा पाइलोरोस्पाज्म (Cordio or Pyloro-spasm), स्पास्टिक कोलाइटिस (Spastic; Colitis) पेट की ऐंठन, अन्य स्थानों के प्लेन मसल्स (Plain Muscles) के संकोच (Spasm) को कम करने के लिए दिया जाता है ।

मात्रा--१२० मि० ग्रा० दिन में ३-४ बार ।

निर्माता—क्रुक्स ।

प्रोस्टिग्मिन

(Prostigmin)

औषधि-मिश्रण--यह प्रोस्टिग्मिन (Prostigmin) का ही योग है।

प्रयोग– इसका प्रयोग पैरासिम्पैथेटिक नाड़ी को उत्तेजित करने के लिए किया जाता है।

मात्रा--आवश्यकतानुसार मात्रा निर्धारित की जाती है।

निर्माता– रोश (Roche)

प्रोटोडाइनल

(Protodinal Tablets)

औषधि--यह आयडोप्रोटीन (Iodoprotein) द्वारा तैयार की गई है।

प्रयोग—यह गर्मी (Syphilis) रोग की हर अवस्था के लिए श्रेष्ठ दवा है। हृदशूल (Angina Pectoris), अधिक रक्तदाब (High Blood pressure), वायुनली का दमा (Bonchial Asthma), (Arthritis), आदि बीमारियों में प्रयुक्त होती है।

मात्रा-दवा १ से २ टिकिया की मात्रा में थोड़े से जल अथवा दूध में मिलाकर ३ बार सेवन करना चाहिये। बच्चों की मात्रा $\frac{१}{४}$ से $\frac{१}{२}$ टिकिया तक उम्र के अनुशार है।

निर्माता-- एलेम्बिक, बड़ौदा।

पुनर्नवा

(Punarnava Liquid Ext.)

औषधि-मिश्रण-यह एक्सट्रैक्ट आफ ह्वाइट पुनर्नवा (Extract of white Punarnava) है।

प्रयोग—इसका प्रयोग बेरी-बेरी (Beri-Beri), शोथरोग (Dropsy), जलोदर (Ascites), कामलारोग (Jaundice) आदि में सफलतापूर्वक किया जाता है।

मात्रा—खाली पेट १ से २ ड्राम की मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

पायरेक्स
(Pyrex)

औषधि-मिश्रण—क्विनाइन बाई हाइड्रोक्लोर (Quinine Bihydrochloride)

फेरी आर्सिनो साइट्रेट (Ferri Arseno citrate)
एमोनियम क्लोराइड (Ammonium chloride)
एक्सट्रैक्ट नक्सवामिका (Extract Nux Vomica)
सिनामिक एल्डिहाइड (Cinnmic Aldehyde)

प्रयोग—इसका प्रयोग करने से मलेरिया से आक्रांत स्थान में रहने पर भी मलेरिया ज्वर होने का डर नहीं रहता। मलेरिया रोग हो जाने पर इसके प्रयोग से बीमारी दूर हो जाती है। बहुव्यापक सर्दी (Influenza) रोग में भी यह लाभ पहुँचाती है।

मात्रा—यह दवा २ ड्राम की मात्रा में नित्य ३ बार भोजन के उपरान्त थोड़े से जल के साथ सेवन करना चाहिये।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

क्विनोग्लूकोनेट कम्पाउण्ड
(Quino Gluconate Com.)

औषधि-मिश्रण—

क्विनाइन सल्फ (Quinine Sulph)
फेरी सल्फ (Ferri Sulph)
मैग सल्फ (Mag. Sulph)

लीकर आर्सेनिक हाइड्रोक्लोराइड (Liqr. Arsenic Hydrochloride) ।

लीकर स्ट्रिकनीन हाइड्रोक्लोराइड (Liqr. Strychnine Hydrochloride)

प्रयोग—विशेषकर पुराने मलेरिया ज्वर में इसका प्रयोग होता है ।

मात्रा—२ ड्राम मात्रा में नित्य ३ बार सेवन करना चाहिये ।

निर्माता—ग्लूकोनेट लिमिटेड, कलकत्ता ।

—०—

क्विनोहेमीन
(Quinohemin)

औषधि-मिश्रण—क्विनाइन (Quinine)
आर्गैनिक आयरन (Organic Iron)
नक्स वामिका (Nux Vomica)
आर्सेनिक (Arsenic)
अमोनियम क्लोराइड (Ammonium Chloride)
सिनानिक एलडिहाइड (Cinanic Aldehyde) आदि ।

प्रयोग—हर प्रकार के मलेरिया ज्वर की अच्छी दवा है । बहुव्यापक सर्दी (Iufluenza) में गुणकारी है ।

मात्रा--२ चम्मच की मात्रा में भोजन के उपरान्त नित्य ३ बार सेवन करना चाहिए।

निर्माता—बंगाल केमिकल, कलकत्ता।

—०—

क्विनाग्लोबिन
(Quinaglobin)

औषधि-मिश्रण--

क्विनाइन सल्फेट (Quinine Sulphate)
लिकर आर्सेनिकेलिस (Liqr. Arsenicalis)
एक्सट्रैक्ट नक्स वामिका (Ext. Nux Vomica Liq.)
हीमोग्लोबिन (Hemoglobin)
प्रोटियोलाइज्ड लीवर एक्सट्रैक्ट (Proteolysed Liver Ext.)
प्रोटियोलाइज्ड स्टमक एक्सट्रैक्ट (Proteolysed Stomach Ext,)
हाइड्रोलाइज्ड ईस्ट एक्सट्रैट (Hydrolysed Yeast Ext.)
कॉपर (Copper)

प्रयोग—यह मलेरिया के हर प्रकार तथा हर अवस्था में अच्छा काम करती है। बीमारी के आरोग्य हो जाने पर भी इसका कुछ समय तक प्रयोग करना चाहिये। ऐसा करने से बीमारी के दोहराने का भय नहीं रहता है।

मात्रा—नई बीमारी में २ से ४ चम्मच की मात्रा में थोड़े से जल के साथ नित्य ३ बार, ३ से ४ दिन तक सेवन करना चाहिये। स्वास्थ्य लाभ होने पर तथा पुरानी बीमारो में १ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य २ बार भोजन के उपरान्त २ से ४ सप्ताह तक। रोग की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिये २ से ४ चम्मच की मात्रा में सप्ताह में १ या २ बार कई महीने तक इस्तेमाल करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार, पुरुषों की मात्रा से $\frac{१}{४}$ से $\frac{१}{२}$ तक की होगी।

निर्माता—एलेम्बिक, बड़ौदा।

क्विनारसाल
(Quinarsol)

औषधि-मिश्रण—यह दवा क्वीनोएसेटपैराफिनेलाइड (Quinoacet-paraphenalide) डाइ-सोडियम मोनोमिथाइल आर्सेनिकम (Di-Sodium-monomethyl arsenicum) तथा डाइहाइड्राक्सीफ्थेलोफिनोन (Di-hydroxyphthalophenone) के मेल से तैयार की गई है।

प्रयोग—यह मलेरिया की उत्तम दवा है। इन्फ्लुएन्ज़ा, सर्दी आदि में भी लाभदायक है।

मात्रा—२ टिकिया की मात्रा में नित्य ३ बार तक देनी चाहिये जब तक बुखार एकदम गायब न हो जाय और बुखार ठीक हो जाने पर भी २ टिकिया नित्य सुबह १ हफ्ते तक खिलानी चाहिये। बच्चों को ½ से १ टिकिया की मात्रा में नित्य देनी चाहिये।

निर्माता--सिपला, बम्बई।

—*—

रेसोचिन
(Resochin)

औषधि— यह क्लोरोक्वीन फास्फेट (Chloroquine Phosphate) की टिकिया है। प्रत्येक टिकिया में १५० मिग्रा० क्लोरोक्वीन बेस (Chloroquine base) रहता है।

प्रयोग--मलेरिया ज्वर की विशेष औषधि है। आन्त्र के अतिरिक्त स्थानों पर पहुँचे हुए पेचिश के जीवाणु एण्टअमीबा हिस्टोलिटिका (Antamoeba histolytica) को नष्ट करती है।

मात्रा—मलेरिया के लिए प्रथम मात्रा ४ टिकिया। ८ घण्टे बाद २ टिकिया और १२-१२ घण्टे पर २-२ टिकिया। अमीबा के लिए २-३ टिकिया प्रतिदिन २ से १ सप्ताह तक।

निर्माता—बायर (Bayer)

—o—

रोनकोवाइट

(Roncovite)

औषधि-मिश्रण—

कोबाल्ट क्लोराइड (Cobalt Chloride)

फेरस सल्फेट (Ferrous Sulphate)

प्रयोग—हाइपोक्रोमिक रक्ताल्पता (Hypochromic anaemia) की औषधि है।

मात्रा—१ से ३ टिकिया प्रतिदिन।

निर्माता—हेक्स्ट।

—o—

सिडोविट

(Sedovit)

औषधि-मिश्रण—

मोनो सोडियम डाइएथाइल बार्बीट्यूरेट (Mono Sodium Diethl Barbiturate)

फिनाइल डाइमेथाइल आइसो पैराजोलोन (Phenyl Dimethyl Isopyrazolone)

एसेटोफिनेटिडिन (Acetophenatidin)

थाइमिन हाइड्रोक्लोराइड (Thiamine Hydrochloride)

प्रयोग—नसों की कमजोरी, अनिद्रा, (Insomnia), स्नायुशूल (Neuralgia), पट्ठे का सूजन (Neuritis), कटिवात (Lumbago),

गृध्रसीवात (Sciatica), वायुगोला (Colic Pain), रजःकृच्छ्र (Dysmenorrhoea) आदि में मुफीद है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में २ से ३ बार तक नित्य देना चाहिए।

निर्माता—एंग्लोफ्रेंच ड्रग, बम्बई।

—०—

सिक्विल
(Siquil)

औषधि-मिश्रण—यह ट्राइफ्लूप्रोमेजीन हाइड्रोक्लोराइड (Triflupromazine Hcl) का उत्तम योग है।

प्रयोग—किसी भी कारण से उत्पन्न मिचली और वमन, सामान्य अवसादक औषधि के रूप में मानसिक विकारों में टैंक्विलाइजर (Tranquillizer) के रूप में इसका प्रयोग करते हैं। इसके अतिरिक्त चिन्ता तथा तनाव (Anxiety & Tension) में इसका प्रयोग करते हैं।

मात्रा—½–१ गोली दिन में २-३ बार आवश्यकतानुसार प्रयोग करते हैं।

निर्माता—स्क्विब (Squibb)

टिप्पणी—इसका इन्जेक्शन भी मिलता है।

—०—

सेण्डोस्टेन
(Sandosten)

औषधि-मिश्रण—इसकी प्रत्येक गोली में ०·२५ ग्राम थीनएलीडीन टार्ट्रेट रहता है। इसके कैल्शियम के साथ भी गोली तथा इन्जेक्शन आते हैं।

प्रयोग—इसका प्रयोग शीतपित्त, एलर्जिक नासा कोटर शोथ आदि में किया जाता है।

मात्रा—चिकित्सक के मतानुसार।

निर्माता—सैण्डोज लेबोरेटरीज, स्विट्जरलैण्ड।

स्टोमेटिल
(Stemetil)

औषधि—यह प्रोक्लोरपीराजीन (Prochlorperazine) की टिकिया है।

प्रयोग—इसका प्रयोग अर्धकपारी (Migraine) से बचने और उसकी चिकित्सा में होता है। मीनियर्स सिंड्रोम (Menieres Syndrome), अन्तःकर्ण शोथ (Labyrinthitis) तथा अन्य प्रकार के कान से उत्पन्न चक्कर (Aural Vertigo) एवं वमन (Vomiting) व हृल्लास (Nausea) में भी यह लाभ करती है।

मात्रा—३ से ४ टिकिया प्रतिदिन। मात्रा धीरे-धीरे घटाई जाती है। रोग के प्रारम्भ में ही ४ टिकिया देने से दर्द उभड़ नहीं पाता है।

निर्माता—एम० एण्ड बी०।

सिरप ऑफ ग्लूकोनेट
(Syrup of Gluconate)

औषधि-मिश्रण—पोटैशियम गुएकाल सल्फोनेट (Potassium Guaiacol Sulphonate)

कैल्शियम हाइपोफोस्फाइट (Calcium Hypophosphite)

प्रयोग—कफ (Cough), सर्दी (Colds) तथा फेफड़े की तकलीफों (Ailments of lungs) में फायदेमन्द है।

मात्रा—१ से २ चम्मच की मात्रा में नित्य भोजन के पहले सेवन करना चाहिए।

निर्माता—ग्लुकोनेट, कलकत्ता।

टोनियाजॉल

(Toniazol)

औषधि-मिश्रण—यह लेप्टाजोल (Leptazol), कैफीन एनाहाइड्रस (Caffeine Anhydrous), रिबोफ्लेविन (Reboflavin), डैक्सट्रोस (Dextrose), ग्लिसरीन, (Liquid Extract of Bitter Orange, Extract of Absinth Spiss) का उत्तम योग है।

प्रयोग—सब प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक थकान, जुकाम, बुखार, क्षुधानाश, हीनरक्तदाब की उत्तम औषधि है।

मात्रा—१-२ चम्मच की दिन में २-३ बार।

निर्माता—नॉल (Knoll)

टुइनल

(Tuinal)

औषधि-मिश्रण—सीकोबार्बीटल सोडियम (Secobarbital Sodium), एमाइलोबार्बीटल सोडियम (Amylobarbital Sodium)

प्रयोग—चीर-फाड़ तथा प्रसव काल में इसका प्रयोग किया जाता है।

मात्रा—१½ से ३ ग्रेन तक की मात्रा प्रत्येक ३ से ४ घण्टे पर देनी चाहिये।

निर्माता—एली० लीली० एण्ड कं०, अमेरिका।

यूनिमीजॉल
(Unimezol)

औषधि—यह मेट्रोनिडाजोल (Metronidazol) २०० मिग्रा० की टिकिया है।

प्रयोग—अमीबीयेसिस (Amoebiasis), जियार्डियेसिस (Giardiasis), ट्राइकोमोनियेसिस (Trichomoniasis) और तीव्र व्रणी मसूढ़ाशोथ (Acute ulcerative gingivitis) में लाभप्रद है।

मात्रा—अमीबियेसिस (Amoebiasis) में २ टिकिया दिन में ३ बार ५ से १० दिन तक।

जियार्डियेसिस (Giardiasis) में १ टिकिया दिन में ३ बार ५ से ७ दिन तक।

ट्राइकोमोनियेसिस (Trichomoniasis) में १ टिकिया दिन में ३ बार ५ से ७ दिन तक।

तीव्र व्रणी मसूढ़ाशोथ (Acute ulcerative gingivitis) में १-२ टिकिया दिन में ३ बार ३ दिन तक।

निर्माता--यूनिकेम (Unichem)

—०—

यूरोब्रोम
(Urobrom)

औषधि-मिश्रण—यह ब्रोमाइसोवा लेरी लूरिया (Bromoisova Lerylurea) से तैयार की गई है।

प्रयोग—विशेष नशा करने वालों के लिए उपयोगी है। इसके सेवन से नशा या किसी चीज की पड़ी हुई आदत एकदम छूट जाती है। निद्रा लाने की अच्छी दवा है।

मात्रा—१ से २ टिकिया की मात्रा में सेवन करना चाहिये। बच्चों की मात्रा उम्र के अनुसार होगी।

निर्माता—सिपला, बम्बई।

जीट

(Zeet)

औषधि-मिश्रण—यह क्लोरफेनिरामीन मैलिएट (Chlorpheniramine maleate) की टिकिया तथा शर्बत है।

प्रयोग—अन्य हिस्टामनीन विरोधी औषधियों के समान।

मात्रा—१-२ टिकिया अथवा १-२ चम्मच शर्बत दिन में १ बार।

निर्माता—एलेम्बिक केमिकल्स।

—*—

मेडिकल पुस्तक भवन द्वारा प्रकाशित

चिकित्सा सम्बन्धी उत्कृष्ट पुस्तकें

डॉ० सुरेशप्रसाद शर्मा द्वारा लिखित

एलोपैथिक पुस्तकें :—

१—इन्जेक्शन—इसमें सुई लगाने के तरीके और इसके सम्बन्ध में जानने योग्य सभी बातों के अतिरिक्त सभी प्रकार के इन्जेक्शनों जैसे—पेनिसिलीन, स्ट्रेप्टोमाइसिन, औरियोमाइसिन, डाइक्रिस्टेसिन आदि सभी दवाओं का वर्णन और प्रयोग सरल ढंग से दिया गया है।

प्रस्तुत पुस्तक न केवल विद्यार्थियों, प्रारम्भिक चिकित्सकों मात्र के लिए उपयोगी है, वरन् निपुण एवं प्रतिष्ठित चिकित्सकों के लिए भी निर्देशन का कार्य करेगी, क्योंकि इस प्रकार सर्वांगपूर्ण संगृहीत विषय एक जगह उन्हें भी प्राप्त नहीं होता। सुन्दर छपाई, ग्लेज कागज एवं १०० चित्रों से परिपूर्ण। पृष्ठ संख्या लगभग ६१६। मूल्य २०·०० सजिल्द।

२—एलोपैथिक चिकित्सा—पुस्तक नौ अध्यायों में लिखी गयी है। प्रथम चार अध्यायों में 'विषय-प्रवेश, 'शरीर-विज्ञान', रोग निदान सम्बन्धी आवश्यक बातों और नवीनतम आविष्कृत औषधियों का वर्णन क्रमशः दिया गया है। अन्य अध्यायों में प्रचलित सभी रोगों का वर्णन और उनकी चिकित्सा बृहद् रूप से दी गयी है। उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत। मू० रु० २५) मात्र।

३—मिक्शचर—मिक्शचर बनाने की विधि और १८५ रोगों पर परीक्षित ३५० नुस्खों का वर्णन दिया गया है। साथ-ही-साथ पेटेण्ट दवाओं और उन रोगों पर चलने वाले इन्जेक्शनों का नाम भी दिया गया है। मू० रु० ५) मात्र।

४—एलोपैथिक पॉकेट गाइड—इस पुस्तक में आधुनिक वैज्ञानिक एवं प्रचलित चमत्कारिक औषधियों के नुस्खे, प्रमुख रोगों का संक्षिप्त परिचय एवं निदान दिया गया है। मू० रु० ६·०० मात्र।

डॉ० शिवदयाल गुप्त, ए० एम० एस० द्वारा लिखित पुस्तकें—

५—एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका—हिन्दी और देशी भाषाओं में सर्वप्रथम प्रामाणिक पुस्तक। सुदीर्घ पाँच खण्डों में एलोपैथी का सारा विज्ञान पढ़िये। पृष्ठ-संख्या १३००। मू० रु० ३०·०० मात्र।

६—सचित्र-नेत्र-रोग विज्ञान (एलोपैथिक)—प्रस्तुत पुस्तक में नेत्र-रचना, उसकी कार्यक्षमता आदि विषयों पर सुन्दर विवेचन किया गया है। उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत। मूल्य रु० ६·०० मात्र।

७—एलोपैथिक सफल औषधियाँ—इस पुस्तक में सल्फा ग्रूप की सभी औषधियों, कालाजारनाशक, मलेरियानाशक, कुष्टनाशक, कृमिनाशक आदि औषधियों का प्रयोग तथा पी० ए० एस० वेसीट्रेसीन, आयलोटायसिन और अब तक की निकली हुई जीवाणुरोधक औषधियों का बृहद् वर्णन सरल ढंग से दिया गया है। मूल्य रु० ६·०० मात्र।

८—मल-मूत्र रक्तादि परीक्षा (एलोपैथिक)—मल-मूत्र, स्राव, प्रलेप, थूक, वीर्य आदि परीक्षाओं की विधि सरल ढंग से दी गयी है। मू० रु० ५·०० मात्र।

९—धात्री विज्ञान—इस पुस्तक के लेखक चिकित्सा जगत में चिरपरिचित एलोपैथिक मेटेरिया मेडिका के प्रणेता डॉ० शिवदयाल गुप्त ए. एम. एस. हैं। डॉ० गुप्त ने इस विषय को अधिकृत रूप में सामने रखकर गृहस्थ समाज के एक अभाव की पूर्ति की है। विशेषतः ग्रामीण जनता के लिए यह अति अलभ्य पुस्तक है। पृष्ठ संख्या लगभग २०६। मूल्य ४·०० मात्र।

१०—सामान्य शल्य चिकित्सा (सर्जरी)—हिन्दी में सर्जरी की यह पुस्तक सर्वोत्तम है। सैकड़ों चित्र, कपड़े की जिल्द। मू० रु० १४·०० मात्र।

११—एलोपैथिक पेटेण्ट मेडिसिन्स—ले०-डॉ० अ०ना० पांडेय—इस पुस्तक में एलोपैथी की प्रायः सभी दवाओं का वर्णन, उनका मिश्रण, प्रयोगविधि, मात्रा, किन-किन रोगों में उनके प्रयोग से लाभ होता है, किन कम्पनियों द्वारा तैयार की गयी हैं आदि बातें सरल ढंग से बतलाई गई हैं।
मू० रु० १२·०० मात्र।

१२—एलोपैथिक पेटेण्ट चिकित्सा—ले०—डॉ० अ० ना० पांडेय—केवल पेटेण्ट दवाओं से चिकित्सा-विधि बतायी गई है। मू० रु० ५·०० मात्र।

१३—ज्वर-चिकित्सा—ले०—डॉ० अ० ना० पांडेय—प्रायः सभी प्रकार के ज्वरों की चिकित्सा कई पैथियों द्वारा बताई गई है। मू० रु० ३·०० मात्र।

१४—मार्डन एलोपैथिक मेटेरियामेडिका—(ले०—डॉ० रामनारायण

सक्सेना, प्रोफेसर—बुन्देलखण्ड आयुर्वेदिक कालेज-झाँसी)—यह एलोपैथिक ज्ञान की मूल पुस्तक है। मू० रु० १५·०० मात्र।

१५—अभिनव शवच्छेद विज्ञान—प्रोफेसर श्री हरिस्वरूप कुलश्रेष्ठ द्वारा लिखित शरीर रचना का ज्ञान शवच्छेदन से ही होता है और उसे ही २ भागों में सरलता से दिया गया है। दो भागों में प्रकाशित। मू० रु० २२·०० मात्र।

१६—स्त्रियों के रोग और उनकी आधुनिक चिकित्सा—

लेखक-आचार्य रघुबीर प्रसाद त्रिवेदी (B. A., A. M. S.)

आचार्य त्रिवेदी की अन्य पुस्तकों की शृङ्खला में यह उनकी नवीनतम और सर्वांगपूर्ण विशाल कृति है। इसके निर्माण में उनका गत ६ वर्ष का परिश्रम मूर्त्त हो उठा है। भाषा सरल, वैज्ञानिक, विवेचनात्मक और भाव-बोधिनी है।

यह ग्रन्थ स्त्रियों के रोगों पर विस्तृत प्रकाश डालता है और उनकी सांगोपांग मेडिकल और सर्जिकल चिकित्सा को इस प्रकार स्पष्ट करता है कि एक एम० बी० बी० एस० एवं बी० एम० एस० का छात्र तथा गायनोकोला-जिस्ट पूरा-पूरा मार्ग दर्शन पा सकता है। लगभग, अनेक चित्रों से सुसज्जित— मूल्य २२·०० मात्र।

१७—शरीर रचना एवं क्रिया-विज्ञान—(लेखक—डॉ० एस० आर० वर्मा) (भूतपूर्व प्राध्यापक—पी० एच० मेडिकल कालेज, काशी)

शरीर-रचना एवं क्रिया-विज्ञान चिकित्सा-शास्त्र का एक मुख्य आधार है। इसका पूर्ण ज्ञान न होने से चिकित्सा का पूर्ण ज्ञान होना ही असम्भव है। शरीर के अगों में विकृति आ जाने पर उनकी स्वाभाविक क्रियाओं का समुचित ज्ञान हुए बिना उस विकृति का अनुमान ही नहीं किया जा सकता।

प्रस्तुत पुस्तक में मानव-शरीर के हर अंग के चित्र के साथ उसकी रचना एवं क्रिया को बहुत ही सरल हिन्दी में समझाया गया है ताकि पाठकगण को समझने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। पुस्तक बहुत ही उपयोगी एवं लाभदायक है। पृष्ठ संख्या लगभग २७१। मू० ६·०० मात्र।

१८—वृद्धावस्था के रोग एवं उनका प्रतीकार

लेखक—रघुवीर प्रसाद त्रिवेदी

चिकित्सा वाङ्मय के भारत प्रसिद्ध लेखक आचार्य त्रिवेदी की वरद लेखनी से प्रसूत यह नवीनतम कृति है। इसमें वृद्धावस्था क्यों होती है और उसे किस प्रकार रोका जा सकता है इस पर व्यापक प्रकाश डाला गया है। इस पुस्तक में वृद्धों के रोगों का सविस्तार वर्णन किया गया है। सामान्य व्यक्तियों और वृद्धों के रोगों की व्यवस्था और उपचार पर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने जो उन्नति की है उन सबका समावेश इसमें किया गया है।

प्रत्येक चिकित्सक और चिकित्सा के विद्यार्थियों के लिए यह पुस्तक मार्गदर्शिका सिद्ध होगी। मूल्य १२.०० मात्र।

डॉ० प्रिय कुमार चौबे बी० ए० एम० एस०, डी० सी० सी० द्वारा लिखित पुस्तकें--

१९--चर्मरोग-चिकित्सा--हिन्दी में चर्मरोग पर यह पुस्तक अत्यन्त सांगोपांग ढङ्ग से प्रस्तुत की गयी है। अनेक लब्ध-प्रतिष्ठ चिकित्सकों ने इस पुस्तक की मुक्तकंठ से प्रशंसा की है। पृष्ठ संख्या लगभग २५०।

मूल्य ४.५० मात्र।

२०--विटामिन--प्रस्तुत पुस्तक में विटामिन के आविष्कार का इतिहास विटामिन के भेद, किसी बीमारी में कौन विटामिन उपयुक्त होगा आदि बातें लिखी गयी हैं। एलोपैथिक कम्पनियों द्वारा आविष्कृत सभी विटामिनों का परिचय एवं उनके प्रयोग, खाद्य-पदार्थों में विटामिन पाये जाने की तालिका आदि का विस्तृत विवेचन है। पुस्तक अपने विषय की नयी एवं निराली है। पृष्ठ संख्या १६८। मूल्य ३.०० मात्र।

२१--मासिक विकार--पृष्ठ संख्या १००। मूल्य १-५० मात्र।

२२--सन्तति निरोध--पृष्ठ संख्या लगभग २५०। मूल्य ६.०० मात्र।

२३--जननेन्द्रिय रोग चिकित्सा--इसमें पुरुषों एवं स्त्रियों के समस्त गुप्तांगों के रोगों का वर्णन एवं चिकित्सा है। मू० ३.७५ पै० मात्र।

२४--सल्फोनामायड एवं एण्टीबायोटिक्स--इस पुस्तक में एलोपैथी की समस्त सल्फाग्रूप एवं एण्टीबायोटिक्स की चमत्कारिक औषधियों का वर्णन है। मू० २ रु० ७५ पै०

२५--नासा, कर्ण एवं गले के रोग--नाक, कान एवं गले के समस्त रोगों की अचूक चिकित्सा। मू० रु० ७·०० मात्र।

२६--मार्डन सिलेक्टेड मेडिसिन--लेखक-डॉ० केशवानन्द नौटियाल (ए० एम० एस० का० हि० वि०)-- मूल्य ६·०० मात्र।

२७--बाल रोग चिकित्सा--(लेखक-डॉ० रमानाथ द्विवेदी) पृष्ठ संख्या लगभग ५०० । मू० १०·०० मात्र।

२८-मार्डन डायग्नोसिस-पृष्ठ संख्या ६१७ (डॉ० केशवानन्द नौटियाल ए०एम०एस०, का०हि०वि० वि०) (सजिल्द एवं सचित्र)-मू० १८·०० मात्र।

२८-माडर्न ट्रीटमेण्ट--मूल्य--प्रथम भाग २०·०० तथा द्वितीय भाग २०·०० मात्र।

२९--स्टेथोस्कोप परीक्षा-- मूल्य ४·०० मात्र।

३०--ब्लड प्रेशर--पृष्ठ संख्या लगभग २०० । मूल्य ३·५० मात्र।

३१-सरल दन्त विज्ञान-पृष्ठ संख्या लगभग १६५। मूल्य ३·५० मात्र।

३२--डायबिटीज मधुमेह-- मूल्य २·०० मात्र।

होमियोपैथिक पुस्तकें--

१--सुशलर की बारह तन्तु औषधियाँ--मूल लेखक-विलियम बोरिक एम० डी० और विलिस ए० डेवी० एम० डी०। प्रस्तुत पुस्तक उपरोक्त लेखकों की अंग्रेजी पुस्तक का हिन्दी रूपान्तर है। भाषा बहुत ही सरल एवं सुबोध है। मू० रु० १२·०० मात्र।

२-होमियो मेटेरिया मेडिका (रेपर्टरी सहित)-रचयिता डॉ० विलियम बोरिक।--प्रस्तुत पुस्तक डा० विलियम बोरिक की मूल अंग्रेजी पुस्तक का हिन्दी अनुवाद है। मू० रु० ३०·०० मात्र।

३--फैरिङ्गटन की तुलनामूलक मेटेरिया मेडिका-मू० रु० १४·००।

४--बायोकेमिक चिकित्सा--टीशू रेमिडीज की कुल १२ औषधियों का पूरा वर्णन और उनसे चिकित्सा दी गयी है। उ० प्र० सरकार से पुरस्कृत। मू० रु० ८·०० मात्र।

५--आर्गेनन--महात्मा हैनिमन कृत आर्गेनन का अविकल हिन्दी अनुवाद और परीक्षित अनुभव पूर्ण व्याख्या। उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत। मू० रु० ७·०० मात्र।

६--स्त्री-रोग चिकित्सा (सचित्र)--इस पुस्तक में तमाम स्त्री अवयवों का वर्णन, उनको होने वाले रोगों का कारण, परिचय निदान एवं उनकी समुचित चिकित्सा विधि होमियोपैथिक दवाओं द्वारा दी गई है। मू० रु० ८.५० मात्र।

७--होमियो पारिवारिक चिकित्सा--इस पुस्तक में चिकित्सा सम्बन्धी आवश्यकीय सभी बातों, प्रत्येक रोगों के मुख्य-मुख्य लक्षणों, परिचय, निदान और परीक्षित होमियोपैथिक दवाओं द्वारा उनकी चिकित्सा विधि दी गई है। मू० रु० २५ मात्र।

८--होमियो भेषज सार--मू० रु० ३-०० मात्र। ९--रोगी की सेवा और पथ्य--मू० रु० ४.५० मात्र। १०--होमियो इन्जेक्शन चिकित्सा--मू० रु० ३-५० मात्र। ११--भारतीय औषधावली तथा होमियो पेटेन्ट मेडिसिन--मू० रु० ३-०० मात्र। १२--होमियो पाकेट गाइड--मू० रु० २.०० मात्र। १३--बायोकेमिक पाकेट गाइड--मू० रु० २.०० मात्र। १४- होमियो गृह चिकित्सा--मू० रु० ६.०० मात्र। १५--जल चिकित्सा विधान-मू० रु० ३-०० मात्र। १६--होमियो पशु चिकित्सा--मू० ३.५० रु० १७--बायोकेमिक रहस्य--मू० रु० ४-०० मात्र। १८--पुरानी बीमारियाँ -मू० रु० ६.०० पै० मात्र। १९--नैश रीजनल लीडर्स-मू० रु० ३.०० मात्र। २०--होमियो टायफायड चिकित्सा--मू० रु० १ मात्र। २१--होमियो न्यूमोनिया चिकित्सा--मू० रु० १ मात्र। २२--होमियो थाइसिस चिकित्सा--मू० रु० १-०० मात्र। २३--थर्मामीटर--मू० ५० पै० मात्र। २४--एनीमा और कैथेटर-- ६० पैं० मात्र। २५-रोग लक्षण संग्रह--मू० ४० पै० मात्र। २६--होमियो लेबुल बुक--मू० रु० २.०० मात्र। २७--एलेन्स की नोट्स--मू० रु० १०.०० मात्र। २८--लीडर्स इन होमियोपैथिक थेराप्युटिक्स--मू० रु० ६.०० मात्र। २९--मेडिकल सर्टिफिकेट हिन्दी-अंग्रेजी--मू० रु० २.०० मात्र।

३०--पीयर्स की तुलनामूलक मेटेरिया मेडिका--प्रसिद्ध होमियोपैथ डॉ० पीयर्स द्वारा लिखित यह मेटेरिया मेडिका अनेक अर्थों में अन्य मेटेरिया मेडिकाओं से विशिष्ट है। लेखक की पुस्तक "टान आन मेटेरिया मेडिका विथ कम्पैरिजन" का अविकल हिन्दी अनुवाद है। यह होमियोपैथ चिकित्सकों को चिकित्सा कार्य में अत्यन्त सहायक होगी। मू० २५-०० मात्र।

आयुर्वेदिक पुस्तकें—

१—आयुर्वेद विज्ञान—ले० डा० कमला प्रसाद मिश्र। आयुर्वेद की अपूर्व चिकित्सा पुस्तक। मू० ७·०० मात्र।

२—नाड़ी रहस्य—नाड़ी ज्ञान के लिए। मू० १·२५ मात्र।

३—आधुनिक आहार-विहार, द्रव्य गुण-विज्ञान एवं चिकित्सा— मू० रु० ८.०० मात्र।

ग्राम सीरीज प्रकाशन—

१—नीम चिकित्सा विधान—मू० रु० १·०० मात्र। २—तुलसी चिकित्सा विधान-मू० १-०० रु० मात्र। ३-आयुर्वेदिक घरेलू चिकित्सा-मू० रु० ३·०० मात्र। ४-बबूल चिकित्सा विधान-मू० ५० पै० मात्र। ५-मधु चिकित्सा विधान—मू० ७५ पै० मात्र। ६—सुलभ देहाती नुस्खे—मू० रु० १·५० मात्र। ७—कब्ज या कोष्ठबद्धता—मू० रु० १-०० मात्र। ८—तुलनात्मक होमियो औषधि का चुनाव—मू० रु० १-५० मात्र। ९—सफल होमियो प्रेस्क्रिप्शन-मू० रु० १ मात्र। १०—जल चिकित्सा-मू० ७५ पैसे मात्र।

११—वृक्ष-विज्ञान चिकित्सा—ले० डा० राधाकृष्ण पाराशर। मू० रु० ३-०० मात्र।

१२—मवेशियों की घरेलू चिकित्सा-प्रस्तुत पुस्तक में गाय, भैंस, और बकरी, घोड़ा, मुर्गी आदि की ग्रामीण नुस्खों द्वारा चिकित्सा करने की विधि बताई गई है। मू० रु० २-०० मात्र।

१३—जन-स्वास्थ्य विज्ञान—हाइजिन संबंधी इस पुस्तक में स्वास्थ्य सम्बन्धी विवेचना पूर्णरूप से दिया गया है। मू० रु० ७·०० मात्र।

१४—छाछ चिकित्सा विधान—मू० रु० १-०० मात्र।

१५—नीबू चिकित्सा-विधान—इस पुस्तिका में नीबू के सामान्य परिचय, वर्गीकरण के अलावा उसके अनेक चिकित्सनीय प्रयोग दिये गये हैं। साथ ही नीबू से बनने वाले अनेक खाद्य प्रयोग भी दिये गये हैं। जैसे नीबू के अचार, शिकंजबीन आदि। मू० १-०० मात्र।

पुस्तक प्राप्ति स्थान—**मेडिकल पुस्तक भवन**

गोला दीनानाथ, वाराणसी।